

अस्ति की राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशितं

PUBLISHED BY AUTHORITT

सं ० 6] No. 6] नई दिल्लो, शनिवार, फरवरी 9, 1985 (माघ 20, 1906)

NEW DELHI, SATURDAY, FEBRUARY 9, 1985 (MAGHA 29, 1906)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जितने कि यह अनग संग्रनन के का में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III--खण्ड 1

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, निवन्त्रक और महातेखापरीक्षक, संव लोक सेवा आयोग, रेज विभाग और मारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्याल्यों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-10011, दिनाक 8 जनवरी 1985 सं० ए० 12025/1/84-प्रशा०-1-केन्द्रीय सचिवालय स्टेनोग्राफर सेवा के ग्रेड 'ख' की नियुक्ति के लिए सम्मिलित सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा, 1983 के आधार पर गृह मंत्रालय, कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग द्वारा संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग मे वरिष्ठ स्टे० से० का ग्रेड "ख") (के० स० के पद पर नामित किये जाने के निरणामस्वरूप देखें उनका का० ज्ञा० सं० 7-1-84-सी० एस० दिनाक 15 नवम्बर, 1984 राष्ट्रपति, विधि स्रीर न्याय मंत्रालय, विधिक कार्य विभाग के के० स० स्टे० से० के संवर्ग के ग्रेड "ग" स्टेनोग्राफर श्री एम० राम जोगेश (रैक: 77) को संघ लोक सेवा आयोग के के० स० स्टे० से० के संवर्ग मे ग्रेड 🎏 मे 28 नवम्बर, 1984 से आगामी आदेशों तक अस्थाई रूप से नियुक्ति करते हैं। इनकी नियुक्ति दिल्ली उच्च न्याया-लय, दिल्ली में लिम्बत 1975 की सिविल रिट याचिका सं० 284 हाकिम सिंह बनाम भारत संघ के निर्णय के अध्यक्षीन है।

> अवर सचिव (प्रशा०) संघ लोक सेवा आयोग

एम० पी० जैन

केन्द्रीय सतर्कता आयोग

नई दिल्ली, दिनाक 11 जनवरी 1985

सं० एन० 8 पी० आर० एस०-99-केन्द्रीय सत्तर्कता आयोग मे उनकी पदावधि समाप्त होने पर, श्री ग्रो० पी० शर्मा, आई० आर० एस० (इन्कम टैक्स: 1960), निदेशक, केन्द्रीय सत्तर्कता आयोग की सेवाये केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड राजस्व विभाग, वित्त मंत्रालय को दिनाक 11 जनवरी 1985 अपराह्न को सौपी जाती है।

कृष्ण लाल मलहोदा अवर सचिव कृत केन्द्राय सतर्कता मायुक्त

गृह मतालय

कार्मिक एव प्रशासनिक सुधार विभाग केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरी

नई दिल्ली, दिनांक 15 जनवरी 1985

स० ए० 19021/2 82-प्रशा०-5---गृह मंतालय द्वारा गठित विशोध अन्वेषण दल से प्रत्यावर्तन हो जाने पर, श्वी आर० पी० कपूर, ने दिनाक 1 जनवरी, 1985, के प्राह्म न से पुलिस अधीक्षक/सी० आई० यू०-1/केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरः, नई दिल्ली के रूप में कार्यभार ग्रहण कर लिया है।

> रामस्वरूप नागपाल प्रशासनिक अधिकारी (स्थापना) ——— केन्द्रीय अन्वेषण बृरो महानिदेशालय

. केन्द्रीय ग्रौद्योगिक सुरक्षा वल

नई दिल्ली-110003, दिनांक 16 जनवरी 1985

सं० ई०-16013(1)/1/85-कार्मिक—प्रतिनियुक्ति की अविध के आधार पर नियुक्ति होने पर, श्री श्रो० पी० भूटानी भा० पु० से० (उत्तर प्रदेश-1952) ने 10 जनवरी, 1985 के पूर्वाह्न से महानिरीक्षक (मुख्यालय), केन्द्रीय श्रीद्योगिक सुरक्षः बल, नई दिल्ली के पद का कार्यभार सभाल लिया।

(ह०) अपठनीय महानिदेशक के औं सु० व०

महानिदेशालय के० रि० पु० बल नई दिल्ली, दिनांक 18 जनवरी 1985

सं० ग्रो० दो 998/72—स्था०—श्री यशवन्त सिंह, सहायक कमांडेंट 6वीं बटालियन के० रि० पु० बल ने सरकारी सेवा से निवृत्त होने के फलस्वरूप दिनांक 31—12—84 (अपराह्न) से अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है।

सं० ग्रो० दो० 2001/85-स्था०—महानिदेशक, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस जल ने डाक्टर (श्रीमती) ज्योतिरमय लहोन को 7 जनवरी 1985 पूर्वाह्स से केवल तीन माह के लिए अथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक इनमें जो भी पहले हो उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कंनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्व रूप से सहर्प नियुक्त किया है।

दिनांक 19 जनवरी 1985

सं० ग्रो० दो० 1941/84—स्था०—महानिदेशक, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल, बाक्टर लक्ष्मन राव को 4 जनवरी 1985 पूर्वाह्न से केवल तीन माह के लिए अथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक इनमें से जो भी पहले हो उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कानिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप से सहर्ष गियुक्त किया है।

सं० ग्रो० दो० 1972/84-स्था०--मह निदेशक, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस गल ने डाक्टर रवीन्द्रा नाथ कामन को 4 जूनवरी 1985 पूर्वाह्न से केवल तीन माह के लिए अथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक इनमें जो भी पहले हो ज्या तारीख़ तक केन्द्रीय रिजुर्व पुलिस बल में कनिष्ठ

चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप से सहर्ष नियुवत किया है।

> ए० आर० महीपति सहायक निदेशक (स्थापना)

भारत के महारजिस्ट्रार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 17 जनवरी 1985

सं० 10/13/83-प्रणा०-1—राष्ट्रपति, नई दिल्ली में भारत के महारजिस्ट्रार का कार्यालय के अनुसंधान अधिकारी (मानचित्र) श्रीमती मिनाती घोष को उसी कार्यात्य में तारीख 4 जावरी 1985 के पूर्वाह्न से अनले आदेश तक पदोन्नति द्वारा अस्थ ई रूप से मानचित्र अधिकारी के पद पर सहर्ष नियुवत करते हैं।

 श्रीमतो मिनातीं घोष का मुख्यालय नई दिल्ती में होगा।

सं० 10/20/84-प्रशा०-1—राष्ट्रपति, नई दि ली में भारत के महार जिस्हार के कार्यालय में उप निदेशक (आंक हें संसाधन) के पर पर कार्यरत श्री एस० एन० चतर्वे शि को उसी कार्यालय में तारीख 4 जनवरी, 1985 के पूत्र हि ते एक वर्ष की अविधि के लिए या जब तक पर नियमित अधार पर भरा जाए, जो भी अविधि पहले हो, पूर्णतः अस्थाया ग्रौर तदर्थ आधार पर पदोन्नति हारा संयुक्त निदेशक (आंक हें संसाधन) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. श्री नतुर्वेदी का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।
3. उपरेक्त पद पर तदर्थ नियुक्ति श्री चतुर्वेदी को संयुक्त निदेशक (आंकड़े संसाधन) के पद पर नियमित नियुक्ति के लिए कोई हक प्रदान नहीं करेगा। तदां तौर पर संयुक्त निदेशक (आंकड़े संसाधन) के पद पर उनकी सेवायें उस ग्रेड में वरिष्ठता और आगे उच्च पद पर दोर्नात के लिए नहीं गिनी जाएंगी। उपरोक्त पद पर तदर्थ नयुष्ति को, नियुक्ति प्राधिकारी के विवेक पर किसी भी समय बिना कोई कारण बताए रद्द किया जा सकता है।

वी० एउट वर्गा भारत के महार्शास्ट्रार

भारताद लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग

क यालिय निदेशक लेखा परीक्षा केन्द्रीय राजस्व

नई दिल्ली-110002, दिनांक 22 जनवरी 1985

सं० प्रशा० 1/का० आ० संख्या 315—भारा के नियंत्रक महानेखापरीक्षक कार्यालय के क्षेत्र संख्या 7560— जी ई० 1/37/-84 दिनांक 20-11-1984 में विये रहे निर्णय के अनुसार और अधिस्चना संख्या प्रशासन 1/का० आ० संख्या 167 दिनांक 3-8-1984 के आंशिक शिक्षेत्र में, निदेशक निर्णय केन्द्राय राजस्व, नई दिल्ली ने इस कार्यालय के श्री कृष्ण कुमार शर्मा, अनुभाग अधिकारी की

650-30-740-35-880--द० रो०-40-1040 रुपये के वेतनगान में, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी के ग्रेड में (ग्रुग बी' राजपितत) एन० बा० ग्रार० के ग्रन्तर्गत दिनांक 1-3-1384 पूर्वाह से ग्रगले ग्रादेश तक प्रोफार्मा पदीन्नति के ग्रादेश दिये है।

दिनांक 27 दिसम्बर 1984

सं०प्रशा-1/का० ग्रा० संख्या 316—भारत के नियंत्रक महा-लेखा परोक्षक कार्यालय के पत्न संख्या 7569—जी० ई० 1/37—84 दिनांक 20—11—1984 में दिये गये निर्णय के अनुसार, निदेशक लेखापरीक्षक, केन्द्रीय राजस्त्र, नई दिल्ली ने इस कार्यालय के श्री एस० ग्रालुवालिया अनुभाग ग्राधकार्रः का 650—30—740—35—880 —द० रो०—40— 1040 रुपये के समयमान में, सहायक लेखापरीक्षा श्राधकारी के ग्रेड में (ग्रुप "बं।" राजपत्रित) एन० बी० ग्रार० के ग्रन्तर्गत दिनांक 1—3—1984 पूर्वाह्र से ग्रगले ग्रादेश तक प्रोकामी पदोन्नति के सहर्ष ग्रादेश दिये हैं।

> ह० अपठनीय च्य-निदेशक ले० प० (प्रशस्ति)

कार्यालय निदेशक लेखा परीक्षा, रक्षा रेवाएं नई विल्ली-110001, दिनाक 21 जनवर। 1985

सं० 4958/ए० प्रशासन/130/81-84-वार्धक्य, निृशृति श्रायुं प्राप्त करने पर श्रंः एस० रामाराव, स्थाई लेखा परीक्षा श्रष्टिकाराः, रक्षा सेवाएं दिनांक 30-11-1984 (श्रपराह) को सेवा निवृत्त हुए।

सं० 4959/ए-प्रशासन/130/81-84-निदेशक लेखा परीक्षा, रक्षा सेवाये, नई दिल्ला, निम्निलिखित अनुभाग अधिकारियों (आडिट)/सहायक लेखा परीक्षा अधिकारियों को, उनके सामने अंकित तिथि से, स्थानापन्न लेखा परीक्षा अधिकारे के रूप में, अगले आदेश पर्यन्त, सहर्ष नियुक्त करते हैं:--

क्रम संख्या नाम/पदनाम कार्यालय जहां नियुक्ति की तिथि नियुक्ति की गई है।

	ن <u>ى، ومدر ئوس ئوست الدي يسم</u> رون		ومسد أنسلط ويجهي أسيس ويبين ليجين والمائد أساحه أسيط يشدين أواشان ويسلط إنجين ليدا
1	2	3	4
सर्वश्र		•	

- (1) र्टा॰ नूरमहीउद्दीन, लेखा पलीक्षा अधि- 30-12-1983 श्रनुभाग ग्रधिकारा, कारी रक्षा सेवायें, (ग्राडिट) विशाखापतनम ।
- (2) डें एस० बिष्ट, संयुक्त निदेशक लेखा 31-1-1984 ग्रनुभाग ग्रधिकारी परीक्षा, (ग्रामीडट) रक्षा सेवायें, (पूर्वी कमान) पटना ।
- (3) वी॰ जयरमन, यथोपरि- 10-12-1984 सहायक लेखा परीक्षा ग्रधिकारी

1	2	3	4
सर्व	श्री		
	• •		

- (4) बी॰ एस॰ देव, संयुक्त निदेशक 15-12-1984 सहायक लेखा परीक्षा लेखा परीक्षा, अधिकारी रक्षा सेवाएं पूर्वी कमान पटना
- (5) देवेन्द्र सिंह, उप निदेशक, लेखा 28-12-1984 सहायक लेखा परीक्षा परीक्षा, प्रधिकारी रक्षा सेवायें (उत्तरी कमान), जम्मू ।

भगवान शरण तायल, संयुक्त निदेशक लेखा परीक्षा, रक्षा सेमें।एं

श्रम एवं पूनर्वास मंत्रालय श्रम ब्युरो

शिमला- 171004, दिनांक 2 फरवरी 1985

संख्या 23/3/84-सी.पी.आई.—िदसम्बर, 1984 में अद्योगिक श्रीमकों का अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (आधार वर्ष 1960=100) नवम्बर, 1984 के स्तर से सात अंक घट कर 588 (पांच सौ अट्ठासी) रहा। दिसम्बर, 1984 माह का सूचकांक (आधार वर्ष 1949=100 पर परिवर्तित किए जाने घर 715 (सात सौ पन्द्रह) आता है।

ज्तिन्द्र नाथ सर्मा संयुक्त निद्येषक श्रम ब्यूरों

वाणिज्य मंत्रालय

विकास ग्रायुक्त का कार्यालय
फल्ता एक्सपोर्ट प्रोसेसिंग जीन

कलकत्ता, दिनांक 1 दिसम्बर 1984

सं० एफ० ई० पी० जेड-8(14)/84-344():—विकास आयुक्त, फल्ता एक्सपोर्ट प्रोसेसिंग जोन, एतद्द्वारा श्री विलाप कुमार सेन, अन्वेषक, वाणिज्य तथा उद्योग विभाग, पिचम बंगाल सरकार, राईटर्स बिल्डिंग, कलकत्ता की दिनांक 1-12-84 के पूर्वाह्न से अन्तिम निर्णय की शर्तों के लिम्बत पड़े होने से प्रतिनियुक्ति तथा तदर्थ आधार पर 630-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो० 40-1200/- रुपये के वेतनमान में सहायक कार्यपालक के पद पर नियुक्त करते हैं।

जे० सान्याल, विकास श्रायुक्त

उद्योग मंत्रालय

श्रीद्योगिक विकास विभाग विकास श्रायुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 18 जनवरी 1985

सं० 12(48)/61—प्रशा०(राज०)—राष्ट्रपित, सखेद घोषणा करते हैं कि लघु उद्योग सेवा संस्थान, श्रीनगर के निदेशक (ग्रेड—II) श्री एन० टी० थडाना की 18 नवम्बर, 1984 को मृत्यु हो गई है।

र्सा॰ सी॰ राय, उप निदेशक (प्रशा॰)

नई दिल्ला, दिनांक 19 जनवरी 1985

सं० 12(457)/64-प्रशा० (राज०)--राष्ट्रपति, लघु उद्योग सेवा से तिचूर के सहायक निदेशक, ग्रेड-1 श्रे: एल० नरसिंहराव, (यांतिकी) को दिनांक 9-7-84 (पूर्वाह्न) से ग्रगले ग्रादेशों तक, उसा संस्थान में, उपनिदेशक (यांतिका) के रूप में तदर्थ ग्राधार पर नियुक्त करते हैं।

सं० 12(645)/70 प्रशासन (राजरांत्रित):—-राष्ट्रपति, लगु उद्योग सेना संस्थान, इलाहाबाद के उपनिदेशक श्री ए० रंगा राव (वैद्युत) को, दिनांक 12 (पूर्वाह) से, 6 माह को अवधि के लिये, उसी संस्थान में, तदर्थ आधार पर निदेशक ग्रेड-2 (वैद्युत) के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० ए०-19018(766)/84-प्रशा० (राज०):-विकास
प्रायुक्त लघु उद्योग सेवा, संस्थान, ग्रागरा के लघु उद्योग
संवर्द्धन, ग्रधिकारी श्री मुरिन्द्रजीत शर्मा (चमड़ा) को, दिनांक
26-11-84 (पूर्वाह्म) से, श्रगले ग्रादेशों तक, लघु उद्योग सेवा
संस्थान, मद्रास के ग्रधीन, सेंट्रल फुटवियर ट्रैनिंग सेंटर, मद्रास
में सहायक ग्रैड-2 (चमड़ा) के पद पर नियुक्त करते हैं।
एस० के० पुरकायस्थ,
उपनिदेशक (प्रशासन)

इस्पात, खान ग्रौर कोयला मंत्रालय खान ब्यूरो भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, दिनांक 18 जनवरी, 1985

सं० ए-19011(365)/85-स्था० ए०--राष्ट्रपित विभागीय पदोन्नित समिति को सिफारिश पर श्री एच० ग्रार० एस० राव, प्रशासन ग्रधिकारी को दिनांक 16 जनवरी 1985 के पूर्वाह्न से भारतीय खान ब्यूरो में स्थानापन्न रूप से वरिष्ठ प्रशासन ग्रधिकारी के पद पर सहर्ष पदोन्नित प्रदान करते हैं।

रा० के० शर्मा स० प्रशासन ग्रक्षिकारः कृते महानियंत्रक भारतीय खान ब्यरो

श्राकाशवाणाः महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 18 जनवरी, 1985

सं० 4/1/84-एस०-दो०-उस निदेशालय की ग्रिध-मूचना संख्या 4/1/84 एस०-दो दिनांक 24-2-1984 के ग्रनुकम में महानिदेशक, ग्राकाशवाणी, श्री ए० वा० शर्मा, 'सरोज' वरिष्ठ हिन्दी ग्रनुवादक, ग्रण्डमान एवं निकोबार प्रशासन, सचिवालय, पोर्ट ब्लेयर, जो कि इस समय प्रति-नियुक्ति पर तदर्थ रूप में 650-30-740-35-810द०-रो०-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रूपये के वेतनमान में हिन्दी अधिकारी के पद, आकाशवाणी में कार्य कर रहे हैं कि नियुक्ति को 27-1-1985 से आग्गामी एक एक वर्ष के लिये बढ़ाते हैं।

> मोहन फांसिस, प्रशासन उपनिदेशक कृते महानिदेशक

भाभा परमाणु अनुसन्धान केन्द्र कार्मिक प्रभाग

बम्बई, 400085, दिनांक 19 दिसम्बर 1984

सं० पी० ए०/73(2)/83-आर०-4/-एच-1321नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसन्धान केन्द्र डा० यशवन्त श्रीधर
देशपांडे को निवासी चिकित्सा अधिकारी पद भाभा परमाणु
अनुसन्धान के आयुर्विज्ञान प्रभाग में 13 दिसम्बर, 1984
पूर्वाह्न से तीन वर्ष की अवधी तक अस्थाई रूप में नियुक्त
करते हैं।

दिनांक 31 दिंसम्बर, 1984

सं० पी० ए० -79(17) 84-आर०-III- 2296-- नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसन्धान केन्द्र श्री प्रिभदास वरंदमल पमनाणी, स्थायी सहायक कार्मिक अधिकारी को 6 नवम्बर, 1984 पूर्वाह्न से आगामी आदेश होने तक रू० 840-40- 1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान क्रम में इसी अनुसन्धान केन्द्र में प्रशासन अधिकारी-II पद पर, स्थाना-पन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

बी० सी० पाल, उपस्थापना अधिकारी

बम्बई-400085, दिनांक 19 दिसम्बर, 1984

सं० आर०/775/स्था-II/5727—श्री राम निर्मलदास रामचन्दानी ने सहायक कार्मिक अधिकारी पद का पदभार 30-11-1984 अपराह्म को अधिर्वापता पर छोड़ दिया।

के० वेंकटकृष्णन, उप स्थापना अधिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग निर्माण ग्रीर सेवा वर्ग

बम्बई-400094, दिनांक 5 दिसम्बर 1984

सं० सी० एण्ड एस० जी०/ए/3(797)/8015—निदेशक, निर्माण श्रीर सेवा वर्ग, परमाणु ऊर्जा विभाग ने निर्माण श्रीर सेवा वर्ग में वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता ग्रेड एस० बी० के पद पर अस्थाई रूप से नियुक्त श्री पी० वी० क्षीर-सागर का त्यागपत्र 30 नवम्बर, 1984 के अपराह्न से स्वीकार कर लिया है।

एस० के० लिमये, प्रशासनिक अधिकारी

न्यूक्लिअर विद्युत बोर्ड ेबम्बई—5, दिनांक 31 दिसम्बर, 1984

सं० एन० पी० बी०/3(236)/84-प्रशासन 598—निदेशक (अभियांतिकी) कलअ विद्युत बोर्ड बम्बई, इस बोर्ड के स्थाई वैज्ञानिक सहायक "बीँ श्री संयद लियाकत अली को इसी बोर्ड में अगस्त, 1984 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश जारी होने तक वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता ग्रेड एस० बी के पद पर अस्थाई रूप से नियुक्त करते हैं।

आर० वी० वाजपेयी, सामान्य प्रशासन अधिकारी कृते निदेशक (अभियांत्रिकी)

राजस्थान परमाणु बिजलीघर अणुशक्ति, दिनांक 17 जनवरी 1985

सं० आर०ए०पी०एस० 09002/जी/62/84 स्थल/1817—
मुख्य अधीक्षक, राजस्थान परमाणु बिजली घर द्वारा इस बिजली घर
के स्थायी वैज्ञानिक सहायक (बी) एवं स्थानापन्न वैज्ञानिक
अधिकारी इंजीनियर ग्रेड एस० बी० श्री एच० के० भसीन
के नेमनल थर्मल पावर कारपोरेशन लिमिटेड, नई दिल्ली में
आमेलित होने पर दिये गये त्याग पत्न को स्वीकार किये
जाने के फलस्वरूप श्री भसीन ने राजस्थान परमाणु बिजली
घर में दिनांक 1 जुलाई, 1982 के पूर्वाह्न में अपने पद
का कार्यभार छोड़ दिया है।

आ० ना० कट्टी, प्रशासन अधिकारी (स्था०)

परमाणु खनिज प्रभाग

हैदराबाद-500016, दिनांक 18 जनवरी, 1985

सं प ख प्र-2/2858/79-प्रशा :--श्री राजा पीटर द्वारा परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग में

वैज्ञानिक अधिकारी ग्रेड एस० बी० के पद से दिया गया त्याग पत्र परमाण खनिज प्रभाग के निदेशक द्वारा 1-10-1984 के पूर्वाह्म से स्वीकार कर लिया गया है।

> एस० पद्मनाभन, वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

भारी पानी परियोजनायें

बम्बई-400008, दिनांक 1 जनवरी, 1985

सं० 05012/आर० 4/म्रो० पी/6:—भारी पानी परि-योजनाम्रों के प्रधान कार्यकारी, भारी पानी संयंत्र (तृतीकोरिन) के उच्च श्रेणी लिपिक, श्री ए० जोन स्टिफिन को इसी कार्यालय में, श्री जी० पदमनाभन, सहायक कार्मिक अधिकारी, जो छुट्टी पर हैं, के स्थान पर 22 अक्तूबर, 1984 (पूर्वाह्न) से 7 दिसम्बर, 1984 (अप०) तक के लिये अस्थाई रूप में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते है।

> श्रीमती के॰ पी॰ कल्याणी कुटटी प्रशासन अधिकारी

अन्तरिक्ष विभाग विक्रम साराभाई अन्तरिक्ष केन्द्र

तिरूवनन्तपुरम-22, दिनांक 2 जनवरी 1985

सं० वी० एस० एस० सी० /स्था/एफ 1(17)—निदेशक, वी० एस० एस० सी० अन्तरिक्ष विभाग के विकम साराभाई अन्तरिक्ष केन्द्र तिरूवनन्तपुरम में निम्नलिखित कर्मचारियों को वैज्ञानिक/इंजीनियर "एस० बी." के पद पर रु० 650—30—740—35—810—द० रो०—35—880—40—1000—द० रो०—40—1200 के ग्रेड में 1 अक्तूबर, 1984 के पूर्वाह्म से स्थानापन्न रूप में अगामी आदेश तक पदोन्नति में एतदद्वारा नियुक्त करते हैं।

ऋम सं०	नाम	प्रभाग परियोजना
1. श्री एम	० वी सोलमन	ई० एफ० एफ०
2. श्री तोग	नस के॰ तोमस	ई० एफ० एफ०
3. श्रीवी	 जर्नादनन नायर 	ई० एल० एस०
4. श्री एम	० मानुवेल नाडार	ई० एल० एस०
5. श्री के०	जी० गोपिनाथन	आई० एस० आई०
6. श्री के	तोमस वर्गीस	आई० एस० आई०
7. श्रीके	के० कृष्ण कुमार	आर० पी० सी०
.৪. श्री जा	र्ज के० मात्यू	सी० एम० एफ०
9. श्री एन	० रामचन्द्रने नायर	ए० एस० डीँ०
10. श्रीएम	ा० डी० जोस	ए० पी० ई० पी०

ऋम सं० नाम	प्रभाग परियोजना
11. श्री डब्ल्यू०अलफोन्स 12. श्री वाई० गेन सामुबल दास 13. श्रीमती के० पी.० तंकी 14. श्री ए० के० भास्करन 15. श्री पी० जी० तोपीनाथ वास्यिर 16. श्री के० श्रीकुमारन नायर	आई० पी० डी० पी० ई० डी० पी० ई० डी० आर० पी० पी० क्यू० सी० डी० क्यू० सी० डी० जी० एस० एस०/टेलस
18. श्रीमती एम० एल० पुष्पकुसारी	टेलर्स/आई० आर० ई० एक्स०
19. श्री के० एस० शांतिकृमार 20. श्री एन० सत्यशीलन	मेट/टेलर्स वी० एफ० टी०/टेलर्स
 शृ एन० रामचन्द्रन श्रीमती सत्यभाषा कीर्तिकेपन 	ं एस० पी० एल० [ं] एस० पी० एल०
23 श्री ब्रह्मानन्द गोला 24 श्री आर० सोगे मृत्	ए० एस० एल० वी० ए० एस० एल० वी०
25. एस० सोलमन चारा चन्द्र।	एल० पी० टी० एफ०/ एल० पी० पी०

जी० मुरलीधरन, नायर प्रशासन अधिकारी–II (स्था०) कृते वी० एस० एस सी० निदेशक,

महानिदेशक नागर त्रिमानन का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 11 दिसम्बर, 1984

सं० ए० 32014/4/83-ई० ए०:—महानिदेशक नागर विमानन ने निम्नलिखित सहायक विमान क्षेत्र अधिकारियों की तदर्थ नियुक्ति दिनांक 25-5-1985 तक छः मास की अविध के लिये अथवा पद के नियमित आधार पर भरे जाने तक, इनमें से जो भी पहले हो, जारी रखने की मंजूरी दी है:—

- 1. श्री अमरजीत सिंह,
- 2. श्री पी० एन० बहुगुणा
- 3. श्री एम० एस० नारंग
- 4. श्री एस० पी० गौतम
- 5. श्री राजा राम
- 6. श्री एस० के० तालुकदार
- 7. श्री आर० आर० क्रील
- 8. श्री बी० सी० मंगहरे
- 9. श्री पी० के० मुखर्जी
- 10. श्री एस० के० सरकार
- 11. श्री पी० सेनग्प्ता
- 12. श्री एल० सो० असलिया

दिनांक 10 जनवरी, 1985

सं० ए० 32013/9/84-ई० ए०:—महैं। निदेशक नागर विमानन ने श्री सी० एस० मैंक उपनिदेशक को बम्बई से स्थानान्तरण हो जाने पर तत्काल श्रीर अन्य आदेश तक क्षेत्रीय नियंत्रक विमान क्षेत्र, कलकत्ता एयरपोर्ट, कलकत्ता के पद पर नियुक्त किया है।

सं० ए० 32013 9 84-ई० एस०:—महानिदेशक नागर विमानन ने श्री आर० कृष्णामूर्ति, उपनिदेशक बम्बई को तत्काल और अन्य आदेश होने तक क्षेत्रीय नियंत्रक विमान क्षेत्र, वम्बई, एयरपोर्ट, बम्बई के पद पर तनात किया है।

बी० भौमिक सहायक निदेशक प्रशासन कृते महानिदेशक नागर विमानन

नई दिल्ली-16, दिनांक 16 जनवरी 1985

सं० 11019/1/77-ई० एस०:—महानिदेशक नागरं विमानन ने श्री मणि की हिन्दी अधिकारी के ग्रेड में की गई तदर्थ नियुक्ति दिनांक 1-5-1984 से 3-9-84 तक की ग्रीर अवधि के लिये जारी रखने की मंजूरी दी है।

बी० भौमिक सहायक-निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 18 जनवरी, 1985

सं० ए० 32013/1/84-ई० सी०(.):—इस विभाग की दिनांक 31 जुलाई, 1984 और 17 अक्तूबर, 1984 की अधिसूचना सं० ए० 32013/1/84-ई० सी० के कम में, राष्ट्रपति निम्नलिखित अधिकारियों की संचार अधिकारी के ग्रेड में की गई तदर्थ नियुक्ति के नाम के सामने दी गई तारीख से छः माह की अविध के लिये अथवा पदों के आधार पर भरे जाने तक, इनमें से जो भी पहले हो, जारी रखने की स्वीकृति दी है:—

क्रम सं० नाम	तारीख
सर्वश्री	The same and the same are s
1. एस० मजूमदार	28-12-84
2. ए० के० गोस्वामी	1-12-84
 वाई० बी० भोपटकर 	26-1-85
 एम० एस० नायर 	29-12-84
5. जे० एस० सन्धु	6-12-84
 जी० मुथुलिंगम 	1-12-84
7. एम० सी० अन्तानी	1-12-84
8. रामचन्द्र	17-1-85
9. एम० एल० चौपड़ा	4-12-84
10. के० एल० करमारकर	27-3-85
11. एस० बी० चक्रवर्ती	29-12-84

1	
क्रम सं० नाम 	तारीख
सर्वेश्री	,
12. बी० एस० गुसाई	7-12-84
13. एस० एन० भागक्त	1-12-84
14. बी० बी० पारकर	1-12-84
15. ए० के० बनर्जी	1-12-84
16. एस० के० दास	1-12-84
17. एस० वी० चोलकर	26-3-84
18. एल० एस० गोविला	30-12-84
19. डी० के० चौधरी	1-12-84
20. वी० आई० राममूर्ति	29-12-84
21. ए० एन्० विशवास	31-12-84
22. बी० एन० सरकार	22-12-84

2. उपर्युक्त अधिकारी संचार अधिकारी के ग्रेड में अपनी तदर्थ नियुक्ति बढाई जाने के फलस्वरूप इस ग्रेड में नियमित नियुक्ति का दावा करने के हकदार नहीं होंगे ग्रीर इस आधार पर की गई सेवा न तो वरीयता के प्रयोजन के लिये ग्रीर न ही अगले उच्चतम ग्रेड में पदोन्नति की पान्नता के लिये गिनी जायेगी।

सं० ए० 32014/5/84—ई० सी०:—महानिदेशक नागर बिमानन ने निम्निजित संचार सहायकों (जो इस समय तदर्थ आध र पर सहायक संचार अधिकारी के रूप में कार्य-रत हैं को द्विनांक 3 जनवरी, 1985 के अन्य आदेश होने तक रु० 650-1200 के वेतनमान में सहायक संचार अधिकारी के ग्रेड में नियमित आधार पर नियुक्त किया है:—

ऋम	संख्या	नाम

सर्दश्री

- 1. जे० एच० नायर
- 2. आर० पी० जोशी
- 3. बलबीर सिंह
- 4. के० एस० एन० अय्यर
- 5. डी० एन० हलदर
- 6. ग्रार० अरूल प्रागशाम
- 7. पी० के० दास (अनु/० जाति)
- 8. ज़ी॰ एरेन्नः (अनु॰ जाति)
- 9. जि० वी० कृष्णन (अनु० जाति)

वी० जगचन्द्रेन, सहायक निदेशक प्रशासन

केन्द्रीय उत्पादन ग्रीर सीमा शुल्क समाहर्तालय वडौदरा, दिनांक 1 जनवरी 1985

सं० 19/1984:—श्री एम० सी० भंडारी, अर्धक्षिक, केन्द्रीय उत्पादन स्रौर सीमा शुल्क (वर्ग - "ख") मण्डल-III, सूरत वृद्धावस्था में पेंशन की आयु प्राप्त होने पर दिनांक 31-12-1984 के अपराह्म से निवृत्त हो गये हैं।

· एन० बी० सोनावणे, सपाहर्ता

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली-110066, दिनांक 16 जनवरी 1985

सं० ए०-32012/1/84-स्था०पांच (खण्ड दो):— विभागीय पदोन्नित समिति (समूह ख) की सिफारिशों पर, अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग, केन्द्रीय जल आयोग में ट्रार्थ आधार पर स्थानापन्न रूप में कार्यरत निम्नितिख्त अधिकारियों को अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर (सिविल यांतिकी) को 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० द० रो०-40-1200 रुपये वेतनमान में, अन्य आदेशों तक उसी ग्रेड में 31 दिसम्बर, 1984 की पूर्वाह्म से नियमित आधार पर नियुक्त करते हैं:—

जहां कार्यन्त हैं

सलाहकार समन्वय निदेशालय

सर्वश्री	
1. आर० के० इटारिया	अन्वेषण सकिल एक
2. एम० के० धर	सिंचाई निदेशालय
3. बी० एस० भण्डारी	जलवैज्ञानिक प्रेक्षण एवं आयोजन
s.	विकास यूनिट, नई दिल्ली:
4. के० बी० के० जैन	जल संसाधन समुदो निदेश:।लय
5. बी० वी० रंगैं ^{ट्} या	जलवैज्ञानिक प्रे० एवं वा०
•	पू० (दक्षिण) (सर्किल)
 जी० बी० बालकृष्णन 	जलवैज्ञानिक प्रे० एवं बा०पू०
	(केन्द्रीय) सर्किल
7. बी० आर० रेड्डी	जलवैज्ञानिक प्रे० एवं बा० पू०
1	(दक्षिण) सकिल
8. एस० डी० गुप्ता	चनाव अन्वेषण सिकलि
9. एन० एन० सरकार	दामोदर घा० जला० नियंत्रण
	एवं बाढ़ पूर्वा० सिकल, मैथन
10. के० एल० धर	आयोजन ग्रौर विकास सर्किल,
	नई दिल्ली।
11. मोहन कुमार	आयोजन ग्रौर विकास सर्किल,
	नई दिल्ली।
12. माधो लाल	तकनीकी परीक्षण एक निदेशालय
13. जी० एस० श्री हान्तेश्वरन	जलवैज्ञानिक प्रे० एवं बा० पू०
	(केन्द्रीय) सिंकल
_	

14. कालीराम गुप्ता

सर्वेश्री	जहाँ कार्यरत है
15. राजेम्द्र प्रसाद	अस्वेषण सिंकल-एक
16. भ्रो०पी० सिंह	जल संसा० एवं बा०पू० सर्किल, वाराणसी।
17. एम० के० नायर	अन्वेषण सर्किल-दो
18. आर० के० बर्मन	बाढ़ नियंत्रण–एक
19. आई० डी० सिंह	गंगा बाढ़ नियंत्रण आयोग, पटना,
20. आर० एस० वर्मा	अन्वेषण सर्किल-एक
21. पी० प्रभाकरन	जलवैज्ञानिक प्रे० एवं बा० पू० (दक्षिण) सर्किल
22. ए० के० घोष	दा० घा० जला० नि० एवं बा०पू०सर्किल,मैथन
23. एस० के० चकलादर	नींव इंजोनियरी निदेशालय
24. एस० डी० एस० हूडा	पी० सी० पी० निदेशालय
25. के॰ मुरलीधरन	जलवैज्ञानिक प्रे० एवं बा० पू० सर्किल, नागपुर
26. एस० एस० सिंह	बा० नियंत्रण-एक निदेशालय
27. कान्ता प्रकाश	आयोजन ग्रौर प्रगति-एक निदे
28. आई० एन० अग्रवाल	ई० आर० डी० डी० -2 , निदेशालय
29. वीरेन्द्र पाल	जल संना० एवं बा० पू० सर्किल, नई दिल्ली
30. एस० सी० गुप्ता-दो	अन्वेषण। सिकल -एक
31. जोगेन्द्र सिंह	फाटक अभिकल्प –दो निदेशालय
32. जे० आर० दीवान	आयोजन एवं विकास (पंचेश्व ₎ नई दिल्ली
33. बिस्वपथी बासु	ज़ल संगाधन एवं बा० पू० सर्किल, गोहाटी
34. पी० के० मजूमदार	आयोजन स्रौर प्रगति–दो निदेशालय
35. बी॰ सी॰ दत्ता	आयोजन ग्रौर प्रगतिः –दो े निदेशालय
36. जी०सी० राय	जल संसाधन एवं बा ०पू ०सकिल, नई दिल्ली
37. एस० आर० सरकार	जल विद्युट सिविल अभिकल्प. दो निदेशालय
38. ज्योदिभेय डे	ई० आर० डी० डी० –दो निदेशालय
39. डी० पी० नाग	बाढ़ नियंत्रण (मानी०) निदेशालय
40. एस० के० मुखर्जी	ई० आर० डी० डी०-एक निदेशालय

सर्वंश्री	जहां कार्यरतः है
41. ब्रजगोपाल सिन्हा	सी० एम० डी० डी०-दो निदेशालय
42. फुलेन्दु राय	जनविद्युत सिविल अभिकल्प —– एक निदेशालय
43. बी० के० सिन्हा	तकनीकी परीक्षण–एक निदेशालय
44. श्याम प्रसाद बासु	राष्ट्रीय जल योजना निदेशालय
45. ए० आर० सरकार	एस० आर० सी०; पटना
46. आर० एन० दक्षी	नदी विकास (सं० न० आ०-)₌ अन्वेषण सर्किल
♣7. आर० एन० चन्दा	गंगा बाढ़ नियंत्रण आयोग, ∖पटना
48. दिलीप कुमार दास	सलाहकार समन्वय निदेशालय
49. डी० सी० मण्डल	जल संसाधन एवं बाढ़ पूर्वानु- मान, सर्किल, गोहाटी

- 2. उपर्युक्त अधिकारी उपरोक्त टारीख से दो वर्ष की अविध के लिये केन्द्रीय जल आयोग में अितरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर के ग्रेड में परिविक्षा पर रहेंगे।
- 3. उपर्युक्त अधिकारियों की पदोन्नति कलकता के माननीय उच्च न्यायालय में विचाराधीन सिविल रूल नम्बर 10823 (डब्ल्यू०) के निर्णय के अध्यधीन हैं।
- 4. वे अधिकारी जो, निचले पद के वेतनमान में अगली वेतनबद्धि की संभूमि की दारोख पर मूल नियम—22 (ग) के उपबन्ध के आधार पर अपना वेतन पुत्तिनयत करवाने के इच्छुक हों, उन्हें गृह मंत्रालय (कार्मिक एवं प्रशासन सुधार विभाग) के का० ज्ञा० सं० 7/1/80—स्था० पी० एफ० दिनांक 26—9—1981 के साथ पठितः कार्यालय ज्ञापन सं० एफ० 13/26/82—स्था० पा० एफ०, दिनांक 8—2—83 में विहित प्रावधानों में यथा पेक्षित ऐसे पुननियदन हेत अपन विकल्प नियमित पदोन्नित की दारीख से एक माह के अन्दर अन्दर दे देना चाहिये।

दिनांक 18 जनवरी, 1985।

सं० ए०-19012/10/64/84-स्या० पांच:--अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग एटद्द्वारा श्री एस० एन० झा पर्यवेक्षक को रू० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेदनमान में पूर्णत्या अस्थाई एवं तदर्थ आधार पर अदिरिक्द सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर (इंजी०) के ग्रेड में स्थानापन्न रूप में 29-5-1984 की पूर्वाह्न से एक वर्ष की अवधि अथवा पद के नियमित आधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हो, नियुक्त करते हैं।

मीनाक्षी अरोडा अवर सचिव केन्द्रीय जल उद्योग औरकम्पनी कार्य मंत्रालय (कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम 1956 श्रीर प्रगति मिनरल्स प्राइवेट लि० के विषय में

पटना, 800001-दिनांक 16 जनवरी 1985

सं० 679/560/827—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि प्रगति मिनरत्स प्रा० लिमिटेड का नाम आज कम्पनियों के रिजस्टर से काट दिया गया है ग्रौर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 ग्रौर मैचलेस जनरल फाइनेन्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

पटना-800001,दिनांक 16 जनवरी 1985

सं ॰ 1228/53/560—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसार में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि मैंचलेस जनरल फाइनेन्स पाइवेट लिमिटेड का नाम आज कम्पनियों के रिजस्टर से काट दिया गया है ग्रीर उक्त कम्पनी विघटित की गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 श्रौर धर्मावन्ध कोल एजेन्सीज प्रा० लिमिटेड के विषय में

पटना-800001, दिनांक 17 जनवरी 1985

सं० 719/560/830-- कम्मनी अधिनियम 1956 की की धारा 560 की उप धारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा सुचना ही जाती है कि धर्मवन्धं कील एजेन्सीज प्रा० लिमिटेड का नाम आज कम्पनियों के रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्मनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधितियम 1956 ग्रीर मोनाक क्रेडिट एण्ड इन-वेस्टमेंट कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

पटना-800901, दिनांक 17 जनवरी 1985

सं० 1066/50/836—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि मोनार्क केडिट एण्ड इन्वेस्टमेंट कं० प्रा० लिमिटेड का नाम आज कम्पनियों के रिजस्टर से काट दिया गया है ग्रीर उक्त कम्पनी विधित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 श्रीर मौनिंग स्टार फाईनान्सर्स प्राइवेट किसिटेड के विषय में

पटन:-800001, दिनांक 17 जनवरी 1985

सं० (1055)/560—कम्प्रती अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि मौनिंग स्टार फाइनान्सर्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज कम्पनियों के रजिस्टर के काट दिया गया है ग्रौर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

ए० वहाँब अन्सारी; कम्पनी रजिस्ट्रार, बिहार पटेंना

कम्पनी अधिनियम 1956 श्रौर दमदम फाइनेंस प्राईवेड लि० के विषय में

कानपुर, दिनांक 19 जनवरी 1985

सं० 3140 एंने० सी०/470—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद् द्वारा में स्चारा में एतद् द्वारा में स्चारा दी जाती है कि इस तारीख से तीम माह के अवसान पर दमदम फाइनेन्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिश्त न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायेगा भीर उन्त कम्पनी विषटित कर दी जायेगी।

वी० पी० क्षपूर, कम्पनियों का रजिस्ट्रार कानपुर प्ररूप बाहें .टी .एन .एस . -----

नायकर निधानियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के नधीन स्थान

भारत सरकार

कार्यात्य, सहायक वायकार वाय्वत (निरीक्षण) अर्जनरेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांवः 5 जनवरी 1985

निर्देश सं ० आई ० ए० सी० /एक्यू ०/3/3 ७ईई/5-84/317----यतः, मुझे, जी० एस० गोपाल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचितः बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 1-बामेंट, है, तथा जो 15ए/20 करोल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणा है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अजन रेंज-3, नई दिल्ली में आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख मई, 1984

- कीं प्रविक्त संपत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के क्यमान व्रतिकल के लिए अन्तर्रित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वे नित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया गया वितकल निम्नतिक्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण विविद्य से बास्तिकल किम्मतिक्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण विविद्य से बास्तिकल क्ष्य से कथित नहीं किया गया है:---
 - (क) अन्तरण में हुई किमी जाग की बाबत उक्त अभिनियम के बचीन कर दने के अन्तरक अर्थ दापित्व के उसी करने या उससे उचने में सुविधा के लिए, बौर/या
 - (क) एसी किसी जाय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय नाय-कर किनियम, 192? (1922 का 11) या उक्त लिधिनियम, या धन-कर खिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने सें धिर्था के जिए;

बतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के जनुसरण करें, जैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की तुपभारा (1) के अधीन, निक्तिलिक्ति व्यक्तियों, त्रभात्: मैं० राजेन्द्रा जैना टावर प्रा० लि०, एन-52ए, कनॉट प्लेस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

श्री ची० के० सरफ,
 24/157, शक्ती नगर, दिल्ली-110007।

(अन्तिरती)

को वह सूचना बारी करके पृक्षोंक्स सम्पत्ति के ज्वान के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के लर्बन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षण:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वी तह या जितराँ में से किसी ब्यदिश द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तत्रीख से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्मत्ति में हिदबद्ध किसी अन्य व्यक्तित् द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास विशेष को विशेष का सकीये।

स्पथ्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों कीर पदों का, ो उन्तर बाधिनस्म के बच्चाय 20-क में पुरिभाधित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्था है।

वनुस्ची

आर० पी० बी०-1, बसमेंट, 15 ए/20 डब्ल्यू० ई० ए० अजमल खा रोड, करोल बाग, नईदिल्ली नादादी 93वगफोट।

जी० एस० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), अजन रेज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीच : 5-1-1985

मोहर 🔞

प्ररूप बाई ् टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 जनवरी 1985

निर्देश सं० आई०ए० सी॰/एक्यू०/3/37 ईई/5-8 4/3 18— यतः, मुझे, जी० एस० गोपाल,

वायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवात् उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भाग 269-भ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 9, बेसमेंट, है, तथा जो डब्ल्यू० ई० ए०, करोल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यात्म, अजन रज-3, नई दिल्ली में आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख मई, 1984

को प्रवंकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमाम प्रतिफरा के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के सिए; और/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकहर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धव-कर अधिनियम, या धव-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के निष्धः

बत: बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग कै अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के बधी न निम्किनियम क्योक्तियों, अर्थात क्या मै॰ राजेन्द्रा जैना टावर प्रा॰ लि॰, एन॰:52 ए, कनॉट प्लेस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. डा॰ राज कुमार सम्बदेवा, निवासी--55/23, ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिक् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के ट्राज्यन में प्रकाशन की तारील के 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पद्धीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याद में दिया गया है।

ग्रनुसूची

प्रो० नं० आर० पी० बी०-19, बेसमेंट, डब्ल्यू० ई० ए० करोल बाग, नई दिल्ली, तादादी 68 वर्ग फीट।

> जी० एस० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 5-1-1985

मोहर 🗓

म्रस्य बाद्द . टी . एन . एस . -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 जनवरी 1985

निर्देश सं ० आई ० ए० सी ० / एवयू ० / 3 / 37 ईई / 5-84 / 347 थस:, मुझे, जी ० एस० गंजल,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावत संपित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं ० जी-19 है, तथा जो पश्चिम विहार, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजत है), रिजस्ट्री जर्ता अधिकारी के आर्यालय, अर्जन रेज-3, नई दिल्ली, में आयार अधिनयम, 1961 के अधीन, तारीख मई, 1984

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तर्भ से हुई कियी जाव की बावत, तक्स अधिनिष्म के अधीन कर दोने के बन्तरक के दावित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा को लिए; और/या
- (का) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना चाहिए था, छिपने में सुनियम के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

मैं जैना प्रोपटींज प्रा० लि०,
 आदिनाथ श्री हाउस, अपो० सुपर बाजार,
 कनॉट नर्कस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री सत्य पाल नन्दा और श्रीमती समला नन्दा, निवासी - ए-45, बी० भाग-11, अशोक विहार, दिल्ली।

(अन्तरिर्ता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन् के १ लूप कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीख **र्स** 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टोकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अनुसूची

प्रो॰ नं॰ जी-19, तादादी 90 वर्ग फीट, ग्राउण्ड फ्लोर, पश्चिम विहार, नई दिल्ली।

> जीव एसव गोपाल सक्षमं प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 5-1-1985

मोहर :

प्ररूप आइ. टी. एन. एस.----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजन रेंज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 5 जनवरी 1985 निर्देश सं० आई०ए०सी०/एक्यू०/3/37ईई/5-84/343---यतः, मुझे, जी० एस० गोपाल,

ुआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख क्षे अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वार करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 324/3 है, तथा जो जना टावर, जनदापुरी, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप ने विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में आयर अधिनरम 1961 के अधीन, नारीख मई, 1984

- कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार म्ल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके एश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——
 - (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्वं मों कमी करने या उससे यचने मों गृथिया के लिए; और/या
 - (का एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— मै० जैना प्रापर्टीज प्रा० लिं०,
 504, रोहित हाऊस, 3 टोलस्टाय मार्ग,
 नई दिल्ली।

(अन्तरक)

श्रीमती स्तिन्दर कौर,
 215/सक्टर 11-ए, चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

प्लाट नं० 324, हाऊस नं० 3, जना टावर, जनकपुरी, नईदिल्ली, तीसरी मंजिल, तादादी, 480 वर्ग फिट।

जी० एस० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरोक्षण) भ्रजेन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 5-1-1985

मोहर:

प्ररूप वार्दः टी. एन. एस. -----

जायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 5 जनवरी 1985

निर्देश सं अ अई ० ए० सी ० / एक्यू ० / 3 / 37 ईई / 5-84 / 314 यत:, मुझे, जी ० एस० गोपाल,

सहायक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिस्की सं० 220 है, तथा जो डब्ल्यू० ई० ए० करोल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में आयकर अधिनियम, 1961 के अधिन तारीख मई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए राजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय राजाजिनगर में धारा 269 ए. बी. के अंतर्गत सक्ष्म अध्कारी के सम्मुख/के पास रिजस्ट्रीकृत किया गया है मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उन्हें अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक वं दायित्य में कमी कारने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 1!) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के निए।

- मैं० राजेन्द्रा जैना टोवर प्रा० लि०, एन० -52 ए, इनॉट प्लेस, नई दिल्ली । (अन्तरक'
- श्री भंजीव कुमार सरफ,
 निवासी-24/157, शक्ती नगर, दिल्ली-7 ।
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ा-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिगा गया है।

अन्सूची

आर० पी० बी०-220, डब्ल्यू० ई० ए, अजमल खां रोड, करोल बाग, नई दिल्ली-तादादी 55 वर्ग फीट।

> जीव एसव गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रज-3 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण के अधीन, निम्नलिस्ति व्यक्तियों, अर्थात् :---के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख: 5-1-1985

मोहर 🛚

प्रक्ष बाई . टी. एन . एस . - -- -

जायकर बाँधनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर बायुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 जनवरी 1985

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०/3/37ईई/5-84-319—म्रतः मुझे, जी०एस० गोपाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त जिसका उचित बाजार मूल्य 45,000/- रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० 109ए, है तथा जो 15ए/20 डब्ल्यू०ई० ए० करोल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध स्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, सर्जन रेंज-3, नई दिल्ली, भारतीय स्रायकर स्रधिनियम 1961 के अधीन तारीख मई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके ह द्रश्यमान प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिकों (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त बिध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बाँड/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय नायकर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या जन्त अधिनियस, या धन-कर अधिनियस, या धन-कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या दा किया कामा चाहिए था, छिपाने से स्विधा के जिए;

बंतः बंब, दक्त श्रीविनयम की बारा 269-न में अनुहरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) चे बंधीन, निम्नणिकित व्यक्तिमों, अधीत् :--- 1. श्री राजेन्द्रा जैना टावर प्रा० लि० एन०-52ए, कनॉट प्लेस, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

 श्री पी० पी० गुप्ता निवासी, 1283 लक्ष्मी गली, एस० पी० मुखर्जी मार्ग, दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स सं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचनः की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थात्रर संपत्ति में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति दवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्नर अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिवाधित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

श्रार० पी० बी०-109ए०, प्लाट 15ए०/20 ई० ए० श्रजमल खां रोड़, करोल बाग, नई दिल्ली, तादादी 45 वर्गफीट।

> जी० एस० वाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 5-1-1985

मोहर 🕸

प्ररूप आई. ट. एन. एस. - - ---

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 जनवरी 1985

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०/3/37ईई/5-84/ 320---म्रतः मुझे, जी० एस० गोपाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रहा में अधिक हैं

भीर जिसकी सं० 214बी, है तथा जो 15 ए०/20 करोल वाग, नई दिल्ली, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विगत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, धर्जन रेंज-3, नई दिल्ली भारतीय श्रायकर श्रधिनियम 1961 के अधीन तारीख मई 1984

को प्वींक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित् बाजार मृत्य, उसके द्रियमान प्रतिफल सं, ऐसे द्रियमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (कः) बनारण संहुई किसी अध्य की भावत उक्त आधि-नियम के अभीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (त) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अवोजनार्थ अन्तरिती द्वारा एकट नहीं किय। एया था या किया जाना चाहिए था लिएनों में स्विधा के लिए:

अा अब, इवत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुकरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— . 1. राजेन्द्रा जैना टावर प्रा० नि० एन-52ए, कनॉट प्लेस. नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

 श्री ग्रमर नाथ बजाज, निवासी 10815 झन्डेवालन रोड़, पहाड़ गंज, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अजन के लिए कार्यवाहिमां शुरू करता हूं।

जक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीज में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त कृति हो, के भीतर पूर्विकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्पना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीख रें 45 दिन के भीतर एकः स्थावर सम्पत्ति मो हित- बद्धा कसी अन्य व्यवित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के एक निर्वास मो जिल्ला मा किए जा सकोरी

स्पद्धीकरणः---इसमी प्रयुक्त शब्दा और पद्धी का, जो उक्त अधिरित्यम, हे अध्याप 2:)-रू मी परिशाणित हो, बही अधिरित्या को उस अध्याय मी दिया बहा ही।

गन्स्ची

ग्रार० पी० बी०-214 बी०, प्लाट 15ए/20 डब्ल्यू० ई० ए० ग्रजमल खाँ रोड़, करोल बाग, नई दिल्ली, तादादी 28 वर्गफीट।

> जी० एस० गोपाल सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर स्नायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 5-1-1985

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस .-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा भारा 269-व (1) के बुधीन सूचना

भारत सरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 जनवरी 1985

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/3/37ईई/584/321---अतः मुझे, जी० एस० गोपाल

कायकर ब्धिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं 13ए, है तथा जो 15ए/20 करोल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इसने उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय श्रजन रेंज-3, नई दिल्ली भारतीय श्रायकर श्रधिनियम 1961, के अधिन तारीख मई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा स्या प्रतिकस, भिम्निविद्या उद्देश्य से उक्त अन्तरण दिव्या में वास्तिक क्ष से कमित नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के लन्तरक के दामित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (च) एसी किसी बाय या किसी धन वा बन्य बास्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था. जिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, धक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, अक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों अधीत :---- 3-446GI/84

 राजेन्द्रा जैना टावर प्रा० लि० एन-52ए, कनॉट प्लेस, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरंक)

 श्री ग्रमृत पाल सिंह, निवासी-2/67 रमेश नगर, दिल्ली-15।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोद्धः सम्पित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है के 45 दिन की अविध् या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपुत्र में प्रकाशन की तारीं के के 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुभ-किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखत में किए जा सकरो।

स्पस्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त षब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम देशभ्याय 20-क में परिभाषिठ है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अभ्याय में दिया ग्या है।

वनस्यी

न्नार० पी० बी-13ए (बेसमेंट) 15ए/20 डब्ल्यू० ई० ए० म्रजमल खां रोड़, करोल बाग, नई दिल्ली-तादादी 68 वर्गफीट।

> जी० एस० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण ग्रर्जन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

नारीख: 5-1-1985

मोहर 🛭

अरूप आईं.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 जनवरी 1985

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०/3/37ईई/5-84/322---म्रतः मुझे, जी० एस० गोपान्य,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गंया है), की धारा 269--स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समंत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25.000/- रा. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० 26/15ए/20, है तथा जो करोल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्व अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ती स्रधिकारी के कार्यालय, स्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली, भारतीय स्रायकर स्रधिनियम 1961 के स्रधीन तारीख मई 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित वाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्रवांक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तक पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यवितन्तरे. अर्थात :—

1. राजेन्दर जैना टावर प्रा० लि० एन-52ए, कनॉट प्लेस, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

 श्री ग्रनिल वोहरा, निवासी-37-डी, कमला नगर, दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारों करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध सा तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगें।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

स्रार० बी० पी०-26, बेसमेंट, 15ए/20 डब्ल्यू० ई० ए० करोल बाग, स्रजमल खारोड़, नई दिल्ली, तादादी 68 वर्ग फीए।

> जी० एस० गोपाल सक्षम प्राधिकारो सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-1┪0002

तारीख : 5-1-1985

मोहरः

प्रस्य बाई'.टी.एन.एसं.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 जनवरी 1985

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/3/37ईई/5-84/323---ग्रतः मुझे, जी० एस० गोपाल,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रूट. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 103 है तथा जो प्लाट-15ए/20 करोल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय ग्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम 1961 के ग्रधीन तारीख मई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐने दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रिकि है ग्रीर अन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रीर अन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीव ऐसे भन्तरम के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरम लिखित में बास्तुविक छन से किश्वत नहीं किया गरा है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

अतः अब, उनत निधिनयम की धारा 269-ए के अनुसरण में, में, उक्त निधिनयम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निध्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. राजेन्द्र जैना टावर प्रा० लि० एन-52-ए, कनांट प्लेस, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

2. श्री शिव शंकर गुप्ता, श्रीमती शीला देवी, श्रीमती दीप माला मित्तल कुमारी रेनु गुप्ता, निवासी-मार्फत 1283 लम्बी गली एस० पी० मुखर्जी मार्ग, दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (श) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

श्रार० पी० बी०-103, ग्राउन्ड फ्लोर 15ए/20 डब्ल्यू० ई० ए० श्रजमल खां रोड़, करोल बाग, नई दिल्ली, तादादी-100 वर्गफीट।

> जी० एस० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 5-1-1985

मोहर 🛭

प्ररूप अ.इ², टी. एन. एस.. ----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्बी

नई दिल्ली, दिनांक 5 जनवरी 1985

निर्देश मं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/3/37ईई/5-84/285 --- ग्रतः मझे, जी० एस० गोषाल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-खं के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रु. से शिधक हैं

ग्रौर जिसकी सं० 3/17, 8, 9 है तथा जो रणजीत नगर, कम्युनिटो सेन्टर, नई दिल्लो में स्थित है (ग्रौर इससे उपावढ अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, ग्रजन रेंज-3 नई दिल्लो भारतीय ग्रायकर श्रिधिनयम 1961 के अधीन तारीख मई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरिता का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथा नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण संहुई किसीं आय की बाबत, अकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और या/
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ कां, जिन्हों भारनीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के किए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की पारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत ः—

 मै० अजय इन्टरशाइजेज प्रा० लि० इरोज सीनेमा विल्डिंग, जेगपुरा एक्सटेंशन नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

2. श्री श्रार० एम० सीवती श्रीर श्रीमती सुरिन्दर सीवर्ती निवासी-भी-21-वी, एन० डी० एस० ई०, भाग-1, नई दल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वीवत संपत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपात में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उत्तत स्थावार संपत्ति में हितबद्द्रभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विवित्त में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में लिया गया है।

बन्सची

स्पेस नं० 3 सम्प्राट भवत प्लाट नं० ए-7, 8, 9, रणजीत नगर, कम्यनिटी सेन्टर, नई दिल्ली, तादादी 585 वर्गफीट।

> जी० एस० गोपाल सक्षप प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 5-1-1985

मोहर:

प्ररूप बाईं टो एव एस . -----

बायकर बाधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई ल्लो, दिनांक 5 जनवरी 1985 निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/3/37ईई/5-84/ 326----ग्रत: मुझे, जी० एस० गोपाल,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,0%0/-रु. से अधिक है

श्रौर जिसको सं० ए-308/5 है तथा जो भीकानी कामा प्लेस नई दिल्लो में स्थित है (श्रोर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारो के कार्यालय अर्जनरेंज-3, नई दिल्ली भारतीय श्रायकर श्रिधनियम 1961 के श्रधीन तारीख मई 1984

को पूर्वोक्रत संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वस्य करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों की, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशेजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के थिए;

बतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हि—

- 1. मास्टर राजीव खुराना श्रीर कुमारी पालका खुराना तिवासो-23/29 राजिन्दर नगर नई दिल्ली। (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमतो बोना स्रग्रवाल, निवासो सी-6, कैलाण कालोनी, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपित्त के अर्जन के लिए लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त क्यांती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

फ्लेट नं० ए-308, विल्डिंग नं० 5, भीकाजी कामा प्लेस नई दिल्ली, तादादी-275 वर्गफीट।

> जी० एस० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3 दिल्लो, नई ल्ली-110002

तारीख: 5-1-1985

मोहर 🖫

प्रारूप बाहें.टी.एन.एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, नई दिल्ली

नई दिल्की, दिनांक 5 जनवरी 1985

নির্বাল নত সাহিত एত লাত/एक्यूত/3/37ईई/5-84/ 304—স্ব: মূল, জাত চ্যত মংগত,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम" कहा गया है), की धारा 269-इ के अधीन सक्क्य प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसको सं 0 114 है तथा औ 15ए/28 डब्ल्यू० ई० ए० करोल वाग नई दिल्लो में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप रे विणत है) एतिस्ट्रोकर्ता अधिकारो के कार्यालय अर्जन रेज-3, नई दिलो भारतोय आयकर अधिनयम 1961 के अधीन तारीख मही 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास, करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल को, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिशों (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से अधित नहीं किया गया है हि—

- (क) बन्तरण से हुइ किसी बाय की बाबत, उक्त विधानमा के अधीन धर दोने के अन्तरक के दाधित्क में कसी करने या उससे बचने में सुविधा की लिए; और/बा
- (स) एती किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हीं भारतीय आयन्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गम या या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुद्धा के लिए;

कतः अब. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, एइत अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्मिलिखित व्यक्तियों, अधीत:—

 मै० राजेन्द्रा जैना टावर प्रा० लि०, एन-52 , कनॉट प्लेस. नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री निहाल चन्द, निवासी-51/2, न्यु रोहतक रोड़, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

क्षेत्र सुक्ता जारी करके पृत्र किस्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन क्ली तारीख से 45 दिम की अविधि या तत्संबंधी, व्यक्तियों कर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्त्र्यी

ग्रार० पी० बी० 114, ग्राउन्ड फ्लोर, 150/20 डब्ल्यू० ई० ए० ग्रजमल खाँ रोड़, करोल बाग नई दिल्ली तादादी 55 55 वर्गफीट ।

जो० एस० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 5-1-1985

मोहर:

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अायकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 जनवरी 1985

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०/3/37ईई/5-84/305— भ्रतः मुझे, जी० एस० गोपाल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 23ए है तथा जो 15ए/20 डब्ल्यू०ई.०ए० करोल बाग नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वांगत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय अर्जम रेंज-3 नई दिल्ली भारतीय श्रायकर अधिनियम 1961 के श्रधीन तारीख मई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित्र बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिपन्स के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिपन्त से, ऐसे दृश्यमान प्रतिपन्त का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिपन्त, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वस्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तर्प्य से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करते या उससे बचने में सूविधा के तिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण भें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मितिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- मैं० राजेन्द्रा जैना टावर प्रा० लि० एन-52ए, कनॉट प्लेस नई विल्लो।

(अन्तरक)

2. श्रो राज कुमार सचदेवा निवासी-35/23 ईस्ट पटेल नगर, नई ढिल्लो।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजधन में प्रकाशन को तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भी बर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खं) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्ची

श्रार० पी० बो० 23ए बेसमेंट 15ए/20 डब्ल्यू० ई० ए० श्रजमल खां रोड़, करोल बाग, नई दिल्खी, तादादी-68 वर्गफीटे।

> जी ० एस० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आएका (निरोक्षण) प्रजैन रेंज 3 दिल्लो, नई दिल्लो-110002

नारीख: 5-1-1985

मोहर:

गरूप बाइ .टी.एन.एस .-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकर काय्क्त (निरीक्षण)

यर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्जी, दिनांक 5 जनवरी 1985

निर्देश सं श्राई० ए० सी०/एक्यू०/3/37ईई/5-84/306— फ्रतः मुझे, जी० एस० भीपाल,

मायकर अधिनियम, 1951 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का फारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक दै

भीर जिसकी मं० 8, 15ए/20 है तथा जो डब्ल्यू० ई० ए० करोल वाग नई दिल्लो में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्व हप से वणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिजारी के कार्यालय अर्जन रेंज-3 नई दिल्लो भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अर्थीन तारीख मई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित काजार मृत्य से कम के दश्यमान अतिकल के लिए अन्तरित की गर्छ है और मुक्ते यह, विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्ध्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्ध्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकार) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्मितीं जत उद्देश्य से उदन अन्तरण लिखित में बास्तविक स्प से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के रायित्व में अभी करने या उससे बुचने में सुविधा के निए; और/या
- (क्ष) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, वा अन-कर अधिनियम, वा अन-कर अधिनियम, वा अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया नाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा के लिएई

कतः अब, अक्त अधिनियम की धारा 269-ग कै अनुसरण मां, मां, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारां (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् १—— मै० राजेन्द्रा जैना टावर, प्रा० लि० एन०-52ए,
 कनांट प्लेस, नई दिल्लो ।

(ग्रन्तरक)

2 श्रो त्रशोक चोपड़ा निवासो-बो-62, इन्दरपूरी, नई दिल्लो ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेष ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षकी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

समस औ

ग्रार०-पी०-बी०-2, बेसमेंट, 15 ए/20 डब्ल्यू०-ई०-ए०-ग्रजमल खाँरोड़, करोल बाग, नई दिल्ली, तादादो--68 वर्गफीट्री

> जी० एस० गोपाल सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 5-1-1985

मोहर 🛭

प्ररूप बाई .टी . एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 31 दिसम्बर 1984

निर्देश सं० भ्राई० ए० सी०/एक्यू०/3/37ईई/5-84/300---भ्रतः मुझे, जी० एस० गोपाल

अगयकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रीर जिसकी सं० 215बी है तथा जो 157/20 करोल बाग नई दिल्ली में स्थित है (स्रीर इससे उपावद्ध स्ननुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय स्नर्जन रेज-3, नई दिल्ली में भारतीय ग्रायकर ग्राधिनियम 1961 के प्रधीन तारीख मई 1984

को प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के छ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के गन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उसत अधिनियम, के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 19(7 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनस्प्रण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 4—446 GI/84 1. मै॰ राजेन्द्रा जैना टावर प्रा॰ लि॰ एन-52ए कनांट प्लेसे, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

 श्रीमतो यश शर्मा, निवासो के० पो०-174, मौर्या इनक्लेव, पितमपुरा, दिल्लो।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4 दिन के भीतर उक्त स्थावर मम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकरो।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रग़ुक्त शब्दों और पदों का, जो उद्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दियग गया है।

बन्स ची

ग्रार०-पी०-बी०-215-बी०, ग्रार ग्राउन्ड फ्लोर, राजेन्द्रा पालिका बाजार, 150/20 ग्रजमल खाँ रोह, डब्ल्यू०-ई०-ए० करोल बाग, नई दिल्ली, तादादो 28 वर्गफीट।

जी० एस० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 31-12-1984

मोहर:

प्ररूप आई².टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जनरेंज 3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 31 दिसम्बर 1984

निर्देस सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37ईई/5-84/301--- तः मुझे, जी० एस० गोपाल,

आथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० 211-सी, है तथा जो अजमल खां रोड़ करौल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख मई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूत्रिधा के लिए: और/या
- (च) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

कतः व व उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- मै॰ राजेन्द्रा जैना टावर प्रा॰ लि॰ उन-52ए, कनांट प्लेस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

'2. श्री योगेश महाजन, निवासी-डीं/147 न्यू राजिन्दर नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पी।भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुस्ची

प्रो॰ नं॰ आर॰ पी॰ बी॰-211-सी॰, तादादी 28 वर्गफीट, 15ए/20 डब्ल्यू॰ ई॰ ए॰ अजमल खां रोड़, करोल बाग, नई दिल्ली।

जी०एस० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रैंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 31-12-84

मोहरः

प्ररूप. बार्ड. टी. एन्. एस., ----

नायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 31 दिसम्बर 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37ईई/5-85/303—-अतः मझे, जी० एस० गोपाल,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इक्क पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित विश्वास मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है

म्रौर जिसकी सं० 17 है तथा जो अजमल खां रोड़, करोल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (म्रौर इसके उपावद्ध अनुसूची में म्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख मई 1984

को प्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभे कह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की वाबत उक्त अधि-नियम को अधीन कर दोनें के अन्तरकं के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियां को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में झुक्षिधा के लिए:

बतः वब, उनत विधिनियम की धारा 269-ग क अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उनधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् क्रि 1. मै॰ राजेन्द्रा जैना टावर प्रा॰ लि॰ एन-52-ए, कनांट प्लेस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

 श्री एस० जसवन्त सिंह, निवासी-6717 अहाता किदारा, (फिल्मीस्तान सीनेमा के पीछे) दिल्ली-6।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत रूपित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप 🖫

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी डें पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्त्र्यी

प्रो० नं० आर० पी० बी०-17, बेसमेंट, डब्ल्यू० ई० ए० करौल बाग, अजमल खां रोड़, नई दिल्ली।

जी० एस० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रैंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

[तारीख: 31-12-1984

मोहर 🔅

प्ररूप आई. टी, एन. एस.-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा

269-ए (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 31 दिसम्बर 1984

निर्देश सं० आई० ए० सीं०/एक्यू०/3/37ईई/5-84/298— अतः मुझे, जीं० एस० गोपाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. सं अधिक ही

म्राँर जिसकी सं० 22-बी, है तथा जो 15ए/20 अजमल खां रोड़ करौज बाग में स्थित है (म्रोर इसरें उपावद्ध अनुसूर्वी में पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख मई 1984

को पूर्वीत सस्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने, का कारण है कि यथापूर्वीकत सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य,, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसं अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक हण से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम कं अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविद्धा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सृविधा के लिए,

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरणः मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) की अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् : रूक 1. मै० राजेन्द्रा जैना टावर्स प्रा० लि० एन-52ए, कनांट प्लेस. नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती प्रेम लता, निवासी-बी०/एफ० एच०56, शाली-मार बाग, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायत्राहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी वासे 45 दिन की बबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की बबिध, वो भी बबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्यच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो छक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं। वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

आर०पी० बी०-22 बी, बेसमेंट फ्लोर राजेन्द्रा पालिका बाजार 15ए/20 डब्ल्यू० ई० ए० अजमल खां रोड़, करौल बाग, नई दिल्ली लादादी 68 वर्गफीट।

> जी० एस० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रैंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 31-12-1984

मोहर 🐠

प्ररूप बाई. टी. एत. एस. -----

आयकरु अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई क्लिली

नई दिल्ली, दिनांक 31 दिसम्बर 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी० /एक्यू०/3/37ईई/5-84/1295 ---अत: मुझे, जी० एस० गोपाल,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परधात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मृल्य 25,000/- रा. सं अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 7ए/61, है तथा जो डब्ल्यू० ई० ए० करोल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से बिणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-रेंज-3, नई दिल्ली भारतीय आयकर अधिनियद्ध 1961 के अधीन तारीख मई 1984

का पूर्वाकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसं दश्यमान प्रतिफल का चन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरिक (अंतरक़ाँ) और अंतरिती (अतिरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के जिए तय पाया गया प्रतिक्त का निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त-अंतरण लिखित में वास्तिविक रूप से बाँधत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अतरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचन में सुविधा के लिए; और/बा
- (का) एंकी किसी आब वा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के बिए;

बतः बब, उनत बीधनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भें, उनत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री प्रेम प्रकाश सुपुत डा० एम० पी० गुप्ता निवासी-18-बी-1, देश बन्धुगुप्ता रोड़, देव नगर, करौल बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

 श्री जय प्रकाश गुप्ता सुपुत्र श्री आर० के० गुप्ता सुभाश चन्दर सुपुत्र श्री आर० एन० गुप्ता निवासी——मेन / बाजार बहादुरगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अजन के लिए कार्यवाह्यां शूरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षप 🌫

- (क) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध् या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामीज से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्हां जिथिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया पया हैं।

बन्स्ची

प्रा० नं० 7ए/61, डब्ल्यू० ई० ए० करौल बाग, नई दिल्ली। तादादी ग्राउन्ड फ्लोर 2635 वर्गफीट। पहली मंजिल—2635 वर्गफीट, दूसरी मंजिल—5658 वर्गफीट।

> जी॰ एस॰ गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 3 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 31-12-198

मोहर 🛭

प्ररूप आई.टी.एन.एस.,-----

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के अधीम सुचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 31 दिसम्बर 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37ईई/5-84/293---अतः मुझे, जी० एस० गोपाल,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य, 25,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० सी ०-53, है तथा जो आनन्द विहार, दिल्ली-92, में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज 3, नई दिल्ली भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन, तारीख मई

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए बंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का धन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिय तय पाया ग्या प्रतिफल निम्निचित उद्देश्य से उक्त बन्तरण मिचित में शास्तिक इस से किथा नहीं किया गया है:--

- (अ) बन्तरण से हुई फिसी बाब की बाबता, उक्त विधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के विधिल में कशी करने वा उससे बचने में सुविधा वो चिष्; बीहर/या
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया ना या किया जाना चाहिए था, द्विपाने औं स्विधा के लिए;

नतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 श्री एन० के० मेहरा, श्रीमती सुशीला मेहरा, निवासी-फ्लेट नं० 20, एस० एफ० एस० बसन्त इनक्लेब, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

 श्री शिव राज बंसेल, श्रीमती पुष्पा बंसल, निवासी-93, गडोडिया मार्केट, खारी बावली, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को थह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पात्त के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होतीं हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (व)) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब वे 45 दिन के भीतर धक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति इवारा वधाहस्ताक्षरी के पाव चिचित में किए वा सकेंगे।

स्वाकरणः -- इसमें प्रमुक्त इक्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही वर्ष होगा वो उस अध्याय में दिया गया है।

यन्त्यी

प्लाट नं० सी-53, आनन्द विहार, दिल्ली-92, तादादी 266.67 वर्गगज।

> जी॰ एस॰ गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 31-12-1984

माहर 🕄

श्रुरूप बाह्र दी. एन. एस.-----

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज 3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 31 दिसम्बर 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37ईई/5-84/283 ---अतः मुझे, जी० एस० गोपाल,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कह्म गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रीर जिसकी सं० 7, बेसमेंट है तथा जो 15ए/20 करोल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रर इससे उपावद अनुसूची में स्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख मई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम कै स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकत्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक अप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त आधि-∜नयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व और कभी करमें या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर आधानयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उवत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखत व्यक्तियों, अर्थात् हि— मैं० राजेन्दर जैना टावर प्रा० लि० एन०-52ए, कनांट प्लेस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री एच० सी० मलहोत्रा, निवासी-ए०-602, शालीमार बाग, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कांई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रो० नं० आर० सी० बी०-7, बेसमेंट 15ए/20 डब्ल्यू० ई० ए० अजमल खां रोड़, करौल बाग, नई दिल्ली, तादादी 68 बर्गफीट।

> जी० एस्० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 31-12-1984

मोहर :

प्ररूप आहें.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 31 दिसम्बर 1984

निदेश सं० आई०ए०सी०/एक्यू०/3/37-ईई/5-84/336, अतः मुझे, जी०एस० गोपाल,

अस्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसयों इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है). की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 47/बी, है तथा जो थान सिंह नगर, आनन्द पर्वत, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख मई- 1984

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलंख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्त-लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धम या अन्य आस्तियाँ की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था., छिपाने में स्विधा के किए:

कतः अड, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :--- श्री बचन सिंह सुपुत श्री बेला सिंह, निवासी-15/71, पंजाबी बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती बलजीत कौर पत्नी एस० मोहन सिंह,
 17/347-गली नं० 2,
 थान सिंह नगर,
 नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया बुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉप्ट नं॰ 47, ब्लाक 'बी' थान सिंह नगर, आनन्द पर्वत, नई दिल्ली—म्युनिसीपल नं॰ 17/345/Í, तादादी 100 वर्गगज।

> जी॰एस॰ गोपाल सक्ष्म प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 31-12-1984

मोहर:

प्ररूप बाहै , टी. एन , एस ,-----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर बायुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 31 दिसम्बर 1984

निदेश सं० आई०ए०सी०/एक्यू०/3/37-ईई/5-84/342--

🖅 अतः मुझे, जी०एस० गोपाल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

25,000/- रु. सं अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० ई-10, है तथा जो लक्षमी नगर,
शाहदरा, दिल्ली, में स्थित है (श्रीर इसके उपाबद्ध अनुसूची
में पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के
कार्यालय, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली, भारतीय आयकर
अधिनियम-1961 के अधीन तारीख मई 1.984
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्ययमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे व्ययमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रनिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क्ल) बन्तरुण से हुई किसी बाय कौ वावत, उत्क बीधनियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के दामित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीर्/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— 5—446 GI/84 (1) श्री एम्०सी० जैन सुपुत्रं श्री इन्दर सेन जैन, निवासी-66 श्रोखला टैंक, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री पवन कुमार जैंन सुपुत श्री कैलाश चन्द जैंन, मकान नं० डी-123, श्रकरपुर, शाहदरा, दिल्ली।

(अन्टरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

प्रो० नं० ई-10, लक्षमी नगर, शाहदरा, दिल्ली-तादादी-55 वर्गगज।

> जी ०एस० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 31-12-1984

मोहर 😗

इक्ष बाहं. डी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहादक बायकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 31 दिसम्बर 1984

निदेश सं० आई०ए०सी०/एक्यू०/3/37-ईई/5-84/,335 अतः मुझे, जी०एस० गोपाल,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (िषसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), कौ धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० 95, है तथा जो कपिल विहार, प्रीतम पुरा दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अर्धान टारीख मई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि प्यापर्नेक्त अम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य इसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत से प्रविक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, किम्निकित नहें प्रये उक्त अन्तरण निजित में वास्त्रविक रूप से स्वित नहीं।

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, अवस अधिनियम के अधीन कर देने की बन्तरक को दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के सिए; बार/या
- (क) ऐसे किसी अाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए; और/या

मरा: अदः, उस्त अभिनियम की धारा 269-म के अन्तरम में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीर, निम्नलिसित व्यक्ति में, अर्थात उ श्री महावीर वाहिद,
 5010,
 रुई मण्डी,
 सदर बाजार,
 दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती इन्दिरा वती, कें ०डी ०-4ए, अशोक विहार, दिल्ली।

(अन्हरिती) -

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्तः अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया या है।

मनुसूची

प्लाट नं० 95, कपिल विहार, पिटमपुरा, दिल्ली, दादादी 205 दर्गगज।

जी॰एस॰ गोपाल सक्षम प्राधिकारी गहायक अव्यक्तर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-3 दिल्ली,, नई दिल्ली

तारीख: 31-12-1984

मोहर:

प्ररूप बाई.टी.एन.एस., -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांतथ, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 31 दिसम्बर 1984

निदेश सं० आई०ए०सी०/एक्यू०/3/37-ईई/5-84/325-अतः मुझे, जी०एस० गोपाल,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० 216, है तथा जो 15-ए/20 अजमल खां रोड, करोल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणिट है), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-3 नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम—1961 के अधीन तारीख मई 1984

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विश्वित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियां को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 हैं (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए।

अतः अवः., उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण को, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री राजेन्द्रा जैना टावर प्रा०लि०, एन-52-ए, कनाट प्लेस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री एम० एल० जैन निवासी-बी-1/240, जनकपुरी, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाछ लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

मन्स्ची

आर०पी०वी०-216, तादादी 55 वर्गफीट, 15-ए/20 डब्ल्बू०ई•ए० अजमल खां रोड, करौल, बाग, नई दिल्ली ।

> जी॰एस॰ गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 31-12-1984

मोहर 🖫

प्रकृप बार्: दी. पन . एस . -----

मायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मुधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायकत (निर्काक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 जनवरी 1985

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसको सं० एन०डी०/25 है तथा जो प्रीतःम पुरा, दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप मे विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेज-3, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम- 1961 के अधीन तारीख मई 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरे रित्यों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल, निम्निसित उद्देश्य से उन्त अन्तरण निश्चित में वास्त्विक रूप से किथित नहीं किया गया है :--

- (क) बन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त बिधुनियम के बधीन कर दोने के बन्तरक के दासित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; नौर/बा
- (ब) एसी किसी नाय या किसी भन या नन्य नास्तियों को जिन्हों भारतीय नाय-कर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनयम या भनकर नहीं किया नियम प्राप्तियम विश्वापन के प्रयोजनार्थ नन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में अ में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के मधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात :— (1) श्री दीप चन्द जैन सुपुत्र मखन लाल जैन, निवासी-1556-दीपक महल, भागीरथ पैलेस, चान्दनी चौक, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती नरला जैन पत्नी श्री मनोहर लाल जैन, निवासी-सी-44, शकती नगर एक्सटेनशन, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथाँकत सम्पत्ति के अर्थन के बिष् कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आश्रेप ⊱

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पःस लिखित में किए जा सकोगें।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनस्यी

प्रो॰ नं॰ एत॰डी॰/25, प्रोतमपुरा, दिल्ली, तादादी -253 वगीमीटर ।

जी ०एस० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रैंज–3, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 18-1-1985

मोहर :

पृख्य बाद²ु ट<u>ी.</u> एन्. एस.ु॰ - ≅ ≝-न्ड

बायकर विधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धार् 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 31 दिसम्बर 1984 निदेश सं० आई०ए०सी०/एक्यू०/3/37ईई/5-84/357--

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 69-क के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/- रु. से अधिक है

-अतः मुझे, जीं ०एस० गोपाल,

श्रीर जिसकी सं० 303 है तथा जो यूसफ सराय, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे छ्पाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली, भारतीय अग्रवकर अधिनियम-1961 के अधीन दारीख मई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निल्खित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है हि—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, खक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में अनुविधा के लिए; और/या
- (क) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनुकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धार्य 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धार्य 269-व की उपभार (1)— अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः— (1) मैसर्स ए० पी० अपार्टमेंट प्रा०लि०, आदिनाथ श्री हाउस-अपो० सुपर बाजार, कनांट सर्कस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती जोजिला सिंह पत्नी श्री यतीश पाल सिंह, निवासी-885/सी, तिलक रोड, बेगम ब्रज, मेरट सीटी।

(अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्चना की बामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबदृध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे

स्यष्टोकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अनुसुन्

प्रो॰ नं॰ 303, युसफ सराय क्यसियस कमण्येस्य, नई दिल्ली, तादादी-235 वर्गफीट 1

> जी० एस० नोपास सश्चम प्राधिकारी सहावक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 31-12-1984

मोहर 🖫

प्रस्य वार्षः टी. १२ । एस.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को भारा 269-व (1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 31 दिसम्बर 1984 निदेश सं० आई००सी०/एक्यू०/3/37ईई/5-84/358 -अत: मुझे, जी० एस० गोंधाल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधी। सक्षम प्राणिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपतित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० 207, है तथा जो युसफ सराय नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीएर्ती अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेज-3, नई दिल्ली भारतीय आयकर अधिनियम-1961 के अधीन तारीख मई-1984

को पूर्वोवत सम्पिति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोवत सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंगरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निस्ति में वास्त कर रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उन्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

- (1) श्री एस०सी० गुफ्ता (डाईरेक्टर),
 मैजर्स उपहार ट्रैडिंग एण्ड चिट फन्ट प्रा०िल्०,
 बी-6/16,
 लोकल सापिंग सेन्टर (एफएफ) सफदरजंग
 इनक्लेब,
 नई दिल्ली।
- (2) मैंजर्स ए० पी० अपार्टमेंट प्रा०लि०, आदिनाथ श्री हाउस, अपोजिट सुपर बाजार, कनांट सर्कस,

नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोवत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) हा कुन्ता के सामान में जीवान की ग्रहाख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी जिल्ला पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वांक्स व्यक्तिस्थों में से कियी व्यक्ति स्वाराः
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का स्कींगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, बो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

क्षतमधी

प्रो॰ न॰ 207, जैना सार्पिग कमप्लेक्स, युसफ सराय, नई दिल्ली, तादादी 285 वर्गफीए।

जी०एस० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रैंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली

वतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, भिम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

हारीख: 31-12-1984

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के ब्योन सूचना

भारत संरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायकत (निरक्षिण) अर्जन रेज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 31 दितम्बर 1984

निदेश सं० आई ०ए०सी०/एक्यू०/3/37ईई/5-24/359— अत: मुझे, जी०एस० गोपाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षमं प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

मौर जिसकी सं० 323/3 है तथा जो नैना टावर, जनकपुरी, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली भारतीय आयकर अधिनियम-1961 के अधीन तारीख मई 1984

को प्रवोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभी यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्रवोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निक्कित में वास्कृषिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन वा अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चनहिये था छिपाने अन्धि लिए:

खतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनिय की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिखित व्यक्तियों अर्थात :---

(1) श्रीमती कुलिंबर कौर लेहरा, निवासी-ग्राम-चावरवाला पो० रुड़की, जिला पटियाला, दहसील-सिरहिन्द।

(अन्तरक)

(2) श्री जैना प्रोपर्टी प्रा०लि०, आदिनाथ श्री हाउस, अपोजिट सुपर बाजार; कनांट सर्कस, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त संपत्ति के वर्जन संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख की 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्ष्री के पाद विविद्य में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया ग्या हैं।

वन्स्ची

प्रो० नं० 323, जैना टावर प्लाट नं० 3, जनकपुरी, नई दिल्ली, तादादी।

जी • एस • गोपाच सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रैंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली।

तारीख: 31-12-1984

मोहर 🖫

प्ररूप बाईं हो, एव ् एक् -----

बायक्र विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के वभीन सूचना

भारत सहकार

कार्बास्य, सहायक जायकड जायकत् (निडीक्षण्)

अर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 31 दिसम्बर 1984

निदेश सं अधि ०ए०सी०/एक्यू०/3/37-ईई/5-84/360---अत: मझे, जी०एस० गोपाल

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 303 है तथा जो 304, जैना टावर युसफ सराय, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम-1961 के अधीन तारीख मई 84,

को पूर्वोंका संपत्ति के उत्वित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण्य है कि यथापूर्वींक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) से बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण जिल्ला में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया क्या है:—

- (क) अन्तरण ते हुई किसी आय की लावस , उस अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कसी करने या उससे वयने में सुविधा के सिए; बौर/या
- (क) एसी किसी अनय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना व्यक्तिए था, छिपाने में सुविधा को लिए;

बा: बंद, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण के, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निविखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्रीमती शीला कपूर, निवासी-मधुबन (करनाल) हरियाणा। (अन्तरक)
- (2) मैसर्स ए०पी० अपार्टमेट प्रा०लि०, आदिनाथ श्री हाउस, अपोजिट सुपर बाजार, कनाँट सर्वस, नई दिल्ली।

(ग्रन्तारती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां श्रूष्ट करता हूं।

उनत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किनी व्यक्ति द्वारा
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त बब्दों और पदाँ का, जो उक्त जिथितियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नया है।

मनुसूची

प्रो॰ नं0 303, 304 तोसरो मंजिल जेना शापिंग कमप्लैक्स युसक सराय, नई दिल्लो तादादी 235 और 235 व फीट।

> जीव्यम्बर्व गोपाल स**दाम प्राधिकारी** सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

वारीख: 31-12-1984

माहि दु

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्थालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनां 🤋 31 दिसम्बर 1984

निर्देश सं० आई०ए०सी०/एक्यू०/3/37-ईई/5-84/352 --अतः मुझे, जी०एस० गोपाल,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने वा कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

और जिस्की सं० बी-10 है तथा जो जैना वमसियल कमण्लेक्स, युराफ पराय. नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्व रूप ने विणत है), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के रायलिय अर्जन रेज-3, नई दिल्ली, भारतीय आयहर अधिनियम-1961 के अधीन तारीख मई 1984

को प्केंकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पति का उजित बाहार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किल निम्नितिखत उद्योश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हाई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के विधितः में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के तिए: और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, का धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गण या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

(1) ए०पी० अपार्टमेंट प्रा०लि०, आदिनाय श्री हाउस, अपोजिट सुपर दाजार, इनॉट सर्केय, नई दिल्ली।

(अन्तरकः)

(2) श्री देवी दास खन्ना, श्रीमती लक्षमी देवी खन्ना, निवासी-1080 गाँधी गली फतेह पुरी,दिल्ली-6।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं

उक्त सूरपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषितः हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

प्रो॰ नं॰ बी-10, जैना वर्मान्यल कमण्तेक्य, युसफ सराय, नई दिल्ली, तादादी 72 वर्गफुट ।

> जी व्यवस्थः गोपास सक्षम प्राधिकारी सहासार आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ल -11000

तारीख: 31-12-1984 -

प्ररूप बाई. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 31 दिसम्बर 1984

निदेश सं० आई०ए०सी०/एक्यू 3/37-ईई/5-84/353--अतः मुझे, जी०एस० गोपाल

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 13) (जिसे इसमें इसके पश्चान् उकत अधिनियम कहा गणा ती), की धारा 269-स के अपीन भक्षम प्राधिकार। को, यह जिश्वाम करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक ही

और जिसकी सं० बी-15, है तथा जो युद्धफ तराय, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिवारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली, भारतीय अर्थार अधिनियम—1961 के अधीन तारीख मई 1984

को पूर्वोक्त संएित के उचित बाजार मृन्य से कम के स्थयमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय बैंग्लूर में धारा 269 ए. वी. के अर्न्तगत सक्षम अधिकारी के सम्मूख रिजस्ट्री किया गया है। मुभ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दकामान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) लन्तरण संहुड जिसी आय की ताबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के सिए; और/या
- (म) शेरी फिक्टी ताय या किमी धन गा जन्य नास्तियों को किक् भारतीय नाय-कर निवित्तियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निवित्तियम, या धनकर निवित्तियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ करिती द्वारा प्रथट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सृतिधा के लिए;

क्तः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के बधीन . निम्निक्षित स्वक्तियों. कर्णांड ि— (1) मैंसजं ए०पी० अपार्टमेंट प्रा०लि०, आदिलाथ श्री हाउस, अपोजिट सुपर वाजार, एनॉट सर्कस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती वेद कुमारी सेठी और श्रीमती रक्षा सेठी, निवासी-एक्स-26, नवीन शाहदरा, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सःपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्ष्य :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की उरीख से 45 दिन की अवधि या तासम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान को तामी र से 30 दिन की अवधि, जो भी जबिब सद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से विक्ती व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तरिन से 45 दिन के भीतार उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास रिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धोकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, तो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हो।

अनुसुची

प्रो० नं० वी-15, जैना ामसियल शमप्तेका, युसफ सराय, नई दिल्ली, तादादी 72 वर्गफीट।

> जी ०एस० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रज-3, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 31-42-1984

माहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अायकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रें-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 31 दिसम्बर 1984

निदेश सं० आई०ए०सी०/एक्यू०/3/37-ईई/5-84/361----अतः मुझे, जी०एस० गोपाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० यू०जी०-11/4, है तथा जो भीकाजी कामा प्रोस, नई दिल्ली में स्थित है (और इनसे उपाबद अनुसूची में पूर्व रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिरारी के कार्यालय अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम-1961 के अधीन तारीख मई 1984।

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अनतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्दृश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृतिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिन्यम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों, अर्थात् ध—

(1) मैंसर्ज वरिष्ठा उद्योग लि०, तेरहवीं मंजिल, आत्मा राम हाउस, कनॉट प्लेस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) कुमारी कुलदीप कौर और श्रीमती सुशील कौर निवासी सी--14, आनन्द निकेतन, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिक है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रन्**स्ची**

सीप नं यूर्जी ०-11, बिल्डिंग नं 4, भीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली तादाद 300 वगफीट।

> जी०एस० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख 31-12-1984 मोहर प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस.. -----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

स्मानीसय, गहायक आधकर आगृवत (निराक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 31 दिसम्बर 1984

निर्देश सं० ग्राई०ए०सी०/एक्यू०/3/37-ईई/5-84/362--ग्रतः मुझे, जी०एस० गोपल,

मायकर अधिनियम. 1961 11961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उत्तत अधिनियम' कहा गया है'), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विकास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका अधित बाजार स्लय 25.000/-रा. से लिखा है

श्रीर जिसकी सं० 313/6 है तथा जो भीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली भारतीय अध्यकर श्रीधिनयम-1961 के अधीन तारीख मई 1984

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति का उवित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिएत के रिष् उत्तरित की भई ही और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण ही कि यथागृयोवत साणीत का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एंगे । पान प्रतिफल का बन्दा प्रतिशत से अधिक ही और अन्तर्भ (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) वे थीच एमें अन्तर्भ के चिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निजिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं विषया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कामी करने या उससे बचने मा सुविधा के लिए; बॉर/या
- (भ) एसी किसी आए या किसी धन या अन्य आस्तिमों को, जिन्हों भारतीय आल-कर अधिनियम, १००० (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ वंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सुविधा के लिए:

अत: अव, उक्त अधिनियम की धारा २६९-ग के अन्स्पर्य में, में, उक्त अधिनियम की धारा २६९-घ की उपनास (1) के अधीन, निम्नीलिश्चित व्यक्तियों, अर्थात (1) श्री संजीव वर्मा, सुमा नैयर, श्रोमती विजय भानीत, निवासी-एस-135, पंचशील पार्क. नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) मास्टर धीरज उत्तम सुपुत श्री श्रीमि उत्तम, निवाधी-बो-2/3, सफदरजंग इनक्लेव नई दिल्ली।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के कि कर्णवाहियां करता हां।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अर्थाय के अर्थन्यकी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध कार में सम्पन्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिया में सं किसी व्यक्ति द्वाए;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थापार सम्पत्ति भा हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरों के पास लिखित मा किसा जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के बध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस बध्याय में दिया गया है :

ग्रत्म् की

्रो० तं० 313; प्ल.ट तं० 6, भीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्लो, तादादो 500 वर्गफोट।

> जीव्ह्सव गोपाल सक्षम प्राधिकारो सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्लो

तारीख: 31-12-1984

प्ररूप बाइ', टी. एन्. एस.

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ध (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकार आगूबत (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 31 दिसम्बर 1984

निदेश सं० म्राई०ए०सी०/एक्यू०/3/37-ईई/5-84/363---म्रतः मझे, जी०एस० गोपाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. सं अधिक है

श्रीर जिसको सं० ए-214/3 है तथा जो भीकाजो कामा प्लेस, नई दिल्लो, में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूचों में पूर्व रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय अर्जन रेंज-3, नई दिल्लो भारतीय आयकर अधिनयम 1961 के अधीन तारीख मई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मुम्ने यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक हप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरण संहुई किसी लाय की बाबत, जक्स किसीनयग के बधीन कर दोने के बन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; करि/या
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य प्रास्ति । को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन भा किसियन, 1937 (1937 के 25) है के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा के निए;

वतः वतः, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के, अन्भरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269 व की उपधारा (1) के वसीन निस्ति कित स्थितकों, अधारा.- - (1) श्री जे०यु० मनसुखानी,
 ई-1/6,
 मालवीय नगर,
 नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) मैसर्स रिलायन्स इन्जीनियरिंग वर्कस,
 63-जय हिन्द मार्केट,
 चेम्बर,
 बम्बे-74।

(अन्तरिती)

को यह मुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्जन के तिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई नी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

ग्रन्यो

फ्लैंट नं० ए-214, प्लाट नं० 3-भोकाजो कामा प्लेस, नई दिल्लो, तादादी 291 वर्गफोट।

> जी०एस० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 31-12-1984

na minimaten dinaga pagin ini umah yisi dalami. Milanten uma Agai ati nga isi imbala ini balajan sasamid nin Makalajan kalan pa Vilantenagan mini ngap yisi mpara informationali pala ini mpara minimate makalajan minimate

प्ररूप बाई .टी.एन. एस .----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

फार्यात्मय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्लो, दिनाक 31 दिसम्बर 1984

निदेश सं० म्राई०ए०सी०/एक्यू०/3/37-ईई/364---म्रतः मुझे, जी०एस० गोपाल

मायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्यात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है)., की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ह' कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उवित बाजार मृल्य 25.000/- रह. में अधिक हैं

ग्रीर जिसकी गं० यू॰जी०-47/9, है तथा जो भीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ला में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्व रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय ग्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली भारतीय ग्रायकर ग्रीधिनयम 1961 के ग्रिधीन तारीख मई 1984।

को पूर्वावत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम को द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह तिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिश्चत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्ति जियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल,, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त दन्तरण लिखित में शस्त-विक इप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुइ किसी बाब की बाबत, सक्त बिधिनियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे ब्बने में सुविधा के लिए; और/ए!
- (क्) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सृष्धा के निष्

अतः अव, उवत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिष्ठित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री श्रीयोपाल सिह, सी-562, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रो मुरेन्दर गाल सिंह ग्रौर श्रीमती उमा सिंह, निवासी-885-सी, तिलक रोड, मेरठ (य०पी०)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त संपत्ति के अर्जन के तंबंध में क्रोड़िंशी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में अकाशन की तारीस है 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वी मा ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति देनाराः
- (ख) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त रथावर सर्गात्त में हितवद्ध किसी अन्य अधिक द्वारा अधिह जावरी के पांध लिखित में फिए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदी का, जो उचत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशाधित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

सोप नं युव्जीव-47, प्ताट नं 9, भीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली, तादादी 245 वर्गफीट।

> जी० एस० गोपाल सञ्जम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 31-12-1984

प्रकृष काहाँ . टी . एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का धारा 269-ण (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यांचर, सहायक बायकर बायक्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली नई क्लिनो, दिनांक 31 दिसम्बर 1984

निर्देश सं० ग्राई०ए०सी०/एक्यू०/3/37-ईई/5-84/355---त्रितः मुझे, जी०एस० गोपाल,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सिके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसको सं० जी-1 ए, है तया जो युसफ सराय, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणंत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्राधिकारी के कार्यालय, ग्राजन रेंज-3, नई दिल्ली, भारतीय ग्रायकर ग्राधिनियम— 1961 के ग्रधीन तारीख मई 1984

हा प्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम क दश्यमान गितिफल के लिए पन्तिरित की गई है और मुझे यह विश्वास हरने का घरण है कि यथापूर्वों क्स संपीति का उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का दह प्रतिकात से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती किनारितियों) के बीच एने अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिजल निम्नी गिंखा । द्वाका में उक्त अर्जरण जिल्लिय के बामसीबक ए में किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबक, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के सिए; और/या
- (भ) ऐसी किसी जाय या किसी भन या बन्य जास्तियों गो. जिन्हें भारतीय आम बर किसीनयम, 1922 (1972 या 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर वृधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशोकनार्थ अन्तरिती युकारा प्रकट नहीं किया नवा था वा किया बाना चाहिए था, शिमाने जें स्विधा के निए;

कतः कव, उकत अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण , मैं,, उकत अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) अधीन गिम्मिलियित व्यक्तियों सर्थात् ह (1) मैं० ए०पी० ग्रपार्टमेंट प्रार्गल०, ग्रादिनाथ श्री हाउस, ग्रपोजिट सुपर बाजार, कनॉट सर्कस, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री गंगा सरण ग्रौर
हरी सरण,
निवासी-मार्फत मै० जुगल किशोर मामक चन्द,
840/1,
वार्ड नं० 6,
मेन बाजार,
महरौली,

का बहु सूचना बारी करके पूर्वों क्स सम्पृत्ति के वर्षन के लिख् कार्यवाहियां करता हु।

जनत सम्पृतित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाकोद:--

- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील के 45 दिन की वनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर गुवा कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राज्यन में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भातर उक्त स्थावर सम्मित में हित्बस्य
 किसी बन्य व्यक्ति द्वारा वृश्रोहस्ताक्ष्री के पास

स्युब्दीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों जौर पदों का, श्री स्वक्त मिन्नियम, के ब्रुध्याय 20 क में परिजायित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस ब्रुध्याय में दिया गया है।

अनुसूचो

प्रो० नं.० जो-1-ए, जैना कमसियल कमप्लेक्स, युसफ सराय, नई दिल्लो, तादादो 100 वर्गफोट।

> जो॰एस॰ गोपाल सक्षम प्राधिकारो सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्लो

तारीख: 31-12-1984

मोहर 🖫

प्ररूप बार्ड टी एव .एस . -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण)
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली
नई दिल्लो, दिनांक 31 दिसम्बर 1984

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चार 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. सं अधिक है

श्रीर जिसको सं० वी-27-ए है तथा जो युसफ सराय, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इपने उनाबद्ध अनुमूची में पूर्व रूप से वाणत है), रजिस्ट्रोकर्का श्रीधकारी के कार्यालय, श्रर्जन रेंज~3, नई दिल्ली, भारतीय श्रायकर श्रीधिनियय—1961 के श्रधीन तारीख मई 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से क्रम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्त्त की गई है और मुक्ते यह दिश्यान करने का कारण है कि प्रथापुनेक्ति संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके उक्तमान गतिकल में, एने उद्यान शिल्फर का पन्द्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अतिरित्ति) को गित एमें अंतर्ग के लिए हम गया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से अपन संतरण लिखित में सास्रिक रूप से प्रथित नहीं किया गया है ——

- (क) बंतरण से हुइं किसी बाय की वाबत, उक्त अधिमियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायितल में बामी करने या उससे बनतों में सुविधा र विस्तृ, करि/मा
- (ब) एसी किसी बाय या फिसी धन या अन्य आस्तियाँ का, जिन्हों भारतीय लाग-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अभिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिकी द्वारा प्रकट नहीं किया प्रवा ज या किया बान अभिग् धन जिला के सुविधा के निए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्निविश्वत व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) मैसर्स ए० पी० अपार्टमेंट प्रार्गल०, आदिनाय श्री हाउस, अपोजिट सुपर वाजार. कनॉट सर्कस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री अशोक छात्रा, निवासी-ई-12, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्लो।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाचत संपर्ति के वर्जन के लिए कर्मगाहियां करता हो।

एक्ट सम्पत्ति के शर्जन की मंत्रि हैं हाई भी काक्ष्य 🦟

- (क) इस म्बना के राजगंध मी प्रधानम की तारीब से 45 दिन की अवीध या अल्पेड़ी व्यक्तियों एउ स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बात मी समाप्त हाती हो, के भीतर पृष्ठवेत व्यक्ति है । व से विश्वती की सामाप्त हाती हो, के भीतर पृष्ठवेत व्यक्ति है । व से विश्वती की सामाप्त है ।
- (क) इस सूचना कं राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उसा स्थावर सम्बन्धि में हिनवद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकतें।

स्पर्धीकरणः प्रममं प्रयुक्त बब्दों कोर प्रवों का, जो उन्द जीपिनयम, कं अभ्याय 20-क मो प्रिम्भी जल है, वहीं अर्थ होगा जो उस बध्याय में प्रिक गया है।

मन्स्यी

प्रो॰ नं॰ बो-27-ए, युगक सराय, जैना कर्मासयल कमण्लेंक्स, नई दिल्लो, तादादा 85 वर्षकीट ।

> जी०एस० गोनाल नशम प्राधिकारी महायक आयक्तर आयुक्त (निराक्षण) अर्थन रेंज•3, दिल्लो, नई दिल्ली।

तारीख: 31-12-1984

मोहरः

प्रक्षप आ**र्ड**. टी. एन. एस. - - - - -बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) **की धारा** ্৪০-ছ (1) को अधीन শুचना

भारत सरकार

श्रार्थातय, महायवः आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्भन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 31 दिसम्बर 1984

निदेश सं० म्राई० ए० सी०/एत्यू०/3/37ईई/5-84/331---म्रतः मुझे, जी० एस० गोणल,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-ख के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसवा उचित बाजार मृन्य 25,000/- रु से अधिक है

श्रीर जिसको सं० 51/5 (फफ) है तथा जो कौशल्या पार्क होज खास, नई दिल्ल: में ल्थित है (श्रीर इससे उपायद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ती के कार्यालय श्रर्जन रेज 3, नई दिल्ली, भारतीय श्रायकर श्रीधनियम, 1961 के श्रवीन, दिनांक मई, 1984,

कार पृष्णिकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई ही और मुक्ते यह विश्वास का कारण है कि यथापूर्वोकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही गौर अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया अतिफल, जिल्ली कि उद्देश्यों से उनत अन्तरण लिखित में बाग्नविय, कर से कथित नहीं किया एशा है ---

- (क) बन्तरण में हुइ किसी अप की बाबत, उक्त अधिनियम की अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मो कमी करने या उससे वजने में सृत्रिधा के लिए; अरिक्या
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य ब्रास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उबत अधिनियम, ण धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिकी द्वारा प्रवट नहीं किया गया था या विध्या जाना चाहिए था, दिवाने मो सुविधा के लिए;

नतः अव, उक्त निधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त निधिनियम की धारा 269-म को अपभारा (1) के सभीन, जिल्लानिक व्यक्तियों, नर्धातः :---7-446 GI/84

- (1) कौशल्या एजुकेशन ट्रस्ट द्वारा श्री विवेक कपूर, 11/4वी, पूसा रोड, नई दिल्ली । (ग्रन्तरक)
- (2) श्रोमती सुदर्शन कान्ता जैन पत्नी श्री ग्रार एस॰ जैन, 59-बनारसी दास इस्टेट, तिमारपुर, दिल्ली। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्ष व्यक्तियों में ये किसी व्यक्ति दवारा;
- (व) इस सूचना क राजपत्र में प्रकाबन की तारोब है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मति में हित्बाहर किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवोहस्ताक्षरी के पाट लिखित हैं किए जा सकेंगे।

.सण्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उच्चत अधिनियम के अध्याय 20-क में प्रिमाधित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्या है।

अनुसूची

प्रो० तं० 51(एफ-एफ) पहनी मंजिल, 5-कौशस्या पार्क होज खास, नई दिल्ली, तादादी-400 वर्गगज ।

> जी० एस० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक अध्यक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज→3 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 31-12-1984

प्ररूप बाईं.टी.एन.एस.-----

बायकर बिधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचनः

भारत सरकार

कार्यांलय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) प्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 31 दिसम्बर, 1984

निदेश सं ० शार्ड ० ए० सी ०/एक्यू ०/ ३/ ३ ७ईई/ ५ – ८४/ ३४० – अतः मुझे, जी० एस० गोधाल,

कायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात 'उच्त अधिनियम' कहा च्या है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 190, है तथा जो बैंक इन्क्लेब, भी० एन० बो० स्टाफ, कालोनी, दिल्ली में स्थित है (अँद इससे उपाबद्ध अनुस्वी में पूर्व रूप से विणत है), राजस्ट्रोकर्ता अधिकार। वे कार्यालय, श्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली, भारतीय आयार अधिनयम, 1961 के श्रधीन, दिनांक मई, 1984.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उपकत वाजार गृहन से एम को उध्यक्ता प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का वारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उच्चित समार मृत्य, असके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के प्रतिक्त किंग् स्वार को प्रतिक्ता से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकाँ) प्रति अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे बंतरण से लिए तय प्राम गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से किथन नहीं किया गया हैं:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कमी करने या उपसे उपरे में स्विता के लिए; और/था
- (स) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य अपस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनिएम, 1922 (1922 का 11) या उक्त लिधिनिएम, या धनकर अधिनिएम, या धनकर अधिनिएम, या धनकर अधिनिएम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था मिया जाना जाहिए था रिपाने हों मुविधा हो लिए।

जतः कव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, में, डक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के बधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात

- (1) श्रीमतो परमेश्वरो देवी श्रौर श्री बी० एम: कस्पूरिया निवामी--- प्-9, कृति विहार, नई दिल्ली-48। (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती कान्ता गर्ग निवासी—1478 दिवान हल रोड, दिल्लॉ—6 ।

(अन्तरिती)

का यह स्थाना अपने करके प्रवेक्ति सम्पत्ति के अर्थन के लिए कर्वकात्यों क्षा करता ह्या

लक्त सन्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी मध्येष :---

- (क) इस रचना धेरावपण बोबाबान को तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धि व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को खब् , ये सी उपि वार मारा होंगे हा, के वंतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा:
- (स) इय सूचना के राजधन में प्रकाशन की आरीष से तंत कि । शांतर प्रकार प्रमाति में हिनवद्ध दिलों भरूप व्यक्ति द्वार अधोत्स्ताक्षर के पास व्यक्ति में जिलाज मुखीं।

स्पष्टिकरण :--- इसमें प्रयुक्त शन्दों श्रोर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ हागा जा उस अध्याय में दिया स्था ही।

अनुम्बी

प्रो० गं० 190, बैंक इन्त्रोब, भी० एन० बी० स्टायः कालोनी दिल्ली-92, नावादी 200 वर्षगत ।

> जीव एसर गोतवाल सक्षम वाधि हारी सहाय १ प्राय हर खाधुक्त (तरीधण) स्रर्जन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 31-12-1984

प्ररूप बाहा टी. एन. एस. -----

ब्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 जनवरी 1985

निदेश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०/3/37ईई/5-84/313---म्रतः मुझे, जी० एस० गोपाल,

अधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स वो अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. सं अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० 16, है तथा जो डब्ल्यू-ई-ए-करोल वाग, नई दिल्ली, में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से वणित है). रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय. ग्रर्जन रेज-3, नई दिल्लो, भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम-1961 के ग्रधीन, दिनांक गई, 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल को लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अंतरित की गई है मुफ्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यह पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिशों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्रिक रूप से किथा नहीं किया ग्या है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत: अत:, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, ज्यत अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—

(1) मै॰ राजेन्द्रा जैना टावर प्रा॰ लि॰ एन-52ए, कनॉट प्लेस, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती रेखा माथुर श्रौर श्रीमती उषा माथुर, महाराजा निवास-9950 सराय रोहिला, नई दिल्लो।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर उंपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

ग्रार० पी० बी०-16-बेसमेंट, डब्ल्यू-ई०-ए-ग्रजमल खान रोड, करोल बाग, नई दिल्ली, तादादी-68 वर्गफीट ।

> जी० एस० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 5-1-1985

प्ररूप बाइं. टी. एन. एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 जनवरी, 1985 निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/3/37ईई/5-84/312---ग्रतः मुझे, जी० एस० गोनल,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृल्य 25.,000/- रु. से अधिक है

द्भौर जिसकी सं० 215ए, है तथा जो 15ए/20 करोल बाग. नई दिल्ली, में स्थित है (श्रीर इसमे उपावक अनुमूचा में पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ना अधिकारा के कार्यालय, अर्जन रेज-3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर यधिनियम, 1961 के अधीन दिनांक मई, 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है: ---

- (क) ब्रुन्तरण से हुई किसी बाय की बाबस, उनस बाधिनियम के ब्रुधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुध्यिश के सिए; बांद्र/वा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, कियान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के मधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैं० राजेन्द्रा जैना टावर प्रा० लि० एन-52ए, कनॉट प्लेस, नई दिल्ला । (अन्तरक)

(2) श्रो रमेश चन्द सुखोजा, कालेज नं० 9, जेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ला ।

(ग्रन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यवितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यविध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भौतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहन्ताक्षरी के णस लिखित में किए जा सकोंगे।

श्यष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्घी

ग्रार०-पी०-बी-215ए, प्लाट 150/20 ग्रजमल खां रोड, डब्ब्यू-ई-ए-क्रोल बाग, नई दिल्ली, तादादी 28 वर्ग फीट ।

जी० एस० गोपाल सक्षम प्राधिकारो सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रोज-3 दिल्लो, नई दिल्लो-110002

दिनांक : 5-1-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आग 269- प (1) के धंधीन स्प्रना

्भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, नई दिल्लो

नई दिल्लो, दिनांक 5 जनवरी 1985

निदेश सं० म्राई० ए० सो०/एक्यू०/3/37ईई/5-84/311--ातः मुझे, जो० एस० गोराल,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

स्रोर जिसको सं० 223ए, है तथा जो डक्टयू-ई-ए-करोल वाग नई दिल्लो में स्थित है (श्रीर इससे उपावड अनुसूचो में पूर्ण रूप से विगत है), राजस्ट्रोकर्ता अधिकारों के कार्यालय, अर्जन रेज-3, विद्वार, में भारतयीय आयकर अधिनियम-1961 के अधीन दिनांक मई-1984,

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल के ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती कितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त, निक्तिमित उद्देश्य में अस्त करने प्राप्ति में किति है किया क्या है ——

- (क) बन्तरण सं हुइं किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के बन्तरक के दियत्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के जिस्स अपिर या
- (ड) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अन्तरण हो है, उक्त अधिनयम की धारा 269-६ को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

- (1) मैं ॰ राजेन्द्रा जैना टावर प्रा० लि॰ एन-52ए, कनॉट प्लेस, नई दिल्लो । (म्रन्तरक)
- (2) श्रोमती कुमुद जैन, निवासी---130 गलो नं० 15 जोसो रोड, करोल बाग, नई दिल्ली । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पृशांक्ट सम्पृत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के जीतर पूर्वोक्त व्यक्ति में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखन व चित्र प्रासकोगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त किंधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्या है।

वप्स्ची

म्रारः -पो० वो०-223ए, डब्ल्यू-ई-ए-करोल बाग, नई दिल्लो, (यू०-जो-एफ) तादादो 28 वर्गफीट । जी० एम० गोगल सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेज-3 दिल्ली, नई दिल्लो-110002

दिनांक : 5-1-1985

प्रकृष आई. टी. एन. एस.-----

बासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 259-घ (1) के अधीत स्चता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 31 दिसम्बर 1984

निदेश सं० आई० ए० सी० $_{I}$ एक्यू० $/3_{I}37$ ईई $_{I}5-84_{I}354--$ अतः मुझे, जी० एस० गोपाल,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थादर सम्पत्ति, जिल्का जीचत बर्जार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रौर जिनकी सं० बी-26, है तथा जो युसफ सराय, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबड अनुसूची में पूर्व रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली, में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन दिनांक मई, 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मृत्य में जा के दरयमा प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मृक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है जार अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त कि निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में जम्मिकिक हमा किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त स्विध-नियम के अधीन अर दोने के अन्तरक के दियात्व में कमी करने या उसते दचने में गर्विता के लिए. और/मा

अत अब, उक्त र्यानियम कौ धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) मे० ए० पी० अपार्टमेंट प्रा० लि० आदिनाथ श्री हाउस-अपी० मुपर बाजार, कनॉट सर्कस, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमतो गोता गुणा पत्नी श्री जगदीश गुण्ता, निवासी--जे-78, सांकेत, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करकं प्वांक्त सम्मित के अर्जन के सिक् कार्यवाहियां शुरू करता हू ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोर्ड भी अप्शेष ---

- (क) इस सूचना के राजधन मा शुकालन की सारीख से 45 दिन नहीं अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन नहीं अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो. के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों मा से किसी व्यक्ति होता।
- (स) इस सूचना के राजपन को प्रकाशन की ठारील से 45 दिन के भीतर उथत न्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा उथोहन्ताक्षरी की पास सिक्ति में दिन का भाग ।

स्वश्वाकरणः---इसमें प्रयुवत कवो और पदौँ हा, जो उक्द अधिनियम ये अध्याद 23 के मो परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस कथ्माय में दिशा गया है।

नन्स्ची

प्रो० नं० बी-26, जैना कर्माणयल कमप्लेक्स, युसफ सराय, नई दिल्ली, नाटादी 50 वर्ग फीट ।

> जी० एस० गोपाल गक्षम प्राधिकारी महायक आयक्तर आयुक्मे (निरीक्षण) अर्जन रेज-3 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 31-12-1984

इस्स बाहु'. टो. त्व. एड.-----

अध्यक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आसकर आयुक्त (निरोक्षण)
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 4 दिसम्बर 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०, $3_1 37 \$ \$ 1 5 - 84_1 334 - 98$ अतः मृझे, जी० एस० गोपाल,

असकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'एकत अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि रक्षावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रू. सं अधिक हैं

स्रोर जिसकी सं० एफ-18, है तथा जो प्रीत विहार, दिल्ली प्रीत नगर दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम-1961 के अधीन दिनांक मई-1984,

को पूर्वोद्य संपति के उचित वाजार मूल्य में कम के इध्यमान प्रांतफल के लिए इन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके इध्यमान प्रतिकृत सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का क्द्रह प्रतिश्व सं तथिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (जंतरितियों) के भीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-क्त निम्नितिकत सद्देश्य से स्वम मन्तरण लिकिन में लास्त-शिक रूप में कांचित सहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में किमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एरेरी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिह्ने भारतीय जायकर गिधनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिधनियस या धन्तेर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में मुविधा के निए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-में का उपधारा (1) के अधीत, निम्निलिखित व्यक्तियों, सर्थात्:-

(1) श्रीमती वाई० जी० कपाडिया,निवासी--3-मेयफेयर हाउस, लिटील गिब्स रोड,बम्बई-6।

(अन्तरक)

(2) श्री विषिन कुमार सुपुत श्री श्रीचन्द, निवासी—9,3653, न्यू धरमपुरा, गांधी नगर, दिल्ली—31 ।

(अन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुक्ता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन गरी अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेत्स व्यक्तियों में किसी व्यक्ति बुदारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के शीतर उचत स्थावर स्थानित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अशेहस्ताक्षरी के शप्त !लखिट के किए जा सकाँग ।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियण, के अध्याः १०-८ में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया समा है।

अनुसूची

प्रो० नं० एफ-18, प्रीत विहार, प्रीत नगर, को०-आपरेटिव हाउस बिल्डिंग सोसायटी, दिल्ली, तादादी 570 वर्गगज ।

> जी० एस० गोपाल सक्षम प्र.धिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 4-12-1984

प्रकप बाइ. दी. एव. एम. -----

आयकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

मारत सरकाड

कार्यालय , सहायक आयकर आयक्त (निर**क्षिण**) अर्जन रेज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 31 दिसम्बर 1984 निदेश सं० आई० ए० सी०/एवयू०/3/37ईई, 5-84/ 332—अत: मुझे, जी० एस० गोपाल,

बायकर बिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, किसका उचित बाजाई मृत्य 25,000/- रुगए से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 101, है तथा जो 5-कीशल्या पार्क, हीज खास. नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन दिनांक मई, 1984,

कां पूर्वोका सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एमे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय श्या गया प्रतिफल, निम्निचित उद्योग्य से उच्त अन्तरण के किए तम भाग में वास्तिक स्पार्थ के श्रित नहीं किया गया है के

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त बिधिनियम की अभीन कार दोने की अन्तरक की दायित्व में कमी करते या उससे बचने में तृबिधा दी लिए, बार/या
- (क) एसी किसी लाय या किसी धन या अन्य आरित्याँ का, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने घें सविभा के लिए;

बत: बन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण बो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभाग (1) के अधीन, निम्निसिस व्यक्तियों, अर्थात :---

- (1) कौशल्या एजुकेशनल ट्रस्ट द्वारा श्री विवेक कपूर, 11/4-वी, पूसा रोड, नई दिल्ली । (अन्तरक)
- (2) श्रीमती सुदर्शन कान्ता जैन पत्नी श्री आर० एस० जैन, 59-वनारसीदास इस्टेट, तिमार पुर, दिल्ली-7 (अन्तःरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संवंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सपाप्त होती हो, के भीतर पूर्व केत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर पूर्तियत जनत स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अशोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के सम्बाद 20-क में परिभाषित हाँ, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

अनुस्ची

प्लैट नं० 101, ग्राउण्ड पतोर. 5—हीणल्या पार्क, होज खास, नई दिल्ली, तादादी 1797 वर्गफीट लगभग ।

िं। एस० गोपाल सक्षम प्राधिकारी गहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 31-12-1984

प्ररूप आर्द्द. टी. एन. एस.------अभ्यक्तर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 31 दिसम्बर 1984

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 302, 303, 305 है, तथा जो 21-यूसुफ सराय नई दिल्ली-16, में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम-1961 के अधीन, दिनांक मई, 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित ब्ली गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्ब, उबके व्यथमान प्रतिफल से, एसे व्यथमान प्रविफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे वंतरण के लिए दय पाया नया प्रात्तफल, निम्निलित उद्देश्य से उक्त बंतरण निवित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (फ) बंतरण संहुई किसी बाय की बाबता, उसस जिमित्यम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने वा उससे वचने में सुविधा के लिए; करि/बा
- (५) एसी किसी बाब या किसी धन या बन्य अस्तियों की, जिन्हों भारतीय अधिकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया बाबा था किया बाना चाहिए था छिपाने हों स्वीवधा के लिए,

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निमालिखिल व्यक्तियाँ, अर्थात् :--8-446 GI /84

(1) मैं असाकेत प्रोपर्टीज प्रा० लि सी-538 डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली-24 ।

(अन्तरक)

(2) मैं विश्वास इन्वेस्टमेंट एण्ड ट्रेडिंग (प्रा०) लिंब जी-एफ-6, प्रभात किरन, 17 राजेन्द्र प्लेस, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्पत्ति के वर्षन् के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप् :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ज 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, वो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त राक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निचित में किए या सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

फ्लैंट नं० 302, 303 ग्रौर 305, तादादी 1130 वर्गफीट, लगभग प्लाट नं० 21, युसफ सराय कम्युनिटी सेंटर, नई दिल्ली-16

> जी० एस० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 31-12-1984

प्ररूप आई' टी एन एस .-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 31 दिसम्बर 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37ईई/5-85/337--अतः मुझे, जी० एस० गोपाल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 28 से 39 है तथा जो आर-16, 3-भीकाजी कामप्लेक्स, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली भारतीय आयकर अधिनियम-1961 के अधीन दिनांक मई, 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य में कम के द्रश्यमान पितफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बौरु/या
- (क) ऐसी किसी काय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा सुविधा के लिए,

बतः बदः, उकत विधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण मं, मं, उकत विधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वधीत् :—

- (1) कुमारी गायती शाह, निवासी—एस—79, ग्रेटर कैलाश—1, नई दिल्ली। (अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के तिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप 🖫 🖚

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का थो उनस अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्या

सी०-पी०-एस०-नं० 28 से 39 ग्रौर आर-16 बिल्डिंग नं० 3, भीकाजी कामप्लेक्स, नई दिल्ली, तादादी 398 वर्गफीट।

जी० एस० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 31-12-1984

मोहर 🖫

प्ररूप बाई. टी. एन. एस. = - - ---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सर्कार

कार्यालय, सहाय्क वायकर वायुक्त (निर्क्षिण)

ं अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 31 दिसम्बर 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37ईई/5-84/348--अत: मुझे, जी० एस० गोपाल,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 524-ए, है तथा जो जनकपुरी, जैना टावर' नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में पूर्व रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन, दिनांक मई-1984,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के छ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबतः, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व के क्वा कुरने वा उत्तर बचने में सुविधा के लिए; बौड/वा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से स्विभा के लिए:

अतः । अवः , उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में , न , उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन , निम्नलिखित व्यक्तियों , धर्त र्ः—

(1) जैना प्रोपर्टीज प्रा॰ लि॰ आदिनाथ श्री हाउस, अपो॰ सुपर बाजार, कनाट सर्कस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) स्क्वायर लि० डी० के० शर्मा सुपुत श्री बी० एन० शर्मा, निवासी-एल-6, ग्रीन पार्क, एक्सटेंशन, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप हु-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह[‡], वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

मन्स्पी

जैप्रो॰ नं॰ 524-ए, ना टावर, डिस्ट्रिक्ट सेंटर, जनकपुरी नई दिल्ली, तादादी 200 वर्गफीट ।

> जी ० एस० गोपाल सक्षम प्राविकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3. दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक 31-12-1984 मोहर 🛭

प्ररूप बाई.टी.एन.एस. -----

आय कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्थालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 31 दिसम्बर 1984 निर्देश सं० आई०ए० सी०/ए यू०/3/37ईई/5-84/349-अत: मुझे, जी० एस० गोपाल,

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं जी-19, है तथा जो एन० -बी-नं 2, पश्चिम विहार, नई दिल्ली, में स्थित है (और इसने उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय,, अजन रेंज-3, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियण-1961 के अधीन, दिनांक मई-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण चनिवत में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक औ दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

कतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण कों, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिल व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्री रिवन्दर नाथ निवासी—1/9290, स्ट्रीट नं० 2, प्रतापपुरा, रोहताश नगर, शाहदरा, दिल्ली—32 । (अन्तरक)
- (2) जैना प्रोपर्टीज प्रा० लि० आदिनाथ श्री हाउस, अपो० सुपर बाजार, कनाँट सर्कस, नई दिल्ली । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों आरे पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्यी

प्रो०नं ० जी-19, (एन-बी०-नं ० 2), जैना मार्केट कमिशयल कम्पलेक्स, पश्चिम विहार, नई दिफली, तादादी-37 वर्गफीट ।

> जी० एस० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 31-12-1984

प्रक्ष बार्षः, टी., एवं ... एवं ...

आयकरु अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यात्तय, सहत्यक बायकार नायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 31 दिसम्बर 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एनयू०/3/37ईई/5-84/350---अत: मझे, जी० एस० गोपाल,

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के वधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- इ. से विधिक है

और जिसकी सं बी – 26, है तथा जो युसफ सराय, जैना कमशियल कम्प्लेक्स, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेज – 3, नई दिल्ली भारतीय आयकर अधिनयम, 1961 के अधीन, दिनांक मई, 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रममान प्रतिफल से, ऐसे ध्रममान प्रतिफल का पन्नह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे बंतरण के लिए तम पामा गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक स्म से कथित नहीं किया गवा है है—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, डक्त बीधनियम के बधीन कर देने के बन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा वीं लिए; बीट/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्ह भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, विश्व के प्रवाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा के बिए;

जतः ववं, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण मं, मं उक्त विधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, जथाति हिन्स (1) ए० पी० अपार्टमेंट प्रा० लि० आदिनाथ श्रीह। उस, अपी० सुपर बाजार. कनाट सर्कस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री राजेश वर्मा सुपुत्र श्री एस० एन० वर्मा, निवासी—-वाई-64ए, होज खास, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

का यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त संपरित के वर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जुन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ह-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से • 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वयद्धीकरणः --- इसमें प्रयुक्त बन्दों बीट पदों का, वो उपद अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसची

प्रो॰ नं॰ बी-26, जैना कमिश्रयल कम्प्लेक्स, युसफ सराय, नई दिल्ली, तादादी 50 वर्ग फीट ।

> जी० एस० गोपाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली-110002।

दिनांक : 31-12-1984

प्रकप् बाइ', टी. एव. एस्.-----

बायकर बिधिनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बभीन सुभना

भारत बरकाड

कार्यास्य, सहायक बायुकर बायुक्त (निर्दीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 31 दिसम्बर 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37 ईई० 5-84 / 351-अतः मुझे, जी० एस० गोपाल

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इस के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मुक्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 210 है तथा जो युसूफ सराय कर्माशयल कम्पलैक्स, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या—लय, अर्जन रेंज—3, नई दिल्ली में तारीख मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिज्ञत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरिक्षियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निचिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उन्नत विध-नियम के बधीन कर देने के बन्तरक के दायित्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बार/या
- (क्ष) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा के लिए;

बत:, बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-च के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) म० ए० पी० अपार्टमेंट प्रा० लि०, आदिनाथ श्री हाऊस, अपोजिट सुपर बाजार, कनाट सर्कस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शीला कपूर, निवासी मधुवन, करनाल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्चन के निष् कार्यवाहिया करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप हु-

- (क) इस मूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, खों भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास निविद्यत में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होग्र जो उस अध्याय में दिया गया है।

उन्स्ची

प्रापर्टी नं० 210, यूसूफ सराय कर्माशयल कम्पलेक्स, नई दिल्ली, तादादी 165 वर्ग फीट ।

> जी० एस० गोपास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली।

तारीख: 31-12-1984

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के विभीत सुचना

नारव बहुकार

कार्यातय, सहायक वायकर वाय्क्स (विद्रक्तिण) अर्जन रेज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 जनवरी, 1985

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्यू० $/3^{1}37$ /ईई०/5-84/344—अतः मुझे, जी० एस० गोपाल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 325 है तथा जो जैना टावर, जनक पुरी, नई विल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख मई, 1984

को पूर्वोक्त संम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकत्त को सद्दे और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकत से, एसे दश्यमान प्रतिकत का पंदह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित में वास्तिक क्य में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरुण् से हुई किसी बाव की बाब्त्, उनक् बिधिनियम को बधीन कर दोने को बन्तरक को दाबित्व् मों कमी करने या उससे बचने में सुविधा को लिए; बार/वा
- (क) एंसी किसी बाब या किसी धन वा बन्ध आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्त्रिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा वे लिए;

कतः, बन, उक्त बिधीनयम की भारा 269-ग के बनुबरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैं ० जना प्रापर्टीज प्रा० लि०, आदिनाथ श्री हाऊस, अपो० सुपर बाजार, कनॉट सर्कस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री वाई० सी० माथुर ग्रौर श्री के० के० वोहरा, . निवासी डी-2 ए-5, मोती बाग,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्घन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा बधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पच्टीकरण १---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त विधिनियम के वध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

नन्स्ची

प्रो० नं० 323, जैना टावर, डिस्ट्रिक्ट सेन्टर, जनकपुरी, नई दिल्ली तादादी 34.20 वर्ग फीट ।

जी० एस० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

तारीख: 5-1-1985

मोहर 🔞

प्ररूप आईं.टी.एन.एस. -----

ब्रायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के ब्राधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 5 जनवरी 1985 निदेश सं० आई० ए० सी० एक्यू० 3/ 37 /ईई०/5-84 345—अत: मुझे, जी० एस० गोपाल,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० बी-11 है तथा जो पश्चिम विहार, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप-से, विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी) कार्यालय, अर्जन रेंज-3 नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 केअधीन, तारीख मई, 1984

को पूर्वों कत संपत्ति के उणित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल को लिए रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय शिवाजीनगर में धारा 269 ए.बी. के अंतर्गता सक्षम अधिकारी के सम्मुख के पास रिजस्ट्रीकृत किया गया है मुक्ते यह विश्वास का कारण है कि स्थाप्वों कत संपत्ति का उण्जित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कर्षित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बांब्त, उच्छ जिथानियम के जभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (१922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अथोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) मैं ० जैना प्रापटीज प्रा० लि०, आदिनाथ श्री हाऊस, अपोजिट सुपर बाजार, कनाँट सर्कस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री गिरीश सेठ सुपुत श्री ए० एस० सेठ, निवासी एफ-24/7, कृष्णा नगर, दिल्ली-51 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिल् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कौड़ भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रवृक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रो० नं० बी-11, जैना शापिंग कम्पलैक्स, पश्चिम विहार, नई दिल्ली, तादादी 10 वर्ग फीट ।

जी० एस० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

तारीख: 5-1-1985

प्रस्य बाह्र, टी. एन. एस : -----

बाथकर बांधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिफली, दिनांक 5 जनवरी 1985

निदेश सं० आई. ए० सी० /एक्यू०/3/37 ईई०/5-84/ 346--अत: मुझे, जी० एस० गोपाल

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पत्त्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाबार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 424-ए है तथा जो जनकपुरी, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में आयकर अधिनियम, 1961 की के अधीन, तारीख मई, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान गितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रोतशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिक में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 1-1) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना, चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिरियम की धारा 269-ग के अन्सरण भैं., मैं, इक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)' ले अधील, निम्नलिखित ध्यक्तियों, अर्थात्:⊶ -

9-446 GI /84

(1) मैं० जैना प्रापर्टीज प्रा० लि०, आदिनाथ श्री हाऊस, अपोजिटं सुपर बाजार, कनॉट सर्कस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मैं० स्कवा० लिमिटेड, श्री एस० के० गुप्ता सुपुत्र श्री टी० पी० गुप्ता, निवासी डी-11,60, बेस्ट किदवई नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त स्म्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के द्वाजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—-इंसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनस्थी

प्रोपर्टी नं० 424-ए, जैना टावर डिस्ट्रिक्ट सेन्टर, जनकपुरी, नई दिल्ली, तादादी 200वर्ग फीट ।

जी० एस० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

तारीख: 5-1-1985

प्ररूप बार्ड, टी ्र एक ्र एस्, लग्नल

जायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 5 जनवर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/36 ईई०/5-84/ 327--अतः मुझे, जी० एस० गोपाल

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), जो कि धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 408 ई तथा जो 22, राजेन्द्रा प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी) कार्यालय, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में आयकर अधिनियम, 1961 कीं के अधीन तारीख मई, 1984

को प्रोंक्त सम्पति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, मिडकोर में धार 269 ए.बी. के अंतर्गत सक्षम अधिकारी के सम्मुख/के पास रिजस्ट्री-कृत किया गया है, मुक्ते यह विश्वास्त्र करने का कारण है कि यथा प्रवोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरण (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के बीच तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से खक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुइं किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीर, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

(1) श्री राजीव खुराना श्रौर कुमारी पल्का खुराना, निवासी 24/29, श्रोल्ड राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

'2) मैं शिव जवाला बेनीफिशरी ट्रस्ट, 23/29, भ्रोल्ड राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवींक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (कं) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कर व्यक्तियाँ में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में किना गया है।

MA BY

फ्लैट नं० 408, पद्या डावर-2, 22, राजेन्द्रा प्लेस, नई दिल्ली, मल्टी स्टोरी तादादी 515 वर्ग फीट।

जी० एस० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, दिल्ली न**ई दिल्ली**,

तारीख : 5-1-1985

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिफली, दिनांक 5 जनवरी 1985

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्यू०/3/37 ईई०/5-84/ 330--अतः मुझे, जी० एस० गोपाल

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उन्चित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्नीर जिसकी सं० ए-310/5 है तथा जो भीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- ्क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) एसी किसी जाय या किसी धन जन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा को लिए;

बतः बब, उक्त बिध्नियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, भिम्निसिंहत व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री वाई० एस० तयाल, निवासी बी-610, सफदरजंग इनक्लेव, नई दिफली।

(अन्तरक)

(2) कुमारी राधिका तयाल, बी 6-10, सफदरजंग इनक्लेव, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नया हैं।

श्रनु सूची

प्रो॰ नं॰ 310, प्लाट 5, भीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली, तादादी 275 वर्ग फीट ।

जी० एस० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

तारीख: 5-1-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 7 जनवरी 1895

निदेश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०/3/37 ईई०/5-84/ 333---म्रतः मुझे, जी० एस० गोजान

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/-रा से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 522/9 है तथा जो भीकाजी कामा प्लेस नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपावड ग्रनुस्वी में ग्रीर पूर्ण रूप मे वणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ग्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में आयकर ग्रायकर ग्रिधिनयम, 1961 के ग्रधीन, तःरीख मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह—

 श्री धर्म पाल मै० शिवलाल एण्ड सन्स, 17/2, युसफ सराय, नई दिल्लो।

(म्रन्तरक)

(2) श्री अमतेवर आनन्द,(एच० यू० एफ०),154, जोर वाग,नई दिल्ली-3।

(म्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चना के राजधन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निधित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूचीं

फ्लैट नं० 522, प्लाट नं० 9, भीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली तादादीं 335 वर्ग फीट ।

> जी० एस० गो शल सक्षम प्राधिकारो महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

तारीख: 5-1-1985

प्रक्य नाइ". टी. एन. एड.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2.69-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) भ्रजन रेज-3, नई दिल्ली नई दिल्लो, दिनांक 5 जनवरी 1985

निदेश सं० म्राई० ए० सी०/एक्य० /3/ 37 ईई०/5-84/ 338—म्रतः मुझे, जी० एस० गोताल

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रतिध कारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित् बाजार मृल्य 25,000/- रू. में अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं जी-51 है तथा जो पश्चिम विहार, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपावड ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रीध कारों के वार्यालय, ग्रर्जन रेंज-33 नई दिल्ली में भारतीय ग्रायकर ग्रीधिनयम, 1961 के ग्रिधीन, तारीख मई, 1964

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान श्रीतफल के लिए अंतरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के बिए; और/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में हिवधा के निए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निकनिस्ति व्यक्तियों, नर्थात् ध्—

(1) श्रीमती कमला वर्मा, निवासी ए-2/258, पश्चिम विहार, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती शांता देवी पत्नी श्री मदन लाल, निवासी मार्फत डी-59, न्यू मुलतान नगर, दिल्लो-56।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख़) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्ची

प्रो० नं. जी-51, ग्राउन्ड फ्लोर, जैना शोपिंग कम्मलेक्स, पश्चिम विहार, नई दिल्लो, तादादो 108 वर्ग फीट ।

> जी० एस० गोनाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

तारीख: 5-1-1985

मोहर 🖫

प्रारूप वार्ड .टी .एन .एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यात्तय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 5 जनवरी 1985

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/3/ 37 ईई०/5-84 339--- श्रतः मुझे, जी० एस० गोपाल

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त बिधिनियम' कहा गया है), की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से बिधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 146 है तथा जो झण्डे वालान, ढावर में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वाणत है), राजस्ट्रीकर्ता ग्राधकारों के कार्यालय, ग्रर्जन रेंज-3, नई दिल्लो में भारतीय ग्रायकर ग्राधिनयम, 1961 के ग्रधीन, तारीख मई, 1984

पूर्नोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से, एसे दृश्यमान प्रतिफाल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त विभिनियम के वधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के बिए; बॉर/या
- (ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

बतः अब, इक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

(1) मैं० स्कोपर कन्स्ट्रक्शन्य,
 कम्पनी प्रा० लिमिटेड,
 22, बाराखम्भा रोड,
 नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) मैं० एम० सो० तलवार एण्ड कं०, 2481/9, विडन पुरा, करौल बाग, नई दिल्ली-5 ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में को**ई भी वाक्षेप**:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं करें 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त घट्यों शौर पदों का, बो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहने वर्ध होंगा जो उस अध्याय में दिशा गया है।

वन्त्यी

फ्लैट नं ॰ 146, झंडे वालान टावर, नई **दिल्लो, तादादी** 352 वर्ग फीट ।

> जी० एस० गोपाल स्थम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, नई दिस्सी

तारीख: 5-1-1985

प्ररूप बाई.टी.एन.एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 5 जनवरी 1985 निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/3/37 ईई०/5-84/ 341—म्रतः मुझे, जी० एस० गोपाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० एच० डी० 45 है तथा जो पितमपुरा, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वृणित हैं), राजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारों के कार्यालय, श्रार्थन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर श्रीधनियम, 1961 के श्रधीन, तारीख मई, 1984

को पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिखत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उदुदृश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उपक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/बा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आता बाहिए था, डिपाने में ख्रीवधा के लिए;

बत: बब, उक्तं अधिनियम की थारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री के० के० दुम्रा,
 राणा प्रदाप बाग,
 दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीराज चावला ग्रीर श्रीदीपक चावला, निवासो 17/14, शक्ति नगर, दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवास्त्रियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबङ्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के णस लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया जया है।

वन्त्रकी

'प्लाट नं॰ एच॰/डी॰ /45 पितमपुरा, दिल्लो, तादादी 253 वर्ग मोटर।

जी० एत० गोनाल सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-3 नई दिल्ली

तारोख: 5-1-1985

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सस्कार

कार्यालय, सहारक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 5 जनवरी 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/ 37 ईई०/5-84/ 315---अतः मुझे, जी० एस० गोपाल

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम पाधिकारी को, यह जिक्कार करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० 24-ए है तथा जो 15-ए/20, करौल बाग, नई दिल्ली में ल्थित है (स्रौर इससे उपावद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विगत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिनारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का मन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उन्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बिधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे ब्चने में सृविध्व के लिए; ब्रीर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अल्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धरकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत:— (1) मैं राजेन्द्रा जैना टावर प्राइवेट लिमिटेड, एन-52-ए, कनाट प्लेस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कुमुदिनी लहीरी,
एफ०-पी० 3,
डाइरेक्टोरेट आफ फाइनेंसियल प्लानिंग,
जी० एस० ब्रान्च,
ए० एच० क्यू०,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

कां वह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सल्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस स्चमा के राजपत्र में प्रकाशनों की तारीख से 45 दिन के भीतर उच्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कांगे।

स्पष्टोकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्चीं

आर० पी० वी० 24-ए, प्लाप्ट 15-ए/20, डब्ल्यू० ई० ए०, करौज बाग, अजमल खा रोड, नई दिल्ली, तादादी 34 वर्ग फीट ।

जी० ए.ग० गोपाल सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

तारीख: 5-1-1985

गोहर :

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नहीं दिर्दी

मई दिल्ली, दिनांवः 5 जनवरी 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्पू०/3/37 ईई०/5--84/ 307---अट-- मुझे, जी० एस० गोपाल

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

जितकी सं 124 है तथा जो 15-ए/20, डब्ल्यू० ई० ए०, करौल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है),रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेज-3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नीलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्तिक रूप से किथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाद की बावत, उदल अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के राम्टिन मों कमी करने या उससे बचने में नृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या किसी आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, खिपान में सुविधा के लिए;

कतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---10--446 GI/84 (1) श्री राजेन्द्रा जैना टावर प्राइवेट लिमिटेड, एन-52-ए, कनाट प्लेस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री पवन कुमार, निवासी मार्फतः ई-51, देव नगर, नई दिल्ली-5।

(अर्न्टरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के डर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उपत संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यन म कामान ना जारीब सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतन पूर्वों कर व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति इवाराः
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के एख लिखित में किए जा सकारो।

स्पष्टीकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उस्तें अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वनस्थी

आर० पी० बी० 124, प्लाट $15 \, \text{ए}/20$, डब्स्यू० ई० ए०, अजमत खां रोड, करौल बाग, नई दिल्ली, दादादी 55 वर्ग फीट ।

जी० एस० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

तारीख: 5-1-1985

प्रस्प नाइ. टी. एन्. एस .- - = =---

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंच-3, नई दिल्ली नई दिल्ती, दिनांक 5 जनवरी 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० /3/37 ईई०/5-84/ 308-अतः मृझे, जी० एस० गोपाल

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति , जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 205 है तथा जो डब्ल्यू० ई० ए० क्रील बाग, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, के 1961 अधीन, तारीख मई, 1984

को पूर्वोक्त सपित के उचित बाजार मृत्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किविक के नास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है

- (क) कन्तरण से हुई किसी बाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए: और/या
- (स) एसी किसी आय गा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आग-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा पकट नहीं किया गम था या किया जाना चाहिए जा छिपारे में गविधा के लिए;

अत: अब. डाबत अधिनियम की धारा 269-ग केन जन्सरण भी, मी, उन्नत अधिनियम की धारा 269-म वी स्पधाय (1) हो सभीन, निम्नलिखित स्यवित्तयों, बर्बाहा केन्स् (1) मैं० राजेन्द्रा जैना टावर प्राइवेट लिमिटेड, एन०-52-ए, कनाट प्लेस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री अशोक कुमार, निवासी-11/1-बी, पूसा रोड, नई दिल्ली।

(अन्तर्रिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त समात्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आईंप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जां भी अवधि बाद में समाप्त हांती हो, के भीनर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (ख) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की नारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृति में हितबद्ध निसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास रिक्तित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के सध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनसूची

आर० पी० बी० 205, अप्पर ग्राउन्ड फ्लोर, 15-v/20, अजमल खां रोड, क्रील बाग, नई दिल्ली, तादादी 55 वर्ग फीट ।

जी० एम० गोपाल मक्षम पाधि हारी महायक आयकर आयुक्त: (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

तारीख : 5-्1-1985

मोहर 🗄

प्ररूप बार्द _ टी. एन . एस . - - - ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

बारत सडकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 जनवरी 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37 ईई०/5-84 309--अतः मुझे, जी० एस० गोपाल

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके गश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी सं० 219-ए है तथा जो 15-ए/20, डब्ल्यू० ई०ए०-,करौल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से गणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, ठारीख मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आव की बाक्त, उक्त बीधनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के विधित्व में कभी करने या उससे बचने में सविधा के लिए बीद/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृविधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की अपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियें अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियें अधीन,

(1) मैं ० राजेन्द्रा जैना टावेरे प्राइवेट लिमिटेड, एन-52/ए, कनाट प्लेस, नई दिल्लो।

(अन्तरक)

(2) श्री जे० आनन्द, निवासी आर-516, न्यू राजेन्दर नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनस्वी

आर० पी० बी० 219-ए, प्लाट नं० 15-ए/20, डब्ल्यू० ई०ए०, करौल बाग, नई दिल्ली अजमल खां रोड, तादादी 28 वर्ग फीट।

जी० एस० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

तारीख : 5-1-1985

मोहर

- 16m affection with him - of the 1 married by and

प्रस्पः नाइं.टी.एद.एस. ------

भागनार नोधनियम, 1901 (1961 का 43) को धारा 269-म (1) के नधीन सुचना

भारत सरकार

कामालय, सहायक कायकर वायुक्त (निराक्षिण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 5 जनवरी 1985

निदेश सं० म्राई० ए० मी०/एक्यू०/3/ 37 ईई०/5-8 4/ 310--म्रतः मुझे, जी० एस० गोपाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 25 है तथा जो 15-ए/20, करौल लाग. नई दिल्ला में स्थित है (श्रौर इससे उपाबड अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिन्ट्रीकर्ना अधिकार, के कार्यालय, श्रजन , रेंज-3, नई दिल्ला में भारनीय श्रायकर अधिनियम, 1961 के श्रधीन, तार,ख मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विश्वार करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण स हुई किसी जाय की बाबत, उपते जिन्दाम के जभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जान चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निक्कालिक्षित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) र्म० राजेन्द्रा जैना टावर प्राइवेट लिमिटेड. एन-52/ए, कनाट प्लेस. नई दिल्दी ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमनो नील वाई धर्मपतनी स्वर्गीय श्री गरमानन्द, निवासी बो० के० 7/8. शालीमार वाग. '

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख मं 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर संपत्ति में हितबढभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

वनसूचीं

न्नारः पी० बी० नं० 25 प्लाट नं० 15-ए/20, डब्ल्यू०ई० ए०, स्रजमल खां रोड. करौल बाग, नई दिल्ली, नादाद: 68, वर्ग फींट ।

> जा० एस० गोपाल सञ्जन प्राथिकारी महायक क्रायकर क्रायुक्त (निरीक्षण) क्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

तारं,ख: 5-1-1985

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेज-3, नई दिल्ल। नहीं दिल्ला, दिनांक 5 जनवरी 1985

निदेश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू०/3/37 ईई०/5-84/372-- अतः मुझे, जी० एस० गोपाल

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसको उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. सं अधिक है

ग्रीर जिसको सं० 101 है तथा जो 21, युसफ सराय, कम्यूनिटा सेंह्टर, नई दिल्ली सें स्थित है (ग्रीर इसने उपाबड़ अनुसूचा में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्राकर्ता ग्राधकारी के कार्यालय, ग्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ला सें भारतीय ग्रायकर ग्राधिनयम, 1961 के ग्राधका, तारंख मई 1984

को प्रबंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का बंदह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया धितिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिए। मों कमी करने या उससे बचने मों सुविधा के लिए, अरि/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) मैं० सानेत प्रापर्टीन
प्राइवेट लिमिटेड,
सी-538, डिफेंस कालोनी,
नई दिल्ली-110006।

(अन्तरक)

(2) मैं० रचना ट्रेडिंग कमोनी
 प्राइवेट लिमिटेड,
 14/4. कालका जी एक्सटेंशन.
 नई दिल्ली।

(ग्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायशाहियां करता हूं।

जकत संपत्ति के अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीं सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीसर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दा आर पदौ का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हाला जो उन्न का प्राप्त में दिया गया है।

अनुस्वी

प्लाट नं० 101, तादादी 393 वर्ग फीट, प्लाट नं० 21, युसफ सराय, कम्युनिटी सेन्टर,नई दिल्ला।

> जी० एस० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

तारीख : 8-1-1985

प्रकल गाइ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत शरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3. नई दिल्ली

नई दिन्त्री दिनांक 8 जनवरी 1985

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/ 3/37 ईई०/5-8 4/373--- ग्रतः मुझे, जा० एसं० गोपाल / अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/-रः. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं 105 है तथा जो 21, युँसफ सराय, कम्युनिटी सेन्टर, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे पावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है). रिजिस्ट्रोकर्ना अधिकारों के कार्यालय. श्रुर्जन रेंज: 3. नई दिल्ली में श्रायकर अधिनियम, 1961 के श्रधोन, तारीख मई, 1984

को पूर्वो स्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के, स्थमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृत्रोंकत संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितीं (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए दृश्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किखित में वास्तिक स्य में किश्वत नहीं किया गया है :----

- (क) अंतरण में हर्ड किमी आये की बावत, उकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए: आंर/मा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) से उक्त अधिनियम, या धन कर जीवित्तिम, 1957 (1957 का 27) के प्रवासनाथ अवस्थित स्थाप प्रवट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः शंक, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखत व्यक्तियों, अधित :— (1) मै॰ साकेत प्रापर्टीज प्रा॰ लि॰, सी--538, डिफेंस कालोनी, नई दिल्लं.।

(अन्तरक)

(2) मैं० रचना ट्रेडिंग कम्पनं। प्राइबेट लिमिटेड, 14/4 कालका जी एक्स नई दिल्ली।

(अन्तरक) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पतितः के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेत ;--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी न्यिक्तयां प्रस् स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ण्यष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा अवस अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषितः है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दियः गया है।

अन्स्यी

प्लाट नं० 106, तादादां, 355 वर्ग फीट, युसुफ सराय कम्युनिटी नेल्टर नईदिल्ली-110016 ।

> जी० एस० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्राथकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज−3, नई दिल्ली

तार.ख: 8-1-1985

प्ररूप बाई. टी. एन ु एस्.=---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 की 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ल,

नई दिल्ली, दिनांक 8 जनवरी 1985

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/3/37 ईई०/5-84/374—ग्रतः मुझे, जा० एस० गोपाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य

25,000/-रु. से अधिक हैं भीर जिल्ला संज 103 है तथा जो 21, युसूफ सराय. कम्युनिटा सेन्टर नई दिल्ला से स्थित है (और इससे उपाबड़ अनुसूची में भ्रोर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रोकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली से आयकर-ऑधिनियम,

1961 के अवान तारीख मई, 1984

को पूर्वीवत सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय बेंगलूर दक्षिण में धारा 269 ए, वी. के अंतर्गत सक्षम अधिकारी के सम्मूख/के पास रिजस्ट्रीकृत किया गया है मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियमें) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्दश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण सं हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के लन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; आर्/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयांजनार्थ अतिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

. अत: अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुगरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:——

 (1) मै० साकेत प्रापर्टीज प्रा० लि०, , सं।-538, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मै० रजना ट्रेडिंग कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड, 14/4 कालका जं। एक्सटेंशन, नई दिल्ली।

(ग्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सुम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सवेधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में पिआपित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

शनस्थी

फ्लैट नं० 103, तादादी 369, वर्ग फीट प्लाट नं० 21 युसुफ सराय, नई दिल्ली ।

> जी० एस० गोपाल सेक्षम प्राधिकारो सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निराक्षण) ग्रजन रेंज-3, नई दिल्लो

ताराख: 8-1-1985

वक्य आई टी. एन. एस.----

नायकार प्रीपिनियम, 1961 (1961 न्य ४३) नहीं सारा १६७ प्र (१) में अर्थन स्वाना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक अयकर अध्यक्त (निरक्षिण)
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली
नई दिक्ली, दिनांक 8 जनवरी 1985

निदेश र्स० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37 ईई०/5-84/ 175--अत: मुझे, जी० एस० गोपाल

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन नक्षम प्रधिकारों के यह रिश्वास करने का आरण हैं कि प्रधादर सम्मिति, जिसका सचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. सं अधिक हैं

ग्रीर जितकी मं० णाप नं 1. 21, युमूफ सराय, कम्युनिटी सेन्टर, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ग रूपसे वर्णित है). रजिस्ट्री कर्त अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने सा कारण है कि गथापूर्वोक्त गंगील का रवित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निम्नलिखित अंतरण कि स्था गंगा है :--

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कमी करने ए अससे बचने में स्विधा हो भिरा, और/मा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1932 अपने सा अन्य अधिनियम, 1952 (1937 को 27) के प्रसीवनार्ण जारिक्षी करारा प्रसुद्ध नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने मी सुविधा के लिए;

अतः अब., उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अथात् :— (1) मै॰ साकेत प्रोपर्टीज प्रा॰ लि॰, सी-35कें, डिफेंन्स कालोनी, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मास्टर राघव मोदी (माइनर) श्री ग्रार० के० मोदी, श्री मंजु मोदी, निवासी सी-4/95, सफदरजग डेवलपमेंट एरिया, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

कां यह गुचना जारी करके प्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू ।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्पक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त स्पक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीक रण:---इस में प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नया है।

बन्म थी

प्रो० फ्लैंट नं० स्पेश नं० 1, बेसमेंट तादादी 385 वर्ग फीट, प्लाट नं० 21, युसूफ सराय कम्युनिटी सेन्टर, नई दिल्ली।

> जी० एस० गोपाल मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, दिल्नो नई दिल्ली

तारीख: 8-1-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 जनवरी 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37 ईई०/5-84/371—अतः मुझे, जी० एस० गोपाल

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 203 है तथा जो 21, युसूफ सराय, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विजत), रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1984

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधितयम के अधीन कर दर्ज के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एनी फिन्सी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, विश्वास (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ, अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया पर किया अपने कहीं किया गया के जिए।

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की छुपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मै॰ साके प्रत्पर्टीज प्रा० लि॰, सी-538, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मैं० एम० पी० स्रो० इलेक्ट्रानिक्स प्राइवेट लिमिटेड, सी-47, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हा।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होंगा को उस प्रध्याय में दिया गण हो।

बन्स्ची

पलैट गं० 203, तादादी 403 वर्ग फीट, प्लांट नं० 21, युसफ सराय कम्युनिटी सेन्टर, नई दिल्ली।

जी० एस० गोपाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

तारीख ; 8-1-85

प्ररूप बार्ड.टी. एन. एसं. -----

बायकर जाधानयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन भूचना

भारत सरकार

कार्यांतय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 जनवरी 1985

निर्देश र्स० आई० ए० सी०/एकुयू०/ ३/37ईई०/5-84/370

बी॰ एस॰ गोपाल

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'तकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर गंपील जिस्का उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

षीर जिसकी सें० सोस नं० 5 है तथा जो 21, युसूफ सराय कम्युनिटी सेन्टर, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-3, नईदिल्ली में भारतीय आयकर अधिनयम, 1961 के अधीन, तारीख मई, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित दाजार म्ल्य सं कप्र के दश्यमान शितफल के लिए कमारित की गई है और मफ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार ब्ल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्र प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-क्ल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक कुए से किंगत नहीं किया बया है कि

- (क) अन्तरण से हुइं किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; आर्रि/या
- (ब) ऐसी किसी आय वा किसी धन या अस्य आस्तिबों की, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा का किया जाना चाहिए था, जिपाने में सुविधा के लिए;

बतः बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) कें अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- (1) मैं० साकेत प्रोपटींज प्रा० लि०, सी-358, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली'।

(अन्तरक)

(2) श्री योगेश बाली, निवासी एच-1/2, हौस खास, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया गरता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिया पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी लबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूरी के किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की आरोब स 45 दिन के भीतर उक्त स्थार संम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाष्टित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

प्रो॰ नं॰ स्पेस नं॰ 5, तादादी 318 वर्ग फीट, प्लाट नं॰ 21, युमूफ सराय कम्युनिटी सेन्टर, नई दिल्ली।

> जी० एस० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

तारीख: 8-1-1985

प्ररूप बाई .टी.एन.एसं.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की ,धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक गायकर नायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, हिनांक 8 जनवरी 1985

ानर्देण सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37 ईई/5-84/ - 377-अतः मुझे, जी० एस० गोपाल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 205 है तथा जो 21, युसूफ सराय, कम्युनिटी सेन्टर, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज--3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख मई, 1984

को पूर्वा कर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अनतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखर्त में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियभ, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैं ॰ साकेत प्रोपर्टीज प्रा॰ लि॰, सी-538, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मैं० एम० पी० ग्रो० इलेक्ट्रोनिक्स प्राइवेट लिमिटेड, सी-47, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली-24।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गया है।

धनसर्थी

पलैट नं० 205, तादादी 387, वर्ग फीट, शाप नं० 21, युसुफ सराय, कम्युनिटी सेन्टर, नई दिल्ली।

जी० एस० **गोपाल** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिस्सी

तारीख: 8-1-1985

प्ररूप बाईं.टी.एन.एस्.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के बधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 8 जनवरी 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०//एक्यू०/3/37 ईईं०/5-84/376—अतः मुझे, जी० एम० गोपाल,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० 301, 304 है तथा जो युसूफ सराय, कम्यु-निटी सेन्टर, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उराबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित ई), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रोकर्ता के कार्यालय शिवाजीनगर में धारा 269 ए बी. के अंतर्गत सक्षम अधिकारी के सम्मृख रिजस्ट्रोकृत किया गया है मुक्ते रह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तो पाया यक्ष प्रतिफल, निम्निहिखिट उद्देश्य से उक्त अन्तरण विस्ति व वास्तिक रूप से किथा गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की धाबत उक्त अधि-नियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बखने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां है को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था किया में सुविधा के सिए;

अतः अव, उपत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उपत अधिनियम की धारा 269-घ की रुपधारा (1) के अधीन, निम्मिनियक व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) मैं० साकेत प्रापर्टी प्रा० लि०, सी-538, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मै० प्रिमियम लिंकर्स लि०,
 21-ए/21, दयानन्द रोड,
 दिखा गंज,
 नई दिल्ली।

ा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यजाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी क्योक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राज़पत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मंपीत्त में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के वास लिखित में किए जा सवाये।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उस्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया स्था है।

वन्स्यी

फ्लैट नं० 301 स्त्रीर 304, तादादी 806.50 वर्ग फीट, प्लाट नं० 21. युसूफ सराय कम्युनिटी सेन्टर, नई दिल्ली।

जी० एस० गोपाल सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर त्रायुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज्-3, नई दिल्ली

तारीख: 8-1-1985

प्ररूप आइ⁵. टी. एन. एस. - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्याला, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ला

नई दिल्ला, दिनांक 8 जनवरी 1985

निदेश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०/3/37ईई०/5-84-379--म्रतः मुझे, जः० एस० गोपाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25 900/- रु. से अधिक हैं

श्रौरिजिसकी सं० 104 है तथा जो 21, युसूफ सराय, कम्युनिटी सेन्टर नई दिल्ला में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्र कर्ता अधिकार के कार्यालय, श्रजन रेंज-3, नई दिल्ला में भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम 1961 के श्रधान, तारीख मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के अचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिश्रत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक हम से किथर नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हाई किसी आय की वाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में मुविधा के लिए; और/या
- ्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के स्थीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) मैं० साकेत प्रापर्टीज प्रा० लि०, सी-538, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) मैं० रचना ट्रेडिंग कम्पनी प्राइवेध्रलिमिटेड, 14/4, कालकाजी एक्स, नई दिल्ला।

(ग्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अओहम्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन् स्ची

फ्लैंट नं० 104, तादादी 345 वर्ग फीट, प्लाट नं० 21, युसूफ सराय, नई दिल्ल: ।

जी० एस० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ला ।

तारीख : 8-1-1985

प्ररूप बार्ड . टी . एन . एस .----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाडा 269-व (1) के बधीन स्वना

बारद बरकार

कार्यालय, सहायक आदकर आयुक्त (निरीक्षण

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ला

नई दिल्लः, दिनांक 8 जनवरी 1985

निदेश सं०' ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/3/37 ईई०/5-84/ 378--ग्रतः मुझे, जी० एस० गोपाल

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 202 है तथा जो 21, युसफ सराय, कम्यु-निटी सेन्टर, नई दिल्ला में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूचा में पूर्ण रूप से वर्णित है). रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्योलय अर्जन रेंज-3, नई दिल्ला में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के श्रधीन, तारीख मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे उन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देशय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- .(क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (क) एसी किसी नाय या किसी भन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के हथोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया या धा वा किया जाना चाहिए था, जियाने में सुविधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की थारा 269-व के अनुसरक भं, मं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--- (1) मैं० साकेत प्रापर्टीय प्रा०लि०, सा—538, डिफेंस कालोनी, नई दिख्ला।

(अन्तरक)

(2) डा० जे० एस० चागर श्रीर श्रीजी० एस० चागर, निवासी डी-150, नई दिल्ली।

(अन्तिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के बर्बन के सम्बन्ध में कोई भी बाओप :--

- (क) इस मूचना के राजपत्र भें प्रकाशन की तारी सं दे 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होतीं हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के ज्ञ्याय 20-क में परिशाधित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उठ अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

फ्तैट नं० 202, तादादी 340 वर्ग फीट, प्लाट नं० 21, यूसफ सराय, कम्युनिटी सेन्टर, नई दिल्ली।

> जी० एस० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्लः

तारीख: 8-1-1985

प्रकप् बाहं .टी . एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3.नई दिल्ली

नई दिल्लां दिनांक 8 जनवरें। 1985

निदेश सं० आई० ए० सा०/एक्यू०/3/37ईई०/5-84/286---अतः मुझे, जी० एस० गोपाल

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अशीन सक्षम पाधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा में अधिक है

श्रीर जिसकी सं० सी:—III/134 है तथा जो जनकपुरी, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेज—3, नई दिल्ला में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन दिनांक मई, 1984

को पूर्वोवत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोवत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, ऐसे द्रियमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बिधिन्यम के अधीन कर दोने के अन्तरण क दाबिएच में कमी अरने मा समने चलारे में मुजिला के तिए: और/वा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-तन अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उद्धर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1057 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविका के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुमुख्य में, मैं, उक्त अिंगिनियम की धारा 260-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री ग्राजित सिंह सेटी सुपूत्र श्री नामक सिंह निवासी-75, डा० मुखर्जी नगर, दिल्ली। (श्रन्तरक)
- (2) डा० सन्तीदर पुरो श्रौर डा० रिवन्दर पुरी, निवासी सी-4/116, जनकंपुरी, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

क्षे यह सूचना चारी करके प्वाँक्त सम्पर्तित के वर्जन के लिए

उक्त सम्पत्ति के बर्बन के सम्बन्ध में कोई भी वासंप ह-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त हुन्तों और पदों का, जो उक्त जीभीन्यम के जभ्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अभ्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

मकान नं० सं०-III/134, जनकपुरी, नई दिल्ली, तादादी

जी एस० गोगाल सक्षमं प्राधिकारी सहायक आयकर अयुक्त (निर्दक्षण) अर्जन रंज-3, नई दिल्ली

तारीख: 14-1-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रज्न रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्लो, दिनांक 8 जनवरी 1985 -

भिदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/3/37 ईई/5-84/ 381---ग्रतः मुझे, जी० एस० गोपाल

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० 3/21 है तथा जो युसूफ सराय, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्राकर्ती ग्रधिकारी के कार्यालय,दिल्ला में ग्रायकर ग्रिधिन्यम 1908 (1908 का 16) ग्रधीन, तारीख मई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं और. मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाषा गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण किखत में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के दाियत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने ग्रें स्विधाके लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थाद :--- (1) मै० साकेत प्रोपर्टीज प्रा०ित ० सी∸538,डिफेंस कालोनी. नई दिल्ला ।

(अन्तरक)

(2) कुमारी जुिंह मोदी (माइनर),
यू० /जी० श्रा श्रार० के० मोदी,
श्रामती मंजु मोदा,
निवासी मी/4/95,
सफदरजंग इनक्लेब,
नई दिल्ला।

(अन्तरितः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाष्ति है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

अन्स्ची

स्पेस नं० 3, बेसमेंट तादादः 335 वर्ग फीट, प्लाट नं० 21, युसूफ सराय कम्युनिटो सेन्टर, नई दिल्ली ।

> र्ज.० एस० गोपाल सक्षम प्राधिकारो सहायक श्रापकर श्रायुक्त (निरक्षण) श्रर्जको रेज-3, नई दिल्लो

तारीख: 8-1-1985

म्रोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 जनवरी 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/37 ईई./3/5-84/380—अतः मुझे, जी० एस० गोपाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पञ्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० 102 है तथा जो 21, युसूफ सराय, नई दिल्ली में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख मई, 1984

को पूर्वोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित ब्ल्जार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्निनियत व्यक्तियों. अर्थातः—

12-446 GI /84

(1) मैं० साकेत प्रोपर्टीज प्रा० लि०, सी-538, डिफेंस कालोनी, नई विल्ली।

(अन्तरक)

(2) मैं० रचना ट्रेडिंग कम्पनी
प्राइवेट लिमिटेड,
14,4, कालका जी एक्सटेंशन,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गमा

बनुस्ची

फ्लैंट नं ० 102, तादादी 313 वर्ग फीट, प्लाट नं ० 21, युसूफ सराय, कम्युनिटी सेन्टर, नई दिल्ली—16।

जी० एस० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिन्ली

तारीख: 8-1-1985

प्ररूप आई.टी.एन्.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अध्यकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 जनवरी 1985

निदेश सं० आई० ए० सी० ।एक्यु०/3/37 ईई/3,5-84/369—अतः मुझे, जी० एस० गोपाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 21 है तथा जो युसूय सराय, कम्युनिटी सेन्टर, नई दिल्ली में स्थित है (प्रीर इससे उपागद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन, तारीख मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मूझे यह विश्वार करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल सा पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखन उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्टिविक रूप से किथत नहीं कया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उक्से बचने में सूविधा दायित्व के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयक-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के तिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) की अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैं० साकेत प्रोपटींज प्रः० लि०, सी-538, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मंजु मोदी और श्र. श्रार० के० मोदः, निवासी सी-4/95, एस० डी० ए०, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां हर करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं
 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
 पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषितः है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्ची

स्टोर स्पेस नं० 2, बेसमेंट एरिया 285 वर्ग फीट, 1 प्लाट नं० 11, युसूफ सराय कम्युनिटी सेन्टर, नई दिल्ली

जी० एस० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3,नई दिल्ली

तारीख: 8-1-1985

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायकत (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, बिहार पटना पटना, दिनांक 14 जनवरी 1985

निदेश सं॰ 3/967/ग्रर्जन/84-85--ग्रतः मुझे, प्रबोध कुमार दुवे

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसका सं० हो० न० 543/1 प्लाट नं० 10ई, जो रोड नं० 12 राजेन्द्र नगर, पटना-16 में रिथत है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय पटना में राजस्ट्राकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 8-5-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे उन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फन निम्निसित उद्देश्य से उस्त अंतरण निस्ति में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया ह 🕒 -

- (क) बन्तरण से हुई किसी याब की बाबत उसत निधिनियम के नधीन कर दोने के नन्तरक की वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सविधा क निरम्: और/सा
- (ख) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों गो, जिहुँ भारतीय काय-काय अधितियम, 1022 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बत: कब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के स्थीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री सैयद रफी उद्दीन ग्रहमद जौजे श्राः सैयद वसी उद्दीन ग्रहमदः दरियापूर पटना-८ ।

(ग्रन्तरक)

(2) बालकृष्ण गुप्ता वल्द नानक चन्द महाजन पचकौरी सौवलैन, कदमकुआं, पटना-3

(अन्तिरिती)

(3) श्रीमती सुदर्शन गुप्ता जौजे श्री बाल कृष्ण गुप्ता पचकौरी साव लेन लोहानी पुर कदम कुंग्रा पटना-3।

कार्यवाहियां करता हु।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं) को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ए) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हित्वद्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है.

अन्स् वी

जमीन मैं । मकान जिसका रकबा 5750 वर्ग फीट है तथा जो रोड नं० 12, राजेन्द्र नगर, पटना-16 में स्थित है तथा पूर्ण रूप से विसका सं० 2808 दिनांक 8 मई, 1984 में वर्णित है जिसका निबधन जिला अवर निवंधक पदाधिकारी, पटना के द्वारा सम्पन्न हुन्ना है।

> प्रबोध ५ मार दुवे सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निराक्षण) म्रर्जन रेंज, बिहार पटना

तारीख: 14-1-1985

मोहर ः

प्रका नार्षः दीः प्रसः प्रकार

आयकर श्रीघानियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-त्र (1) के स्थीन स्वना

गारत सरकात

कार्यालय, सहायत आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, मद्रास मद्रास, दिनांक 15 जनगरी 1985

निदेश सं० 5/मई/1984---प्रतः मुझे, प्रेम मालिनी वासन

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ध्रमके पश्चरत् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहा से अधिक है

श्रीर िंगिको सं० भूमि विरुपक्षो पुरा गांव, वेलूर में स्थित है (श्रीर इसते उक्कावद अनुसूत्री में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिकिट्रोहर्ता प्रक्षिकारा के जार्यालय, वेलूर-1 दु० सं० 1715/84 में रिजस्ट्रीकरणज श्रीवीनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रवान, तारीख मई, 1984

को प्वेंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का यद्ग प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अतिरितियां) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल किन निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित मे बास्तिवक स्पूर्ण के किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधि-ावश्र के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; शौर/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य अस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अत अब, उन्नत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मंं, उन्नत अधिनियम की धारा 269-- च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रं ए० परमश्चिम।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री पी० गांडीपन श्रीर श्रीमती वी० गोविन्दन्माल ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंकत सम्यक्ति के वर्षन् के लिए कार्यवाहिगां शुरु करता हूं।

उक्त सम्पारत को वर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख हैं

 4.5 दिन के भंतर इस्त स्थायन संपत्ति में हिसाबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकरें

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया

अन्**स्वी**

ं भूमि—-विरूपाजीपुरम गांव, वेलूर तालुका, नार्थ ग्राकीट जिला ।

(दस्तावेज सं० 1715/84)।

प्रेम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्ट (निरीक्षण) प्रजन रेज-1, मद्रास

ताराख: 15-1-1985

मोहर 🖫

प्ररूप आई. दी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

> भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

> > मद्रास, दिनां क 4 जनवरी 1985

निदेश सं० 7/मई 1984/रेंज-2-अलः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल

बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)., की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० प्लाटनं० 54, कष्णमाल स्ट्रीट है तथा जो कन्नाविरा कालोतो, मदास-93 में स्थित है (ग्रीर इससे उगावद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विक्यांबाक्कम लेख सं० 1551/84 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों और अंतरिती (अन्तरित्यों) के कीच एने अकारण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक हूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्छ अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-- (1) श्रो के० वेंकटरामन[े]।

(अन्दरक)

(2) श्री विजय राज अलियास विजय कांत ।

(अन्दरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निमित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्यी

भूमि ग्रौर मकान---नं० 54, कष्णम्माल स्ट्रीट, कण्णभिराम कालोनी, मद्रास-93 ।

विरूवांबाक्कम लेख सं० 1551/84।

श्रीमती एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहाबक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख : 4-1-1985 मोहर: प्रस्त बाद'.टी.एन.एस......

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 ए (1) के बधीन सुचमा

भारत सरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास मद्रास, दिनांक 3 जनवरी 1985

निदेश सं० 11/मई, 1984/रेंज-2--अतः मुझे, श्रीमती एक सामुवेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाप्ट नं० 410 के० के0 नगर, सर्वे सं० 282 है तथा जो के० के० नगर, मद्रास में स्थित है (श्रांर इस से उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, विरूगमवाक्यम लेख सं० 1337/84 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुके यह विकयास करने का कारण हैं कि यह पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) कोर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण क्ष्य से अधिन नम्नी किया गया हैं इ—

- (क) बन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त बिध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (ब) ऐसी किसी अय या किसी प्रत्या अन्त अभिन्या को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने भी सुविधा के लिए;

बत: बब, उक्त अधिनियम काँ धारा 269-व ले अनुसरण काँ., साँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्मनिधित अधिकताओं, अधीर

(1) श्रीटी० के० श्रीनिवासन्।

(अन्तरक)

(2) श्रीमही गीता पश्ननाबन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के चिए कार्यवाहियां कारता हुं।

बक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचन। के राजपत्र में प्रवाशन की तारीक धं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अधिध बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पच्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया रवा है।

वन्स्ची

भूमि स्रौर मकान—सर्वे सं० 282, प्लाट नं० 410, के0 के0 नगर, मद्रास-78, विरूगम्बाक्सम । (लेख सं० 1337/84)।

> श्रीमती एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

दारीख: 3-1-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एम.-----

जायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 3 जनवरी 1985

निदेश सं ० 18/मई, 1984/रेंज-2--अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल

जायकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इश्वके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम पार्धिकारी बी, यह दिक्याम करने का बारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाज़ार मृत्य 25,000/- स संबधिक हैं

भीर जिन्नो सं० 34, स्टेंट बैंक ऑफ इण्डिया आफिरार्स कालोनी 2 स्ट्रींट है तथा जो पेरंबूर, मद्राम-12 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूजी में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीं- कर्ती अधिकारी के दायिलय, पुरस्त्वकम लेख गं० 751/84 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, टारीख मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास कर ने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय भया गया प्रतिफल, निय्नितिश्वित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में बास्बियक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त औध-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उसमें ज्वाने में सविधा के लिए; और/वा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्य कर अधिनियम, या अन्य कर अधिनियम, या अन्य कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं विधा गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के निए;

ब्दाः वयः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निबिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- (1) श्री पी० बी० वी० नारायणन।

(अन्तरक)

(2) श्री एस० आर० भर:सिंहन् ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

तकत संस्पतित के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधोप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तायील से 30 दिन की अपिप, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मृचना के राजपन मी प्रकाशन की। तारीक में 45 दिन के भीतर उपन स्थानर संपन्ति मी जित बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विश्वासन मा विद्या या श्रेम मा

श्यक्षोक्षरण: - १वर्ग प्राप्त कर्का श्री प्राप्त को अक्स अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्था हैं।

अनुसूची

भूमि स्रौर मकान-34 स्टेट बैंक आँफ इंण्डिया आफिसर्स कालोनी, 2 स्ट्रीट, पेंरंबूर हाई रोड, मद्रास-12।

> श्रीमती एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

हारीख: 3-1-1985

प्रका नाष्ट्रं ती. एन. एडं:-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 3 जनवरी 1985

निदेश सं० 37/मई, 1984/रेज-2-अत मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राध्कारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० डोर न० 14, अक्खराबाड-2 स्ट्रींट है तथा जो के डम्बाब्द म् मद्र र-1. में स्थित है (ग्रोर इनसे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर एणं रूप से विणित है), रिजरट्रीकर्ती अधिवारी के वामिलय, कोडमाद निट, लेख स० 1242 ग्रांप 1243/84 में रिजस्ट्री एरण अधिनियम, 1908 (1908 ना 16) के अधीन, तारीख मई, 1984

को पूर्वोवत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दः यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोवत सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके कथ्यमान प्रतिफल में, ऐसे दः यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया श्या प्रति-फल निम्निचित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निचित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई कि स्त्री आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने भी सुविधा के लिए,

कतः वद उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निरमलिखित व्यक्तियों, अर्थीत् :--- (1) श्रीमतो नूरुनिसा।

(अन्तर १)

(2) श्रीपी० एम० उलगक्षगन ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कारवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जे भी अविधि बाद में ममाप्त हाती हों, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त म्थातर सम्पत्ति में हित- वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निषित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धाकरणः इसमे प्रयुक्त शब्दां और पदों का जो अक्त अधिनियम, के अध्याय 20-वः मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गाही।

वन्स्यी

भूमि और मकान—डोर न० 14, अक्बराबाद 2 स्ट्रीट, कोडम्बाक्तम, मद्रास—24 । कोडम्बाक्कम् (लेख सं० 1242 ग्रीर 1243/84)।

> श्रीमती एम० सामुबेन मक्षम प्राभिकारी सहाय क्ष्यायकर आयुक्मे (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, मद्रास

तारीख : 3-1-1985

मोहर

अरूप आई. टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्ग स

मद्र:स, दिनांक 3 जनवरी 1985

निर्देश सं० 50/मई 84/रेंज-IJ अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल

बायकर अधानयम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्त प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० 13, उत्तर बाग रोइ, डा० बी० एन० रेड्डी शाले 2 लेन है तथा जो टी० नगर, मद्र.स-17 में स्थित है श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्व रूप से वर्णित है ..रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय टी० नगर लेख सं० 516/84 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई 1984

को मुवां कर समाति के उचित वाजार मूल्य स कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए र जिस्ट्रीइन विलेख के अनूसार अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इंश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उन्नत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मो कमी करने या उससे बचने मो सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष्) एंसी किसी आया या किसी धन-या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लियाने मो मुदिशा के लिए;

(1) 🎋 डा॰ हम्सिनी

(अन्तरक)

(2) श्री एम० स्वामीनाथन

(अन्तिरती)

को यह सूचना आरो करके पूर्वावत सम्मति के अर्क्स के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति को अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना क राजपत्र मा प्रकाशन का ताराखा स 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो औ अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवाकत व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- ख) इस सूचना के राजपनहुमा प्रकाशक की लगरी है से 45-दिन के भीतर खक्तर स्थानक स्थानित के हिता के प्रति है प्रकाशक स्थानित के हिता के प्रति है प्रकाशक है कि साम कि लिखत में कि कि जा मके हैं। कि स्थानक के कि समास कि खिता में कि कि जा मके हैं।

स्रष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों आरे पदों का, जो उज्जत अधिनियम, के अध्यास 20-क में प्रिसाधिक है, वहीं अर्थ कोगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

भूमि श्रौर मकान:— डोर वं ा 13, नार्थ वाग रोड़, (डा० बी० एन०रेड्डी शाल 2 लेन टी० नगर, मद्रास, 17, टी० नगर/लेख सं० 516/84

> ्रम० सामुवेल ्यथम प्राधिकारी सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

दिनांक : 3-1-1,985

माहर

प्ररूप बाईं.टी.एन.एस.-----

भायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास मद्रास, दिनांक 3 जनवरी 1985

निर्देश सं० 58/मई 84/रेंज-II--

अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कह गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य,

25,000 - र. ते अधिक हैं
ग्रौर जिसकी सं० कृषि खेती 1 एकड़, इंजम्बाकुकम गांव
है तथा जो शैंदापेठ तालुक, चेंगलपेठ, डिस्ट्रिक्ट में स्थित हैं
(ग्रौर इससे उगाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित
है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अडयार लेख सं०
1309/84 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख मई 1984

को प्वेंकित सम्मित के उचित बाजार मृन्य से तम के रूपमान प्रतिफल के लिए अंतरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि प्रधाप्वेंकित सम्पत्ति का उचित बाजार मृन्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का मन्द्र प्रतिगत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गमा प्रतिफल निम्मितिसत उद्देश्य से उवल अंतरण निम्मित में बास्तिबक स्प से कांचत नहीं किया गया है —

- (क) बन्तरण संहुई किमी बाय की बादत, उक्त बिधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दिया में कमी करने या उनसे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एंसे किसी बाय या किसी भन या बन्ध बारिलकों को जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 192% (1922 का 11) या उक्त लिधिनियम, या धर्म-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, किपाने में सुविधा के निए;

वतः अव. उक्त अधिनियम की धार 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अभीर, जिम्निलिखित लाक्तियों. अर्थात रेस्क (1) श्री सी० बी० गोरीनाथ

(अन्तरक)

(2) श्रीमती आंलसन फ्लोरेन्स एमोठो

(अन्तरिती)

को यह मूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्थन के दिल्य कार्यवादिया कारना हा।

उनत सम्पत्ति के अर्बन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ प्र सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतल पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी अविकत द्वारा
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन् नो तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मकोंगे।

स्पृष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों क, जो उक्द अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्थी

कृषि खेती 1 एकड़, इन्जम्बाकनम गांव, शेदापेठ तालुक चेंगलपेठ डिस्ट्रिक्ट, अडयार लेख सं 1309/84

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (जिरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

दिनांक : 3-1-1985

मोहर

प्ररूप बाहै, टी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-^{II}, मद्रास मद्रास, दिनांक 4 **जब** वरी 1985

निदेश सं० 129 मई 84 रेंज- --अतः मुझे, श्रीमती एम० साम्बेल,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० एस० एफ० नं० 404/2, 405, 406 ग्रौर 392 सिंगानल्लूर है, जो पेल्लंडम तालूक कोयंबतूर डिस्ट्रिक्ट में स्थित है ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से बणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिंगानल्लूर लेख सं० 798, 799, 800, 801/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1984

ें को पूर्वों क्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्य्यमान प्रतिकत्र के लिए रजिस्ट्रोकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-क्ष्म, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण दिलिखत में बाल्त- धिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की वातत उक्त क्षि-नियम को ब्रथीन कर दोने के क्ष्यरक को दाधित से क्यी करने या उससे नचने में सुविधा को तिथे, जौर या/
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिय, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) हे प्रशासनार्थ अन्तरिती इतारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्याने में सूविधा के लिए;

जत. जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, जनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के जधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—<

1. श्री तिमूरपकान

(अन्तरक)

 श्रीमती विजयकुमारी ग्रौर अन्यों

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के निष् कायवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी की पास लिखित में किए जा सकोंग।

स्यष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो । उस अध्याय में दिया नवा है।

वनुसुची

भूमि:—एस० एफ० 404,2, 405, 406 और 392, सिंगानल्लूर, पल्लाडम कोर्यम्बत्त्र, सिंगानल्लूर लेख सं० 798, 799, 800, और 801,84।

श्रीमती एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायक^र ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज- , मद्रास

तारीख: 4-1-1985

मोहर 🔅

प्ररूप बाई . टीक एक एस . ----

1. श्रीमतीः एस । राजेश्वरीः

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 की 43): की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री पोक्रमोंडर

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-2, मद्रास मद्रास, दिनांक 4 जनवरी 1985

निदेश सं० 130/मई 84/रेंज-[I--अत: मुझे, श्रीमती एमं व सामियल बार्यक्रर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पर्नात् उकतः अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रज्पये से अधिक हैं ग्रौर जिस्की सं वेंबिट गांव है जा वेंबिट गांव मे स्थित है कौर इससे उथाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विक्रित है)। रिजरहीकर्ताम अधिकारी के म्लामिलयं, में आंडियुर लेख सं० 888/84 में र अस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई 84 को पूर्वोदत्ासम्पत्ति के उचित् बादार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिप्रकृत के लिए अन्तरित की गर्ड है और महो यह विश्वास **करने का कारण है कि यथाप्**वोंक्त संगीत्त को उचित टाजार मूल्य, उसके धरयमान प्रतिकल से, एसे दरयमान प्रतिकल का प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतिरती (अन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया **वितफल, निम्नालिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित** में

> (क) अन्तरण सं हुष्ट्रं किली आय की बावत, उत्कल अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी कारने वा उत्तर्ध वचने में सुविधा के निए. और/बा

शास्तविक रूप पे कथित नहीं किया गया है :---

(क) एसी किसी. बाय मा किसी धन या अन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविका औ सिद्

को यह सूचना जारी करके पूर्वकित सम्पत्ति के अजन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उनत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं सं 45 दिन की अर्थाध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अर्थाध ने जो भी के अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र महें प्रकाशन की तारीखें से सें 5 45 दिन के भीतर उक्त स्थावन सम्परित में हितन बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी केंद्र पाम लिखित में किए जा सकर्गी

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उत्कर, अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो सम अध्याय में दियां गया है।

अनुसूची

भ्मि:--वेंबहि गांन/आंडियुर। लेख सं० 888/84

श्रीमती एमें० सामुबेल सक्षम प्रधिनारी सहायक आयदर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जभ रेज-2, भद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण भौ, भौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निस्ति व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख: 4-1-1985

प्रस्य जाहाँ. टी: एन् । एस ! ----

- 1. श्रीमती » सोर्णतंत्रमान

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम , 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के क्यीन स्पना

2. श्री तिरुनावुम्मलि

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज-2, महास

मद्रःस, दिनांक 4 जनवरी 1985

निदेश सं σ . $133_{\rm j}$ मई $-84_{\rm j}$ रेंज $-{
m II}$ —अतः मुझे, श्रीमतीः

एम० सामुवेल, आयुक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 26 कार्यक अधिक सक्षम प्रक्रिकारी को यह किरवास करने का कारण है कि स्थाबर संपर्ति, जिसकी उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं न्यू वार्ड जिल्लाक, 16, न्यू टी प्राप्त नं 66, डोर नं सी 20, भूमि ग्रीर मकान है, जो ओड यूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रार पूर्ण रूप से विणित ई), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ग्रीड यूर लेखें सं ं 1176 84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण आधीनग्रम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1984

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृह है और मृफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का मन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में अस्तिकल, निम्निलिसित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में आस्तिकल रूप से वृश्यत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बीधनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शायित्व में कभी करने या उसमें बचन में सुविधा कि किए, 'कीर/या'
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्य अप्रित्यम, या अन्य अप्रित्यम, या अन्य अप्रित्यम, 1957 (1957 अर्थ 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में ध्रिकर्श के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (किस्टर के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- को यह सूचना जारों करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं

उन्ता सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षप्ः

- (ध) इस सुबना के राजपत में प्रकाशन की तारीक हैं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, बंधहिस्ताक्षरी के
 पास विकित में किए का सकी ।

化化二氯基苯酚酚 化二氯化丁基羟胺二苯化

स्पथ्दीकरमः: इसमा प्रमुक्त शब्दों श्रीत्र पर्दो का न जे उत्तर श्रीत्र है। विकास के अध्यापः 20 के जे परिभाषित हैं। के अध्यापः 20 के जे उसे अध्यापः में दिया गर्यातः स्

अनुसूची -

भूमि ग्रौर मकानः — लेख सं० 1176/84 की शेडूल में दी हुई संपत्ति लेख सं० 1176/84 श्रोहेयूर क

> श्रीमती एमें सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, मद्रास

तारीर्खः 4-1-1985 मोहर

 $|\hat{x}_{\mu}\rangle = -1 \cdot 8 |\hat{x} - \frac{1}{2} \hat{x}^{\mu}\rangle_{\mu} = -4 \epsilon Y^{\mu} \epsilon \frac{\lambda}{2} = 1$

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज 2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 4 जनवरी 1985

निदेश सं । 142/मई 85/रेज 2---अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

बायकर अधिनियम, 196: (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उनेत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सन्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक ही

श्रौर जिसकी सं० लेख नं० 1053,84 की शेडूल में दी हुई सपत्ति है, तथा जो में स्थित है (श्रौर इससे उपायद्ध अनुसूची में पूर्णरूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ब्रिद्ध चलम लेख सं० 1053,84 में भारतीय एजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) वे अधीन मई, 1984

को पूर्विक्ष सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण लिखित में कास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त दिधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के धियत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिता द्वारा प्रकृट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः गव, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निविध्यत व्यक्तियों, अर्थात् ह्या (1) श्री जगन्नाथ मुदलियार ।

(अन्तरक)

(2) श्री वेणुगोपाल पिल्लै ग्रौर अन्य ।

(अन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ झोगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुमूची

भूमि:—लेख सं० 1053/84 की शेडुल में दी हुई संपत्ति ब्रिध्याचलम्। लेख सं० 1053/84

> श्रीमति एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख: 4-1-85

प्ररूप बाइ². टी. एन. **६**स. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्न (निरीक्षण) अर्जनरेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 4 जनवरी 1985

निदेश सं० 146/मई 84 रेंज 2---अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

आयकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रू. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं े लेख जं े 745,84 की शेंडूल में दी हुई संपत्ति है, जो फडलूर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाव इ अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कडलूर-लेख सं े 745,84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधि नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई, 84

को पूर्व केत संगत्ति के उचित बाजार मूल्य ने कम के दंश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूले यह गिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दंश्यमान प्रतिफल से एमे दंश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत ने अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मे कमी करने या उससे बचाने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म्य के अनुसरण भें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म्य की उपधारा (1) क अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती टी० धनलक्ष्मी अम्माल

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुलोचना कृष्णमूर्ति

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हू ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना भे राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी, व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितंबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

भूमि :—लेख सं० 745 $_{!}$ 84 की शेंडूल में दी हुई सम्पत्ति कडलूर—लेख सं० 745 $_{!}$ 84।

श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास ।

तारीख: 4-1-85

प्रकृप आई. टी. एन. एस. ----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

। कार्यलय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास मद्रास, दिनांक 4 जनवरी 1985

निदेश सं ० 160/मई 84/रेंज 2---अतः मुझे; श्रीमती 'एम० साम्बेल

गायंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाल रिक्ल अधिनियम लाह एक हो), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाज़ार मूल्य 25,000/-रा से अधिक ही

श्रीर जिलकी संव योरीपालयम् गांव है, जो कोयम्बतूर डिस्ट्रिक्ट में
स्थित है (श्रीर इससे उपालद्ध अनुसूचीमें श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है),
रिजस्ट्रीक्ती अधिकारी के कार्यालय कोयम्बतूर लेख संव 1968/84
में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)

के अधीन मई 84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित् बाज़ार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजिस्ट्रीकर्त के कार्यालय बस्वनगृडि में धारा 269 ए.बी. के अंतर्गत सक्षम अधिकारी के सम्म् के पास रिजस्ट्रीकृत किया गया है मुक्ते यह विश्वास का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल है, एमें दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी अगय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कशी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और, या
- (क्ष) एंसी किसी आय या किसी क्षन या अन्य वास्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया आ सा विधा अपन चाहिए था. जिलाने में सिविधा के सिएं।

पत: जक, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के वनुसरक मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती कल्याणी कृट्ठि

(अन्तरक)

(2) श्रीमती ए० पी० लता देवी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिंग्यं करतः हो।

उक्त राम्पनि के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तित्यों पर मुचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पृवेकित व्यक्तियों में से भिन्नी जातिल द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के जपास किसित में किए का साहेंगे

्रस्पष्टीकरण : - इसमें प्रश्रुकत कालां और पक्षों का, जो अक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में प्रीरभोषित हैं, वहीं अर्थ होंगा के उस अध्याय में दिया गया है।

प्रमुख स

लेख सं॰ 1968_/86 की ग्रेडयूज में दी हुई सम्पत्ति कोयम्बतूर—लेख सं० 1968_/86

> श्रीमिती एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रापकर ग्राप्यक (निरीक्षण) अर्जनरेज-2, मद्रास ।

तारीख: 4-1-85 मोहर: ब्ररूप बाइ .टी. एन. एस : -----

बायकर वृधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के बृधीन सूचना

बारत बरका

कार्यांतर्, सहायक नायकर मायक्त (निर्शाण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 4 जनवरी 1985

निदेश सं ० 164/मई 84/रिज-II-अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल,

कायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर सम्पत्ति, जिस्का उचित् बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० नं० 30, न्यू टी० एस० नं० 8/1364/105 (पार्ट) है, जो मेट्टुपालयम रोड़, कोयम्बटूर टाउन में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर

पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोयम्बद्भूर लेख सं० 1916/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मई 84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के निए त्य पाया ग्या प्रति-क्ष्म विम्नितियां उद्देश्य से उन्तर्ण निष्त्र में बास्त्विक स्म से का विष्तु मूझे किया निष्तु में बास्त्विक स्म से का विष्तु मुझे किया निष्तु मुझे किया मुझे किया निष्तु मुझे किय

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय का बाबत , उसत अधिनियम के मुधीन कार दोने के मृत्युरक के दानित्य में कभी कारने या उससे बुक्ने में सुविधा के सिह्द स्टिंग
- (क) एती किसी नाय या किसी धन या नृत्य नास्त्यों को, चिन्हें भारतीय नाय-कर निधिनयम्, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनयम्, बा चन-कर निधिनयम्, वा चन-कर निधिनयम्, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ नंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बत: बब, उन्त विधिनवम की भारा 269-व की बनुसरक में, मैं, उन्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के बधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्थात् हु——

(1) श्री एस० बालकृष्णन श्रीर अन्य

(अन्तरक)

(2) मैसर्स राम एण्ड को० रिप्रिजनिटड बाई पार्टनर्स: एम० एस० रामसामी, सुशीला आर० मोहन, आर० रमेश

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के बिद्र कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माभेप ह

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तासीस हार्ज 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियाँ पुर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो औं अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (व) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकारतन की तारीब वें 45 दिन के भीतर उपतास्थावर सम्परित में हितबाइव किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्ष्री के आव विविध में किए या सकेंगे।

त्यक्तीकरणः - इसमें प्रयुक्त कर्वा और पर्यो का, को खब्ब क्यिपित्यम, के बच्चाय 20-क में प्रिकादिस हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस बच्चाद में दिया गया हैं।]

अनुसूची

भूमि:—टी० एस० नं० 8/1364/105 (हिस्सा) पूरव---मेटु,पालयम रोड़, कोयम्बत्र/कोयंबत्र लेख सं० 1916/84 ।

> एम**ें सामुवेल** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख: 4-1-85

मोहरु 🖫

प्रकृप बाइ .टी.एन.एस , =======

वायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के बधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज-11, मद्रास

मद्रास, दिनांक 4 जनवरी 1985

निर्देश सं० 168/मई 84/रेंज-II—अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25.000/-रु. से अधिक है

म्प्रौर जिसकी सं० लेख सं० 266/84 की शेडयूल में दी हुई संपत्ति है जो कोडुमुडी में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोडुमुडी लेख सं० 266/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई 84

को प्रवीकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वांक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के यन्द्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय शया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोनेके अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/भा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) औ प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया के भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के लिए;

बत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री के० परमिशव गाउंडर

(अन्तरक)

(2) श्रीमती पोन्नाई अम्माल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपृत्ति के वर्जन के जिल्ला कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पड़ सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो और अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकने।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उत्सव अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

ग्रनुसूची

भूमि:--लेख सं० 266/84 की शेडयूल में दी हुई संपत्ति पद्र गांव, ईरोड/कोडुमुडी लेख सं० 266/84।

एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 4-1-85

मोहर 🥫

प्ररूप बाइ टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
· अर्जनरेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 4 जनवरी 1985

निर्देश सं॰ 178/मई 84/रेंज-II-- यतः मुझे, श्रीमती एम॰ साम्वेल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० 42, मुथियाल मुदालि स्ट्रीट, तिनमपेट है, जो मद्रास-18 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मद्रास सेंट्रल लेख सं० 492 /84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मई 84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखत में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण ,,,,, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के स्थीत, निम्निसिंदत व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री एस० सकरचन्द

(अन्तरक)

(2) श्री वी० उमापिथ ग्रौरतीन अन्य

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आर्भेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर रूपना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंत- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाष्टित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

वन्सुची

भूमि:—डोर नं० 42, आर० एस० सं० 1331/1, और 2, मृथियाल मुदालि स्ट्रीट, तीनमोट मद्रास सेंट्रल लेख सं० 492/84।

एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्य आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 4-1-85

मोहर 🏋

प्ररूप बाइ : टी . एन . एस . -----

शायकर श्रीभीनयम, 1961 (1961 का 43) की शास 269-म (1) के श्रीन सुचना

मार्थ्य सरकार

कार्यासन, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 4 जनवरी 1985

निर्देश सं॰ 201/मई 84/रेंज II---अतः मुझे, श्रीमती एम॰ सामवेल,

काक कर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त विभिन्नियम' कहा गया है), की धारा 269- व के वधीन सक्त प्राधिकारी को नह विकास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृज्य 25,000/- रु. से विधिक है

मौर जिसकी सं० 36, राजेश्वरी स्ट्रीट, राजाराम मेहता नगर है, जो मद्रास-29 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास नार्थ लेख सं० 1423/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मई 84

कै. प्रबंधित संपत्ति के लिचत बाजार मृत्य से कम के क्रयमान प्रतिफला के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्या, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अन्ति है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, जिम्मिलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि बिल में बास्तिक स्था से किथा नहीं किया गया है :--

- (क) जनसरण से हुई किसी बाय की बावत, उपस विधिनयं के बधीन कर दोने के अनसरक की दाजित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (च) एसी नि ही नाय वा किसी भन या जन्य आस्तियों को, चि हो भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या चन-कर अधिनियम, या चन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अंबोजन में जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा ना जिल्ला वा जाना चाहिए था, जिलाने के संविधा के शिक्षा:

बतः क्य, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण के, के, अक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (१) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तिस्यों, अथित् :---- (1) श्रीमती राजलक्ष्मी गोपालन

(अन्तरक)

(2) श्री ज्योती आर० कालरा

🕻 (अन्तरिती)

का वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्षन के विक कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी जाक्षेप र---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकासन की तारी वें 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरि।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयक्त सन्दों और पदों का, जो उबसे अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया सवा हैं।

वगु सुर्श

भूमि श्रौर मकान:--31, राजेश्वरी स्ट्रीट, राजाराम मेहता -नगर मद्रास-29, जो एस० आर० मद्रास नार्थ। लेख सं० 1423/84

> [एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास ।

तारीख: 4-1-85

मोहर 🌣

प्रकार कार्रं टी. एन : एक .----

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के न्धीन सुचना

भारत सरकार

कार्यान्य, सहायक जायकर जायुक्त (निर्देशिक)

अर्जन रेंज-[], मद्रास

मद्रास, दिनांक 4 जनवरी 1985

ानदेश सं० 216,मई 84,रेंज II—अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भाग 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सुम्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मृस्य 25,000√- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं जेख सं 1236/84 की शेड्स में दी हुई सम्पत्ति है, जो में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पुदुकोठे लेख सं 1236/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मई 84

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के उच्चमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक क्य के कथिस नहीं किया गया है:——

- (क) बंबरण से हुई किसी आयुकी वाबस, उक्स अधिनियम के अधीन कर देने के बंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिको को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती इकारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सृविधा की लिए;

कतः। श्रवः, उक्त अधिनियम कौ भारा 269-ग के बन्दरण में, में-, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उण्धारोः (1) के अधीवः, निम्बन्धिवित व्यक्तियों, अधीत् हरू (1) श्री आर० मुलकृष्ण नायडु

(अन्तरक)

(2) श्री मुहम्मद अस्मालिया रसिया

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप : --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो जी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर अक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में अन्य किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदी का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

भूमि:--लेख सं० 1236/84 की शेडूल में दी हुई सम्पत्ति पुरुकोठे लेख सं० 1236/84

> एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज-II, मद्रास।

तःरीख: 4-1 35

मोबर 🖫

प्ररूप बाइ .टी. एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 दिसम्बर 1984

निदेश सं० 2/मे/84—यतः मुझे, प्रेम मालिनि वासन, श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सभम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी र्स ० 10, 11, ईस्ट कास रोड गांधी नगर, वेल्लूर है, जो वेलूर में स्थित है (स्रौर इससे उपायद्ध अनुसूदी में स्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिलस्ट्रीकर्ला अधिकारी के कार्यालय काटपाटी (डाकुमेन्ट 14-9-84) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मई 1984

को प्वांवत सम्पत्ति कं उचित बाजार मृल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तांरत की गई है और मृझे यह विश्वास करां का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, डक्स अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी कारने या उससे बचने में सृविधा के निए; क्ष्यंर/या
- (व) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-च के अनुसरण को, मो, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) है अधीन, निम्निस्थित व्यक्तियों, अर्थातः——

- (1) श्री ए० के० लक्ष्मीनारायणन छेटटीयार
- (अन्तरक)
- (2) श्री टी॰ सुब्रमणिय छेटटीयार

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के निए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कां।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्ची

भूमि ग्रौर निर्माण 10 ग्रौर 11 ईस्ट कास रोड गांधी नगर वेल्लूर (डाकुमेन्ट 1479/84)

> प्रेम मालिनी वासन ्सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख: 12-12-84

प्ररूप बाई. टी. एन. एस....

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय. सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास मद्रास, दिनांक 4 जनवरी 1985

निर्देश 10/मई/84—यतः मुझे, प्रेम मालिनि वासन, शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है, जो थिरुपत्थूर टाउन में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध में अनुसूचो ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय थिरुपत्थूर (डाकुमेन्ट नं० 1390/84) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908का 16) के अधीन, मई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में इास्तिक रूप से किया नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने यें सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के निग्।

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्रीए० रामलिंगम

(अन्तरक)

(2) श्री एस० के० बालसुन्नमनिया पिल्लैं

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ह-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार्क लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि ग्रौर निर्माण डोर नं० 174 चिन्नाकडाई स्ट्रीट, थिरुपत्थूर (डाकुमेन्ट 1390/84)

> प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज -, मद्रास

तारीख: 4-1-1985

म्रोहर् 🛭

प्ररूप बाइं. टी. एन. एस. ----

आयकर अभिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धार 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकाष

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निर्देशिक)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 31 दिसम्बर 1984

निर्देश सं० 11/मई/84—यतः मुझे, प्रेम मालिनि वासन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25.000/-रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० सर्वे सं० 794 ग्रीर 917/1 कृष्णागिर टाउन की—आप कालें। म्युन्सिपल वार्ड सं० 17, III क्रास रोड बोगःनापल्ली में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कृष्णागिरि (डाकुमेन्ट सं० 766/84) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई 1984

को प्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार पृत्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, एसे द्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गाया गया प्रतिक्कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण कि खित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के द्रायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के ज़िए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मतिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६—— (1) श्री आर॰ बालाकृष्णनन ग्रौर अदरस

(अन्तरक)

(2) श्री मीरसौकत अलि

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के जिए कार्यवाहियां 🏃 करता हुं।

उक्त संपात के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप ह-

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सप्तन्धी व्यक्तियों पार सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः इंसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्यूची

भूमि श्रीर निर्माण कृष्णागिरि तालुक सर्वे सं • 794 श्रीर 917/1 (डाकुमेन्ट 766/1984)।

> प्रेम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख: 31-12-1984

मोहरु 🛭

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 31 दिसम्बर 1984

निर्देश सं० 12/मई/84-अतः मुझे, प्रेम मालिनि वासन, बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक ही

श्रीर जिसकी सं० एस० सं० 794 श्रीर 917/1, कृष्णगिरि टाउन को० आपरेटिव कालोनी है, जो म्युनिसिपल वार्ड सं० 17, बोगन पल्ली गांव में स्थित है स्रौय इससे उपाबद्ध में स्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कृष्णगिरि दस्तावेज सं० 767/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई 1984

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रितिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अंतरित की गई है और मुफ्तेयह विश्वास करने का कारण है कि यह पूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकला, निमालिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखिल में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य अस्तियों का, जिन्हें शारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-रूर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सूविधा के लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, अक्त अधिन्यम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियां अर्थात इ-

(1) श्री आर० बालकृष्णन ग्रौर अन्य

(अन्तरक)

(2) श्री मीर सादिक अली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप 🖫

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किशी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन है भीतर उक्त स्थान्य सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और एदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्यार 120-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

भूमि ग्रौर निर्माण—एस० सं० 794 ग्रौर 917/1, कृष्णगिरी टाउन को आपरेटिव कालोनी म्युनिसिपल वार्ड सं० 17, III क्रास रोड़, बोगनपल्ली गांव, कृष्णगिरि गांव, कृष्णगिरि तालुका (दस्तावेज सं० 767/1984)

> प्रेम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज-I. मद्रास

तारीख: 31-12-1984

मोहर :

15-446 GI /84

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहातक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 31 दिसम्बर 1984

निर्देश सं० 13/मई/1984—अतः मुझे, प्रेम मालिनि वासन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० एस० सं० 794 ग्रीर 917/1 कृष्णगिरि टाउन की-आपरेटिव है, जो का नोती, म्युनिसियल वार्ड सं० 17, III कास रोड, बोगनपल्ली गांव में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीवर्ता अधिकारी के कार्यालय, कृष्णगिरि (दस्तावेज सं० 768/1984) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई 1984

को प्वेक्ति सम्पत्ति के जिस्त वाजार मल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गर्द दें और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेक्षित सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया, प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निलिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं कया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करते या उससे बचने में सुविधा दायित्व के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयत-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, ता धन-कर अधिनियम, ता धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—— (1) श्री आर० बालकृष्णन ग्रौर अन्य

(अन्तरक)

(2) श्री मीर उल्फत अली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि ग्रौर निर्माण—कृष्णिगिरि तालुका बोगनपल्ली गांव, एस० सं० 794 ग्रौर 917/1, कृष्णिगिरि टाउन को—आपरेटिव कालोनी, म्युनिसिपल वार्ड सं० 17, III कास रोड, (दस्तावेज सं० 768/84)

प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज I_I भद्रास

तारीख: 31-12-1984

प्रकृप बाइं टी. एन. एस.

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 क (1) के वधीन सुबना

बार्द भरकार

कार्यानय, सहायक बायकर बायकत (निरीक्षण) अर्जन रेज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 31 दिसम्बर 1984

निर्देश सं 14/मई/1984-अतः मुझे प्रेम, मालिनि वासन, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सिके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25 000/ रत. से अधिक हैं भीर जिसकी सं० एस० सं० 794 श्रीर 917/1, बोगनपल्ली गांव, कृष्णगिरि तालुका है, जो कृष्णागिरि तालुका में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कृष्णगिर (दस्तावेज सं० 361/84) में भारतीय रजिस्ट्री... करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई, 1984 की पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रक्रिक्स के अपन्य अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य उत्तके इरवमान प्रतिफल से, ऐसे इरयमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है. और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकास निम्नविक्ति उद्देश्य से उक्त बन्तरण निवित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया क्या था किया के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-न के जनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निमनलिखिन व्यक्तियों, अर्थातु:—— (1) श्री आर० बालकृष्णन ग्रौर अन्य

(अन्तरक)

(2) श्री मीर कासिम अली

(अन्तरिती)

का वह सूचना चारी करके पूर्वीक्त संपृत्ति के अर्जन के निश् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेत्:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन को अबाब या तत्सबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अबिध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क्ष) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए का सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उनस अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

ग्रनुसूची

भूमि और निर्माण-एस० सं० 794 और 917/1, कृष्णगिरि टाउन को-आपरेटिव कालोनी, म्युनिसिपल वार्ड सं० 17, III क्रास रोड, बोगनपल्ली गांव, कृष्णगिरि तालुका (टस्तावेज सं० 361/84)

> प्रेम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख: 31-12-84

मोहर 😨

प्रस्थ बाइ .टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च(1) के ब्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय नहायक अधकर आय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 🏿 मद्रास

मद्रास, दिनांक 31 दिसम्बर 1984

निर्देण सं० 15/मई/1984—अतः मुझे प्रेम, मालिनि वासन, आखकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पत्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. में अधिक है

स्रौर जिसकी सं० एस० सं० 794 स्रौर 917 कृष्णगिर टाउन को—आपरेटिव कालोनी है, जो बोगनपत्ली गांव कृष्णगिरि में स्थित है (स्रौर इससे उणाबद्ध में स्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कृष्ण गरि (दस्तावेज सं० 770/84) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि नेयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार म्ल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकर्ता विलंख के अनुसार अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिफल से अधिक हैं और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवाचनार्थ अन्ति (ती द्वारा प्रकट नहीं किया यया था वा किया जाना पाहिए था, जियाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री आर० बालकृष्णन ग्रौर अन्य

(अन्तरक)

(2) श्री मीर ताहर अली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके धूर्वोक्त सम्पृत्ति के वर्षन् क सिड़ कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह से 45 दिन की बर्बा या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की बर्वा , जो भी जबीं कर बाद में समाण होती हो, के भीतर पूर्वो कर क्यां करणों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ह) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है
 45 दिन को भीतर उक्त स्थानर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
 वास निश्चित में किए अ सकोंगे।

स्पृथ्वीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रीधनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा को उस मध्याय में दिसा गया है।

मन्सू ची

भूमि और निर्माण एस० सं० 794 और 917/1, कृष्णगिरि टाउन को—आपरेटिव कालोनी म्युनिसिपल वार्ड सं० 17, 11 कास रोड, बोगपनल्ली गांव, कृष्णगिरि तालुका (दस्तावेज सं० 770/84)

प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख: 31-12-84

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस.-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

अर्जन रेंज 2, मद्रास मद्रास, दिनां ह 4 जनवरी 1985 ।नेदेश सं० 18/मई/84—यत:, मुझे, प्रेम मालिनी वासन,

बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० आमूर विल्लेज है, जो नाममकुल पुदुचटरम में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय (डाकुमेन्ट 414/84) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई 1984

को पूर्वोवत संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार कृष्य, उसके दश्यमान प्रतिफल के होसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और बंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-क्षक, निम्निसिस्त उद्देश्य से उक्त बंतरण निक्षित में बास्तिवक क्ष्म से किथत नहीं किया गया है

- (क) बन्तरण वंहुदं किसी बाय की बावस्ता, सबस् विधिनियम के बधीन कर दोने के बन्तरक के दावित्य में कमी करने या उद्यवे बचने में सुविधा के के निए; और/भा
- (क) एंसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर बिधनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त बिधनियम, या धन-कर बिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया बचा था या किया जाना थाहिए था, जिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री कुपपणण धव्णटर

(अन्तरक)

(2) श्री एस० मुननुसामी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हुए।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों एर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारी।

स्पच्छीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बिशिववम् के बच्चाय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस बच्चाय में दिसा गया है।

ग्रनुसूची

भूमि आमूर विललेज, पदुचटरम नामक्कल सेलम डाकुभेन्ट 414/84)

प्रेम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

बत: बव, उक्त बीधाँगयम की भारा 269-म के अनुसरभ मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारी**ख**: 4-1-1985

महिर 🗧

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्राप

मद्रास, दिनां रु 17 दिसम्बर, 1984

निर्देश सं० 19/मई/84--यत: मुझे, प्रेम मालिनि वासन,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इ के अधीन स्थम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर म्म्यति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- क. में अधिक हैं शोर जिसकी प्रवच्यानी विलेक प्रवच्या सम्बद्धल विश्व

स्रौर जिसकी सं० नौकी पट्टी कलयानी विलेज पूड्चथ्य नामक्कल थि० के सालीम में रियट है (स्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूकी में स्रौर पूर्ण रूप से विणिट है), रिलम्ट्री कि अधिकारी के कार्यालय पुड्चथ्यम (डाकुमेन्ट सं 430/84) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 30-4-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्मालिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- [कां) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उथल बिधिनियम के जधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए; और/धा
- (६) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों की, जिन्हों भारतीय बायकार अधिनियम, 1922 .(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 4957 (1957 का 27) के प्रयोक्तिकों जैनिस्ती देवारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री कुमारसामी ग्रीर अन्य

अन्तरका)

(2) श्री सेनगौडन

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लि कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप ू-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ य सूचना की तामील से 30 दिन को अवधि, जो । अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिर बद्ध किसी अन्य ज्यतित द्वारा अधोहस्ताक्षरी पास लिखित में किए था सकेंगे:

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उब जिथिनियम के अध्याय 20-क में प्रिभाषि है, वहां अर्थ होगा, जो उस अध्याय १ दिया गया है।

अनुप्या

भूमि ने चिपट्टी कलयानी विलेज पुडुचटरम नामक्कः सेलम (डाकुमेन्ट 430/84)।

> प्रेम मालिनी वासन् सक्षम प्राधिकार्र सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-I, मद्रार

अत:, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, तो उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख: 17-12-1984

प्ररूप नार्दः टी. पुनः प्रस्

श्री के० पेरियासामी

(अन्तरक)

शीए० पलनिअपव

(अन्तरिती)

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालयं, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 दिसम्बर 1984

निर्देश सं० 21/मई/84--यतः मुझे, प्रेम मालिनी वासन, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,0000/- रज्पये से अधिक हैं। भ्रौर जिनकी सं ० परलीपालेयम है जो अगराहारम विलेज में स्थित (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजर्स्ट्रा-**ब्रक्ता अधिकारी के कार्यालय कमारपालयम सेलम** (डाकुमेन्ट सं (1106/84) में भारतीय रजिस्ट्रीवरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 21-5-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुर्फ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का . पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया ["]प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शाबित्व में कमी करने या उससे बचने में हुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (ख) इस सूचरा के राजपत्र में श्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-, बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्ची

नई 169/3 पल्लीपालैयम अगराहारम विलेज कोमार-पालैयम सेलम (भूमि श्रौर निर्माण) (डाकुमेन्ट 1105/84)।

> प्रेम मालिनी बासन सक्षम प्राधिनारी सहामक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

दारीख: 17-12-84

प्ररूप बाई, टी. ऐन.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धेर 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 31 दिसम्बर 1984

निदेंश सं० 22/मई/1984—यतः मुझे, प्रेम मालिनि वासन, ब्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमें इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं ग्रीर जिसकी सं० सर्वे सं० 243/2, है, जो वसन्त पुरम गांव, नामक्कल में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जे० एम० आर० 11, नामक्कल में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16 के) अधीन मई, 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं हैं और मृझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि प्रथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का

पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकाँ) और अंतरिती

(अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया

प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में

बास्तविक रूप सं कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) मेसर्स वी० अम्मैअप्पा कौन्डर ग्रीर कालियम्मलि

(अन्तरक)

(2) श्री पी० पेरुमल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के शर्जन क सर्पंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अविति या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भीं अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्वत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध विस्ता अन्य व्यक्ति हुनारा अन्यहर किया के प्रकार किया के किए का सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ हांगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

बन्स्ची

भूमि और निर्माण—वसन्तःपुरम गांव, नामक्कल (दस्तः।वेज सं० दम: 813 श्रौर 814/84)

प्रेम, मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख: 31-12-1984

प्ररूप जाई. टी एन. एत. ----

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय. यहायक जायकर जायकत (निरोक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रीस

मद्रास, दिनांक 31 दिसम्बर 1984

निर्देश सं० 25/मई/1984--यतः, मुझे, प्रेम मालिनि वासन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मन्य 25,000/-रापये सं अधिक हैं

श्रौर जिपकी सं० नामगिरि पिट्टाई में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूचो में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नामगिपिट्टाई दस्तावेज सं० 388/84 में भारताय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई,

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिकाल से, एसे दश्यमान प्रतिकाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एंसे अन्तरण के लिए त्य पाया गवा श्रीतफल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त बन्तरण लिखित में गास्तविक रूप से कभित नहीं किया गया है :--

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाब्त, अधिनियम के अधीन कर देने के अतरक के दायित्व में कभी करने या उससे ज्वने में स्विधा के निए; बौर/या
- (ख) ऐसी किसी अाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय अधिकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) रा उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया काका चोहिए था, छिनाने में सुविधा की लिए।

अतः अव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--16-446 GI /84

(1) श्रीमती कालियाम्मल ग्रौर अन्य

(अन्तरंक)

(2) श्री पालनिअप्पन ग्रौर अन्य

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति। के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जे भी क्ष्विश बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकारन की तारीख़ में 45 दिन वं भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति :वारा अभोहस्ताक्षरी के पास जिबित में किए जा सकेंगे।

ल्लब्बीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दें और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याप 20 क में परिशाधित है, बड़ी अर्थ हांगा जो उस अध्याय में दिया गमा है।

मन्स्ची

पंजाभूमि नामगिरि पिट्टाई (दस्तावेज सं० 388/84)

प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, मद्रास ।

तारीख: 31-12-84

प्रकृद बाह् . टी . एन . एस . -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

बाउत सरका

कार्यालय, सहायक आयकर जायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज I, नद्रास

मद्रास, दिनांक 31 दिसम्बर 1984

निर्देश सं० 26/मई/84—श्रतः मुझे, प्रेम मालिनि वासन, श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा २००-च के अधीन सक्ष्म प्रात्यकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/रु. सं लिधक है

ग्रीं र जिस्कीं सं० १०/१ ग्रीं र 90/3. थे प्पाण्ट्टी गांव, है जो नाम-गिरि पिट्टाई यूनियन में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विगत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधनारी के कार्यालय नामगिरिपिट्टाई (दस्तावेज सं० 406/84) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से. एसे त्रथमान प्रतिफल का पत्दह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती । अन्तरितियों) के बीच एमे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण कि स्थि में कास्तिक हुए से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी साम की बासत, उक्त जिमानियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दक्षीयात्र मों कभी करते या उसर्व अवने मो नृजिधा के सिए: साँद/भा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियनम, 1922 (1922 का 1) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना जाना जाहिए था, कियाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) श्रीमती पावायम्माल

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती पेरियम्माल

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पृत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप्:--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की मामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- [ख] इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

बनम्थी

भूमि श्रीर निर्माण सर्वे सं० 90/1 श्रीर 90/3, थोण्पापट्टी गांव, नामगिरि पिट्ठाई यूनियन सेलम डिविजन (दस्तावेज पं० 406/84)

प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारौ सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, मद्रास ।

तारीख: 31-12-84

प्रस्प बाइं.टी. एन . एस . -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- र (1) के मधीन सूचना

भारत सरकाडु

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 31 दिसम्बर, 1984

निदेश सं० 28/मई/84—यतः मुझे, प्रेम मालिनी वासन, भागकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

स्रीर जिसकी सं० सर्वे 114/4 पुततूर है, जो कीलमुगम विललेज में स्थित है (स्रीर इससे उपाबद्ध अनुसुची में स्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय एस० स्रार० वेलवुनदमपट्टी (डाक् मेन्ट सं०360/84) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रवीन मई 1984 को पूर्वोक्त संपति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तर जिल्लित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम के ग्रेबीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उनने बचीन में मुविजा के जिल्हा और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें सरक्षित्र क्रांसकर अधिक्रेंबर, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविक्षा के लिए ;

अन्त: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री सी०पी० दुरैसामी।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सानामणी।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा क्तु सम्पत्ति, के अर्जन के शिश् कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख़ क्षें 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर् व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी बे पास निधित में किए दा सकेंगे।

स्पष्टीक रणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उपस अधिनियम, के अध्याय 20 क में यथा परिभाषित है, वहीं अर्थहोगा जो उस अध्याय में दिव्ह ग्या है।

अनुसूची

भूमि श्रौर निर्माण सर्वे 114/4 पुततूर किलमुगम विलेज (डाकूमेन्ट सं $\circ 360/84$)

प्रेम मालिनी वानस ंसक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, पद्रास

तारीख: 31-12-84

मोहर 🖫

प्रकृप बाइ". टी. पुन. एस.-----

बायकर बांधिनियम, 1964 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के संधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यातव, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांकः 31 दिसम्बर 1984

निदेश सं० 30/मई/84—यतः मुझे, त्रेम मालिनी वासन. बायकर बिधानियम, 1961 (1961 का 43) (बिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रहा से विधक है

स्रौर जिसकी सं० 6 स्रौर 5 है, जो कन्नरा स्ट्रीट इदपाटी मोसट सनक-शिरी में स्थित है (स्रौर इससे उ जबद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से वाँणत है), रजिस्ट्री कर्ता स्रधिवारी के कार्यालय इदपाटी (डाकूमेन्ट 558/84) में भारतीय रजिस्ट्रींकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन गई 1984

की पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एस स्थमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अनिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक स्प से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त आधि-श्रियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में अभी करने या उत्से अपने में स्विधा के लिए: ोद्रिया
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अनिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा अधिक्य.

अतः जन, उक्त जिभिनियम की भारा 269-ग के बन्धरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपभारा (1) के अधीन, जिल्लानिस्त व्यक्तिकों, अधीत :--

एस.----- (1) श्री ए० विसवतादन ग्रीर ग्रदरस ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीए० कमला।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :--

- (क) इस स्वतः जे राजपत्र में प्रकाशन की तारीत सं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वता की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भोतर उक्त स्थावर नम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा. जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

भूमि ग्रौर निर्माण 5 ग्रौर 6 कन्नरा स्ट्रीट इदपाटी विलेज सनकगिरी (डाकुमेन्ट 558/84) ।

प्रेम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रें ज-I, मद्रास

तारीख: 31-12-1984

माहर

प्ररूप. बार्षं. टी. एत. एख. ----

अध्यकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक अायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 4 जनवरी 1985

निदेश सं० 34/मई/84—यतः मुझे, प्रेम मालिनी वासन, नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षत्र प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्भीत, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० 48 है जो कैलासमबालैयम विलेज तिरुचेनंगोदू टाउन सेलम में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध अनुसूचीमें ग्रौर पूर्ण रूप से विणित्ं है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिवारी के कार्यालय तिरुचेनंगोद् (डाक्सेन्ट सं० 1246/84)में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन मई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूके यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दृह्र प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) बंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त सिंपित्यस के बंधीत कर दोने के अन्तरक की सायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और√या
- (ख) एंसी किसी आम या किसी भन ए बन्य ब्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय अय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपानं घें सिवधा के लिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (१) के प्रधीन, निम्निजिक्त व्यक्तियों, अर्थातः (1) श्री पी० सेनगोटट्वेल ग्रौर ग्रदरस ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एस० राजेन्द्रन।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन् के संबंध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीब सं
 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो औं
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिता दूध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार निश्चित में किए जा सकींगे ।

स्वष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाविष है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गण है।

अनुसूची

भूमि 48 कैलासमबालैयम विलेज तिरुचेनगोद सेलम्. (डाक्क्मेन्ट सं० 1246/84)

> प्रेम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी हायक श्रायेकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख: 4-1-1985

मोहर 🛭

प्रकष् बाहे . टो . एन् . एन् .

बायभर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यान्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 4 जनवरी 1985

निदेश सं० 37/मई/84—अतः मुझे, प्रेम मालिनी वासम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-ख को अधीन तक्षम प्राधिकारों को यह दिश्हास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. संअधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० एस० सं० 150/2, है, जो तोकवाडी गांव, तिरुचेन्गोडू में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय तिरुचेन्गोडू दस्तावेज सं० 1287/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908(1908का 16) के ग्रिधीन मई, 1984

को प्वांवत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप् बेंक्त स्परित का उपित बाजार मून्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक हैं और अन्तरक (अंतरका) और अंगरिती (अन्तरितया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्ष निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्बत में बाग्त-धिक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:---

- (क) बन्तरण संहुर फिली बाब की बाबत, उपत् अधिनिय्य को अभीन कर रोने के बन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; भौर/या
- (क) एसेंग किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्टियाँ क्ये, जिन्हीं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या असकर अधिनियम, या असकर अधिनियम, पा असकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना बाहिए धा कियाने में सुविधा के लिए,

जतः जब, खक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1)

के अधीन निम्नीलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

(1) श्री माय्पन ग्रौर ग्रन्य।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एन० वेल्लप्प गोन्डर ग्रौर ग्रन्य।

(ग्रन्तरिती)

क्द्रे यह सूचना जारो करके पृशीक्त सम्मित्त के अर्जन के जिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

रक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वासीय ६--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी खाक्ति इवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्दः किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास् किस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः -इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हागर जो उस अध्याय में दिया गया है।

वपस्य

व्यावसायिक भूमि 5.63 एकड़ ग्रौर 1/3 रायिट **इन वेल** एस० सं० 150/2, तोकवाडी गांव, तिरुचेन्गोडु, (दस्तावेज सं० 1287/84)

त्रेम मालिनि वासब सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) शर्षन रेंज-I, मद्रास

तारीख: 4-1-85

प्ररूप बाइ.टी.एन.एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 दिसम्बर 1984

निदेश सं० 43/मई/84—अतः मुझे, प्रेम मालिनी वासन, ायकर अधानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकरी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० सर्वे सं० 633/1, देवन्न गौन्डर गांव, सन्क-गिरि सं० तालुक है तथा जो नामकलें, सेलम जिला में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय सन्कगिरि दस्तावेज सं० 358/84 में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, मंगलूर में धारा 269 ए.बी. के अंतर्गत सक्षम अधिकारी के सम्मृख/के पास रिजस्ट्रीकृत किया गया है, मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यह पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितिगों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अन्सरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) श्री रामस्वामी।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एस० एस० एम० सुब्रमन्मम, एम० डौ० मेसर्स टान इन्डिया वाटल्स एक्सट्रावेटस कंपनी लिमिटेड ।

(अन्दरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों आरे पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

व्यावसायिक भूमि सर्वे नं० 633/1 दैवन्न गोन्डनूर · गांब , सन्कगिरि तालुका, सैलम जिला । (दस्ताबेज सं० 358/84)

> प्रेम मालिनी बासन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, मद्रास

दिनांक : 13-12-1984

माहर:

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अभिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यातय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 31 दिसम्बर, 1984

निदेश सं० 53/मई/84—ग्रतः मुझे, प्रेम मालिनी वासन बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उबत बिधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- क संबधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं बम्मन्त चेट्टी रोड़, श्रिरिसिपालयम सेलम टाउन है तथा जो मद्रास में स्थित है ग्रीर इससे उपाबढ़ ग्रमुस्ची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्री ग्रिधिकारी के कार्यालय जे० एस० आर० III, द० सं० 721/84 में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रामान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य मृत्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, एसे द्रायमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया भया प्रतिफल, मिम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित धारतीबक स्य से किंगत नहीं किया गया है

- (क) बन्तरण सं हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए; और/या

अतः अर्ब, उक्त आधीनयम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री एस० मृतुकृष्णन।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एस० पी० सदासिवम ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शरु करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति र्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशत की तारीख म 45 दिन के भीतर किए स्वाहर स्वीहर को दिल-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में वारभाषित है, वहीं वर्थ होगा को उस अध्याय में दिया व्या है।

अनुसूची

भूमि ग्रौर निर्माण वार्ड डी, ब्लाक 17, टी॰ एस॰ सं॰ 26, भाग तम्मन्नन चेट्टी रोड, ग्रिरिसिपालयम, सेलम टाउन (द॰ सं॰ 721/84)

प्रेम मालिनी वासन स्नाम प्राधिकारी सहायक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, मद्रास

दिनांक: 31-12-1984

प्ररूप बाईं.टी. एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के लधीन स्चना

गारत शरकार

कार्यालय, सहायक जायकार **बायुक्त (निरीक्षण)** श्रर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 31 दिसम्बर 1984

निदेश सं० 56/मई/84—-ग्रं मुझे, प्रेम मालिनी वासन कराभर प्रिंगित्रम, 1961 (1961 का 43) (जिसे उसमें इसके प्रधान 'उक्त प्रिंगितम बहा गरा हैं), यो ध्रम 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने को कारण हैं कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25.060/- रा. से अधिक हैं ग्रीर जिसकी सं० 166/2, 170 ग्रीर 171/2 (सर्वे) है

ग्रौर जिसकी सं 166/2, 170 ग्रौर 171/2 (सर्वे) है तथा जो कोपपनन मपालैयम वेलूर, सेलम में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय वेलूर सेलम (डाकूमेंट सं 766/84) में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) ग्रधीन तारीख मई, '1984

को प्रांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्नींकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिपत्त में एसे उपमान प्रतिपत्त का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलियन उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अनुरुष्ण स्व 'हुई' १३३वी बाय की बावता, उत्तर्त अभिनियम की अभीन कार दाने की अन्तरक की उत्तरिक्त सा कार्य कार्य या उपन बचने से मृत्रिया के लिए; आर/या
- (क) एसी किसी अब या फिरी अन या ताय अस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 वा 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिर्दा द्वारा प्रकट मुद्दी विया गया शा सा विया जन्त करिए से निया में विया के लिए;

(1) श्री अगर० सनम्गम ग्रौर ग्रन्य।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती मनगलम ।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायका हथां करता हो।

उन्त गम्पह्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख के 45 दिन के भीतर उत्तत स्थावर सम्मति में हितवद्यं किमा क्ष्य व्यक्त द्वारा अश्रेष्ट्रस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उस्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो तम अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि सर्वे 166/2, 170 ग्रौर 171/2, कोपपननभपालैयम, वेलूर सेलम (डाकूमेंट सं० 766/84)

प्रेम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आ**यकर** श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज्र–I, मद्रास

दिमांक : 31-12-1984

मांहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निर्दिक्षण) अर्जन रेंज-I, मद्राम

मद्रास, दिनांक 19 दिलम्बर 1984

निदेश सं० 59/मई/84—-ग्रतः मुझे, प्रेम मालिनी वासन

बारकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० वार्ड बी, ब्लाक 23, है तथा जो सेलम टाउन में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वणित है) एजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय सेलम जे० एस० ग्रार०—I, (डाकुमेंट सं० 974/84) में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हड़े किसी शय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट रहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातृ :---

(1) श्री मुतत् मुद्रमन्यन ग्रोर ग्रन्य।

(प्रनंतरक)

(2) श्रीमती अमरिता गवारि

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन को अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पीत में हितबद्ध किसी अन्य विवत द्शरा अधोहस्त्गाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि वार्ड बी ब्लाक 23, मखनेरी सेलम, $\left(\operatorname{sim}_{\mathbf{q}} \right)$

प्रेम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ऋर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 19-12-1984

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस. - - -

कायकर अ⁹धनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 31 दिसम्बर 1984 निदेश सं० 63/मई/84—-अतः मुझे, प्रेम मालिनि वासन,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 217/1, 226/1 बी 226/2 (सर्वे सं०) है तथा जो कोमारस्वामी पट्टि गांव सेलम में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिकिंगरी के कार्यालय जे० एस० ग्रार०-1/सेलम दस० सं० 329/84 में रिजस्ट्रिकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख मई, 1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियाँ), के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया मृतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में गारतिक रूप से किथत नहीं किया गया है .---

- (क) जन्तरण सं हुई किसी जाय की वाबत, उनत जिथिनियम के जुधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम को धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वे प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्वीवदा के लिए

बतः कव, उन्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (

- (1) श्री श्रार० ग्रारुमुगम श्रौर श्रन्य । (श्रन्तरक)
- (2) मेसर्स सेवरे प्लानटरस । (अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां कुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

P

(ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टींकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिमाणित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या हैं:

मन्स्ची

भूमि श्रौर निर्माणः सं० 217/1, 226/1 बी 226/2, सेलम (दस 329/84)

प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-1, मद्रास

दिनांक : 31-12-1984

प्ररूप आइ'.टी.एन.एस. -----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा २६) अ (1) के अधीत मुचना

भारत सरकार

क्त्रवास्य, सहायक जायकर शानुक्त (निरीक्षण)-अर्जन रेंज्—ा, मद्रान

मद्रास, दिनांक 4 जनवरी 1985

निदेश सं० 75/मई/84—-अतः मुझे, प्रेम मालिनी वासन

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर्टें इसके परचात् ं उसत अधिनियमं कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी मं० 49 जी-16, अशोकनगर पुरम दिनिर्दागल है तथा जो में स्थित है (और इपने उपाबद्ध अनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप में वर्णित है) रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिनर्दागल (डाकुमेंट 784/84) में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अवीन तारीख मई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रोकर्ता दिलंख के अनुसार अंतरित की भई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यह पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल से पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) मन्तरण सं शुर्ड किसी आय की आंधरी, उत्तर विधिष्ठिय अं करीम प्रयुक्त में अन्तरक की दायित्व वी कमी काम या तमर्थ नवस्थे के मुख्यित की लिए: बीर/या
- (स) एसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 ए । । या जनत की धीनराम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोजनार्थ कन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. जिपाने में स्विधा के सिए;

बतः अबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीर, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री आर० एम० एम० पाननूराम । (अन्द्रारक)
- (2) श्री एस० पी० कालियपप गवुनटर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्ष्य :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, बो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्ति में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-, किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्वा हैं।

अन्मृची

भूमि और निर्माण 49 जी-16 अशोकनगर पुरम दिनदीगल (डाक्मेंट 784/84)

> प्रेम मालिनी वायन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-, मद्रास

तारीख: 4-1-1985.

ब्रुरूप् बाइं. टी. एन एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के बधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, ांक 31 दिसम्बर 1984

निर्देश सं० 76/मई/84-अतः मुझे, प्रेम मालनी वासन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिगियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. में अधिक है

ग्रीर जिसकी सं ० प्लाट सं ० 9, स्पेन्सर कम्पाउन्ड, वार्ड सं ० 6, चेट्टिनायकनपटी है तथा जो दिन्डुबक्कल टाउन, दिन्डुबक्कल में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिन्डुबक्कल दस्तावेज सं ० 353/84) में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है कि मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तश्याया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण संहर्ष किसी श्राय की बाबन, उक्त अधिनियस के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बनने मा अविधा के जिए बार/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों कर जिन्हों भारतीय काय-कर किधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-वार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना था, खिपाने में सुविधा के जिए;

बतः वदः, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के बन्सरण की, में उक्त विधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (.) के वधीन, निम्निविद्यित व्यक्तियों, वर्णत् = -

(1) श्रीनती आर० सुबैदा।

(अन्तरक)

(2) श्री एस० नारायनन ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तरिलेख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन को तारी है से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, बो उक्त अधिनियम के अध्याय ?0-क में परिभाषित उस अध्याय में दिया

remark.

भूमि स्रौर निर्माण प्लाट सं० 9, स्पेन्सर्स कम्पाउन्ड वार्ड सं० 6, चेट्टिनायकनपटी गाव, दिन्डुक्कल टाउन, (दस्तावेज सं० 353/84)

> प्रेम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, मद्रास

दिनांक : 31-12-1984

प्ररूप बाई .टी.एन.एस.-----

स्थकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 31 दिसम्बर 1984

निदेश सं० 80/मई/84---अतः मुझे, प्रेम मालिनी वासन

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० सर्वे नं० 150/2, 151/3 एण्ड 151/3 है तथा जो इस्म्बाडि गाव, चोलवंतान में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय चेलवंतान दस० 615/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 वा 16) के अधीन तारीख मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के द्रश्यमाम प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई हैं और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक हण से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, कों, उबत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नेलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री एम० मापिककम और अन्य। (अन्तरक)
- (2) श्रीमती सुर्यकांति अम्माल । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूबें कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

षन्स्ची

भूमि पर्वे नं ० 150/2, 151/3, एण्ड 152/1, मदुरै। (दस्तावेक 615/84)

त्रेम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, मद्रास

दिनांक : 31-12-1984

प्ररूप बाइं, टी. एन. एस.----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयक (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, मदास

मद्रास, दिनांक 31 दिसम्बर 1984

निदेश सं० 85/मई/84—अतः मुझे, प्रेम मिलनी वासन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 75,000/- रु. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी सं० प्लाप्ट सं० 26, वार्ड सं० 10, म्युनिसिपल वार्ड सं० 7, उत्तर मदुरें गांव है तथा जो चोक्किनुलम, तल्लाकुलम, मदुरें में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय उल्लाकुलम दस्तावेज सं० 1752/84 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के तिए तय पाया नया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में गास्तिबक हम दो कृथित नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निपः और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर आधानयम. 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम. या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था बा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा, के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिसित व्यक्तियों, अर्थातः

- (1) श्रीमती टो० एस० गो० गौरियम्माल । (अन्तरक)
- (2) श्री टी॰ आर॰ कन्नन । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त संपृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों दर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वांरा अधोहस्तक्षरी के पास लिखित में किए जा मकोंगे।

स्पष्टीकरणः ---- इसमें प्रयुवत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

प्लाट सं० 26, वेकन्ट हाउस सैट, वार्ड सं० 10, म्युनिसिपल वार्ड सं० 7, चोक्किकुलम, मदुर जिला । (दस्तावेज सं० 1752/84)

> प्रेम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारो सहायक अध्यकर आयक्त (निरीक्षण) स्रजंन रज--!, मद्रास

तारोख: 31-12-1984

मांहर:

(अन्तरिती)

प्ररूप बाइं.टी.एन .एस . -----

(1) श्री टी० एप्तर पो० गोरीयमञाल। (अन्तरक)

(2) कोविलपट्टी स्टील रोलिंग मिल्स।

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यातय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 31 दिसम्बर 1984

निदेश सं० 86/मई/84--अतः मुझे प्रेम मालिनी वासन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रः. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० टाउन सर्वे वार्ड 10, तल्लाकुलम मदुरै नारत में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रोकर्ता अधिनारी के कार्यालय तल्लाकुलन, मदुरै नारत डाकूमेंट 1153/84 में रिजस्ट्रोकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दारीख मई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास फरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नतिस्ति उद्देश्य से उक्त अंतरण निस्ति में बास्तिक रूप से किथात नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त जीधनियम को अधीन कार दोने के अंतरक को दायित्व मों कोमी कारने या उससे बचने मों सुविशा के लिए; और/का
- (स) एमी किसी आए या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिणाने में सुविधा के निए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बाधीन, निम्तिनिधित व्यक्तियाँ, अर्थात ---- को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

.

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर गम्पत्ति में हितबद्ध किमी बन्य व्यक्ति द्वारा, बधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किये जा सकींगे।

स्थारशीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दी बार पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो एम अध्याय के दिया अया है।

अनुसूची

भूमि प्रोर निर्माण दी० एत० वार्ड 10, तल्लाकुलम मदुरै नारत ।

(द्रस्तावेज सं० 1753/84)

प्रेम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक अव्यार आयुक्त (निरीक्षण) व्यर्जन रेंज-I, मद्रास

दिनांक: 31-12-1984

स्रोहर:

प्रस्य बाइ'. टी. एन. एस.-----

(1) श्री टी० के० श्रीनिवासन ।

(अन्तरक)

भागकर विभिन्नमङ् 1961 (1961 मा 43) की धारा 269-व (1) के ब्रेभीन स्वना

(2) श्री आर० नागराजन।

(अस्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय , तसहायका बायकार आयुक्तः (निरीक्षक)

अर्जन रेंज-I, मद्रास मद्रास, दिनांक 31 दिसम्बर 1984 निर्देश सं० 88/मई/84—अतः मुझे, प्रेम मालिनी वासन इस्मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम्

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्तः अधिनियम' कहात् गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षा प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

25,000/- रत. सं बधिक हैं शीर जिसकी सं० सर्वे 4/4 टी० एस० 2742/5 है तथा जो तल्लाकुलम मदुर में स्थित है (ग्रीट इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्जा अधिकारी के कार्यालय तल्लाकुलम मदुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई 1984 को पूर्वेक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमां शिक्त के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वाध करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्मत्ति का उचित वाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिकत का बन्दर तिकत से बिषक है और बन्दरक (बन्दरकों) और बन्दरिती (बन्दरितियाँ) के बीच एसे बन्दरक (बन्दरकों) और बन्दरिती (बन्दरितियाँ) के बीच एसे बन्दरक (बन्दरकों के संग्रा ग्रा । विषक के से बिषक है और बन्दरक (बन्दरकों के संग्रा । विषक के से बीच एसे बन्दरक (बन्दरकों के संग्रा । विषक के से बीच एसे बन्दरक (बन्दरकों के संग्रा । विषक के से बीच एसे बन्दरक के स्वत्र क्या विषक के से बीच नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत., उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के सिए; अरि/शा
- (क) एसी किसी बाक या किसी धन या बन्य बास्तियों का, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

े क्रार क्रिक , सक्त विभिन्नम की बारा 269-व के बन्तरक करें, में, उक्त व्यक्षिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के बचीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों बर्धात् :---

18-446 GI /84

को यह सूचना बारी करके पृशांक्त संपरित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्बन के संबंध में कोई भी बार्क्षण :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं
 4.5 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर
 सूचना की तामील सं 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवित्व व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवार।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पांच लिखित में किए जा सकीये।

स्पष्टी

वन्स्यी

भूमि ग्रौर निर्माण तल्लाकुलम मदुर । (डाक्मेंट सं० 1835/84)

> प्रेम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, मद्रास

दिनांक : 31-12-1984

प्रस्त नाह्"ु ट्री. एन. एस .-----

बावक द अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

मारत सरकार

कर्नांबय, सहायक जायकर जायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 31 दिसम्बर 1984

निदेश सं० 90/मई/84—अतः मुझे, प्रेम् मालिनी वासन

बावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें रचके परवात 'उवत विधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के वधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से विधिक हैं

भीर जिसकी सं० सर्वे 148/2 श्रीर 148/4 है तथा जो उंग्लाकुलम मदुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनसूची में भीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीवर्ता अधिकारी के कार्यालय तल्लाकुलम मदुर (डाक्सेंट सं० 1977/84) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) वे अधीन ठारीख मई 1984

को प्रॉक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बृत्व, उशके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का प्रतिकत से पिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बंतरितिकों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निरालिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक है भि तस्त में कार्सिक हम से कार्य से कार्य से कार्य से कार्सिक हम से कार्य से कार

- (क) जन्तरत्र से हुई किसी बाय की बाबत, उपल विधिनियम के जधीन कर दोने के अन्तरक के दायित में कमी करने या उसमें बचने में बृष्टिधा के किए; बौर/या
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों नो किहाँ भारतीय आसकर अधिनियम, 1922 (1933 का 11) या उत्रत अधिनियम, बाधन-कर धिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गण भाषा किया जाना चाहिए था, छिणाने में सृविधा के सिहर,

कतः अब उकः प्रिवित्यम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, कों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को बंधीन, निम्नितिसित व्यक्तियों, अर्थात:— ं (1) श्री एस० सेलवकुमरन ।

(अनः

(2) श्रीमती विजयलक्ष्मी यम्माल ।

(अन्तः

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिंगां करता हो।

जक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उत्तन स्थावार संपर्तित में हितकदूध किसी अन्य क्यांक्त इवारा अधोहस्तकरी के पात निश्चित में किए का सकाँगे।

स्पष्टीकरण:--इगर्मे प्रयास्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त विधिनियम, के ब्रध्याय 20-क में परिशाधित है वही अर्थ होगा वो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्**स्यी**

भूमि ग्रौर निर्माण फिफल कास स्ट्रीट, मदुरै नारत । (डाकमेंट सं० 1977/84)

> प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयदार आयुव्हः (निर्राक्ष**ण)** अर्जन[ः] रेंज-, मद्रास

दिनांदा : 31-12-1984

इक्स अपर्य में, ज प्रव

जायन्तर अधिनं न्यम . 1961 (1961 का 43) त्यां धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-!, मद्रास

मद्रास, दिनांक 4 जनवरी 1985 निदेश सं० 100/मई/84—अतः मुझे, प्रेम मालिनी वासन

ग्रीर जिसकी सं० 3-ए में एम्सर खादर पल्लिवासल साम्नित स्ट्री2 है तथा जो पेट्टै, निरुने अवित्त में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विज्ञत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पेट्टै दस्त वेज सं० 1035/84 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1903 (1908 का 16) के अधीन ठारीख मई 1984

को पूर्विका सपिता के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान वितिश्व के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार गृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का दृश्य प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकात, जिल्लीलित उद्देश्य से उद्धा अन्तरण जिबित में प्रतिकार हमें विश्वा स्था सुर्विकार हमें विश्वा स्था है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्वैवधा के लिए;

हत: बड़ उस्त अधिनियम की धारा 269-गं के अनुसरण मैं. भैं, उस्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्रीमती बीर बानिमाल बीवि।

(अन्तरक)

(2) एम० के० ए० एम० ए० बीर मोहम्मद । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्ष व किस् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के वर्षन् के सम्बन्ध में कोई भी लाकोपु:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय के 45 दिन की जनिभ या तत्संबंधी व्यक्तियों एड सूचना की तामील से 30 दिन की जनिभ, थो थी व्यक्तियों में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अर्थाष्ट्रस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकों में 1

स्पच्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्दों का, जो उक्त विध-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विधा गया है।

पनस्या

भूमि और निर्माण : 3 ए, मोहम्मद कादर पल्लिवासल सन्नित स्ट्रीट, तिष्नेलवेलि जिला (दस्तावेज 1035/84)

> प्रेम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-, मद्रास

दिनांक : 4-1-1985

प्रकार बाह. टी. एन. एव. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-I, मद्रास मद्रास, दिनांक 31 दिसम्बर 1984 निदेश सं० 104/मई/84--अतः मुझे, प्रेम मालिनि वासन,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

ग्रीर जितकी सं० डोर सं० 53, 53/1, 53/ए ग्रीर 52/सी/5 टी० पी० एस० सं० 587/1 है तथा जो सी० टी० एस० वार्ड सं० एन० एस० एन० हाई रोड़, सिन्दुपुन्लर गांव 27वाँ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय जे० एस० आर०-1 म्युनिसिपल वार्ड, तिरुनेविल (दस्तावेज सं० 538/84) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) अधीन तारीख मई 1984

को व्वक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार भूल्य से कम के दश्यमान अन्तरित की गर्इ है प्रतिकल के लिए मुभ्हे विश्वास करने कारण यह कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रीतफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नुलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाव की बावत, उपत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने से सुविधा के निए; और/बा
- (क) एसी किसी वाय वा किसी धन वा बन्य वास्तियों को, जिन्हों भारतीय वाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनयम, वा जनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया क्या था या किया जाना वाहिए था खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः इब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भौ, भौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) की अधीत किन्द्रिक्षित व्यक्तियों, अधीत :— (1) श्री वेंकटविजयन।

(अन्तरक)

(2) श्री के॰ रामस्वामी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वों कर संपृत्ति के वर्षन के बिहु कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपृत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेष ह--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन की बरीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बर्बाध, जो भी बर्बाध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की तारी व व 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्ष किसी कन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाद लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इतमे प्रयुक्त शब्दों बौर पदों का, जो उनक् अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गदा है।

वन्स्यी

भूमि और निर्माण डोर सं० 53, 53/1, 53/1, 53/ए और 52/सी/5 टी० एस० नं० 587/1—सी ब्लाक सं० 7, टी० एस० वार्ड सं० 11, एस० एन० हाई रोड़, सि सिन्दुपून्लर गांव, 27वां स्युनिसिपल वार्ड, तिरनेलवेली (दस्टावेज सं० 538/84)

प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, मद्रास

दिनांक : 31-12-1984

मोहर 🖫

' शक्य बाह' .टां .च्य . एस . -----

बायंकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) जी भारा 269-च (1) के बधीन सूचना

बारत सरकार

कार्यां तथ, सहायक बायकर बायक्त (निरक्षिण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास
मद्रास, दिनांक 31 दिसम्बर 1984

निदेश सं० 106/मई/84-- : मुझे, प्रेम मालिनी वासन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-ख के क्थीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. वं अधिक है

ग्रीर जितकी सं० वारट नं० 18 है तथा जो एटेयाप्रस रोड़ तूडकुटी वे० एम० आर०-I, तूनेविल में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दस्तावेज सं० 261/84/1 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए जन्तिरत की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और जंतरक (अंतरकों) और जंतिरती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में बास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बिधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- ब) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अप्रवेशनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यदा जाता कांक्या वाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

बत: बब, उबत बधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, मीं, उबत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत :—— (1) मेसर्स एस० के० रावामिन नाटर

(अन्तरक)

(2) श्री आर॰ बालधुचामि ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्वॉक्त संपरित के वर्षन के लिए कार्यत्राहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इब स्था के राजपम में प्रकादन की तारीस के 45 दिन की बंबीस वा तत्स्वम्यन्थी व्यक्तियों पर स्वान की तामीस से 30 दिन की बंबीस, को भी बंबीस बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम हो अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गया हैं।

वन्त्वी

भूमि और निर्माण सं० 64, 64ए और 64वी एटैयापुम रोड़, ते ह्कुटि । (दस० 261/84)

> त्रेम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज—I, मद्रास

दिनांक 31-12-1994 मोहर: प्रकृप बाद्दं. टी. एवं, एक, -----

(1) मेससं सिंट चेंकोटन और अन्य

(धरार १)

(2) श्री अमल राव रबीव।

कार्वनाहियां करता हूं।

(अन्तरिती)

शयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 (व) (1) के नभीन सूचना

भारत सरकार

ावित्य, महायक बायकर बायक्त (निरौक्षण) अर्जन रेंज-I, मद्रास मद्रास, दिनांङ 31 दिसम्बर 1984 िदेश सं० 108/मई/84--अतः मुझे, प्रेम मालिनी

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इतर्ग इसके परकार 'उक्त बाभिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ह' कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं और जिसकी सं० 3534/1ए1 है तथा जो पालयम कोटै रोड़, तुनकृटि में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीक्ती अधिकारी के कार्यालय तुलक्टि में दस्तावेज सं० 223/84 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 रा 16) के अधीन तारीख मई 1984 को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के करयमान प्रतिकाल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि संचापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वासार मृत्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया पया पतिफाल निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त अंतरण लिखित में कर्न्डिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बिधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के द्रायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा है लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

बतः बन, उन्त विभिनियम की भाग 269-न की बनुबरः मों, मों, उन्त विभिनियम की भाग 269-न की उपधारा 👫 के बधीन, निम्निसित व्यक्तिन, वर्णोद्ध:— **उक्त सम्पत्ति के अर्जन के स**म्बन्ध में छोड़ भी आध्ये हुन्न

बहु बुबना बारी करके पूर्वोक्त सम्मित के अर्जन के लिए

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की शारीख से 45 दिन की अविधि सा तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, की भी नविध बाद मों समान्त होती हो, के भी तर पूर्वीक्त, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकार को प्राचित्र से 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर नन्तील की दिख्वदृष किसी जग्म व्यक्ति द्वारा अधीर्शकाव्यती के भास निस्ति मो किए जा सर्च गः

स्पष्टीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उपले किया की अध्याय 20- के कि पान किया है, यही वर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

भूमि और निर्माण सं० 18, पालमकोटै शेट तुलुकुटि (दस्तावेज सं० 223/84

> प्रेम मालिनी वासन ं सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज⊶I, मद्रास

दिनांक : 31-12-1984

प्ररूप गाइं. टी. एन. एस. ----

आयकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 प (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यातः , सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

महास, दिनांक 4 जनवरी 1985 निदेश एं० 110/मई/84--अतः मुझे, प्रोम मालिनी वासन,

हायकर अधिनिधम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहलात (च्या अधिविधम) कहा गया है). की धारा 289-अ के अधिविधम प्रदेशनारों को यह विश्वास करने का गण्य हैं। व्याप सम्बंधित किस्सा उन्तित बाजार मृन्य 26,000/-क. में अधिक हैं

बौर जिन्नकी ग्रं० आरूट गांव में स्थित है (और इसके लगाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिनृस्ट्रीकर्री अधिनारी के कार्यालय जे० एम० आर०-2 द० सं० 1112/84 में रिजस्ट्रीएरण अधिनियम 1908 (1908 'T 16) के अधीन धारीख मई 1984

को युशेंक्त रुक्तीत की उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान धीत्रकाल के लिए धीतीरत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण ही कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके श्वयमान पांत्रकल भी, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पत्कह प्रतिष्य के शिव्य ही की जन्मारण (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तर्गितिष्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तम पाना मया प्रतिष्य कि विश्व के विश्व के सिक्तिष्य के सिक

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बावतः, उक्क अधिनिष्क के अधीन कर दोने के बन्तरक के द्रावित्य में फमी करने या उसमें द्वचने में मृत्रिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी बाब या किसी धन या बन्ब हास्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-अप श्रीधीनयम, 1957 (1957 का 27) के एयोशनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किना गया था या किया जाना था, छिपाने में सुविधा के लिए:

(1) श्रीमती पेरमाल पिलै।

(अन्दर्दः)

(2) श्री एउ० तन्मनी।

(अन्तरिती)

को यह सृचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 3.0 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील हैं 45 दिने के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा बधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थादीकरण: इसमें प्रयुक्त सब्दों बीर पदों का, को उपल विधिनियम के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस बध्याय में दिया। सवा हैं।

वनसकी

क्यावसायिक भूमि 84 एकड आस्ट गांव में। (दस्तावेज सं॰ 11112/84)

> प्रेम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-, मद्रास

कर अग परन स्थिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण । माँ, माँ उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) राजनार करोजना अर्थक :---

दिनांक : 4-1-1985

प्रकृष कार्ड.टी.एन.एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज -1, मद्वास मद्रात, दिनौंक 31 दिसम्बर 1984 निदेत सं० 111/मई/84--अतः मुझे, प्रेम महालिनी वासन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का धारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं अधीर जिसकी सं० सर्वे नं० 208 डी० एस० सं० 24/111

कौर जिसकी सं० सर्वे नं० 208 डी० एस० सं० 24/111 नेसमनी नगर, मुल्लवनम है तथा जो नागरकोयिल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणिल है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एस० आर०, नागर कोयिल दस्तावेज सं० 1102/84 में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 दा 16) के अधीन तारीख मई 1984 की पूर्वोजन सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरक के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्वत में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तपण ने हुई किसी आय की वाबत, उन्तें अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1950 का 1) या उपनत अधिनियम, या धनकार अधिनियम, विश्वा के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में स्विधा की सिए।

वतः वदः, उत्तर क्ष्मिनियम की धारा 269-ग कें अन्तरण में, में सन्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभूता (1) कें के अधीन, निम्निलिसिस व्यक्तियों, नथीत् ह— (1) मेतर्स राजय्यन और राजम्मा ।

(अन्तर ग)

(2) मैनर नायल मोहन खीत।

. (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के किए भार्यभाहियां करता हो।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी गाशेष :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच चे 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पड़ स्वना की तामील से 30 दिन की बविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथींक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवक्ष किया अन्य व्यक्ति द्वारा वधोहस्ताकरी के बाब लिखित में किए जा सकीं।

स्पट्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, बो उच्छ अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिशाबित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुस्ची

भूमि और निर्माण सर्वे सं० 208, नागरकोयिल, नेसमनी नगर कुषानल्लूरगांव, वेलिमले गांव नागरकोयिल; कन्याकुमारी निजा।

(दस् अवेज सं० 1102/84)

प्रेम मालिनी वासन सक्षण प्राधि ारी सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज⊸1, स्यास

दिनांक : 31-12-1984

प्ररूप बाई. टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीद सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास मद्रास, दिनांक 18 दिसम्बर 1984

निदेश सं० 116/मई/84——अतः मुझे, प्रेम मालिनी वासन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25.000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 115, श्रीरेंकममाल तेरु, मद्रास-21 है तथा जो रायरपुर (सं० 682/84) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई 1984

को पूर्वोक्त सम्पिति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का निम्ह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक क्य से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; आर्रिशा
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों कों, ज़िन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्द अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-ग के अनुसरण को, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री एम० मेगन।

(अन्तरकः)

(2) श्री देवराजन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन् के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हो बही अर्थ होना को उस अध्याय में दिया

नन्स्ची

भूमि और निर्माण : 115 श्री रेंकमाल तेरु, मद्रास (दत्तावेज सं० 682/84)

प्रेम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

दिनांक : 18-12-1984

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 21 दिसम्बर 1984

निदेश सं० 117/मई/84—-अतः मुझे, प्रेम मालिनी वासन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 13, तम्बु चेट्टी स्ट्रीट है, जो रायपुरम मद्रास13 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
रायपुरम (डाकुमेंट 696/84) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई 1984
को प्वोंक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपित्त का उचित बाजार
मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार) और अंतरिती
(अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत., उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा की लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को जिन्हें भारतीय बाय-कर बिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर बिधनियम, या धन-कर बिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, डिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, औ, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्रीमती लक्ष्मी अम्माल और अन्य (अन्तरक)
- (2) श्रीमती पी॰ भगवती देवी। (अन्तरितीः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के निए कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन् के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन की जविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब् किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

<u>जनस्</u>यो

भूमि और निर्माण 13 तम्बु चेट्टी स्ट्रीट मद्रास 13 (डाकुमेंट 696/84)

प्रेम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

दिनांक : 21-12-1984

प्रकृष वार्ड .टी .एन .एस .-----

बायकर जीधिनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के नुधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 21 दिसम्बर 1984

निदेश सं० 120/मई/84--अतः मुझे, प्रेम मालिनी वासन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित बाबार मून्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 41, वर्दराज पेरुमाल कोयिल स्ट्रीट, है तथा जो मद्रास 81 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबढ़ अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रायपुरम (डाकुमेंट 717 ग्रौर 737/84) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रोकृत विलंख के अनुसार अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती श्वारितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाद की बन्दत, उक्स बिधिनियम के बधीन कर दोने के जन्तरक के दावित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बॉर/वा
- (ब) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 दिन्य का 11) या उन्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं कि न गया था या किया जाना बाहिए था किन्स के निष्

बतः कवः, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण वें, में, अक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारः (1) कें अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) विमलम्माल ग्रौर अन्य।

(अन्तरक)

(2) श्री पी० जी० मोहनसुन्दरम।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस स्थाना के राखपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए वा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः --- इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, वो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं क्षे होगा जो उस अध्याय में दिया स्था है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण 41 व राज पेरुमाल कोयिल स्ट्रीट मद्रास 81

(डाकुमेंट 717 ग्रौर 737/84)

प्रेम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

दिनांक: 21-12-1984

प्ररूप. बाई. टी. एन. एस्. - - - -

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्राम, दिनांक 21 दिसम्बर 1984

निदेश सं० 121/मई/84——अतः मुझे, प्रेम मालिनी वासन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 12 कनक पिलें स्ट्रीट नोनदैयारपेट है तथा जो मद्रास 81 में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप री विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रायपुरम (डाकुमेंट 719/84) में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन लारीख मई 1984

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित् बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण संहुर्ष किसी बाय की वावत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिए, आहे./या
- (ख) एसी तैकसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपानं में सुविधा के लिए;

बतः बन, उन्त बि.नियम, की भारा 269-ग को अनुसरक में, में उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (।) के बधीन, निम्नेलिक्ति व्यक्तियों, वर्षात् हु--- (1) श्री टी॰ आर॰ पालराज

(अन्तरक)

(2) सेनतमिल सेलवी

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहयां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या ततस्म्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वक्ति व्यक्तियों में से किन्दी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पष्टोकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स् ची

भूमि और निर्माण 12, कनकपिलें स्ट्रीट नोनटैयारपेट मद्रास 81 (डाकुमेंट 719/84)

> प्रेम मालिनी बासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

दिनांक: 21-12-1984

प्रकृत बार्ड हो , एवं , एवं ,----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- थ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांकः 21 दिसम्बर 1984

निदेश सं० 124/मई/84—अतः मुझे, प्रेम मालिनी वासन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 111 (ओल्ड 150सी/2) है तथा जो एन्नूर हैरोट मद्रास में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय रायपुरम (डाकुमेंट 190/84) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जिनत बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वित्त संपत्ति का उनित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तर्क (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तर्ण के लिए तय पाया गया तिफल, निम्नुलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निष्टित में ास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी ळरने या उससे बचने में सुविधा के लिए औड़/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के सिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ं:—— (1) श्रीमती सरला देवी

(अन्तरक)

(2) श्री एस० वी० सुन्दरम ग्रीर अन्य (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध म काइ मा वाक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख हैं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास तिसित में किए जा सकरो।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि ग्रौर निर्माण 111 (ग्रोल्ड 150सी/2) एननूर हैरोट मद्रास । (डाकुमेंट 790/84)

> प्रेम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

दिनांक : 21-12-1984

त्रस्य नाई. टी. एन्, एस. ----

बायकर बधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बधीन स्वना

भारत सत्रकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास मद्रास, दिनांक 21 दिसम्बर 1984 निदेश सं० 128/मई/84--अतः मुझे, प्रेम मालिनी बासन,

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० 34 (पुरानी सं० 18) पेरुमल कोयिल गार्डन लेन-II है तथा जो सौकारपेट, मद्रास-19 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर०-1, मद्रास (उत्तर) दस्तावेज सं० 1350/84 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमाब प्रितृप्तक के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल. निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण निखित के वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त जिथानियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य वास्तियों के जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के निए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) इं अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :— (1) श्री के वी० वैकटेश्वर अय्यर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुदेश रानी ग्रौर श्री एच० सी० मल्होता।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवार;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्दों का, वो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिका गया ही।

वनुस्पी

भूमि ग्रौर निर्माण डोर सं० 34 (पुरानी सं० 18) पेरुमल कोयिल गार्डन-II लेन, सौकारपेट, मद्रास-19(दस्तावेज सं० 1350/84)

> प्रेम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

दिनांक : 21-12-1984

प्रस्य बाह्यं, टी. एन., एस. ======

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन समना

बारत सदकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास मद्रास, दिनांक 18 दिसम्बर 1984 निदेश सं० 129/मई/84--अतः मुझे, प्रेम मालिनी वासन,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परकात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख से अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,090/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 2, पत्तल विग्नेश्वरर कोयिल 8वां लेन, रायपुरम है तथा जो मद्रास में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मद्रास (उत्तर) II दस्तावेज सं० 1351/84 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई, 1984

को पूर्वों का सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम को क्रयमान्
प्रतिकत को निए बन्तिरत की गई है और मृत्रों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके क्रयमान प्रतिकत्त से, ऐसे क्रयमान प्रतिकत का पंद्रह मृतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिष्ठी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित भे बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) हसा कसा नाय या कसा धन या नन्य नास्तया को, जिन्ही भारतीय नाय-कर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनयम, या धन-ध्रयोजनार्थ नित्तिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया नामा चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री पी० अप्पुन्नी।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स विलियम फर्नान्डीस ग्रौर अन्य। (अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाय;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास सिम्बित मों किए वा सकेंगे।

स्यष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उत्तर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही वर्ष होगा, जो उस बध्याय में दिया गया

मन्सूची

भूमि स्रौर निर्माण 2, पत्तल विग्नेश्वरर कोयिल 8वां लेन रायपुरम, मद्रास (दस्तावेज सं० 1351/84) -

> प्रम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज़-1, मद्रास

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) ■ अधीन, निम्मील्चित व्यक्तियों, अधित् ध---

दिनांक : 18-12-1984

मोहर 🛭

प्ररूप. बाई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीर चना

भारत सरकः

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, मद्रास मद्रास, दिनांक 17 दिसम्बर 1984 निदेश सं० 131/मई/84—ग्रतः मुझे, प्रेम मालिनि वासन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सथम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 15(5) वननियर स्ट्रीट है तथा जो मद्रास-1 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय मद्रास नार्थ-II (डाकुमेंट सं० 1329/84) में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख मई, 1984

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वासा करने का कारण है कि यथापूर्वोकत संपित्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया वया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविध। के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, था धन-अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तौरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्रीमती सलमा बाई।

(ग्रन्तरक)

(2) तैयब युसुफ वाई फखरुदीन बाई ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध कि सी अन्य व्यवित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निधित में किए जा सक्षेत्र।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनसंची

भूमि श्रौर निर्माण 15 (5) वननियर स्ट्रीट मद्रास-1 (डाकुमेंट 1329/84)।

प्रेम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज−1, मद्रास

दिनांक: 17-12-1984

प्ररूप ु बार्द ु ही ु एन ु एस ु-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- थ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 31 दिसम्बर 1984

निदेश सं० 134/मई/84--म्रतः मुझे, प्रेम मालिनी वासन,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके उच्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि रशावर मम्पत्ति, जिसका उच्चित राजार मन्य 25,000 ∕- राज्य से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० डोर सं० पुरानी 232, नयी 123, ग्रार० एस० सं० 1105/2 ग्रौर 11016, ईस्टर्न टी ग्राफ गोविन्दप्प नायकन स्ट्रोट, पेद्धुनायकेनपेट में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर०-II गद्धास दस्तावेज सं० 1440/84 भें भारतीय रिजस्ट्रीकरण धिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख मही 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मूश्रे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का धन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया जया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निम्बित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुनिधा के लिए;

जतः अच उक्त अधिनियम की धारा 260-ग के अनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 2.—44 € GI/84

- (1) मेसर्स कोप्पराम नटेसन चेट्टी ग्रौर ग्रन्य। (ग्रन्तरक)
- (2) मेसर्स फार्मा इलेक्ट्रिकल्स।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ह--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी छ सं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण: --इसमें प्रयोक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वन्सुची

भूमि ग्रौर निर्माण इस्टर्न टो ग्राफ गोविन्देप्प नायक स्ट्रीट, पेध्दुनायकेनपेट, मद्रास डोर सं० पुरानी 232, नयी 123, ग्रार० एस० सं० 11015/2 ग्रौर 11016 (दस्तावेज सं० 1440/84)।

> प्रेम मालिनी धासन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

दिनांक : 31-12-1984

मोहर 🔡

प्ररूप बाईं. टी. एव. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण्) श्रजन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 दिसम्बर 1984 निदेश सं० 137/मई/84—-ग्रतः मुझे, प्रेम मालिनी -

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पर्तन, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 12 वेनगू पिलें स्ट्रीट एगमोर है तथा जो मद्रास में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय मद्रास नार्थ- (डाकुमेंट सं० 1218, 1219, ग्रौर 1220/84) में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख जुलाई, 1984

को पूर्वो क्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तिक है जप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, इक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में अमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्रीमती नर्मदा देवी और श्रन्य। (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती गीता ग्रौर ग्रन्य बी एल ॰ कृष्णन । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पीरभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

बन्स्ची

भूमि 12 वेनगू पिल्लै स्ट्रीट एगमोर मद्रास । (डाकुमेंट सं० 1218, 1219, और 1220/84) ।

> प्रेम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, मद्रास

दिनांक : 17-12-1984

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-वा (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 31 दिसम्बर 1984

निदेश सं॰ 138/मई/84—श्रतः मुझे, प्रेम मालिनी वासन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

म्रीर जिसकी सं० पेरीय कृष्णपुरम है तथा जो सेलम में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिशिकारी के कार्यालय सेलम (डाकुमेंट 1235/84) में रजिस्ट्रीकरण ग्रिशिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिशीन तारीख मई 1984

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि खिए तं में वास्त्विक रूप से किया गया है:—

- (क) बन्तरण वे हुई कि भी बाद की बावत उक्त बहैंथ-नियम के बभीन कर दोने के बन्तरक के दाबित्य के कभी करने या उससे बचने में स्पृतिधा के लिए; महि-/वा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन वा अन्य आस्तियों को, विन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकृट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृविधा के विषः

कतः कव, उनते अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निष्निचित व्यक्तियों, अर्थात् ध— (1) श्रीमती विसालाकसीराममाल

(श्रन्तरक)

(2) श्री वी० ग्रननामलै।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

ं उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .—

- (क) इस सूचना के राज्येत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो., के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय मुँद्र दिया गया हैं।

बन्स्चीं

भूमि ग्रौर निर्माग पेरीय कृष्णपुरम सेलम (डाक्सेंट 1235/84)

प्रेम मालिनी वासन सञ्जम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, मद्रास

दिनांक : 13-12-1984

मोहर 🖫

प्ररूप जाइं. टी. एत्. एस . -----

याय हर व अलियन, 1961 (1961 का 43) की घारा अल्लेख (1) के मधीन सुचना

भारत सरकार

कायांलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 31 दिसम्बर 1984 निदेश सं० 139/मई/84—श्रतः मुझे, प्रेम मालिनी वासन,

कायकर कि धिनियह, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके इसके पश्चात् 'इक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारि को यह विश्वास करने का धारण है कि स्थानर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 45,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिनकी सं० ग्रार० एस० 55/1 ग्रानित्यूर विलेज, है तथा जो पुनतूर, मेलम में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूणं रूप से विश्त है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय सेलम (डा3मेंट 1237/84) में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधन तारीख मई 1984

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृत्रों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे द्ध्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त उन्तरण निश्वित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के सिए; बीर/या
- ्कः) एसी जिसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ज्या या किया जाना भाहिए था, कियाने से सुजिना के लिए;

बल जह, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थान् :—— (1) श्रीतती विसालाकसीराममाल

(ग्रन्तरक)

(2) श्री ए० सेलवराज

. (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत में प्रकाशन की तारींच हैं
 4; दिन की अविधि गा तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ दर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद भी समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 । व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाद्याक्षरी के पास सिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया यदा है।

अनुसूची

भूमि ग्रौर निर्माण ग्रातितूर, पुततूर विलेज सेलम । (डाकुमेंट 1237/84)

> प्रेम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज–1, मद्रास

दिनांक : 31-12-1984*

प्रकृष आई. टी. एन. एस. - = = - - ।

बायकर अभिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-ा, मद्रास मद्राय, दिनाक 31 दिमम्बर 1984

निदेश स० 140/मई 84~-अत मुझे, प्रेम मालिनी वासन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थादर क्षम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह में अधिक ही

और जिनकी से श्री राजेन्द्र सिंहन लिमिटेड, गाधी नगर है, जो सेलम-9 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विधान है), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के गार्यालय, जे एस अार -1, मद्रास (उत्तर) द 1294/84 में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम,1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रयमान मित्रिक्त के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिश्वास से अधिक है और अंतरक (अंतरोकों) और अंतरिती (अन्तरितिशों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निजिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित में पास्तीवक स्प से किथन नहीं किया गया है:--

- (क) अंतरण से हुई किसी बाय की बायत., उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरकः के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के सिए; और/बा
- भा, एसा किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करा, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कर उन्हों देवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना बाहिए था, क्रियान में सुविधा के निए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1 श्री राजेन्द्रा मिल्स लिमिटड

(अन्तरक)

2. श्री अिकलान्डेस्वरी मिल्स लिमिटेड

(अन्तरिसी)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कायवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबिध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पूर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी विश्वी बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के वास विश्वित में किए वा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

1स्ची

भूमि और निर्माण श्री राजेन्द्रा मिल्स लिमिटेड गाधी नगर, सेलम-9 (द० स० 1294/84)।

प्रेम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

हारीख: 31-12-1984 मोहर प्ररूप. बाइं. टी. एन. एस. - - - -

बायकर बाँधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के बधीन स्चना

भारत सरकार

क्टार्यालयः, सहायक सायकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास मद्रास, दिनांटः 4 जनवरी 1985 निदेश सं० 145/मई 84--यतः मुझे, प्रेम मालिनी दासन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिथे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्सका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 65 नारायन मुदली स्ट्रीट, मद्राप्त-1 है, जो सौकरापेट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विभिन्न है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिनारी के कार्यालय, सौकरापेट, मद्राप्त (डाक्सेंट सं० 207/84) रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 टा 16) के अधीन, दिनांक मई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मफे, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का जंदह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

श्री वी० मोहतः हुन चेट्टी

(अन्तरक)

2. श्री रायचन्द

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिएं कार्यत्राहियां करना हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयंक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

भूमि और निर्माण 65 नारयन मुदली स्ट्रीट, मद्रास (डाक् मेंट सं० 207/84)।

प्रेम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रज-1, मद्रास

तारीख: 4-1-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 4 जनवरी 1985

निरेश सं० 146/मई/84— यतः मुझे, प्रेम मालिनी

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपृत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 65 नारायन मुदली स्ट्रीट, मद्रास-1 है, जो सीकारपेट, में स्थित है (और इसके उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के दार्यालय, सौकारपेट, भद्रास (डाक् मेंट सं० 208/84) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 दा 16) के अधीन, तारीख मई 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि प्रथापूर्वोक्त संपरित का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योचय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छियाभे में स्विधा के लिए।

1. श्री वी० मोहन है इन चेट्टी

(अन्तरःः)

 श्री हबीब मोहम्मद खादुइममाल माल (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पर्ध्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण 65 नारायन मुदली स्ट्रीट मद्रास-1 (डाक्मेंट सं \circ 208/84)।

प्रेम मालिनी बासन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंब-1, मद्रास

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धर्तरा 269-व को अनुसरण को, की, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अकीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख: 4-1-1985

प्ररूप बाइ . टी. एन. एड.-----

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धा 269-घ (1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 21 दिसम्बर 1984 निदेश सं० 147/मई/1984--जतः मुझे, प्रेम मालिनी वासन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं पुतानी सं 47, नई सं 9, पेरियन है, जो मुदली स्ट्रीट, सेवन वेल्स, मद्रात-1 में स्थित है (और इसके उपाबद्ध जनुसूचों में और पूग रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के धार्मालय, सौधारपेट, मद्रास द० सं 209/84 में रिजस्ट्री रूप अधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के अधीन, तारीख मई, 1984

को पूर्वोक्त संम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास सरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट रही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

णतः मन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- श्री पी० एस० सृक्रमन्यतः
 और अन्य।

(अन्तरकः)

2. श्री एन० एल० राजेन्द्रन और छ: अन्य

(अन्तरिती)

का यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिसं करता हुं।

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारील में 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना कि तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि गद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध िकसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निर्मिश्वत में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण पुरानी सं० 47, नियो सं० 9, पेरियन्न मुदली स्ट्रीट, मद्रास-1! (द० सं० 209/84)

प्रेम मर्गलनो यासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंजन, षद्रास

तारीख: 21-12-1984

प्रस्प बाई.टी.एन.एस. -----

भावकर विधिनिवर्ग, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के बधीन सुबना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायूक्त (निरीक्षण) यूजन रेंज-I, मद्रास मद्रासः दिनाकः 21 विसम्बर 1984

निर्देश सं० 14'8/मई/४4—अतः मुझे प्रेम, मालिनी नासनं,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का करिके हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- एत. से अधिक हैं

कौर जिसका क्षं० 7 वेनव्टेस नायदू, लेन जार्ज टाउन मद्रास में स्थित है (और इसमें उपाबंद अनुसूची में और पूण रूप से वागत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, स्थितिएक (जिक्केट सँ० 210/84) में रिजस्ट्रीकरन अधिकियम, 1908 (1908 की 16) के अधीन, तारीख मई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति से उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान इतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इध्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक विश्वासकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया इतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में साक्तरिक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की वाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/बा
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्ह नारतीय आयकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) बा उच्चित अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्च जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया धाना चाहिए था, छिपान में सुविधा और विद्वार

21-446 GI/84

1. श्रीमती के० वी० अनुसूया

(अन्तरक)

2. श्री एस० ए० अब्दुल जुब्बार,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मृतित के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त स्वन्तयों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिल-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्ते अधिनिवस को अध्याय 20-का में परिभाष्टि हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विकार गुंबा हैं।

अनुसूर्च

भूमि और निर्माण 7, वेनकटेस नायडू लेन, जार्ज टाउन मद्रास।

> प्रम मालिनी वासन समक्ष प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्ट (निरीक्षण-ंडन रॉज-1, मद्रास

तारीख: 21-12-1984

प्ररूप बाइ ु टौं एन । एस . ----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-घ (1) के अधीर सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 दिसम्बर 1984 निदेश सं० 150/मई/ड4—श्रतः मुझे, प्रेम मालिनी सन,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्प्रति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रूपये से अधिक है

ब्रीर जिसकी सं० 68 नायडू पिलैयार कोथिल स्ट्रीट, मद्रास-1 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, सौकारपेट (डार्कूमेंट सं० 222/84) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख मई

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वरमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिज्ञत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक हम से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या नत-कर अधिनियम, या नत-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः बब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) कें के अधीन, निम्नीलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्रीमती राजेस्वरी ग्रीर श्रदसं।

(अन्तरक)

2. श्रीमती श्रासा गारग

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पर्ति के वर्षं प्रे लिए कार्यवाहियां सुरू करता हुं 1}

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी बार्शप हुन्न

- '(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी नविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच भं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हितवद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाव लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमों प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भी खब्द अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिवा गया हैं [ह]

प्रमृत्यु

भूमि श्रीर निर्माण 68 नायहू पिल्लैयार कोबिल स्ट्रीट मद्रास ।

(डाकूमेंट सं॰ 222/84)

प्रेम भाषिनी वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेज-1; महास

तारीख: 17-12-1984

मोहर

प्ररूप बाइं टी एनं एस . ----

नायक्र विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (१) के बभीन स्धना

भारत बहुकाह

कांबालय, सहायक आयकर बायक्त (निर्देशक)

श्रजैन रेज, पदास

मद्रास, दिनांक 21 दिसंबर 1984

निदेश सं 0 155/मई/84--- ग्रत: मझे, प्रे मालिनी नासन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपर्तित, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- रा. से अधिक ही

भीर जिसको सं० बो-41, कोलपाक गार्डन कालनो स्कीम एडमोर, मद्रास है, जो पेरियमेट सें स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूचा में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारा के कार्यालय, पेरियमेट दस्तावेज सं० 466/ 84 में भारतीय रजिस्ट्रोकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, ताराख मई, 1984

को व्योक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान इतिफाल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विष्तास क्राइने का कार्ण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकर) औड़ अन्तरिती (अन्तरितियों) के ब्रीच एसे अन्तरण के लिए तय वामा गया प्रतिकल, निम्नीलिखत उद्देश्य से उक्त जन्तरण ब्रिसित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- [क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बर्रिया
- 🚰 होती किसी काव वा किसी धन या बन्य वास्तियों को विन्हें भारतीय बायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ बन्तरिती इवारा प्रक्रट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अलब अब, उक्त विधिनियम की भाग 269-ए के वन्सरण 🖏 में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) 📲 अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् ६---

1. श्री के० स्वामिनाथन

(अन्तरक)

2. श्री के० गोपालन

(ऋतर#)

का यह स्वना जारी करके प्योंक्त संपरित के वर्षन के किए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी**वा है** 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी, व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जवधि, जो भी वविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्यॉक्ड व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच 🐒 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्थ होगा जो उस बध्याय में दिया . गथा है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण प्लाट सं० बी-41-42, एगमोर गांव, टी० एस० नं० 81/43 (दस्तावेज सं० 466/84)।

> प्रेम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख: 21-12-1984

मोहर 🖫

प्रक्ष बाइं, टी, एव. एव. -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

शारत सरकार

कार्यान्य, सहायक नायकर नायुक्त (निर्दोक्त) ग्रर्जन रेज-1, महास

मद्रास, दिनांक 31 दिसम्बर 1984

निदेश सं० 157/मई/84---ग्रंतः मुझे, प्रेम मालिनो वासन,

्क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'छक्त अधिनियम' कहा नया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० भ्रार० एस० 154, 40 लानदनस रोड़, मद्रास-10 है, जो पेरियमढ़ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, पेरियमढ़ (डाकुमेंट 418/84) में भारतीय रिजस्ट्री-करण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन मई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रिपिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वांस करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रिपिफल का पन्द्रह प्रिपेशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रितिफल. निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण निषित के वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (तर्ध) मन्तरभ से हुएं किसी बाब की बाबत, डब्स्थ विधिनियम के वधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुन्यिथा में सिएंश और बा
- (क) एसी किसी बाब वा किसी धन वा बन्ध वास्तिकों को जिन्हों भारतीय बाय-कर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त विभिनियम, वा धनकर वाधिनियम, वा धनकर वाधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रवादानार्थ बन्दिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में ब्रिया के तिए?

बत् बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियय की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) डाक्टर टी॰ एम॰ मुरारी

(भ्रन्तरक)

(2) श्री ई० बासकर

(अन्तरितो)

को यह सूचना चाडी करके पूर्वों कर संपृक्ति के अर्थन के विष्टु कार्यवाहियों काउता होते।

उनत् रम्पत्ति के वर्षन् के सम्बन्ध् में कोई भी वासीय:--

- (क) इस सुमना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय है 45 रिक् की अवधि वा सरकावन्थी व्यक्तियों वृद्ध सूचना की तामील से 30 दिन की बक्षित, वो भी विवस्त वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इसारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वे 45 दिन के भीतर अक्त स्थावर सम्मत्ति वे दिववष्ट्य किसी जन्म व्यक्ति द्वारा वभोहस्ताकडी के बाब निविद्य में किए जा सकोगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, की उनक अधिनियम, के अध्याय 20 क में मिरिआपित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस सम्यास में दिवा गया है।

वन्त्वी

भूमि ग्रौर निर्माण 40 लानदन्स रोड मद्रास 10 (डाकुमेंन्ट 478/84)

प्रेम माखिती वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक ब्राधकर अध्युक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1 मद्रास

दिनांक :- 31-12-1984 मोहर 🛭 प्रक्रम बाइं.टी.एन.एस,-----

बाबकर बिधिनियम, 1961 (1961 कि 43) की) धारा 269-च (1) के बधीन सुचना

शास स्टब्स

कार्यनम्, सङ्घायकः नायकर नायकः (निरक्षिण) भजन रेज मद्रास,

मद्रास दिनांक 14 दिसम्बर 1984

निरोशः सं० 158/मई/1984 — ऋतः मुझे, प्रेम मालिनी

वासन

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें स्थाने प्रकार, 'उस्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्का प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

कौर जिसको सं० 63, सियालो मुदलो स्ट्रीट पुदुपेट में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रुप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारों के कार्यालय, प्रेरियमेट मद्रास दु० सं० 479/84 में भारतीय रिजस्ट्रोकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक मई 1984

कि पुर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित काजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अत-रिती (अंतरितयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कृषित् नहीं किया गया है:—

- (क) नन्तरण दं हुई किसी नाय की बावत, उक्त अधिकानम के नशीन कार दोने को अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के जिए; नीट/या
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-क्रेड्र अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तुरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा की निवस ।

कतः वब उक्त विधिनियमं की भारा 269-ग के अनुसरण कें, में, उक्त विधिनियमं की भारा 269-म की उपभारा (1) के बचीन, निम्निबिक्त व्यक्तियों, वर्धात् ह—

(1) श्रीमती पी॰ बानुमती

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एस॰ एम॰ श्रद्धला श्रीर एम॰ एम॰ सैयद श्रद्धमंद

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्प्रित के वर्षन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज़ से 45 दिन की नविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर स्वता की तायीज से 30 दिन की नविभ, थी भी कविभ वाद में समान्त होती हो, से भीतर क्वींबर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुता हुता हा
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारी स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्यत्ति मों हित्रब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति इवासा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखिए। में किए वा सकेंगे।

स्पष्टीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और बहाँ का, औ अक्र विभिन्यम के बध्याय 20-क में प्रदिशाणित है, वही वर्ष होगा वी उसू क्ष्याय में विका ग्या है।

गग्सूनी

भूमि और निर्माण सं० 63 सियाली सुधली स्ट्रीट पुदुपेट मद्रास-2 (दस्तावेज सं० 479/84)

> प्रेम मालिनी नासन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्राज़ैन रेंज 1 मद्रास

दिनांक :- 14-12-1984 मोहर: प्रकृप आहे . टी . एन . एत . .-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की " धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निर्धायक)

भर्जन रेंज 1 द्रास

मद्रास, दिनांक 14 दिसम्बर 1984

निदेश सं० 161/ मई/84— श्रतः मुझे प्रेम मालिनि वासन बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके मञ्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं:

भीर जिसकी सं० 22, पोजीस कमिशनसं ग्राफीस रोड है, जो एगमोर मदास में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण का से विगित है), रिजस्ट्रोकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, पेरियमेट दस्तावेज सं० 499/84 में भारतीय रिजस्ट्रोकरण ग्रिवित्यम, 1908 (1908 का 16) के प्रवीन दिनांक मई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार बृत्य वे काम क्रमबान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है बौर बृक्षे यह विश्वाद करने का कारण है कि बथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार बृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एते क्रमबान प्रतिफल के कृत्रह प्रतिकृत से अधिक है और बन्तरक (बन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया बमा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित कें बास्तिक रूप से किथात नहीं किया गया है :——

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाबित्य में अभी करने या उत्तसे वचने में बृविधा के तिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय वा किसी भन या बन्य आस्तियों की विन्हें भारतीय जायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अभिनियम, वा धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, क्रियान में सुविधा के लिए।

वतः वद, उक्त अधि। नयम का थारा 269-प क वन्तरक व, व, उक्त अधिनिवत्र की धारा 269-प की उपभादा (1) व अधीन निम्नतिविक व्यक्तियों, वर्षात् ह— (1) श्रीमतो पार्वती कृष्णमूर्ती

(भन्तरक)

(2) श्री के नागपन

(अन्तरिती

को यह सूचना बारी करके पूजेंक्त सम्पत्ति के वर्षन के तिए कार्ववाहियां अनुता हूं।

रक्त तम्मीत के वर्षम् के सम्बन्ध में कोई मी मानेष् :---

- (क) इत तूचना के रावपन में प्रकावन की तारीच वें 45 दिन की नविध वा तरवज्यन्थी व्यक्तियों वर सूचना की तामील से 30 दिन की नविध, जरे जी नविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्कृतिस व्यागः;
- (व) इत तुषना के राजपत्र में प्रकाचन की तारीच चं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए वा सकोंगे।

स्वत्व किरणः — इत्रमें प्रयुक्त कन्मों नीर पकों का, को उपस विधितियम को कथाय 20 क में परिभाषित ही वहीं वर्ष होगा को उस अध्यास में दिया तथा है अ

REAL

भूमि भौर निर्माण 22, पोलीस-कमिश्वनलं प्राफीस रोड

(दस्तावेज चं॰ 499/84)

त्रेममालिनि बासन स्वाम प्राप्तिकारी सहायक धावकर धावुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज 1 मदास

दिनांक: 14-12-1984

मोहर 🗈

इक्ट बार्च, टी. वर. वर.

बास्कर बीधीनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के बधीन स्चना

MAY STATE

कर्जाम्य, बहायक जायकर नाव्कर (क्टिक्स्य) अजैन रेंज । महास मदास दिनौंक 31 दिसम्बर 1984 निदेश सं० 162/मई/84 — अतः मृझे प्रेम मालिनि

बावकर निधीनयम; 1961 (1961 का 43) (जिसे व्यन्तें इसके प्रचोत् 'उक्त निधीनयम' कहा नवा ही, की नास 269-य के नधीन सक्तम प्राधिकारी को नहे निस्तास करने का कारण ही कि स्थावर सम्बद्धि, विस्ता उचित नावार मुख्य 25,000/- स. से निधक ही

ब्हीर जितकी सं० 4, अप्नास्त्रामी स्ट्रीट, हारिन्यटन रोड, है, जो सेवन्त अवेन्यू मद्रास -31 में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण हिंप से विणित है), रिजस्ट्री-कर्ता अधिवारी के कार्यालय, पेरियमेट दस्तावेज सं० 501/84 में भारतीय रिजस्ट्रीक रण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई 1984

ा' पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाबार मृन्य से कन के करवान मित्रकान के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का स्रीपत बाबार बूक्व, उसके क्षयमान प्रतिकान से, ए'ते क्षयमान प्रविक्त का मृन्दह प्रतिकात बाधिक है और अंतरक (अन्तरका)ं) और बन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच ए'से अन्तरम के लिए सम ... नवा प्रतिकास, निम्मीकिता क्ष्यपेन से क्षय बंदरम क्षिका में बास्तरिक रूप से करियह मही किया गया है कि

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बीधनियम के संधीन कर दोने के बन्तरक के शांकरक में कवी करने वा उटले वजने में सुनिधा के हिल्प; जोट्र/वा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन वा बन्य वास्तिवों को जिन्हों भारतीय बाय-कर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत वीधिनयम, या धन-कर विधिनयम, या धन-कर विधिनयम, वा धन-कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए,

बतः जब, उक्त निविचय की पारा 269-व के नगुरूरण , बी, उक्त जीवनियम की पारा 269-व की उपपारा (1) जबीद, निकासिक व्यक्तियों, नजीत् हु----

- (1) मैसर्स जगजीवनदास एम॰ तुर्शिक्या और अन्यों (अन्तरक)
 - (2) श्री एन० कृष्णमूर्वी

(अन्तरिती)

को बहु शूचना धारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के दाजपत्र में प्रकाशन की तारी स्र से 45 दिन की नविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनिए, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी बन्द व्यक्ति द्वारा, अथोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकें में।

स्वक्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क म परिभाषित •है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गवा है।

वन्स्ची

भूमि और निर्माण सेवन्त अवेन्यू सं० 4, अप्पासामी स्ट्रीट हारिन्गटन रोड, मद्रास $_7$ 31 । (दस्तावेज सं० 501/84)

प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1 मद्रास

विनोक :- 31-12-1984

मोचर :

प्ररूप बार्ड .टी.एन.एस.

वाबकर बधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) क बधान त्वना

भाउत् सर्काह

कार्याचय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज I मद्रास,

मंद्रासं विनांकः 31 दिसम्बरं 1984

निदेश सं० 165/मई /84-- अतः मुझे, प्रेम मालिनी वासन,

मायकर बाँधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इन् के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं 1 (पुरानी सं 2 और 1/2) माहुक्कार वीण्वद्रन स्ट्रीट है, जो परियमेंट महु।स-3 से स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्री कर्ता अधिवारी के लाग्लिय, एस० आर० पेरियमेंट दस्तावेज सं 48/84 में रिजस्ट्री इरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक मई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान । प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (बंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नतिबित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरण से हुई, किसी बाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर कोने के अंतर्रक के दायित्व में कमी करने या उससे व्यने में सुविधा की लिए; बीर/वा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रभेजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में वृधिभा के निह;

मतः नव, सक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरणं कों, कों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के विधीन, निम्निसिखित व्यक्तिओं, विधीत रूचन (1) श्रीमती के॰ पन्जाक्षरम अम्माल और आर॰ अनुसूया

(अस्तर्भ)

(2) श्रीमती एस॰ सलम् और के साहीर ज्ञान

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के कुर्जन के सिक् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा,
- (ख) इस स्वेचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हिंग- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेह्स्साक्षरी के पास निर्मेखत में किए जा सकरेंगे।

अधिनियम, के बध्याय 20-कं में परिभाषित हैं, विधिनियम, के बध्याय 20-कं में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस बध्याय में दिवा गया हैं। वसा है।

वन्स्यी

भूमि और निर्माण सं० 1 (पुरानी सं० 2 और 1/2) माटुकार बीरबद्रन स्ट्रीट, पेरियमेट, मद्रास-3 (दस्तावेज सं० 418/84)

प्रेम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-¹, मद्रास

दिनांक :- 21-2-1984

मोहरः:-

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाश 269-व (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, मद्रार

मद्रास, दिनांक ज 31 दिसम्बर 1984

निदेश सं० 169/मई /84 --अतः मुझे, प्रेम मानिनि वासन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- 'उ. में अधिक हैं

और जिसकी सं० प्लाट सं० 4969, 54 भाग नडुवाक्कटै गांव आन्नानगर है तथा जो मद्राम में स्थित है (और इरामें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित है), रिजस्ट्रीयती अधियारी के पार्यालय अन्नानगर, मद्रास दस्तावेश सं० 1621/84 में रिजस्ट्रीअरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)के अधीन दिनांक मई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच उसे, अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण विश्वत में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अम्हरण सं हुई किसी आप की बाइत उनक की जिल्ला की नियम के अधीन कर दीने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूतिथा के लिए; बौर/या
- (र) एसी किसी जाय या किसी धन बन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रत्य नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था छिपाने में सुविश्य से लिए:

(1) श्री ए० एस० राजन

(अन्तरक)

(2) श्री टो॰ प्रदापकुमार और बेनुगोपाल

(अन्तरिती)

को यह मुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में. कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाइ निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदाँ का, जो उच्छ अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिसा गुया है।

समस्र

भूमि सं० 4969 इत 54 भाग नहुता वन्है गांव, अन्ता नगर (दस्तावेज सं० 1621/84)

> प्रेम मालिनी वासन सक्षम पाधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1, मदास

दिनां : 4-1-1985

प्रकप नार्च, टी. एत. एवं,------

बायकुर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के बधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1. मद्रास मद्रास, दिनांक 18 दिसम्बर 1984 निदेश सं० 177/मई/84 --अतः मुझे, श्रेम मालिनी वासन

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० प्लाट 2499 अनना नगर आर० एस 89 पारट नद्वाकदर विलेंज सैंढापेट मद्रास है जो मद्र स में स्थित है (ग्रीर इसने उपाबद्ध अनुसूची भें और पूर्ण रूप से वर्णित 🕏), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यात्य अनना नगर डाक्मेन्ट 1811/84 रिजस्ट्री इरण अधिनियम 1908 (1908 के का 16), अधीन मई 1984

को प्रोंक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गर्द हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल, से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकार) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गबा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखिल में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) बंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त निधिनियम के अधीन कर दोने की अंतरक की बायित्व में कमी करने या उससं बचने में मिबधा के लिए, और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य मास्तियों को जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर मिथिनियम, 1957 (1957 को 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए।

भा, भा, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यवितयों, अर्थात् :---बत: बंब: तक्त अधिनियम की धारा 260-म के अनुसरण (1) श्री एस० रवि

(अन्तरक)

(2) श्रीमती यू० निवेतिता

(अन्तर्राती)

को यह सुचना चारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (ख) इस सूचना के (।जपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मं हित-बदव किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, से उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषत है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

अन्स्ची

भूमि (प्लाट 2499) अनना नगर मद्रास हा कमेंट 1811/84) 1

> प्रेम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1. मद्रास

दिनांक: - 18-12-1984

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस.

(1) श्री वी० ए० राजा राव

(अन्तरक)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

(2) श्री के० एन० ओमन

(अन्तरिती)

भारत् सरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1 मद्रास,

मद्रास, दिनांक 14 दिसम्बर 1984

निदेश स॰ 179 मह/84 ---अनः मुझे, प्रेम ङ्गालिनी वासन,

कायकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० व्लाट 4492 मुललम गाव अनना नगर मद्रोस में रिथत हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण कासे विगत हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अनना नगर डाकूमेंन्ट 1890/74 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिन्यम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई 1984

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान रितिफल के लिए रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गांधीनगर में धारा 269 ए. बी. के अंतर्गत सक्षम अधिकारी के सम्मूख/के पास रिजस्ट्रीकृत किया गया है। मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि रह पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान रितिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के विच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नीलिखत इद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तिवक रूप से कथित नहीं कया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त बिध-नियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, बीर/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या निक्सी धन वा अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के निए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-य कै अनुसरण के, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिधित व्यक्तियों, अर्थात ह को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिल् कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के बर्बन के सम्बन्ध में कोई भी बाशोप ह-

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं हैं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी नविष् बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रावस् व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारी इ दें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्ष्टी दें पास लिखित में किए जा सकों में।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उनके अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा ग्या है।

वन्स्ची

भूमि (प्लाट 4492,)मुललम गांव अनना नगर **मद्रास** (डाक्मेंट 1890/84)

> प्रेम मालिनी वासन सर्क्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त; (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख : 14-12-1984

मोहर 🛭

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आलकर आयुक्त (निर्दाक्षण) अर्जन रेंज 1 मद्रास

मद्रास, दिनांक 31 दिसम्बर 1984

निदेश सं० 184/मई/84—-ग्रतः मुझे, प्रेम मालिनि वासन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उवित बाजार मृत्य 25.000/- का में अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 2, सिगार गार्ड., 4 वा लेन, मद्रास-3 है, जो वासेटमेनपेट में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबढ़ अनुसुची में ग्रौर पूर्ण रूप मे विणित है) रिजस्ट्राकर्ता ग्रिधिकार। के मद्रास सेन्टल दस्तावेज सं० 445/84 में भारतीय रिजस्ट्री करण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 ना 16) के ग्रधीन दिनांक मई 1984, को

की पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान शातफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मृज्ञे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार पृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का क्षेष्ठ प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्यों से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय को गबत, उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर दोन के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा य ीला, और/बा:
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या पन-कर अधिनियम, 1937 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं जिला एया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुजिधा के लिए।

अत: अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् '—

(1) मैसर्स जीवनलाल (1929) लिमिटेड

(अन्तरक)

(2) मैसर्स सन मेटल फाक्टरो इन्डिया प्राइवेट लिमिटेड (ग्रन्तिरती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उन्त मम्पान के अर्जन के संबद में कोई भी जासेंग .---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्यम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के शीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी जिल्ला द्वारा:
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाजर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाग अधाहरतालयां के पास सिक्ति में विष्णु जा सकोंगे।

स्पर्धाकरणः --- उसमे प्रयुक्त शब्दों श्रीर पर्दों आहा, जो सक्त अधिनियम को अध्याय 20-क मा परिभाषित हों, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्धी

भूमि श्रीर निर्नाण सं० 2 सिन्गार गार्डन, 34वा लेन वाषक्यमेनपेट, मद्रास -1। (दस्तावेज सं० 445/84)

ध्रेम मः लिनः वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज 1 मद्रास

दिनांक : 31 -12-1984

मोहर .

वस्य इ.ए. भी एन वस -----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-थ (1) के अधीन मुखना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-।, मद्रास,

मद्रास, दिनांक 5 जनवरें 1985

निदेश सं० 185/मई/84---ग्रतः, मुझे, प्रेम मालिनो वासन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'तकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25.000/- रत. से अधिक है

श्रौर जिसको सं० 13, यवुनायकलु स्ट्रीट (।।। फ्लोर) मद्रास -3 है, जो-में स्थित है (और इससे उपावद अन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है रिजिस्ट्रोकर्ता ऋधिकारी के कार्यालय, मद्रास सेन्टल द० सं० 429/84 भारतीय राजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियन 1908 (1903 का 16) के ग्रर्धान दिनांक मई 1984 को

को प्रवैक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का वन्द्रह प्रतिभात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण निवित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरक **मं हुई** जिसी साम की सबत, उस्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक खे ्दायित्व में कमी करने या उत्तरों वचने में श्रीवशा हो सिए; मौर/भा
- (क्ष) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ कां, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपान में बुविधा के निए:

बत: बद, उक्त विधिनियम, की धारा 269-ग के वन्तरण में, मं, उक्त अधिनियम की बारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) मैसर्स लोटस एन्टब्राईसस

(म्रन्तरक)

(2) दा तिमनगडु मेटल वायर मैनुफैक्चररस ग्रीर मेर्चस्ट्स असो/सयेशन ।

(ग्रन्तिरती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में खोड़ें भी वाक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी बंबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वा कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उच्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 1400 स्क्रीर फीट ।। फ्लोर, डोर सं० 13, बघुनायकलु स्ट्रेंग्ट, मद्रास-3। (दस्तावेज सं० 429/84)

> प्रेम मालिनो वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

दिनांक :- 5-1-1985 मोहर:

प्ररूप बाई.टी.एन.एस-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

क्तर्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1 मदास,

मद्रास, दिनांक 8 जनवरा 1985 निदेश सं० 186 मई/84 — श्रतः, मुझे, प्रेम मालिनी वासन

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भाग 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

स्रौय जिसका सं० म्रार० एस० 153 पार्ट टी एस 225 ब्लाक 9 ए नदवाककरें गाव में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध स्रनुसूची में गौर पूर्ण रूप से विणित है रिजिस्ट्रोकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, सद्रास सेनरल डाकुमेंत्ट 515/84) में भारतोय रिजिस्ट्राकरण स्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रवान दिनांक मई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, आयकर अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) कैं अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्रें टी० एन० वी० रामकृतणन

(अन्तरक)

(2) श्री के० पदमनाबन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य अकित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टौकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि श्रौय निर्माण नदुवाककरै विलेज मद्रास (डाक्मेंट 515/84)

> प्रेम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रार्वन रेंज-1 मद्रास

दिनांक: 8-1-1985

मोहल:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) मैसर्स इन्डिया लिनोलियम लिमिटेड

(2) मैसर्स प्रवीन इन्डीया (लि०)

(ग्रन्तरक)

(ग्रन्तिरती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत् सरकाङ्ग

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 जनवरी 1985

निदेश सं० ए० सी०59 एसी क्यू/रेंज -4/कलकत्त।/ 1984-85---श्रतः मुझे शंकर के० बनर्जी

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. सं अधिक हैं

स्रोर जिसको सं० 14, है तथा जो डा० एच० के लेन में.स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध स्नतुस्वी में स्रीर पूर्ण रूप से विणित है, र जिस्ट्री इती स्रधिकारों के कार्यालय कलकता में रिजस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन दिनांक 4 मई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) बन्सरण से हुई किसी बाब की बाबत, बक्त बिधिनियम के बधीन कर दोने के जन्सरक के दायिस्थ में कमी करने या उससे बचने में मुनिधा के सिए; बॉर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)

के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् 🕆

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निहित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

जमीन 4 कटा 7 छटाक 38 वर्गफीट ग्रीर 7 ट्ट 12 छटाक 15 वर्गफीट बिल्डिंग सहित ठिकाना 14, डा० एच० के० चटर्जी लेन चुरोटी थाना बाली जिला हावडा, डोड सं० 5057, 1984 का

> शंकर के० बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4 कलकत्ता

दिनांक : 11-1-1985

प्ररूप बाई. टी. एन. एस. - - -

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-4 कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 जनवरी 1985

निदेश सं० ए सी 51/ एसी क्यू/रेंज -4/कलत्ता/19—म्प्रत: मुझे, शकर के० बनर्जी

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25.000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 14 है तथा जो डा० एच० के० चटर्जी लेन स्थित है (ग्रीर इसने उपावद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्र:कर्ता ग्राधिकारों के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1968 का 16) के ग्रधीन दिनांक 9 मई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्ति का उचित बाजार मूला, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक का निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में निकिस बाम्तिक क्या से कथित नहीं किया गया है:---

- क्विं कन्तरण सं हुई किसी नाय की बावत उथ्य विधिनियम के बचीन कर दोने के जन्तरक के शियत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीर/या
- (ख) ऐसी किसी जाय हा किसी धन का बन्य ब्रास्तिकों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर बीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयादनार्थ जन्तिरिती ह्वारा प्रकट नहीं देक्या गया या किया जात पाहिस्य जात पाहिस्य के लिए;

हत: बड, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बन्सरण को, की, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन जिन्नलिखित व्यक्तियों, अथित :— (1) मैतर्व इन्डिया लितोतियन लिमिटेड

(ग्रन्तरक)

(2) तिरुपति प्लास्टिक इन्डस्ट्र.ज

(ग्रन्तरितं।)

को यह सूचना जारीं करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य राहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई अक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी त्यित्तरों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा बधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्वष्टिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम के अध्याय 20-त में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को जस अध्याय में दिया सवा है।

वन्स्वी

जमोन 6 कड़ा 10 छटाक 31 वर्गकाट बिल्डिंग सहित ठिकाना 14, डा० १४० ्र० चटना नेत, चुपुरी थाना बाली जिला हावडा, डाड सं॰ग्र 1984 का 5058 टट

> शंकर के बतर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर अध्युवत (निरक्षण) ग्रर्जन रेंज-4 कलकत्ता

दिनांक : 11-1-1935

मोहर 🖫

प्ररूप आई.टी.एन.एस-----

बाबकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-¡V कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 जनवरी 1985

निदेश सं० ए० सी० 52/ए० सी० न2ए० रेज-1V/कल/19 श्रतः मुझे शंकर के० बनर्जी

वायकर वाधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० 14 है तथा जो डा० एच० के॰ चटर्जी लेन स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध स्रनुसूबी में स्रौर पूर्ण रूप से बर्णित है) राजेस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, राजेस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के सर्धान, दिनांक 4 मई 1989

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य इसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि लिए तम पाया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि लिए तम पाया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि लिए तम पाया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि लिए तम पाया है देन

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबंत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ष्टिपाने में सुविधा के लिए;

धतः सन्न, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भं, भं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्बलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---23 ---446 GI/84 (1) मैसर्स इन्डिया लिनोलियम लिमिटेड

(भन्तरक)

(2) श्री कान्ती देवी गुप्ता 2. कवितस गुप्ता।

(भ्रन्तरिती)

को बह सूचना चारी करकें पृक्षेंक्त सम्पृत्ति के वर्जन के हिन्य कार्यवाहियां शुरु करता हां।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेष्:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास सिद्धित में किए वा सकेंगे।

स्पृष्टीकरणः - इसमें प्रमृक्त शब्दों और नदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्त्यी

जमीन 1 कट्टा 15 छटाक भीर 1 कट्टा 15 छटाँकबिल्डिंग सहित ठिकाना 14, डा॰ एच॰ के॰ चटर्जी लेन घुस्टी थाना बाला जिला हावडा डीड सं॰ 1984 का 5059

> शंकर के० बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), धर्जन रेंज 4 कलकत्ता

दिमाँक : 11-1-1985

मोहर 🖫

धुक्त वार्द्.टी.ए**द**.एद.-----

बाब्कर म्थितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन स्थाना

मार्व रेडका

कार्यालय, सहायक बारकर बायूबत (निरीक्षण) अर्जनरेज-IV कलकत्ता

क नकत्ता, दि गांक 11 जनवरी 1985

निदेश सं० ए०सी०53/रें ज-III/ π न/1984-85--यतः मुझे, शंकर के० बनर्जो

बायकर अधिनियम, 196! (1961 का 43) विसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सन्त्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्बन्धि, विस्का उचित् वाकार मून्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

- ऋौर जिसकी सं० 14 है तथा जो डा० एच० के० चाटजी लेन में स्थित है (शौर इससे उपाबद्ध अनुस्ची में ऋौर पूर्ण प से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिवारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजि-ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16), के अधीन, तारीख 4-5-1984

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के डिविट बाजार मृत्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए ान्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बृज्व उसके द्रायमान प्रतिफल से, एसे द्रायमान प्रतिफल का पन्द्रहं प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिका उद्देश्य से उन्तर अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) बन्सरण वं हुई किसी नाव की बावत उक्त अधिनियम के बधीन कर देने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसते बचने में सुविधा क लिए; आर/धा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अत. अत उत्तर अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उत्तर अधिनियम की धारा 269ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) इण्डिपान लिनोलियाम लि०

(अन्तरक)

(2) श्री राम आगरवाल, सुरेण अग्रवाल

(अन्तरिती)

को यह स्चना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के तिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बद्धि, वो भी बद्धि बाद में समान्द होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ब्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्दश् किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्तः शब्दों और पदों का, जो उक्त अभितिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ कृतेगा, जो उस अध्याय में दिया कृषः है।

अनुसूची

जमीन-3 काठा 10 स्को० कि० जमीन का साथ मकान पता-14, डा० एच० चाटर्जी लेन कलकत्ता हावड़ा दलिल सं०-1984 का 5061।

> शंकर के० बनर्जी सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज-III कलकत्ता

सारीख: 11-1-1985

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस.---

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व-(1) के बधीन सुचना

भाउत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-IV कलकत्ता

कलकत्ता, दिनाक 11 जनवरी 1988

निदेश स० ए० सी०/55/रेंज-III/कल/1984-85 यत मुझे शंकर के० बनर्जी

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी स० 14 है तथा जो डा० एच० के० लेन चटर्जी लेन में स्थित है (ग्रौल इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या तथ, कलकत्ता मे, रजिस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख -5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया नया प्रतिकत्त का, निम्नसिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिचित में बाब्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयु की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के स्पि; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन का अन्य आस्तिकों को, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्झ अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए ना छिपाने में स्थिभा को निए;

बतः वच, उचत विधिनियम की धारा 269-ग के बनुबरण में, मैं, उकत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) इण्डिया लिनोलियाम लि०

(अन्तरक)

(2) श्रा सदीप कुमार महानसारिया

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेत् ह-

- (कं) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामीस स 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समार होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से कि री व्यक्ति इवारा;
- (क) इस त्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उल्त स्थावर पम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्ट व्यक्ति द्वारा अशोहस्ताक्षरी के पास् लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा; जो उस अव्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन-6-काटा 13 छटाक 40 स्को० कि० जमीन का साथ मकान पता-14, एच० के० चाटर्जी लेन, हावड़ा दलिल स०-1984 का 4980।

> शंकर के० बनर्जी सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्तः (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, कलकत्ता

तारीख: 11-1-1985

मोहर 🗧

त्रक्ष कारं. टी. १न., एत.-----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज IV कलकत्ता

कलकत्ता दिनांक 11जनवरी 1985

निदेश सं ०ए०सी ० 5 4/रें ज-IV/कल/1984-85---यतः, मुझे, शंकर के० बनर्जी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसकें परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

मौर जिसकी सं० 14 है तथा जो डा० एच०के०चाटर्जी लेन में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16), के अधीन, तारीख 4-5-1984

को प्वोंकत संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान श्रीतफल को निए बन्तरित की गई है और मृभो यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंकत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य,, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का गन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिन में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (वा) अन्तरण ते हुई किसी बाय की बायस, डावस अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे व्यने में अविधा के बिय; बॉर्ट/या
- (क) एंसी किसी बाब वा किसी वन या बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर बीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बीधनियम, या धनकर बीधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया बाना चीहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

भाग हथ, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अण्यरम में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) इंण्डिया लिनोलियाम लि॰

(अन्तरक)

1(2) श्री दामालजित काडर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को वर्जन को सम्बन्ध में कोई भी जाभेष ह---

- (क) इस सूचना के राजधन में प्रकाशन की सारीस के 45 दिन की जनिश्व या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पूड़ सूचना की तामील से 30 दिन की जनिश्व, को भी बनिश्व वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किती व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंदा बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यक्ष्तीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यां का, वा उक्त विभिन्नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही वर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया यस है।

अनुसूची

जमीन-2-काठा 13, छटाँक 37 स्को फि॰ जमीन का साथ मकान। पता-14, डा॰ ए॰एच॰के॰ चाटर्जी लेन, हावड़ा, दिलल सं॰ 1984 का 4979।

> शंकय के० वनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-IV कलकत्ता

तारीख: 11-1-1985

मोहर 😘

प्रस्य बाई . टी . एन . एस . -----

बायंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूच्ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 जनवरी 1985

निदेश सं०ए०सी० 56/रेंज— $I_{II}/$ कल/1984-85 यत: मुझे, शंकर के० बनर्जी

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

मौर जिसकी सं० 14 है तथा जो एच० के० चटर्जी लेन में स्थित है (म्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में म्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यांलय कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण अधि-निमम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 4-5-1984

निमम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 4-5-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त आधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के निए; और/या
- (ख) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए चा, कियाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) इण्डिया लिनोलियाम लि०

(अन्तरक)

(2) श्री सुरजीत सिंह बाबरा

(बन्तरिती)

ुको यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के किसू कार्यवाहियां. करता हुं।

उक्त संपति के अजन क संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इय सूत्रना ह राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रतिया तत्मंत्रं भी व्यक्तियों पर सूत्रता की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी अवधि बाद म समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति धारा;
- (ख) इस मुक्ता के राजाज में प्रकाश की तारीज से 45 किन के भीतर उक्त स्थावर भम्पत्ति में हितबढ़ किसी भन्य व्यक्ति ज्ञारा, अभोज्ञस्ताक्षरी के पान लिखित में किये जा सकेंगे।

क्वच्छी हरण : ---इसर्ने प्रयुवि शब्दों पीर पदों का, जो उक्त धिन्न नियम के अध्याय २०-ह में प[्]रनाषित है, वही सर्थ होगा, जो उप स्रव्याय में दिर गया है।

वन्स्ची

जमीन-3-काठा 1/69 एक 8-स्को० फि० जमीन का साथ मकान पता-14, डा० एक के० चाटर्जी लेन हावड़ा, दलिल सं0-1984 का 4978।

यंकर के० बनर्जी क्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रें ज-IV, कलकत्ता

तारीख: 11-1-1985

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज- कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 20 फरवरी 1985

निदेश सं० ए०सी०रेंज—I/कल/1984-85—यतः मुझे एस० के० बनर्जी,

हायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उन्नित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 62 बि० है तथा जो पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मक्षम प्राधिकारी अर्जन रेंज-2 तारीख 26-5-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उच्ति बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब., उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथित :-- (1) श्री एस० के० एइया

(अन्तरक)

(2) सोनापुर टी०को०प्रा०लिमिटंड

(अन्तरितीं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के िलए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेष 🚁

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वंक्ति व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (क) इस स्वना के राजपत्र में त्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उचन स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधिहम्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरें।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

62 बि॰ पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित 2000 वर्गफिट आयात का प्लाटनं 2 बी दूसरा तल्ला में अब स्थित जो सक्षम प्राधिकारी (सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 के दफ्तर में सिरियल सि॰प॰ 269 के अनुसार 26-5-84 तारीख रजिस्टर्ड हुआ।

> एप० के० बनर्जी नक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 कलकत्ता

नारीख: 20-2-1985

प्ररूप बाईं.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यां लय, सहायक आयकर वायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 फरवरी 1985

निदेश सं०टी०आर०-160/84-85/एस०एल०/967/आई० ए०सी०/ए०सी०क्यूआर-1कल/ यहः. मुझे, एस० के० बनर्जी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वार करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 258 है तथा जो लिटिन सरीज आफिस रूम नं० 8, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीलर्ता अधिकारी के कार्यालय आर० ए० कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 25-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गवा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, सक्त बिधनियम के अधीन कर दोने के सन्तरफ की दायित्य के कभी करने वा उत्तर वजने में सुविधा के लिए;
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बाहिसमों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा है सिए:

कतः वक, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थान :---

(1) कालि वृगी एस्टेट

(अन्तरक)

(2) श्री सूरज प्रकाश जयसवाल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

डक्त संपत्ति को अर्थन को मंबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों नीर पदों का, जो उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रन्सूची

आफिस रूम न० 8 (750 वर्ग फिट) 258 लेतिन सरिज कलकता के ग्राउन्ड फ्लोर में स्थित है जो रिजस्ट्रार अब एसुरेन्सेस के दफ्तर में डीड नं० I-5473 के अनुसार 25-5-84 तारीख को रिजर्टर्ड हुआ ।

> एस० के० बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 कलकत्ता

तारीख: 9-2-1985

प्ररूप बाहै, टर्डे, एन, एस,-----

बायकर बाँधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के बधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-2, कलकता

कलकत्ता दिनौंक 2 फरवरी 1985

निदेश सं०टी०आ र०-161 84-85/सी०एल०-968/एस० भाई०ए०सी०/ए यू० ग्रर 1/कलकत्ता यतः मुझे एस० के० बनर्जी,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी ं० 59 है तथा जो बिल्प नी अनुकूल चन्द्र स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में प्रौर, पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिक री के कार्यालय आर० ए० कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16), के अधीन, तारीख 26-5-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निष्ति के से सिकत में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा खें लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निचित व्यक्तियों, अर्थात् ■——

- (1) श्री तारक नाथ मल्लिक (ग्रन्तरक)
- (2) बिल्डिस, फन्ड प्रापर्टीज (प्रा०) लिमिटेड (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त संप्रात्ति के वर्जन के विष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप द--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तित्यों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ख व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकने।

स्वस्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त बब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जो 59 बिल्पली अनुकूल चन्द्र स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है 5 काठा, 8 छटाक 3 वर्गफिट श्रायत जमीन के ऊपर टिन तल्ला मकान जो रिजस्ट्रार अब फसुरेसेस के दफ्तर में डीड नं । I-5567 के अनुसार 26-5-84 तारीख रिजस्टर्ड हुआ।

एस० के० बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सङ्घायक घायकर घायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2 कलकत्ता

तारीख: 20-2-1985

(अन्तरिती)

प्ररूप बाई टी एन . एस -----

(1) श्री तरनजित सि० चाधा

(ग्रन्तरक) (2) टि पाकासे (इण्डिया) प्रा० लि०

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अध्यक्तर अध्यकः (निरक्षिण) ग्रर्जन रेज-2 कलकत्ता

कलकत्ता दिनाक 11 जनवरी 1985

निदेश सं०सी०ए० 46/84-85/एस० एल० 969 म्राई०ए०सी०/एक्यू० म्रार०म्राई०/कलकत्ता ---यतः मुझे, शंकर बनर्जी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गण हैं। के भण 269-स के अधीन रक्षम प्राधिवारी को कर कि हम करने र **कारण है कि** स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रत. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं 0 2 है तथा जो गनेश चन्द्र एमिन्, कलकत्ता मे स्थित है, (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुमूची मे ग्र रपूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मी० ए० आई० ए० सी० एक्यू० ग्रार०-1, कलकत्ता मे रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16), के ग्रधीन तारीख 18-8-84

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम वे दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड ही और मके हि जिस्हाम करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति वा उचित बाजार म्न्य, इसके दश्यमान पतिफल सं. एसे क्यारान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिज्ञत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उदद्या से उता स्वरण निम्बन में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बावत जीक अधिनियम के अधीन कार दोने के अ दायित्व में कभी नारने या उससे यजन ए सान को लिए, लौर या
- (अ) एंसी किसी काय या किसी अन राका का कारा को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 19?? (1922 का 11) या इतन अधिरियम, य धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के पर्याजनार्थ संतरिती द्वारत प्रभाव के किया गया था या किया जाना चाहिए भाष्टिको र मिथा के लिए,

बत: बब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के लनुसरण ि. मैं. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) । अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात ---24 -- 446 GI /84

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए गायीसिविधा शरा करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अरिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मचना की टामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त गिवनयों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन वे भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हिल-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अविनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, लही अर्थ होगा को अस अध्यान मा दिया गया है।

अनुसूची

प्ताट स० -3, तीसरी पत्रोर, 2, गनेश चन्द्र एमिनु, कलकता' म्राई०ए०सी० एकप्० ग्रार०-1, निकट निबन्ध हुआ।

> शंकर बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, कलकत्ता

तारीख 11-1-1985 मोहर '

प्रस्थ बारं. टी. एन एस -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

मारत सरकार

भार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रार्जन रेज, कलकत्ता कलकत्ता, दिनाव 11जनवरी 1985

निदेश स॰टी॰ग्रार॰-162/84-85/एस॰एल**॰** 970

ग्राई०ए०सी० एक्य्/ग्रार-ा/कलकत्ता-यत मुझे, शंकर बनार्जी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) शिक्षे श्राफ्रें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गण है, की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करन वा कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उतिर बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी स॰ 21, है तथा जो श्रामरा तला सेट कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इसने उपाबद्ध श्रनुस्ची में ग्रीर, पृर्ग रूप में विगत हे), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रार० ए- काकत्ता में रिजस् ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16), के प्रधोन तारीख 2-5-1984

कां पूर्वोक्त सपित के उचित बाजार मृल्य में काम के स्वयमान प्रितफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विस्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे व्ययमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और मन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के तिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि सिक्त में वास्तविक हुए में किथान नहीं रिस्स एस है

- (क) अन्तरण से हाई किसी जाय है त्या, उक्ता विधिनयप को अधीन कर के कामक की वाबित्व में कसी करने या उक्ता बक्ता का स्विध. के बिए, बॉर/बा
- (क) एंगी किसी आए या किसी भा या का आरियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1022 (1922 का 11) या जनन किसीनयम, गा भन-का अधिनियम, गा भन-का अधिनियम, 1957 (1957 का 27 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किर गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सविधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण के, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बचीन, निम्निलिक्त व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) गर्मातम सुरमान मालेहाजि ग्रीर दूपरा (न्तरक)

BING STREET TO STREET A STREET TO STREET THE STREET AND ASSESSED.

(2) त्राबुदहर म० याचि श्रार दृसरा (प्रन्तरिनी)

का यह सूचन। अपना करक पूर्वीतन सक्योतन के प्रचीन के लिए कार्यवाहिया रुक करना है।

उक्त सम कि व अनेन के नवर में कोई भी सारो --

- (क) स्मार १८० म् एक न का तारील में क) त्व को एक प्राप्त सम्बन्धी स्मित्र प्रक्रिक स्माका रक्ष (२०) कि की अर्जार, जो भी प्रमित्र के स्वार प्रक्रित बनारा,
- (ख) यस सू । के राजात का प्रकाशन की तारिस में 15 के कि मान भावर सम्मानि मा कित-बद्ध रिजी अस व्यक्ति द्वारा, अधोहर क्षणी के या के कि मान की स्थान की स्था की स्थान की

स्यख्तीकरम ---इसम -१ - एवं नार स्वां का, मा उनस आंशिक्ष । अन्यतः १० -क गा रिभाषित गा । १ १ । गा चें गण गा में।

अनुसूची

21, त्रामरान या न्ट्राट, काकता उके०-प्रो० एव०-12स्का० फुट जामिन साथ मकान दिनियं म०-6070-पी०

ाम० के० बन्जी मक्षम प्रधिकारी 1,7,प्रत पयाच्यायुक्त (उसेक्षण) स्रजीन रेज-1 क्षणकत्ता

तारीख 11-1-1985 माहर: ____

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार्

कार्यालय, सहायक प्रायकर घायकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 जनवरी, 1985

्र निदेश सं० सी० ए० /८८/84-85/एस०/राई/ए० सी०/एक्यू०/ , श्रार-प्रिकलक०—श्रतः मुझे ाक्र वनर्जी

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परधात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-इ अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000%-रु. से अधिक हैं

श्रीर जिस ही सं० 18 ए है, तथा जो पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विजित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिकारी के कार्यालय सी० ए० श्राई०ए० सी०, एक्यू० रेंज-, कल० में रिजस्ट्रीकरण श्रिध-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 25-4-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान श्रितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे, यह विश्वास करने का बारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान श्रीतफल से, एसे दश्यमान श्रीतफल का पंद्रह श्रीतशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्या) के बीच एसे अन्तरण के लिए ध्य पाया गया श्रीतफल का निम्नालिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तु-विक कृप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय को बाबत उचत अधि-विस्ता के बाजीन कर दोने के बन्तरक के वादित में करी करने वा उसने बचने में सुविधा के सिए; बरि/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उक्त आधिनयम, का धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः बन, उक्त विधिनयम की भारा 269-य के अनुसर्थ में, में, उक्त विधिनयम की भारा 269-य की विधास (१) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. मैसर्स स्जन विनियोग लि॰

(अन्तरक)

2. मैसर्स एच० के० जलिं।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिक् कर्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45. दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ रि सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो गी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजणत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में दित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पान लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं!

अनुसूची

पताट सं० 5एक, 5य पत्रोर, 18ए, पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता। सार्व ए० आई० ए० गो० एम् १०/ आर०- िकनकत्ता निकट निबन्ध दिया।

> शंकर **बनर्जी** सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, I, कलकत्ता ।

दिनांक: 11 जनवरी, 1985

मोहर 🚁

प्रस्य बाईं.टी.एन,एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 प्र (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज-] वत्यकत्ता कलकत्ता, दिनाक 28 जनवरी 1985

निदेश स० टी० ग्रार० 186/84-85/एसए १०१७ ३/२ाई० ए० सी०/एक्यू०/ग्रार-I/कलकत्ता--ग्रत मुझे एस० केट बनर्जा

आदकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह क्रियम है न कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिस्का उचित बागर मून्य 25,0(n/- रुप्त में अधिन हैं।

श्रीर जिनकी स० 6 है, तम का नियंगी पुकुर, बर्ड है। थाना ताल्लुका, कलकत्ता में स्थित है (प्रोर उपने उपन्यद्ध सनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से बीगत है) जिस्ती कि कार्यालय एस० श्रार० 4 कनकत्ता में रिजस्तीकरण प्रवितियम 1908 (1908 का 16) के सधीन दिनाव 25-5-81

को प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमार प्रतिपाल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्णाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दरयमान प्रतिफाल से एमें दरयमान प्रतिफाल का पंद्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरि (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय नामा गया प्रतिफाल, निम्नलिखित उदश्ह्य में उपन स्तरण कि निम्नलिखित उदश्ह्य में उपन स्तरण कि निम्नलिखित उदश्ह्य में उपन स्तरण कि निम्नलिख का वास्तिक रूप में कथिन नहीं किया गया है --

- 'क) अल्तरण से हुई फिल्मी आध कर हा , उत्तर राज निषम के अधीन कर दोने के अतरक के दायिल्य भा कमी करन था लगक बचन मां । धा के बिल की राध
- (क) ऐसी किसी आब या विसी अन या बन्य आस्त्यों की, रिन्ह भारतीय अन्यकर अधिनियस, 192% (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, या अन-कर सिधिनियम, 1957 (1557 की 27) है प्रयाजनार्थ अन्तरिती बनारा प्रकट नहीं किसा गया था या किया आना सिहण था हिल्हा स सीच बा के लिए,

1 श्रीवती जामन्ती मुखर्जी, तथा श्रन्य।

(ग्रन्तरक)

2 श्री रन्नीत कुमार श्रुप्रवाल, तथा श्रन्य।

(ग्रन्तरिती)

को यह रूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायनाहिन सन्ता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (भ) इस सूचना क राजपत्र में प्रकृतिक की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, बो भी अविधि काई में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त रशावर सपित्त म हित- बद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अवोहस्ताक्षरी के पाम लिखिन में किए जा स्कींगे।

रपष्टिकारण :---इसमा प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ क्लो अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गया हाँ।

सन्म्यी

6 ागोनी प्रकृर वाई लेत. कतकता स्थित 8 काठा, जमीन के उत्तर इटा क दिवार के उत्तर हारी शेंड जो सब रिजिप्टार प्रिय ऐसुरेल्य के दिना में डीड स० 1-5938 के गार्ग रिंग के 255 84 का रिजिप्टी हुया।

एस० के० **बनर्जी** सक्षम **ग्रधिकारी** महाप्रक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-I कलकत्ता ।

बत. अब, उक्त अधिनियम को जारा 269 व क अनुसरम के, मी, उक्त अधिनियम को जारा 269 व को एएएएरा (१) के अधीन, निम्नलिखित व्यादिया, अर्थाट ——

दिताक '8-1-४। मोहर प्रस्थ बाइ. टी. एन. एस्.-----

बायकर क्रिंगियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यास्य, सहायक बायकर वायक (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, कलकत्तां

कलकत्ता, दिनाक 24 फरवरी 1985

निदेश सं० टी० आर०-164/84-85/972/आई० ए० सी०/ एक्यू०/रेंज-।/कल०--अतः मुझे ए स० के० बनर्जी,

बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ह"), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 39 है, तथा जो ताल तला बाजार, स्ट्रीट, कलकत्ता-28 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूचीमें ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भार० प० कलकत्ता में राजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 24-5-84

को पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार बुल्ब, उसके दश्यमान प्रतिफल से, होसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिवत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीर/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अहिसायो को जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा बे लिए:

बतः बाद, उबत विधिनियम, की धारा 269-व की अनुसरक में. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- 1. श्री जगत नारायण गुप्ता तथा अन्यान्य। (अन्तरक)
- 2. श्री शेख आनवार आलि तथा अन्यान्य ।

(अन्दरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स् की

सम्पत्ति, जो 39 तालतला वाजार, स्ट्रीट, कलकत्ता-24 में अव्यवस्थित 3 काटा 22 छिटाक, 3 वर्ग फीट जमीन के ऊपर तिनतल्ला मकान जो रिजस्ट्रार अब एस्युरेन्स के दफ्तर डीड सं० I, 5442 के अनुसार दिनांक 24-5-84 को रिजस्टी हुआ ।

> एस० के० बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, कलकत्ता

दिनाक् 24-2-1985

प्ररूप. बाईं, टी. एन. एस्. - - - - -

सामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज2, कलकत्ता कुलकत्ता, दिनांक 20 फरवरी, 1985

निदेण सं० सी०ए० 161/84-85/965/आई० ए० सी० एक्यू०/रोज-I/कलकत्ता—अतः मुझे, एस० के० बनर्जी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

यौर जिसकी सं० 4 है, तथा जो सेक्सपीयर सरिण, कलकत्ता-72 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 5-5-84 नो पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृम्मे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण िलिखत में बास्तिक रूप से किंबत नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किती बाय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के ब्लाइक औं दायित्व में कमी करने या उससे बच्चे में सुविधा औ लिए; औड़ या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृविधा के लिए;

कतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-म के अनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) डे अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् ः— 1. डा० अनिल बनर्जी

(अन्तरक)

2. थृीट काणरों, ईराणी श्री काणरी ए० सी० ईराणी : (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोख से 45 दिन की अविधि या क्षास्करने ध्योतियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को अविधि, जो धी अविधि बाद में समाप्त होती हो, की भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति होता
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशत की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जर सकांगी।

स्बद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मी वरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मी दिया गया है।

ग्रन्सूची

4, शैक्पपीयर सरिण, कलकत्ता 72 में अवस्थित पर अब्बासी को-आपरेटिव हार्जीमंग सोसायटी लि॰ का पण्वासी बिन्ल्डिंग में फ्लैट नं॰ 2 नि. 4 तल्ला, में और कार पार्किंग, स्पेस, जिसका आयतन 2347 वर्ग फीट जो अम प्राधिकारी (सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, 2 के दफ्तर में सीरियल सं॰ 262 के अनुसार 5-5-84 की तारीख रिजस्ट्री हुआ।

> एय० के० वनर्जी सक्षय प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, कलकत्ता

दनांक 20-2-85 मोहर ब प्ररूप बाई. टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 14 जनवरी, 1985

निदेश सं० 1700/एक्यू०/आर-/III 84-85---अतः मुझे, शंकर बनर्जी

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'तत्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ह के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संगीत जिनका उचित बाबार मृल्य 25.000/- रा. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० 9/4 है, तथा जो पटुआ, टोला, लेन, कलकत्तां में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर जो पूर्ण रूप से विगत है) 'िस्ट्रिकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजर्स्ट्रिकर्ण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 4-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजान पूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से एसे द्वयमान प्रतिफल का नन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय शया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कारी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आयं या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के सिवधा के सिवधा के सिवधा

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण बं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) श्री बधीन, निस्तृतिचित व्यक्तियों, अर्थात :-- ▼ 1. श्री हृदय नारायण टंडन,

(अन्तरक)

2. श्री बलाई चन्द दास ग्रौर अन्य

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

शब्द सम्परित के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस हैं
 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियां एक
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो औ
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोदक्ष
 व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे

स्पष्टिकरण १— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याग में देशा गया है।

अन्स्ची

मकान सह जमीन 1 क० 19 क्षेत्र-1 क: 9 छ: —9/4 पटुआ टोला लेन, कलकत्ता रजिस्ट्री-रजिस्ट्री दफ्तर, कलकत्ता द्वारा डीड नं० 1/4994 तारीख 4-5-1984 अनुसार ।

> शंकर बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रें ज-3 कलकत्ता

तारीख: 14-1-1985

सोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस्.-----

बायकर ब्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अभीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रें ज-3 कलकता कलकता दिनांक 14 जनवरी 1985

निदेश सं 01699/अर्जन रें ज-3/84-85 यत: मुझे, शंदर बनर्जी

कायकाः अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी मं० 15 जो [&] 15एव० है तथा जो फार्न रोड, कलकत्ता में स्थित है (स्रौर इसमे उपावत अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप के वर्षित है) रिजम्द्री की अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 7-5-1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और ऐसे अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से सक्त अन्तरण जिक्कित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त विधितियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्थ में कमी करने या असमें अपने में सृष्टिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिर्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के सिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातः 1. स्त्रत प्रतिम दत्त ग्रीर अन्य

(अन्तरक)

2. मेतस देव साहित्य कुटीर प्रा० लि०

(अन्तरिती)

को यह मुचना जारी करके पूर्वोक्त संस्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया भया है।

वन्स्यी

श्रंशतः तल्ला श्रौर 3 तल्ला मंकान पता-15जी 15एच० फार्न रोड, कनकत्ता रजिस्ट्री -रजिस्ट्री दफ्तर द्वारा डीड नं० I/5166 तारीख 7-5-1984 अनुसार

> शंकर बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अ**र्जन रें ज~3,** कलकक्ता

तारीख: 14-1-1985

प्ररूप **वार्ड**ु टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जनरें ज, कलकत्ता

कलक्का, दिनांक 11 जनवरी, 1985

निदेश सं 01698/एक्यू ० आर 0-3/84-85--यतः मुझे, शंकर बनर्जी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं • पी० 404/3 है तथा जो सी०आई०टी० स्किम कलकत्ता-29 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ब्राई॰ ए॰ सी॰ एक्य् आर-3 कलकत्ता में¦रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 26-5-19 84 । का पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल लिए अन्तरित गइ मभो विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंत-रितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिखित उदुदेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहां किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी अाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दियत्व में कभी करने या उससे बचने में सृतिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा किट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए ता, छिपान में सुविधा औं लिए।

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह—— 25—446 GI/84

1. वलाई लाल पाल

(अन्तरक)

2. श्री द्वारिका प्रसाद खेमका ग्रीर अन्य

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोड भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थष्टीकरण: -- इसमें प्रयक्त कटों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्की

क्षेत्र-2271 व० फु०
पता-पी० 404/3 सी०आई०टी० स्कीम, कलकत्ता-29
रजिस्ट्री-आई०ए०सी० एक्यू०-3 दफ्तर द्वारा 37ईई
फर्म अनुसार।

शंकर बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज-3, कलकत्ता

तारीख: 11-1-1985

मोहर 🖫

प्ररूप बाई , टी . एन . एस . - - -

बायक है बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाड़ी धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

ब्राइत सरकाह

कार्यांतय, सहायक बायकर बायुक्त (निर्जीक्षण)

ध्रर्जन रें ज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 जनवरो, 1985 निदेश सं०169क/एक्यू० श्रार०-III/84-85—शतः मुझे एस० के० बनर्जी,

शायकर विधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकीं सं० 2/7 है तथा जो शरत बोस रोड, कलकत्ता में स्थित है।) और इससे उपाबद्ध अनुसूचों में और, पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आई०ए०सीं० एक्यू० आर०—III, कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16), के अधीन तारीख 26—5—1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उियत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय शिवाजीनगर में धारा 269 ए. बी. के अंतर्गत सक्षम अधिकारी के सम्मृख/के पास रिजस्ट्रीकृत किया गया है मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यह गथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उिचत बाजार मूल्य, उसके दृश्य-मान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशतः से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है: ---

- (क) बन्तरण से हुई किसीं बाय की बाबत, उक्स ब्रियोंनयम से अधीन कर दोने के अन्तरक से ब्रियेंन्यम के अधीन कर दोने के अन्तरक से ब्रियेंन्य के किस करने वा उससे ब्यने में सुविधा के निए; ब्रीर/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् ह---

(1) मेसर्स बसुन्धारा प्रपटिस प्रा० लि०

(अन्तरक)

(2) कर्णिका मेमोरियल ट्रस्ट

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के [लए कार्यवाहियाँ करता हुं

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप ह-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाचन की तारीख सं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह¹, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

कार्यालय कक्ष 1092 व ० फु० ।
पता-2/7 शरत बोस रोड, कलकत्ता
रिजस्ट्री-ग्राई०एसी० एक्यू० ग्रार-III, दफ्तर द्वारा 37ईई
फर्म ग्रनुसार

एस० के० बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज−3 कलकत्ता

तारीख: 11-1-1985

मोहर 🛚

19 11 2 St. 10

नायकर निध्तियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म् (1) के स्थीत सुचना

सारत सहस्रह

कार्यांत्रव, सहायक जायकर जायकत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कलकत्ता कलकत्ता; दिनांक 11 जनवरी, 1985

निदेश सं 0 1696/एक्यू ग्रारo-III/84-85--

्यतःमुझे, शंकर बनर्जी

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)। (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० 48 है तथा जो काला टेम्पल रोड, कलकत्ता में स्थित है। (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूचो में ग्रीर, पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारो के कार्यालय स०ग्रा०ग्रा० निरीक्षण ग्रर्जन रेंज-3, रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16), के ग्रधीन, ताराख 7-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उन्तित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रन्दृह प्रतिश्वत से अनुभक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देशों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है —

- (क) बन्तद्रण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दामित्य में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; अदि/बा
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हों आरतीय बाय-कर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनयम, या धन-कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया बया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्ट्रैंबंधा के सिष्ट;

जतः जब, उक्त विधिनियम की धारा 269-म के अनुसर्ग में, में, उक्त विधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के विधीन, निम्निशिव व्यक्तियों, वर्षात् ध--- (1) मास्टर बिल्डिसी

(अन्तरक)

(2) शेली सेन

(अन्तरित')

करें यह बुचना बार्टी करके पूर्वोक्त संपृत्ति के वर्षन के तिव कार्यवाहियां करता हूं है

उक्त सम्पत्ति के वर्षन् के बुम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप्ट--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की जबीध या तत्संबंधी व्यक्तियों पड़ सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ह्वारा;
- (स) इत सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकर्णः--इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उस्त बिधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 3 ई-सम्पत्ति
835 व०फु०-क्षेत्र
48 कालो टेम्पल रोड, कलकत्ता पता
स०ग्रा०ग्रा० निरोक्षण, अर्जनरें ज-3 द्वारा रिजस्ट्रो हुआ 37ईई
फर्म अनुसार

शकर बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, कलकक्ता

तारीख: 11-1-1985

मोहर 🖫

प्रक्ष बार् ु टी. एव. एस. -----

आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाड़ा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) आर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकता, दिनांक 11 जनवरी, 1985 निदेश सं 01695/एक्यु० ग्रार०-III/84-85-यतः मुझे, शंकर बनर्जी,

कायकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-स के निधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से निधक है

भौर जिसको सं० 253एफ है तथा जो एन० सि० बोस रोड, कलकत्ता -47 में स्थित है। (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर, पूर्ण रुप से विणत है), रजिस्ट्रीति अधिकारी के कार्यालय स०आ०आ० निर्राक्षण, अर्जन रेंज-3, में, रजिस्ट्रीकरण अधि-नियम 1908 (1908 का 16), के अर्थीन, तारीख

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अतारितयां) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण हिनिबत में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया नया है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के सिए; बीड़/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के दिवार:

जतः जब, उक्त जीधीनिषम, की भारा 269-भ के अनुभरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तिराष्ट्रे, अर्थात् :--- (1) मेसर्स स्लाब बिल्डिर्स

(ग्रन्तरंक)

(2) श्रीमति रमा दे०

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को अविधि यो भी विधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा स्थाहस्ताक्षरी के शास सिसिय में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, कही वर्ष होगा वो उस अध्याय में दिश्य गुवा है।

नन्स्त्री

सम्पत्ति-प्लाट नं०-5 क्षेत्र-740 व०फु० पता-253एफ, एन०एस०सि० बोस रोड, कलकत्ता 47 रजिस्ट्री-स०ग्रा०ग्रा०निरीक्षण, ग्रर्जन रेंज-3, कलकत्ता द्वारा 37ईई फर्म ग्रनुसार

> शंकर बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, कैलकत्ता

तारीख : 11-1-1985

मोहर 🖫

प्रस्य बाइं. टी. एन. एस. - - - --

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

शारत सरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज कलकत्ता

कलकत्ता दिनाक 11 जनवरी 1985

निदेश स \circ 1694/एक्यू \circ स्रार \circ —I /84—85—यत. मुझे, शकर बनर्जी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है कि भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी स० 11क है तथा जो पाम एमेन्यु, कलकत्ता मे स्थित है। (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रन्भूस्वा मे ग्रौर, पूर्णरूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय स०ग्रा०ग्रा० निरीक्षण, ग्रजनरे ज-3, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16), के ग्रधीन, तारोख 11-5-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बिभिनियम के बधीन कर दोने के अतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अनिरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में जनत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात .— (1) के॰एन॰ प्रपटिस प्रा० लि॰

(अन्तरक)

(2) श्री विजय कुमार सुराना

(ग्रन्तिरतो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवार;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

सम्पत्ति-1796 व०फु० (निर्माणाधीन) पता-11क पाम एवेन्यु, कलकत्ता रिजस्ट्री-स०म्रा०म्रा०निराक्षण, म्रर्जन रेंज-3, कलकत्ता द्वारा 37ईई फर्म मनुसार

> शकर बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रॅर्जैन रें ज-3 कलकत्ता

तारोख 11-1-1985

मोहर 🕹

ब्ररूप बाई o टी o एन o एस o-

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के ब्रधीन सूचना

(1) भालजी सुन्दरजी शंकर

(अन्तरक)

(2) श्री विनोद कुछलिया

(अन्तरिती)

BLEG ANALE

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक । 1 जनवरी 1985

निदेश सं० 1693/अर्जन रेंज-3/84-85-अतः मुझे शंकर बनर्जी

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० दो है तथा जो उडवान पार्क, कलकत्ता में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रुप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षणी) अर्जन रेंज-3 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 19-5-1984

को पूर्वा नित समपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान मित्र के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों नत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके द्वयमान प्रतिफल से एसे द्वयमान प्रतिफल का पन्तद्व प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उस्त अन्तरण विश्वित में वास्तिक इप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के निए;

वतः थव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, अधीत हु--- को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के [िलपु कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप हु---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ प्र सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में क्षितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण ह—इसमें प्रयुक्त शब्दों बीट पदों का । जो उक्ता अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अनुसूची

पता—3 उडवान पार्क, कलकत्ता—20 रिजस्ट्री—सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज -3 कलकत्ता द्वारा 37ईई फार्म अनुसार।

> शंकर बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

दिनांक : 11-1-1985

मोहर 🖫

प्रस्य बाई. टी. एन. एस. - - -

नावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के वधीन सूचना

भारत सरकाड

कार्बालय, बहायक बायकर बायकर (तिर्देशिक) अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 जनवरी 1985

निदेश सं० 1692/अर्जन रेंज-3/84-85-अतः मुझे शंकर बनर्जी

बायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त निधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के बधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,030/- रा. से विधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 30 है तथा जो राम कमल सेन लेन, कलकत्ता में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप गसे वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 1908 का 16) के अधीन तारीख मई 1984

को पृथिति संपिति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करमें का कारण है कि सथाप्वोंक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके क्ष्ममान प्रतिफल से एसे द्श्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितीं (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल, निम्नीसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्वत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबता, उक्त विधिनयत्र के वधीन कर दोने के बन्तरक के खीयत्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के सिए। वीट्र/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन्-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के सिष्;

जतः जय, ज्वतः विधिनियमं की भारा 269-गं के अनुसरण हों, हीं उक्त विधिनियमं की भारा 269-मं की उपभारा (1) के के अभीतः, क्लिनिस्ति व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती प्रतिमा मुखर्जी

(अन्तरक)

(2) श्री अशोक कुमार शर्मा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्र व्यक्त किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शास . जिखन में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो अक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हों!

जन्स्ची

सम्पति-2 तला मकान सह जमीन 1 कट्ठा-3 छ: पता 30 राम कमल सेन लेन, कलकखता-20 रिजस्ट्री दफ्तर द्वारा कलकत्ता में मई 1984 में रिजस्ट्री हुआ डीड नं० अनुसार

> शंकर बनर्जी सद्यम प्राधिकारी सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

दिनांक : 11-1-1985

प्ररूप नाइं.टी.एन.एस.

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुभना

मारत तरकार

कार्यांचय, सहायक वायकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 11 जनवरी 1985

निदेश सं० 1691/अर्जन रेंज-3/84-85--अतः युझे शंकर बनर्जी

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जीवत वाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी सं० 67/1/1 वी है तथा जो इब्राहिम रोड़, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विक्वास करने का कारण है कि मजापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरका)ं और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए दथ पाया गया प्रतिफल, निम्नीलीखत उद्देश्य से उसल अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- ्रीक) मन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त विधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; बॉर्/बा
- (ब) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तिय. को जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बिधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोबनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिषाने में सविधा के लिए;

नत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुबरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अधीत् :—- (1) श्री दलीप कुमार दत्त ।

(अन्तरक)

(2) श्री डलि चऋबर्ती।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्य-वाहियां करता हूं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेष?--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारींख से 45 दिन की अविध वा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध आ भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के मीलर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिस द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं है दें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकने।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिक्त गया है।

नन्त्रची

जमीन—2 कट्ठा गां4 छः पता—67/1/1बी इन्नाहिंम रोड, कलकत्ता रिजस्ट्री—रिजस्ट्री दफ्तर द्वारा 17-5-84 तारीख में कलकत्ता डीड नं० 15632 अनुसार।

शंकर बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज−3, कलकत्ता

दिनांक : 11-1-1985

त्रस्थ आर्ड. टी. एन. एस. - - - ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वाय 269-म (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

भार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

अर्ज . रेज-3, कलगृत्ता कलकत्ता, दिनांक 11 जनवरी 1985

निदेश सं० 1690/अर्जन रेंज-3/84-85--अतः मुझे शंकर बनर्जी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिनकी सं० 2 है तथा जो मेडाभिला गार्डनन्स, कलकता में स्थित है (ग्रीर इसके उपावद्ध अनुसूची से ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रजिल्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकता में रजिल्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अवीन दारीख 9 मई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यम अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह निश्व करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिक्षत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच "एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य मे उचन अन्तरण जिलात में वास्तिक क्ष में किथन नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण स हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व भो कभी अरने का उससे बचने हो मुक्तिभा के लिए अर्रेट्या
- (६) एसी किसा आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत अयो, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग को अमूमरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीर विकासित व्यक्तियों, क्यांत :--: 26—446 GI/84

(1) श्री बिमान बिहारी घोष।

(अन्तरक)

(2) बाणी श्री बाजोरिया।

(अन्तरिती)

को यह सृष्या जारी करके द्वॉक्त संपृष्टि के क्वान के लिए कार्यवाहिया करता हो ।

उक्त मम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हांती हों, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इनास;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ब बं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थब्दीकरण — इसमाँ प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जां उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिय भया हो।

अन्स्ची

सम्पितः— प्लाट नं० 4ई क्षेत्र—775 व० फ़ु० पता—2, मेन्डाभिला गार्डन्स, रिजस्ट्री—रिजस्ट्री दफ्तर द्वारा 9—5—84 तारीख में रिजस्ट्री हुआ कलकत्ता में ।

> शंकर बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, कलकत्ता

दिनांक : 11-1-1985

मोहर १

प्रस्प बाह् . टी . एव . एस . -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुचना

मारत सरकार

कार्यातय, सहायक जायकर आयक्त (निरिक्षण) अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांकः 11 जनवरी 1985 निदेश सं० 1689/अर्जन रेंज-3/84-85--अतः मुझे शंकर बनर्जी

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर संगत्ति, जिसका उचित आजार मृहः 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 62/7/1—की है तथा जो बी० सी० रोड़, कलकत्ता में स्थित है (ग्रीर इससे उपावड अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 6) के अधीन तारीख 14-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृन्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृन्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे अयमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उकत अंतरण लिखित में वास्तविक क्य से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण संहुई किसी अय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर रोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विका को लिए;

अत: अब. उवत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उत्तर अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के रूधीन : निम्नलिखित व्यक्तियों : अर्थात : निम्नलिखित व्यक्तियों : अर्थात : निम्नलिखित व्यक्तियों :

- (1) पशुपति को० आपरेष्टिव हाउसिंग सो० लि० (अन्तरक)
- (2) श्री रणधीर कुमार।

(असरिती)

को यह सुभना जारी कारके पृत्रा किस सम्परित को अर्थन को निष् कार्यवाहियां शुरू करता हो।

बक्त सम्मात्त के छत्रेन की मध्यन्थ में कांडें भी वार्क्षप :--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तार्नीख में 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अग थ, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत राष्ट्रिक्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन के तानीख से 45 दिन के भीतर उक्त श्थावर संपत्ति. भें हिसबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्ष्यों ते इस लिखित में किए जा सार्होंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त स्थितियम, बं अधाय 20-क में तथा और-भाषित ही, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

सम्पति—प्लाट क्षेत्र—1559 य० फु० पता—62/7/1-त्री ती० मी० रोड़, कलंकसा रिजस्ट्री—महायक आयगर आयुक्त (निरीक्षण) , अर्जन रेज-3, कतकमा द्वारा टारीख 14-5-34 को फार्म 37ईई के अनुसार ।

> शंश्य बनर्जी नक्षन ग्राधिकारी सहायक आपकर आयुक्त ⁷निरीक्षण) अर्जन रेंज--3, कलकत्ता

दिनांक : 11-1-1985

प्रस्य बाह'.डी.एन्.एस.

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता , दिनांक 11 जनवरी 1985

निदेश र्स० 1688/अर्जन रेंज-3/84-85—अतः मुझे शंकर बनर्जी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिन्न ती सं० 176 श्रीर 168/1 है तथा जो विधान सरणी, काकता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्व रूप से वाँणत है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 19-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निख्त में वास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त ऑधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के बिष्; और√या
- (क) एसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से सुविधा के लिए।

बतः अब, उक्त बिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण् में, मैं., उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बधीन निम्बलिखित व्यक्तियों, बर्धात् हु— (1) आनन्द बाजार पत्निका लि॰

(अन्तरक)

(2) शशी प्रभा जैन।

(अन्तरिती)

को बहु सूचना जारी कर्ले पृशासित सम्मित के बर्जन के जिल्ला कार्यवाहियां करता हूं।

उस्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्वना के रावपत्र में प्रकाशन की तारी है है
 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, वां भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख हैं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अशहरताक्षरी के
 पास, सिखित में किए वा सकोंगे।

स्पच्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नवा हैं।

ग्रनुसूची

सम्पति—1/8 ग्रंश (फुल जमीन 14 का॰ 13ख 27 व॰ फु॰ ग्रौर ग्रंशत: 2 तला एवं 1 तला मकान पता—176 विधान सरणी, कलकत्ता 1/8 ग्रंश जमीन 8 क॰ 1 छः 22 व॰ फु॰ पता 168/1 विधान सरणी,

रिजिप्ट्री---रिजिप्ट्री दश्तर द्वारा कल० तारीख 19-5-84 डीब नं० 5691 अनुसार । .

> र्शकर **बनर्जी** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरी**क्षण)** अर्जन रेंज–3, कलकत्ता

दिनांक : 11-1-1985

मोह्दु 🖫

प्रथम कार्ड .टी .ए० एड . ------

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 की 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

धारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्तः, दिनांक 11 जनवरी 1985 निदेश र्सं० 1687/अर्जन रेंजू<math>-3/84-85—अतः मुझे शंकर बनर्जी

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 क अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह दिखास करने का फारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी र्सं० 176 श्रौर 168/1 ई तथा जो विधान सरणी, कलकता में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम (1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 19-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देशय से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृविधा के लिए और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था ख्रिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात :—

(1) आनन्द बाजार पत्रिका लि०

(अन्तरक)

(2) सुरंग कुमार वागुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गास लिखित में किए जा सकेंगं।

स्पब्दिकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 29-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा को उस अध्याय में दिया गया है।

बन्सूबी

सम्पति—1/8 ग्रंग (कुल जमीत 14 क० 13 छ: 27 व० फु० ग्रौर ग्रंग 2 तला एवं 1 तला मकान पता—176 विधान सरणी, कलकत्ताः (2) ग्रंग 1/8 जमीत 8 क० 1 छ: 22 व० फु० पता—1681/1 विधान सरणी राजिस्ट्री—राजिस्ट्री दफ्तर कलकता द्वारा तारीख 19-5-984 डीड नं० 5690 अनुसार ।

र्शकर बनर्जी मक्षम प्राधिकारी महायक आयकर जायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

दिनांक : 11-1-1985

प्ररूप बाइं. टी. एन. एस. - - - ---

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय; सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3. कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 जनवरी 1985

निदेश र्स० 1696/अर्जन रेंज-3/84-85--अतः मुझे र्शकर बनर्जी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गमा है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी र्सं० 10/1 ई तया जो बिक्तयार शाह रोड़, कलकत्ता में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अबीन तारीख 18-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान कितफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने मा उससे चिने में सुविधा के लिए, और/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1'922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था एं किया जाना चाहिए था. छिपान में स्विधा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थाट :— (1) श्री मनमोहन दत्त ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मालका चटर्जी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन 2 क० 5 छः 6 व० फु० पता—10/1, बिन्तियार शाह रोड़, कलकत्ता, रिजस्ट्री—रिजस्ट्री दफ्तर, कलकत्ता द्वारा डीड र्न० I 5646 तारीख 18-5-1984 अनुसार ।

र्णकर बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, कलकक्ता

दिनांक 11-1-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के अधीर स्चरा

भारत सरकार

कार्यालय, महायय श्यकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ताः, दिनांक ।। जनवरी 1985

े निदेश र्स० 1685/अर्जन रेंज-3/84-85--अतः मुझे र्शकर बनर्जी

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 ा 43) (जिसे इसमें इसके प्रवत्तात् 'उदत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- त से अधिक ही

ग्रीर जिसकी र्सं० 16/2पी है तथा जो डोभार लेन, कलकत्ता न स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख 30-5-1984

को पूर्वित सम्पति के उचित बाजार मृत्य से धाम के दश्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है िह यथापर्वितन सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल कर पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक हूप से कथिन नहीं निक्या गया है:--

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के तिए; कीर/या
- (स) एंसी किसी अाय या किसी धन या अन्य आस्तिन को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरियो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 260-घ के अनुसरण ४, भ', उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, वर्षात् --- (1) राजेन्द्र नाथ लाहिडी।

(अन्तरक)

(2) करपना लाहिडी।

(अन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन का अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्ल व्यवितयों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भातर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बद्ध किसी करा व्यक्ति द्वारा अधाहरू स्था के पास लिखित में किए जा स्कोंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया करा है।

अनुसूर्च।

सम्पति—102 ग्रंश (14० 13 छ: 21 व० फु० ग्रौर 3नला मकान, पना 16,2 पी डोभार लेन,

रजिस्ट्री—रजिस्ट्री दक्तर कलकता द्वारा डीड नं॰ I 6215 तारीख 30-5-1984 अनुसार।

> शंकर बनर्जी संभाषा प्राधि हारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन, रेंज–3, कलकत्ता

दिनांक : 11-1-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 11 जनवरी 1985 निदेश स्ं० 1684/अर्जन रेज-3/84-85--अतः मुझे शंकर बनर्जी

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भार 269- खु के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000 रु० से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 176 ग्रौर 168/1 है तथा जो विधान सरणी, कलकता में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कल 5π ा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 19-5-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के लिक्त वाजार मृल्य से कम कं दश्यमान अतिष्णल के लिए अंतरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इद्ध्यमान प्रतिफल का पन्द्रह शितशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रातिफल, निम्निलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिक्ति में बाम्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है

- (क) अस्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर प्रति के अस्तरक के दाणित्र में कमी करने ए उसमें बचने में मुविधा के तिए; जोर/बा
- (क) एगेरे किसी अस या किसी धन या अन्य गास्तियों को, जिन्हों भारतीय सायकार अधिनियम, 1929 (1922 का 11) हा उकत अधिनियम, प्राधन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 वा 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकृष्ट नहीं किया गया था हा किएए हाना नाहिए था, खिलाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात :—

(1) आनन्द बाजार पविका लि॰

(अन्तरक)

(2) उषा किरण वागुंर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों भर स्वना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिट-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इस्सें प्रयुक्त कर्न्यों और पदों का, जो उक्त अधिनिया के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हाँ बड़ी अर्थ होगा को उस प्रध्याय के दिया क्या है।

प्रनुसूची

सम्पति—1 1/8 ग्रंश (कुल जमीन 14 का० 13 छ: 27 व० फु० ग्रौर ग्रंश 2 तला एवं 1 तला मकान पता 176 विधान सरणी, कलकत्ता

श्रंश 1/8 जमीन 8 का० 1 छ: 22 व० फ्० पता 168/1 विधान सर्णी, कलकत्ता

रजिस्ट्री—-रजिस्ट्री दफ्तर कलकत्ता द्वारा तारीख 19-5-1984 डीज नं० 15687 अनुसार।

शंकर बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायक^र ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

दिनांक : 11-1-1985

अरूप आइ. टी. एन. एस . -----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) का भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 जनवरी 1985

निदेण सं० 1683/अर्जन रेज-3/84-85--अतः मुझे, शंकर बनर्जी,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करों का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है भीर जिसकी सं० 176 और 168/1 है तथा जो विधान

म्रोर जिसकी सं० 176 म्रीर 168/1 है तथा जा विधान सरणी, कलकत्ता में स्थित है (म्रीर इसमे उपावढ़ अनुसूची में म्रीर पूर्ण रूप से वणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से व.म के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विकात में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मं कमी करने या उससे बचने मं स्विधा के लिए; और/धा
- (ख) एंसी किसी था किसी घर या अत्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय अयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अंत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (१) है अधीन, निम्निसिस व्यक्तियाँ, अधीत :---

मै० आनन्द बाजार पत्निका लि०

(अन्तरक)

2. श्री पूणम चन्द्र जैन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाध्त हाती हा, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किभी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्पाक्षरी के पास लिखित में किये जा सकरो।

स्पष्टीकरणः --इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स, अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया। गया है।

अनुस्ची

सम्पत्ति — (i) 1/8 ग्रंग (हुल जमीन 14 क. 13 छ० 27 व० फु० ग्रीर ग्रंशन: 2 तस्ता एवं 1 तस्ता मकान, पता 176 विधान सर्णी, कराहता।

(ii) 1/8 म्रंग जमीन 850 1 छ० 22 व० फु० पता—168/1 विधान सरगी। रिजिन्ही—रिजिस्ट्री दफ्टर कलकत्ता द्वारा दिनांक 19-5-84 डीड नं 0.1 5689 अनुसार।

शंकर बगर्जी गंजन प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, कलकक्ता

दारीख: 11-1-1985

प्ररूप वाहां.टी. एन. एस. -----

भायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर काम्केउ (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, विनांक 11 जनवरी 1985

निदेश सं० 1682/अर्जन रेंज-3/84-85-अलः मुझे। शंकर बनर्जी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 5 वी है तथा जो उडवान पार्क, कलकत्ता-20 में स्थित है, (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विण है), रिजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, इलकत्ता में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5-5-1984

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के द्श्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके द्श्यमान प्रतिफल से, एोसे द्श्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से जिथक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तिरती (अन्तरितियां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ब-तंरण न हुई फिसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व मों कमी करने या उससे बचने में नृतिधा के लिए. और/या
- (स) ऐसी किसी अय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) र प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना साहिए था, ख्रियाने में स्विधा के लिए:

 मैं० उडबान पार्क कोआपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि०।

(अन्तरक)

2. श्री अरुण थियागराजन

(अन्तःरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हा।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तर्रींख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील में 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेंकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितजब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निष्ठित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरण :—इसमं प्रयक्त शब्दों और गर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्यी

> शंकर बैनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

तौरीख: 11-1-1985

मोहर ः

प्रस्त्र मार्'. टी. एन. एस. ------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

भार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 जनवरी 1985

निदेश सं० 1681/अर्जन रेंज-3/84-85--अतः मुझे, शंकर बनर्जी,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने के. कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्स 25,000:- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 5बी है तथा जो 5 बी, उडवान पार्क, कलकत्ता में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5-5-1984

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई आर विश्वास करने का यह है कि यथ पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रशिफल का पंद्रह प्रतिशत से अध्यक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंत-रितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहां किया गया है:--

- (क) बन्तरण से हुइ किशी आर की बादत. उकत बिधितियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बार्/का
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय बायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्भ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

 मैं० उडवान पार्क कोआपरेटिव हाउगिंग सोसायटी लि०

(अन्तरक)

2. श्री के० के० जैन

(अंग्डरितीः)

को यह सुपना आरी करके पूना कर सम्पत्ति के अर्थन के निए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त बम्मीत के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उदत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्ण

स्पष्टीकरण: -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होना जो एम कथ्यार ही दिया पराह ।

जनसूची

फ्लाट नं०—5बी
क्षेत—1892.13व० फु०
पता—5 बी उडबान पाक, कलकत्ता-20
रिजम्ट्री—रिजर्स्ट्री दफ्तर ,कलकत्ता द्वारा डीड नं०1
5092 ता० 5-5-84 अनुमार।

शकर बैनर्जी सक्षम प्राधिकारो सहायक घ्रायकर प्रायुक्त (निरोक्षण) अर्जन रोज-3, कलकत्ता

कतः अन्त, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग कं अनुसरम को, मौ, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :----

तारीख: 11-1-1985

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 264-च (1) के अभीन स्चना

भारत बरकार

भार्यालय, महायक आयकर वाय्वत (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनाक 11 जनवरी 1985

निदेश सं० 1680/अर्जन रेज-3/84-85-अतः मुझे, शंकर बनर्जी,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)., की धारा 269-ख क अपीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

स्रौर जिनकी प० 5 बी है तथा जो उडवान पार्क, कलकत्ता-20 में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से वर्णिन है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधोन, तारीख 5-5-84

को पूर्वोवत सम्पित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का नन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तर्ण कि लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी आध की बाबत उपत अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तपुक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः नव, उक्त निधिनियम, की भारा 269 ग के निम्तरण चें, में, तका निधिनियम की धारा 269 ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, नर्थात् :— मै॰ उडवान पार्क कोआपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि॰

(अन्तरक)

2. श्री सी० एस० बैंद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यब्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदी का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया हैं।

अनुसूची

फ्लाट न०-7 जी

क्षेत्र-2015-15 व॰ फु॰, पना--5 बी उडबान पार्क, कलकत्ता-20।

रजिस्ट्री—-रजिस्ट्री दफ्तर, कलकत्ता द्वारा । डीड न \circ I 5094 ता \circ 5-5-84 अनुसार।

शकर बनर्जी सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, कलकता

तारीख: 11-1-1985

मोहर .

ब्रह्म आइं. टी. एन. एस . -----

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यां तय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 जनवरी 1985

निदेश सं० 16 79/अर्जन रेंज-3/84-85--अतः मुझे, शंकर बनर्जी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 176 श्रौर 168/1 है तथा जो विधान सरणी, कलकत्ता में स्थित है, श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19-5-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई हैं और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने था उसमे बचन से सुविधा के लिए: और/बा
- (का) एसी किसी आब या किसी धन या अन्य आस्तिया को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

ा. मै० आनन्द बाजार पत्निका लि०

(अन्तरकः)

2. श्री प्रकाश चन्द्र जैन

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करकं पृत्रांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिध कार्यवाहियां श्रूक करता हूं।

उक्त संपत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीत ए उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो अध्याय में दिया गया है।

, ग्रनुसूची

सम्पत्ति—(1) 1/8 ग्रंश (कुल जमीन 14 का॰ 13 छ॰ 27 व॰ फु॰) ग्रौर ग्रंशतः 2 तल्ला एवं 1 तल्ला मकान। पता—176 विधान सरणी, कलकत्ता।

(2) 1/8 ग्रंश जमीन 8 का० 1 छ० 22 व० फु० पता—168/1 विधान सरणी कलकत्ता। रिजस्ट्री—रिजस्ट्री दफ्तर, कलकत्ता द्वारा ता० 19-5-84 डीड नं० 5692 अनुसार।

शंकर बनर्जी सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

तारीख: 11-1-1985

मोहर 🖫

प्रकल बाहै. टी. एन. एस.-----

सायकर विधिनियम, 1961 (1961 सा 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत् सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज--3, जलकना

कलकत्ता, दिनांक 11 जनवरी 1985

निदेश सं० 1678/मर्जन रेंज-3/84-85--म्रतः मुझे, शंकर वनर्जी

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स्के अधिन सक्षम क्रिक्ट कि का उच्चित का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं ग्रीर जिसकी सें 0 176 श्रीर 168/1 है तथा जो विधान सरणी, कलकता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूचें में श्रीर

कलकत्ता मास्थित ह (श्रार इसस उपाबद्ध अनुसूच म श्रार पूर्ण रूप से वर्णित है), राजिस्ट्रीकर्ता श्राधिकार के कार्यालय, कलकत्ता में राजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 19 मई, 1984

का पूर्वाकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से एसे दश्यमान प्रतिकल का बन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नालांखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तिकल हुए से कांथत हों किया गया है:—

- (क) अन्तरण क रुद्दं किसी आय की बाबस, उद्देश अधिनियम को अधीन कर दोने को अन्तरक के हैं कायित्व में कभी करने या उससे बचने से सुविधा के लिए; आर्/या
- (ख) ऐसी किसा बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, ख्रियान में सुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त जिधाभयम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के जधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

- (1) ग्रानन्द बाजार पत्रिका लि॰।
- (ग्रन्तरक)
- (2) श्री राजेन्द्र बांगुर।

(म्रन्तिरत)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आर्क्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपक में प्रकाकन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्कर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ति संब

सम्पत्ति ——(1) 1/8 म्रंश (कुल जमीन 14 का॰ 13 छ० 27 वर्ग फीट म्रौर म्रंशतः 2 तल्ला एवं 1 तल्ला मकान ।

पता--176, विधान सरणी, कलकत्ता ।

(2) 1/8 अंश जमान 8 के 1 छ० 22 वर्ग फीट पता—-168/1,विधान सरणी,कलकत्ता ।

रजिस्ट्री-रजिस्ट्री दफ्तर, कलकत्ता द्वारा ता० 19 मई, 1984 डीड सं० 5693 के श्रनुसार।

> शंकर बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निर[्]क्षण) ग्रजन्रु रेंज-3, कलकत्ता

तारीख : 11-1-1986

प्रकप बाईं टी. एन. एस. -----

श्रीयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अरवकर आयुक्त (निरक्षिण)

भ्रजन रेंज-3, कलकत्ता

कलकता, दिनाक 11 जनवरी 1985

निदेश सं० 1677/अर्जन रेंज-3/84-85--अतः मुझे, शंकर बनर्जी

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 206 ख है तथा जो एन० एस० सी० बीस रोड, कलकता-47 में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबड़ ग्रनुसूचों में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रांकर्ता ग्रधिकायी के कार्यालय, कलकता में रिजिस्ट्रांकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रजान, तारांख मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कार दोने के अंतरक के दाियत्व में कमी करने या उससे बचने में मृथिधा के लिए; और/या
- (ख) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुन्तिया के लिए;

शतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ंग के, अनुसरण भाँ, भौँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :— (1) श्रा मन्नपूर्णा चटर्जी ।

(अन्तरक)

(2) श्रामानस राय चौधरी।

(ग्रन्तिरती)

को यह स्थना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

डक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों पा से किसी प्रतिस द्वारत
- (थ) इस सूचना के राज्यश्र में प्रकाशन को तारीख सं 45 दिन के गीतर उच्चा प्रायर राज्यां ते में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास रिविचन में पिए जा गर्भेषः

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बाधिनियम के अन्यय 20-दा में परिभाषित हों, वहां अर्थ हारा को उस अभ्याय में दिया गया हों।

बन्स्ची

जमीन—5 क० 3 छ० 6 वर्ग फीड । पता—206 ख एन० एन० मी० जोमरोड, कलकत्ता । रिजस्ट्री—रिजस्ट्री दफ्तर, कलकता द्वारा डीड स० 5186,तरिख मई, 1984 ।

> शंकर बनर्जी सक्षम प्राधिकारो सहायक श्रायकर श्रायुक्त (नि**र**:क्षण) श्रर्जन रेंज-3, कलकत्ता

तारोख: 11-1-1985

मोहर 🤌

प्ररूप बाई : टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 जनवरा 1985

निदेश सं० 1676/अर्जन रेंज-3/84-85---अतः मुझे शंकर बनर्जी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनका अधिनियम' कहा गया हूँ), 'की धारा 269-ख के दाधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० 109/21 ख है तथा जो हाजरा रोड, कलकत्ता में स्थित है (स्रौर इससे इपाबद्ध स्रनुसूच में स्रौर पूर्ण रूप से रिजस्ट्रीकर्ती प्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधःन, तारोख 25 मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान मित्रफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त आधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कभी करने या उससे बचने मों सुविधा के लिए: और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक र किपिनियम, 1002 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने कें स्विधा के लिए:

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के लग्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, न्मिनलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) मैं • फोनेक्स फरचुणा पाले डियां।

(अन्तरक)

(2) श्राम्रजीत कुमारगांगुली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जीधनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुमूची

सम्पत्ति—प्लाट नं० 4 । क्षेत्र—576 वर्ग फाट । पता—109/2ख हाजरा रोड, कलकत्ता । रजिस्ट्री-रिलस्ट्रा दफ्तर, कलकत्ता, द्वारा डोड सं० 2501 25मई, 1984 के अनुसार।

> शंकरे बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, कलकत्ता

तार(ख: 11-1-1985

प्रकृप बाह". टी. एन. एस्.-----

भायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के बधीन सुचना

भारत सर्कार

कार्यानय, सहायक वायकर वाय्क्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-3, कलकत्ता कलकत्ता,दिनांक 11 जनवरें 1985

निदेश सं० 1675/मर्जन रेंज-3/84-85--म्रतः मुझे, शंकर वनर्जी

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वस करने का बारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं े 109/21 ख है तथा जो हाजरा रोड, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूर्वा में श्रीर पूर्ण रूप से , वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधान, तारीख 25 मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गईं है और मूक्षे मह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकल हो, ऐसे दश्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए उस पासा गया प्रतिकल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखत में वास्तिवक रूप से अधिक नहीं किया गया है:---

- [क] अन्तरण में हुई किसी आय की बाबस, उक्त पश्चित्त्वन के प्रजीत कर देने के भ्रम्तरक के दासित्व में कमी करने या उसमें वचने में मुदिधा के लिए; बॉर/वा
- ंत्र) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य अस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया क्या था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

जतः अब, जनत विधिनियम की धारा 269-ग के बन्सरण में, में, उनत विधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) मै० फोनेक्स फरचुणा पाले डियां।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रारंगा गांगुर्ला ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बिधिनियम, के बध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं कर्थ होगा जो उस अध्याभ में दिया गया है।

गगृह्यी

सम्पत्ति—प्लाट नं० 4 । क्षेत्र—404 वर्ग फोट । पता—109/21 ख ह:चरा रोड, कलकता । रजिस्ट्र.—रजिस्ट्रा दफ्तर, कलकता द्वारा डीड सं० 2502 ताराख 25 मई, 1984 के अनुसार ।

> शंकर बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहत्यक ऋायकर ऋायुक्त (निरीक्षण) ऋर्जन रेज∸3, कलकखा

तारीख: 11-1-198

मोहय :

प्रका बार टी. एत. एस. -----

नापकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के वधीन सूचना

भारत स्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकता, दिनांक 10 जनवरी 1985

निदेश सं व 1674|म्रर्जन रेंज-3/84-85---म्रतः मुझे, शंकर बनर्जी

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसको परकार्त 'उन्नत अधिनियम' कहा गया है), की धारा उन्द्र के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा से अधिक हैं

भौर जिस्को सं० 176 श्रीय 168/1 है तथा जो विधान सरको, क्लकत्ता में स्थित (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजित है), रिजिस्ट्रोकर्सा श्रीधकार। के कार्यालय, कलकत्ता में रिजिस्ट्रोकरण श्रीधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रीन, तारोख 1 मई, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दूरमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दूरमान प्रतिफल से, एसे दूरमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए द्रय सावा गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उच्क बंतरण कि सिक्क निम्निलिखित उद्देश्य से उच्क बंतरण कि सिक्क में सुक्त से स्थान मुद्दा किया गया है है—

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में केमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए.
- (ख) एसी किसी नाय या किसी धन या अन्य जारित जां को, जिन्हों भारतीय नायकर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, या धनकर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया खाना चाहिए या खिनाने में सुविधा के निए;

(1) ग्रानन्द बाजार वेतिका लि०।

(ग्रन्तरकः)

(2) श्रीमती गुणमाला देवी जैन।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

डक्त सम्मत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई! भी बास्रेप ह-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हु है 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , खों भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवा कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्यक्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अथोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए वा सकेंगे।

स्थादीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उनक् अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया ाया है।

अनुसूची

सम्पृत्ति—1/8 श्रंश (कुल जमीन 19 क० 13 **छ०** 27 वर्ग फाट) एवं श्रंशतः 2 तल्ला श्रौर श्रंशतः 1 तल्ला मकान , पता—176 विधान सरणा, कलकता ।

1/8 ग्रंश (कुल जमीन 8 क० 1 छ० 225 वर्ग फोट) पता—-168/7, विधान सारणी, ग्ररजिस्ट्री तारीख 19 मई, 1984।

इंडिनं० 1-5694 अनुसार।

शंकर बनर्जी सक्षम प्राधिकारी ृै सहायक स्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज−3, कलकत्ता

तारोख: 10-1-1985

मोहर ᠄

वस्य बार् ल टीं प्रस्ता प्रस्तान न व सनन

भावकत वृद्धिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-व् (1) के व्यक्ति स्वा

प्रारत बरकार

कार्यालय, सहायक जायकर बायुक्त (निर्देक्षिण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 10 जनवरी, 1980

निदेश सं० 1673/एक्यू०रेंज-III/84-85—अतः मुझे शंकर बनर्जी

इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं 0176 एंड 168/1, है, तथा जो विधान सरणी कलकत्ता में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रोर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 19-5-1984

को प्रविक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल् के लिए बन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्यास करने का कारण है कि यथाप्रविक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बृत्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बावत, उक्त बीधीनयम के बधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; बीर/या
- (ण) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

1. जानन्द बाजार पत्निका, लिमिटेड,

(जन्तरक)

2. श्री रमेश कुमार अग्रवाल,

(नन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्प्रीत के ब्र्वन के धिष्ट्र कार्यवाहिया शुरू करता हुं।,

उक्त सम्पत्ति के बुर्वन् के सम्बन्ध में कोई भी बार्क्षण् हु----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं वें 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों गर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतृद पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं ख हैं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए वा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ----इसमें प्रवृक्त कव्यों और पर्यों का, जो उवक अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित् हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा वया हैं!

वन्स्यो

सम्पत्ति, 1/8 ग्रंश, (कुल जमीन 1414 कट्टा, 13 ड॰ 27 व॰ फु॰) एवं ग्रंशतः 2 तल्ला, श्रौर ग्रंशतः 1 तल्ला, मकान, पता: 176, विधान सरणी, कशकता।

1/8 ग्रंश (कुल जमीन 8 कट्टा, 1 छ०, 225 व० फु०) पता, 168/1, विधान सरणी, रिजस्ट्री दिनांक 19-5-84 डीड]नं॰ े , 5688 के अनुसार।

> तंकर बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सङ्घायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

नतः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण ने, ने, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखत व्यक्तियों, अधाँत् ६---

दिनांक 10-1-85 मोहर ध प्ररूप बाइ : टी. एन. एस.-----

बायकर बिधिनियमं, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक नायकर नायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 10 जनवरी, 1985 निदेश सं० 1672/एक्यू०/रेंज-III/84-85—अतः मुझे, कंकर बनर्जी,

बायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के बधीन सक्षम् प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विस्तका उचित बांबार भून्य 25.000/-रु. से निधक हैं

भीर जिसकी सं० 5 बी है, तथा जो उडवान पार्क, कलकत्ता-20 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से बर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 5-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि बंधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, स्तक स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्दह बतियत से बिधक है और जन्तरक (बन्तरकों) और बन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया बतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित ये बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है द—

- (क) बन्तरण से हुई किती बाय की बाबत , उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा दे लिए; ब्रोट्√या
- (क) एसे किसी बाब का किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने औं सुविधा के लिए;

चतः जब, उन्त जिथिनियम की भारा 269-ग को, जनुसरण चौ, चौ, उन्त जिथिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) चै बधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थातः :— 1. श्री स्रोमप्रकश धान्धानिया

(अन्रह)

2. श्री नाथुलाल गुप्ता, ग्रीर अन्य

(अन्वरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी बबीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकरी।

स्पष्टीकरण ह—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्यी

मकान सह् जमीन,

भोत्र : 1 क 6 छ , 20 व फु । पता: 20 शिवणेकुर लेन, कलकत्ता।

रजिस्ट्री : कलकत्ता, 5-5-84 दिनांक को डीड नं • I 5080 के अनुसार।

> शंकर बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

दिनांक: 10-1-85

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यांनय, तहायक नायकर नायक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 10 जनवरी, 1985

निदेश सं॰ 1671/एक्यू रेंज-III/84-85--अतः मुझे, शंकर बनर्जी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 26% के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का काश्ण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000 - रा. से प्रधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 5 बी है, तथा जो उडवान, पार्क, कलकत्ता-20 में स्थित है (ग्रौर इनसे उपावद्ध अनुसूची में ग्रर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 11-5-1984

की पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुफे यह विश्वस करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसक दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाथा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनयम के अधीर कर दोने के अन्तरक अपें दायित्य में कमी करर्या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृविधा के लिए;

 उडवान पार्क, कोआपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि॰ (अन्तरक)

2. श्री एस० एल० बाजोरिया,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी काक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवैक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित में हितसक्ष किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्नत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 69 क्षेत्र — 2015 . 15 व० फु० पताः — 5 बी, उडबान पार्क, कलकत्ता - 20 रजिस्ट्री: कलकत्ता में दिनांक 11-5-84 को डीड गं० I, 5100 के अनुसार।

> शंकर बनर्जी सक्षम प्राधिकारी आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) दे अधीन, रिम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

दिनांक 10-1-85 मोहर : ब्रस्क बाई टी, एनं. एसं. ----

'बाज़्याद अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं धारा 269-च (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक बायकर बायकत (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, कलकत्ता कलकत्ता, दिनाक 10 जनवरी, 1985

निवेशः संक 1670/एक्सू/रेज-ध्धा/84-85--अतः मुझे, शंकर वनजी,

नायकर जी धीनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से जिधक हैं

भौर जिसकी सं० 5 की है, तथा जो उडवान पार्क, कलकता-20 में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर जो पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 5-5-1984

को पूर्जेक्त संपतितः के उचित्र बास्तर सूक्य से का के स्त्यमान प्रतिक स के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिक स से एसे दश्यमान प्रतिक ल का पृत्य, उसके दश्यमान प्रतिक से एसे दश्यमान प्रतिक ल का पृत्य, उसके दश्यमान प्रतिक से और अन्तरक (अन्तरकों) और अतिरती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक निम्निसित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में संस्तिक रूप से किया नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त विधिनियम के बधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचुने में सुविधा के सिए; बाँग्र/बा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों का, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज- वार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के बिए;

जतेश जैंच, उन्हें केचिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, केंद्र अध्या अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) में अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हु---

- उडवान पार्क, को-आपरिध्वि हार्जींसग सोसायटी लि॰ (अन्तरक)
- 2. एन० एस० वैद, ।

(अन्तरिती)

को यह स्थना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को की अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पान लिखित में किए जा सकों थे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्हरू अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ द्वांगा जो उस अध्याय में दिया गमा है।

अग्राम

प्लाप्ट नं ० 8 बी । क्षेत्र 1892/13 व ० फु० पता:-5 बी, उडवान गार्क, कलकत्ता-20 रिजस्ट्री स्थान: कलकत्ता, दिनांक 5-5-84, डीड नं ० 5091 के अनुसार।

> शंकर बनर्जी संझम प्रीधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

दिनांक 10-1-85 मोहर:

वृक्त बार्' हो वृत् वृत् .----

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की वास 269-म (1) वे बचीन स्वना

मार्च इत्राह्य

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 10 जनवरी, 1985

निदेश सं० 1669/एश्यू०/रेंज-III/84-85——अतः मुझे, शंकर बनर्जी,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्में इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाबार मून्य 25,000/रा. से अधिक है

धौर जिसकी सं० 5 बी है, तथा जो उडवान पार्क, कलकत्ता में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन विनांक 5-5-1984

को प्राेंक्त संपत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के दश्यमान प्रितफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे वह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपत्ति का उचित बाबार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे अयमान प्रतिफल आ पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक ही और बन्तरक (बन्तरकार) बौर बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न्लिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण सिचित में वास्तविक रूप से किन्त नहीं किया नवा है है—

- (क) जन्तरण से हुइं किसी जाव की वावत , उपत अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तरे वचने में सूदिया के जिए; और/वा
- (क) एती किसी बाव वा तिल्ली प्रमुख वा बन्ध वास्तिकी को, जिन्हीं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उन्त व्यविनियम, वा धनकर अधिनियम, वा धनकर वार्षितियम, वा विभाने वा वार्षितियम, वा वार्षितियम, वार्षितियम, वा वार्षितियम, वार्यस्तियम, वार्यस्तियम, वार्यस्तियम, वार्यस्तियम, वार्यस्तियम, वार्यस

वतः वन, उनत अधिनियम की धारा 269-ग के बन्तरण के, में, उनत अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के बधीन निम्नितिबत व्यक्तियों वर्धात् :---

- उडवान पार्क, को-आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि॰ अन्तरक)
- 3. श्री शार० एस० मेहता।

(अन्तरिती)

को नह सूचना चारी करके प्रशिक्त सम्मृतित के नर्बन के जिए कार्यवाहिकों करता हो।

वनत् बुम्पृतित् के वर्षन् के बुम्बुन्ध् में कोई भी बाक्षेप् अ---

- (क) इस प्या के रामपन में प्रकारन की तारीस से 45 दिन की नन्दि ना त्रसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामीन से 30 दित की नव्दि। नो मी नविष नाद में समाज होती हो, के भीतत प्रोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच हैं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हिडबर्भ
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास्
 विचित्त में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा चो उस अध्याय में दिया वया है।

नग्यूची

प्लाट नं ० 44 केंद्र 1783.54 व० फु० पता:—5 बी, उडवान पार्क, कलकत्ता-26 प्रजिस्ट्री स्थान : कलकत्ता, दिनोक 5-5-84 की **डीड लं ०** 1 5097 के **अनु**सार।

> शंकर बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, कसकत्ता

विनाक 10-1-85 मोहर: प्रकृष बाद .टी.एन.एस. ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-म (1) के बभीन सूचना भारत सरकार

कार्यासय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-3, कलकत्ता क्षकत्ता, दिनांक 10 जनवरी, 1985

निदेश सं० 1668/एक्यू०,रेंज II_184-85 —अत: मुझे शंकर बनर्जी

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० 5 बी है, तथा जो उजवान पार्क, कलकत्ता-20 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के धीन दिनांक 5-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वात करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाचार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का वन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तक वाबा नवा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य हे उक्त अन्तरण जिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्ट बिधिनियम के बधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा के लिए; बॉर/या
- (क) ऐसी किसी बाव या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्ही भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

् अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग्य के अनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-्य की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस व्यक्तियों, अधीत :---

- उडवान पार्क, कोआपरेटिव हाउसिंग सोायटी लि● (अन्तरक)
- 2. डा॰ विजया चन्नवतीं

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां कुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इत सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्वाचित्रकः — इतमाँ प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभावित इ, बही वर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया यदा है।

वनुसूची

प्लाट नं० 5 है, जो 5 बी उड़वान पार्क, कलकत्तात-20 पर अवस्थित जो रिजस्ट्री हुआ कलकत्ता में 5-5-1984 को हीड नं० I 5102, के अनुसार क्षेत्र 1545 व० फुट।

र्शकर बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्धन रेंज-3, कलकत्ता

दिनांक: 10-1-1985

प्रक्रम बाइं. टी. एन. एस.-----

बाधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायकत (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3 कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 10 जनवरी 1985

निदेश सं० 1667।एक्यू०।रेंज-III/84-85; — अत: मुझे भंकर बनर्जी

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 5 बी है, तथा जो उडवान पार्क, कलकत्ता-20 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूपसे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यलय कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिमांक 5-5-1984

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मूभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितयाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबल, सकत बिधिनियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; बीर/बा
- (भ) ऐसी किसी जाय या किसी भन या जन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

नतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण के, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, जिम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- उडवान पार्क, को-आपरेटिव हार्जीसग सोसायटी लि॰ (अन्तरक)
- श्रीमती शोभा देवी वैद्य,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी गामोद ह—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों दृष्ट सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी अविध बाद में बनाप्त होती हो, के भीतर पृथा कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राज्यन में प्रकासन की तारीब के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकोंगे।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त विधिनयम, के वध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ध द्वारेगा को उस वध्याय में दिवा नवा है।

वगतची

प्लाट नं० 5 जी, जो 5 बी, उड़वान पार्क, कलकत्ता-20 पर स्थित । सम्पत्ति जिसकी क्षेत्र 2015.15 वर्ग फीट रजिस्ट्री हुआ, डीड नं० I, 5095 दिनांक 5-5-84 के अनुसार कलकत्ता में ।

शंकर बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, कजकता

दिनांक 10-1-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्तः, दिनांक 10 जनवरी 1985

निदेश सं० 1666/एक्यू०/रेंज-3/84-85—अतः मुझे शंकर बनर्जी

अ यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण_है कि स्थ्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

स्रीर जिसकी सं० 5 बी है, तथ जो उड्वान पार्क, कलकत्त -20 में स्थित है (स्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्त में रजिस्ट्रीकरण अधिन्यम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 5-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गमा प्रतिफल, निम्नलिक्ति उददेश्य से उक्त अन्तरण लिक्कित में वास्तिवक रूप से कथिए नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम कैसे अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों. अर्थात :---

- 1. उडवान पार्क, कोआपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि॰ (अन्तरक)
- 2. श्रीमती सुशीला देवी श्राफ ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जांभी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

प्लाट नं० 5 बी, उड़शान पार्क , कलकत्त -20 पर अवस्थित क्षेत्र 1545 व० फु० रिजिस्ट्री हुआ ता० 5-5-84 में कलकत्ता में डीड नं० I /5101 अनुतार ।

शंकर बनर्जी सक्षम प्रधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3 कलकत्ता

दिनांक 10-1-85

प्रकव बाइ. टी. एन. एस -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
. अर्जन रेंज-3, कलकत्ता
कलकत्त, दिनांक 10 जनवरी, 1985

निदेश सं० 1665, एक्यू०/रेज-[!], 84-85---अतः मुझे शंकर बनर्जी

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिवारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25.000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 5 बी, है, तथ जो उडवान पार्क, कलकत्त में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनस्ची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिज ट्रीकर्ता अधिक री के कार्य लय कलकत्ता में रिज ट्रीकरण अधि यम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 5-5-1984

का प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मन्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि ग्रंथापूर्वोंक्त सप्रतित का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किशत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के उत्तरक के दायित्व में कमी करणेया उससे बचने में सुविधा के लिए आदि/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था ख्रिपाने में स्विधा के सिए।

अप्तः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में भैं, अकल अधिनियम की भारा 260-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- 1. दि उडवान पार्क को-आपरे दिव हाउसिंग सोसायटी लि॰ (अन्तरिक
- 2. श्री चन्द शेठिया

(अन्तरिती)

को यह मचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों कर स्वना की तामील में 30 दिन की अनिधः जो भी किसी बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति दशास संधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयक्त कव्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हागा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनुमूची

प्लाट नं० 6 पी, क्षेत्र 1545 ब० फ़ु०। पता : 5 बी उडवान पार्क, कलकत ~20 रजिस्ट्री दक्तर, द्वारा 5-5-84 तः० में डीब नं० I 5098 के अनुसार है।

> शंकर बनर्जी सक्षम प्र[']धकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, कलकता

दिनांक: 10-1-1985

प्ररूप बाद'.टा.एन्.एस . -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बाय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता कलकत्ता कलकत्त , दिनांक 10 जनवरी 1985 निदेश सं० 1664,एक्यू०,रेंज- $IVI_{J}84$ -85—अतः मुझे शंकर बनर्जी

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है')., की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करन का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

क िवं सें 5 बी है; तथ जो उडवान पार्क, कलकत्त -20 में थित है अर इ से उपाबद्ध अ सूची ने ग्री : जो पूर्ण रूप से विणित है) राज द्रावता अधिकारा के काय लय कलकत्त में रिजिस्ट्रोकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 5-5-1984

का प्वांक्त सपात्त के उचित बाजार मृन्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्ष यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार अन्य, उसक दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अतिरितियों) क बीच एस अतरण के लिए तय पाया प्रांतफल, निम्निलिखित उद्दश्य स उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप स कथित नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त आधीनग्रम के अधीन कर दीन के अप्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी शाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम या धन-कर अधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कत कव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अमृतरक की, में उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन । नम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन । नम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन । नम्नलिखित व्यक्तियों,

- 1. दि उडवान पार्क को-आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि॰ (अन्तरक)
- 2. श्रीमती चन्द्र लेखा वैद,

(अन्तरिती)

को यह सुचना बारी करके पूर्वोक्त सम्मृत्ति के सूर्यन् क जिए कार्यवाहिया शुरू करता हु।

उनत सपित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीव से 45 दिन की बबिध था तत्रण्यन्थी व्यक्तियों पर सूचना का तामील स 30 दिन की बबिध, बा भी बबिध बाद में समाप्त हाती हा, के भीतर पूबाकत व्याक्तया में से किसी व्यक्ति दुवारा,
- (व) इस स्वना के राजपत्र में त्रकालन की तारीब वं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन्बब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा बधाहस्ताक्षरा क गृख सिंखत में किए जा सकेंग ।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बाधनियम, क बध्याय 20-क म पारभावत है, बहा बर्थ हागा, को उस बध्याय म दिवा स्वाहै।

नन्स्ची

प्लाट नं० 8 जी, क्षेत्र — 2015 व० फु० पता: — 5 बी, उडवान पार्क, कलकत्त -20 र्राजस्ट्री डीड नं० दिनांक 5-5-84 के अनुसार कलकत्त, में राजस्ट्री हुआ।

> शंकर बनर्जी सक्षम प्रधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (।नरीक्षण) अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

दिनांक 10-1-1985 मोहर: प्ररूप बार्च. टी. एन. एत.-----

(1) श्री गोविन्द प्रसाद चटर्जी

(ग्र्यन्तरक)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना (2) श्री पुरुषोत्तम कुमार

(स्रन्तःरतः)

मारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरक्षिण)

म्रर्जन रेंज-3, क्लक्सा-16 कलकत्ता,दिनांक 1 जनवर्र, 1985

निरेश सं० 1663/एक्यू/ऋार-III/8 4-8 5-यतः, मुझे शंकर बनर्जी

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 26५-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रीर जिस्की सं० पं -65 है तथा जो लेव सियू रोड, व लवता स्थित है, स्रीर इससे में पावल ऋतुर्च में और यूर्ण रूप से विणित है (राज ट्रीवर्ता अधिकार, के कार्यालय कलवत्ता में राज ट्री करण साधीनयम 1908 (1508 वा 19) के अध न तर ख जनवरी 198 5

को प्वाक्त सम्पत्ति के उचित का अहर मल्य से कम के द्रियमान प्रित्मिक के लिए अन्तरित की गई है जार मृक्त यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एस द्रश्यमान प्रतिफल का चन्द्रह प्रतिहात से अधिक है और अतरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एस अन्तरण के लिए तम साया गया प्रतिकल निम्निचित उद्देश्य में उक्त अतरण निच्नति में वास्तिकल निम्निचित उद्देश्य में उक्त अतरण निच्नत में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दन के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उसस बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण भें, भैं, उक्त अधिनियम की धारा-269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थां :-- को यह मचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बाधिनियम के बध्याब 20-क में परिभाषिष्ठ ही, वहां अर्थ हागा, जा उस बध्याय में दिया ग्या ही।

अनुसूची

 2^{l} 5 श्रंग 2 तत्ना म हान श्रोर 3 कता 9, छटांक 31/1/2 वर्ग फुट जमें।न

पत:-पा-65, लेक भिउरोड, कलकता-2

कान हता में राजस्ट्रा हुमाडाडन० 2316 ना० 16-5-84 अनुसार

> शंकर बनर्जी सेक्षम प्राधिकारी सहत्यक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरंक्षण) ग्रर्जन रोज-3, कलकता-16

तार् व : 19-10-198 5

प्ररूप बाई .टी .एन .दु । .----

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 4८) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर अन्युक्त (निर्धाण)

अर्जनरेंज 3. कलकत्ता-16

कलकत्ता, दिनांक 10 जनवरी 1985

ानदेश सं० 1662/एक्यू/म्रार-III/84-85-यतः मुझे गाकर बनर्जी बायकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

अधिकर आधानयम, 1961 (1961 की 43) (जिस इसम इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

25,000/- रु. सं अधिक हैं

प्रार जिरका सं० 5-वर है स्थ जो उडवान पार्व, वल्क ता स्थित है

प्रीर इससे (पावड अनुचचा में प्रीर पूर्ण रूप स विणित है)

राजेंस्ट्रोकर्ता ग्राधकारों के कार्यालय कलकत्ता में राजस्ट्रोकरण

ग्राधानयम 1908 (1908 का 16) के ग्रधान ताराख 5-5-84

को पूर्वोक्ष्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास

करन का कारण है कि यथापूर्वोक्ष्त सम्पत्ति का उचित बाजार

मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से एस द्रश्यमान प्रतिफल का

पन्द्रह प्रतिश्वत स अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और

अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एस अन्तरण के लिए तथ

पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दश्य से उक्षत अन्तरण

लिखित भे वास्तविक रूप स क्षिथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त आधीनयम के अधीन कर दान के कर द दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त आधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत् :--- (1) दि उडवान पार्क को-प्रापरेटिव हाऊसिंग सोताईटा

(भ्रन्तरक)

(2) श्री ग्रार० के० बैज

(श्रन्तः ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्थवाहिया शुरू करता हु।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 4.5 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं ० ६ए क्षेत्र——178 38 54 व ० फुट प्रतः——5ब', उडवान पार्क, कलकत्ता—20 र्जान्द्रः दफार द्वारा कलकता में 5—5—84 ता ० डी 5 न ० I 5096 अनुसार राजस्ट्रं: हुई है।

शंकय बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायंकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, कलकत्ता-16

तारीख: 10-19-85

मोहर

प्रकृष बार्ष टी. एन . इच ु-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 10 जनपरी 1985

निदेश सं० 1661/ (क्यू/म्रार-III/8 4-8 5-म्ब्रयतः मुझे शंकर बनर्जी

बायकर बांधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पञ्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा से अधिक है

भीर जिर की स० 5 बं है स्था जो उडवान पार्क, कलवत्ता 20 स्थित है, और इससे उपादक अनुसूच से ग्रीर पूर्ण रूप से विधित है। राजस्ट्र कर्ता ग्राधक री के कार्यालय कलकत्ता में राजरेंट्र - करण ग्राधन नम 1908 (1908 का 16) के ग्रधन तारंख 5-5-84

का पता कर सम्पन्ति के तिस्त बाजार मन्य में कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरिति में) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-निक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के द्वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (था) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आफ्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

ब्बा विकास समितियमा की भारा 269-ग के बनसरण कों, मीं, उक्त अभिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) अबिभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बभात :--- (1) दि उडवान पार्क को+ग्रापरे टव हाऊ सिंग सो आईटी लि०:

(अन्तरक)

(2) श्र: (डा०) थाई एस० जापना

(ग्रन्तः रती)

को यह मुचना चारी करके पूर्वोक्त सभ्यत्ति के वर्षम के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सचना के राजपत्र में पकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्त में हितबद्ध सचना का तामील म 30 दिन का अवध्य, ज भी अवध्य बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति प्वारा;
- (च) इस म्चना के राजपत्र को प्रकाशन की तारीच चै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निक्षित में निक्ष वा सकारों।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हत्या, जो उस अध्याय में दिवा समा है।

बन्स्ची

प्लाट नं०—49 जी क्षेत्र—2015. 15 व० फु० पत ——5व 0, उडकान नार्क, कल कता—2 राजिखा दफार हारा 5—5—84 ता० डीड नं० 1 5099 श्रमुसाय कलकत्ता में।

> र्शकर बनर्जी सक्षम प्राधिकार। सह यक ऋषक्य ऋषुक्त निरक्षण) श्रर्जन रेंजे~3, कलकत्ता।

तरख: 10-1-85

प्ररूप आई टी. एन. एस.----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत बरकाड

कार्यालय, सहायक बायकर बायकत (निरक्षिक)

श्रर्जन रेंज-3, वलकत्ता कलकत्ता, "दनांक 10 जनवर 1985

निदेश सं॰ 1660/्वयू/ग्रार-3/84-85-यतः मुझे शंकर बनर्जी

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसक सं० 5 बं है तथा जो उडवान पार्क, क्लकत्ता 20 में स्थित है, श्रीर इससे उत्तबद्ध अनुसूच में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है (र ज़ड़ीकर्ता श्रीधव रो के कार्यालय क्लक्ता में रिज्यू - करण श्रीध नियम 1908 (1908 का 16 (के श्रध न तारं ख 5-5-84

कों प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मन्य से कम के इश्यमान प्रित्मिक के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृन्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एमें अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नीनिकत उद्देश्य में उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक स्म से कथित नहीं किया गया है के

- (क) अन्तरण में हुई फिमी आय की बाबन, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचन में सुविधा के तिए, और/या
- (क) एमी किमी बाय या किसी धन या बन्य अस्तियाँ को जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयांजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नदी किया गया था या किया जाना चाहिए था, रियान में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात्

- (1) दि उडत्र.न गर्क को आपरे टेव हावसिंग सोस ईटी ल० (म्रन्तरक)
- (2) श्रा (डा०) के०बी० सिंग ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोइ भी बाक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मन्ति में हित्बक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकाग ।

स्यब्दीकरणः -- इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ हागा जो उस अध्याय में दिवा गवा हैं।

वन्स्ची

प्लाट नं० 4बी क्षेत्र—1892 व० फ० पता—5बे. उडवान पार्क, कलकत्ता 20 राज ट्री—5-5-8) ता० डांड नं० 5090 ग्रनुसार

> शंकर बनर्जी सक्षम प्राधिकारी (सहत्यक श्रीयकर श्रीयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, कलकत्ता-16

तारीख: 10-1-85

प्ररूप बाईं. टी. एन. एस. -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज-3,कलकत्ता

कल हत्ता, दिनांक । जन ररी 1985

निरेश सं० 1659/एक्यू/प्रार-3/84-85-यतः मुझे शंकर बनर्जी

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25 000/-रा. से अधिक है

भीर जिसके सं० 62/7/1-र्ब है, तथा जो बलि गंज सरकलार रोड, कलकत्ता में स्थित है, ग्राँर इससे उप बढ़ श्रनुसूच में ग्रीर पूर्ण हप से विणित है (र्राजस्ट्रं कर्ता श्रीधकार के कार्यालय सर्कु लर[[[नें, रोज ट्रांकरण अधिनयन 1908 (1908 का 16) के ग्रधंन तरंख 3-5-84

को पर्वोक्न सम्पन्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफाल के लिए अंतरित की गई हैं और मुफ्ते यह विश्वास फरन के कारण है कि यथापर्वोक्त सम्पन्ति का उचित बाजार अल्बा, लमके दश्यमान प्रतिफाल से, ग्राम लग्गमान प्रतिफाल का अल्ब्स प्रतिशत से अधिक ही और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अल्निरितियों) के बीच गोमं अल्बरण के लिए तय पाया गया अतिफाल, निम्निलिसित उददिष्य में उपल अल्वरण लिखित में नामानिक रूप में किथा गही किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हर्ड किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के डाणित्व में कमी करने या उससे तकने में स्वित्य के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया धा गर किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा खें लिए:

अतः मतः, उक्त अधिनियम को धारा 260-ग के अनमरण कों, मीं, उक्त अधिनियम को धारा 260-घ की उपधारा (1) को अधीन निमन्त्रिक्ति व्यक्तियों, अर्थात :---

- (1) श्रः पशुपात कोश्रापरेटिव हाउसिंग सोताईटा लि॰ (श्रन्तर
- (2) श्रीमती गोतादेवाशर्मा

(भ्रन्तः रेतो)

को यह सूचना जारी करके पर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कायवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पान लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभागित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनुस्तीः प्लाट--- 3 कमड़ा--- 1579 व० फु० प्रता--- 62/7/1-वी वातागंत्र तर्हेलर रोड, कलक्ता रिजिप्टे:--- 1 सर्ह्लर ब्राः-- III में 37 ईई फर्ने श्रनुसार ता० 3-5-84

> शंकर **व जी** सक्षम प्राधिक रं। सहायक आयकर श्रायुक्त (निरंक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, कलकत्ता ।

तारीख: 10-1-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

बायकर वृधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता-16

कलकत्ता, दिनांक 10 जनवरी 1985

निदेश सं० 1658/एक्यू/आर-3/84/85--यतः, मुङ्गे शकर बनर्जी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्का अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 62/7/1—बी है तथा जो वालीगंज सरकुलर रोड कलकत्ता में स्थित है, ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एकु, एकुअ आर-3 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दारीख 03-5-84

को पूर्वोक्त संपित्त के उंचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए रिव्नस्ट्रोकर्ता कार्यालय शिवाजि नगर में धारा 269 ए. बी. के अंतर्गत सक्षम अधिकारी के सम्मूख/के पास रिज-स्ट्रीकृत किया गया है मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तर्ण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय वा किसी धन या जन्य झास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवादनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया बना था वा किया खाना खाहिए था कियाने में स्विधा के लिए;

(1) श्री पशुपति कोआपरेटिव हाउसिंग सोसाईटी लि॰

अन्तरक)

(2) हेम सिंगोरानी

(अन्तरिती)

को यह सूचना भारी कर्क पृक्षांक्त सम्मिति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वींक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नृत्स्यी

प्लाट नं ० ए--- 5 क्षेत्र--- 1595 व ० फु० पठा---- 62/7/1--बी बालीगंज सर्किल्र रोड, कलकत्ता रजिस्ट्री--- 1 एकु, एकुजीशन आर-3 दफ्तर द्वारा 37--ईई फर्म अनुसार ठा० 3-5-84।

> शंकर बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जंन रेंज-3, कलकत्ता

तारीख ंंी 0ं—1-85 मोहर :

प्रकृत सार्षं, टो. एत्. एस्.-----

जायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के स्थीन स्चना

भारत सुरकार

कार्थालय, सहायक श्रायकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज 3, कलकत्ता-16 कलकत्ता, दिनांक 1.0 जनवरी 1985

निदेश सं०1657/एक्यू/आरं-3/84-85--यतः

शंकर बनर्जी

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के निधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृत्य 25,000/- रा. से निधक है

और जिसकी सं० 62/7/1बी० है तथा जो वालीगंज सार्कुलर रोड, कलकत्ता स्थित है, (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एक्यू एकुजीशन आर-3 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 3-5-84

का प्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह् प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाम समा श्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण निश्वित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी, आय की बाबत उक्त बिधिनयम् के बधीन कर दोने के अन्तरक से द्यित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के बिए; बीर/बा
- (क) एसी किसी नाय या किसी भन या अन्य जास्तियाँ का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

बढ़: बब, उस्त निधिनियम की धाए 269-व के बमुखरण में, मैं, उक्त निधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के बधीन निस्तिसित व्यक्तियों, वर्धात :----

- (1) श्री पशुपति कोआपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिः (अन्तरक)
- (2) राजेश बाजाज

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पृवाँक्त संपर्तित के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्चन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वॉक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही वर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया गढा

नन्स्की

प्लाट—क्षेत्र—1100 व० फुट पता—62/7/1बी० वालीगंज सर्कुलर रोड, कलकत्ता रजिस्ट्री—1 एक्यू, एकुजीशन आर-3 दफ्तर द्वारा, 37 ईई फार्म अनुसार ला० 3-5-84

> शंकर बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 3, ग्रहमदाबाद

तारीख: 10-1-85

इस्य बार्च, टी. एन. एव.,---

केशियकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

(1) श्री पशुपति को-आपरेटिव हाउसिंग सोसाईटी लि०: (अन्तरक)

(2) मुरारीलाल आगरवाल

(अन्तरिती)

मारत संस्कार

कार्यांसव, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता-16

कलकत्ता, दिनांक 10 जनवरी 1985

निदेश सं० 1656/एकुजीशन/आर-3/84-85-यतः मुझे शंकर बनर्जी

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्च्त् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संस्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. सं अधिक है

और जिसकी सं० 62/7/1—बी० हैतथा जो वाली गंज सर्कुलर रोड में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आईएसी, एकुजीशन आर—3 में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 3—5—84

को पूर्वोवत सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुफे यह विश्वास करने का कारण कि यह पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरती (अंतरितयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) क्ष्यरण से हुई किसी बाब की वाबस, क्ष्यस्य विधिनयम् के क्ष्यीन कर देने के जन्तरक के दायित्य में कभी करने या स्वस्थे बचने में सुविधा के स्थिए; व्यक्ति/वा
- (ख) ऐसी किसी वार्षे या किसी धेन या बन्य अधित्यों की जिल्हें भारतीय अधं-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजवार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया विदा था वा किया बाना चाहिए था, जियाने में संविधा के जिल्हें।

बतः बब, उक्त विधिनयम की भारा 269-म के बन्धरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के बधीन, निम्नसिखित व्यक्तियों, वर्षात् ः— को बह सूचना बारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के बिए कार्यवाहियां सूक करता हूं।

उन्द सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाहीप :---

- (क) इस सूचना के ख़जपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों भी से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थाकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हूँ, वहीं अर्थ होने को उस अध्याय में दिया न्या है।

अनूसूची

प्लाट—क्षेत्र—1500 व० फु० पता—62/7/1—बी० वाली गंज सर्कुलर रोड, कलकत्ता। रजिस्ट्री—1 एसी, एकुजीशन आर—III दफ्तर द्वारा—37— इइ फर्म अनुसार ता० 3—5—84

> शंकर बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज; कलकत्ता

तारीख: 10-1-85

प्ररूप बाईं टी. एन . एस . -----

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नधीन सुचना

भारत तरकार

कार्यातय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-3, कलकत्ता-16 कलकत्ता, दिनांक 9 जनवरी 1985 निदेश सं० 1655/एकु/आर-3/84-85--यतः मुझे शंकर बनर्जी

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके धरवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 85 है तथा जो इब्राहीमपुर रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 11-5-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में अम्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) नंतरण से हुई किसी नाय की बाबत, उक्त निधानयम् के अभीनं कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; जौर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के निए;

अतः तब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनसम्ब मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अ अधीन, निम्नितिस्ति कासियमा, अर्थात् क्र--- (1) श्री शचीन्द्र नाथ साहा

(अन्तरक)

(2) श्री ग्रारती घोष

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ह⁸।

अन्सूची

जमीन—1 कलकता 5 छ० 12 व० फु उसकी अपर 2 तल्ला मकान

पता--85, इब्राहीमपुर रोड, कलकत्ता रजिस्ट्री--डीड नं० I 2302 ता० 11-5-84 अनुसार

> शंकर बनर्जी ्रैंसक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2, कलकत्ता

तारीख: 9-1-85

माहर 🖫

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

बायकार विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की पाड़ा 269-व (1) के बभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता-16 कलकत्ता, दिनाक 9 जनवरी 1985

निदेश सं ० 1 6 5 4/एक्यू/आर-3/84-85---यतः शकर बनर्जी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की इसमें 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000∕-,रुः. से अधिक हैं

और जिसकी स० 5/1बी है तथा जो देशप्रिय पार्क ईस्ट, कलकत्ता स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से र्वाणत है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता मे रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 11-5-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त सम्पत्ति का उचित्त बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया श्रीतफल निम्नसिवित उद्देश्य से उस्त मन्तरम् निवित् में बास्तविक रूप से कीयत नहीं किया ग्या है :---

- (क) अन्तरण से हुई क्रिसी आय का बाबत, उनत विवस से स्थीन कड़ देने से म्लारक के रावित्य में कती करूने वा उससे ब्यने में बुदिवा के सिए; बौद्ध/बा
- (ब) ऐसी किसी नाव या किसी थन था अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें शारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कह अधिनियुम, 1957 (1957 का 27) के ह्यांबनार्थ बन्दरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया भा वा किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा ने विए

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६---

(1) श्री अनिल कुमार दत्त

(अन्तरक)

(2) बिमान घोष

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्ता संपरित के अर्थन के किए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाबोद है-

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की बर्वीभ, वो भी वर्वीभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पुवांक्छ म्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा वधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, नो उन्त किंधिनियम् के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्थ होगा जो उस वध्याय में दिया गया है।

गृत्युपी

एपार्ट मेन्ट नं ०--- 7 पता-5/1बी देशप्रिय पार्क ईस्ट, कलकत्ता रजिस्ट्री--डीड नं ० I 5318ता ० 11- 5-84 अनुसार

> शंकर बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज-3, अहमदाबाद

तारीख: 9-1-85

मोहर 🛭

प्ररूप बाई .टी . एनं . ऐसं . ------

(1) श्री निबिर कान्ति दत्त

(अन्तरक)

(2) श्रीगौरी घोष

(ग्रन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज-3, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 9 जनवरी 1985 निदेश सं० 1653/एकु/ग्रार-3/84-85-यतः, मुद्र शंकर बनर्जी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 5/1बी है तथा जो देशप्रिय पार्क ईस्ट, कलकत्ता स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित

- है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 11-5-84 को पूर्वोक्त संघत्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित किया गया है:—
 - (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
 - (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधाके लिए;

अताः अब, उक्त अधिनियम् की धारा 269-ग के अनुसरिण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- कों यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-कं में परिभाष्टित है, वहीं कर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्सूची

एपार्टमेन्ट नं०—8 पता—5/1बी० देशप्रिय पार्क ईस्ट, कलकत्ता रजिस्ट्री—डीड नं० 5317 ता० 11-5-84 ग्रनुसार

> शंकर बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रंजैंन रॅंज-3, कलकत्ता

तारीख: 9-1-85 मोहर: प्ररूप बाई.टी.एन.एस्. - -----

नायकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) की भाउर 269-च (1) के स्पीत सूचना भाउत सुरकाड

कार्यालय, सहायक बायकर बायक्त (निरीक्षण) झर्जंन रेंज, जमपुर जयपुर, तारीख 18 जनकरी 1985

म्रादेश संख्या : राज०/सहा० म्रा० म्रर्जन/2523—म्रत: मुझे

मोहन सिंह

अग्रकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पंश्वात 'उक्त अधिनियम' कहा गमा हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार यात्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० प्लाट नं० 831 है तथा जो जोधपुर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जोधपुर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 1 मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूलय से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पल्द्रह प्रतिशतः से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फस, निम्निसित उद्देष्य से उक्त ब्ल्हरण निम्द्र में बास्तिक क्ष्म से कथित नहीं किया गया है दि—

- (वा) जन्तरण से हुइं किसी बाव की वाबत, उक्त जिथानियम को अधीन कर देने को अन्तर्क को दायित्व में कमी करने या उत्तरे वचने में सुविधा के तिए; बॉड/बा
- (स) एने कि की जास या कि सी, भन् या कन्यः का स्तियों को जिन्हें भारतीय बायकर विभिन्न में 1,92,2 (1,922 का 11,) या उन्त् अधिनियम, या धन-कर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खियाने में सुविधा के चिए।

बतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-गृके अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धाराः 269-कः करीः उपस्थासः (तः) के अधीय, निम्नलिखत व्यक्तियों, अर्थात् ह— (1) श्री शिखरचन्द जगबीर चन्द, ज्ञान चन्द पुद्रान श्री गिरनाचन्द ग्रोसवाल, निवासी सरगारा कालोनी, जोधपुर ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुमन डागा, डागा बाजार, जोधपुर

(अन्तरिती)

कारे यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के बर्जन के निष् कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्ष्रेप :--

- (खं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध काद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्स) इस स्वन्ता के समयक में प्रकाशन की दारीख से 45 दिन के भीतर उन्तर स्थावर सम्पत्ति से हितनद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकींगे।

स्पब्दीक्रणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्सूची

पोरशन ग्राँफ प्लाट नं० 831, स्थित सरगारा कालोनी, जोधपुर जो उप-पंजीयक, जोधपुर द्वारा क्रम संख्या 1177 दिनांक 1-5-84 परपंजीबद्ध विकयपत्न में ग्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण अर्जन रेंज 2, जयपुर

तारीख: 18जनवरी 1985

मोहर 🕫

प्रकष्: गार्चु टी.; एवं., एवं ; ----

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के बधीन सूचना

भारत् सरकारु

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, तारीख 18 जनवरी, 1985

म्रादेश संख्या : राज०/सहा० म्रा० म्रर्जन/2524—म्रतः मुझे मोहन सिंह

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 831 का भाग है तथा को जोधपुर में स्थित है, (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय जोधपुर में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 1 मई, 1984

को प्वॉक्त संपित्त के उचित बाबार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करनें का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संस्पित का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं पाया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी कियो आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के स्विभा से सिक्ए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भें, शक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) श्री शिखर चन्द, जगबीर चन्द, ज्ञान चन्द पुत्रान श्री गिरनारचन्द ग्रोसवाल निवासी सरगारा कालोनी, जोधपुर

(म्रन्तरक)

(2) श्री नवरतनमल पुत्र श्री छोटमल डागा, डागा बाजार, जोधपुर

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्त्वी

प्लाट नं० 831 का भाग स्थित सरगारा कालोनी, जोधपुर जो उप-पंजीयक, जोधपुर द्वारा कम संख्या 1175 दिनांक 1-5-84 पर पंजीबद्ध विकय पत्न में ग्रोर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजैन रेंज जयपुर

तारीख: 18 जनवरी, 1985

प्ररूप आईं.टी.एन.एसं.-----

आयकर ब्रिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जुन रेंज, जर्यपुर

जयपुर, दिनांक 18 जनवरी, 1985

म्रादेश संख्या : राज०/सहा० म्रा० म्रर्जन/2525—मृत: मुझे,

आयकरे अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके । श्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-श के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 831 है तथा जो जोधपुर में स्थित है, (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 1 मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिस में वास्तिवक रूप से कथित नहीं कया गया है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा दायित्व के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयक-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

जरा: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 31 ---446 GI/84

(1) श्री शिखरचन्द, जंगबीर चन्द, ज्ञान चन्द, पुत्रान श्री गिरनारचन्द श्रीसवाल, निवासी सरगारा कालोनी, जोधपूर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती लाड कवर पत्नी श्री छोटमल डागा, डागा, बााजार, जोधपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप हु--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इ्वारा;
- (ख) इस सूँचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिशा गया है।

वन्स्यी

प्लाट नं० 831 का भाग स्थित सरगारा कालोनी, जौधपुर जो उप पंजीयक, जोधपुर द्वारा ऋम संख्या 1176 दिनांक 1-5-84 पर पंजीबद्ध विऋय पत्न में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज जयपर

तारीख: 18 जनवरी, 1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा भारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 18 जनवरी, 1985

म्रादेश संख्या : राज०/सहा० ग्रा० ग्रर्जन/2526—ग्रत: मुझे, मोहन सिंह,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है'), की धारा 269- हैं के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का अरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० प्लाट नं० 831 है तथा जो जोधपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जोधपुर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 31 मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथ्था पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिक्रत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंत-रितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया ग्या है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा कें लिए; और/या
- (ख) एँसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय अग्रय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ु— (1) श्री शिखरचन्द, जगबीरचन्द, ज्ञान चन्द पुत्रान श्री गिरनीरचन्द ग्रोसवाल निवासी सरगारा कालोनी, जोधपुर

(ग्रन्तरक)

(2) श्री पारसमल पुत्र श्री छोटमल, डागा बाजार, जोधपुर

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूजाँक्त सम्पत्ति के जर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपृत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ह-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश है 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4/5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिस्ति में किए जा सकों से।

स्वध्दीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिना समा है।

अनुसूची

प्लाट नं ० 831 का भाग स्थित सरगारा कालोनी, जोधपुर जो उप पंजीयक , जोधपुर द्वारा कम संख्या 1488 दिनांक 31-5-84 पर पंजीवद्ध विकय पत्न में ग्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त(निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 18-1-1985

मोहरः

प्ररूप आई.टी.एन.एस.

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकाइ

कार्यालया, सहायक बायकर बायक्त (निर्दाक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 18 जनवरी, 1985

आदेश संख्या: राज०/सहा० आ० अर्जन/2527—अत: मुझे मोहन सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धादा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 831 है तथा जो जोधपुर में स्थित है, (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची है श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जोधपुर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 31 मई,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती रिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया यथा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण विशिषत के बास्तिक रूप से कायत नहीं किया गया है :——

- (क) बन्तरुष, से हुई किसी बाब की वाबता, उक्त अधिनियम के बधीव कर देने के बंतरुक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था छिपाने में सुविधा के बिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) औं अधीय के निम्निबित व्यक्तियों अर्थात् में

(1) श्री सिखरचन्द, जगवीरचन्द, ज्ञानचन्द पुतान श्री गिरनारचन्द श्रोसवाल, निवासी सरगाराकालोनी, जोधपुर

(अन्तरक)

(2) श्री छोटमल पुत्नश्री देवराज जी डागा, डागा बाजार, जोधपुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यद्वाहियां करता हूं।

वक्त इंपरित से अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी नासीय:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी की 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों कर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाहा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं खं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्दें बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुस्यी

प्लाट नं ० 831 का भाग स्थित सरगारा कालोनी, जोधपुर जो उप पंजीयक, जोधपुर द्वारा ऋम संख्या 1485 दिनांक 31-5-84 पर पंजीबद्ध विऋय पत में और विस्तृत रूप से विवरणितं है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज जयपुर

तारीख: 18 जनवरी, 1985

मोहर 🛭

प्ररूप आई.टी एन एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 18 जनवरी, 1985

आदेश संख्या : राजिश्तहा० आ० अर्जन। 2528—अतः

मुझे मोहन सिंह

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्थ 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी भूमि है तथा जो जयपुर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 18 मई, 1984

को पुर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से ऐसे द्रियमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित के बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है हि—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (अ) एसी किसी बाय या किसी धन या जन्य जास्तियों का, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भें, में, डक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन है निम्मलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् है— (1) श्री अमालचन्द मुखरजी
पुत्र श्री ईश्वरचन्द्र मुखर्जी,
निवासी डी-62,

िंद्र स्वाईमाधोसिंह रोड़, बंनीपार्क, जयपुर

(अन्तरक)

(2) मैसर्स रंगामाटी टी०एण्ड टी एण्ड इण्डस्ट्रीज लिमिटेड राधा बाजार स्ट्रीट, कलकत्ता

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

14 बीघा 6 बिस्वा भूमि स्थित ग्राम बिशनावाला तहसील व जिला जयपुर जो उप पंजीयक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 1227 दिनांक 18-5-84 पर पंजीबद्ध विकय पत्न में ओर विस्तृत रूप से विवरणित है

> मोहन सिह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज, जयप र

तारीख: 18 जनवरी, 1985

प्रकप बाई ु टी. एम. एस. -----

बायकर बर्धिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-इ (1) के ब्रधीन सूचना

नारत स्डकाउ

कार्यालय, सहायक वायक द नायुक्त (विद्धीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपूर

जयपुर, दिनांक 18 जनवरी 1985

आदेश संख्या : रा०/सहा० आ० अर्जन/2529—∸अतः, मुझे, मोहन सिंह\$

कायकर किंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है तथा जो जयपुर में स्थित है, (ग्रीर इससे उपाबंद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 18 मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच होसे अन्तरण के लिए तय पाया गया करिकल, निम्निलिक्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक इस से कथित नहीं किया नया है:—

- (क) बंतरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधि-गिवम के बधीन कड़ दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी कड़ने या उससे ब्यूने में सुन्युधा के निष्णः बीर/वा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन वा बन्य बास्तिवां का, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलीस्त व्यक्तियों, अर्थाट :--- (1) श्री गौतम मुखर्जी
पुत्त श्री अमालचन्द मुखर्जी
निवासी प्लाट नं० डी० 62,
सवाई माधोसिंह रोड,
बनी पार्क, जयपुर।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स रंगा माटी टी॰ एण्ड इण्डस्ट्रीज लिमिटेड, राधा बाजार स्ट्रीट, कलकत्ता ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कर्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अनिध, जो भी अनिध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास बिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण हि—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं। मही अर्थ क्रेसा जो उस अध्याय में दिसा स्वा हैं ॥

अनुसूची

12 बीघा 4 बिस्वा भूमि स्थित ग्राम बिशनावाला तहसील एवं जिला जयपुर जो उप पंजीयक जयपुर द्वारा क्रम संख्या 1228 दिनांक 18-5-84 पर पंजीबद्ध विकय पत्न में और विस्तृत रूप से विवरणित ई ।

मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) े अर्जन रेंज, जयपुर अहमदाबाद

तारीख: 18 जनवरी, 1985

प्रकथ बाइंु टी - एन्ः एक्ु≥----

नायकर व्यथितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक जायकर जायकः (निरक्षिण) अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 18 जनवरी 1985

आदेश संख्या : राज०/सहा० आ० अर्जन/2530—अतः, मुझे, मोहन सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्तास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है तथा जो जयपुर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 18-5-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उणित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान्
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उणित बाजार मृत्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह्
प्रतिशत सं अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय्पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
बास्तबिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कह दोने के अन्तरक के शियत्व में कभी करने या उससे बुचने में सृविधा के लिए; और/बा
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के दिए;

(1) श्री प्रदीप मुखर्जी पुत्त श्री अमल चन्द मुखर्जी, डी-62, सवाई माधोपुर रोड, जयपुर।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स गिल्लीधारी टी॰ कम्पनी लिमिटेड, राधा बाजार स्ट्रीट, कलकत्ता।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुई 11

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियां पूर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनस्यी

34 बीघा 8 बिस्वा भूमि ग्राम विशनावाला तहसील एवं जिला जयपुर जो उप पंजीयक, जयपुर द्वारा कम संख्या 1226 दिनांक 18-5-84 पर पंजीबद्ध विकय पत्न में ओर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् व्र---

तारीख: 18 जनवरी 1985

माहर

प्रस्य बाइं टी. एन. एस.

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के बधीन सूचना

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक अग्यकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 18 जनवरी, 1985

आदेश संख्या : राज०/सहा० आ० अर्जन/2531—अतः मुझे मोहन सिंह

जायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क की अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वकर करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० प्लाट है तथा जो जोधपुर में स्थित है, (श्रौर इससे उपाबद्ध अनसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जोधपुर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 18 मई, 1984

की पूर्वोक्त सम्पित्त के उचित बाजार मृल्य , से कम के दृश्यमान मितफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण के लिए तम में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया राग है:-

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त बिधिनियम के जधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसस बचने में सुविधा के सिए; बीट्र/या
- (ब) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयुक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के सिए;

बतः वस, उक्तः विधिनियम की धारा 269-ग कै वनुसरण में, मैं. इक्त विधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्थात् ः—— (1) श्रोमती हीर बाई पत्नी श्री राजाराम मेघवाल, मेघवार्ल कालोनी, जोधपुर ।

(अन्तरक)

(2) श्री मोहम्मद अशर पुत्र हाजी रहमान, चान्दपोल रोड, जोधपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तार्री से से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिला बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी ही पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ण्लाट स्थित मेघवाल कालोनी, जोधपुर जो उप पंजीयक, जोधपुर द्वारा पंजीबद्ध विक्रय पत्न संख्या 1/773 दिनांक 18-5-84 में श्रोर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज जयपुर

तारीख,: 18-1-1985

मोहर 🛭

प्ररूप आई. ट. एन. एस. - - ---

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक सायकर आयुक्त (निद्रीक्षण) अर्जन रोज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 18 जनवरी, 1985

आदेश संख्या : राज०/महा०/आ० अर्जन/2532--अत: मुझे मोहन सिंह

इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करूने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० मकान सम्पत्ति है तथा जो जोधपुर में, स्थित है (और इससे उपाबद अन्सूची में पूर्ण रूप में विणित है। रिजि-स्ट्री कर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय जोधपुर में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 7-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के इश्यमान श्रीप्तफल् को लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल सं, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से उधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे इन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निनियित उद्देश्य से उदत अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण में हुइ किसी अय की वाबत उक्त अधिमियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ख़ेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अतिरित्तो द्वारा प्रकट नहीं किया गाम था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के बन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६—- (1) श्री बूलचन्द पुत्नश्री रामदाससिधी, बाईजीकातालाब जोधपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री भगवानदास
पुत श्री सुखमालचन्द सिभी,
पुरानी चूना की भट्टी,
सरदारपुरा, जोधपुर।

(बन्तरिती)

को यह दुवना पारी करके पूर्वोचक सम्बद्धित के कड़ीन के किए कार्यवाहियां बुक्क करता हूँ।

जनत सम्पत्ति के कर्णन के बन्धन्य के कार्य भी बन्धिर है---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकायन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , को धी अविध बाद में समाध्य होती हो, से धीनर व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति ह्वारा;
- (स) इस सूचना को राजपन को जारीस भी 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्मीस में हित- बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम . के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो दस अध्याय में दिया नवा है है

STATE

पुरानी चूना की भट्टी, सरदारपुरा, जोधपुर में स्थित मकान सम्पत्ति का भाग जो उप पंजीयक, जोधपुर द्वारा क्रम संख्या 774 दिनांक 7-5-84 पर पंजीबद्ध विकय पत्न में और विस्तृत रूप स विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, जयपुर

तारीख : 18-1-1985

मोहर 🛭

प्ररूप बाई .टी .एन .एस . -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकाह -

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनांक 18 जनवरी 1985

आदेश संख्या : राज०/सहा० अ०अर्जन/2533—अतः मुझे,

आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियमं' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 124 सैक्टर 11 है न्या जो उदयपुर में स्थित है, (स्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची मे स्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय उदयपुर रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अतिरत को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ प्रया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण जिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी काय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्यक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा क लिए, आर/बा
- (क) एसे किसी श्राय या किसे एट या अन्य आपस्तरी कारे, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिविध्य के लिए;

बत: बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग कं अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
32—446 GI/84

(1) श्री केशव कुमार पुत्र श्री रेलमलजी सिंधी निवासी बिलोचिस्तान कालोनी, उदयपुर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमंती सीता देवी निवासी सोमकला तहसील गिर्वा, जिला उदयपुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अवधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर स्चना की तागींल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:—-इसमें प्रयक्त जन्दों और पदों का, जो नक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमस भी

प्लानं ० 124, स्थित सेक्ट न ० 11, हिरनमगरी, उदयपुर जो उप पंजीयक, उदयपुर द्वारा क्रम संख्या 1003 दिनांक 19-5-84 पर पंजीबद्ध विकय पत्न में ग्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 18 जनवरी 1985

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.------आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचनः

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 18 जनवरी 1985 आदेश संख्या : राज्०/सहा० आ० अर्जन/2535—अत मुझे, मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० भूमि है तथा जो उदयपुर में स्थित है, (ग्रौर इस उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय उदयपुर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन,तारीख 25-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (इन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिस्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिस्तित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं कया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सूविधा दायित्व के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयक-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्रीमती किरण देवी पत्नी श्री चतर सिंह जी बाबेल, गोबिन्द नगर सेक्टर 13, हिरणमनगरी, उदयपुर (अन्तरक)
- (2) (1) श्रीमती मंज गोपालिया पत्नी श्री दिनेश गोपालिया, 19ए मोगरावाडी, उदयपुर
 - (2) श्रीमती बीना आहलूवालिया पत्नी श्री लक्ष्मीनारायण, एस० आई०सी० आफिस कॉकरोली
 - (3) श्री बाबूलाल सोनी पुत रतनलाल सोनी, नि॰ जडियों की ओल, उदयपुर

- (4) श्री लालित प्रकाश पुत्र भंवरलाल जी वापना, 136, मालदास स्ट्रीट, उदयपुर
- (5) श्रीमती कमला देवी पत्नी श्री बाबूलाल सोनी, जडियों की ग्रोल, उदयपुर
- (6) श्री सुरेन्द्रसिंह पुत्र फूलचन्द जी गीखरु, निवासी बनेड़ा जिला भीलवाड़ा
- (7) श्रीमती रतन गोखरुपत्नी श्री सुरेन्द्रसिंहनिवासी बनेड़ा जिला भीलवाड़ा
- (8) श्रीमती सीमा पगारिया पत्नी राजेन्द्र पगारिया 8 बापना स्ट्रीट, उदयपुर
- (9) श्री विजय सिंह मेहता
 पुत्र श्री प्यारेलाल मेहता,
 सन्तोषसदन, कलशमार्ग,
 उदयपुर
- (10) श्री महेन्द्र तलेंसरा '
 पुत्र कन्हैयालाल
 नि० भण्डारियों की पोल,
 मालदास स्ट्रीट, उदयपुर
- (11) श्री सुरेन्द्र तलेसरा पुत्र कन्हैयालाल नि० भण्डारियों की पोल, मालदास स्ट्रीट उदयपुर
- (12) श्री ललित कुमार खांबया निवासी 153 ए भुपालपुरा, उदयपुर
- (13) श्री चन्द्रप्रकाश जावरिया पुत्र कालूलाल जी जावरिया निवासी उदयपुर
- (14) श्री नवलराम पुत्र कनाजी डॉगी निवासी 3 अशोकनगर, उदयपुर
- (15) श्री सुरेन्द्र सिंह जी गोगरु पुत्र फूलचन्द निवासी बनेडा जिला उदयपुर
- (16) श्रीमती रतन गौखरु पत्नी सुरेन्द्र सिंह गोखरू निवासी बनेड़ा जिला उदयपुर
- (17) श्री हेमेन्द्रकुमार पुत नरेन्द्रकुमार नाबालिंग जिए श्री चतर सिंह जी बाबेल निवासी गोरधन विलास,

गोविन्दनगर हिरनाम नगरी उदमपुर (अन्तरितौ)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे। गया है।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्स्वी

3 बाघा 19 बिस्वा भूमि स्थित गोरधन विलास, हिरण मगरी सैक्टर नं 0 11, गोविन्द नगर, उदयपुर जो उप पंजीयक, उदयपुर द्वारा कम संख्या 1081 दिनांक 25-5-84 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्न में ग्रौर क्सित्त रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज, जयपुर

तारीख: 18-1-1985

मोहर :

प्रकप बाईं.टी.एन्.एसं.-----

नाथकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के नभीन सूचना

भारत सरकाह

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपूर, दिनांक 18 जनवरो, 1985

श्रादेश सख्या: रा०/स ा० श्रा० श्रर्जन/ 2535—श्रतः मुझे मोहन सिंह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धाय 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका अजित बाबार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है:

ग्रौर जिसको सं० मकान सम्पत्ति है तथा जो जोधपुर में स्थित है, (ग्रौर) इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारो के कार्यालय जोधपुर में, रजिस्ट्रोकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16)के ग्रधीन, तारीख 7-5-8 4 को पर्वोक्त संपर्तित के उचित बाजार मुल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गइ और विश्वास करने का कारण है यह यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक

है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्द्रश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण सं हुई किसी आब की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बाबित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी नाय वा किसी भन वा बन्य वास्तिवों का, जिन्हों भारतीय जाय-कर जिमिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बिभिनयम, वा भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने जें सुविधा की लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात 🛭

(1) श्री बूलचन्द पुत्रश्री रामनदास सिंधी, बाई जी का तालाब जोधपूर (३

(ग्रन्तरक) स्ट सिधी

(2) श्रीमतो रुकमनी पत्नी श्री सुखमान चन्द सिधी, पुरानी चूना की भट्टी, सरदारपुरा, जोधपुर (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के क्रियंन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (के) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्नत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित; हौ, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पुरानी चूना की भट्रटी, सरदारपुरा,जोधपुर जो उपपंजीयक, जोधपुर द्वारा क्रम संख्या 773 दिनांक 7-5-89 पर पंजीबद्ध बिक्रय पत्न में ग्रोर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 18 जन्वरी, 1985

प्ररूप आई. टी. एन. एंस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269(घ) (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) स्त्रजन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनाँक 18 जनवरः 1985

म्रादेश संख्या : राज्ञ शृतहा० म्रा० म्रर्जन। 2536--- म्रतः मुझे मोहन सिंह

बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम आधिवारी को यह कि वाम करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्त, जिसका अधिक बाजार ग्रह्म 25 का स्टिन्ट के सी अधिक हैं

और जिसकी स० मकान सम्पत्ति है तथा जो जोधपुर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूर्वा में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ती अधिकार। के कार्यालय जोधपुर में, रिजर्स्ट्र, करण अधिनयम 1903 (1908 का 16) के अधान, ताराख 3-5-1984

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है अगूर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापनीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, गोरे दश्यमान प्रतिफल ला पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरण (जन्तरकारे जरेर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नतिखित उद्देश्य से उन्नत अन्तरण निष्कित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या तससे तकते में सृविधा के िल्ए; और/या
- (श) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आरितयों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए !

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मनोहर लाल पुत्न श्री छोगा लाल लौढ़ा निवासी हनुमानकी भाकरी. जोधपुर ।

(अन्तरक)

(2) श्री मोहम्मद इकबाल
पुत्र श्री ग्रहमदजी एवं
श्रीमती ग्रमीना पत्नी श्री ग्रहमदजी
नागौरा गेट के अन्दर
जोधपुर।

(ग्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए , कार्यवाहिया करना हो ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समात होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकेंगे।

स्यध्यीकरण :---इसमी प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्तं विभिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित इ⁴, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूवी

मकात सम्पत्ति, गिरधी कोट, नाथी राम का ग्राडा रोड, जोधपुर जो उप पंजियक, जोधपुर द्वारा कम संख्या 1191 दिनांक 3-5-8 4 पर पंजिब्द विकय वेत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, जयपुर

तारीख: 18 जनवरी, 1985

शक्य बार्ड ही एन एवं .-----

बाब्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा 269-व (१) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ऋर्ज.रेज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जनवरी, 1985 निदेश सं० श्रई-4/37-ईई/2128/73-84--श्रतः मुझ् र० प्रसाद

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गृया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० स्टाल नं० 36, जो, गोयल शापिंग आर्केड, एस० वि० रोड, बोराविली रेलवे स्टेशन (पश्चिम) के सामने, बोराविली (प), बम्बई-92 में स्थित है (और इससे उपाबढ़ अनुसूचा में और पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 का धारा 269 का ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्र है, तारीख 1-5-1984

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान लिए गइ ंको अन्तरित की विश्वास यह करने का कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके छय-मान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और उन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देवस्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण हें हुई किसी आग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; करि/का
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, अव बनकर अधिनियम, अव बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—— (1) श्रीमती दिवालीबेन धनजीभाईसुरु

(अन्तरक)

(2) श्री केवलचन्द्र जे० जैन

(श्रन्तरिती)

(3) ग्रन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके ऋधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषितः है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

स्टालं नं ० 36, जो, गोयल शापिंग स्नार्केड, एस० वो० रोड, बोरीवली रेलवे स्टेशन के सामने, बोरोबली (पश्चिम), बम्बई-2 में स्थित है।

श्रनुसूचो जैसा कि क० स० श्रई-4/37-ईई $/2128/83 \rightarrow 84$ और जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई, द्वारा दिनांक 1-5-1984 को र्राजस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज,-4, बस्बई

दिनांक: 10-1-1985

च्चेर 🔡 ं

प्रस्य बाई , टी एन एस. ----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्चना

भारत' सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-4, बम्बई

बम्बई दिनांक 10 जनवरी, 1985

निदेश स॰ ग्रई- 4/37ग्रईई/2304/83-84--ग्रत मुझे, ए॰ प्रसाद.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 401 जो 4थी मंजिल, योगो नगर, एक्सार रोड, बोर।वली (प), बम्बई-92 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूचा में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है) ग्रौर जिसका करार-नामा ग्रायकर ग्रिधिनियम 1961 को धारा 269 क, ख के ग्रधान बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-5-1989

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल का पन्तृह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तित में वास्तिबक रूप से किथा नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के द्वाय्त्वि में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957) का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा केलिए;

चतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (।) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् —

(1) श्री विनोद कुमार देवरा

(ग्रन्तरक)

(2) श्रो रमेश ठाकुरदास भाटिया

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप 🚐

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगी।

स्पष्टोकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह[‡], वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ह[‡]।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 401, जो, 4थों मजिल,बो-बिल्डिंग,योगो नगर, एक्सार रोड, बोरोवलो (प), बम्बई-92 से स्थित है।

> ए० प्रसाद सक्षम[ं] प्राधिकारी′ सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-4, बम्बई

दिनांक: 10-1-1985

मोहर 🗓

प्ररूप आई.टी.एन.एस.----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जनवरी, 1985 निर्देश सं० अई-4/87-ईई/2350/83-84--अतः मुझे ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० बी/003, जो, ग्राउन्ड फ्लोर, 18 प्रेम अपार्टमेंट, साईबाबा नगर, बोरीवली (प), बम्बई-92 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विजत है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-5-84

को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित' की मुभ्ते विश्वास करन का कारण कि यथापूर्वों क्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, का कारण है कि उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिष्ठल', निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित' में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है है---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/बा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री ग्रौर श्रीमती अखिलेश कुमार अगरवाल
 - (अन्तरक)
- (2) श्रीमती सुधा बी० भास्कर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर्के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यशिहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों कर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब बं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रन्सूची

फ्लैट नं ० वी/003, जो, ग्राउन्ड फ्लोर, 18, प्रेम अपार्टमेंट, साईबाबा नगर, बोरीवली (प), बम्बई-22 से स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-4/37-ईई/2350/83-84 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1984 को रेजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4. बस्बई

दिनांक: 10-1-1985

मोहरः

प्रकृप बाईं. टी. एन. एस. -----

(1) श्री केशव कृष्ण लिमये

(अन्तरक)

(2) श्री निलेश विश्वनाथ फड़के

(अन्तरिती)

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जनवरी 1985

निर्देश सं० अई-3/37ईई/8022/83-84--अतः मुझे; ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं ० फ्लैट नं ० 22, जो, 2री मंजिल, निर्माणाधीन इमारत, कृष्णा—माई अपार्टमेंट, 107-108, जयप्रकाश नगर, गोरेगांव (पूर्व), वम्बई-63 में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणित है), स्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 209 कख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है तारीख 1-5-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकॉ) और अन्तरिती (अन्तरितियॉ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबते, उजत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरके के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण भौ, भौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग वर्त उपध्या (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थातु:—— का यह स्वना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेष :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकरो।

स्पष्टिकरणः—इसमें अयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नवा हैं

अनुस्ची

फ्लैंट नं० 22, जो, 2री संजिल, निर्माणाधीन इमारत— कृष्णा-माई अपार्टमेंट बिल्डिंग, 107-108, जयप्रकाश नगर, गोरेगांव (पूर्व), बम्बई-63 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कस सं० अई-3/37ईई/8022/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई ढारा दिनांक 1-5-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज-3, बस्बई

तारीख: 10-1-1985

प्रकृष् बाइं.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर नावक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई,दिनांक 10 जनवरी 1985

निर्देश सं० अई-3/37-जी/2500/83-84-अतः मुझे, ए० प्रसाद

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं एस० नं 118, पार्ट-3, सी० टी० एस० नं 917, मिठगर रोड, मुलुंड, बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बंतरण वे हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बीधीयबंग के बधीय कर दोने के बंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, लिया में स्विधा के लिए:

बतः जय, उपत वाधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के रूपीय, निम्निसिस्त व्यक्तियों, वर्धात् :----33---446 GI/84 (1) श्री डी० के० म्हाते

(अन्तरक)

(2) श्री बाबू दस्तगिर नेर्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा:
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया नवा है।

मनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख सं० एस०-85/77 और जो उपरिजस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 4-5-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ंए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 10-1-1985

मांस्ट्र 🛭

प्ररूप बाई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासयः, स्ट**ायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)** अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जनवरी 1985

निर्देश सं० अई-3/37-जी/55/83-84--अतः मुझे, ए० प्रसाद.

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गणा है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर एम्पित, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 184, एच० नं० 7, सी० टी० एस० नं० 1762, मालवनी ब्लिज, बोरीवली तालुका, मालाड, बम्बई में स्थित है। और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ती के कार्यालय, वम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5-5-1984

की पूर्विक्त सम्दित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिक्त के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रनिश्चत से अधिक है और अनरक (अंतरकों) और अंतरिती अन्तरितियों) के शीव एसे प्रनिश्च के लिए स्य पाया गया प्रतिफल, निम्मनिधिन उद्ध्य में उभन धम्बरण लिखित में वास्तिविक कर स इविद गरी हिए गया है:---

- (स) अम्तरण से तुर्ग कि अपार को बायत वश्य अधि-नियम के अधीन करदन के अग्नतरण के बाविस्य वे समी करन या उसने बचन में सुविधा के बिए। धीर,या
 - ्ष) एसी किसी आय या किसी धन वा अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, यो भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान के सविधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग ं अनुसरण माँ, मौँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की ्रारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री काशिनाथ कृष्णा भंडारी और 3 अन्य

(अन्तरक)

(2) श्री गात्रियल जी० कार्निलीअस और अन्य (अन्तरिती)

(3) श्री काशिनाथ कृष्णा भंडारी और अन्य (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) श्री जी० कार्निलीअस और श्रीमती डब्ल्यू० जी० कार्निलीअस।

> (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।

को यह सूचना बारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कांइ' भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह में समाप्त होती हो, के भीतर प्वांकत स्थित्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्यष्ट्यीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्ची

अनुसूची जैसा कि विलेख सं 3074/82 और जो उप-रिजस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 5-5-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 10-1-1985

प्रस्य कार्युः टी. एम. एस. ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

भारत सुरकारु

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जनवरी 1985

निदेश सं० अई-3/37-जी/2541/83-84--अतः मुझे

ए० प्रसाद

शायकर आधिनियमं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सिके पश्चात् 'उंक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० जमीन बे अरिंग नं० एस० नं० 503, एन० नं० 1 (अंश), क्वारी रोड, मालाड, बम्बई में स्थित है। और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 9-5-1984

ने पृथा कित संपत्ति के उचित बाबार मृल्य से कम के दृश्यमान तिफल के लिए अंसेरित की गई है मुक्ते यह विश्वास रने का कारण है कि यह पूर्वोक्त सम्पत्ति का चित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, से दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक अंशर अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य उक्त अंतरण लिखित में वासविक रूप से किथत नहीं किया या है:--

- (क) बन्तरण ते हुई किसीं जाय की बाब्स्, उन्स् अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व वें कभी अपुने या उससे व्यने में सुविधा के निए; और/वा
- (क) एसी किसी बाय वा किसी भन वा बस्क बास्तियों को, जिन्हें भारतीय अयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण , में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यंक्तियों तु अर्थात ं—— (1) श्रीमती चन्द्रकांताबेन बाब्भाई पारेख

(अन्तरक)

(2) श्रीएच० रासूल और 13 अन्य

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वेक्तं सम्मत्ति के बर्धेन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख सं० और जो ऊपर रिजस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक -5-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज़−3, बम्बई।

दिनांक: 10-1-1985

मोहर 🖫

प्ररूप ु बाईं . टी . एन . एस .; -----

बायकर ब्रिथिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-षु (1) के बधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक नायकर नायुक्त (निर्क्षिण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जनवरी 1985

निर्देश सं० अई-3/37-जी/2501/83-84-अतः मुझे, ए० प्रसाद,

वायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त् विधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-इ के वधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से विधिक है

और जिसकी सं० ब्लाक नं० 67, कमरा नं० 2, हिन्दुस्तान चौक, मुलुंड कालनी, मुलुंड, बम्बई में स्थित है। और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित है), रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4-5-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक्ष रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुइं किसी जाम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; बॉर/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सूजिधा के जिए;

जत: जब, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के जन्तरण में, में उक्त विधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के विधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों ज्ञार्थात् हु—— (1) श्रीमती देविका वाईफ आफ मोहनलाल

(अन्तरक)

(2) श्री सुखदेव सिंग गुरुशरन सिंग

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सुम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेष :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतुर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तार्रास से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-कामें परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अपाय में दिया गया है।

वन्यूषी

अनुसूची जैसा कि विलेख सं० एस-1006/79 और जो ऊपरिजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 4-5-1984 को रिजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई।

दिनांक: 10-1-1985

प्रमुप बाद' टी एन एक -----

बावकर विधिनयम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के ब्रधीन सुप्ना

TIES SETTING

कार्यालय, सहायक गायकर जायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई,दिनांक 10 जनवरी 1985

निर्देश सं० अई-3/37-जी/2478/83-84--अतः मुझे, 'ए० प्रसाद,

बाक्कर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विखे इक्कें इसकें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-त के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उज्जित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० बेअरिंग सर्वे नं० 1000, प्लाट न० 80 (अंश), 81 (अंश), सीं० टीं० एस॰ नं० 1208/4 से 6, स्टक्चर्स के साथ रतनसी हिरजी भोजराज रोड, मुलुंड (पश्चिम), बम्बई-80 में स्थित है। और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता के जार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 9-5-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिक्त के लिए जन्तरित की गईं हैं बौर मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्यवभान प्रतिकृत से एसे व्यथमान प्रतिकृत का प्रमुख बतिवत से बिथक है और बन्तरक (अन्तरका) बौर अंतरिती (अंतरितिवा) के बीच एसे बन्तरण के लिए तब पावा गवा प्रतिकृत, निम्निश्चित उद्वर्षय से उक्त बन्तरण लिखित को नास्तरिक रूप से कायत महीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की वाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कबी कर्ने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (क) एसी किसी बाद या किसी धन या बन्य बास्त्यों को, जिन्हें आहुतीय आयकह अदिविषय, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनिषय, या धन-कड अधिनिष्म, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, क्रियाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त का भिनियम की भारा 269-न के बनुसरण में, मैं, उक्त का भिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्नतिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् ह— (1) श्रीमती मनोरमाबाई गंगाधर धारवाडकर

(अन्तरक)

- (2) 1. श्री शिरीष दामोदर म्हात्रे
 - 2. श्रीमती सुनीता बी० शिरोडकर, और
 - 3. श्री जितेंद्र डी० भावसार।

(अन्तरिती)

- (3) भाडूत (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति
 - ्रवह व्याक्त, जिसक अधिभाग म सम्पात्त र्हे) इत

(4) भाडूत . (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पर्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वा के राज्यम में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अवधि वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों, पर स्वा की साबीन से 30 दिन की अवधि, जो भी जवीं वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास चिसित में किए जा सकोंगे।

स्यक्टीकरणः — इतमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्स विभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं हैं, वहीं अर्थ होगा जो उसे अध्याय में दिया गया है।

वनुबची

अनुसूची जसा कि विलेख सं० 2701/83 और जो ऊप-रिजस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 9-5-1984 को रिजस्टर्ड किया गजा है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज-3, बम्बई।

दिनांक: 10-1-1985

प्ररूप बाई वि. एन. एस ुनननननन

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुकता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर वायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 जनवरी, 1985

निदेश सं० म्राई-3/37-जी/2484/88-84---म्रतः मुझे ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० बाट नं० 9, एस० नं० 169 (ग्रंग), 146/ए-2. सा० टी० एस० नं० 260 (ग्रंग), टिक्का नं० 40, रेवेन्यू, बिलेज, नाहर मुलुंड (पिश्चम) बम्बई-80 में स्थित है ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) र जिस्ट्राकर्ती ग्रिधिकारी के कार्यालय बम्बई, में र्सजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 25-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृज्ञे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कृथित नहीं किया गया है

- (क) जन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भगकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः, अब, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीर कि निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. श्रीमती कृष्णा कृष्णलाल खन्ना ।

(ग्रन्तरक)

- 2. (1) श्री धरमपाल भागदत्त चौधरी, ग्रौर
 - (2) श्रीमतो कांताकुमारी धरमपाल चौधरी ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 4/5 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सै 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकरें।

स्पस्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनसङ्गी

श्रनुसूची जैसा कि विलेख सं० एस-3879/82 श्रीर जो उप रजिस्ट्रार बम्बई, द्वारा दिनांक 25-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई।

दिनांक: 10-1-1985

बरूप बाह". टी. एन. एस. ----

अगायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-**थ** (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यां नय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-८, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जनवरी, 1985

निर्देश सं० ग्रई-3/37-जी/2499/83-84—-ग्रत: मुझे, ए० प्रसाद,

कावकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'छक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीव सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० कमरा नं० 3, जो टेनमेंट, नं० 77, सी० टी० एस० नं० 67, मुलुंड, कालोनी, मुलुंड, बम्बई-82 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई, में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 4-5-85 को पूर्वेक्ति समपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंक्स प्रतिकृत से बिधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतिरितशों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नतिस्थित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्स अधिनियम के अधिन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बहि/वां
- (ख) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना बाहिए था, क्रिप्य में मृविधा के सिए की

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं. उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् मन 1. के० एस० इसरानी।

(ग्रन्तरक)

2. श्री हिरावाई लक्ष्मण ठक्कर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यबहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण: इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नया है।

जन्त्ची

म्रनुसूचो जैसा कि विलेख सं० एस-1824/88 म्रौर जो उप रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 4-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-8, बम्बई ।

दिनांक 10-1-1985 मोहर 3 प्ररूप आई.टी.एन.एस .-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-8, बम्बई

बम्बई दिनांक 10 जनवरी, 1985

निदेश सं० ग्रई-3/37/जी/2481/83-84---ग्रत मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थ्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० पिसेस ग्रौर पार्सेल्स, ग्राफ लैन्ड, सर्वे नं० 89, 90/2-3, 91. 92) 93, 252, 358, चेंबूर. सर्वे नं० 86/1. व्हिलेज, बोर्ला मैत्रो, को-ग्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी, के सामने, सायन-ट्राम्बे, रोड, चेंबूर, बम्बई-72 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्री-कर्ता ग्रिधकारों के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम,

1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 4-5-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उन्तित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उन्तित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथा गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :--

1. श्री बसंत गार्डन्स इस्टेट, प्रायवेट लि० ग्रीर ग्रन्य।

(ग्रन्तरक)

ए० ग्रार० ग्रग्नवाल, ग्रौर
 (2) राम कुमार कालीराम ग्रग्नवाल।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्ची

श्रनुसूचे। जैसा कि विलेख सं \circ ैएस-1568/81 श्रौर जो उप रजिस्ट्रार बम्बई, द्वारा दिनांक 4-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर स्नायुक्त निर्रक्षण) स्रर्जन रेंज-3, बम्बई ।

दिनांक 10-1-1985 मोहर: प्ररूप बाहं. टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौ धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायकत (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जनवरी, 1985

निदेश सं० ग्रई-3/37-जी/2482/86-84—- ग्रतः मुझे, ए॰ प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपीति, जिसका उचित बाजार मूल \$5.000/ रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० टेनमेंट, नं० 153, श्रार० सी० बरक नं० 13, चेंबूर कालोनी, सी॰० टी० एस० नं० 27, बम्बई-74 में स्थित है श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ती श्रिधकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक 4-5-1984

को पूर्वोक्त संपीत के उच्लि बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंन्द्रह प्रतिअत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दागित्व में कमी करने या उससे बचाने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरत द्वारा प्रकट नहीं किया करा था के ए जिल्ला जाना चाहिए था. क्रियाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिन्यम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित ग्यक्तियों अर्थात् :--- 34--446 GI/84

(1) श्री मिरमल गुलाबराय पंजाबी ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीं उद्धवदास चिमणदास सुखिजा ।

(अन्तिर्तिः)

(3) (ग्रन्तरिती)

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है।) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाशंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर क्यों कर क्यां कर स्वां कर क्यां कर क्यां कर से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निष्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण :—इसमी प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया

अनुसूचो

ग्रनुसूची जैसा कि विलेख सं० एस० 1769/79 ग्रीर जो मक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकय ग्रायुक्त (निरंक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख: 10-1-1985

इक्ट बाह दी . एन . एस . -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बाधीन मुखना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बम्बई बम्बई दिनांक 10 जनवरीं, 1985

निदेश सं० ग्रई०-3/37-जी/2486/83-84--- ग्रतः मुझे, ए • प्रसाद,

श्रीर जिसकी सं० प्लाट तं० 16 ए और बं१० सर्वे तं० 1000, सं१० एस० तं० 1100, मुलुंड, बम्बई में स्थित है। (श्रीर इतसे उन्बद्ध प्रमुद्ध में श्रीर, पूर्णका से विणत है)। रिजर्ट्रकाति के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16), के अधःत, ताराख 25-5-1984 को पृष्णेक्त संपत्ति के उत्तित बाजार मृल्य से कम के हश्यमान पित्रफल के लिए अन्तरित की गई है और सभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त संपत्ति का उत्तित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरित (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ्याया गया विषय विश्वास करने में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

श्रास्त्रका स हाइ' (कसी डा) है है हाइक तर रिपिनियम के अधीन कर होने में अन्तरह वे दायिल्य में रूजी कारने या तमसे बचने ही सहित्या के सिय; बीर/बा

(स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सविभा के लिए:

अतः अब , उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण आर्ं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अबिधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) मेसर्स वृन्दावन कन्स्ट्रक्शन कम्पनी ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री कृष्ण वृन्दावन को-ग्रापरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड ।

(ग्रन्तिरतेः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजन के लिए जायवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्यां ती स्थितियां पर स्वला की तामील स 30 दिन की अविधि कर की अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत का किन्यों में किसी स्थिता हवारा:
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के गीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरताक्षरी के उक्त निक्ष में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमी प्रयुक्त खब्बों और पवां का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क मी परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय मी दिया गया है।

अनुसूची

श्रनुसूची जैमा कि विलेख सं० एस०-4908/72 श्रौर जो उप रिजस्ट्रार बम्बई द्वारा दिनांक 25-5-1984 को रिजस्टडं किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्राथकर ग्राय्वत (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई।

तारीख: 10-1-1985

प्ररूप आइ⁵.टी.एन.एस. -----

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3 बम्बई बम्बई दिनांक 10 जनवरी 1985

निदेश सं० अई-3/37-जी/2485/83-84-अतः मुझे ए० प्रसाद,

पायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सिक परेषात् 'ज़क्त अधिनियम' कहा गया ही, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 75,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं खंली जमीन व्हिञ्ज नाहूर में पारडी नं० 5, एच० नं० नील सी० टी० एस० नं० 641, मुलुन्ड, बम्बई में स्थित है। (ग्रीर जिससे उपावद्ध अनुसूची में ग्रीर, पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25-5-1984

ने पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि बिल में बास्तिक कम से किथित नहीं कि या गया है :---

- (क) कलारण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शियत्व में कमी करने या उससे बजने में तुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों कर्ता, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्न अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भे, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) मेसस मिनव्हीं डीलर्स प्राइवेट लि॰

(अन्तरक)

(2) मुलुड श्री वैंकुंठ को-आप० हाउसिंग सोसाइटी लि॰ (अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के किहा कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्प्रित्तं के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेष :---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की जनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त (१८००) के मिल्सी व्यक्ति दन्तरा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास निश्चित में किए जा सकोंगे।

स्वच्छीकरण: ----इसमं प्रयूक्त शब्दों और पढ़ों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशाक्ति है, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

अनुसूची जैसा कि विरेख र्स० एस०-4224/82 ग्रीर जो उप-रिजस्ट्रार बम्बई द्वारा दिनांक 25-5-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई।

तारीख: 10-1-1985

प्रकृप बाइ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्चना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्काक्षण) अर्जनरें ज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जनवरी 1985

निदेश सं० अई/3/37-जी/24878/3-84--अतः मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपोत्त, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 16-ए, सर्वे नं० 1000, मृुलूंड, सी० एस० नं० 1166 (श्रश), मृुलूंड, बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में र्राजस्ट्रीकरण ब्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 25-5-84

कां पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिद्वात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय भाषा मया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उश्त अन्तरण का स्था मया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उश्त अन्तरण का स्था में वास्तीवक रूप से कीयत नहीं किया गर्द है :—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत उक्त बिधिनियभ के अभीत कर दोने के बन्तरक के द्यायित्य में कमी करने या उसते बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (श) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) कं प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था क्या जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा की लिया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा की लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-गे की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 डा० जी० के० ठक्कर, श्रौर श्रीमती भानमती जी० ठक्कर।

(अन्तरक)

 कृष्णा वृन्दावन को-आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी, लिमिटेड।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सपित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- ्क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संगत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्तर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहां अर्थ होता, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख नं० 4906_{l} 72, ग्रीर जो उप-रिजस्ट्रार वम्बई द्वारा दिनांक 25-5-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख: 10-1-1985

त्रक्ष्य बाह् . टी. एन. एस् . -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 जनवरी 1985

निदेश सं०आर०ये०सी०नं० 90 1/84-85

मतः मुझे एम० जगन मोहन,

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसके दसके पदचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक है

स्रीर जिसकी सं० प्लाट है, तथा जो रानीगंज सिकिंदाराबाद स्थित है (स्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में स्रीर पूर्णरूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16), के अधीन तारीख मई 84

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिकल के लिए बन्दरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिकल से, एसे स्वयमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिकल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्ट बिधिनियम के अधीन कर देने के बन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बार्डि/वा
- (ख) ऐसी किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिल्हां भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः बन, उन्त बिधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण में, में, उन्त किधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियां, अर्थात् ह— (1) एम,एस० बाबुक्षान बिल्डर्स नं० 5-4-86 से 92 रानी गंज, सिकिंदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) बी०सी०एच०वी० सुब्बाराव, नं० 5-9-8/1 सैफाबाद, हैदराबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के टिन्स कार्यप्राहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पह्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्रांड भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख र 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा स्कॉमे।

स्यव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, की उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

प्लाट नं० 646, 6 मंजिल में नं० 5-4-86 से 92 रानींगंज, सिकिंदराबाद विस्तीर्ग 266 चत्रफुट रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2658,84 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद ।

एम० जगन मोहन सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रें ज, हैदराबाद

तारीख: 8-1-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस-----

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 जनवरी 1985

निदेश सं०आर०ये०सी०नं० 902/84-85 यतः मुझे एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गगा हैं). की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रः. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० प्लाट है, तथा जो वाकर एन सिकन्दराबाद में स्थित है, (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्णरूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16), के अधीन तारीख मई 84

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अंतरित कीगई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यह पूर्वोक्त पूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है , और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के प्रन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा केलिए;

(1) एम०एस० कमल रूप बिल्डर्स, 3-4-183 टी०बी०, सिकन्दराबाद ।

(अन्तरक)

शिवाजीतगर, (2) यू० नागेंदारारा्व, 8-1-313, सिकन्दराबाद

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करको पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, की भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकारन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

अनुसूची

प्लाट नं 0 33 नीचे मंजिल में वाकर टैन सिकन्दराबाद में विस्तीर्ग 700 चतूर फिट रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 256/84 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सिकन्दराबाद में।

> एम० जगन मोहन सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) अर्जन रेंज; हैदराबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख: 8-1-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जनरें ज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 जनवरी 1985

निदेश सं० आर०ये०सी०नं० 903/84-85

यतः मुझे एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी सं० फ्लैट है, तथा जो अमीरपेट, हैदराबाद में स्थित है, (स्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रोर, पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वल्लभनगर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, (1908 1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 84

को पूर्व तिस्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गईं और मृझे यह त्रिश्यास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रितिफल से एसे दश्यमान प्रितिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;
- अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)

के अधीन . निम्निलिखित व्यक्तियों, वर्धात् :--

- (1) श्री शेखर आडोल्फ
- (2) कुमारी श्यामला अडोल्ल्फ,
- (3) मेसर्स मन कन्स्ट्रक्शन प्रा० लि०, ए-102, सन्या अपार्टमेंटस, मासाब टानक हैदराबाद

(अन्तरक)

(2) श्री आर० जयरामन नं० 303, विजया अपार्टमेंटस, यनसीयच, रोड, अमीरपेट, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाष्ति हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अन्स्धी

ए०फ्लैंट नं०-विजया अपार्टमेंट्स, अमीरपेट, ईदराबाद, विस्तींण 1140 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 681,84, रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी वल्लभनगर,

> एम० जंगत मोहत सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 8-1-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरें ज ,हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 जनवरी 1985

निदेग संज्ञार०२ ०सी०नं० 904/84-85---यतः मुझे एम० जगन मोहन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

जौर जिसकी सं० प्लाट है, तथा जो मसाब टान्क हैदराबाद स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि ारी के कार्यलय, वल्लमनगर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितिरों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण तिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक कां दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- ्ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्त्रियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात :—

- (1) (1) श्री शेखर आडोल्फ
 - (2) कुमारी ग्यामला आडोल्फ,
 - (3) मेजर्स मन ःन्स्ट्रक्शनस् प्रा० लि०, ए-102, सत्था अपार्टभेंटस, मासाब टान्क, हैदराबाद (ग्रन्तरक)
- (2) श्री आर० जयरामन नं० 303, विजया अपार्टमेंटस, एनयसीएच, रोड, अमीरपेट, हैदराबाद

(अन्तरिती)!

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहयां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सैं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षारी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उम अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ए० फ्लेटन ० 1 ग्राउंड फ्लोर, शरोन अपार्टमेंटस, 6-2-1216/ 99 से 101, मेथडीस्ट ालोनी, हैदराबाद, विस्तीण 1140 फुट, रिजस्ट्री इत विलेख नं० 774/84, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी वल्लभनगर

> एम० जगन मोहत सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 8-1-1985

प्ररूप बाई. टी. एस. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

भार्यान्य, सहायक जायकर त्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रें ज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 8 जनवरी 1985

निदेश सं०आर०ये०सी०नं० 905/84-85 ---यतः मुझे एम० जगन मोहन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 25.000/-रु. में अधिक हैं

और जिसकी सं० प्लाट है, तथा जो पदमारावनगर सिकन्दराबाद स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 84,

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का आरण है कि यथापूर्वोक्त सम्पन्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है।—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम की अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए: और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—— 35—446 GI/84

(1) एम/एस० कुमार कन्स्ट्रवशन कम्पनी, 6-1-131/132 पदमारावनगर, सिङन्दराबाद

(अन्तरक)

(2) लैला येस्तर फुरियाडो, नं० 185 चेप्पाल बाजार, सिकन्दराबाद (अन्तरिती)

करें यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां श्रूक करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षण 🛶

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए, जा सकोंगे

स्पच्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

काटेज नं० 6 नं० 6-1-131/132, पदमाराव नगर, सिकन्दराबाद में विस्तींण विलेख नं० 260/84 रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी सिकन्दराबाद ।

एम० जगन मोहन सक्षम अधिकारी सहायक्ष आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 8-1-1985

मोहरः

प्रस्य आ**इ**ं.टी.एन.एस.-----

शावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 जनवरी 1985

निदेश सं०आर०ये०सी०नं० 906/84-85---

यतः मुझे एम० जगन मोहन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन है, तथा जो हशमतपेट सिकन्दराबाद स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मारेड पार्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16), के अधीन, तारीख मई 84

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की करने का कारण ' है कि यथा-मुभ्रे विश्वास पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्या, उसके दृश्यमान प्रति-फल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एेसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं पाया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुई किती बाय की बाबत, उक्त बरिधनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक औ दायित्व में कमी करने या उसते बचने में स्विधा के सिन्न्; बीर्/बा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था का किया जाना चाहिए था, छिपान में मृतिका

(1) एम०/एस०टी० लक्ष्मीनारायणा और अन्य हशमतपेट, सिजन्दराबाद

(अन्तरक)

(2) महाराजा कोआपरेटिव हाउसिंग-सोसाइटी, सिंक विलेज, सिंकन्दराबाद

(अन्तरिती)

को यह स्चना जार। करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के वर्जन के विक् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्वच्छीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को इक्त बिधनियम, के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्थ होगा को उस वस्याय में दिया गवा है।

अनुसूची

ए जमीन विस्तींण 2420 चतुर गज हसमतपेट, सिकन्दरा बाद में रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1264/84 रजिस्ट्रीकृती अधि— कारी सिकन्दराबाद

> एम० जगन मोहन सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज, हैदराबाद

बतः बन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण - में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) - अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः---

तारीख: 8-1-1985

प्रस्प बार्ड. टी. एन. एस.-----

भावकर नियानयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सहकार

कार्यालय, सहस्यक वायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज,हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 जनवरी 1985

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 907/84-85—अतः मुझे एम० जगन मोहन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' बहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/-रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन है, जो सिकिन्दराबाद, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मारेडपाल्ली, में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मर्द 84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से क क के दर्शकान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे छ्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में बास्तिवक रूप से कियत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-निवम के अधीन कर दोने के अन्तरक के कायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (क) एसी किसी जाय वा किसी धन या अन्य अस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर आधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अवोधनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा के लिए;

बतः तब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं, इक्त बधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के भ्रथीम, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री एम० प्रेम कुमार, पटेल, काकागुडा, हैदराबाद।

(अन्तरक)

 प्रिया को-आपरेटिव हांडिसग सोसायटी ॄिर्लिमिटड, सिकिन्दराबाद (ग्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ह---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तानीख़ से 30 दिन की जविध, को भी जविध बाद में समाप्त हाती हो, के भी सर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीब ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर सम्मत्ति में हित्यब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए का सकोंगे।

स्पट्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और प्रदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्ची

जमीन विस्तीण 5566 चतुर गज, काकागूडा, सिकिन्दरा-बाद, में रिजस्ट्रीकृत, विलेख नं० 1101/84 रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी सिकिन्दराबाद।

> एम० जंगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज, हैदराबाद

दिनांक 8-1-1985 मोहर :

प्रकप बाइ . टी . एष . एस ह-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आय्क्त (निरक्षिक) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक ९ जनवरी 1985

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 908/84-85---अतः मुझे एम० जगन मोहन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाए 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० घर है, जो बोनेपल्ली, सिकिन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय वल्लभनगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908का 16) के अधीन दिनांक मई 84

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाव की बाबत , उक्त जीधीन कर दोने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा जी सिए; जीर/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत हु— श्री पी० एल० एन० शर्मा,
 5-36, बौनेपाल्ली,
 सिकिन्दराबाद ।

(अन्तरक)

श्री आर० हरिनाथ,
 1-3-8/9/2, सिक्निन्दराबाद।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है। से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्ताक्ष्णी के पाम लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पंद्रीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ज़ों उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ द्वीगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्ची

घर बौनेपाल्ली, सिकिन्दरावाद में विस्तीण 397 चतुर ज जमीन और 1332 चतुर फीट विस्तीण रिजस्ट्री इत विलेख नं 1521/84 रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, वाल्लाभनगर।

> एम० जगन मोहन सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक 8-1-1985 मोहर ः प्ररूप. बाई. टी. एन्. एस. ----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

जहैदराबाद, दिनांक 8 जनवरी 1985

निदेश सं० म्रार० ए० सी० नं० 909/84-85---श्रतः मुझे एम० जगन मोहन

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पञ्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसको सं० घर है, जो सिकिन्दराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से क्रू विणत है) रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय वल्लाभनगर में रिजस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई, 84

को पूर्वाप्तत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उस्त अन्तरण लिखित मे वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

 एस० प्रकाश राव, भ्रौर भ्रन्य 1-8-215/30, पी० जी० रोड, सिकिन्दराबाद

(भ्रन्तरक)

 श्री महेश, 1-8-264, सिंधी कालोनी, एस० पी० रोड, सिंकन्दराबाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स मपित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (खं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सके गे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्ची

घर नं 0.00 1-8-215/10, पेंडर, गास्ट रोड, सिकन्दराबाद में रिजस्ट्रे, क्रुत विलख नं 0.915/84, रिजस्ट्रे, कर्ती ग्रिधिकारी वल्लभनगर ।

एम० जगन मोहन सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक 8-1-1985 मोहर: प्ररूप . बाई . टी . एर . एस . - - - -

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 जनवरी 1985

निदेश सं० ग्रार० ए० सी० नं० 910/84-85—ग्रत: मुझे एम० जगन मोहन

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त 'अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० जमीन है, तथा जो तारनाका, सिकिन्दराबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूचो में ग्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय मारेडपाल्ली में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक मई 84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्टे यह बिश्वास करने का कारण है कि यथाप्बोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल, का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नित में वास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- श्री जी॰ जैदीप रेड्डी, श्रीर ग्रन्य 2-2-3/6, ईस्ट ग्रंबर पेट, हैदराबाद ।

(ग्रन्तरक)

7. श्री साहा वुदयोग को-ग्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी तारनाका, सिकिन्दराबाद ।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप:--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाबन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पक्क निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्त्यी

जमोन विस्तीर्ण 2475 चतुर गज, तारनाका सिकन्दिराबाद में रिजस्ट्रोक्कत विलेख नं० 1271/84, रिजस्ट्रोकर्ता ग्रिधिकारे मारेडपाल्लो

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरक्षिण) ग्रजन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 8-1-1985

प्ररूप बार्झ. टरी, एन. एक.-----

7

कावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत तुरकार

कार्यांनय, सहायक वायकर वायुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 जनवरी 1975

निदेश सं० ग्रा२० ए० सी० नं० 911/84-85—ग्रतः मुझे, एम० जगन मोहन,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह क्विवास करने का जारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

्श्रीर जिसकी सं० जमीन है तथा जो काकागुडा, सिकन्दराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रमुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता, ग्रिधकारी के कार्यालय मारेडापाल्ली में जिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिवांक मई 84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफक्त के लिए अन्तरित की गई हैं और मुफे. यह कि विश्वास करनें के कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिख्त वें बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है कि

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा कें किए; और/का
- (ब) ऐसी किसी बाव या किसी धन या जन्य ब्रास्तियों को, जिन्हों भारतीय ब्राय-कर बिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बिधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसिस व्यक्तियों अर्थान ---- (६) श्री वी० शेषा गिर्दि राव, नं० 9, एस० ध्रार० के० कालोर्न सिकिन्दराबाद ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री प्रदीप हरिदास पोपट ग्रौर श्रन्य नं० 27 जीरा, सिकन्दराबाद

(भ्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्ष्मरी के प्रस लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन विस्तींण 647 चतुर गज काकागूड़ा, सिकन्दराबाद में रिकस्ट्रीकृत लिलेख नं० 1168/84 रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी मारेडपाल्ली।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 8-1-1985

प्रक्ष बार्: टी. एन . एस . -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक बायकार वाय्क्त (निरीक्ण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 जनवरी 1985

निदेश सं० ग्रार० ये० सी० नं० 912/84-85 यत: मुझे, एम० जगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम पाधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसके सं० जमीन है, तथा जो विक्रम पुरी सिकन्दराबाद में स्थित है। ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रन्सूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, मारेडपाल्ली में भारतीय जिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख मई 84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उाचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स बीधनियम के बभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए: बौर/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिषाने पे सुविधा के निष्:

(1) श्री बो ० शांतरिंड्डी नं० बो ०-24, महारानी बाग, नई दिल्लो ।

(ग्रन्तरक)

(2) एम०/एस० बिकमपुरं। कोग्रापरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड, बी० 10, विक्रमपुरी कालोने। सिकन्दराबाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी कन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किये वा सकेंगे।

स्यब्दोकरण :—इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, बो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया ग्वा है।

अनुसूची

जमीन विस्तींण 4 याकरस विक्रमपुरो सिकन्दराबाद में रिजस्ट्रोक्कत विलेख नं० 1188/84 रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी मारेडपाल्ली

> एम∙ जगन मोहन सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज , हैदराबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख: 8-1-1985

मोहर 🕆

प्ररूप बार्: टी. एत्. एस्.-----

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 जनवरो, 1985

निदेश सं० ग्रार० य० सो० नं० 913/84-85 यत: मुझे एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-के के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रूठ. से अधिक हैं

ग्रीर जिसेको सं० घर है, तथा जो मलकाजिंगरी सिकन्दराबाद, स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्णरूप से विणत है(, रिजस्ट्रोकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, गल्लभनगर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 19(8 (1908 का 16) के ग्रधीन तरीख 5/84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिविक रूप से किशत नहीं किया गया है:——

- (ंक) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त विधित्रयण के वधीन कर दोने के अन्तरक के सामित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा की निए; वरि/या
- (ब) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधर के लिए;

बतः भव, उक्त विधिनयम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त विधिनयम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 36--446 GI/84

(1) सी॰एच॰ वारालक्षमाम्मा, नं॰ 4-95, गीतानगर, मलकाजगिरी, हैदराबाद

(म्रन्तरक)

(2) ग्रार० विद्या सागर, 1-9-290/6, हैदराबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मपित्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

.स्पच्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्सची

घर मलकाजिंगरी विस्तीण 218 चतुर गज जमोन ग्रौर 477 चतुर फी विस्तीण र जस्ट्रोकृत विलेख नं० 749/84 रजिस्ट्रेकर्ता ग्रधिकारी वल्लभनगर ।

> एम० जगत मोहत सक्षम ऋधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 8-1-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, हैदरावाद

हैदराबाद दिनाक 8 जनवरी 1985

निदेश स० आर० ए० सी० न० 914/84-85 यत मुझे, एम० जगन मोहन,

अभकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मर्पाल, जियका उचित बाजार म्स्स 25,000, रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी स० जमीन है, तथा जो घटकेस्वार में स्थित है, (श्रीर इससे उपावद्ध अनुमूची में श्रीर पूर्णक्य से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वृष्णाल में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 84 को पूर्वोक्त अभित्त अभित्त के उध्यमान इतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त समपित का उचित बाजार मृत्य, असके दश्यमान श्रीतफल सं,, एस दश्यमान श्रीतफल का पन्द्रह शितशत से विध्य है और अन्तरक (अन्तरकों) और अर्तारती (अन्तरितों) के नीच एमें अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्निस्ति उद्देश्य से उन्देश अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का पन्द्रह भी किया गया है:—

- (क्क) जनतरण से हुई किसी बाब की बाबत, इक्त विधिनियम के वधीन कर दोने के जन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वी प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया या वा किया वाना चाहिए था, कियाने में स्विधी के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की पार्च 269-ग कैं अनुसरण अं, भैं, उफ्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् क्र— (1) श्री जी० भागिरेडडी ग्रौर अन्य, एस० डी० रोड, सिकन्दराबाद

(अंतरक)

(2) एम०एस० एन०एफ०सी० एमप्लाइज कोआपरेटिव हाउसिंग विलिंडग सोसाइटी, मौलाली, हैदराबाद

(अन्तरिती)

सा यह स्थान जारी करके पृत्रांक्त सम्पत्ति के वर्जन के निष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से न 45 दिन की निर्वास सा तरसम्बन्धी व्यक्तिकों पर सूचना की तानीन से 30 दिन की नविष, जो भी नविष बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्तिक्त व्यक्तिस्यों में स्टिमी व्यक्ति ह्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पंति में हितसद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्थम्बीकरणः --- इसमें प्रवृत्त सन्दों और वदों का, को उपकृ विधिनयम, के वध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका भया है।

ग्रनुसूची

जमीन विस्तींण 7 एकरस घटकेस्वार में रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1883,84 ग्रौर 1888,84 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी वृष्पाल ।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदंराबाद

तारीख: 8-1-1985

प्रस्प कार्य औ. एक. एक.-----

नायकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के नधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदरबाद दिनांक 8 जनवरी 1985

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 915,84-85 यतः मुझे, एम० जगन मोहन.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (बिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपर्तित बिसका उचित बाबार मृन्य 25,000/- रा. में अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० जमीन है, जो रेनिगुंटा तिरपाती में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर, पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, रेनिगुंटा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके ध्रयमान श्रीरफल से, एसे ख्रयमान श्रीतफल का पन्तह श्रीतकात से विश्वा है और बन्तरक (अंतरका) और बंतरिती (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक क्य से कथित नहीं किया नवा है है—

- (क) बन्तरण ने हुई किसी बाय की वावत उक्त बीध-नियम के बधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तसे बचने में मृतिधा के लिए: बौर/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन का बन्य अधिस्थों की, जिन्हों आरतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 1!) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बंत: बंब, उन्क्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (१) के अधीन, निम्निसिस्त अयिक्तयों, अर्थात् :—

(1) के॰ रामानायडु, नं॰ 192, अमुपाल्ली, रेनिगुंटा

(अन्तरक)

(2) जी० जे० मोहन, र्न० 37/4, विजायाराघावाचारी रोड, टी० नगर, मद्रास

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पृशांक्त सम्मित्त कं अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप2---

- (क) इस सूचीना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की खबीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचनः की तासील में 30 दिन की त्रविध, जो भी बबीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर बादितयों में से किसी व्यक्तित ह्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बहुप कि.मी अन्य क्षित दनाग अधाह्मसाक्षरीं के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहुरी अर्थे होगा जो उस अध्याय में दियर गया है।

वन्स्वी

जमीन विस्तीर्ण 2 एकरस ग्रौर $4\frac{1}{2}$ सेंटस, रेनिगुंटा में रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 3399/84 रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी चित्त्र ।

एम० जगन मोहन सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 8-1-1985

प्रकष् बाइं टी. एन. एवं

नाथकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के नुधीन सुम्ता

भारत सूरकार

कार्यांसय, सहायक आयकर कायुक्त (निर्देशक)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 जनवरी, 1985

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 916/84-85 यतः मुझे, एम० जगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख को अधीन, सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० जमीन है, तथा जो रेनिगुंटा तिरपाती में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चित्तूर में भारतीय रजिस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित को गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापकों क्त 'संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंदृष्ट् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया यथा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरण सं हुई किसी आव की बावत स्ववध विभिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 192? (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या चन-कर अधिनियम, वा चन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण क्रं, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) क्रे बधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थोढ़:——

(1) ए० किष्णामूर्ति ग्रौर अन्य, लाल बाग रोड, बेंगलूर

(अन्तरक)

(2) जी॰ जे॰ विजाया राघवाचारी रोड, टी॰ नगर, मद्रास

(अन्तरिती)

को यह स्चिना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की दारीस स 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, वो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निक्षित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

ग्रनुपूची

जमीन का विस्तींण 1.58~1/2 एकरस रेनिगुंटा में रिजस्ट्री-कृत विलेख नं० 3400/84 रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी चित्त्र

एम० जगन नोहन सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज, हैदराबाद

तारीख: 8-1-1985

प्ररूप आई. टी, एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रजीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर नायुक्त (निर्क्षिण)

अर्जन रें ज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 जनवरी 1985

निदेश सं०आर०ए०सी०नं० 917, 84-85-यतः मुझे, एम० जगन मोहन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25.000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० जमीन है तथा जो तोकाटा सिकन्दराबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मारेडपाल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16), के अधीन, तारीख 5/84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाद की वावत उक्त बीध-निवस के बधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तसे वचने में सुविधा के निए; बीद/वा
- (व) एसी किसी नाव या किसी धन वा नन्त नास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना खाहिए था, लिपाने में मृविधा के सिहः

क्त: वब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्यरण वं, वं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) एल० याल्लाय्या ग्रौर अन्य, सिकन्दरबाद

(अन्तरक)

(2) दी॰ सेजीवाय्या नगर कोआपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड, 106, जयंती अपार्टमेंटस, बेगमपेट सिकन्दराबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप इन्न

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति क्ष्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए वा सकेंगे।

स्पब्दोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्त्यी

जमीन विस्तींण 2420 चतुर गज बोनेपाल्ली सिकन्दराबाद में रजिस्ट्रीकृत क्लिख नं० 1150/84 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मारेडपाल्ली

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 8-1-1985

मोहर 🗓 .

प्रकप् बाइं. टी. एन्. एस. ----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 जनवरी 1985

निदेश सं० आर०ए०सी० नं० 918,84-85—यतः मुझे एम० जगन मौहन

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/- से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० घर है, तथा जो तिकपाती में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्णरूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तिरपाती में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5/84

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम क दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह िन्छ्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार यून्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से किया गया हैं:—

- (क) बन्तरण वं हुई किसी बाब की बाबत, उपक अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरण के दासित्य मों कमी करने या उससे बनने मों सुविधा के लिए; और/वा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बिधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती इवारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना बाहिए था, दिपाने में सुविधा के लिए;

(1) के॰ सुब्याय्या सेट्टी श्रौर अन्य, 381 भावानी नगर, तिरूपाती

(अन्तरक)

(2) श्री धरमी चन्द, नं० 177, बाजार स्ट्रीट, तिरूपती

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को कर्जन के मिष् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारींस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरीं के पास लिखित में किए वा सकेंगे।

म्पध्याकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जी उस अध्याय में दिय गया है।

बन्स् पी

घर नं ० 127 पेरला स्ट्रीट तिरूपती, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं ० 2531/84 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी तिरूपती .

एस० जगन मोहन सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसर्भ मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

तारीख: 8-1-1985

प्रस्य बाई. टी. एन. एस. ------

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा 269-व (1) के अधीत स्वता

भारत तरकार

सहायक बायकर बायुक्त (जिर्नेक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 जनवरी 1985

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 919/84-85- यतः मुझे एम० जमन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है कि धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रास्थिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं प्लाट है, तथा जो बेगमपेट, हैदराबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची गें ग्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बल्लभनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 5/84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यह पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) वंतरण से हुई किसी बाय की वावत, उक्त रुपिन्यम के अधीन कार दोने के वंतरक के ग़ाबित्व में कामी:कारने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बॉर/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया आ बा किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा की निए;

बत: बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :---

 श्री पी० जगदीश रेड्डी, ग्रौर अन्य 7-1-21/3, बेगमपेट, हैदराबाद।

(अन्तरक)

 श्री एन० मोहन राव, ए/1/134, मयूरी अपार्टमेन्ट, बेगमपेट, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृतिक के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनंत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पर्ध्वाकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम के वध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ध होगा जो उस अध्याय में दिखा गया है।

अनुसूची

प्लैट नं० 34, तीसरा मंजिला, मयुरी अपार्टमेन्टस बेगमपेट, हैदराबाद, विस्तीर्ण 847, चौ० 4 फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 745/84, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी बल्लभनगर।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक 8-1-1985 मोहर : प्ररूप बाई. टी. एन. एस. -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना.

भारत सरुकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 जनवरी 1985

निदेश र्सं० आर० ए० सी० र्नं० 920/84-85---अतः मुझे एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० फ्लैंट है तथा जो आशोकनगर, हैदराबाद में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 5/84

को प्रांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कंम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित को गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सर्विधा के लिए; और/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

बत: जब, उक्त निधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण को, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के जधीन, निस्नलिखित व्यक्तियों, वर्धात :—

मैंसर्स महता टावर्स, बाई श्री एम॰ मेहता,
 2-4-65, एम॰ जी॰ रोड, सिकन्दराबाद।

(अन्तरक)

ए० पी० जूडीशियल आफिसर्स एसोशिएशन बाई: श्री, जी० राधाकृष्ण राब,
 1-1-293/4,
 आशोक नगर, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिसा गया है।

नन्त्रची

पलैट नं० 1-1-293/4, आशोक नगर, हैदराबाद विस्तीर्ण 1350 चौ० फु० रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2623/84, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद ।

एम० जगन मोहन सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 8-1-1985

प्रकृताहुं. टी. एन्. एष्. व्यवस्था

बायकर वृष्टिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के वृष्टीन स्वन.

बारक सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आर्युक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 जनवरी 1985

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 921/84-85--अतः, मुझे, एम० जगन मोहन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहा से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० पलेंट हैं, तथा जो आशोकनगर, हैदराबाद में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 5/84

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य है कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है हिन्स

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (वं) एंसी किसी नाय या किसी धर्म वा अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या चन-कर अधिनियम, या चन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाई में सुविधा के लिए;

बत: बब, उक्त बिधिनयम की धारा 269-ग क, बनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—— 37=446GI/84

- मैसर्स मेहता टॉवर्स, बाइ श्री एम० मेहता,
 2-4-65, एम० जी० रोड, सिकन्दराबाद,
 (अच्चरक)
- 2. श्री ए० पी० ज्यूडीशियल आफिसर्स एसोसिएशन बाइ श्री राधाकृष्णा राव, 1-1-293/4 आशोक नगर, हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना चाडी करके पृश्निक सम्पृतित के बर्धन के निरं कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बार्श्वपूर्ज

- (क) इस त्यना से रायपण में प्रकासन की ताडींस से 45 दिन की नदींथ या तत्स्यन्थी व्यक्तियों पर स्थान की तामीस से 30 दिन की नदींथ, जो भी स्वीप नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवित्व व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति
- (क) इस स्थान के राज्यन में प्रकावन की तारीय के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बक्ष किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाद निविद्य में किए वा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अनुसुकी

फ्लैंट नं॰ 101, 1-1-293, 4, आशोक नगर, हैदराबाद, विस्तीर्ण 1846 चौ॰ फुट, रजिस्ट्रीकृन, विलेख नं॰ 2622/84 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 8-1-1985

प्रक्ष. बार्ड. ती. एन. एम्. - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा १६८-व (;) के अधीन सुचना

भारत स्रकार

कार्याक्षय, महायक जायकर कायक (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदऱावाद, दिनांक 8 जनवरी 1985

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 922/84-85—अतः, मुझे, एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'एक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इट के अधीन मक्षण ग्राधिकारी की यह दिश्यम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मूल्य 25.000 का से राजिस है

स्रोर जिसकी सं० फ्लैंट नं० है तथा जो आशोक नगर, हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजिश्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 5/84

को पूर्वित सम्पत्ति ते एक्ति बाजार मूल्य हे कम के दश्यमान प्रतिकार के लिए अन्तरित की गर्ट है और मूझ यह विद्यास करते हैं कारण है कि स्थापयोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके दश्यमान जोत्काल सं, एसे दश्यमान जित्कल का मंद्रह जितशत से अधिक हो और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एेसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्षल निम्नीनिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) बन्तरण सं धूर्ण किसी बाव की बावत , स्वक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक क बादित्व में कभी करने या अससे बचने में सूविभा औं जिए; और/बर

गतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, म^a, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीर, निम्निविसित व्यक्तिओं, अर्थात ६ मैसर्स मेहता टॉनर्स बाइ श्री एम० मेहता
 2-4-65, एम० जी० रीड, स्किन्दरावाद ।

(अन्तरक)

श्री महर शिवाजी ⁴सिंग,
 फ्लैंट न० 306, 1-1-293/4,
 आशोक नगर, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हो ।

नवह समिति । ५७६ हे होता में कार्त भी बाबंप इ-

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी दाधि जाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त करिन को को स्वीतर के सितर पूर्वीक्त
- (१) ६५ १८-६। वा २८ १८ १ प्रकारत को तारी से 45 १४२ - भीतर छट रथायर सम्मतित में हितबह्ध किसी अन्य न्यांतिक पुकारत, अभीव्यताक्षरी के पास लिखित

स्पष्टीकरण: -- इसमें अस्ति शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्यार 20-क में परिभाषित हाँ, उहां अर्थ होगा जो उस अध्याम में दिया गया है।

धनसंखी

फ्लैंट नं० 306, 1-1-293/4, आशोक नगर, हैदराबाद, विस्तीर्ण 921. चौ० फु०, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 2625/84, रिजस्ट्रीकृती अधिकारी, हैदराबाद ।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी राहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 8-1-1985

मोहर 🥲

प्ररूप आर[®] टी. एन्. एस.-----

मायुकर मुधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध् (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यान्य, सहायक अध्यकर आयुक्त (निर्धिक्ष)

अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 8 जनवरी 1985

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 923/84-85---अतः, मुझे, एम० जगन मोहन

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रू. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० फ्लैंट है तथा जो अशोक नगर, हैदराबाद में स्थित है (स्रौर इससे उपावद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 5/84

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और भूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपीत्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और बन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे अन्तर्भ के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तर्ण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण है हुई किनी बाब की जाबत, उक्त बिधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे नवने में सुनिधा के निए; बौर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, खिपान में सुविधा के लिए;

बतः वदः, उन्स् अभिनियम की भाषा 269-ए की अनुसरक में, में, उनत अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

- मैसर्स मेहता टावर्स बाइ श्री एम० मेहता
 2-4-65, एम० जी० रोड, सिकन्दराबाद ।
 (अन्तरक)
- श्री एम० मल्लन्ना पति एम० कोटेस्वर राव, फ्लैट न० 208, मेहता टावर्स, 1-1-293/4, आशोक नगर, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उत्त स्थानर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी सन्य व्यक्ति द्वारा अधादृस्ताक्ष्री के पास निविद्य में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया यवा है।

ग्रनुसूची

फ्लैट नं० 208, 1-1-293/4, आशोक नगर, हैदराबाद; विस्तीर्ण 1168, चौ० फु०, रजिस्ट्रीकृते विलेख नं० 2624/84, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदरावाद ।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 8-1-1985

प्ररूप आर्द. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 जनवरी 1985

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 924/84-85-अतः, मुझे, एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट है तथा जो आशोकनगर, हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 5/84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लि;
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोक्तियों अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया सा का सा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा से किए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

मैसर्स मैतहा टावर्स, बाइ श्री एम० मैहता,, 2-4-65, एम० जी० रोब, सिकन्दराबाद।

(अन्बरक)

2.जश्रीमती व्ही० वेंकटय्या, पति नरसीम्हा राव, 1-1-293, 4, आशोक नगर, ईदराबाद, । पलैट र्न० 204

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्ष्प :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकावन की तारील से 45 दिन की नवीं या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचता की तामीन से 30 दिन की नवीं में भी नवीं वाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्वारा;
- (ख) इस सूचता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध कि सी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः ---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो अक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया मया हैं।

अनुसूची

फ्लैट नं० 204, 1-1-293/84, आशोक नगर, हैदराबाद विस्तीर्ण 1605 चौ० फु०, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2626/84 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद ।

एम० जगन मोहर्न सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 8-1-1985

प्ररूप आई.टी. एन. एस. -----

ायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को भारा 269-म(1) के अधीन सूचना

भाइत सरकार

कार्यालय, सहाबक जायकर आवृत्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, बिनांक 9 जनवरी, 1985

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 925/84-85--यतः मुझे, एम० जगन मोहन,

आवस्त्र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) अ(जिसे इसमें इसके पक्कार 'इक्स अधिविषय' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का काम्प हैं कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृल्य

25.000/- रु. से अधिक हैं श्रीर जिसकी सं० गेरियज है, तथा जो हैदरगुडा, हैदरबाद में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चिक्कड़पल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 5-/84

को पूर्वोक्त सम्पन्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रिक्तिस्स के लिए अन्तरित की गई है और भूमों यह विस्थास करने का करण है कि यथापूर्वोक्त संपन्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल के एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पन्द्रा ग्या प्रतिफल, निम्नितियों के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पन्द्रा ग्या प्रतिफल, निम्नितियों के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पन्द्रा ग्या प्रतिफल, निम्नितियों के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पन्द्रा ग्या प्रतिफल, निम्नितियों के बीच प्रतिका में वास्तिविक स्था से का यस नहीं किया पन्दा है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उकत अधिनयात्र को अधीन कर दोने को अन्तरक को स्रियस्य को अधी करने या उससे बचने में स्कृषिधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकह अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिषाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्क अधिनिकम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निकालिक व्यक्तिकों अधीन के

- (1) मेंसर्स मातृश्री इंजीनियर और बिल्डर्स, प्रा० लि०, 3-5-873, हैदरगुडा, ईदराबाद (अन्तरक)
- (2) श्रीमित के० सरोजिनी देवी, 1-1-939/1, ओल्ड मलकपेट, हैदराबाद व

(अन्तरिती)

की यह सूचना जाएी करूके मृत्रोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी साक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो मी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हिद्रबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखन यों किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

गेरियज, मातृश्री अपार्टमेंटस, हैदरगुड़ा, हैदराबाद, विस्तीण 225 चौ० फु० रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 390/84, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चिक्कड़पल्ली ।

एम० जगन मोहन ब्रुसक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 9-1-1985

मोहर 🖫

प्ररूप बार्च हो. एन एस् -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के बधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर वायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रें ज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 जनवरी 1985

निदेश सं० आर० ये० सी० नं० 926/84-85-यतः, मुझे, एम० जगन मोहन, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य

25,000/- रत. से अधिक है ग्रीर जिसकी सं० गेरियज है, तथा जो हैदरगुडा हैदरबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चिक्कड़पली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5-4-84 को पूर्वोक्त संम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रक्षिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों), और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण [लिखित में वास्तिविक रूप से कृषित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बावत उक्त अधिन नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करुमें या उल्से बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियाँ को, जिन्हें भारतीय नाय-कर निधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सविधाके लिए:

बतः बब्, उक्त विभिनियम की धारा 269-ग के वनुसरण में. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के वधीग, निम्नविश्वित व्यक्तियाँ, वर्थात् :---

(1) गैसर्स मातृश्री इंजीनियर श्रीर बिल्डर्स प्रा० लि० 3-5-873, हैदराबाद,

(अन्तरक)

(2) के० कीरन पिता के० बालचंद्रमौली, 10-2-7,ए, ए० सी० गार्डस, हैदराबाद

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करुके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप ह-

- (क) इस तूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया संबंद तु !

भन्सची

गेरियज नं० 17, मातृश्री अपार्टमेंटस, हैदरगुड़ा; हैदराबाद-विस्तीर्ण 200 चौ० फुट० रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 291/74; रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चिक्कड्पल्ली

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 9-1-1985

मोहर 🗄

प्ररूप बार्ड . टी. एन . युस . -----

जायक हु जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत संदुकाद

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 जनवरी 1985

निदेश सं० आर० ये० सी ० नं० 927/84-85---, यत:, मुझे, एम० जगन मोहन

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० गेरियज है, तथा जो सइफाबाद, हैदराबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सइफाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनिमय, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5/84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है कि

- (क) ब्रन्तहरू से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या तससे वचने में सुविधा भे लिए; बाह्र/बा
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

बतः श्व, उन्त निधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, मैं, उन्त निधिनयम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के निधिन, निधनसिखित व्यक्तियों, अर्थात् है—

- (1) मेसर्स धनं नजय होटेल्स प्रा० लि०, बाइ० एम० नागराजू, पिता एम० व्ही० सूर्यनारायण राजू, 5-9-12, सइफाबाद, हैदराबाद । (अन्तरक)
- (2) डा॰ ए॰ कृष्णामूर्ति पिता लेट ए॰ बि॰ राव, 72, एम॰ आई॰ जी॰ एच॰ कालोनी, मेहदीपटनम

(अन्तरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पर्टित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

हैदराबाद

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप ध्—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, बो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भी उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

उन्सद्ध

गेरियज नं० 14, नं० 5-9-12, सइफाबाद, हैदराबाद, विस्तींर्ण 292 चौ० फु० रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 262/84, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद ।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरी**क्षण)** अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 9-1-1985

मोहर 🗯

त्रक्य त्राष्ट्रं. टी. एन. एस.----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्याजय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 जनवरी 1985

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 928,84-85--यतः मुझे एम० जगन मोहन बायकर विधिनियम, 196। (1961 का 43) ्जिसे इसमें इसके पक्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विज्ञास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति लियका उचित अजग मन्द

25 ೧೧೧/- रा से अधिक ही

श्रीर जिसकी सं० गेरियज है, तथा जो सडफाबाद, हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची मे ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सङ्फाबाद मे रजिस्ट्री इ'रण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5/84 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचिन बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचिन बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिपाल से, एसे द्रष्यमान प्रनिपदा के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति **फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण** लिखित में वास्तविक 🗪 से कथित नहीं किया गया है 🖫

- '(क) अंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त कि भिनियम के अभीन कर दोने वे अन्तरक के दायित्व में कभी कट्टने या उत्तरे वचने में स्विधा के लिए: बरि/या
- 🔃 एसी किसी नाव या किसी धन या क्रन्य आस्तियों को जिन्हां भारतीय जायकर को धरनयम, 1922 (1922 का ।1) या उक्त अधिनियम, था धन-**कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27** के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सरिका के सिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यवितयो, अर्थात् --

(1) मेसर्स धननजय होटल्स, प्रा० लि०, बाइएम० नागराजू पिता एम० व्ही० सूर्यनारायण राजू, सइफ वाद, हैदराबाद

(अन्तरक)

(2) श्रीमति सरस्वती विलीयपान पति ए० विलीयपान, नं० 8-2-332 $_{l}4$, रोड, नं० 3, बंजारा हिल्स, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त समादित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षोप:-

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या सत्सबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की बामील से 30 दिन की बवर्षि, जो और लवीय बाद र सगण होती हो, के भीतर प्रवासक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस है 45 विनु के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त खट्टों और पदों का, जो उक्त क्षिनि । म के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही पर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया न्या है ।

अनुसूची

गेरियज न० 19, घर नं० 5-9-12, सइफाबाद, हैदराबाद, विस्तीर्ण 236 चौ० फ्० रजिस्ट्रीकृत विसेख नं० 2961/84, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 9-1-1985

मोहर '

प्ररूप बार्ड, टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनिसम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयृक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनाक 9 जनवरी 1985 निदेश सं० ग्रार० ये० सी० नं० 929/84-85-यत:

मुझे, एम० जगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारन है कि स्थावर गम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं भ्रौर जिसकी सं० गैरियज है, जो नारायणगूडा, हैदराबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, चिक्कडपल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक 5 मई 84 को पूर्वीवत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान पितफल को निए अंतरित की गई है और मृक्षे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार म्ल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अंत-रिती । अन्तरितियां। के बीच एसे अन्यरण के लिए तय पाठा गरा

प्रतिफल निम्नलिखित उददेश्य से उक्त बन्तरण लिखित के

बारतियक भा से कथित नहीं किया गया है .--

- (क) बन्तरण से शुर्ड किसी बान की बाजत, उत्तत विधिनियम के दशीज़ कार होने के बन्दारफ व. ह. पाला में क्सी करने गा जनसे नजने में स्पैमचा ने निष्ट्, भीर/वा
- एरेग़ी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अपितियो द्वारा प्रकट नहीं किया गया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा कैं लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के उधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— 38—446 GI/84

 मैंसर्स विनायक इटरप्राइजेस, बाइ एम० विनायक न० 3-4-526, बरकतपूरा, हैदराबाद।

(ग्रन्तरक)

श्री कोटा रामय्या,
 पिता भूमय्या,
 3-5-265,
 विठलवाडी,
 नारायणगूडा,
 हैदराबाद।

(ग्रन्तरिती)

क्षे वह सूचना बारी करके पृत्रों क्षा सम्बन्धि के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त राज्यत्ति के अर्थन के सञ्चन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 4: दिन की अविधिया तत्यकारी व्यक्तियाँ कर स्वना की त्यसील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध शद में समाप्त होती हो, को भी तर पूर्वोचन व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (स) इस म्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर मम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्क्यम अधोहस्ताक्षरी के पास सिकित में कि जनसकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में मथा परि-भाषित हैं., बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

गेरियज, नं० 3-5-585, नारायणगूडा, हैदराबाद, विस्तीर्ण 218 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 410/84, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी चीक्कडपल्ली।

एम० जगन[ः] मोहन सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 9-1-1985

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 जनवरी 1985

निदेश सं० ग्रार० ये० सी० नं० 930/84-85—यतः मुझे, एम० जगन मोहन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आरा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० गैरियज है, जो नारायणग्डा, हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्जा ग्रधिकारी के कार्यालय, चिक्कडपल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 5 मई, 84

करें पूर्वंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, शिवाजीनगर में धारा 269 ए. बी. के अंतर्गत सक्ष्म अध्कारी के सम्मुख/के पास रिजस्ट्रीकृत किया गया है मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, ऐसे इस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिबक रूप से किथा गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसीं आप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के स्विधा के लिए; और/सा
- (थ) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विश्व स्त्री तिए।

कत: अर्ब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिस्टॉ, अथिकि क्र--- मैसर्स विनायक इंटरप्राइजेस, बाइ एम० विनायक, नं० 3-4-526, बरकतपुरा, हैदराबाद।

(ग्रन्तरक)

श्री एम० सुब्बारामी रेड्डी,
 पलैट नं० 304-बी०(ए०),
 नं० 3-5-588,
 नारायणगूडा,
 है#रावाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां शुरू बरता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अपत्रि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 36 दिन की अविधि, तो भी अविधि बाद में समात होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वाहा के राजंपत्र में प्रकाशन को तारास सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिरुबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वच्छीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्ची

गैरियज एम० सी० एच० नं० 3-5-586. नारायणागुडा, हैदराबाद, विस्तोर्ण 218 चौ० फुट० र्जिस्ट्रोकर्ता विलेख नं० 411/84, रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी चीक्कडपल्ली।

> एम० जगन मोहन सक्षम श्रधिकारी (सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 9-1-1985

प्ररूप आइ'. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 जनवरी 1985

निदेश सं० श्रार० ये० सी० नं० 931/84-85--यतः मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करनं का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार भूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० जमीन है, जो मंगालमपल्ली है ईवराहीमपटनम तालुक में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय ईवराहीमनटनम तालुक में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908

(1908 का 16) के अधीन, तारीख 5 मई, 84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफलं के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वास सम्पीत का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से विधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) का बीच एसे अंतरिक (अंतरिकों) का बीच एसे अंतरिक किए तम वामा गया प्रतिक्क मिन्निविद्य स्ट्रिकेस से उसके अन्तरिक सिक्क में वास्त्रिक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तर्य से हुई किसी जाय की वाबत, उक्त वीधनियम के जधीन कर दोने के जन्तरक के सायित्य में कामी करने या उससे बचने में सृविधा के हिसए; बार/वा
- (च) एती किसी नाय या कितों धन या अन्य आस्त्यां को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जनत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की तपधारा (1) के अधीन, निम्निजिखन व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री राम कुमारसोनी, 42 मधु कुंज, यस० पी० रोड, सिकिदराबाद।

(ग्रन्तरकं)

(2) मैं० एम० यस० म्रादर्श पोल्ट्री फारम, ंबैं० जी० रावीद्रानाथ, तुरका यामजाल, म्रार० श्रार० जिल्ला।

(ग्रन्तरिती)√

की यह स्थना जारी करके प्रांक्त सम्पत्ति के बर्चन के जिला कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पर्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेष --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक रें 45 दिन की अवधि या तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रबेक्स व्यक्तियों हों से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अञ्च व्यक्ति द्वारा अशोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सक्ते।

स्थव्यीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभट्टियत हैं, वही अर्थ हांगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन मंगलापल्ली, ईवराहीमपटनम तालुक विस्ती 3207 चतुर गज, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 665/84 रजिस्ट्री-कर्ती अधिकारी ईवराहीमपटनम।

एम० जगन मोहन सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 9-1-1985

प्रकृप. बाह्र टी. एन. एत ----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) को बधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, एहायक आयम र अपूत्र (निरीक्षण)

भ्रर्जन रज, हैदराबाद

हेदरावाद, दनाक 9 जनवरी 1985

निदेश स० म्रार० ये. सी० न० 932/84-85--यत.

मुझे, एम० जगन मोहल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (किसे इसमें इसके परवान उपना र गीन्यम कहा गरा कि शि नारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 - राज्य मार्थिक है

म्रोर जिसकी स० जगीन हैं, जो गोपाल्ली पेडचेत में स्थित है (गौर इसते उपाबद्ध प्रमुन्ची में म्रोर पूर्ण रूप से विणित है), रिजर्ट्रीवर्ता शिधवारी के वायालय, मेडचेल में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के म्रधीन, तारीख 5 मई, 84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकत के लिए अनिरत की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि द्यापूर्वकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान पितफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरितया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया फल निम्निर्वाखत उददास्य से एकत अन्तरण लिखित में वास्तिवक से वास्तिवक रूप स किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व मा कर्म, करने या उससे वचन मा सूर्विधा के लिए, पर रा

 श्री जी० सीतायाम्मा, मुदुनूरिकोसलया, कोपाल्ली।

(ग्रन्तरक)

 श्री जी० वी० नारासिंहा राजू, कोपाल्ली विलेज, मेडचेल तालुक,

(ग्रन्तरिती)

की यह मूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाह्या शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की स्मरीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितसद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण --इमन प्रज्ञास्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधि नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा, को उस अध्याय में दिया गया "।

मन्स्ची

जमीन कोंपाल्ली में विस्तीर्ण 22 याकरस रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 2973/84 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी मेडचेल।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, हैदराबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निमनिलिखित व्यक्तियो, अर्थातु :--

तारीय 9-1-1985 मोहर: प्ररूप बाइ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 9 जनवरी 1985

निदेश सं० ग्रार० ये० सी० नं० 933/84-85--यतः मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 296-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर नम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैट है, जो हैदराबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, चिश्कडपल्ली में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख मई 84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान मृतिफल को लिए अंतरित को गई हो आर मूक्षे यह विश्वास करने का कारण हो कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हो और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (सन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में 'स्विधा के लिए; और/या
 - (अ) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 वा 27) क प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत श्रीमती जैनान खटून,
जी० पी० ए० ग्रंलीखाजा,
बंजारा ऋस्टल्स
रोड़ नं० 12,
बंजारा हील्स,
हैदराबाद।

(ग्रन्तरक)

 श्री अनंता राव, पिता सत्यनारायणा, 1-9-320/1, बवद्यानगर, हैदराबाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में दिये जा सकरो।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ द्वोगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनसर्थी

पलैट नं० 403, चौथा मंजला, बंजारा हील्स, हैदराबाद विस्तीर्ण 1103 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 394/84, रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, चिक्कडपल्ली।

> ' एम० जगन मोहन सक्षम स्रिधिकारी सहायक भ्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 9-1-1985

प्ररूप बाइं.टी एन एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर कायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 जनवरी 1985

निदेश सं० ग्रार० ये० सी० नं० 934/84-85—यतः मुझे, एम० जगन मोहन,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. सं अधिक है

श्रौर जिसकी सं० घर है, जो दाउशाफा हैदराबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, श्राजामपुरा में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मंई 84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) जंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक वे दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सिवधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, मुच्चतः—

 श्री बंकटलाल मंदाना, महेश नगर कालोनी, हैदराबाद।

(ग्रन्तरक)

श्री ग्रब्दुल वाहाब ईप्पात जैदी,
 22-8-375,
 यादगारी हुस्सैनी,
 दारुशफा,
 हैदराबाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोस से 45 दिन की जबधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जा भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्यी

घर नं॰ दारुशाफा में विस्तीर्ण 4978. चतुर फीट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं॰ 1788/84 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी ग्राजामपुरा।

> एम० जगन मोहन सक्षम श्रधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 9-1-1985

प्ररूप बाह'. टी. एव. एव. -----

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 जनवरी 1985

निदेश सं० म्रार० ये० सी० नं० 935/84-85--यतः

मुझे, एम० जगन मोहन,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- का से अधिक हैं

ग्रोर जिसकी सं० घर है, जो शालीबंडा हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 5/84

को पूर्वीक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाचार बूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का बच्चह प्रतिचत से अधिक हैं और बंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (कंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तर्ग के जिए तब पावा गया प्रतिक का विश्लों किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की शावत बक्स विधिन नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में स्विधा के तिए बीट/बा
- (क) इंकी निकसी बाब वा किसी धन वा बन्ध बास्तिकों को, चिन्ह भारतीय बायकर बीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर बीधनियम, वा धन-कर बीधनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोखनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना जाहिए था, ख्रियान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 26%-ग के अन्सरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 26%- को जाधारा (1) को अधीन, निम्नलिक्षित व्यक्तियों, अर्थात :--- श्रीमती मजाफारुन्निसा बेगम,
 21-2-591,
 बुरदू शरीफ,
 हैदराबाद।

(ग्रन्तरक)

2. मै० एम० यस० भारत पेट्रोलियम कारपोरेशन लि० रिप्रेजेंटेड बाई डिविजनल मैनेजर, यस० राज गोपाल, सिकिंदराबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शृरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कर से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

घर नं० 23-2-670/1, शालीबंडा, हैदराबाद विस्तीणं 1050 चतुर गज रिजस्ट्रोकृत विजेख नं० 2921/84 रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी हैदराबाद।

एम० जगन मोहन सक्षम श्रधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीव: 9-1-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के ब्धीन सूच्ना

भारत श्राकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 जनवरी 1985

निदेश सं० श्रार० ये० सी० नं० 936/84-85--यत: मुझे, एम० जगन मोहन,

श्रायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें स्सके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० पजैट है, जो हैदरगुडा हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, चिक्कडपल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 5/84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के अंतरिती की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है यह पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य, उसके प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक दृश्यमान प्रतिफल से, एसे अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतिरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथा नहीं किया गया है:--

- (क) बन्तरण छ हुई किसी अध की बाबत, उक्स बिधिनियंत्र के बंधीन कर देने के सृन्तुरक की द्वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने सें इंदिधा के निए;

अतः शब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् ह

 मेसर्स मातृश्री इंजीनियर ग्रौर बिल्डर्स, प्रा० लि०, 3-5-873, हैदरगुडा, हैदराबाद।

(भ्रन्तरक)

 श्री यन० वी० नरसीम्हा राव, पिता राजेस्वर राव, नं० 3-6-190/ए०/1, हीमायतनगर, हैदराबाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिल कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के शर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो औ अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- ्स) इस स्चना के राजपण में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिननद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा उधोहस्ताक्षरी के शक्ष तिस्ति मो किए जा सकरें।

स्पच्छीकरणः इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदा का. जो सक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होना जो उस सभ्याय में दिया गया ही।

बन्स्ची

पलैट नं० 403, मातृश्री ग्रपार्टमेंटस्, हैदरगुडा, हैदराबाद विस्तीर्ण 1150 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 389/ 84, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी चिक्कडपल्ली।

> एम० जगन मोहन सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 9-1-1985

प्रकृप बाइ'. टी. एन. एस.

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
269-म (1) व्हे कभीन सुकना

भारत स्रकार

शार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 जनवरी 1985

निदेश सं० ग्रार० ये० सी नं० 937/84-85--यतः मुझे, एम० जगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका दृष्टित बाजार मृल्य 25.000/- के अधिक है

स्रौर जिसकी सं० फ्लैट है, जो हैदरगुडा, हैदराबाद में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, दिनांक 5/84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान मित्रफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापवाँक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसकं दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया गति- क्ल निम्निसित उद्दृश्य से उक्त अन्तरण निम्नि में वास्तिवक रूप से किथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि -नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी भन या जन्य कास्तिकों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम. 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

खत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण की, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--39-446 GI/84

 मेसर्स मिलक बिल्डर्स, नं० 3-6-290, हैबरगूडा, हैदराबाद।

(भ्रन्तरक)

 श्री खाजा हसनद्दीन, 3-5-885, हीमायतनगर, हैदराबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45

 रित की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
 की तामील से 30 दिन की अविधि, वो भी अविधि
 बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गम लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रय्क्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया नवा है।

अनुसूची

पलैट नं॰ ए-6, दूसरा मंजला, म्रजिज टावर्स, हैदरगुडा, हैदराबाद, विस्तीणं 1562 चौ॰ फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं॰ 2442/84, रजिस्ट्रीकर्ता म्रधिकारी, हैदराबाद।

एम० जगन मोहन सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 9-1-1985

क्ष्म बाह्, टींट एन, हुए , ४ ० ० ०००

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

शारत सरकार

कार्याचव, यहायक बायकर वायकत (निरक्षिण)

ऋर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 9 जनवरी 1985

निदेश सं० ग्रार० ये० मो० नं० 938/84-8 5-यत: मुझे एम० जगन मोहन,

वायकर बिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनयम' कहा गया है), की भार 269-ख के बधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट है, जो हैदरगुडा हैदराबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूच: में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्राकर्ता श्रधिकार। के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय यजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 5/84

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान पितफल के लिए अन्तरित की गई है और म्मे यह विश्वास अरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार अ़्ल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दृह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया श्रीतफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित के वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अभीन कर दाने के अन्तरक के दायित्थ भें कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय नाथ-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोध-नार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था लिपाने में सविधा के लिए?

स्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

 मेसर्स मितिक बिल्डर्स, नं० 3-6-290, हैदरगुडा, हैदरावाद।

(ग्रन्तरक)

 श्रीमती सीराज फातीमा, 18-8-186. पीसल बंडा, हैदराबाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेष :--

- (क) इस सूचना के गजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जों भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 8 दूसरा मंजिला, ग्रजिज टावर्स हैदरगुडा, हैदराबाद, विस्तीर्ण 1284 चौ० फुट, रजिस्ट्रोकृत विलेख नं० 2550/84, रजिस्ट्रांकर्ता ग्रधिकारी हैदराबाद।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदरावाद

तारीख: 9-1-1985

प्ररूप बाई , टी. एन. एस ,-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 6 जनवरी 1985

निदेश सं० ग्रार० ये० सी० नं० 939/84-85-ग्रहः मुझे, एम० जगन मोहन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा के हैं की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुन्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्राँर जिसक, सं० प्लाट है, जो ईंडेन गार्डेन, हैदराबाद में स्थिमे है (ग्राँर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्राँर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 5/84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह िश्वास धरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृन्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एस दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) बुन्तरण से हुर्इ किसी बाय की बाबत उत्तत अधि-रिन्यम के अधीन कर दीन के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; बीर/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

बतः वय, उक्त विधिनियम, की धारा 269-व के बनुबर्ष को, मी, उक्त विधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के वधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धात् :---

 श्रो एमं० यस० ये० जे० बिल्डर्स, ं बैं ग्रजीज ग्रहमदाबाद, 5-9-31, बशोर भाग, हैदराबाद।

(ग्रन्तरक)

 श्र) वाजीश दाद खान, नं० 306, सारय ग्रपार्टमेंट्स, हैदराबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त संपर्तित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पड़ सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 3-5-121/ईडेन गार्डेन, हैदराबाद विस्तीर्ण 1100 चतुर फोट रजिस्ट्री कृत विलेख नं० 2472/84 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, हैदराबाद।

> एम० जगन मोहन सक्षम स्रधिकारो सहायक स्रायकर स्रायुक्त (तिरीक्षण) स्रजेन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 9-्1-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

बायफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की **भारा** 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकारु

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

मर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 9 जनवरी 1985

निदेश सं० ग्रार० ये० सो० नं० 940/84-85-यत: मुझे. एम० जगन मोहन,

कायकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें **इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम'** कहा गया है), की धारा **269-ख के अधीन सक्षम** प्राधिकारी को यह विश्वास करने का **कारण है कि स्थावर** सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य **25,000/- रु. से अधिक है**

भौर जिसकी सं० फ्लैंट है, जो हैदरगूडा, हैदराबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुचची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय राजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16(के श्रधीन, तारोख 5/84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किश्त नहीं किया गया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत,, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ज्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः कव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

श्रीमनी पुष्पलता बाइ,
 8-2-626,
 रोड़ नं० 1,
 बंजारा हिल्स,
 हैदराबाद।

(ग्रन्तरक)

 श्री धनजी शाहा ग्रीर ग्रन्य, नं० 15-6-489, बेगम वाजार, हैस्राबाद।

(ग्रन्तिरती)

का यह मूचना जारी करके पृशांक्त सम्पत्ति के वर्षन् के जिल् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उसा अध्याय में दिया क्या है।

नन्त्रभी

पत्तैट नं 3-6-296 से 305 हैदरग्डा हैदराबाद, विस्तीर्ण 1180 चौ फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं 2593/84, रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी, हैदराबाद।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 9-1-1985

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

बायकर ब्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 जनवरी 1985

निदेश सं० ग्रार० ये० सी० नं० 941/84-85-यतः मुझे, एम० जगन मोहन,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट है, जो हैदरगुडा, हैदराबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुचची सें ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है(, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 5/84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के निए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती, (अन्तरितियों) के श्रीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तुविक रूप से कथित नहीं किया गया है;——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोजनार्थ अंदरिशी द्वारा प्रकट नहीं किया गमा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

बतः बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के पधारा (1) के अधीन, निम्निसिखत व्यक्तियों, अर्थात् :—

 श्रीमती पुष्पलता बाइ, 8-2-626, रोड़ नं० 1, बंजारा हिल्स, हैदराबाद।

(अन्तरक)

 श्री भगवान दास, ग्रीर ग्रन्य, फ्लोग्रर नं० 1, शिवधान बिल्डर्स, बसीरवाग, हैदरावाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के कायवाहियां शरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना क्रे राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकरें।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह^व, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिरा गया है।

अन्स्यी

पलैंट नं० 3-6-296/ से 305, हैदरगूडा, हैदराबाद विस्तीर्ण 1184 चौ० फुट, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 2614/ 84, रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी, हैदराबाद ।

एम० जगन मोहन सक्षम ग्रधिकारी सहायक श्रायक^र श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्र<mark>जन रेंज, हैदराबाद</mark>

तारीख: 9-1-1985

प्ररूप आहूरं.टो.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 जनवरी 1985

निदेश सं⁸ ग्रार० ये० सी० नं० 942/84-85---यतः मुझे, एम० जगन मोहन,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैट है, जो हैदरगूडा, हैदराबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदरावाद में भारतीय राजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5/84

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृतिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्रुविधा के जिए।

बतः बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण बैं, मैं, उक्त बिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) बैं कधीन किस्मितिहास व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्रीमती पुष्पलता बाइ,
 8-2-626/6,
 रोड़ नं० 1,
 बंजारा हिल्स,
 हैदराबाद।

(ग्रन्तरक)

श्री भगवान दास
ग्रौर ग्रन्य,
फ्लैट नं० 1,
शिवधान विल्डर्स,
वसीरवाग,
हैदशबाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य विकत द्वारा अधोहस्त्याक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह³, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

फ्लैंट नं० 3-6-296 से 305, हैदरगूडा, हैदराबाद, विस्तीर्ण 1180 चौ० फुट, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 2592/84, रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी, हैदराबाद।

एम० जगन मोहन सक्षम श्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 9-1-1985

मोहर 🖫

प्रारुप बाई ्टी. एम ु एस ु----

ज्ञायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज हैदराबाद हैदराबाद दिनांक 9 जनवरी 1985

निदेश सं० ग्रार० ये० सी० न० 843/84-85—यतः मुझे एम० जगन मोहन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाट है जो हैदरगूडा हैदराबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरणं श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 5/84

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

 श्री एम०/यस० श्री कृशना ज्वेलर्स, ग्राबिद रोड़, हैदराबाद।

(भ्रन्तरक)

 श्री दानजी शा जी० यस● श्रीर श्रन्य, 15-6-483, बेगम बाजार, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि , जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरों।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया यया है।

वनस्त्री

प्लाट नं० 3-6-296 से 305 हैदरगूडा, हैदराबाद विस्तीर्ण 1180 चतुर फिट रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 2594/ 84, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी, हैदराबाद।

> एम० जगन मोहन सक्षम श्रिघिकारी सहायक श्रायकर श्रायंक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 9-1-1985

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 जनवरी 1985

निदेश सं० भ्रार० ये० सी० नं० 944/84-85---यतः मुझे, एम० जगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट है, जो चिराग ग्रली लेन, हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 5/84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एेसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अनतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

जत: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण काँ, काँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीग, निम्नीलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात ∷—— श्री हैदरम्रती के॰ लाजानी,
 5-8-505,
 चिराग म्रली लेन,
 हैदराबाद।

(म्रन्तरक)

मोहम्मद रियाजुद्दीन,
 21-3-613,
 मैस बोली,
 हैदराबाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवर् उया किरता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की उविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचंना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य विकत द्वारा अधोहस्त्राक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिसर गया है।

अनुसूची

ण्लाट न \circ 206, 5-8-305, चिराग ग्रली लेन में हैदराबाद विस्तीर्ण 1072 चतुर फिट रजिस्ट्रीकृत विलेख नं \circ 2680/84 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी हैदराबाद।

एम० जगन मोहन यक्षम प्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 9-1-1985

प्ररूप बाइ ै. टी. एन. एस ु-----

बायकर अधिनियम, '1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीत रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 जनवरी 1985

निदेश सं० श्रार० ये० सी० नं० 945/84-85--यतः मुझे, एम० जगन मोहन,

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रू. से विधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट है, जो हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वींगत है), राजस्ट्रीकर्ता ग्राधकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय राजस्ट्रीकरण ग्राधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 5/84

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गईं है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक हप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की झवत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिल्हों भारति अध्वा अधिनियम, 1022 (1922 वर्ग 11) या उक्त अधिनियम, या किसी प्रिम, 1057 (1957 का 27) के प्राचनार्थ अंतिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या विधा जना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात् :----

श्री के० यल० सुजाताम्मा,
 22 यस० बी० ए० कालोनी,
 बाकाराम,
 हैदराबाद।

(ग्रन्तरक)

श्री ये० राजेस्वरा राब,
 चीफ इंजीनियर,
 यस० ई० रेलवे,
 कलकत्ता।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बार्क्षण :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की वनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बनिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वार;
- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास किसि में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्यी

प्लाट नं॰ सी/ 404/52 5-8-42 हैदराबाद में विस्तीर्ण 1000 चतुर फीट रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी हैदराबाद रिजस्ट्रीकृत विलेख नं॰ 2571/84।

एम० जगन मोहन सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 9-1-1985

मोहर

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 जनवरी 1985

निदेश सैं० आर० ये० सी० नं० 946/84-85-यतः मुझे, एम० जगन मोहन,

बायकर बिधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25 000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी र्स० फ्लैट है, जो हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चिक्कदपल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5/84

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास फरने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य जसके दश्यमान प्रतिफल में, एमें दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रोतशत से प्रधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसं अन्तरण के लिए तय पाया गया मितिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) इन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के श्रिण: और/वा
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अनः शास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से सिवधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-गे की उपधारा (1) के अधीन, निम्निचित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्रीमती जेनाब खटून,
जी० पी० ए० अली खाजा,
बंजारा कैंसटल्स,
रोड़ नं० 12,
बंजारा हिल्स,
हैदराबाद।

(अन्तरक)

 श्री अथर अली खान पिता नवाब अली खान, 16-9-435, श्रोल्ड मलकपेट, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में जिसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्**ची**

फ्लैट इन पोश लोकेलिटी, विस्तीर्ण 910 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 395,84, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चिक्कडपल्ली।

> एम० जगन मोहन सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 9-1-1985

मोहर 😗

प्ररूप बार्ड . टी. एन. एस. ----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 जनवरी 1985

निदेश र्स० आर० ये० सी० र्न० 947/84-85--यतः मुझे, एम० जगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी र्स० प्लाट है, तथा जो हैदराबाद में स्थित है, (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित ई), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ईदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5/84

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार भूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं आर मुफे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नतिस्तित उद्दश्य से उक्त अन्तरण लिस्ति के वास्तिक रूप से किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शियत्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्थानी की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम ही धारा 269-ग के अनुसरण कों, मीं, उक्त विधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— श्री यन० यस० सुत्ररामनयम,
 3-5-6,
 रामकोट,
 हैदराबाद।

(अन्तरक)

 श्री रादािकशना बाबु, 19-11-1016, बुरबान भाग, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे

स्यष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतों का, ओं उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अन्स्ची

प्लाट र्न० सी० 303/45 5-8-42 फ्रोसुलतान लेन, हैदरांबाद विस्तीर्ग 1000 चत्र फोट रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 2779/84 रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद।

एम० जगन मोहन सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 9-1-1985

प्र**प्या आह**ै.टी.एन्.एस.: - = ---

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन सुचना

मारत बरकाइ

कार्यातय, सहायक बायकर बायकत (निरक्षिण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 जनवरी 1985 निदेश र्स० आर० ये० सी० र्न० 948/84-85-----यतः मुझे, एम० जगम मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी र्सं० मलगी है, जो हिमायतनगर, हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विजित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5/84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दृश् (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निधित प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती में वास्तिक रूप से कीथत नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरूप से हुई किसी जान की बावत, उक्त वृधिनियम के वृधीन कर दोने के बन्तरक के स्विष्ट्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बौर/या
- (स) एसे किसी आप जिस्ती धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :-- श्री एम०,यस० यस० जे० बी० बिल्डर्स, प्रोपराइटर, जायाप्रकाश, 3-6-10, हिमायतनगर, हैदराबाद।

(अन्तरक)

श्रीमती प्रेमलता गेल्ला,
 5-9-22/25,
 आदर्श नगर,
 हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पात्त के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप ह

- (क) इस सूचनाके रोजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचितः की तामील से 30 दिन की अचिधि, जो भी अविश्व बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अधीन अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

आफिस जमीन र्नं० $\cdot 3-6-10$ में हिमायत नगर, हैदराबाद विस्तीर्ण 1305 चतूर फिट रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2977/84 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद।

एम ं जगन मोहन सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 9-1-1985

प्रक्ष बार्ड . हो . हम . एस . - - - - - - - - - -

बाबकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की वारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

ं भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 9 जनवरी 1985 निदेश र्स० आर० ये० सी० नं० 9498/4-85—यतः मुझे, एम० जगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जिल्त बाजार मूल्य 25,000/- रु. स अधिक है

श्रीर जिसकी र्सं० मलगी हैं, जो चापेल रोड़, हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण, रूप से विणत ई), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय क्ष्यराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5/84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उशके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का भन्द्रह प्रदिश्ति से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिक्कल, निम्नितिश्वत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त- विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरक संहुई किसी बाय की वाबता, उक्त विधिनियम के बधीन कर देने के बन्तरक के बाबित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (हा) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

बत् , ब्रंब , उन्त बिधिनियम की धारा 269-व के बनुसरक बें, में , छन्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन , निम्नलिखित व्यक्तियों , अर्थात् ु--- श्रीमती कुमर जहान बेगम,
 5-9-161,
 चापेज रोड़,
 हैदराबाद।

(अन्तरक)

 मैसर्स एम०/यस० पारामेंट ऐजेंसीज (पी०) लिमिटेड, चापेल रोड़, हैदराबाद।

(अन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्नत संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (ख) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिए-बंद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

मलगी नं० 5-9-164|ये० और 5-9-164|ये०|2 चप्पाल रोड़, हैदराबाद विस्तीर्ण 64.44 और 682 चतूर फिट रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2475|84 रजिस्ट्रीकृती अधिकारी हैदराबाद।

एम० जगन मोहन सक्षम अधिकारी (सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 9-1-1985

प्ररूप बाईं. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के ब्रभीन स्चना

कार्यांत्य, सहायक अायकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनाक 9 जनवरी 1985

निदेश स० आर० ये० सी० न० 950/84-85--यत मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 क्रा 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000√- रुजये से अधिक है

ग्रौर जिसकी स० जमीन हे, जो दोडापाई कोदाड तालुक में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोदाड में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5/84

कि प्राप्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिमित में वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुइ किसी बाद की बावत लक्त अधि-बियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सृविधा के निये; क्षींद्र/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम. 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा की सिष्

क्तः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, भैं-, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बधीन, शिनम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—-

 श्री डी० पी० अप्पाय्या ग्रीर अन्य, दोडापाडु, कोदाड तालुक।

(अन्तरक)

2. मैं ० एम ० / यस ० विश्तृ सिमेंट्स लिमिटेड, 1-10-1/15, अशोक नगर, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध फिसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गन्ना है।

वन्सूची

जमी कादाड नालुक में विस्तीर्ण 79 एक्स रिजस्ट्रीकृत विलेख न० 1916, 1971, 1811, 1815, 1817, 1822, 1824, 3317, 3402, 1912, 1914, 1915, 1832, 1808, 1796, 1997, 1798, 1799, 1688, 1689, 1683, 1673, 1674 श्रौर 1666/84 रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी कोदाड।

> एम० जगन मोहन राक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख 9-1-1985 **मोहर** ः प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 9 जनवरी 1985 निदेश सं० आर० ये० सी० नं० 965/84-85-यतः मुझें, एम० जगन मोहन,

गायकर शिंधिनियम, 1961 (1961 का 43) है जिसे इसमें इसके परधात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार म्ल्य 25,000/-रुपये से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट है, जो येरांमंजील, हैदराबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस् करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5/84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रोकिर्ता के कार्यालय बेंगलूर दक्षिण में धारा 269 ए. बी. के अंतर्गत सक्षम अधिकारी के पास रिजस्ट्रो-कृत िक्या गया है, मुभ्हें यह विश्वास करने का कारण है कि यह पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, छक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने था उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या किया अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

क्तः शब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— मैसर्स कामिशयल फ्लैट्स बिल्डिंग कापोरिशन, ए-102, सत्या अपार्टमेंट्स, मासाब टैंक, हैदराबाद।

(अन्तरक)

 श्री सेखर अडोल्फ पिता जे० के० अडोल्फ, डी० नं० 6-3-907/5, शीलोहा, कापाडिया लेन, सोमाजीगुडा, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में 'प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख रें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ डोगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

ए० फ्लैंट नं० 30, कोंकोंई अपार्टमेंट्स, येरामंजील, हैदराबाद, विस्तीर्ण 1500 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2717/84, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद।

एम० जगन मोहन सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाट

तारीख: 8-1-1985

प्ररूप बाह्र दी पन पुस

बायकर बृधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के बृधीन सुचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 जनवरी 1985

निदेश सं० आर० ये० सी० नं० 966/84-85--यतः मुद्ये, एम० जगन मोहन,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को., यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपर्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० पर्नेट है, जो एरांमंजील, हैदराबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5/84

का प्यांक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है, और मूफे यह निश्वास करने का कारण है कि स्थापृवींक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्मान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंदृह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिगों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण मिक्सि में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) बन्तरण ले हुई किसी बाध की बाबत उक्त अधि-विश्वत के वधीन कर देने के बन्तरक के दामित्य कें कभी करने या उससे बचने में सुविध्य के लिय: बीर/था
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बारितबाँ को, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या जिल्ला जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिश्चित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 मेसर्स कामसियल फ्लैट्स बिल्डिंग कारपोरेशन, ए-102, सत्या अपार्टमेंट्स, मासाब टैंक, हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. कुमारी श्यामला अडोल्फ पिता आई० जे० अडोल्फ, घर नं० 6-3-907/5, शीलोहा कापाडिया चेन, झोमाजी गुडा, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उदत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ्--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितसद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के मास लिखित में किए जा सर्कगी।

भ्यच्दोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

मन्त्र्यी

ए पलैंट नं० 302, कोंकोरडे अपार्टमेंट्स, एरामंजील, हैदराबाद, विस्तीर्ण 1500 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकर्ता विलेख नं० 2718/84, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद।

> एम० जगन मोहन सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

नारीख: 8-1-1985

त्रक्ष बारं. टी. हर. रथ. ----

नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग्र 269-ष् (1) के नधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 जनवरी 1985

निदेश सं० आर० ये० सी० नं० 967/84-85--यतः मुझे, एम० जग मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मम्पि, जिसका उचित बाबार मृत्य 25,000/-रा. से अधिकं है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट है, जो येरामंजील, हैदराबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1984

को प्वों नत संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृश्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्बों नत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से बिथक है और बन्तरक (बन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया वितकस, निम्नतिबित उक्देकों से उक्त बन्तरण तिबित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरण वं हुई फिली अन्य की बाव्तु, उपत विश्वित्य के बधीन कर देने के बन्तरक के दावित्य में कभी करने वा उत्ते बचने में सुविधा के लिए; जीर/या
- (ख) एती किसी जाव वा किसी पन या अन्य आस्तिकों को चिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के निए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— 41—446 GI/84

 मेसर्स कामिशयल फ्लैट्स बिल्डिंग कापिरिशन, ए-102, सत्या अपार्टमेंट्स, मासान टैन्क, हैदराबाद।

(अन्तरक)

 कुमारी शारदा अडोल्फ पिता डा० आई० जे० अडोल्फ, घर नं० 10-3-907/5, शीलोहा, कपाडिया लेन, सोमाजीगुडा, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिक्ष कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख हैं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के की 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरि के पास निश्चित में किए का सकों ने।

ल्ब्स्टीकरण:---इसमें प्रवृक्त शब्दों कीट पत्तों का, को स्वयक्ष अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होगा औं उस सम्बाद में दिका नवा हैं:

अन्स ची

ए फ्लैंट नं० 303, कोंकोरडे अपार्टमेंट्स, येरामंजील, हैदराबाद, विस्तीर्ण 1410 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2719/84, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद।

एम० जग़न मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख: 8-1-1985

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

स्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद,दिनांक 8 जनवरी 1985

निदेश सं० ग्रार० ए० सी० नं० 854/84-85--ग्रतः

मुझे, एम० जगन मोहन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैट है तथा जो येरामंजिल, हैदराबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध द्भृंग्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रंधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रंधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रंधीन मई, 1984/85

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण में हुई किसी बाब की बाबत, उचल अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कभी करने वा अभन्ने वसने में सुदिशः के लिए; और/या
- (म) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 2.7) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में किया के लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग क अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बधीन, निम्निचिखत व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) में ० कर्माशयल फ्लैट्स विल्डिग कारपोरेशन, ए-102, सत्या ग्रपार्टमेंट्स, मासाब टैंक, हैदराबाद ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती ग्रालियम्मा ग्रडोल्फ पति श्री ग्राई० जे० ग्रडोल्फ, घय नं० 6+3-40क/5, कापाडिया लेन, सोमाजीगुडा, हैदरावाद ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचका बारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के वर्षन् के तिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध , को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के शास लिखित में किए जा सकेंगें।

स्पष्डीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

नन्स्ची

ए फ्लैंट नं० कोकोरडे श्रपार्टमेंट्स, येरामंजिल, हैदराबाद, विस्तीर्ण 1145, चौ० फीट, रिजस्ट्रीकृत विलेख सं० 2720/84, रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी, हैदराबाद ।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 8-1-1985

प्ररूप बाइं. टी. एन. एस.

बाय्क द विभिन्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायकत (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज; हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 जनवरी 1985

निदेश सं० ग्रार० ए० सी० नं० 855/84-85-- अंतः मुझे, एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने क्य कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रौय जिसके सं० फ्लैट है तथा जो येरामंजिल, हैदराबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद अनुसची में ग्रौर पूर्ण रूप से विजित है), एजिस्ट्रोकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रिजस्ट्रोकरण ग्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारोख मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण करने का कारण करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशा से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिकी (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय प्राया गया प्रतिक्षल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक क दायित्व ने कमी करने या उससे बचने म स्विधा के लिए; और/या
- (ब) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को चिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उप्धारा (१) के बधीन, निम्मिनिकित व्यक्तियों, वर्षात् ध—

 (1) मै० कमिशयल फ्लैट्स बिल्डिंग कारपोरेशन,
 ए-102, सत्या भ्रपार्टमेंट्स, सासाब टैंक,
 हैदरावाद ।

(ग्रन्तरक)

(2) डा० ग्राई० जे० ग्राडोल्फ पिता लेट ग्राई० शाम् वेल, शिलाह डी० नं० 6-3-407/5, कपाड़िया लेन, सोमाजीगुडा, हैदराबाद ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त मम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लि। बत में किए पा भकेंग ।

स्पष्टीकरण: — इसमें पयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होंदें जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्सूची

ए फ्लैट जो-1, काकोरडे ह्रैअपार्टमेंट्स [यर।मंजिल, हैदराबाद, विस्तीर्ण 654 चौ० फीट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2721/84, रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, हैदराबाद ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारोख: 8-1-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद,दिनांक 8 जनवरा 1985

निदेश सं० ग्रार० ए० सः० नं० 856/84-85--ग्रतः मुझे

एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें स्तके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैट है तथा जो बेगमपेट, हैदराबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध प्रनुसूचा में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्राधकारा के कार्यालय, हैदराबाद वा० नगर में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन ताराख मई, 1984

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उिवत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उिचत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निजिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुईं किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए, और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आयक-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकृट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—— (1) मैं० श्रानिवासा बिल्डर्स प्रा० लि०,
 1-2-593/4-ए,
 राम चन्द्रा मिशन रोड,
 हैदराबाद ।

(ग्रन्तरक)

(2)जश्रा ग्रार० भास्कर राव पिता श्री पाच्य्या, 7-1-644/2, सुन्दर नगर, हैदराबाद ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

बनसची

ए फ्लैंट नं० 104, म्युनिसिपल नं० 6-3-1187, बेगमपेट, हैदराबाद, विस्तार्ण 1177 चौ० फाट, रिजस्ट्राकृत विलेख नं० 1529/84, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, वल्लभ नगर।

एम० जगन मोहन सेक्षम प्राधिकारो सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

माराख: 8-1-1985

प्ररूप बाइं. टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

बाइत दरकाउ

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 8 जनवर। 1985

निदेश सं० स्त्रार० ए० सा० नं० 85क/84-85--स्रतः मुझे, एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर 'सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट है तथा जो बेगमपेट, हैदराबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रोंकर्ता ग्रिधिकार। के कार्यालय, वा० नगर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (190के का 16) के ग्रिधीन, तारोख मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मफ़े यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितयों (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथ्वत नहीं किया गया है:——

- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो., के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) ऐसी किसी जाय या धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भागतीय श्री अग्र कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया बाना चाहिए चा, डिजाने में स्विधा के स्मिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मै० श्रोनिवासा बिल्डर्स प्रा० लि०, बाई:श्रो जी० शिव कुमार रेड्डी पिता श्री जी० निवास रेड्डी, 1-2-593/41-ए, रामचन्द्र मिशन रोड हैदराबाद ।

(ग्रन्तरक)

(2) कुमारी जी० वी० रोचीता, माइनर बाई गार्डियन, ग्रौरपिता श्री जी० शिव कुमार रेड्डी, डो० नं० 1-2-593/4/ए, रामचन्द्र मिशन रोड, हैदराबाद ।

(ग्रन्तरितो)

का वह स्थाना कारी करके प्वाक्ति सम्पत्ति के अर्वन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बिधीनयम, के बध्याम 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया समा है।

ग्रन्सूच(

ए फ्लैट नं० जो-1, म्युनिसिपल नं० 6-3-1187, बेगमप्रेट, हैदराबाद, बस्तोर्च 2181-50 चौ० फोट, रजिस्ट्रोक्टल विलेख नं० 854/84, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, बल्लभ नगर। एम० जनन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (नरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

ताराख : 8-1-1985

माहर :

प्रस्य बाह् . टी . एन . एक . ---- :: र र र र

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाक 8 जनवरी 1985

निदेश सं० ग्रार० ए० सी० न० 858/84-85—ग्रतः मुझे, एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट है तथा जो बंजारा हिल्स, हैदराबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख मई, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाबार मूल्य से कर्म के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाबार मूल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिन में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उच्छ ब्रीधितयम् के अभीत कर देने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृद्धित के लिए; बर्दिया
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आध्य-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में एकिया भिके लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात् हः—

(1) श्रीमती सुनीता तलवार पति श्री के० ग्रार० तलवार, मीनाक्षी टावर्स रोड नं० 12, बंजारा हिल्स, हैदराबाद ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती श्रीरीन घजी पति श्री मनूर घजी । फ्लैट न० 4, मिनाक्षी टावर्स बंजारा हिल्स, हैदराबाद ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूनाँक्त सम्प्रित के अर्चन के जिल् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी आप की 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का बो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 4, मिनाक्षी टावर्स रोड न० 12, बंजारा हिल्स हैदराबाद, विस्तीर्ण 2150 चौ० फीट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2483/84, रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी, हैदराबाद ।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 8-1-1985

प्ररूप बार्ड . टी . एन . एस . ----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रार्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनाक 8 जनवरी 1985

निदेश सं० ग्रार० ए० सी० न० 859/84-85--ग्रतः मुझे, एम० जगन मोहन

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० फ्लैंट है तथा जो तिलक रोड, हैदराबाद में स्थित है (श्रौर इससें उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख ग्रक्तुबर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पृत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में सम्नविक हप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) बन्तरण से हुइं किसी बाय की बायत, उपल बांधनियम को बधीन कर दोने के बन्तरक के बाबित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बार/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिये था, खिपाने में सुविधा के लिए;

बतः अब, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन; निम्निलिखिब व्यक्तियों, अर्थात्ः— (1) श्रीमती शाति बाई,
 4-1-10,
 तिलक रोड,
 हेदराबाद ।

(म्रन्तरक)

(2) श्री राममनिक लाल ठाकर,
 4-1-10/बी०/9/बी,
 तिलक रोड, हैदराबाद,
 श्रौर 5-1-867 कोथी,
 हैदराबाद।

(ग्रन्तरितीः)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्चन के निष्
कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त संपत्ति के बर्जन के संबंध में काई भी बार्कण :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाक्य सम्पत्ति में हितबकुष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए का सकारों।

स्मार्थकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उवस अधि-नियम के अध्याय 20-के में परिभावित ही, कही अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गया है।

वन्त्र्यो

फ्लैट, दूसरा मजला 4-1-10|बी/9|बी, तिलक रोड, हैदराबाद, विस्तीर्ण 943 चौ० फीट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5247/84, रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी, हैदराबाद

एम० जगन मोहन प्रक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज–हैदराबाद

तारीख : 8-1-1985 **मोहर**ः श्रस्थ बाइ⁴. टी. एम. एस_.-----

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के ग्रेशीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदरावाद, दिनांक 8 जनवरी 1985 निदेश सं० ग्रार० ए० सी०/860/84-85--ग्रतः मुझे, एम० जगनमोहन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/- ए. से अधिक है

श्रोर जिसकी सं० फ्लैंट है तथा जो गवही गुडा, हैदराबाद में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्री: करण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जुलाई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यह पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण संहुई किसी बाय की बाबत, उचक बिधिनियम के बंधीन कर दोने के अंतरक के शायित्य में कमी करने या उससे दचने में सृविधा के सिए; बीर/वा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, विन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिद्;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्मिलिंखित व्यक्तियों अर्थात् हि— (1) भी जी० के० नाइक पिता श्री एस० के० नाइक, 3-6-369/ए/16, हिमायत नगर, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती गोरा बाई लोया,
 फ्लैंट ई. 4-8-769/ई,
 गवलीगुडा,
 हैदराबाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्पन्ति के अवन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सुचना के सजपन में प्रकाशन की तारीच वें 45 दिन को अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्स करित्य के में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकासन की साड़ीस ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसक्द्रण किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त बिधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषिट ही, वहीं अर्थ होगा आ उस अध्याय में दिया स्या है।

अन्स्ची

फ्लैंट नं ० ई, 4-8-769, गवलीगुडा, हैदराबाद, विस्तीर्ण 711 चो ० फीट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं ० 3969/84, रजिस्ट्री- कर्ता स्रिधकारी, हैदराबाद ।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी महायकग्रायकर स्रायुक्ट (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : ६-1-1985

बाय्कर व्धिन्यम, 1961 (1961 का 43) की धादा 269-व् (1) के वधीन बुक्त

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ध्रजंन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 जनवरी 1985

निदेश सं० ग्रार० ए० सी० नं० 861/84-85—ग्रतः मुझे, एम० जगन मोहन,

बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रूर. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट है तथा जो संजीवा रेड्डी नगर, हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद, में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख ग्रगस्त, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान श्रीतफल के लिए सन्तरित की गई है और मुखे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तृह् प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (श्रम्तरकों) और अन्तरिती (सन्तरितियों) के बीव ऐसे अन्तरण के लिए तय पाम गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त सन्तरण लिखित सं साक्तिक इप से किया गया है। क्या

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोदनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण कों, में. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६—— 42—446 GI/84

(1) श्री एम० श्रार० क्रष्णा मूर्ति, 7-1-621/563/4, एस० श्रार० नगर, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री ए० ग्रनन्ता कृष्णा पिता श्री कृष्णामाचारी, 1-1-230/2, चीक्कडपल्ली, हैदराबाद ।

(श्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप 🏗

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकरेंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

फ्लैंट नं० वि-7/एफ-4, 7-1-621/563/4, एस० श्रार० नगर, हैदराबाद, विस्तीर्ण 1104 चौ ρ फीट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4088/84, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, हैदराबाद।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 8-1-1985

प्ररूप आई. टी, एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-थ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाक 8 जनवरी 1985

ं निदेश मं० आर० ए० मी० नं० 862/84-85—अतः मझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उवत अधिनियम' कहा गया है)., की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० फ्लैंट है तथा जो गवलीगुडा, हैदराबाद में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध अनुस्ची में स्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908) का 16) के अधीन, तारीख मई, 1984

को पूर्वीत सस्मिति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने, का कारण है कि यथापूर्वीकत सम्पित्त का उचित कार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण की लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप में कथित नहीं किया गया है:--

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बिधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एंगी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ज्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

सतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) कै अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---> (1) श्री जी० के० नाईक पिता श्री एस० के० नाइक,
 3-6-369/ए/16
 हिमायतनगर हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमिति मंदी अनस्यम्मा पति शंकरय्या 4-8-76 A, गवलीग्डा, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप -

- (क) इस सूचना के राज्यात्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या उत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, खो भी नविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों यो से किनी व्यक्ति द्वारा;
- (खं) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किये जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो सक्त अधिनियस के अध्याय 20-क में परिभाजित हैं, वहीं अर्थ होगा जो तस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

फ्लैंट वी, 4-8-764 से 774, गवलीगुडा, हैदराबाद, विस्तीर्ण 659 चौ० फीट, रिजस्ट्रीकृत विलेख सं० 2959/84, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 8-1-1985

प्ररूप बाई. टी. एन. एस. -----

आथकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 जनवरी 1985

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 863/84-85—अतः मुझें, एम० जगन मोहन

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर स्म्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट है तथा जो बोगुलगुटा, हैदराबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रेजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1984

का प्रोंकत सम्पित के जांचत बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोंकत सम्मित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रोंनफत में, ए॰ दश्यम न प्राचफन का कल्यह प्रांचशत से अधिक हैं और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितिणों) को बीच ऐसे अतर्थ के जिए तय पागा गया प्रतिक्क निम्निनिधित उद्देश्य से उक्त अंतरण निधित में बास्तिबक क्ष्य से किथा नहीं किया गया हैं :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्ने अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बायित में की करने या उससे बचन में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आज या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा जी किए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) श्रीमती पी० कृष्णावेनी राव पति श्री पी० आर० राव, घर नं० 10-पाली रोड, बम्बई।

(अन्तरक)

(1) श्रीमती कौशल्या पित श्री लचंदर, फ्लैंट जी, एम०,सी० एच०, 4-1-1233 श्रौर /1233/1, बोगुलगुटा, हैदराबाद ।

(अन्तरितीं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहयां शुरू करता हूं।

बन्त सम्पत्ति के वर्जन ने सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप क्र-

- (क) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध् मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीज से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

ह्युब्दीकरण :----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स जुधिनियम, के अध्याय 20-क में परिशादित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा भवा ही।

बन्स्**प**ी

फ्लैट नं० जी सूभोदया अपार्टमेंट्स, बोगुलगुटा, हैदराबाद विस्तीर्ण 1480 चौ० फीट, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 3469/84, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद ।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 8-1-1985

त्रस्य बाइं.टी.एन.एन.----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाक 8 जनवरी 1985

निदेश सं० आर० ए० सी० न० 864/84-85-अतः मुझे, एम० जगन मोहन

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समंत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जसकी सं० प्लाष्ट है तथा जो वजारा हिल्स, हैदराबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध मनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1909 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमाव प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निलिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (क) एसी किसी या किसी धन या अन्य बास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के किए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तिगों, अर्थात ह— (1) श्रीमती बसीरुन्निसा बेगम, 11-4-653, सइफाबाद, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

 (2) श्री वाई० शिवरामी रेड्डी पिता श्री वाई० आदि नारयणा,
 3-4/15/8,
 लिंगमपल्ली,
 हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके म्वॉक्त सम्पत्ति के वर्जन के ृिलए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगें।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।]

अनुसूची

प्लाट न० 63, बी टाइप, एस० नं० 18, रोड न० 12, बंजारा हिल्स, हैदराबाद, विस्तीर्ण 283 चौ० फीट प्लीथ एरिया, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2889/84, रजिस्ट्रीकर्ता अधि-हैदराबाद

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 8-1-1985

मोहर '

प्रस्प बाई. टी. एन. एस.----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यातय,, सहायंक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

. अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 जनवरी 1985

निदेश स० आर० ए० सी० न० 865/84-85--अतः मुझे, एम० जगन मोहन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रुपये से अधिक है

स्रीर जसकी स० प्लाट है तथा जो बजारा हिल्स, हैदराबाद में स्थित है (स्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है (रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रिजस्ट्री—करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिखत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निबित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण संहुई किसी जाय की बाबत उक्त जिथ-जिथिनियम के जधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे ब्चने में सुनिधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी जाय या धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था का किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बतः बब, उन्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उनत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधार (1) के बुधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात:— (1) श्रीमती नसीहिनसा बेगम,
 14-4-653,
 सइफाबाद,
 हैदराबाद।

(अन्तरके)

(2) श्रीमती एन० मालिनी पति श्री एन० सुरेश, काति शिकारा अपार्टमेंट्स, सोमाजीगुडा, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के क्लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी वविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिग्वित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीक रण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिशा मया है।

वन्स्ची

प्लाट सं० 20, बी टाइप एस० नं० 129/18, रोड नं० 12, वजारा हिल्स, हैदराबाद, विस्तीणं 283 चौ० फीट, रिजस्ट्रीअन विलेख स० 2918/84, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख 8-1-1985. मोहर:

प्रकृप बाइं.टी.एन.एस् ========

काक्फर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)।
ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 जनवरी 1985

निवेश सं० म्रार० ए० सी० नं० 866/84-86-म्रतः मुझे, एम० जगन मोहन,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पृथ्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का श्रारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं प्लाट है तथा जो बंजारा हिल्स, हैदराबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रोकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक वी दायित्व में कुमी कुरने या उससे बचने में सुविधा के लिए; औड़/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों की, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया अया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के, अनुसरम ओं, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (I)/श्रीमती बसीरुन्निसा बेगम, 11-4-653, सइफाबाद, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री सी० वेंकटेसू रेड्डी पिता श्री सी० रामिंनगा रेड्डी, भवानी नगर, तिरुपती।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता ह**ू**।]

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पड़ सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

श्रनुसूची

खुली जमोन, नं० 62 बी टाइप, एस० नं० 18, रोड नं० 13, वंजारा हिल्स, हैदराबाद, विस्तीर्ण 288 चौ० फीट, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 2919/84, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद ।

> एम० जंगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 8-1-1985

मोहर 🕄

प्ररूप आर्द्द. टी. एन. एस.------अभ्यक्द अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरुकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजंन रेंज, हैदरावीद

हैदराबाद, दिनांक 8 जनवरी 1985

25.000/- रत. से अधिक है

श्रीय जिसकी सं० प्लाट है तथा जो बंजारा हिल्से, हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे इपाबद्ध अनुसूची में श्रीर यूर्ण रूपसे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद मे रजिस्ट्रा— करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित क्वी गहाँ ही और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण ही कि यथाप्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, ससके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितों) के बीच एसे वंतरण के बिए दृश्य पायण मया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से स्वत अंतरण निमित्त में बास्ति कु हुए से कीश्त नहीं किया गया हैं कु

- (क) संतरण संहुई किसी बाद की वादल,, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व ये कसी करने वा उन्नसे बृध्ने में सुन्धा के लिए; आहु/का
- (भ) एसी किसी बाब या किसी धन या बन्स बास्तियों को; चिन्हें भारतीय बायकर बॉधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यया का या किया बाना जाहिए या छिपाने बें स्वाया कें निए,

अन्तः शव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के <u>अधीन्₀ नि</u>म्नलिखित व्यित्तर्यों, अर्थात् ६—— (1) श्रामता बसीयन्निसा बेगम, 11-4-653, सङ्फाबाद, हैदराबाद ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती ए० रंगम्मा पति श्रा रामो रेड्डो, श्रल्लूर विलेज, कोऊर तालुक, जिला नेलीर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के तिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त स्मित्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोइर्भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पृष्ठ सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , वो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृष्टीकत व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी खें पास जिसी कर का सकें वे 1

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिशाधित हैं, ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

नगृज्यी

प्लाट नं ० 12, बी टाइज, एस० नं ० 18, रोड नं ० 12 बंजारा हिल्स, हैदराबाद, विस्ते णि 346 चौ ० गज और 441 चौ ० फुट, प्लींथ एरिया, रिजस्ट्रोक्टत विलेख सं ० 291क/84, रिजस्ट्रोकर्ता ग्रिधिकारी, हैदराबाद।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

ब्रारोख: 8-1-1985

प्रकृष कार्य . टी. एम एक

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 की 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुजना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रजं. रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 जनवर) 1985

निदेश सं० ग्रार० ए० सी० नं० 868/84-85--ग्रतः मझे, एम० जगन मोहन

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें स्सर्क पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है). जै व्यारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह त्रिश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजर मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

स्रोय जिसको सं० प्लाट है तथा जो हिमायत नगर, हैदराबाद में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध स्रनुसूची में स्रोर पूर्ण इस से विणत है(, रजिस्ट्रोकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रोकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन मई, 1987

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम् के दृश्यमाग प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूर्फ यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित नाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐने दृश्यमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकल, निम्मलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में बास्तिव क्य से खिल करों किया गया है :==

- (क) अन्तरण ते हुई किसी जाय की वालत, उसक अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने मे सुविधा के सिए; औड़/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी अन या अत्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) प उप जिल्लामा या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गरा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए; और/या

(1) श्रीमतो बसीरुनिसा बेगम,
 नं० 11-4-653,
 सइफाबाद,
 हैदराबाद।

(ग्रन्तरक)

 (2) श्री ए० विजया वरधन रेड्डी, नं० 3-6~199, हिमायत नगर, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के ट्रैंसए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप ह

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षारी के धाम लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्सूची

प्लाट नं० 21, बी टाइप, एस० नं० 18, रोड नं० 12, वंजारा हिल्स, हैदराबाद, विस्तीणं 346 चौ० गज, श्रीर 441 चौ० फीट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2891/84, रजिस्ट्री— कर्ता श्रिधकारी, हैदराबाद ।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

सत: अब, उक्त सिंधिनियम को धारा २०९-ग के अनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा २०९-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख: 8-1-1985

सोहर:

प्रस्य बार्ड ्र टी. एन. पुस् .----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सदकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निर्धिक्ष) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 जनवरी 1985

निदेश सं० ग्रार० ए० सी० नं० 869/84-85---ग्रतः मुझे, एम० जगन मोहन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 263-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संस्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25.000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ़्लैंट है तथा जो गवलीगुडा, हैदराबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूच) में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रोकर्ता ग्रधिकारों के कार्यालय, हैदराबाद में रिजस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई, 1984

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

ब्रतः ब्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थाल् :---

(1) श्रो जो ० के० नाइक पिता श्रो एस० के० नाइक, 3-6-369/ए/16, हिमायत नगर, हैदराबाद ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती पुष्पा शर्मा पति श्री हिर नारायण, पलैट नं० एफ-4-8-796/एफ, गवली गुडा, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्ची

फ्लैट नं० एफ प्रोमिसेस नं० 4-8-796/एफ, गवली-गुडा, हैदराबाद, विस्तीर्ण 816 चौ० फीट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3934/84, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी, हैदराबाद ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारोख: 8-1-1985

प्रक्**य बाइ**ं् टी. एव_ः एवः ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सहकार

कार्यासम, सहायक जायकर नायुक्त (निद्रीक्तन)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 जनवरी 1985

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 870/84-85-अतः मुझे, एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रठ. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी सं० फ्लैट है तथा जो अमीरपेट, हैंदराबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (198 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1984

को पूर्वोक्श संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रोकृत विलंख के अनुसार अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतर्क (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतर्ण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उसके बिक्ति, उसके बिक्तियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बजने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) एनी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्योजस्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्रियाने में सुविधा वी लिए;

बतः बब, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के बनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— मैं० विजया बिल्डर्स
 बाई: श्री वाई० लक्ष्मण राव,
 7-1-70,बी, 1,
 एन० सी० एच० रोड,
 अमीरपेट, हैदराबाद ।

(अन्टरक)

(2) श्रीमती ए० वसन्ता पित श्री शंकर रेड्डी, फ्लैंट नं० 105, विजया अपार्टमेंटस, 7-1-70/बी/1, एन० सी० एच० रोब, अमीर पेट, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ;---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थावतयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्वभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्वष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो सकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नया है।

मनुसूची

फ्लैट नं० 105, विजया अपार्टमेंटस, 7-1-70/81/1, एन० सी० एच० रोड, अमीरपेट, हैदराबाद, विस्तीणं 947 चौ० फीट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3550/84, रजिस्ट्रीकृती अधिकारी हैदराबाद।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 8-1-1985

प्ररूप बाईं .टी .एन .एस .: -----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के वधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निर्दाक्षण)

अर्जन रेंज, ईदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 जनवरी 1985

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 871/84-85-अतः मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट है तथा जो अमीरपेट, हैदराबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद मे रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई, 1984

को पूर्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं 'और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की नानत, उत्तर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियां को जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

बतः अबः,, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण कों, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) को अधीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों, अर्थात् है— (1) मै० विजया बिल्बर्स बाई श्री वाई लक्ष्मण राव,
 7-1-70/बी/1,
 एन० सी० एच० रोड,
 अमीरपेट, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) कुमारी सींता सिंह पिता श्री नन्द किशोर, फ्लैंट नं० 204, विजया अपार्टमेंटस, एन० सी० एच०, रोड, अमीरपेट, ईदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजधन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वन्स्डी

ए फ्लैंट नं० 204, विजया अपार्टमेंटस, 7-1-70|बी/1, एन० सी० एच० रोड, अमीरपेट, हैदराबाद, विस्तीर्ण 1176 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2895/84, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद ।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, हैदरांबाद

तारीख: 8-1-1985

प्रारुप बार्ड दी एन एक प्रारुप्त प्रारुप्त

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के बधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 जनवरी 1985

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 87.2/84-85--अतः मुझे, एम० जगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जीवत बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैंट है तथा जो अमीरपेट, हैदराबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के अचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल हो, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) जन्तारण से हुई किसी बाय की बावस्त, स्वयं जीभनियम के जभीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा सी लिए; जीर/बा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को चिन्हें अर्र्तीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकृष्टिकें किया गया था किया बाना चाहिए था कियाने में सुविधा औं लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरम में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

(1) मैं० विजया बिल्डर्स,
 बाई श्री वाई० लक्ष्मण राव,
 डी० नं० 7-1-70/बी/1,
 एन० सी० एच रोड,
 अम पेट, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती एम० शांति तिता श्री एम० प्रसाद राव, नेशनल सर्जिकल्स, नामपल्ली स्टेशन रोड, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को बहु सूचना चारी करके पृशांक्त सम्परित के वर्षन के किए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख .सी 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्प्रद्शिकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जीधनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वग्स्पी

प्लॉट विजया अपार्टमेंटस्, 5-1-70/बी/1, एन० सी० एच० रोड, अमीरमेट, हैदराबाद, विस्तीणं 897 चौ० फीट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3546/84, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद ।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 8-1-1985

मोहर 🕄

प्ररूप बाहे <u>टी एन एस</u> . -----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा भारा 269-ण (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 जनवरी 1985

निदेश सं० आर० ए० सी०नं० 873/84-85 अतः मुझे, एम० जगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (बिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित वाजार मृज्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी स० फ्लैंट है तथा जो अमीरपेट, हैदराबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वाणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जन, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरक के निए तय पावा गया प्रतिफल, निम्निजियित उद्योग्य से उक्त अन्तरण विश्वित् में वास्तिक रूप से कवित नहीं किया गया है द

- (क) बन्तर्ज से हुई किसी बाब की बाबर, उक्त विधितियम के बधीन कर दोने के बन्दरक के दायित्व में कमी करने वा उत्तरे व्यने में सूबिधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय वा किसी धन वा कन्य कारिसची को, चिन्हें भारतीय बाय-चार कि धिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उनत जिमित्यम, बा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया सवा था या किया जाना चाहियेथा. छिपाने में सिक्था के सिक्षः

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्करण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकिक व्यक्तियों अर्थात् ह— मैं० विजया बिल्डमं :
 बाई श्री वाई लक्ष्मण राव,
 डी नं० 7-1-70/बी/1,
 एन० सी० एच० रोड,
 अमीरपेट, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री जी० वी० रमना,
पर्लैट नं० 203,
विजया अपार्टमेंट्स,
7-1-70/बी/1,
एन० सी० एच० रोड,
अमीरपेट, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस स्वना के रायमत्र में प्रकाशक की लारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिकों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इत स्चना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारी के के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्ब इध् किसी कन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकी।

स्पस्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त षब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम दे अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

जन सर्ची

फ्लैट नं० 203 विजया अपादंमेंट्स, 7-1-10/बी-1, एन० सी० एन०, रोड अमीरपेट, हैदराबाद, विस्तीण 947 चौ० फीट, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 3440/84, रिजस्ट्रीकृती अधिकारी, हैदराबाद ।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्तः (निरक्षिण) अर्जन रेंज, हैदराबाक

तारीख : 8-1-1985

प्रक्ष वाह. टी. एन. एड. -----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के बभीन स्चना

भारत बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर काय्क्त (निरीक्षण)

अजन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 जनवरी 1985

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 874/84-85--अतः मुझे, एम० जगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की बारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का फ़ारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट है तथा जो अमीरपेट, हैदराबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित कि गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्रमा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण सं हुई किसी शाय की बाबत, उपत ब्रिधिनयम के अभीन कर दोने के बन्तरक के ब्रिडिंग में कमी करने या उससे बुचने में सुब्रिधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया बाना चाहिए था. जियाने में स्विधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग बी अनुसरक में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हु— (1) मैं ० विजया बिल्डर्स बाई: श्री वाई० लक्ष्मण राव, डी नं० 7-1-70/बी/1, एन० सी० एच० रोड, अमीरपेट, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री वाई० रमना रेड्डी,
पर्लैट नं० 304,
विजया अपार्टमेंट्स,
7-1-70/बी/1,
एन० सी० एच० रोड,
अमीरपेट, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

बन्त बंगीरा के वर्षन के संबंध में कोई भी आक्षेत्र :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की नविभ या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी सविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्नीकरणः — इसमें प्रयुक्त सन्दों नीर पदों का, को उनक अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनसूची

फ्लैंट नं० 304, विजया अपार्टमेंट्स, 7-1-70/बी/1, एन० सी० एन० रोड, अमीरपेट, हैदराबाद, विस्तीर्ण 1176 चौ० फीट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3548/84, रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी हैदराबाद।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 8-1-1985

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

मारव चहकार

कार्यात्तय, सहायक गायकर गायुक्त (नि<u>डिक्तिण)</u> अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 जनवरी 1985

निदेश सं० आर० ए० सीं० नं० 875/84-85-अतः मुझे, एम० जगन मोहन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट है तथा जो अमीरपेट, हैदराबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), के रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख ज्न, 1984

को पूर्वोक्त संस्पित के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान श्रीतफल के लिए बन्तरित की गई है और मृत्ये यह विश्वाद करले का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति- कस, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण निखित में बास्तिविक रूप में कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) बन्तरण से हुइ किसी जाव की वाब्द, उक्त बिधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/बा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

(1) मैं ० विजया बिल्डर्स बाई : श्री वाई० लक्ष्मण राव,
 डी०नं० ७-1-७०/बी/1,
 एन०सी० एच० रोड,
 अमीरपेट, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री वाई० एम० प्रसाद, फ्लैंट नं० 505, विजया अपार्टमेंट्स, 7-1-70/बी/1, एन० सी० एच० रोड, अमीरपेट, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्घन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन् के सम्बन्ध में कोई भी बक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निर्मित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ननुसुची

फ्लैंट नं० 505, विजया अपार्टमेंट्स, 7-1-10/बी/1, एन० सी० एच० रोड, अमीरपेट, हैदराबाद,रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3441/84, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

बत:, बद, उथत बिधानियम की धारा 269-न के बनुसरक में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

तारीख: 8-1-1985

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद नई दिल्ली, दिनांक 8जनवरी 1984

निदेश सं० आर० ए० ०सी नं० 876/84-85--अतः मुझे, एम० जगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट है तथा जो अमीरपेट, हैदराबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान शितफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/शां
- (क) एसी किसी क्षाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियझ, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा भा किया जाना चाहिए भा, छिपाने में सुविधा सुविधा के निका;

बतः बवः, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के बधीन. निम्निलिखित व्यक्तियों, वर्धीत् :---

मै० विजया बिल्डर्स
बाई: श्री वाई० लक्ष्मण राव,
डी० नं० 7-1-70/बी/1,
एन० सी० एच० रोड,
अमीरपेट, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री वाई० बी० प्रसाद, फ्लैंट नं० 606, विजया अपार्टमेंट्स, डी०नं० 7-1-10/बी/1, एन० सी०एच० रोड, अमीरपेट, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

बस सन्दर्भ

पलैंट नं० 606, विजया अपार्टमेंट्स, 7-1-70/बी/1, एन० सी० एच० रोड, अमीरपेट, हैदराबाद विस्तीर्ण 832 चौ० फूट, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 3442/84, रिजस्ट्रीकृती, ग्रिधिकारी हैदराबाद ।

एम० जगन मोहन सक्षम प्र्याधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 8-1-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्ज न रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 जनवरी 1985

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 877/84-85--अतः मुझे, एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट है तथा जो बाप बाग, पी० जी० रोड, हैदरांबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वाणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वल्लभ-नगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के भन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित्ती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य कांस्तियों कां, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था छिपाने में खें लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-क के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनिय की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों. अर्थात् :----

(1) मैं व्यूनाइटेड इंजीनियर्स, 134, पेंडरभास्ट रोड, सिकन्दराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री मोहन लाल फ्लैट नं० 9, बापू बाग, पेंडरघास्ट रोड, सिकन्दराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

मंपित्त के अर्जन संबंध में कोई भी नाक्षेप ह—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरें।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह³, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ह⁸।

अनुसूची

प्लैट नं० 9, लक्ष्मीनारायण अपार्टमेंट्स, 61, बापू बाग, पेंडरघास्ट रोड, सिकन्दराबाद, विस्तीणे 615 चौ० फीट, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 1686/84, रिजस्ट्रीकृती अधिकारी, वस्लभ नगर।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 8-1-1985

प्रस्थ बाई. टी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज,हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 जनवरी 1985

निदेश सं० आर०ए०सी ० नं० 878/84-85-अतः मुझे, एम० जगन मोहन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट है तथा जो वेगमपेट, हैदराबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वीणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बल्लभनगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखिक में वास्त कर हम से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियह के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिओं को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री पी० जगदीश रेड्डी ग्रौर अन्य,
 7-1-21/3,
 बेगमपेट,
 हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री पी० वी० सुब्बाराव स्रौर श्रीमती पी० कामाक्षी, फ्लैंट नं० 25, सेकिण्ड फ्लोर, ए ब्लाक, मयूरी अपार्टमेंट्स, बेगमपेट, हैदरावाद ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ध-

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकोंगे।

स्पष्टींकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैंटनं० 4, ग्राउण्ड फ्लोर, ए-2, ब्लॉक मयूरी अपार्टमेंट्स, बेगमपेट, हैदराबाद, विस्तीर्ण 847 चौ० फीट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1469/84, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, वल्लभ नगर।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 8-1-1985

प्ररूप बाई.टी.एव. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सुरकाष्ट

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (नि<u>र</u>ीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाक 8 जनवरी 1985

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 879/84-85—अतः मुझे एम० जगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी सं० प्लाट है तथा जो बंजारा हील्स् हैदराबाद में स्थित है स्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 1908 का 16) के अधीन तारीख मई, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उधित बाजार मूल्य से कंम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उधित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

कतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६—

(1) श्रीमती बसीरुनिसा बेगम, 11-4-653, सईफाबाद, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री पो प्रभाकर रेड्डी, डी नं० 3-4-136/ए, बरकतपूरा, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

•बन्सूची

भूमि नं० 60, एस० ॄ्नं० 18, रोड नं० 12, बंजारा हील्स् हैदराबाद, विस्तीर्ण 284 चौ० गज और 2833 चौ० फु० रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2892/84 रजिध्ट्रीकर्बी अधिकारी हैदराबाद ।

एम० जगन मीहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 8-1-1985

प्ररूप **आईं**. टी. एन. एस् 🗃 ====

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत लरकार

कार्यालय, सहाय्क आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 8 जनवरी 1985

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 880/84-85--अतः मुझे, एम० जगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जित्तकी मं० प्लाप्य है तथा जो बंजारा हिल्स हैदराबाद में स्थित है(स्रोर इसने उराबद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृन्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबर, अक्ट अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में भृतिधा के लिए; और या/
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण कों, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अडे अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत ः— (1) श्रीमती बसीरुनिसा बेगम,11-4-653, सइफाबाद,हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री के नागभूशन रेड्डी,3-4-136/ए० बरकतपुरा,हैरदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावार संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाझ लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टोंकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में लिया गया है।

वनस्ची

प्लाट नं० 61, बी टाईप, रोड नं० 12, बंजारा हील्स हैदराबाद, विस्तीर्ण 358 चौ० गज भूमि ग्रौर 283 चौ०फु० प्लीथ एरिया रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2890/84 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 8-1-1985

प्ररूप बाई. टी. एन. एस. - - - ---

बायकर वृष्टियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म् (1) के व्योन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 8 जनवरी 1985

निदेश सं० आर०ए०सी०/नं०881/84-85-अतः मुझे, एम० जगन मोहन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० घर है तथा जो सइदाबाद, हैदराबाद में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्तो अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख मई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के स्वयमान प्रतिकल के लिए कन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके स्वयमान प्रतिकल से, ऐसे स्वयमान प्रतिकल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; और/या
- (क) एसे किसी जायं या किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1), अधीत, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री मह्मूद जंग, आईवन ए बेनम पेट, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सीराजूनिसा बेगम पति लेट म० र० फकीहदीन अली 20-7-293, फतेह दरवाजा, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गया है।

मन्स्ची

घर नं० 16-1-24/15, फराह इस्टेट सइसबाद, हैदराबाद, विस्तीर्ण 287 चौ० गृज भूमि और 860 चौ० फु० प्लीथ एरिया रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2739/84, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकाऱी, हैदराबाद ।

एम० **जग**न मो**हन** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 8-1-1985

प्रकृष बाइ².टी. एन. एस. ------

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के बधीन सुचना

धारत स्रकाह

भार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 जनवरीं 1985

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 882/84-85--अतः मुझे, एम० जगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी सं० घर है तथा जो सइदाबाद, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनूसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित रिजस्ट्राकर्ता अधिकारों के कार्यालय हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 16) के अबीन तारोख मई 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरित्यों) के बीच एसे अंतर्ण के लिए तय पाया गया प्रतिक्क्त, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दरियस्य में कभी करने या उससे बखने में सुविधा के लिए; बाँड/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :— श्रो महमूद जंग,
 आईवन ए बेमगपेट,
 हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्रा सयद अनवर अहमद , 16-4-484, चेंचलगूडा हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिल्ला कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) ६स सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वी कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उत्तत स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकों।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का; जो उनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन संसी

घर नं० 16-1-23/13, फराह इस्टेट, सइदाबाद, हैदराबाद, विस्तीर्ण 287 चौ० गज, भूमि और 860 चौ० फु० प्लीय एरिया, रजिस्ट्राकृत विलेख नं० 2740/84, रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारा, हैदरबाद ।

एम**∙ जगन मोद्दन** स**क्षम प्राधिकारी** सहायक आयकर आयु**क्त (निरीक्षण)** अर्जन रेंज, **हैदराबा**ट

दिनांक : 8-1-1985

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) भ्रार्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 जनवरे। 1985

निदेश सं० म्रार० ए० सी० नं० 88 3/84-85/--म्रतः मुझे, एम० जगन मोहन

आयकर औधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-- ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीय जिसको सं० घर है तथा जो सहदाबाद, हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्राकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख मई 1984

को प्रवेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण, है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से किथन नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 19(7 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री मसूद ग्रली खान, ग्राइवन ए बेगमपेट, हैदराबाद ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती सयीदा महमूद खटून, पति श्री एस० ए० नक्वो, 17-9-149, कूमरागूडा, हैदराबाद ।

(म्रन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यकाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पीत्त के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेष :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धीं व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4 किन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य क्यिक्त द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकरी।

स्थव्दीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उद्धत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्**ची**

घर नं० 16-1-24| = -9, फराह इस्टेट, सइदाबाद, हैदराबाद विस्तीर्ण 228 चौ० गज भूमि और 300 चौ० फु० प्लींथ एरिया रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 3758/84, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन ^{ने}ज, हैदराबाद

दिनांक : 8-1-1985

प्ररूपु आई .टी.एन .एस .-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्चना

शाउत सुरक्त

कार्यालय, सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 8 जनवरी 1980

निदेश सं० ग्रार० ये० सी० नं० 88 4/8 4-8 5--- ग्रतः जमुझे एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य, 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० घर है तथा जो सइदाबाद, हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूचों में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है (, रिजस्ट्रोकर्ता ग्रिधिकारों के कार्यालय, हैदराबाद में रिजस्ट्रोकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख सितम्बर, 198 4

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए बंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिय नय पाया नया प्रतिफल निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण मिलित में शास्तिक क्य से किथत नहीं किया गया है:--

- (अ) अन्तरण संहुर्द किली आय की बाबत, उन्तर अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरण के व्यक्तियम में कभी करने या उससे बचने में स्विधा खे खिए; बीरू/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोचनार्थ जन्तीरती द्वारा प्रकट नहीं किया यवा था वा किया जाना चाहिए था, क्रियाने भें शिवया के जिले

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रं। मसूद अलो खान,
 1-8-322,
 बेगमपेट,
 सिकन्दराबाद।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती स्रनीस फातीमा, 16-5-191, डिबरपुरा, हैदराबाद।

(ग्रन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 15 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (क) इस स्थाना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन के भीतर छक्त स्थान्द सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निक्ति में विक्र जा सकेंगे।

स्वक्षीकरण:--इसमें प्रयुक्त खन्दों और पदों का, वो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं।, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में दिवर गया है।

बन्स्थी

घर नं० 16-1-24, फराह इसटेट, सईदाबाद, हैदराबाद, विस्तीर्ण 315 चौ० गज, ग्रौर भूमि 220 चौ० फु० प्लींथ एरिया रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 4879/84 रिजस्ट्रीकर्ती ग्रिधिकारो हैदराबाद ।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबा

दिनांक : 8-1-1985

माहर :

प्ररूप बाई. टी. एन. एस. -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 8 जनवरो 1985

निदेश सं० ग्रार० ए० सी० नं० 88 न/84-8 5---ग्रन: मुझे, एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० घर है तथा जो सहदाबाद हैदराबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रुप से विणित है) रिजिस्ट्राकर्ता श्रधिकारा के कार्यालय हैदराबाद में रिजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1808 का 16) के श्रधीन मारीख सितम्बर 1984,

को प्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का स्वारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त आध-भन्यम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; गरि/शा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन वा जन्य आस्तियों फो, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) य√ उक्त अधिनियम, या धन-कर आधानयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अतिरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के सिए;

बतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारः (1) के अधीन, निम्निसिस व्यक्तियों, अर्थात् :---- (1) श्रं मसूद ग्रली खान 1-8-322, बेगमपेट सिकंदराबाद ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एम० ए० सत्तार, , 20-6-240, शहा श्रली बंडा, हैदराबाद।

(अन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी आक्षेष :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ज़) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा बक्षोहुस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-कंमें परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० $16-1-29/\xi-18$, फराह इस्टेट, सइदाबाद हैदराबाद विस्तीर्ण नं० 265 चौ० गज भूमि भ्रौर 860 चौ० फु० प्लीथ एरिया रिजस्ट्राकृत विलेख नं० 3759/84 रिजस्ट्राकर्ता अधिकारी हैदराबाद ।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 8-1-1985

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की 269-घ(1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, यहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदरावाद

हैदराबाद, दिनाक 8 जनवर, 1985

निदेश सं० ग्रार ए० सी० नं० **४**86/84-85---ग्रदः मुझे एम० जगन मोहन

अ। बकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उबत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थातर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकः सं० घर है तथा जो सहदाबाद, हैदराबाद में स्थित है (ग्रीट इसमें उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है (ग्रीस्ट्राकर्ता ग्रीधिकार्ग के कार्यालय हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण ग्रीधिनयम 1908 (1908 का 16) के प्रवीन तारीख सितम्बर, 1984

को पूर्वीक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उक्क दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्रल निम्नलिखित उद्देश्य से उवत अन्तरण लिखित मे वास्तविक हूप में कथित नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण सं हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने मों सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी बाय गा किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या सन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्यांजनार्थ अन्दरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

कत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में उक्ष्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री मसूद ग्रली खान,
 1-8-322
 बेगमपेट,
 सिकंद्राबाद।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रो शेख महबूब, 114-सा, नल्लागूंटा, सिकंदराबाद ।

(म्रन्तरिती

को यह सूचना जारी करकै पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के रि कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वीं व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षारी के प लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण '--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उ अधिनियम के अध्याय 20-क में पी।भाषि हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दि गवा है।

अन्स्यी

घर संपत्ति फराह इस्टेट नं० $16-1-24|\xi|22$, हैदराबार विस्तीर्ण 305 चौ० गज, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4880|8र रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी हैदराबाद ।

एम्र्रं जगन मोह सक्षम प्राधिकार सहायक ग्रायकर आयुक्त निरीक्षण ग्रजन रेंज, हैदराबा

दिनांक : 8-1-1985

प्रकष् बार्ड, टी. एस् इस्.-----

आयर्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा '269-च (1) के अधीन स्चना

धारत सरकाह

कार्यातय, सहायक गावकर गायुक्त (निरीक्रण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 जनवरी 1985

निदेश सं० आर० ए० सी० नं०/ 887/84-85-अतः गुझे, एम० जगन मोहन,

प्रकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (बिसे इसमें उके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- की अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- में अधिक हैं

गौर जिसकी सं० घर है तथा जो सहरन नगर, हैदराबाद में स्थत है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद ईस्ट रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1984

ों पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान तिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास रने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार ल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का ऋह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती अंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के निए तय पाया गया प्रति-ल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक य से किथत नृहीं किया गवा है ∷—

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, इंडक्त बीधीनयम के बधीन कर देने के अन्तर्र्क के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा की निए; बीट्र/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में युविधा के किए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण ाँ, मैं उक्त अधिनिक्य की धारा 269-व की उपधारां (1) हे अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथीत ह— (1) श्री व्ही० कप्पू स्वामी,
 16-11-491,
 दिलसुख नगर,
 हैदराबाद ।

(अन्तरक)

 (2) श्री एम० एफ० ए० संजीवाराव, घर नं० 7-38, (प्लाप्ट नं० 22), हुडा कम्पलेक्स, सहरन नगरन, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

काँ यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के किए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह-

- (क) इस स्वान को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिब की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस श्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वय्हीकर्ण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो सक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 7-38, प्लाप्ट नं० 22, हूडा कम्पलेक्स, सुरुरन नगर, हैदराबाद, रिजस्ट्रीक विलेख नं० 5590/84, रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी, हैदराबाद

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 8-1-1985

प्रक्ष बाहु : दी. एव ु एव ु-----

बाय्कर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के अभीन सूचना

भारत सरकाड

कार्याचय, सहायक कायकर नायुक्त (निराक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हेदराबाद, दिनांक 8 जनवरी 1985

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 888/84-85---अतः मुझे, एम० जगन मोहन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उन्ति बाजार मून्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० घर है तथा सइदाबाँद, हैदराबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूर्चा में ग्रौर पूर्ण रूप से वाणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1984

को पूर्बोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार गूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के ल्ए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बावत, उनक बिध-नियम के अभीन कर देने के बन्तरक के दायिलीं में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बार/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

धतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह

(1) श्री एक्टेंदरुद्दीन खान,1-8-322,बेगमपेट,हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) मैंसस अनाबे शाही वाइनर्स और डीस्टिलरीज प्रा० लि०, बाई : श्री कन्हैया लाल के० हारंजानी, 5-9-22/57, आदर्श नगर, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वृद्धित के निष् कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास निखित में किए जा सकेंगें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसते अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 16-1-24, सद्दाबाद, हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2516/84, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी ,हैदराबाद।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 8-1-1985

प्ररूप बार्ड ्र टी. एन ्र एस 💆 🛎 - - ----

बायकर अधिनियम, 1961 (1461 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक नायकर नायुक्त (निर्दाक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 जनवरी 1985

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 889/84-85--अतः मुझे, एम० जगन मोहन

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्ति बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट है तथा जो दिलसुख नगर, हैदराबाद में में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई, 1984,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, जिम्मिलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बावत-, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व के क्यीं कुरने वा उत्तवे बचने में सुविधा के निए; कार्ट/वा
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां कां, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने दें स्रीवधा के लिए:

अत_ी अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, क्वर⁴त १ श्रीमती डी० विजया श्री, पित श्री डी० एस० मूर्ति, 5-9-22/1, शापूर वाड़ी, हैदराबाद ।

(अन्तर्क)

(2) श्रीमती किरन बाई श्रौर अन्य, 15-1-601, सिदम्बर बाजार, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

्रुको यह सूचना जारी करको पूर्वीक्तु सम्पत्ति के अर्जन के लिः कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीक में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण ——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

जनस्वी

खुली जमीन, दिलसुख नगर, हैदराबाद, विस्तीर्ण 556 चौ० गज, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1679/84, रजिस्ट्रीकृती अधिकारी आजम पुरा ।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 8-1-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-मृ (1) के अधीन सुमृता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायकत (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 जनवरी 1985

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 890/84-85--अतः मुझे, एम० जगन मोहन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आरण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० घर है तथा जो हैदराबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्री— कर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण अधि— नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1984

को प्वांक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के, दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापर्योक्त संपत्ति का उचित बाजार माल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) बन्तद्रण से हुई किसी बाय की बांबतु, उक्त बिधनियम के बधीन कर दोने के बन्तर्क के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बरि/बा
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अबोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा की लिए।

अतः अदं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-मं के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-मं की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्रीमती शांति पिती पति श्री बदरी विशाल पिती, 6-3-648, सोमाजीगुडा, हैदराबाद

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कल्याणी अलियास कांता देवी, घर नं० 4-3-63-ए-4, रघुनाथ बाग, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्चन् के सिष्ट् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कर से 45 दिन की उनीभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें श्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

घर नं० 4-3-63-ए-4, रघुनाथ बाग, हैदराबाद, विस्तीर्ण 165.49 चौ० गज, भूमि ग्रौर 1489 चौ० फीट, प्लींथ एरिया, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3720/84, रजिस्ट्रीकृती अधिकारी, हैदराबाद ।

एम० जगन म सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 8-1-1985

मोहर 🖫

प्रकृप , बार्ड , टी , एन , एस , ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 8 जनवरी 1985 सं० आर० ए० सी० नं० 891/84-

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 891/84-85--अतः मझे, एम० जगन मोहन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इक्कों पश्चातू 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० घर है तथा जो रघुनाथ बाग, हैदराबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विगत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनिमय, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह बिश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय का बाबत उक्त जिल-नियम के बधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधः के लिए; बौर/या
- (क) एसी किसी अाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा ने सिए;

जतः जब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग क जनसरण में, में उक्त अभिनियम भी भारा 269-ज की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों , अर्थात् ४००० (1) श्रीमती पीती पति श्री एम० बदरी विशाल पीती, सोमाजी गुडा, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती लीता शर्मा पति श्री भागीरथ शर्मा, घर नं० 4-3-58, रघुनाथ बाग, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षप :--

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तित्मों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के लध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया मया है।

marrell .

घर नं० 4-3-58, रघुनाथ बाग, हैदराबाद, विस्तीणें 167 चौ० गज, भूमि श्रौर 1509 चौ० फीट, प्लींथ एिरिया, रिजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2541/84, रिजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी, हैदराबाद।

एम॰ जगन मोहन सक्षम्रप्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 8-1-1985

मोहर ध

प्ररूप बाई .टी .एन .एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 जनवरी 1985

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 892/84-85--अतः मुझे, एम० जगन मोहन

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है). की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० घर है तथा जो सुलतान वाजार, हैदराबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रोकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्त-लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धम या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय बाध-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के सिक्षः

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) हो अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती शांति पिती पति श्री वद्गी विशाल पिती, 6-3-648, सोमाजी गुडा, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री हनुमान व्यायाम शाला,
 4-3-52,
 ग्रीर 52/1, रघुनाथ बाग,
 हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्सूची

घर सम्पत्ति नं० 4-3-52/1, सुलतान बाजार, हैदराबा रिजस्ट्रीकृत विलेख सं० 2975/84, रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी, हैदराबाद ।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 8-1-1985

मोहर ;

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अधकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

... हैदराबाद, दिनांक 8 जनवरी 1985

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 893/84-85--अतः मुझे, एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा, गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं थर है तथा जो बंजारा हिल्स, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अनतरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथा गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के बंतरक के दायित्य में कमी करने वा उससे बचने में स्वीवधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह——
46—446 GI/84

 (1) श्री मुजफ्फर अली खान श्रौर अन्य, 8-2-608, रोड नं० 10, बंजारा हिल्स, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) डा० एम० मनोरमा पति .
 श्री एम० चन्द्रशेखर रेड्डी,
 3-4-60/6,
 लिगम पल्ली,
 हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को-यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (सं) इंस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वच्छीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची -

घर नं० 8-2-608/20, रोड नं० 10, बंजारा हिल्स, हैदराबाद, विस्तीर्ण 350 चौ० गज, भूमि ग्रौर 430 चौ० फीट, प्लीथ ए्रिया, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 3268/84, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 8-1-1985

Tite .

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचता

भारत सरकार

फार्यालय, सहायक बायकर बायकत (निरक्षिण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 जनवरी 1985

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 894/84; 85—अतः मुझे, एम० जगन मोहन,

नावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्थात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25.00%- रुट में अधिक है

श्रौर जिसकी सं० धर है नथा जो बजारा हिल्स, हैदराबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूर्चा में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद मे रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1984

का पूर्वोयत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गर्द है और मृझ्ये वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्या, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फला, गिम्नलिखित उद्देश्य से उक्त उन्तरण लिखित में गास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण ते हुई किसी आय की वायत, उपत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के निए: और/सा
- (स) एसी किसा आय या किसी धन या अन्य आस्तियों के, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा खेलिए.

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण कैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिश्विष व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री मुजफ्फर अली खान ग्रौर अन्य,
 8-2-608,
 रोड न० 10,
 बजारा हिल्म,
 हैदराबाद।

(अन्तरक)

 (2) श्रीमती फइजूनिमा बेगम पित श्री खाजा नसरुल्लाह,
 8-2-608/8,
 रोड न० 10,
 बजारा हिल्स,
 हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त मपत्ति के अर्थन के सबध में काई भी आक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं हैं 45 दिन की जनिध वा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनिध, जो भी जनिध बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में ए किसी व्यक्ति दनारा;
- (स) इस रामना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन हे भीतर उक्त रथायर सपीत्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यवि। द्वाग अधिर ताक्षरी के पाभ निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उस्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गरा हैं।

अन्स्ची

घर नं० 8-2-608/8, रोड नं० 10, बंजारा हिल्स, हैदराबाद, विस्नीणं 350 चौ० गज, भूमि ग्रौर 430 चौ०फीट, प्लीथ एरिया, रिजस्ट्रीकृत विलेख न० 2960/84, रिजस्ट्री— कर्ता अधिकारी, हैदराबाद ।

एम० जगन मोहन मक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 8-1-1985 मोहर:

प्रक्य बाह् . टी. एवं . एस . - -- •

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अभीन सृचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अध्यकर आधुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, हैटराबाद हैदराबाद, दिनांक 8 जनवरी 1985

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 895/84-85-अतः मुझे, एम० जगन मोहन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-.रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैट है तथा जो अमीरपेट, हैदराबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्तूबर, 1984

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने वा कारण है कि यथापृत्रिक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अतरितियों) के दीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी जाब की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौड/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों नागतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या धृन्- कार जीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा सा किया जारा जाहिए वा, क्रियाने में सुविधा के जिए;

मतः तकः, उक्त विधितियमं की धारा 269-न के तन्तरम् में, में, उक्त अधितियमं की धारा 269-च की उपधारा (1) हो बधीन, निम्नसिचित त्यक्तियों, अर्थात् — (1) मैं ० विजया बिल्डर्स बाइ :
श्री वाइ ० लक्ष्मणन राव,
 डी ० नं ० 7-1-70/बी/1,
 एन० सी० एच० रोड,
 अमीरपेट, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुन्दरी नटराजन, फ्लैट नं ० 604, विजया अपार्टमेंट्स, 7-1-70/बी/6, अमीरपेट, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के किश्

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी वा से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचता की तामील से 30 दिन की खबिथ, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति दवारा, अधाहस्ताक्षद्री के पार निस्ति में किए या सकते।

स्पष्टीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों अर्ति पदों का, जो उक्क्षु विधिनियम के अध्याय 20-कं में यथा परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

जनुसुची

फ्लैट नं० 502, विजया अपार्टमेंट्स, अमीरपेट, हैदराबाद, विस्तीर्ग 1176 चौ० फीट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5308/84, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 8-1-1985

प्ररूप बाईं.टांं. एन . एस .- -----

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के न्धीन स्चना

भारत बहुकाउ

कार्याल्य, सहायक आयकतर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 जनवरी 1985

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 896/84-85-अतः मझे, एम० जगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित बाबार मून्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी सं० फ्लैंट है तथा जो अमीरपेट, हैदराबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1984

को प्वॉक्त सपित के उचित बाबार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत उक्त अधिनिक्षण के अधीन कहु दोने के अन्तरक से दाजित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के क्रियु,, बॉर्ड/या
- (ब) एसी किसी नाय या धन या अन्य नास्तियों को, जिन्हें भारतीय नाय-कर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनयम, या धन-कर विधिनयम, या धन-कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ नंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था. छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग कै अनुसरण में में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:—

(1) मैं विजया अपार्टमेंट्स,
बाइ: श्री वाई ० एल ० राव,
7-1-70,बी/6,
एन० सी० एच० रोड,
हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती जे० वसन्त कुमारी, 206, विजया आपार्टमेंट्स, एन० सी० एच० रोड, अमीरपेट, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को वह बुचना बारी करके पृश्तेंनत सम्मत्ति के वर्षन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के बर्बन के सम्बन्ध में कोई भी बार्बाएं:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के शितर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी स्वन्ति बुवारा;
- (स) इस सुचना के बाजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वाय मुभोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए वा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, बो उक्त विधिनवयं के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया वया है।

वन्त्वी

पलट नं० 206, विजया अपार्टमेंटस, अमीरपेट, हैदराबाद, विस्तीर्ण 832 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3893/84, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 8-1-1985

प्ररूप. बार्च. टी. एन. एस.,-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 8 जनवरी 1985

निदेश र्स० आर० ए० सी० सं० 897/84-85-अतः मुझे, एम० जगन मोहन,

ायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा १69-ख की अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वार करने ज्ञारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य १5,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं ० फ्लैंट है तथा जो बेगमपेट, हैदराबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्योलय, वल्लभ नगर में रिजस्ट्री—ू करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1984

हां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान मितफल के जिए अंतरित की गईं है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का के उचित बाजार मूल्य उसके पश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का मन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया मितफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित ों वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (वं) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविभा के लिए;

अतः अब, उक्त, अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

(1) श्री जे० पी० जगदीश रेड्डी श्रीर अन्य,
 7-1-21/3,
 बेगमपेट, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री अकबर अली शाह,
 नं० 312/2,
 आर० टी० पी० एस० नगर,
 हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लट नं० 34, तीसरा मजला, ए-2, ब्लाक, मयुरी अपार्टमेंट्स, बेगमपेट, हैदराबाद, विस्तीर्ण 847 चौ० फीट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1468,84, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, वल्लभ नगर।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 8-1-1985

मोहर : '

प्रकृत बाद . टी . एवं . एस : -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के ब्योन सूचन

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 जनवरी 1985

निदेश' सं० आर० ए० सी० नं० 898/84-85--अतः मुझे, एम० जगन मोहन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० पलैट है तथा जो बेगमपेट, हैदराबाद में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पढ़ प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्दरूप से हुई किसी नाय की बाब्द, उक्क विधिनिक्य के समीन कर दोने के अन्तरक के दाविस्थ में कनी करने वा उक्क वर्ष में में सुविधा ने शिक्ष; बाँद्ध/या
- (स) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय साय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भन-कर अधिनियम या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रगाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में म्विधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--

(1) श्री पी० जगदीश रेड्डी श्रौर अन्य, 7-1-21/3, बेगमपेट, हैदराबाद।

(अन्त रक

(2) श्रीमती बेरील केरले, नं० 3, लुक्कीइन, रुद्रपुर, कोथागुडम ।

(अन्तरिती

को यह सूचना बादी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के हि कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन की अवधि या तत्तम्बन्धी व्यक्तियाँ प् सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, बो : अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीव व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद् किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पा लिखिता में किए जा सकेंगे।

स्पष्टाकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो सक अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषि है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिर ग्या है।

समय की

ए फ्लैंट नं० 56, पांचवां फ्लोर, ए-2, ब्लाक, मयुरी अपार्टमेंटस, बेगमपेट, हैदराबाद, विस्तीणं 847 चौ० फुट, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 1473/84, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, वल्लभ नगर।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 8- 9

प्रारूप बार्ड . टी . एन . एस . -----

बायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 8 जनवरी 1985

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 899/84-85-अत: झें, एम० जगन मोहन,

ाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें के परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 19-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का रण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,000/- रा. से अधिक हैं

ार जिसकी सं ० फ्लैट है तथा जो बेगमपेट, हैदराबाद में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), जिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वल्लभ नगर में रजिस्ट्री—रण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, ारीख मई, 1984

क्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृन्य से कम के द्रियमान तक ल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास रने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार य, उसके दश्यमान प्रतिफल मं, एमे दश्यमान प्रतिफल के इह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और उदिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया प्रतिफल, निम्निचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के बिए; और/वा
- (क) एमी किसी बाय या किसी धन या बन्य बारितयों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण ', मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (१) अधीन निकालिश्वित व्यक्तियों, अर्थात:—

श्री पी॰ जगदीश रेडी और श्रन्य, 7-1-21/3 बेगमपेट, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री सी० एच० विरा दुर्गा प्रसाद, पर्लैट नं० 27, सेकन्ड फ्लोर, ए-1, ब्लाक मयुरी अपार्टमेंट्स, बेगमपेट, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कस्ता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विवित में किए जा सकाने।

स्वष्टीकरण:---इसमें प्रमुक्त सब्दों और पर्वो का, को उक्त । नीधनियम के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं क्षे होगा जो उस कथ्याय में दिया गया है।

वन्स्की

फ्लैंट नं० 27, दूसरा मजला, ए-1 ब्लाक, मयुरी अपार्टमेंट्स, वेगमपेट, हैदराबाद, विस्तीर्ण 847 चौ० फीट, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 1471/84, रिजस्ट्रीकृत अधिकारी, हैदराबाद।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारी**ख** : 8-1-1985

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस.-----

आथकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 जनवरी 1985

निदेश सं० आर० ए० सी० में नं० 900/84-85-अतः मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस्से इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० पलैंट है तथा जो बेगमपेट, हैदराबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वल्लभनगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई, 1984

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विष्टाय करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण कि बित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) वन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, अभत विभीनयम के वधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/आ
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जान, चाहिए था, छिपाने में मृविधा के निए;

अत: अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निकालिकित व्यक्तियों, अर्थात् है—

 श्री पी० जगदीश रेड्डी स्रीर अन्य,
 7-1-21/3,
 बेगमपेट, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री एस० कृष्णा मूर्ति ललीत नगर कालोनी, सिकन्दराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लि कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख र 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों प सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भं अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त त्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह³, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्ची

पनैट नं० २४, ए-2 ब्लाक, मयुरी अपार्टमेंट्स, बे गमपेट, हैदराबाद, विस्तीर्ण 847 चौ० फीट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1474/84, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, बल्लभ नगर।

> एम० जगत मोहन सक्षम प्राधिकारी यहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 8-1-1985

fi :: :

प्ररूप बार्च ुर्दी एन ुएस् =====

जायकर ज़िंधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

. अर्जं न रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 9 जनवरी 1985

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 951/84-85-अत: मुझे, एम० जगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000 /- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० घर है तथा जो वी० एने० कालोनी, हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजर्स्ट्राकर्ता अधिकारी के कार्यालय, खैरताबाद में रिजर्स्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई, 1984

को प्वोंकन सम्पत्ति के जीवत बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने की कारण है कि यथापूर्वोंकत सम्पत्ति का जीवत बाजार मृत्या, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का वृद्ध प्रतिस्थात से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया मया अतिफल, निम्नृलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में अस्तिक हम से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए, बरि/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः सब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीर, निम्हलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----4---446 GI/84 श्री अख्तर हुसैंन पितां श्री अहमद हुसैन, 10-3-342, 38/2, आर० टी०, विजय नगर कालोनी, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री बी० बी० नारायण राव, पिता श्री बी० हानुमन्त राव, नाऊ, 38/2 आर० टी०, विजय नगर कालोनी, दे हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपर्तित के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख सैं 45 दिन की अविध या तत्से बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तित , द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए बा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसेमें प्रयुक्त शब्दों और क्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित चै, वही, अर्थ होगा जो उस सध्याय में दिया ा है।

वन्स्ची

घर विजय नगर कोलोनी, हैदराबाद, विस्तीर्थ 170 चौ० गर्ज, भूमि ग्रौर 1080 चौ० फीट, प्लीथ एरिया, रिक्स्ट्रीकृत विलेख नं० 1217/84, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, खैरताबाद ।

> एम० जगन मोहन प्राधिकारी सहायक आयक्ष्मिक (निरीक्षण) क्रुं, हैदरात्राद

तारीख: 9-1-1985

अपन बाद' टी. पुन. पुछ. - - - 8

भारत 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरुकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 9 जनवरी 1985

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 952/84-85--अतः मुझे, एम० जगन मोहन,

• आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/ • रु. से अधिक है

भीर जिम्की सं . घर है तथा जो राभवन रोड, हैदर्जिद में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से ब्रॉणित है), राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का जरण है कि यथापूर्वों कत संपर्तित का उचित बाजार मूक्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अंतरिति तों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नोलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त विधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक कें दाधित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के किए: बौर/या
- (मंं) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-कर अधिनियम, या बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने, में समिक्ध को लिए;

जतः अतः, क्यान्य स्थानयम की धारा 269-ग के जनसरण के, के, सकत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री वी० वी० नारायणा राव पिता श्री वी हनुमन्त राव, 38/2,आर्टर, विजय नगर कालोनी, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) कुमारी राना पिता श्री अब्दुल रहमान चीदा, फ्लैंट नं 104, स्रिरता अपार्टमेंटेंस, रोंड नं ० 4, बंजारा हिल्स, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

का यह स्वना जारी करके प्वानित सम्पत्ति के अर्वन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

डक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लगरीख से 45 दिन की अविधि मा तरसम्बन्धी व्यक्तियाँ वर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, वा भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति दुवारा?
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मैं परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्वा हैं ॥

घर राजभवन रोड, भास्कर अपार्टमेंट्स केकरीप, विस्तीर्ण 310 चौ॰ गज और 1050 चौ॰ फीट, प्लीथ एरिया, रजिस्ट्री हत विलेख नं॰ 2469/84, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निर्देक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 9-1-1985

महिर :

भ प्ररूप बाह्ं हो। एक। एक।

961 (1961 का 43) की धारा 269:

1) के अधीन स्चना भारत सरकार

बिहायक अायकर आयुक्त (निरक्षिण)

ं अर्ज़न रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद,दिनाक 9 जनवरी 1985

निदेशसं० आर्०ए०सी०नं० 953/84-85--अतः मुझे एम० जगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार भूल्य 25,000/- रत. से अधिक हैं

और जिसकी स० घर है जो मनाब टेट, हैदराबाद में स्थित है (और,इससे उपाबद अनुसूची मे और पूर्ण रूप से वणित है) रजिस्द्रीकर्ता अवि ारी के दार्वालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 908 (1908 दा 16) के अधीन, तारीख मई, 1984

को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया 'ब्रितिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लि**खित में** बास्तविक रूप से कंथिए नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुए किसी नाव की बावस्, उनस बिधिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक की दायित्य में कभी करने वा उससे व्यने में सुविधा के लिए: बौर्/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या किसी आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 .- (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गवा भाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्रीमती गुलशन बिल्डिंग० 3-4-346, अम्बरपेट, हैदराबाद।

(अन्सरकः)

(2) डा० श्रीमती वसीम फातिमा, 19-4-400/1बहादुर पुरा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके वूर्वोक्त संपरित के अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हु।

उन्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ह---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी**ख** के 45 दिन की बविध या तत्संबंधी व्यक्तियां वर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो 🖟 भी - अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पुर्वेदित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख[ः] खे 45 दिन के भीतर उन्नत स्थावर संपत्ति में हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पासू लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त बन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमें के अध्याय 20-क में परिशामित हैं, वहीं वर्थ होगा, जो उस वध्याय में दिया गया है 🔃

। जनस्या

घर, विस्तीर्ण 225 चौ० गज, मासाब टैंक, हैदराबाद रंजिस्ट्री इत विलेख नं० 288 /84, रॉजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद।

> एम० जगन मोह्रव सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

बतः अब, उक्त काधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

तारीख: 9-1-1985

प्रकृत बाहै. टी. एन. एस.----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प्र (1) के अधीन संचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदरोबाद,दिनां र 9 जनवरी 1985

निदेश सं० आर० ए० सी० 954/84-85--अतः मुझे, एम० जगनमोहन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित बाजार मृज्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० घर है तथा जो मासाब टैंक, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधितारी के कार्यालय, हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का शारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए उस पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किहित में वास्ति है स्प स किथत नहीं किया गया है.

- (का कतरण से हाई किसो आप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, पिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर कार्धनियम, 1957 (1957 का 27) के अधारा पर्य प्रतास्ती द्वारा प्रवाट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा से निए:

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निल्सित व्यक्तियों, अर्थात :— (i) श्री जमीर वाई डांगे,
जी जमीर वाई डांगे,
जी जमीर वाई डांगे पोस्ट चारेगांव,
वाई डांगे पोस्ट चारेगांव,
वालुक करीद,
जिला सितारा,
महाराष्ट्र स्टेट।

(अन्तरक)

(2) डा॰ (श्रीमती) वसीम फार्तिमा, 19-4-400/1, बहादुर पुरा, हैदराबाद।

(ग्रन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पृथोंक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेत्र 🖫

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की व्यक्ति, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवबूध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

क्पच्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उत्तर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

वन्स्पी

घर नं० 10-1-17/ए, मासाब टैंक, हैदराबाद, विस्तीण 151 चौ० गज, रजिस्ट्री ुत विलेख नं० 2817/84, रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी, हैदराबाद।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदरा**या**

तारीख: 9-1-1985

प्ररूप बाइं ु टी. एन. एस.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्चना

प्रारुत् सरकाड्ड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाक 9 जनवरी 1985

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 955/ ७4--- 85---अतः मुझे, एम० जगन मो हन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी स० प्लाट है तथा जो मासब टैंक, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्री क्रिक्शिं के कार्यालय, हैदराबाद में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ,,ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतर्रक (अंतरकॉ) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वरेश से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक स्पूर्त किया गया हैं:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बिधिनियम के बधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे ब्यने में सुविधा के निए; बार/या
- (क) एसे किसी बाय या किसी धन या अन्य न आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 किना 11) या अक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, छिपाने में सूर्विधा खें तिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसर्ण को, को, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निचित अधिकतार्गे, अधारत है— (1) श्री सैयद अहमद जमील, पिता एव० एस० एम० इक्बाल, बेगम बाजार; घरनं० 15-6-360, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री यंटेशनु हीनं अहमद पिता लेट एम० एम० अह्मद, 3-1-80, काचीगुडा, हैदराबाद।

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पंध्टीकरण:—ेइसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁴, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ह²।

अस्य परि

घर प्लाट न० 0-4-771/82/सी/4, मासाब टैंक, हैदराबाद, विस्तीर्ग 267 चौ० गज, भूमि और 200 प्लोंथ चौ० फूट एरिया, रजिस्ट्री जिलेख न० 2805/83, रजिस्ट्री केंद्री अधिकारी हैदराबाद।

एम**े जनन मोहन** सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) अजन रेंज, हैदराबाद

तारीख · 9-1-1985 मोहर 🖟 प्ररूप बार् हो, एत्, एस्,-----

बामकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 जनवरी 1985

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 956/84-85-अतः मुझे, एम० जगन मोहन

सहायक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

म्र की सं० घर है तथा जो मेंहदीपट्मन, हैदराबाद में स्थित है (म्रार इउसे उराबद्ध अनुसूची में म्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के कि अधीन, तारीख मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दरामान प्रतिफल से, एसे दर्श्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशन से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितिशों) े बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण संहुई किसी नाय की वावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के जन्तरक ये दायित्व में कमी करने या उससंबचने में सुविध। के लिए; और/या
- (ध) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:— (1) डा० एन० बाल कृष्णा रेड्डी,
 3-6-98,
 हिमायत नगर,
 हैदराबाद

(अन्तरक)

(2) श्री तौहीद अली खान, 47, एम० आई० जी० एच०, मेंहदीपट्नम्, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ध---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीस क्षे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धीं व्यविनयां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख सं
 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकींगे।

स्मध्दीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो सक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁴, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर मेहरी ग्ट्रम् कालोनी म्युनिसिपल नं 12-2-831/55, विस्तीर्ण 530 चौ० गज, भूमि और 1620 चौ० फीट, प्लींथ एरिया, रिजस्ट्रोकृत विलेख नं 1126/84, रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी, खैरताबाद ।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 9-1+1985

मोहर 🛭

प्ररूप आहें ही. एन. एसं.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

हैदराबाद, दिनांक 9 ज्नवरी 1985

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 957/84-85--अतः मुझे, एम० जगन मोहन,

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पृति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000 $^{\prime}$ -रु. से अधिक है

ग्रीर जिन्नकी सं० घर है तथा जो ए० सी० गार्डस, हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी वे कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्री करण धिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, उत्तिख मई, 1984

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमाण प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपित का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल सो, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि सिद्ध में वस्त अन्तरण के लिए तथ सिद्ध में वस्त अन्तरण के लिए तथ स्था गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण के लिए तथ सिद्ध में वस्त अन्तरण के सिद्ध में वस्त अन्तरण के लिए तथ सिद्ध में वस्त अन्तरण के सिद्ध में वस्त में वस्त सिद्ध में वस्त अन्तरण के सिद्ध में वस्त सिद्ध में वस्त में वस्त सिद्ध म

- (क) अन्तरण सं हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के निए।

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण को, की, उक्त अधिनियम की धार्फ 269-थ की उपधारा (1) को अधी न जिस्ति विकास अधिन क्यांति क्य (1) श्रीमत्ती पी० वरलक्ष्मी पति श्रीपी० एन० राजू, टोली चौकी, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) मैं० रासी सीमेंट्स लि॰, को॰ 1-10-125, असोक नगर, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के रावपत्र में अकाशन की तारीस से
 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारां अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याष 20-क में परि-भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

घर ए० सी० गार्डस्, विस्तीर्ण 1196 चौ० गज, यानि 1009 चौ० भीटर, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2949/84, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैंदराबाद

तारीख: 9-1-1985

मोहर "

प्रकृप आई टी एन एस -----

काय कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

कार्यांचयः तहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाक 9 जनवरी 1985

निदेश स० आर० ए० सी० न० 958/84-85--अल मुझे, एम० जगन मोहन,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसको स० घर है तथा जो बजारा हिल्स, हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजर मिक्ती अधिकारी के कार्यालय, खैरताबाद में रिजस्ट्री—करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16). के अधीन, तारीख महे, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशा से अधिक है और अतरक (अतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निन्तलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है .--

- (क) जन्तरण से हुंई किसी बाय की शाबत उथत आध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां "को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 19.22 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 प 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया स्याधा या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अत. का:, उवत अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, तकत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्.— (1) श्री एच० जी० सूर्या कुमार पिता श्री एच० आर० गवियप्पा, मै०एच० आर० जी० ग्रीर को० परक्तीनगर बेल्लारी—2।

(अन्तरक)

(2) श्री एम॰ विनायक पिता लेट एम॰ गोविन्दा राव, 3-5-575, हिमायत नगर, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निष् कार्यवाहिया शुरू करता हू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप 🎥

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वे 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (छ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी वा वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिस बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित म किए जा सकेंगे।

स्पध्टीकरण -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हाँ, वहीं अर्थ होगा, जा उस अध्याय में दिवा भया है।

वनसूची

घर रोड नि० 3, बजारा हिल्स, हैदराबाद, विस्तीणं 1196 जो० गत, जिय 450 जो० फुट, प्तीथ एरिया रिजिस्ट्रीकृत वितेख न० 1128/84, रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, खैन्साबाद ।

एम० जगत मोहत सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 9-1-1985

मोहर '

प्रस्य बाई.टी.एन.एस ,-----

बाथकर बांधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

शारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 जनवरी 1985

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 959/84-85--अत: मुझे, एम० जगन मोहन,

प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इन के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

म्रौर जिसकी सं० घर है तथा जो बोंगूलकूंटा, हैदराबाद में स्थित है (म्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में म्रौर पूर्णा रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1984

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित को गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि वशापृबंक्ति सम्पित्त का उचित बाबार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूर्विधा के लिए; और /या
- (च) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का \$1) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्निया के गिंतए;

श्रीमती केशम्मा पति
 श्री राथंगपानी रेड्डी,
 4-1-1232,
 बोगूलकूंटा,
 हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) डा॰ इन्नाहिम अहमद (नान रेसीडेंट), बाई श्री शफी अहमद , 20-1-283, बहु रुपिया स्ट्रीट, पुरानपुल, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध; जो भी ग्रविध बाव में समाप्त होती हो; के भीतर र्पृवॉक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किये जा सकोंगे।

स्पच्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मण्स्ची

घर बोगूलकूंटा, हैदराबाद, विस्तीर्ण 730 चौ० गज, विथ 850 चौ० फीट, प्लींथ एरिया, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2976/84, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज हैदराबाद

जतः जब, उक्त जॉधिनियम की धारा 269-ग के जन्सरण कें, कें, उक्त जिंधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्हतिस्ति व्यक्तियों, जर्थात्:⊶-

48-446 GI/84

तारीख: 9-1-1985]]

प्ररूप बाई. टी. एन. एस. -----

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक बायकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैंदरावाद, दिनाक 10 जनवरी 1985

निदेश म० आर० ए० मी० न० 960/84/85— अत मुझे, एम० जगन मोहन.

कायकर धिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन मक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर संपत्ति, जिमका उचित बाजार मृत्य 25.000/-रा में अधिक है

भौर जिसकी स० घर है तथा जो सइदाबाद में स्थित है (भौर इससे उपावद्ध अनुस्ची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री— कर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनिम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्मित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे ६० पान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तर (अन्तरकों) और अन्तरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे अन्तर्था के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है इन्

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में मुविभा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री मसूद अली खान, आइवन ए, बेगमपेट, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री इरफान हमीद, 23-1-1086, पच मोहल्ला, खैरताबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीख स् 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मो हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मो किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

म्रन्यूची

घर सं० 16-1-24, फराह इस्टेट, सइदाबाद, हैदराबाद, राजिस्ट्रीकृत विलेख स० 2490/84, राजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद ।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण औं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् ह——

तारीख : 10-1-1985

मोहर 🕹

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बुधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर् आयुक्त (निर्दाक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 जनवरी 1985

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 961/84-85-अत: मझे, एम० जगन मोहन,

अायकर अधिभियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

म्रौर जिसकी सं० घर है तथा जो दिल सुख नगर, हैदराबाद में स्थित है (म्रौर इससे उपाबद अनुसूची में म्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आजमपुरा में रिजस्ट्रीकर्रण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्दृह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शस्तिवक रूप से कृथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, इक्त बीधीनयम के बधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए, और/धा
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

कत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) है वधीन निस्तिवित व्यक्तियों, अधीत्:—- (1) श्रीमती के॰ दमयन्ती देवी पति श्री रांगा राव, दिल सुख नगर, हैदराबाद ।

(अन्तरकः)

(2) श्रीमती वी० अन्तपूर्णा देवी पति श्री वी० हनुमन्त राव, एडवोकेट 16-11-477/6/3, डी० एस० एन० कालोनी, नं० 5, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सुम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में गरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नवा हैं।

ग्रन्स्वो

घर दिलसुख नगर, हैदराबाद, विस्तीर्ण 1098, चौ० फीट, प्लींथ एरिया, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 1938/84, रिजस्ट्री— कर्ता अधिकारी, आजमपुरा।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 9-1-1985

मोहर 🔅

व्ररूप बार्ड ्टी. एन . एस . ------

जायक द जिथितियम, 1961 (1961 का 43) की चारा 269-च (1) के जधीन स्चना

भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्क्तिण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 जनवरी 1985

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 962/84-85-अतः मुझे, एम० जगन मोहन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हुँ), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुठ. से अधिक है

म्रोर जिसकी सं० घर है तथा जो बंजारा हिल्स, हैदराबाद में स्थित है (भ्रौर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में म्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रिजस्ट्री— करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारी ख मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) वंतरण से हुई किसी नाय की वाबत, उक्क किंधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जौर/या
- (ब) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियाँ का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूदिया के लिए;

कतः अब उक्त अधिनियम को धाय 269-ग के अनुसरण को, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण को उपधादा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात है—

(1) श्रीमती के॰ आर॰ ऊरिमला देवी, 3-6-483, हिमायत नगर, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री राई बंसीधर, 6-2-969/ए, फतेह मंजिल, खैरताबाद, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हाँ।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन् को संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्ष्री के पास विधित में किए वा क्कीने।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में पिस्मिषित है, वहीं अर्थ द्वांगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्यीं

घर, बंजारा हिल्स, हैदराबाद, विस्त विथ 4000 चौ० फीट, प्लींथ एरिय नं० 2768/84, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 9-1-1985

·प्ररूप आई._टी. एन . एस_, ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक बायकर बायक्त (निर्धिक्ष्)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 जनवरी 1985

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 963/84-85--अतः मुझे, एम० जगन मोहन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर, सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुः से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० घर है तथा जो बसीर बाग, हैदराबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1984

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

(1) श्री सैयद असगर हुसैन,5-9-43,बसीर बाग,हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती फहमीदा खट्टन, 15-8-513, बेगम बाजार, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

घर सं० 5-9-43/9 से 16, बसीर बाग, हैदराबाद, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 2968/84, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद ।

एम० जगत मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण भ्रें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निचित व्यक्तियों वर्धात् :—

तारीख: 10-1-1985

प्ररूप बाइ . ट्री. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायक्त (निर्दाक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 जनवरी 1985

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 964/84-85-अत: मुझे, एम० जगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 13) (जिसे इसमें इसकें पश्चात् 'उन्नत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 260 स के अधीर सक्ष्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25:000/- रु. से अधिक हैं

पौर जितकी सं० प्लाट है तथा जो बंजारा हिल्स, हैदराबाद में ।स्थत है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तग्रीख मई, 1984

को पूर्वोक्त संपृत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के स्थमान प्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की नाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक कें दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा कें लिए; और/या
- (क) श्रेसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, लिपान में सुविधा के लिए;

(1) श्री आर० एन० मीट्टल ग्रौर श्रीमती शैला मिट्टाल, 320, कांति शिकारा, पंजागुट्टा, हैदराबाद।

(अन्तंरक)

(1) श्री एन० वी० आर० एन० रेड्डी और
 श्री ए० राघवा रेड्डी,
 3-4-526/2/3/सी,
 बरकंत पुरा, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींब है 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनवंद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगें।

स्पष्टोकरणः — इसमे प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्तः अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

खुली जमीत विस्तीर्ग 1450 त्रो० गडज, बंजाराहिल्स, रजिस्ट्री5र वितेख नं० 2664/84, रजिस्ट्रोकर्ता अथिसारी, हैदरावाद ।

> एम० जगन मोहन सञ्जय प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

अशः अञ् , उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भों, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन , निम्मिक्षित व्यक्तिस्थां, अर्थास :---

तारीख: 9-1-1985

प्ररूप बाइं. टी. एन. एस्. -----

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) 269-थ (1) खे वधीन स्वना

भारत सुरकार

श्रीप्रांत्रय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-4, (बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जनवरी 1985

सं० अई-4/37ईई/8034/83-84--अतः मुझे ए० उमाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ह के अधीन सक्षम प्राविकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- र. सं अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संख्या सर्वे० नं० 54 पार्ट, 3, सी० टी० एस० नं० 698 पार्ट, नाहूर विलेज, मुर्लुई बम्बई में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, में रजिस्ट्री है, तारीख 1-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान बीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-क्ल निम्नतिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निख्य में वास्तविक हप से की पत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि -नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे ब्चने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी बाब या किसी धन या जन्य जास्तिकों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11)- या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोधनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, इक्स अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, में, उक्स अधिनियम क्री धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित स्यक्तियों, अर्थात् :—— 1. श्री निवास आर० लागू।

(अन्तरक)

2. जितेन्द्र बी० तरे।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के बर्जन् के सम्बन्ध् में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनिध, जो भी जनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्तर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नवा है।

अनुसूची

सर्वे० नं० 4, पार्ट 3, सी० टी० एस० नं० 698ईई नाहूर विलेज, मुर्लुई, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि लें अई 4/37ईई/8034/83-84 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1984 को रजिस्टडं किया गया है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख: 10-1-1985

ष्ट्रप् बाइ^{*}़ टी. एन्. एस. - - = =---

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म् (1) के ब्धीन सूच्ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 जनवरी 1985

निदेश सं० ग्रार० ये० सी० नं० 969/84-85--ग्रतः मुझे, एम० जगन मोहन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षेम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति ,जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० भूमि है तथा जो पेव्दा ग्रम्बरपेट, हैदराबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद ईस्ट में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख मई 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और अभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय वाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विविद्य में तास्तिक रूप से किया गया है :—

- (क) बन्तरण के हुई किसी जाय की बावत, उक्त जिथानियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे दचने में सुविधा के सिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अपिस्तयों को, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, शाधनकर अधिनियम, शाधनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के निए;

अतः अव, उनत निधिनियम की धारा 269-ग के जन्तरण को, मी, उनत निधिनियम की धारा 269-ण न्ही उपधाय (1) को नधीन, निम्निशिति न्यनितयों, जर्मात् डिल्ल (1) बी॰ बूची रेड्डी, पेद्दा भ्रम्बरपेट, हायातनगर, तालूक, ग्रार॰ ग्रार॰ डीस्ट।

(ग्रन्तरक)

(1) श्री यू० राजाराव, 4-62, सहरनगर, हायातनगर, तालुक जिला भ्रार० भ्रार०।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के वर्जन के तिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वृर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प्र सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे,।

स्यष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिका गया है।

ग्रनुसूची

भूमि विस्तीर्ण 4000 चौ० गज, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4993/84 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, हैदराबाद ईस्ट ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, हैदराबाद

दिमांक: 10-1-1985

मोहेर् 🛮

हक्ष बार्षं, ठी. एर. एव.

भारत 269-म (1) के अभीन स्वना

भारत सुरकार

श्चर्यासय, सहायक सायकर नायुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाह्य, दिनांक 10 जनवरी 1985 निदेश सं प्यार० ए० सी० नं० 970/84-85--- ग्रतः मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269- के अधीन सक्षम् प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रा. से बिधक है

ग्रौर जिसकी सं० भूमि है तथा जो रंगा रेड्डी जिला में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय रंगारेड्डी जिला में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन तारीख मई 1984 /

का प्वोंक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान शृतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार अन्त, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का अन्तर प्रतिक्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक विश्वीक विश्वीक उद्देश्य से उक्त अन्तरण विश्वित में वास्तर-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों कारे, चिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कै, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ का उपधारा (1) अ अधीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों, अर्थात् :— 49—446 GI/84 (1) श्री पी० रामचंद्रा राव ग्रीर ग्रन्य 512, काकजीयानगर, हैदराबाद ।

(ग्रन्तरक)

(2) तेलगृदेशम पार्टी, 3-5-910, हीमायतनगर, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करफे पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविभ, जांभी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोंक्स व्यक्तियों में किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ब) इस सूचना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकत्य ।

स्पट्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नवा है।

अनुसूची

. भूमि विस्तीर्ण 1–885 एकड़ हीमायतनगर, विलेज राजेन्द्रनगर तालूक रंगारेड्डी जीला, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3051/84 रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी रंगारेड्डी जीला ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैरदाबाद

दिनांक : 10-1-1985

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौ भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांतय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 जनवरी 1985

आसकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० घर है तथा जो यस नगर, हैदराबाद हैं स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधकारी के कार्यालय खैरताबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिया तारीख मई 1984

को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया म्या प्रतिफल निम्नलिखित छद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित वे बास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है :—

- (अ) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बिधिनियम के अभीन कर देने के बन्तरक के दायत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में स्विधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, गैं, इक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री बी० वी० वेंकटरत्मन, सांयटीस्ट ग्रार० ग्रार० लेब्स, तारनाका, हैदराबाद।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सैयद याकूब ग्रहमद, 10-3-867, पी० एस० नगर, हैदराबाद ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के शिष् कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सुम्पत्ति के गुर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी गाओव ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख वे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धि व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितंबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए वा सकोंगे।

स्कटोकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या हैं।

अनुमुची

घर संपति नं० 31/एम० म्राई० जी० एच०, एम० नं० 10-3-867 पी० यस० नगर, हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1067/84 रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी खैरताबाद।

ूं एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक झायकर झायुक्त (निरीक्षण) झर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 10-1-1985

मोहर 🖫

प्रस्य नाइ'. टी. एन. एख.----

बायकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी स० घर है तथा जो पी० एस० नगर, हैदराबाद में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का का 16) के ग्रधीन तारीख मई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण सं हुई किसी बाव की बाबत, उसके अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बार्-
- (स) एसी किसी आये या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हीं भागतीय अध्यक्तर अधिनियम. 192? (1922 का 11) या उक्त अधिनियम सा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में हिवधा के लिए;

बत: बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त आधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, पिम्निलिखित व्यक्तियों, वर्थाद :---

(1) श्री पी० परमेश्वर राव नायडू, पिता श्री वेकटस्वामीनायडू, वैशग ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती हाजीरा बेमम,पति श्री फकीर ग्रहमद,4-1-447, टूपबाजार, हैदराबाद 1

(भ्रम्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हू ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख वें 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पद सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो सक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय के दिया गया है।

अनुसूची

घर न० 10-3-860 (280/2 म्रार० टी०), पोट्टी श्रीरामलूनगर, हैदराबाद रस्ट्रिकृत विलेख नं० 1095/84 राजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी हैदराबाद।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, हैदराबाद

दिनाक : 10-1-1985

मोहर 🕹

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदरांबाद, दिनांक 10 जनवरी 1985

नितेश स० ग्रार० ए० सी० नं० 973/85-85--भ्रतः मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रः से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट है तथा जो बेगमपेट, हैदराबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय रंगा-रेड्डी जिला में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख मई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबते, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह— (1) श्री मती प्रामिला नंदा,
 8-2-703, एल० रोड़ नं० बंजाराँ हील्स, हैदराबाद।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री मोहम्मद ग्रसादूल्ला पाशा, 6-3-680, पंजागूट्टस, हैदराबाद।

(अन्तरिवी)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजधन में प्रकाशन की तारीच वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिन-वद्ध किसी बन्य न्यक्ति द्वारा, वशोहस्ताकरी के पास जिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

प्लाट नं विस्तीर्ण 800 चौ गज, मोतीलाल नेहर नगर बेगमपेट, हैदराबाद रजिस्ट्रीकृत विलेख नं 3023/ 84 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी रंगारेड्डी जिला।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 10-1-1985

मोहर 🖫

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस. -----

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर नायकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 10 जनवरी 1985 निदेश सं अार० ए० सी० नं० 974,84-85---अत: मुझे, एम० जगन मोहन,

काषकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), जो कि धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास का ने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

षोर जिसकी सं० घर है तथा जो संतोधनगर, हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ अनुसूच में श्रीर पूर्ण रूप से विजत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई 1984

को वृबंक्त सम्मित के उचित बाबार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह व्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के बीच तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुइ किसी आव की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के स्वियत्व में कभी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अहितयों को, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

/ अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीत, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीत :---

(1) श्री के० श्रीहारी,12-2-445, मेह्दीपटनम,हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती बिल्क्वीस बेगम, पति श्री मोहम्मद असादूल्लाखान, 12-2-823/ए/147 ग्रीर 148, संतोषनगर, मेहदीपटनम, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में काई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहूध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पहस निश्चित में किए वा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में किया गया है।

वन्तर्या

घर नं० 12-2-823 $|\nabla|/147$ श्रीर 148, संतोजनगर, कालोनी, मेहदीयटनम, हैदराबाद, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 2970/84, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 10-1-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - - ----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

वार्यालय महायक **आयकर आयुक्त (निरीक्षण)** अर्जन रेज, हेदराबाद

हैदरावाद, दिनांक 10 जनवरी 1985

निदेश सः आर० ए० सी० न० 975/84-85--अतः मुते, एमः जगन मोहन,

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परभात् 'उका अधिनियम' कहा गया हो, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रौर जिनकी संज्ञघर है तथा जो मोहम्मदी लाइन्स, हैदराबाद में स्थित हे (ग्रोर इससे उपावद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है) जिल्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीज भई 1984

को पूर्वीका सम्पन्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिं अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सर्पात्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत की है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न कित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण संहुई किसी आप की बायता, सक्छ अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए बौद्ध/या
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी धन वा बन्ध आस्तिवां को, जिन्हों भारतीय पाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृतिधा के सिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुबर्द्ध में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियें अर्थात् ६(1) श्री मोहम्मद आझम शरीफ,
 9-4-871/1,
 मोहम्मदी लाइन्स, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री एम० ए० करीम,
 पिता श्री मोहम्मद खाजा मेन,
 12-1-927/1, मल्लेपल्ली,
 हैदराबाद ।

(अर्गारती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप :- -

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर गूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारः;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर नम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

araret

घर नं ॰ 9-4-87/1/7, मोहम्मदी लाइन्स, हैदराबाद, र् रिजस्ट्रीकृत विलेख नं ॰ 1115/84, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्रःधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) - अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 10-1-1985

मोहुर 🖺

प्रस्य बाइं. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहादक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 जनवरी 1985

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 976/84-85— अतः मुझे, एम० जगन मोहन,

अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 व कि कि समें इसमें इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कर या की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसके विवास मृत्य 25,000 (-रा. से अधिक ही

ग्रीर तिसकी सं० घर है तथा जो सोर्स प्राजभवन रोड, हैदराबाद में स्थित ई (ग्रीर इसम क्रिक्ट अनुमूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्का अधिकारी के कार्याचर, हैदराबाद पे रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1903 का 16) के अधीन तारीख मई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजिस्ट्रीकृत विलेख के अन्सार अंतरित की गई है मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यह पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के दीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्विक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिणाने में सृविधा के लिए।

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीरे. निम्नलिसित व्यक्तियों, अथाँत्:— (1) श्री जाविद कमल श्रौर अन्य बाई जी० पी० ए० श्री गुलाम अहाद, हैदराबाद।

(जन्तरक)

(2) मेसर्स वेंकटरमना बिल्डर्स प्रा० लि०, बाई श्री जे० भास्कर राव, डायरेक्टर, डी-4, मातृश्री अपार्टमेटस, हैदरगुडा, हैदराबाद।

(अन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी अक्षेप :~

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीगर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर एपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकरें।

स्थाष्ट्रीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

घर सपित न० 6-3-1090, सोमीजीगूडा, राजभवन रोड, हैदराबाद, रिजस्ट्रीकृत विलेख न० 2609/84, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद ।

एम० जगन मोहन सक्षम प्र⊦धिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 10-1-1985

भाहर :

प्रस्प बाई. टी. एन. एस.-----

बासभार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के बधीन स्चना

भारत सरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त । निर्नेक्षण) अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनाक 10 जनवरी 1985 निदेश स० आर० ए० सी० न० 977/84–85–– अत मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सिके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स को अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बज्जार मूल्य 25,000 - रास से अधिक है

श्रीर जिसकी स० घर है तथा जो सोमाजीगूडा, हैदराबाद मे स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची मे श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ईदराबाद मे रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई 1984

को पूर्वोका सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य स कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्त यह विश्वार करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उरके दृश्यमान प्रतिफल के पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अतरकों) और अन्तरित (बंतरिति गों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक का निम्नी तिषक उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवत में बास्तविक का के सिए तय पाया गया प्रतिक की सिए तथ पाया प्रतिक की सिए तथ पाया प्रतिक की सिए तथ पाया प्रतिक की सिए तथा पाया प्रतिक की सिंप प्रतिक की सिए तथा पाया प्रतिक की सिए तथा पाया प्रतिक की सिंप प्रतिक की सिए तथा पाया प्रतिक की सिंप प्रतिक सिंप प्रतिक की सिंप प्रतिक सिंप प्रतिक की सिंप प्रतिक सिंप प्रति की सिंप प्रतिक सि

- (क) जन्तरण वे हुई किसी बाय की बाबत उक्त बिधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के जिए, और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य अस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अहे प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धाया जिल्ला जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिया के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथात्:—

(1) श्रीमती वरालक्ष्मी भूपाल, जीपीए श्रीलता भूपाल, 6-3-1100/बी, सोमाजीगूडा, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री एन० राम क्कार,
 पिता श्री एन० जर्नादन रेडी,
 6-3-1109/2,
 सोमाजीगुडा, हैदराबाद।

(अन्तरिवी)

का यह सूधना जारी करके पृवासित सम्पत्ति के वर्जन के विक् कार्यवाहिया श्रृक्तिकरता हु।

उक्त सम्पत्ति के ले सम्बन्ध में कोई' भी बाओप --

- ·(क) विकास की राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 कि श्री अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों एर सूचनः विकास मान से 30 दिन की वर्गीय, को भी वर्गीय वाद में समाप्त होती हो, के भीतर वृंगीय व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृंगार;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच वें
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिखबद्ध किसी अना व्यक्ति द्वारा व धोहस्ताक्षरी के
 पाम लिखित में किए जा सकांगे।

स्यव्हाकरण -- इसीं प्रयुक्त कव्दों और गरों का, था स्था अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषिक ही, वहीं अर्थ होगा थो उस अध्याद में दिवा मया ही।

बन्स्ची

घर न० 6-3-1109/2, सोमाजीगूडा, हैदराबाद, विस्तीर्ण 1405 जौ० गज, भूमि ग्रौर 2367 चौ० फुट, प्लीथ एरिया, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 794/84 रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी हैदराबाद ।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनाक 10-1-1985 मोहर

प्ररूप बाह्ं दी एन एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाद 269-म (1) के अभीन स्मन

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 जनवरी 1985

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 978/84-85---अतः मुझे, एम० जगन मोहनः

शायकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मिन, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० भूमि है तथा जो रंगारेडी जिला में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रंगारेडी जिला में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान करने का कारण है कि अथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का चंद्र प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती अल्लाहित के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- शिक) अन्तरक् सं हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दियित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (७) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, डिपाने में सविधा के लिए;

अंत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण की भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) की अधीन, निम्नीलेखित व्यक्तियों, अर्थात्ः—— 50 —446 GI/84

(1) श्री पी० कमलादेवी ग्रौर अन्य, प्लाट नं० 152, काकतीयानगर, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री एन० पी० ए० पी० कल्याण चक्रवर्ती, अलियास फणि कुमार राजा ग्रौर अन्य, 132, एन० टी० आर० रोड, कोड्म बाकम मद्रास ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चा<u>री करके पृत्रों कर सम्परित के जर्जन</u> के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्द सम्पृत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविश्व व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा स्या है।

बन सची

भूमि विस्तीर्ण 7-18, एकड़, यंकीपल्ली विलेज, रंगारेडी जिला, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3052/84, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, रंगारेडी जिला ।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 10-1-1985

मोहर 🙁

प्रस्य बाइ ं टी इन् एस् .-----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के अभीन स्प्ना

भारत सरकार

कार्यांसय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 जनवरी 1985 निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 979/84-85---अतः मुझे, एम० जगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स फे बधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि श्यावर सम्पत्ति, जि्सका उचित वाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी गं० भूमि है तथा जो रगारेडी जिला में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विण

- है) रिजस्ट्रीकर्म अधिकारी के कार्यालय रंगारेडी में रिजस्ट्री-करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई 1984
- की पूर्वेक्ति समिति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, ससके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का मन्द्रह प्रतिशत ने अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितिखतं उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक हम ने किथत नहीं किया गया है ":—
 - (क) बनारण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त बिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दिनियम के अभीन करने या उससे दचने में सुविधा के 'सए; बार्'गा
 - (ध) ऐंगे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1-322 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन हर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के योजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था. छिपाने में स्िया के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (१) के प्रधीत, निम्नलिखित व्यक्तियों, अध्योत् :-- (1) श्री पी० रामचंद्रा राव ग्रीर अन्य, 512, काकजीया नगर, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री एन० तारक रामा राव, 4-1-427, टूपबाजार, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ६

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध , जां भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील हैं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किकी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकरें।

श्यब्दीकरणः इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम के बध्याय 20-क में परिभाषित हों, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया भवा है।

वन्स्यी

भूमि विस्तीर्ण 2-615 एकड़ हीमायत नगर, विलेज रंगारेडी जिला, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3050/84, रजि- ृंस्ट्रीकर्ता अधिकारी रंगारेड्डी जिला है।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हॅंदराबाद

दिनांक : 10-1-1985

प्रकप आई. टी. एन. एस. - - - - - कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-च (1) के अधीन सूचना धारत सरकार

कार्यालय, सहायक अध्यकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 जनवरी 1985

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 980/84-85-- अतः मुझे, एम० जगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/- रु से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० घर है तथा जो निझामाबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, निझामाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीर तारीख मई, 1984

का पूर्वा कि सम्पति के उचित बाबार मूल्य से कम् के स्वयमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मूल्य, इसके स्वथमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निश्चित उद्देषयों से उक्त अन्तरण सिश्चित् में बास्त्रीविक, रूप से किश्त नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी अप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दावित्य में कभी करने या उज्जे बचने में शुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्ते श्रीधिनियम, या धनकर आधिनियम, या धनकर आधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनियम के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की अपधारा (1) के बधीन, निम्निजिक्त व्यक्तियों, अधित है—

(1) श्री सीयच पांडूरंगम तइबिलोली, बीधन तालूक, निझामाबाद ।

(अन्तरक)

(2) दी ए० पी० स्टेट टीचर्स यूनियन, ए० बी० डिस्ट्रिक्ट, ब्रांचस, निझामाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के किए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काहिं भी नाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पह सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वींक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मैं प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुक किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिखित में किए जा सकोंगे।

न्यव्यक्तिरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उसक् अधिनियम के अध्याय 20-क में प्रिशाधिक है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याम में विका नया हैं।

अनुसूची

घर नं० 2-1-14, गोल हनूमान चौक, निझामाबाद, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 3326/84 रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, निझामाबाद ।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 10-1-1985

प्रकथ बाह् , डी. एम. एव .-----

आयक्र मिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के मुधीन सुन्मा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निर्देशिक) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 जनवरी 1985

निदेश सं े आर० ए० सी० नं० 981/84-85--अत: मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इन के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० घर है तथा जो सइदाबाद, हैदराबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमीन प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्निचित उद्देश्य से उक्त बन्तरम्

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बिधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक की कार्यक्क में कबी करने वा उससे क्यने में सुविधा के निए; आट/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या छन्य झास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया सा या किया जाना साहिये था, छिपाने में सुनिधा के निष्ट;

नतः नव, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के ननुसरण भो, भी, उक्त विधिनियम की धारा 269-म की उपधार (1) के बधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, वर्धात है— (1) श्री मसूद अली खान, आइवन ए बेगमपेट, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री एम० ए० हमीद, 23-1-1086, पंच मोहल्ला, हैदराबाद ।

(बन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर्के पूर्वोक्त सम्पर्टित के अर्थन के सिक् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में सुपाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर पूर्वोक्त उक्त स्थावर सम्मित के हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताआर्ी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का वो उच्च अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिकारिय ह¹, वही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिवा गया है।

मन्स्ची

घर नं॰ 16-1-24, फराही इस्टेट, सइदाबाद, हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृट विलेख नं॰ 2489/84 रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी, हैदराबाद।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 10-1-1985

मोहर 🖺

प्ररूप बाई .टी .एन .एस . -----

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वाय्वत (निर्क्षिण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 जनवरी 1985

निदेश सं० म्रार० ए० सी० नं० 982/84-85--म्रतः मुझे, एम० जगन मोहन,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-श्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजहर मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० भूमि है तया जो मुबारकनगर, निझामाबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारो के कार्यालय, निझामाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, मई 84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिचत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) एसी किसी बाव या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना आहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

वतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अभूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हि—

 श्री मास्र राजा लिंगम ग्रीर ग्रन्थ, मुबारक नगर, निझामाबाद।

(भ्रन्तरक)

7. मेससं सूरजीत स्टार्यं भ्रौर केमिकल्स लि० बाई प्रोडक्शन मैनेजर एस० डी० पटेल, 11-1-183, कंटेस्वर, निझामाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंग।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया अया है।

नन्स की

भूमि विस्तीर्ण 1.04 एकर, मुबारकनगर, निजामाबाद रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 3598/84, रिजस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी निक्षामाबाद।

एम० जगन मोहन सक्षम ग्रधिकारा सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 10-1-1985

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस.-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

मझे, एम० जगन मोहन,

कालकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह जिश्लास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० घर है तथा जो बाकाराम, हैदराबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुस्चा में ग्रौर पूर्ण रूप से विणा है), रजिस्दोकर्ता ग्रधिकार। के कार्यालय, चिक्कड-पल्ला में भारतीय यजिस्द्रोकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, मई 84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का मृत्य, अंतरित से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरिति कों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक हम से किथा नहीं किया गया है -

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिली द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरम भँ, मँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथात :— 1 श्रो एम० लक्ष्मोनारायण श्रौय श्रन्य, 1-8-54/7, वेंकटराव कालोनी, सिकंदराबाद।

(भ्रन्तरक)

 श्रो शांतिलाल पटेल ग्रीर ग्रन्य 1-4-758/7, बाकाराम, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

कां वह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के हिन्य कार्यवाहियां करता हुं।

उवत सरपित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी अधिकतयों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितसव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्चीं

भूमि विस्तीर्ण 528 चौ० गज, बाकाराम, हैदराबाद, राजिस्ट्रोकृत विलेख नं० 388/84, राजिस्ट्रोकर्ता ग्रिधिकारी चिक्कडपल्ली।

> एम० जगन मोहन सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजेन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 10-1-1985

पोहर 🖫

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याच्य, सङ्ग्यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, बंगलूर

वंगलूर, दिनांक 10 जनवरी 1985

निदेश सं० 854/84-85--- प्रतः मुझे, ग्रार० भारद्वाज आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का भारण है कि प्थावर संपति, जिसका उचिन बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीरं जिसकी सं० एस० एन० 47 और 48 और 91 है तथा जो ब्याकरावाली विलेज में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ती ग्रिधिकारी के कार्यालय, सेविलेशपुर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधान तार ख 39/5/84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के तिर अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थामान प्रतिफल तो, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिस्त, निम्नलिगित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बानविक रूप से ब्रिथत नहीं किया गया है:——

- श्रेक) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाधित्व में कमी कारने या उससे बचने में सृविधा के लिए: अरि/या
- (क) एर्ने किसी बाय या किसी वन बन्य अस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, जनत अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण भो, मो, जनत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीत, निम्मिलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) लारना फर ाडीस पत्नी स्व० ए० वो० फरराडीस. मंगलार।
 - (2) म्रलान पोटर जूड़े फरना**डी**स जुडे फरनाडोस
 - (3) इरानसिस एक्जेवियर जोसेफ फरनाडिंग्स
 - (4) जोसेफ मारिया भलबर्ट फरनाडीस।

(ग्रन्तरक)

श्रीमती शांता शेखर शांट्टी पत्नी शेखर नारायन शेट्टी एस० एम० मैसन,
 उरा फ्लोर
 49/सीं०, लींमगटन रोड़,
 बम्बई सेंट्रल
 बम्बई-400008।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन / की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यवितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख हैं
 45 दन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिवा गया हैं।

अनुसूची

दस्तावेज सं० 215 ता० 30-5-1984

25 एकर ग्राफ काफी जमान ग्रीर इमारत जो बाइकर-वाइलया गांव सें है। तालुका सकलेषपुर ग्रीर जिला हासन।

> ग्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, बेंगल्र

तारीख: 10-1-1985

प्ररूप बाइ.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के बधीन सूचना

भारतं सरकार

कार्यालय, सहायक अायकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 10 जनवरी 1985

निदेश सं० 855/84-85--- अतः मुझे, आर० भारद्वाज, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० एल० भ्रार० एस० नं० 2734 है, तथा जो मडगांव में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणित है), तारीख 4-5-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय इलहस में धारा 269 ए.बी. के अंतर्गत सक्षम अधिकारी के सम्मुख/के पास रिजस्ट्री-कृत किया गया है मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यह पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निधित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दािक्ष्त्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा दािक्ष्त्व के लिए; और/या
- (स) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयक-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

बत: अब, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण बँ, मँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के बक्षीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, वर्षात् :— श्री रजनीकांत पाडुरंग,
सरदेसाई
ग्रौर श्रीमती कला रजनीकांत सरदेसाई,
सयाद्री;
ग्रादर्श नगर,
एयरपोर्ट रोड़,
चाइकालिम-403711।

(ग्रन्तरक)

2. (1) ग्रेलविरा कामिनदेस

(2) हुबर्ट जोसेफ अन्सले, इस्टिबिरियो, रतनदीप इमारत, ए० 5, अपोजिट राजेन्द्रप्रसाद स्टेडियम, मडगांव।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब कें. 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी कें पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में पौरभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्सूचीं

(दस: विज सं० 615 ता० 4-5-84) प्लाट नं० 19 जो नाप में 712.50 स्क्वे० मो० है। जिसको ''मारलेम'' हिल कहते हैं।

> म्रार० भारद्वाम सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजैन रेंज, बेंगसूर

तारीख: 10-1-1985

प्रका नाईं डी गुन्त पुरु हर

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 9 जनवरी 1985

निर्देश सं० 856/84-85—अतः मुझे, आर० भारद्वाज, आयकर अधानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 38048 पी 119 है तथा जो तालकेजोरी मडगांव में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) तारीख 23-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय महगांव में धारा 269 ए.बी. के अंतर्गत सक्षम अधिकारी के सम्मुख/के पास रिजस्ट्री-कृत किया गया है और मुझे यह विश्वास कैरने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एेसी किसी आयं या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

(1) श्रीमती जोसिफना सालवाकाव फनौडीज सन-जोस-डी-एरियल, मडगांव ।

(अन्तरक)-

(2) मेसर्स हनुमान लावडे एन्ड एसोसिएट्सस, सैंकिन्ड फ्लोर, मारिक्लयन इमारत, सैंकडि फ्लोर, मडगांव।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपीत के अर्जन के सेबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा ज्ये उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

(दस्तावेज सं० 755 तारीख 23-5-196 , प्लाट नं० 38048 मडगांव में जो नाप में 931 वर्ग गज है

आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज बेंगलर

तारीख: 9-1-85

प्ररूप बाइ .टी. एन्. एस . ------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के जचीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलर दिनांक 8 जनवरी 1985

निदेश सं० 857/84-85—अतः मुझे, आर० भारद्वाज, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य, 25,000/- क से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 851 बी 5 ग्रौर मारटीज नं० 64, 68, 69 ग्रौर 70 में स्थित है तथा जो कोलम तालूका संगम में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सन्गम में रजिस्ट्री-करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 10-7-1984

कां पूर्वीकत सम्पत्ति के रिण्ट बाजार मन्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय संगम में धारा 269 ए. बी. के अन्तर्गत सक्षम प्राधिकारी के सम्मुख रिजस्ट्रीकृत किया गया गया है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वीकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण विखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाव की बावत, उपल अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के द्वियत्व में कमी करने वा उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (य) एसे किसी बाय या किसी थन वा बन्य बास्तिकों को जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 192% (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या चून कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, स्थिपने में सृदिधा के सिए;

अतः अवः उक्त अधिनियम की धारा 269-म के उनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६——

- (1) 1. श्री मोतीराम चिगप्पा शिन्दे
 - श्रीमती प्रमिला मोतीराम शिन्दे निवासी महादेव वार्ड रेथारे, बुडक कराड, जिला सतारा।

(अन्तरक)

(2) मास्टर तुकाराम रामाचंद्रा प्रभु, घर नं० 311, निरनकल रोड़, पांडा, गोआ।

(अन्तरिती)

को यह स्वना बारी करके प्रविक्त सम्पत्ति के वर्षन के जिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के बर्बन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निधित में किए जा सकोंगे।

स्पृष्कीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क जिमिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुरा है।

नन्स्यी

(दस्तावेज सं० 74 तारीख 10-7-1984) जमीन जिसे "मैदा " कहते हैं ग्रौर जो "कोलम" में है भीर जिसका नाप 1,20,000 वर्ग मीटर है।

> आर० भारद्वाज ृंसक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज,बंगलूर

दिनांक : 8-1-1985

मोहर 🖟

त्ररूप बाह् , दी , एन . एस .-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 8 जनवरी 1985

निदेश सं० 858/84-85-अतः मुझे, आर० भारद्वाज, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० एल० आर० ग्रो०नं० 6219, बुक बी 16 ग्रौर आर० ग्रो०नं० 778 है तथा जो सेरुला बारडेज तालूक में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अवीन तारीख 3-7-1984

को पूर्वों क्तं सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए रिजर्स्ट्राकर्ता अधिकारी के कार्यालय इलहास म् धारा 269 एम०बी० के अर्त्तगत सक्षम अधिकारी के सम्मुख/के पास रिजस्ट्रीकृत किया गया है और मुझे यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रक्षिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का मन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कृत, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त बन्दरण विशेषत में बास्स- बिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) कल्डरण सं हुई किसी बाव की बाबत उसस विधि-निवस के स्थीन कर दोने के बल्डहक के दाबित्व वें कमी करने या समझे बचने में सुविधा के जिसे; और या/
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिय, को, जिन्हें भारतीय आसकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, खिपाने में सूविधा के सिए;

कत. अबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण भों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री ब्रिआन जाविचम जोसेफ, "कोकुटलम" ब्रिटिश कोलम्बिया, कनाडा ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुनंदा सुहास, खालप आर०/भ्रो संतोष बिल्डिंग, टी० वी० केन्द्र के सामने, एलीनबो (मडगांव)

(अन्तरिती)

को बह स्पना बारी कर के प्वोंक्त संपीत्त के बर्बन के निष् कायवाहियां मुरू करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त कन्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

अन्स्ची

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राविकारी सहायक ग्रावक^र ग्रावुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, वेंगल्र

तासीख: 8-1-1985

प्ररूप आई..टी. एन , एस ..-----

नायकर गांधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

बंगल्र, दिनांक 8 जनवरी 1985

निर्देश सं० 859/84-85--अतः मुझे, आर० भारद्वाज, नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित वाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 23/1, 2, 3 है तथा जो टिम्मा सागर हुबली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ,अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रुप से विणित है) रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 11-6-1984

प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय हुबली में धार 269 ए. बी. के अन्तर्गत सक्षम अधिकारी के सम्मुख के पास रिजस्ट्री-कृत किया गया है और मुफ्ते ग्रह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरिक्त (अन्तरिक्तों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिश्ति उद्दरिय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बीधनियम के जधीन कर दोने के बन्तरक के बाबित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; बीर/या
- (क) एसी किसी बाय वा किसी धन या अन्य आस्तियों को, बिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना खाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बत: शब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण की, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निमनिस्सिक व्यक्तिकों, अर्थात् के

(1) श्रीमती राजबी, पत्नी उसमानसाब, वारदिवान डिड्डी गली हुबली।

(अन्तरक)

(2) श्री पाडुरंग रामचंद्रा, शिकारपुर 2/2 विकासनगर, अभी घटिकार इमारत, देशपांडे नगर, हुबली ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टांकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिआधिक्ष है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

(दस्तावेज सं० 852 तारीख 11-6-1984) खुली जगह आर० एस० नं० 23/1, 2, 3, जो नाप में 8 एकड ग्रौर 7 गुटे है ग्रौर जो "निम्मासागर" हुबली में है।

आर**ँ** भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बैंगलूर

तारीख:8-1-85 मोहर 🖫 प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - -

नायकर निध्नियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ्(1) के नधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुंक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर दिनांक 8 जनवरी 1985

निदेश सं० 860/84-85--श्रतः मुझे, श्रार० भारद्वाज; बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहां गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर । जसकी सं० एस० नं० 491/1वी है तथा जो हुबली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का. 16) के ग्रधीन तारीख 21-6-1984

प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय हुबली में धार 269 ए. बी. के अन्तर्गत सक्षम अधिकारी के सम्मुख के पास रिजस्ट्री-कृत किया गया है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिती (अन्तरितियों) कि बीच एसे अन्तरण के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबर्स उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए, और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः— (1) श्री वसंत नारायण राव चिटगुष्पा केयर भ्राफ पी० के० भ्रपरंजी भ्रायकर वकील, हुबर्ला।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री परसूराम श्रीनिवास, बेलेमकर कोशापुर रोहि हुवर्लः ।

(ग्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर भचना की तामील से 30 दिन को अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्र बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है

वन्स्ची

(दस्तावेज सं० 1053 तारीख 21-6-1984) प्लाट सी० टी० एस० नं० 491/1बी जो नाप में 4 एकड 10 गूंथा है ग्रौर जो "केशापुर रोड़" मे है जिसको "चिटगुप" कम्पाउन्ड कहते हैं।

श्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर श्रामुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 8-1-1985

प्ररूप आह^र.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के बभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, बेंगलूर बंगलूर, दिनांक 8 जनवरी 1985

निर्देश सं० 861/84-85--- ग्रतः मुझे, ग्रार० भारद्वाज, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० सी० टी० एस० नं० 491/1बी है तथा जो हुबलं। में स्थित है (ग्रांर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रोकरण ग्राधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख़ 21-6-1984 करं प्रवाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल लिए मुभ्ते विश्वास यह कारण है कि यथापूर्वांक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एेसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रीतशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसं अन्तरण के लिए तो। पाया गमा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य वे उक्त बन्तरण लिखित मं नास्तिनक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-श्विष्म के नधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उद्दे ब्युने में सृविधा के बिए; अदि/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अथोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गरा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा की लिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रे: वसंत राव नारायण राव, चिटगुष्पा केयर आफ पो० के० अपरंज, ग्रायकर वकील, हवली।

(ग्रन्तरक)

(2) 1 श्री केलव देव माने वकु
2 श्री श्रीपाद,
पुत्र श्री मंजुनाथ,
बुग्रडेकरं, केशापुर रोड़,
हुबली ।

(ग्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके एवेक्सि सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियों कर हा क्ष्म ।

उदत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजगत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की कर्या पा तत्स्मान्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारील में 30 दिन की अविध, जो भी वविध बार में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वित्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के जिया त्यत स्थावर संपत्ति में हित- वर्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के अल्पान्ति के किया जा सकत्री।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उस्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, जहां अथ हागा जो उस अध्याय में दिया स्था हैं।

भनस् धाः

(दस्भावंज सं॰ 1052 तारीख 21-6-1984) खुला प्लाट सीं॰ टी॰ एस० न० 41/1बा जो नाप में 15 एकड़ और 10 पृथा है और जो "केशापुर रोड़" पर चिटगुर्पा" कम्पाउन्ड भें है।

> ग्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारो सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 8-1-1985

प्ररूप बाई .टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्धिक्षण)

ग्रर्जन रेंज, रोहतक रोहतक, दिनांक 2 जनवरी 1985 निर्देश सं० गुडगांवा/69/84-85---ग्रतः मुझे ग्रार० के० भयाना,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रु में अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० भूमि 6 बीघे 16 विस्वे है तथा जो गांव खाण्डासा त० गुडगांवा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय गुडगांवा में रिजस्ट्रिकरण शिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उचत अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त विधिनयम के अधीन कर नों के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर बिधिनियम, या धन-कर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपान में सुनिधा के लिए।

कतः अब, उक्त अधिनियम कर धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-गे की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रो मामन पुत श्री नत्यू, गांव खाण्डसा तह० गुडगांवा ।

(अन्तरक)

(2) मैं ० बखतावर सिंह वाल किशन एन्ड कं ० $\frac{4i-4}{13}$, सफदरजंग डिबलपमेंट एरिया, नई दिल्ली-16

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ा-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्ची

सम्पति 6 बीघे 16 निस्वे गांव खाण्डसा में स्थित है जिसका ग्राधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गुडगांवा में रजिस्ट्री सं० 18 64 दिनांक 16-5-1984 पर दिया है।

> श्चार० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी स**हायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)** श्चर्णन रेंज, रोहतक

दिनांक : 2-1-1985

मोहर 🖫

प्ररूप बाह् टि एन एस ,-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, रोहतक रोहतक, दिनांक 10 जनवरी 1985 निर्देश सं० गुडगांवा/529/84-85—श्रतः मुझे, श्रार० के० भयाना,

नायकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निधिनयम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के निधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से निधक है

ग्रीर जिसकी सं० भूमि 1 बीघा 5 बिस्वे 11 बिस्वासी है तथा जो खाण्डसा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय गुडगांवा सें रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख मई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखत में वास्तविक रूप से किंशत नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के दािष्टिय में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी नाय या किसी भन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधाके लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निचिष्ति व्यक्तियों, अर्थाद :--

- (1) सर्वश्रीः
 लख्नम्, श्रीकिशन, हरीराम, श्योनारायण,
 पुत्रगण प्राणसुख पुत्र जागे राम,
 सर्वश्री विशम्बर दयाल शिवचरण,
 सीस राम, सत्यनारायण,
 पुत्रगण मोहनलाल नेत्र जागे राम,
 निवासी खाण्डसा तह० गुडगांवा।
 (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती सुधा जैन, पत्नी श्रो राजिन्दर जैन, श्रीमती वीरा जैन पत्नी श्री रिवन्दर जैन, श्रो कुलभूषण जैन पुत्र श्री गंगाराम जैन, नि० 13, जोशी कालोनी स्रमृतसर । श्री सुनील जैन पुत्र श्री राजकुमार जैन, द्वारा मैं० राजकुमार टैक्सटाइल इन्डस्ट्री, तरनतारन रोड़, स्रमृतसर (पंजाब)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्चन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (कं): इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख दें 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, वो भी जवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

वन्त् ची

सम्पति भूमि 1 बीघा 5 बिस्बे 11 बिस्वासी गांव खान्डसा में स्थित है जिसका ग्रधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, गुडगांवा सें, रिजस्ट्री संख्या 1640 दिनांक 4-5-1984 पर दिया है।

> ग्रार० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरी**क्षण)** ग्र**जन रेंज, रोहतक**

दिनांक : 10-1-1985

मोहर 🖫

प्ररूप वार्षं.टी.एन एस.-------आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहाधक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ध्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 10 जनवरी 1985

निर्देश सं० गुडगांवा/530/84-85—श्रतः मुझे, श्रार० के० भयाना,

बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा नया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

स्रोर जिसको सं० भूमि 19 बिस्बे 3 1/2 विस्वासो है तथा जो गांव खान्डसा में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची मे स्रोर पूर्ण रूप से विणन है) रिजस्ट्रीकर्ता, अधिकारो के कार्यालय गुडगावा, में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक मई 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बूक्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल के एसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-दृश्य, निम्नितिबत उद्देश्य से उक्त अंतरण निचित में वास्तिवढ़ दृश्य से क्षित नहीं किया यशा है अ---

- (क) बन्तरण संदूर्व किसी बाग की वायता, सकछ विधिनियम के अधीन कार दोने के बन्तरक के दाबित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा खे के लिए; जौर/का
- (क) एंसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों ,को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया बया था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 52---446GI/84

 सर्व श्री लंख्यन , श्री किशन, हरी राम, श्योनारायण, पुत्रगण प्राण सुख पुत्र जागे राम,

(ग्रन्तरक)

- 2. (1) सर्वे श्री विश्वम्बर दयाल शिव चरण, सीस राम, सत्य नारायण पुत्रगण मोहन लाल पुत्र जागे राम, नि०ृखान्डसा तहत० गुडगांव ।
 - (2) श्रीमती स्वर्ण कान्ता पत्नी श्री आर० सी जैन मि० बसन्त ऐवेन्यू, रेस कीर्स रोड, अमृतसर (पंजाब)।

् (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपर्तित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजधन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सवंधी व्यक्तियों प्रस् सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्य।

क्षक्टीक रणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनस् अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

श्चनुसूची

सम्पत्ति, भूमि 19 बिस्त्रे 3-1/2 बिस्तासी गांत खान्डसा में स्थित है जिसका श्राधक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गुडगाँवा में, रजिस्ट्री सख्या 1641, दिनांक 4-5-1984 पर दिया है

ग्नार० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक: 10-1-1985

महिर:

प्रकृष बाइ'.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के धारा 269-भ(1) के अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालयः, सत्य्यक्र अयकार वायुक्त (पिरीक्षणः) श्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 11 जनवरी 1985

निदेश सं० गुडगांवा/531/84-85—श्रतः मुझे, श्रार० के० भयाना.

शायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें ध्सकें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकाणी कां, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि 1 नीघा, 5 तिस्वे, 11 विस्वासी है, तथा जो खांडमा में स्थित है (श्रीर इसमे उपावड अनुसूत्री में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के नार्यालय गुडगांवा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकर्ता ि लेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्प्रत्ति का रुचित बाजार मृत्य, उन्नके दृश्यमान प्रति-फल से,, एने व्ययमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बील एमें अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित क्वारे से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :-

- (क) जन्मरण से हुई किसी लाग की अवत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोरें के अन्तरक के शियन्त में कभी करने या उससे त्वनं में सिरिश के लिए; और/या
- (क) एसी किसी शाय या किसी धन या कत्य आस्तियों करें भिन्दी नामतील प्रायक्त अधिनियम - १९९१ (1937 कर ११) या तक जीवित्या कर किथिनियम (957 1934) का प्रशेकार्थ कर्माकार्थ कर्मातिनी स्वारा प्रकर क्षेत्र (१० गर कर के किया बाग काहिए का किशान में परित्र के लिए;

अत: अन, उक्त अधिनियम की धारा २६९-ग के अनसरण में, मै, उक्त अधिनियम की धारा २६९-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- सर्व श्रा लक्ष्मन—श्रा िशन—हरी राम श्योनारायण पुत्रगण प्राण सुख । सर्वश्री विशम्बर दयाल, शिव चरण, सीस राम, सत्यनारायण, पुत्रगण मोहन लाल पुत्र जागे राम । नि० खाडसा त० गुडमांवा ।
- (भ्रन्तरक)
 2. श्री भ्ररुण कुमार, पुत्र श्री भ्रार० सो० जैन,
 निवासी जैन निवास एवेन्यू, एसकोर्ट रोड,
 भ्रमतसर, (पंजाब)

(भ्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके गुर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निष्

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या नत्साबन्धी व्यक्तियों पर मूचन की तासील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रतिकत्त व्यक्तिया में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्पान के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर मपित में दिल व्यथ लिमी शन्य कि वित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पान लिखत में किए जा सकी ।

स्वस्तीकण्ण ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अवस अधिकियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ हांगा जो उस अध्याय में दिका गया हैं।

बन्स्थी

सम्पत्ति भूमि 1 बीघा 5 बिम्बे 11 बिस्वासी गांव खांडसा में स्थित है। जिपका अधिक विवरण रिजस्ट्रोक्ति के कार्यालय गुडगांवा में रिजस्ट्री संख्या 1642 दिनांक 4-5-1984 पर दिया गया है।

> आर० के० भयाना सक्षमः प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन परिक्षेत्र, रोहतक

तारीख: 10-1-1985

मुहिर:

प्रकृष कार्ड. टी. एत्. एसं ---

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौं धारा 269-घ (1)√के अधीन सूचना

बारत् बहुकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन परिक्षेत्र, रोहतक

रोहतक दिनांक 10 जनवरी, 1985

निदेश सं०गुडगावां/532/84-85 — अन मझे अ

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्त बाजार मूल्य 25,0000/- रुपये से अधिक हैं

ग्रीर जिसको सं० भूमि 1 बीघा 5 विस्वे 11 विस्वासी है तथा जो खान्डसा में स्थित है (ग्रीर इससे उपावड अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुड़गावां में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रहे प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने वा उसके वचने के सृद्धिश के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अंतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 सर्वश्रो लक्ष्मन-श्रो किशन-हरो राम- श्योनारायण पुत्रगण प्राण सुख पुत्र जागे राम सर्वश्रो विशम्बर दयाल-शिवचरण-सोसराम -सतनारायण पुत्रगण मोहन लाल पुत्र जागे राम नि०-खान्डसा त० गुडगावां

(म्रन्तरक)

 श्री आनिल कुमार पुत्र श्री ग्रार०सी०जैन नि० जैन निवास बसन्त एवेन्यू, रेसकोर्स रोड, अमृतसर (पंजाब)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन की अविध या तत्सप्रवन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेशकर व्यक्तियों मार्थ कि स्वर्ण कर के स्वर्ण
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन को तारीय के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्टीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उकल अधिनियम के अध्याय 20-क में परि भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

सम्पति भूमि 1 बीघा 5 बिस्वे 11 बिस्वासी गांव खान्डसा में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गुड़गावां में, संख्या 1643 दिनांक 4-5-1984 पर दिया है।

आर् 0के 0 भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन परिक्षेत्र, रोहतक

तारीख: 10-1-1985

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौं भारा 269-म (1) के अधीन सुमना

गारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनाक 10 जनवरी 1985 निर्देश सं०गुड़गावा/533/84-85- श्रतः मुझे, श्रार०के० भयाना,

बायकर विधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० भूमि 1 बीघा 5 बिस्बे 11 बिस्वासी है तथा जो खान्डसा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर, पूर्ण – हप से विणत है) र्राजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, गुडगांवा में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के बश्यमान प्रतिफल के लिए जंतरित को गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारफ है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बन्धार मून्य, रहके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एमें अंतरण के लिए तम पावा गया प्रतिफल फल निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त-विक कम से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण के हुइ किसी बाय की वायत, उपत विधिन्यम के बधीन कर दोने के अंतरक के शायत्य में कभी करने या उससे वचने में सुविका के दिए, और/भा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, एक सम्बोजनार्थ बंतरिती द्वारा प्रकट नहीं विया गथा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के विष्:

बत: , अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, ने उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— सर्वश्री लक्ष्मन-श्री किशन-हरी राम-श्योनारायण
पुत्रगण प्राण सुख
सर्वश्री विशम्बर दयाल,-शिव चरण-सीस राम
सत्यनारायण
पुत्रगण मोहन लाल पुत्र जागे राम
नि० खान्डसा त० गुडगावां

(अन्तरक)

 श्रीमित वीना जैन पाल कुल भूषण जैन श्रीमात चान्दरानी पाल श्री राजकुमार
 श्री राजेन्द्र जैन पुत्र श्री वासदेव
 श्री रवीन्द्र जैन पुत्र श्री वासदेव जैन नि० 13, जोशी कालोनी, ग्रमृतसर, (पंजाब)

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त मम्पत्ति के अर्बन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तर्तमबन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 किन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्यारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिठ-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निविधत में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्ख अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 1 बीघा 5 बिस्वे 11 बिस्वासी गांव खन्डसा में स्थित है जिसका ग्रिधिक विवरण राजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गुड़गांवा में, राजिस्ट्रीसंख्या, 1644, दिनांक 4-5-84 पर दिया है।

द्यार० के० भयाना सक्षम प्राधिकारो सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक 10-1-85 मोहर: प्ररूप आई .टी .एन .एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक शायकर वाय्कत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक रोहतक, दिनांक 10 जनवरी 1985

निर्देश सं० गुडगौवा, |534|84-85—श्रत-: मुझे, ग्रार० के० भयाना,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रोधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि 19 बिस्बे, 3-1/2 बिस्वासी है, तथा जो गाव खांन्डसा, में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूर्वा में श्रीर पूर्ण रूप से वणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय गुडगांवा में रिजस्ट्रीकरण श्रीधित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक मई, 1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजौर मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजौर मूल्य, उरुके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अनतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्द आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियभ, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निस्थित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 सर्वश्री लखनन, श्री किशन, हरी ऱाम, श्योनारायण पुत्रगण प्राणसुख पुत जागे राम, सर्वश्री बिशम्बर दयाल, शिव चरण, सीसराम, सतनारायण पुत्रगण मोहनलाल पुत्र जागे राम, निवासी खान्डसा, तह० गुडगांवा

(ग्रन्तरक)

2. श्री ग्रार० सो० जैन, पुत्र श्री हीरालाल जैन, निवासी जैन निवास, बसन्त एवेन्यु, रेस कोर्स रोड ग्रमृतसर (पंजाव')।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क्) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की उविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

गन्स्ची

सम्पत्ति भूमि, 19 बिस्बे, 3-1/2 बिस्वासी गांव खांडसा में स्थित है जिसका श्रधिक विवरण रजिस्ट्रोकर्ता के कार्यालय गुडगावाँ में, रजिस्ट्री संख्या, 1645 दिनांक 4-5-1984 पर दिया है।

> ग्रार० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक 10-1-85 सोहर : प्ररूप गाइ". टी. एन. एस.----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के बधीन सुचना

बारह सरकार

कार्यां लय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण ग्रजंन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 10 जनवरी 1985

निदेश सं० गुड़गाँवा/535/84-85—श्रतः मुझे, श्रार० के० भयाना,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रीर जिसकी सं० भूमि 19 बिस्वे 3-1/2 बिस्वासी है, तथा जो गांव खाडसा में स्थित है (स्रीर इससे उपावद्ध अनुसूचों में स्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय गुडगांवा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन दिनांक मई, 1984

को प्रवेक्त सम्मित के उपित बाजार मृत्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और सुभे यह विश्वास करने (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देशय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवैक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- कि) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उसने बचने में स्टेबिशा के लिए; भौर/या
- (स) एसी किसी बाय या किसी भन वा अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया अना चाहिए था, किया में बुविधा है किए;

अतः शब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ै— सर्वश्री लख्मन श्री किशन, हरी राम, श्योनारायण, पुत्रगण प्राण सुख, पुत्र जागे राम, सर्वश्री विशम्बर दयाल, शिव चरण, शीश राम, सतनारायण पुत्र मोहलनलाल, पुत्र जागे राम, निवासी खान्डसा, त० गुडगाँवा।

(भ्रन्तरक)

2, श्री राजेन्द्र जैन, पुत्र श्री वासुदेव जैन, निवासी 13 जोशी, कालोनी, ग्रमृतसर, (पंजाब) (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कता सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हु।

दक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होतीं हो के भीतर प्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

स्मिपत्ति भूमि 19 बिस्बे, 3-1/2 बिस्वासी, गांव खांन्डसा, में स्थित है जिसका भ्रनेक विवरण रजिस्ट्रोकर्ता के कायिलय गुडगाँवा में रजिस्ट्रो संख्या 1646, दिनांक 4-5-1984 परं दिया है।

> ग्रार० के० भयाना सक्षम् प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, रोहतक

दिनांक: 10-1-1985

त्रकथ काह'.टी.एन एस .----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के सधीन सुचना

भारत सरसार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 10 जनवरी 1985

निर्देश सं० गुडगांवां/536/84-85—-ग्रतः मुझे, ग्रार्० के० भयाना,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीर सक्षम प्राधिकारी क़ो, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-र; से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० भूमि 19 बिस्बे, 3-1/2 बिस्वासी है, तथा जो गांव खान्डसा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूचो में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रोकर्ता ग्रिधिकारों के कार्यालय गुडगांवा में रिजस्ट्रोकरण ग्रिधितियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक मई, 1984

की पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अतिरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तब पाया गया प्रतिकत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बिधनियम के बधीन कर देने के बन्तरण क बाबित्य में कमी करने शा उससे बचने में सुविधा खे बिए; बीर/सा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, चिन्हें भारतीय बाय कर अधिनियम, १/922 (1922 का 11) या उच्चत अधिनियम, या अव-कर अधिनियम, या अव-कर अधिनियम, रा अव-कर अधिनियम, रा अव-कर अधिनियम, रा अव-कर अधिनियम, रा अव-कर विधिनियम, रा अव-कर विधिनियम, रा अव-कर विधिनियम, रा अव-कर विधिनियम, विधान विधान

अतः अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (†) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :— 2. सर्वश्री लख्मन, श्री किशन, हरीराम, श्योनारायण, पुत्तगण प्राण सुख, पुत्र जागे राम, सर्वश्री विशम्बर दयाल, शिव चरण, सीस राम, सतनारायण पुत्रगण मोहन लाल पुत्र जागे राम, निवासी खांडसा, तह० गुडगांवा।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती स्विणा जैन, विश्ववा श्री बासुदेव जैन, निवासी 13 जोकी, कालोनी, श्रमृतसर (पंजाब) । (ग्रन्तरिती)

क्के बहु सृष्टका वारी करके पृत्रावित सम्परित के बर्चन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

डक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप क्ष--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती है, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वादा:
- (स) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वास अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्वक्टीकरणः - इसमें प्रयक्त शब्दों और बदों का इब उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

नन्स्ची

सग्पत्ति भूमि, 19 बिस्वे, 3-1/2 बिस्वासी, गांव खांडसा में स्थित है जिसका स्रधिक विवरण राजस्ट्रीकर्ती के कार्यालय गुडगांव में, राजस्ट्री संख्या, 1647, दिनांक 4-5-1984 पर दिया है।

श्रार० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक: 10-1-1985

प्रकप बाइ .टी. उन . एस . -----

आयकर अधिनिया, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत तरकार

. कार्यालय, सहायक गायकर जायुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 9 जनवरी 1985 निर्देश सं० एन० डब्ल्यू० एन०/26/84-85—-श्रतः मुझे, श्रार० के० भयाना,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-द के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं. दुकान, 41-1/9 वर्ग गज है, तथा जो नरवाना जिला जींद (हरियाणा), में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनु- सूचो में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय नरवाना में रिजस्ट्रीकण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रीचीन दिनांक मई 1984

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दत्यमान प्रतिफल से, ऐसे दत्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे बंतरण के लिए तय पाथा गया प्रतिफल कन निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
 - (क) ऐसी किसी नाय वा किसी भन या अस्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, दा भन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः कव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के कम्सरण में. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— 1. श्रो करण प्रकाश पुत्र श्री मनफूल सिंह अग्रवाल निवासो नरवाना मुण्डो मुख्तयार ग्राम श्रीमती मायादेवो पत्नो श्री करण प्रकाश।

(अन्तरक)

2. श्रो बसन्त लाल पुत्र श्री लछमन दास श्रग्रवाल द्वारा मैसर्स सुभाष ट्रेडर्स, श्रोल्ड काटन मिल्स, नरवाना ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यक्तिहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भा जाक्षप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख **ध** 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें अयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाष्ति है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति दुकान 41-1/9 वर्ग गज पर बनी हुई है नरवाना मण्डो में स्थित है। जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रोकर्ता के कार्यालय नरवाना में रजिस्ट्री संख्या 569, दिनांक 15-5-1984 पर दिया है।

> ग्रार० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहसक

दिनांक: 9-1-1985

Administration of the contract of the contract

प्ररूप बाईं.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 10 जनवरी 1985

निर्देश सं. हिसार,/46/84-85--अतः मुझे, आर० के० भयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- उन्ह से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० अहाता नं० 2 है तथा जो माडल टाउन भि सामने देहली रोड, हिसार में स्थित है ((श्रौर इससे उपा-बद्ध अनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हिसार में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तर्भ के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नीलिक्त उद्भदेश्य से उच्त अंतरण लिखित में वास्तिविक हूप ने किया रहीं किया गया है:----

- (क) बन्तरण हे हुइ किसी बाब की वाबत उक्त बीधनियम के बधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा जे लिए; बौर/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिकों कर एक प्राप्त का प्रा

अत: अब. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण मों, मों, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिन व्यक्तियों, अधीत 53—446 GI/84 श्री पदम कुमार पुत्र श्री बनवारी लाल,
 नि० हिंसार ।

(अन्सरक)

मैसर्स मिलक फैमिली ट्रस्ट,
 द्वारा: डा० और० एस० मिलक,
 मिलक हस्पताल, हिसार।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया, करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ए) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है,

अन्स्ची

सम्पति अहाता नं० 2, माडल टाउन के सामने, देहली रोड, हिसार में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय हिसार में, रजिस्ट्री संख्या 1286, दिनांक 30-5-1984 पर दिया है।

> आर० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज, रोहतक

दिनांक: 10-1-1985

प्ररूप बाईं. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अधीन स्पना

बारत बहुकाडु

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 10 जनवरी 1985

निदेश सं०बल्लभगढ़/22/84-85 -- अतः मुझे आर० के० भयाना

बाय्कर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके इसके पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- क म अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० इन्डस्ट्रियल प्लाट नं० 33 है तथा जो सेक्टर-25 फरीदाबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण-रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बल्लभगढ़, में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 18) के ग्रधीन, तिथि मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के द्वश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (बन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय शया म्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित धास्तिक रूप से कविष्य वहाँ दिया पना है:—

- (क) बन्तरण से हुइ किसी आम की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को. जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या सकत अधिनियम, बा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए; और/या

अतः अब, उक्त आधीनयम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- मै० खन्रा सिन्टरड प्राइन्टस द्वारा मै० शील पैकेजिंग इन्डस्ट्रीज, प्लाट नं० 31, सेन्टर-25, फरीदाबाद

(अन्तरक)

मैं० बी० वी० इंजीनियरस,
 1-सी/115, फरीदाबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रींक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यनाहियां शरु करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकोंने।

स्यष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त बन्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होना को उस अध्याय में दिवा स्वा है।

अनुसूची

सम्पत्ति इन्डस्ट्रियल प्लाट नं0 33, सँक्टर 25 फरीदाबाद में स्थित है जिसका अधिक विवरण र रिजस्ट्रिकित के कार्यालय, बल्लभगढ़ में रिजस्ट्री संख्या 1954 दिनांक 11-5-1984 पर दिया है।

आर 9 के 0 भयाना ृसक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन परिक्षेत्र,ोहतक

तारी**ख**: 10-1-1985

प्रकृष बाईं. टी. एन. इस. ----

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बधीन सुचना

मारत चर्चार

कार्यालय, सहायक बामकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 2 जनवरी 1985

निर्देश सं०सोनीपत/13/84-85--अतः मुझे आर० के० भयाना,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिंग इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रुपय से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० भूमि 12 क 8 मरले है तथा जो कुन्डली में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सोनीपत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तीरीख मई, 84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे बन्दरण के लिए तय पाया नवा प्रतिफल विश्वलितियाँ उद्दर्शय से उस्त बन्दरण जिवित में बास्तिवक रूप से कियत नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तर्ण से हुई किसी बाब की बाबत, उसत विश्वित्व को वधीन कर दोने के बन्तरक के दासित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए; ब्रीर/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों को बिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

मतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण मं, मं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 1. श्री महान सिंह पुत्र श्री वरयाम सिंह म०नं० 66-ए०/1, न्यू रोहतक रोड, देहली

(अन्तरक)

2. मैं ॰ ग्रेंशम (इन्टरनेशनल) प्रा॰ लि॰
4-बी॰ वन्दना बिल्डिंग-II टालस्टाय मार्ग,
नई दिल्ली-1
द्वारा श्री मोहन सिंह पुत्र श्री मान सिंह
नि॰ रूप नगर, देहली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति। के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशाषित हैं, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्सूची

सम्पति भूमि 12क 8म० कुन्डली में स्थित है जिसका अधिक विवरण रडिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, सोनीपत में, रजिस्ट्री संख्या 580 दिनांक 16-5-1984 पर दिया है।

> आर० के० भयाना सक्षम प्राधिका री सहायक आयट आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 2-1-1985

प्रकृष आईं. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

मारत युवकार

कार्यालय, सहायक आयकर श्रायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहटक दिनांक 10 जनवरी 1985

निर्देश सं०सोर्नापत/9/84-85-- अतः मुझे, आर० के० भयाना,

गयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके फलात 'उबल अधिनिया' कुन्या हैं). की आरा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० भूमि 3क०। 6म० है तथा जो कुन्डली त० सोनीपत में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सोनीपत में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंदारित को गई है और गुक्ते यह वश्वास करने का कारण है कि गथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निश्वत में अस्तिवक हप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तर्भ संहुई किसी आय की बाबत, उसत बिधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/धा
- (ख) एसी किसी जाय या किसी धन या कन्य आस्तियाँ का जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया पा त दिवा जाना चाहिए था, छिपाने में सिवधा के लिए।

खतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री जिले सिंह पुत्र श्री जमना ग्राम-कुन्डली, त० सोनीपत

(अन्तरक)

2. श्री चन्द्र शेखर पुत्र श्री आनन्द सरुप नि० 4/22, ईस्ट पन्जाकी वाग, देहली श्री अशोक कौशिक पुत्र श्री मोहन लाल नि०-डब्ल्यू जैंड, 35, शादीपुर, देहली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्यक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होतीं हो, को भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरों के पास निस्तित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरना:—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिया गया है।

नग्त्वा

सम्पत्ति भूमि 3 कनाल 16 मरल गांव कुन्डली में स्थित है जिसका अधिक विवरण रिजिस्ट्रीकर्ता के द्यार्यालय, सोनीपत में रिजस्ट्री संक्या 495 दिनांक 9-5-1984 पर दिया है।

> आर० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतकं

तारीख: 10-1-1985

मोहर 🛭

ब्रस्थ बार्ड्ः टी. एन्. एस.: ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-ब (1) के अधीन स्वना

गारतं सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्ज न रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 10 जनवरी 1985

निदेश सं० सोनीपत/17/84-85-- अतः मुझे, आर० के० भयाना

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रत. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० भूमि 4 कनाल है तथा जो गांव कुन्डली त० सोनीपत में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अयुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विगत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सोनीपत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 कय 16) के अधीन, तारीख मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान अतिकल से एस दश्यनान प्रतिकल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिस्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में कास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक बादित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/बा
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या **पव-कर क्षियिवम, 1957** (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ::---

- 1. श्रीहरी राम पुत्र श्री शीश राम नि० कुन्डली त० सोनीपत
- 2. श्री लेखराम पुत्र श्री शीश राम नि० कुन्डली, त० सोनीपत

(अन्तरक)

2. सवश्री राज कुमार अरोड़ा-रिव कुमार पुत्रगण श्री देश राज 🗇 सर्वश्री मुलख राज, देशराज पुत्रगण करतार सिंह नि० मकान नं० 9, डैम गंज, अमृतसर (पंजाब)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वे विसे सम्पत्ति के वर्जन के निर्दे कार्यवाहियां 'शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षप :--

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की ब्वधि; जो भी ं व्यविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स् व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (अ) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, वभांहस्ताक्षरी के प्तानिवित में किए या सकरेंगे।

स्पष्टीक रण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ द्वांगा. जो उस अध्याय में दिया नदा

अनुसूची

सम्पति भूमि 4 कनाल गांव कुन्डली त० सोनीपत में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय सोनीपत में, रजिस्ट्री संख्या 891 दिनांक 31-5-1985 पर दिया है ।

> आर० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 10-1-1985

प्रक्य बाह्र . टी ु एन .. एव . -----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के व्यक्ति सूचना

गारत ब्रह्मा

कार्यासय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक दिनांक 10जनवरी 1985

निदेश सं अतिभित । 18 / 84 - 85 - अतः मुझ

आर० के० भयाना

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-इस के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

जौर जिसकी सं भूमि 4 कनाल है तथा जो जुन्डली त क्सानीपत में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्णरूप से विणित है अधिनयम, 1908 (1908 का 18) के अधीन, तारीख मई, 1984

को पूर्वोक्त संपरित को उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिप्रक्ष के सिए जन्तरित की गई हैं और मुक्के वह निश्वास करने का कारण हैं कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके क्यमान प्रतिप्रक्त से, ऐसे क्यमान प्रतिप्रक्त का पंद्रह शिवस्त से बाजार का पंद्रह शिवस्त से बाजार का पंद्रह शिवस्त से बाजार का से साम प्रतिप्रक्त से बाजार के निए तम पाया न्या प्रति-क्स निम्नीनिस्त उद्देश्य से उक्त बन्तरण निष्त में बाम्तविक क्य से कवित नहीं किया नवा हैं

- (क) अन्तरण से हुई किसीं आय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक में दायित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, विश्व के प्रवोचनार्ज बन्तरिती स्वाय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में स्विधा के विश्वः

बत: बब, उक्त बीधीनवन की भारा 269-न के बन्सरण हो, ही, ठक्त अधिनिषय की भारा 269-थ की उपभारा (1) के बधीन, निश्वितिषत व्यक्तियों, वर्थात् :--- श्री लेख राम पुत श्री शीश राम

 नि०-कुन्डली त० सोनीपत
 (अन्तरक)

2. सर्वश्री राजकुमार अराड़ा -रिव कुमार पुत्रगण श्री देश राज सर्व श्री मुलखराज -देश राज पुत्रगण श्री करतार सिंह नि० - मकान नं० 9, डैम गंज, अमृतसर (पंजाब) (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाकोप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारीस है 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ववधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्हाकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का वो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गन्ना है।

वन्त्वी

सम्पत्ति भूमि 4 कनाल कुन्डली में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, सीनीपत में, रजिस्ट्री सं० 892 दिनांक 31-5-1984 दिया है।

> आर० के 0 भयाना सक्षम प्राभिकारी सहायक आयकर आयुक्मे (निरीक्षण) अर्जन परिक्षेत्र, रोहतक

तारीख: 10-1-1985

प्रस्य बाइं.टी. इन . एस . -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के यधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयुक्त (निरक्षिण) अजन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 9 जनवरी 1985

निदेश सं०जगाधरी/79/84-85---अतः मुझे भार० के० भयाना

वायकर प्रधिनियम; 1981 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकात प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के व्यक्ति सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द॰ से विधिक है

और जिसकी सं०दो मंजिला दुकान जायदाद है तथा जो यमुना) नगर स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से विजत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जगाधरी में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 18) के अधीन, तारीख मई, 1984

को पूर्विक्त संमत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए बंतरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, ऐसे द्रियमान प्रतिफल का पृन्द्रह प्रतिकृत से प्रक्रिक है और धन्तरक (अन्तरकों) और धम्तरिकी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति- प्रमृतिकित उद्देश्य-से उक्त अन्तरण निश्चित में बास्नविक स्य से क्षित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त श्रीविनियम के सशीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में अभी करने या उससे बचने में सुविधा के निए। जीर/वा
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर मिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियान में सुक्तिया के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अथौत् हिन्स श्री दिलीप सिंह
पुत श्री भानसिंह व श्रीमित पूरत कौर
पत्ति श्री दिलीप सिंह
म० नं० 569, हमीदा - कालोनी,
यमुना नगर

(ग्रन्तरक)

 श्री सरल कुमार पुत श्री दसोंधी राम, रेलवे आउट एजेसी होल्डर नगाधरी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूचाँक्त सम्मित् से वर्षन् से जिल् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

वक्त सम्मन्ति से वर्षन से सम्बन्ध में कोई भी बाबोद :--

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारी हैं के 45 दिन की नवींच या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तानील से 30 दिन की व्यक्ति, को भी ववींच बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित हुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक । है 45 दिन के भीतर उक्त स्थान्त सम्मत्ति में हित-। बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी सं पास निविद्य में किए वा सकों ने।

भव्यक्तिरणः --- इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, को उत्तर निधिनियम, के नध्याय 20 -क में मधा परिभाषित है, वही नर्थ होगा जो उस नध्याय में दिया मया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जो कि दो मंजिली बिल्डिंग जो कि फाउटेन चौक टाउन हाल यमुना नगर में स्थित है जिसका अधिक विवरण राजिस्ट्री-कर्ता के कार्यालय जगाधरी में राजिस्ट्री संख्या 566 दिनांक 1-5-1984 पर दिया गया है।

> अ(र 0 के 0 भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रामकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, रोहुतक

तारीख: 9-1-1985

नावभर नियम 1961 (1961 का 43) की धरा 269-व (1) के बभीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, रोहतक

रोहतक, दिनाकः 5 जनवरी 1985

निर्देश सं० अम्बाला/ 14/84-85--अतः मुझे,

आर० के० भयाना

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से बिधक हैं

और जिसकी सं० एक मंजिली, मकान क्षेत्रफल 460 वर्ग गज है तथा जो काशी नगर माडल टाउन, अम्बाला शहर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरुप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, अम्बाला में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 84 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है बार मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि मभापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का बन्द प्रतिकत से बिष्न है बार बन्तरकों) बार बंतरिती (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकत का निम्निलिख उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-विक कप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण दंशुर जिल्ली बाव की शंभव, उनक्ष अधिनियंत्र के जनीन कर देने के अन्तरक के वाक्तिस् में कनी करने वा उनके वचने में सुविधा के किए; कर/का
- (क) एसी किसी बाब या किसी भन मा अन्य बास्तियां को, जिन्हें भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना वाहिए था कियाने में स्विभा के लिए;

अतः अस, अस्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

 श्री सुन्दा गिह पुत्र शी यहादुर सिह, निवासी -- मृ० नं० 60, भृणी भगण, माडल टाउन, अम्बाला शहर

(अन्तरक)

2 श्रीमित उरविन्द्र कौर बर्म पत्न, श्री अवतार सिह. निवासी~60, काणी नगर. माडल टाउन, अम्बाला शहर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्ता कत सम्पत्ति के अर्वन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उदत नम्पीत्त के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी वासंप ६--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्यक्ति ब्राह्म;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ट्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगम् जो उस अध्याय में दिया गया डै।

कारची

सम्पत्ति मकान क्षेत्रफल 460 वर्ग गज जो कि काशी नगर अम्बाला शहर में स्थित है जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय अम्बाला में रिजस्ट्री सं० 1177 दिनांक 14-5-84 पर दिया है।

> आर० के० भयानाः सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहनक

तारीख: 5-1-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, रोहतक

रोहतक दिनांक 9 जनवरी, 1985

निदेश सं०अम्बाला/15/84-85——अतः मुझे, आर०के० भयानाः

आयकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकरी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ओर जिसकी सं० 3 माग क्षेत्रफल 6038.5 वर्ग गज है तथा जो सिरक्युलर रोड, ग्रम्बाला मे स्थित है (ग्रीर इससे उपलब्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अम्बाला में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908

1908 का 18) के अधीन, तारीख मई, 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का फल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितिगों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथा नहीं किया गया है:---

- (क्) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, टा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--54-46GI/84

- 1. रामलाल पुत्र श्री शोभाराम पुत्र श्री गुरदिस्तामल निवासी-म 0 नं० 10521 वार्ड नं० 6, अम्बाला शहर (श्रन्तरक)
- (2) श्री चेंनन स्वरूप पुत्र श्री जेठा नन्द पुत्र श्री उत्तमचन्द निवासी मं०नं० 3494/2, पटेल नगरी, अम्बाला शहर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अस स ची

सम्पत्ति 6038. 5 वर्ग गज का 1/3 हिस्सा जो कि सरक्यूलर रोड अम्बाला शहर में स्थित है, जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्री कर्ता के कार्यालय अम्बाला रिजस्ट्री संख्या 1695 दिनांक 28-5-84 पर दिया है।

> आर० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक : 9-1-1985

मोहरः

प्रकार कार्र . टी . एव . एए

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार्य 269-प (1) के अधीन सुचना

बार्व बरकार

कार्यालय., सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, रोहतक

रोहतक, दिनांक 9 जनवरी 1985

निदेश सं०अम्बाला/102/84-85-अतः मुझे, आर० के० भयाना

बायकर बिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके श्रेचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा अहल-च के अबीन सक्षेत्र प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मन्य का १०००/रुट से अधिक है

और जिसकी सं० 1/3 भाग क्षेत्रफल 6038. 5 वर्ग गज है तथा जो सिरक्युलर रोड अम्बाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण हप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकांरी के कार्यालय, अम्बाला में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल से कम के दृश्यमान धितफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार अल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया इतिफल, निम्निवित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण निक्ति में अस्तिवा कर में कारित कर में कारित कर में से उक्त अन्तरण निक्ति में अस्तिवा कर में कारित कर में कार्य कर में कारित कार में कारित कर में कार मानित कर में कारित कर में कारित कर में कारित कर मानित कर में कारित कर में कारित कर में कार में कार मानित कर में कार मानित कार में का

- (क) बन्तरण वे हुई जिस्सी बाब की दाबत, उक्त विधिनयम के वधीन कार दोने के बन्तरक के दामितक में कमी करने या उससे वचने में सुदिया के निय; बॉर/मा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियनम, 1922 । १३२२ को ११ आ नक्त अधिनियन, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था पर किया अना साहिए था, जिल्हा में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में., मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तितयों, अर्थात् :--

 श्री गरेश कुमार पुत श्री चुन्ततः र पुत श्री शिकाराम निवासी—म० नं० 10485 वार्ड नं०-6.
 टाकी रोड. अम्बाला शहर ।

(अन्तरहा)

2. श्री गुलशन बुमार पुत्न श्री जेटा नन्द पुर्व श्री उत्तमचन्य निवासी—मे० नं०—3494/2, पटेल नगर . अम्बाला णहर । (अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पृत्रीक्त सम्पत्ति के बर्जन के निर्शः कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेष:~-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में एक अन की तारिक से 45 दिन की अपिश या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की मामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त ब्रह्मियों ये से किसी ब्रह्मित हुआरा
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्ति में हितबद्ध किसी अन्य १००० द्वारा: अधे हस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए, जा सकीय।

स्पष्टीकरणः — इसमं प्रयुक्त शब्दा आर पदा का, जो उक्त अधिनियमं के कथ्याय 20-क में परिभाषित हाँ, बही अर्थ होगा. को उस अध्याय में दिया गया है।

धन्स्ची

सम्पत्ति 6038. 5 वर्ग गज का 1/3 हिस्सा जो कि सरवयू-लर रोड अम्बाला शहर में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीवर्ता के व्यर्थाला अम्बाला र्याजस्ट्री संव 2739 दिनांक 219-6-1904 पर्याजा ।

> आर० के0 भयाना सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन परिक्षेत्र रोहतक ।

तारीख: 9-1-85

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, रोहतक रोहतक, दिनांक 5 जनवरी 1985

निदेश सं० करनाल/57/84-85∸—म्रतः मुझे म्रार० के० भयाना,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित ब्यूजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी सं० एक मंजिली, मकान क्षेत्र फल, 250 वर्ग गज है, तथा जो स्रवंन ईस्टेट, करनाल में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध स्रनुसूचो में स्रौर जो पूर्ण रूप से वणित है) रिजस्ट्रीकर्ता स्रधिक(रो के कार्यालय करनाल में रिजस्ट्रीकरण स्रधिनियम 1908 (1908 का 18) के स्रधीन दिनांक जून, 1984

को प्रांक्त सम्पत्ति के उचित काजार मृल्य सं कम के छ्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्रांक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल स, एसे उत्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अतरितियां) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तेरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के देलए: और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सूविधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

 श्री जितन्द्र कुमार, पुत्न प्रेमचन्द, निवासी म० नं० 1990, सैक्टर 13, ग्रर्बन स्टेट कालोनी, करनाल ।

(भ्रन्तरक)

सर्व श्री सतपाल , राजिन्द्र कुमार, पुत्रान,
 श्री हुकम चन्द, निवासी गण गुनियाना, तह० निसंग,
 जिला करनाल ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप 🛌

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्व कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पां लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति मकान क्षेत्र फल 250 वर्ग गज, जोकि अर्बन स्टेट, करनाल में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रोकर्ता के कार्यालय करनाल में रजिस्ट्री संख्या, 2372, दिनांक 30-6-84 पर दिया है।

स्रार० के० भयाना सक्षम कारप्राध्ध सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरक्षि)ण स्रर्जन रेंज, रोतहक

दिनांक 5-1-85 मोहर: प्ररूप बाह'.टी.एन.एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरौक्षण) स्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 14 जनवरी 1985

निदेश सं० गुडगांवा/73/84-85—श्रतः मुझे श्रार० के० भयाना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० मकान नं० 74 है, तथा जो न्यु रेलवे रोड, गुडगांवा छावनी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूचे में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रोकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय गुडगांवा में र्राजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 18) के श्रीधीन दिनांक मई, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के उन्द्रह प्रतिशात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय शया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निविद्य में बास्तविक हम से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोनेके अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/को
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिंदू भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 कि 11) या उचन अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

वतः विव उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के अन्सरण मों, मौं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घं की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

- 1. सर्वश्रो (1) सरदार सिंह, पुत्र ग्रत्तर सिंह
 - (2) जनक सिह
 - (3) हरबंस सिंह
 - (4) महेन्द्र सिह
 - (5) जोगेन्द्र सिंह
 - (6) साहिब सिंह
 - (7) हरिन्द्र पाल सिंह

पुत्र गण सरदार सिंह निवासी गुडगांवा छावनी । (अन्तरक)

2. सर्व श्री जगदीश पुत्र मौजा सिंह, श्रीमती साविती देवी पित्न, जगदीश सर्व श्री महेश——नीरज, पुत्रगण जगदीश एवं श्री राम मेहर पुत्र जय नारायण, श्रीमतो विद्या देवी, पत्नी राम मेहर, ग्रानिल एवं राजीव पुत्र गण राम मेहर निवासी 677/1. भीमगढ़ खेड़ा, रेलवे स्टेशन, गुडगांवा ।

(ग्रन्तरिती,)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो और अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति होता होता होता हो स्वारत
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, बो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गया है।

श्रनुसूची

सम्पत्ति मकान नं० 74, न्यू रेलवे रोड, गुडगांवा मैं स्थित है जिसका ग्रधिक विवरण राजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गुडगांवा में राजस्ट्री संख्या, 2022, दिनांक 24-5-84 पर दिया है।

ग्रार० के० भयाना, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक 14-1-85

'श्रेष्ट्रप बाइं.टी.एन.एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौ भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

धारत सरकार

कार्यांतय, सङ्घयक जायकर जाय्क्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनाक 14 दिसम्बर 1984

निर्देश सं० ग्राई० ए० सो०/ग्रर्जन/भोपाल/5476—ग्रत: मुझे वीरेन्द्र कुमार बरनवाल

बायकर अधिनियम. 1961 (1961 का 42) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गयो हैं), की धारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसेका उचित बाजार मृन्य 25,000/- रा. में अधिक हैं

स्रौर जिसकी सं० एक मंजिला, मकान है, तथा जो भोपाल में स्थित है (स्रौर इससे उपाबढ़ अनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रोकर्ता अधिकार। के कार्यालय भोपाल में रिजस्ट्रोकरणज अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधोन दिनाक मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य रे कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास कर- का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्कल निम्नलिखिन उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक क्ष्य से किया मधा है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय का बाबत, उक्त बिधानियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व 'यें कभी करने वा उक्के दचने में सुविधा के सिए; क्षेड़/या
- (का) एंसी किसी आय या किसी धन या बन्य कारित्यां का, बिन्हों भारतीय लाय-कर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, या घन-कर अधिनियस, या घन-कर अधिनियस, या घन-कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गरा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः अव, उक्त विधिनियम की भारा 269-म के अन्तरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— डा० के० एस० लाल बोए/57-ए, ग्रशोक बिहार, दिल्लो ।

(स्रतरक)

श्रा रिवन्द्र तिवेदी,
 ई-1/143, श्ररेरा, कालोनी,
 भोपाल ।

(ग्रवतरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निष् कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति द्वाराः
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विकास में पिता का सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त छन्दों और यहाँ का, जो उपस् अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिशाणिह हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

मकान (एक मंजिला) भोपाल में स्थित है । यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण ग्रम्तिरती द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37जी में निहित है।

वी०कु० बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

ांदनाक 14-12-1984 मोहर : प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक बायकर बायक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 14 दिसम्बर, 1984

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/5 477 — ग्रतः मुझे वीरेन्नद्र कुमार बरनवाल

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. सं अधिक है

ग्रौर जिसकी सं ७ ख ० नं ० 110/2, तथा जो ग्राम बाविड्या,कलां तह ० हजूर, जिला भोपाल में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रोकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय भोपाल में रिजस्ट्रोकरण ग्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन दिनांक मई, 1984

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पदह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक हुए से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के द्भायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जना चाहिए था छिपाने में सूविधा के लिए?

अतः बन, उक्त निधितियम की भारा 269-म के ननुसरण मं, मं, उक्त निधितियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के नुधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 श्री सेवाराम पिता श्री पन्नालाल गुजराती बावड़िया , कलां, तह० हजूर, जिला भौपाल ।

(ग्रन्तरक)

2 ऋषि छुनगर सहकारी गृह निर्माण संस्था मर्यादित भोपाल द्वारा श्रध्यक्ष, श्री एस० के० श्रीवास्तव पिता श्री प्रकाश नारायण श्रीवास्तव निवासी 30, चौबदापुरा, गिन्नौरी, भोपाल।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के शैनए कार्यवाहियां रें करता हूं।

उक्त संपात के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप ु-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्ट व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनूसूची

भूमि ख॰ नं॰ 110/2, ग्राम बाविड्या, कलां, तह० हजूर, जिला भोपाल में स्थित हैं। यह वह स्थावर सम्पत्तिहैं जिसका विवरण ग्रन्तरिती द्वारा, सत्यापित फार्म नं०, 37जी में निहित है।

वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक 14-12-1984 मोहर प्ररूप बाइं. टी. एन. एस.-----

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं धारा 269-च् (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायकर (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज भोपाल

भोपाल, दिनांक 19 दिसम्बर 1984

निदेश सं० ग्राई० ए० सं१०/ग्रर्जन/भोपाल/5478—ग्रतः मुझे वीरेन्द्र कुमार बरनवाल

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर ज़िसको सं० भूमि ख० नं० 110/2 है, तथा जो ग्राम बाविड्या, कला तह० हजूर, जिला भोपाल में स्थित है ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूचों में ग्रौर जो पूर्ण रूप से विजित है) रिजिस्ट्रोकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय भोपाल में रिजिस्ट्रोकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक मई, 1984

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए जंतरित की गई है और मुक्ते, यह विश्वास करने का कारण है कि वथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरित्यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्धरेश से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) वंबरण से हुई किसी बाय की वाबता, उक्स अधिनियम के सधीन कर दोने के वंदरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आब या किसी धन या अन्य आस्तिक को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) दा उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अस: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसर्ग में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उण्धारा (1) के अधीन, निम्मितिबित व्यक्तियों, अर्थात् है—— श्रो से वाराम पिता पन्नालाल निवासी बावड़िया, कलां, तह० हजूर, जिलाभोपाल ।

(ग्रन्तरक)

 त्रिषनगर, सहकारो गृह निर्माण संस्था मर्यादित भोपाल, द्वारा अध्यक्ष, श्री एस० के० श्रीवास्तव पिता श्री प्रकाश नारायण श्री वास्तव, निवासो 30, चौबदारपुरा, भोपाल।

(ग्रन्तरिती)

को यह सचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप : --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो शी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख स 45 दिन के भीतर अक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में अन्य किए जा सके गं।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस, अध्याय से दिया गया हैं।

अनुसूची

भूमि ख॰ नं॰ 110/2, ग्राम बवड़िया कलां, तह० हजूर, जिला भोपाल में स्थित हैं । यह वह स्थावर सम्पति है जिसका विवरण श्रन्तिरता द्वारा सत्यापित कार्म नंबर 37 जो में निहित है।

> वोरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक: 14-12-1984

प्ररूप शाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुजनः

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 14 दिसम्वर 1984

निदेश सं० म्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/5479—म्रतः मझे वीरेन्द्र कुमार वरनवाल

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकाणी को पह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार एत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसको सं० भूमि ख० नं० 110,2 है, तथा जो ग्राम बाविड्या, कला, तह० हजूर, जिला भोपाल में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुस्चो में ग्रौर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय भोपाल में यजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक मई, 1984

को पूर्वोक्ष्त संपत्ति के उचित बाजार मृन्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृन्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण कि बिस्त में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) मन्तरण से हुई किसी बाय की बावत, उक्त अधिनियम के बधीन कुछ दोनें के बन्तरक के दाजित्व में कभी करने वा उससे वचने में सुविधा के निष्ट; और/वा
- (क) धेसी किसी आग ए किसी धन या अन्य अस्तिवाँ को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम. 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम. ए धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना याहिए था व्यापने यो मन्तिया के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, अक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1' के अधीन, निम्निलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :---

 श्री सेवाराम पुत्र श्री पन्ना लाल निवास यार्वाङ्या काता. तह० हजूर जिला भोषाल ।

(ग्रन्तरक)

 ऋषिनगर, गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्यादित भोगल द्वारा, अध्यक्ष श्री एस० के० श्रीवास्तवा. पिना श्रा प्रकाश नारायण श्रीवास्तव 30, चौबादपुरा भोपाल।

(भ्रन्तरिती)

को यह मचना जारी करके पूर्वोक्त संपंति के बर्जन के जिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उत्रत स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिनित में किए या नक्षे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, बो उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया क्या हैं।

प्रमुख्यी

भूमि ख॰ नं॰ 110/2 ग्राम वाविड्या कलां, तह॰ हजूर, जिला भोपाल में स्थित है। यह वह स्यावर सम्पत्ति है जिस का विवरण श्रन्तरिने द्वारा सत्यापित फार्म नंबर, 37-जी में निहित है।

वं।रेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक 14-12-1984 मोहर 🛭

अस्य बाह् .टी.एन.एस.-----

आविकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायकत (फ़िरीक्षण) श्रजैन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 19 दिसम्बर 1984

जिनदेश सं० ग्राई० ए० सो०/ग्रर्जन/भोपाल/5480 ग्रतः मुझे वे रेन्द्र कुमार वरनवाल

नायकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त निधीनयम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के नधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मून्य 25,000/- रा. से निधक है

चौर जिसकी सं भूमि ख नं 447, एवं 449/4/1 है, तथा जो ग्राम बाविहिया तह हजूर, जिला भोपाल में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय भोपाल में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (190 का 16) के ग्रधीन दिनांक मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाजार क्या से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की नई और प्रुन्ने यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्मित का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रम्यान प्रतिकल से एवे व्यवसान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिक्रत से अधिक है और अञ्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नीनीवत उद्देश्य से उच्छ अन्तरण जिसत में वास्तविक रूप से कायत नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत, उक्त जीभीनयम् के अधीन करें देने के जन्तरण के दावित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के विए; और/वा
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बच्च बास्तियों को, जिन्हें भारतीय बाय-कर बीधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बीधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

'अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, कें, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

55-446 GI/84

 श्री उमराव सिंह, पिता श्री भंवर जी, निवासी वाविड्या कला, तह० हजूर, जिला भोपाल।

(ग्रन्तरक)

2. पूर्वासा गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्यादित द्वारा अध्यक्ष, श्री क्षितिज चन्द्र डे पिता श्री ए० सी० डे, निवासी बी० एच० ई० एल० भोपाल

(अन्तरिती)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता' हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाखेंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 4,5 दिन की जनिश या तत्संबंधी व्यक्तियों पर दूस्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्वक्षीकरणः इसमे अयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त अधि-निक्षम के अध्याय 20-क में परिशास्त्रित हैं, बही अर्थ होगा, वो उस अध्याय में दिया गया है।

arreful)

भूमि ख० नं० 447 एवं 449/4/1, ग्राम बावड़िया कलां, तह० हजूर, जिला भोपाल में स्थित है । यह वह स्थावर सेस्पित है जिसका विवरण ग्रन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37-जो में निहित है।

> वी० के0 बरनवाल सक्षम प्राधिकारी , सहायक आयक्त (निरीक्षण) ग्रजंन रेंज, भोपाल

विनांक 19-12-1984 मोहर: प्ररूप बाई .टी.एन.एस.----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांनय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 14 दिसम्बर 1984

निदेश सं० ग्राई2 ए० सो०/ग्रर्जन/भोपाल/5481—ग्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इंसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी सं० भूमि ख० नं० 447 एवं, 449 5 है, तथा जो प्राम बावड़िया कलां, तह० हजूर, भोपाल में स्थित हैं (स्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रोर जो पूर्ण रूप से विणित हैं) रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारों के कार्यालय भोपाल में रिजस्ट्रोकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई,

को प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान मितफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करते का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार शृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है हि—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जार्य की बाबत, डक्त वीधितयम के अधीन कर देने के बन्तरक के वाधित्य में कमी करने या उत्तसे वचने में सुविधा के सिए; और/बा
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किएण जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के लिए,

अतः इतः उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अन्सरण कों, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिंखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

6. श्री गिरधारी लाल पिता श्री भंवरलाल जी, श्री रमेश पिता श्री गनपत निवासी बावडिया, कलां, भोतेशल।

(ग्रन्तरक)

2. पूर्वासा, गृह सिनर्माण सहकारी संस्था मयादित हबीबगंज, भोपाल, द्वारा ग्रध्यक्ष, श्री क्षिप्रितज चन्द्र डे, पिता श्री ए० सी० डे, निवासी बी० एच० ई० एल० भोपाल ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उत्रत संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचनां के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

भूमि ख॰ नं॰ 447 एवं 449/5, ग्राम बाविष्या कलां, तह॰ हजूर, जिला भोपाल में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पति है जिसका विवरण ग्रन्तिरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर, 37-जी में निहित है।

वीरेन्द कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी फ़िहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक 14-12-1984 मोहर 🛭 प्ररूप आई.टी.एन.एस..-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजैन रेंज, मोपाल

भोपाल, दिनांक 14दिसम्बर 1984

निदेश संव्याईव्एव्सीव्यजन्मभोषाल 5482— अतः मुझे, नीव् कुव बरनवाल,

भायकर अधानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ंग्रौर जिसकी सं० भूमि ख० नं० 447, 449,4,2 है, तथा जो ग्राम बावड़िया कला तह० हजूर भोपाल में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मई, 1984

को पूर्वो क्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई

है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उच्ति बाजार मूल्य, उसके द्ध्यमान प्रतिफल से, एसे द्ध्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंत-रक (अंतरकों) और अंतरिती/(अंतरितियों) के बीच एसे अंत-रण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथित नहीं गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर, अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनीर्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

 श्री भोम प्रकाश पिता भंबर लाल जी निवासी—बावड़िया कलां तहु० हुजूर जिला भोपास ।

(जन्तरक)

पूर्वासा गृह निर्माण सहकारी भर्यादितं
हवीव गंज भोपाल द्वारा अध्यक्ष श्री क्षितिज चल्द्र
पिता श्री ए० सी० वे
निद्वासी-वी०एच०ई०एस० भोपाल ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शरू करता हुं।

उक्त संपत्ति को वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप हु--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूजों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है

गत्स्वी

भूमि ख॰ नं॰ 447, 449/4/2, ग्राम बावड़िया कलो तह्॰ हुजूर जिला भोपाल में स्थित है यह वह स्थावर है सम्पति है जिसका विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित थामें नं॰ 37जी में निह्ति हैं।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) क्यांन रेंज, प्रोपास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-स्व के अनुसरण में, में, शक्त अधिनियम की धारा 269-स्व की लण्धारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :--

तारीब: 14-12-1984

मोहर 🕄

प्रस्प बाई 🛭 टी.. एन.. एई.. 🕬 ----

जार्येकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

बार्ड सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिणी) अर्जनरें ज. भोपाल

भोपाल, दिनांक 14 दिसम्बर 1984

निदेश सं०आई०ए०सी०/अजंन/भोपाल 5483---अतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से अधिक है

भौर जिसकी सं० भूमि सं० नं, 447, 449,5 है, तथा जो ग्राम बावड़ियां कलां, तहं ० हज़र जिला भोपाल में स्थित हैं (भीर इससे उपाबढ अनुसूची में श्रोर पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मई, 1984

को पूर्वोक्त सभ्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान 🚜 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके शब्यमान प्रतिफल् सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और जैतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया मितिकल, निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त बन्तरण निश्चित में **,मास्तरिक रूप से किथत नहीं किया गया है :---**

- (क) बन्तरक सं हुई किसी बाव को बावत, उक्त निधितियम के जभीन कर दोने के अन्तरक औ दाबित्व में कमी कहते वा उत्तु दुखने में सुविधा के सिए; बर्/वा
- (व) एंसी किसी जाय या किसी धन या बन्य बास्तियी को, जिन्ही भारतीय भाष-करु मुधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत निवित्त्व, या धरा-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ नन्तरिती द्वारा प्रकट-नहीं किया गया था वा किया जाना लाहिए था, छिपाने में सुविधा है विक

नतः नव, उनत अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के बभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह-

- 1. श्री गिरधारी लाल पिता भंवरलाल जी
 - 2. रमेश पुत्र गणपत निवासी-बावड़िया कलां तह० हजूर जिला भोपान (अन्तरक)
- 2. भी क्षितिज चन्द्र है पिता ए० सी० है निवासी-142 एन०-2, हबीब गंज भोपाल अध्यक्ष वास्ते पूर्वासा गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्यादित भोपाल

(अन्तरिती)

की यह स्वना जारी करके प्रशिक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप हुनन

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पड़ स्चना की तामील से 30 दिन की बनिध, जो भी नवीं बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब 45 दिन के भीतर उक्त स्थीवर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी अ पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पष्टीक रणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ना उत्ता विधिनियम, के वध्याय 20-क में पर्माचित है, वही वर्थ होगा, जो उस वध्याय में दिया। गया है।

नन्त्रची

भूमि सं० नं० 447, 449, 5, ग्राम बावड़िया कलां त० हुजूर, जिला भोपाल में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पति ई जिसका विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37 जी में निहित है।

> वी० कु० वरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, भोपाल

तारीच । 14-12-1984

प्रस्य बाई टी.एन.एस.-----

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांसय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, भोपाले

भोपाल, दिनांक 14 दिसम्बर 1984

निदेश सं० आई०ए०सी०।अर्जन।भोपाल 5484---अतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ध्याने परचात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-धा के बाधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर संपर्ति जिसका उचित नावार मुख्य 25,000/-हा. से विधिक हैं

मीर जिसकी सं के होष भूमि सर्वे न ० 26/1/1, 23,4 है तथा जो माम तालावली चंदा तह ० इदौर में स्थित है (मौर इससे उपाबद अनुसूची में मौर पूर्णरूप से व्हिंगत है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इंदौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मई 1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के जिचत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास कर ने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्वरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय बाया गया प्रतिकाल, निय्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निविद्य में वास्तिवक रूप से कृशित मही किया गया युक्तः—

- 'क) बन्दरण से हुई किसी जाय की बावत उक्त जारें प्र-नियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दारियत में कृती करने वा उक्के वजने में सविधा के लिए; बीड/बा
- (क) इसे किसी बाय या किसी धन या अन्य वास्तियों की, किंन्ह नारतीय नामकर निविनयम, 1922 (1922 का 11) सा उनत् किंबिनयम, या भन-कर नृषिनियम, या भन-कर नृषिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

सत्तः सनः उक्त निधीनयम की धात 269-म के सन्दर्भ में, में, उक्त निधीनयम की धारा 269-म की उपधारा (1) के नधीन, निम्नलिकिंग-व्यक्तियों, नथांस्ः--- 15 इंदौर स्टीच एण्ड आयरन मिल्स प्राइवेट लिमिटेड अपीजय हाउस, चौथी मंजिल, बाम्बे, समाचर मार्ग फोर्ट, बम्बई ।

(अन्तरक)

2. पंचवटी झार्जासन कापरेटिव सोसाइटी जिमिटेड, 144, पिपस्याराब, ए०बी०बी० रोड, इंदौर । (अन्तरिती)

को यह बुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उपत तत्पात्त के मर्चन के समान्ध में कोई भी बालेए ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध मा तत्सम्बर्जी अनितमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध याद में समान्य होती हो, के भीतर पूर्वीक्ष व्यक्तियों में से किंदी व्यक्ति हुनास;
- (ब) इस स्थान के राज्यत्र के प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर संपर्तित में हिंत- बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा कथोंहस्तासारी की पास विविद्ध में किए वा सक्ति।

स्वक्रीकरणः -- इतमें प्रमुक्त शब्दों कीर पर्दों का, वो उक्स विधिनियम के वध्याय 20-क में परिभाषिक ही, वहीं वर्ध होगा को उस वध्याय में विधा क्या है।

वनुसूची

इषि भूमि सर्वे नं० 26/1/1 एवमें 23/4; ग्रीम तासावसी चंदा तह्य इंदौर में स्थित है यह वह स्थावर है संस्पति है जिसका विवरणु-अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37 जी में निहित है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) वर्षण र्येंग, भोपाण

तारीख: 14-12-1984

श्रुष्य बार्षे . टी. एवं . एवं . -----

नामकेर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के बधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षण)

अर्जन रॅंब, मोपास भोपास, दिनोम 14 दिसम्बर ृ1984 विदेश संब्बाईव्युव्सीव/अर्जन/भोपाल 5485---जतः सुद्धे, वीरेन्द्र कुमार मरनवाल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, अजिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

बौर जिसकी सं० कृषि भूमि सर्वे नं० 37, 38, 23/3, 22/3, है, तथा जो ग्राम तालावड़ी चंदा तह• इंदौर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रौर पूर्णरूप से वणित है) र्जिस्ट्री— कर्ता अधिकारी के कार्यालय, इंदौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मई 1984

को ब्वॉफ्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यह पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण स्म से स्थित नहीं किया गवा है कुन्तरण

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की बावता उक्त निधन किसी किसी के जम्मरक की वादित्व नियम की निधीन कर देने के जम्मरक की वादित्व में कभी करने या उससे बजने में सिन्निश के जिए; बौर्/या
- (व) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियाँ का, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना जाहिए था, जिपाने में सुविधा के तिए;

विदेश लाग , उनत निधिनयम की धारा 269-य के अनुसरक में, में , उनत निधिनयम की धारा 269-य की उपधारा (1) को सभीन , निम्मनिकित व्यक्तिकों , नव्यति के सरदार गुरचरन सिंह पिता सरदार गुरूदेव सिंह निवासी-31ई, साकेत नगर, इंदौर।

(अन्तरक)

2. पंचवटी हार्लीसंग कापरेटिय सोसायटी लि॰ 144, पिपल्याराव, ए॰बी॰ रोड इंदौर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

इक्त सम्पृतित के वर्डन के सम्बन्ध में कोई भी वासोप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील के 45 दिन की अवधिष या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया नया हैं।

वन्स्ची

इमि भूमि सर्वे ने ० 37, 38, 23/3, 22/3 ग्राम तालावड़ी चेंदा त॰ इंदौर में स्थित हैं यह नह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण अन्तरिती हारा फार्म ने ० 37 जी में निहित है।

> बीरे न्द्र कूमार वरनबाल सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) बर्जन रेज; भोपास

तारीख: 14-12-1984.

मोहर 🦞

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

> भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर कायुक्त (निस्नेक्षण)

> > वर्जन रेंब, भोपाल

भीपाल, दिनांक 14 दिसम्बरं 1984

निदेश सं०आई०ए०सी०/अर्जन/मोपाल 5486---बतः मुझे, वी० कु० बरनवाल,

बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इंसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)., की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25.000/- रा. से अधिक है

धौर जिसकी सं० कृषि भूमि सर्वे नं० 26/1 है, तथा जो तालावड़ी, चंदा तह्न इंदौर में स्थित हैं (और इससे उपावद अनुसूची में धौर पूर्णे रूप से विणित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इंदौर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, पर्द 1984

को पूर्नोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक इप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरम् वं हुर्दा किसी जाय की वावतः, उपस् अधिनियम् वं नचीन कर दोने के जन्तरक वें दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा कें सिए; ब्रोडि/बा
- (च) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

कतः असं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निल्खित व्यक्तियों अधीत् हिं— इशहार इलाय स्टील प्रा० लि०
 63-ए, मित्तल कोर्ट, छटवी मंजिल, बाकबाय रीकञ्मेशन स्कीम, नेरीमानै पाईट, बम्बई

(अन्तरक)

 पंचवटी हाउसिंग को-आपरेटिव सोसायटी लि॰ 144, पिपल्याराव ए०बी० रोड, इंदौर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन, के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की बनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी बनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वाहा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से. 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्यक्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनक अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁴, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ह⁴।

वन्स्यी

भूमि सर्वे नं० 26/1, ग्राम तालावड़ी चंदा तह० इंदौर में स्थित है यह बह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37 जी में निहित है।

बीरेन्द्र कुमार वरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मोपास

. तारीच : 14-1/2-1984

मोहर 🎨

प्रक्ष्य आष्. टी. एन. एस.-----

बायकर जोधनियम, 1967 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

बारक करकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 14 दिसम्बर 1984

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/म्रर्जन/भोपाल/5487—म्रतः मुझे, वी० कु० बरनवाल,

जायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चार 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० भूमि सर्वे नं० 4060, 4061, 4062/1, 4062/3 एवं 4063है, तथा जो माधव नगर, उज्जैन में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ज़ा अधिकारी के कार्यालय उज्जैन, में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई, 84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नेलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में स्मात्रिक रूप से कियत नहीं किया गया है द

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत उक्त ब्रॉथ-विवय के बधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्य में कबी करने या उनसे बचने में सुविधा के विश्: बीर/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की. जिन्हें अम्दतीय अग्य-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकर नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में म्विधा के सिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, कों, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) को अधीन, न्य्रिनियित व्यक्तिस्कों, अर्थात् क्ष-

- श्री हंस राज सूद पिता मेहरचन्द जी निवासी उज्जैन एवं बालिकशन जोगेन्द्र पाल, रिवन्द्र पाल विनोद कुमार प्रमोद, कुमार पुत्र गण हसराज जी निवासीगण 18, विश्व विद्यालय, मार्ग, माधव नगर, उज्जैन। (ग्रन्तरक)
- 2 सिथेटिक्स लिमिटेड, रिजस्टाई ग्राफिस नवलक्खी, मक्सी रोड, उज्जैन ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ह-

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की क्विध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवींक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति इ्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जी उक्त र विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विशा नवा है।

जनसूची

भूमि सर्वे नं० 4060, 4061/1, 4062/1, 4062/3, एवं 4063 माधव नगर, उज्जैन में स्थित है। यहवह स्थावर सम्पति है जिसका विवरण प्रन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नबर 37-जी में निहित है।

वीरेन्द्र कुमार बस्तवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्राव्हुक्त (निरीक्षण) ग्रजंन रेंज, भोपाल

विनांक 14-12-1984 मोहरु ध

प्रकप् वाहं टी. पर्न. एवं ----

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुमता

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 14 दिसम्बर, 1984

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/5488—ग्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार वरनवाल,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

बौर जिसकी सं० भूमि सर्वे नं० 4058 है तथा जो माध्य नगर, उज्जैन, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय उज्जैन में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्स प्रतिस्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया पया प्रतिस्त निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निचित मृं धारतिक रूप से कथित नहीं किया गया है हु-

- (क) वंतरक से हुइं किसी नाय की वावस, उक्त निधिनयम के नधीन कर दोने के नत्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे नचने में सूर्विधा के निए; नीर्ट/या
- (च) एसी किसी जाय या किसी धम मः मन्य बास्तियाँ को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

- श्री गोपीनाथ पिता मधुसूदन जी व्यास, निवासी 119, सिहपुरी, उज्जैन,
 जगतनारायण
 - 3 भी पवन कुमार पुत्रगण श्री गोपीनांच व्यास जी निवासी 119, सिहपुरी, उज्जैन ।

(ग्रन्तरक)

सिथेटिक्स लिमिटेड,
 रिज० ग्राफिस : नवलक्खी मक्सी रोड,
 उज्जैन ।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को वर्जन को संबंध में कोई भी खालिए :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सहरीय सं
 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामीन से 30 दिन की बविध, को और
 बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवादा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितवद्भ किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी को पाद सिंहित में किए जा सकींगे !

स्वयः करण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उपत वृधिनियम के अध्याय 20-क में परिकारिक है, वहीं अर्थ होना जो उस अध्याय में दिशा गया है:

बन्द्रभी

भूमि सर्वे नं • 4058/1, माधव नगर, उज्जैन, में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पति है जिसका विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर, 37 जी में निहित्त है।

वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, भोपाल

दिनांक 14-12-1984 मोहर अ

प्रकृत बाई'. टी. पृष् , प्रह.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के वधीन स्पना

बारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीकिय)

ग्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 14 दिसम्बर 1984

निंदेश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/5489—स्रतः मझे वीरेन्द्र कुमार बरनवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचप्त 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25 000/- रु से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० भूमि सर्वे नं० 4055/1 है, तथा जो माधव नगर, उज्जैन में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के. कार्यालय उज्जैन में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक मई 1984

हों प्वेंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के हरयमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृख्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का संद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकॉ) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त बंतरण लिखित में बास्तिक रूप से किथन नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-ि अस के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; सरि/बा
- (ख) एसी किसी जाय या किसी भन या जन्य जस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर जिभिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, 'या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरिण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभीत् ह डा० वेणी शंकर पुत्र श्री मधुसूदन जी व्यास खुद, व मुख्त्यार ग्राम शिव कुमार, मुकेश कुमार, विजयकुमार, पुत्र गण वेणी शंकर व्यास, निवासी 440, महात्मा गांधी मार्ग, इंदौर, हाल मुकाम, उज्जैन ।

(अन्तरक)

2. सिथैटिक्स लिमिटेड रिजस्टर्ड ग्राफिस नवलंक्खी मक्सी रोड, उज्जैन ।

(श्रन्तरिती)

क्यों यह स्वाना जारी करके पृत्रा क्ति सम्बन्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

सकत सम्पारत के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी असीप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृज्या की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिम के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए वा सकरेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया क्या हैं।

बन्स्ची

भूमि सर्वे नं० 4055/1, माधव नगर, उज्जैन, में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पति है जिसका विवरण ग्रन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37 जी में निहित है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी ,सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक: 14-12-84

महिर् 🖫

प्ररूप बाइं.टी. एव . एस------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 24 दिसम्बर 1984

निदेश सं० म्राई० ए० सी०/म्रर्जन/भोपाल/5490—म्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्त अधिनियम' कहा प्रया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 997 पर बना हुआ दो मंजिला मकान है तथा जो राजनंदगाँव में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय राजनंदगांव में रिजस्ट्रीकरण श्रधितियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक मई, 1984

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करते का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्मित्त का उचित बजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे इचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957, (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के जिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- श्री सुसूद प्रली, ग्रात्मज मंसूर ग्रली, निवासी—टाकापारा जिला राजनन्द गांव । (ग्रन्तरक)
- 2. श्री उमाकान्त शर्मा, रमाकन्त शर्मा पिता बाबूलाल शर्मा निवासी—सिनुमा लाईन, राजनंदगांव । (अन्तरिती)

को यह सुजाता जारी कृष्के पुर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवादियां कृष्टा हो।

उन्द्र सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है है 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त इयदिनमा में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की द्वारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

प्लाट नं० 997, पर बना हुआ दो मंजिला मकान, सिनेमा लाईन, त्राजुनंदगांत्र में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण अन्तरिती द्वारा सुत्यापित फार्म नंबर 37-जी में निहिंत है।

> वी० कु० वरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहार्यक ग्रायकर ग्रायुक्त(निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

द्रिनांक: 24-12-84

प्ररूप बार्ड .टी . एन . एस ...-----

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 24 दिसम्बर 1984 निदेश सं० ग्राई० ए० सी./ग्रर्जन/भोपाल/5491—ग्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से बोधक हैं

श्रीर जिसको सं० भूमि ख० नं० 419/3 के टुकड़े पर बना हुआ मकान, है तथा जो मौजा राँवाभाठा, जिला रायपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची नें श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारों के कार्यालय रायपुर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन मई, 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दश्यमान श्रितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान श्रीतफल को एसे इश्यमान श्रीतफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया श्रीतफल का निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिकृत स्था से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी अाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दन के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बार/या
- (ख) ऐसी किसी नाय या किसी धन या बन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था, जियाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उदतः अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण के, के उदत अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् श्री केजूराम बल्द तातूराम , साहू खमतराई जिला रायपुर ।

(भ्रन्तरक).

श्रीमती रूकमणी बाई पत्नी मांगीलाल राठी,
 440, मिटू स्ट्रीट, मद्रास-79
 वर्तमान पता : मेंसर्स माहेश्वरी एंड कंपनी सब-पोस्ट बिरगांव जिला रायपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के जिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेष ह-

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यावतयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षारी के पास विविद्य में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है बी

जन्द्र द

भूमि ख० नं० 419/3 के टुकड़े पर बना हुम्रा कच्चा मकान, मौजा रावाभाठा जिला, रायपुर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण भ्रन्तिरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37-जी में निहित है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज—I, भीपास

¹ दनांक : 24-12-1984 मोहर ध प्रस्य बाइ'ा टी. एन. एस.----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) की भाड़ा 269-म (1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायूक्त (निरक्षिण) प्रजीन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनाक 24 दिसम्बर, 1984

निदेश सं० म्राई० ए० सी०/म्रर्जन/भोपाल/5्492--म्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० भूमि ख० नं० 309/1 है, तथा जो ग्राम रायपुरा, जिला रायपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रोकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय रायपुर में रिजस्ट्रोकरण ग्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रीधीन दिनांक मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के देश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया नया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तर्ण लिखित में बास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है कि

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की जावता, उक्त जिमित्यम के जभीन कर दोन के जन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे जचने में साँकश के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ का जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनयम. 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम. 1957 (1957) का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्रा था किया जाना साहिए था, छिपाने मं प्रिया के लिए;

 श्री कमलचन्द वल्द श्री प्रेम चन्द डागा, निवासी सदर बाजार, रायपुर ।

(ग्रन्तरक)

 श्रग्रोच गृह निर्माण सहकारी सिमिति मर्यादित रायपुर।

(भ्रन्तरिती)

की यह युष्पा जारी करके पूर्वाक्त संपृत्ति के अर्चन् के लिख् कार्यवाहियां करता हो।

उन्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूत्रना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिश्व से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिया नर सूत्रना की तामील से 30 दिन की अविधि , जो भी अविधि बाद में समीप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के णम लिखित में किए जा सकींगे।

स्पच्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिस्त ग्रम हैं।

ग्रनुसूची

भूमि ख॰ नं॰ 309/1 का भाग, ग्राम रायपुरा, जिला रायपुर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण श्रन्तरितो द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37-जी में निहित है।

> धी० कु० बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयका (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, भोपाल

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ का उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिश्वित व्यक्तियों, अधीन कि

तारीख : 24-12-1984

मोहर ः

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

बायकड क्षितिस्म, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

मारत सरकार

क्रायांक्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 24 दिसम्बर, 1984

निदेश सं० ग्राई० ए० सो०/ग्रर्जन/भोपाल/5493—ग्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनयम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० भूमि ख० नं० 379/1 का भाग है, तथा जो ग्राम रायपुर जिला रायपुरा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुस्वामे ग्रौर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रोकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय रायपुर में रिजस्ट्रोकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक मई, 1984

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफला के लिए रिजस्ट्रीकर्ता विलेख के अनुसार अंतरित की गई है और मुफो यह विश्वास करने का कारण है कि यह पूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण सं हुए किसी नाव की बावत, उन्हें अधित्यम के अभीन कर योगे के अन्तरक के दायित्य भी कभी करने या उन्हों बचने में सुविधा के तिए; बीट/या
- (ख) एसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 14) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनयम, या धन-कर अधिनयम, या धन-कर अधिनयम, या धन-कर अधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा खे खिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ।—— श्री कमलचन्द वल्द शीश्रिमचन्द डागा निवासा सदर वाजार, रायपुर।

(भ्रन्तरक)

 श्रग्नोच गृह निर्माण समिति मर्यादित रायपुर ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके यूर्योक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी/ अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्ति में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस रूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास विस्ति में किए जा सकेंबे।

स्पद्धीकरणः प्रभूवत सब्दों और पदों का, जो उक्त विशिविषय, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया प्या हैं।

अनुसूची

भूमि ख॰ नं॰ 379/1, ग्राम रायपुरा, जिला रायपुर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण ग्रन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं॰ 37-जी में निहित है।

वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारो सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक: 24-12-84 मोहर 🖫 👊

भारत सरकार

कायलिय, सहीयक वायकर वायुक्त (निरक्षिण)

म्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 24 दिसम्बर 1984

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/5494— ग्रुतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० ख० नं० 343 का भाग है तथा जो ग्राम रायपुरा, जिला रायपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी कार्यालय रायपुर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक मई, 1984

धो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रोकृत विलेख के अनुसार अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यह पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्तिलिखत उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिविक रूप से किश्वत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उङ्कृत अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (व) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें आरतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृविधा के लिए;

- 1. (1) श्री बहादूर वेल्द कन्हई
 - (2) मु० लीलाबाई पत्नी कन्हई साहू निवासी रायपुरा, जिला रायपुर।

(भ्रन्तरक)

2. प्रग्रोच गृह निर्माण सहकारी समिति मर्यादित -जवाहर नगर, रायपुर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्मवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन की सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप 📜

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनसर्व

भूमि ख० नं० 343 का भाग, ग्राम रायपुरा जिला रायपुर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण श्रन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37-जी में निहित है।

> वी० कु० बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक द्रायकर द्रायुक्त (निरीक्षण) द्रर्जन रेंज, भोपाल

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, अक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत ब्यक्तियों अर्थात ह—

दिनांक: 24-12-84

मोहर 🖫

प्ररूप बाईं. टी. एन. एस.-----

णायकर वर्षिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

🔻 ग्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दांक 24 दिसम्बर, 1984

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/5495—ग्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

कायकर राधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस्ते इसमें अल्लाह के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रोर जिसकी सं० ख० नं० 343 का भाग, है तथा जो रायपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय रायपुर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक मई, 1984

की पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में का के स्वयमान प्रित्तफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मङ्गे कि विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित कारण मृत्य, असके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरिक्षियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सूविधा के लिए; तीर/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अपिस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

1. (1) बहादूर बल्द कन्हई

(2) मु० लीलाबाई पत्नी कन्हई साहू निवासी रायपुरा, जिला रायपुर।

(ग्रन्तरक)

 अप्रोद्य गृह निर्माण सहकारी समिति मर्यादित । जवाहर नगर, रायपुर ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शरू करना हुं।

उस्त सम्पत्ति हे अर्जा ने परप राकोर्ट भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों। पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्दारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उपन स्थावर सम्पत्ति से हिराबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वार। अनेप्रसाक्षित है पास विस्तित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पारभाषित हैं, वही वर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

भूमि ख॰ नं॰ 343 का भाग ग्राम रायपुरा, तह॰ रायपुर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण ग्रन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37 जी में निहित है।

> वी० कु० बरनवाल सक्षम् प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, भोपाल

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् १--

दिनांक: 24-12-1984

मोहर 🖫

हुक्य बार्च, टी, इन, एव. -----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के वधीन सुचना

भरित त्रकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायकत (निरक्षिण) अर्जन रेंज, भोपाल

,भोपाल, दिनांक 24 दिसम्बर, 1984 निदेश र्स० आई० ए०/सी०/अर्जन/भोपाल/5496—अतः मुझे, वी० कु० बरनवाल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिगियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उषित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं भूमि खं नं 342 का भाग है, तथा जो रायपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रायपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान श्रीतफ ल के लिए अन्तरित की गई है कि मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्कों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उद्देश अन्तरण किखत में बास्तविक रूप से कृथित नहीं किया गया है हम्म

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उस्त बीधीनयस के ब्राधित कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में बुविधा के तिए; और/वं
- (क) एसी किसी बाब वा किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया न्या था किया बाना था, ख्रिपाने में सुविधा के निए;

- 1. (1) बहादुर बल्द कन्हई
 - (2) मु० लीलाबाई, पत्नी कन्हई साहू निकासी रायपुर ।

(अन्तरक)

 अग्राहा गृह निर्माण सहकारी समिति मर्यादित जवाहर नगर, रायपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्बत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप ः---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जनिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अनिध, जो भी अनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पाझ लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हूँ, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुवा है।

वगुसूची

भूमि ख॰ नं॰ 343 का भाग, रायपुर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यामित फार्म नंबर 37 जी में निहित्त है।

वी० कु० बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

विनांक : 24-12-1984

मोहर 🛭

प्रक्य बार्ड, टी. एन. एम.

आयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (;) के अधीन स्चना

भारत् सरकार

कार्यस्य, सहायक बायकर आवृत्त (निरीक्षण) अर्जनरेज, भोपाण

भोपाल, दिनाक 24 दिसम्बर, 1984 निदेश मं० आई० ए० मी०/अर्जन/भोपाल/5497--अन मुझे, वी० क्० बरनवाल,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें असके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 263-स के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करमें का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25 000/रा. से अधिक हैं

श्रीर जिनको सं० भूमि ख० न० 4/1 है, तथा जो ग्राम महगंवा जिना जबलपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपावड अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) 'राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जबलपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम. 1908 (1908) का 16) के अधीन दिनांक मई, 1984

को पूर्वीक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उनक दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच ऐमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल विम्नसिवित उद्देश्य ने उक्त अन्तरण जिल्लित में शास्तिवक रूप से कथित नहीं किया नया है:--

- (क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के अधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के अधितयम के अधीन करने या उससे बचने में सृविधा के लिए,
- (ख) ऐसी किसा आय , या किसा धन या अन्य आस्तर्यों को , जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था वा किया जाना चाहिए था, ज्ञिपाने या सविधा के लिए:

भतः वन, उक्त अधिनियम, की धारा 269-न के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) की अधीन, निमनलिकिन व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्रीमती संध्या वर्मा पित श्री भगवानदास वर्मा ,
 द्वारा मु० आम मदन सिंह पित लक्ष्मीनारायण सिंह ठ.कुर
 ग्र.म, महगंबा, जिला जबलपूर ।

(अन्तरक)

2. राजीव गाधी हाउसिंग कोआपरेटिव सोसायटी लि॰ 681, जवाहर गंज, जमलपुर , द्वारा अध्यक्ष, श्री किपल देव तिवारी पिता श्रीराम ब्रह्म तिवारी, कांचधर, जबलपुर ।

(अन्तरिती)

को यह स्थान बारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के बर्धन के लिए कायवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति कें कुर्जन के सम्बन्ध के कोई भी आक्षेप्:--

- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की सारीस क 45 दिन की अवधिया सत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की जवधि को भी स्वीय बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों बर व्यक्तियों में से किसी ब्यक्ति हुनारा;
- (क) इस सूचना के राज्यत में प्रकाशन की तारींस से 4.5 दिन के भीतर जक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अथोहस्ताक्षरी के शह सिसित में किए वा सकींगे।

स्पष्टोकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पूरों का, जा जकर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिय गया है।

प्रनुसूची

भूमि ख० नं० 4/1, ग्रःम महनांत्र जिला जवनापुर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म में० 37-जी में निहत है।

वी० कु० बरनवास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 24-12-84

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस.-----

बायकर बुधिनियम. 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 24 दिसम्बर, 1984

निदेश सं० आई० ए० सि॰०/अर्जन/भोपाल/5498--अतः मुझे, वी० कु० बरनवाल

ायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पृश्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भूमि ख० नं० 5/1 है, तथा जो ग्राम महगंवा जिला जजलपुर में स्थित है (ग्रीर इसमे उपावड अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप में विणित है) रिजिन्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जवलपुर में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मदी, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उच्चित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफाल के लिए अल्टीरन की गर्ड हैं और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथ्यपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्यका प्रतिफाल में एमें रश्यमान प्रतिफाल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसं अन्तरण के लिए तय पारा गया प्रतिफाल, जिम्मिलिमिन उद्देश्य से उक्न अन्तरण लिखिन में गुस्तिक हम से कोथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण सं हुई िकसी आय की दावत, उनत अधिनियम के अभीन कर दन के अन्तरक के दायित्य में कमी, अद्भु या उत्तसं तचने में सूविशा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्नत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रेमांजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत अब., त्यत अधिनियम की धारा 269-म के अन्सरण मो, मो, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :-- श्री वदन सिंह बल्द लक्ष्मीनारायण सिंह ठाकुर, निवासी महगंवा, जिला जबलपुर।

(अन्तरक)

 राजीव गांधी हाउसिंग को-आपटरेटिव सोसायटी लि० 681, जवाहरगंज, जबलपुर द्वारा अध्यक्ष,
 श्री कपिलदेव तिवारी पिता श्री राम ब्रह्मतिवारी निवासी कांचधर, जवलपुर ।

(अन्तरिती),

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिख् कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अबीध या तत्सवंशी व्यवितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अबीध, जो भी न्वीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त के जिस्सों में ये किसी व्यवित दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत भ प्रकारत का तारोब धं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्म।

स्पष्टीकरणः इसमं प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

भूमि ख० नं० 5/1, ग्राम महगंत्रा, जिला जबलपुर में स्थित है। यह स्थावर मम्पत्ति है जिसका विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नवर 37-जी में निहित है।

वी० कु० वरनवाल सक्षम प्राधिकारी यहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 24-12-84

प्ररूप बांइ ु टी ु एन ु एक .-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 24 दिसम्बर, 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5499--अतः मुझे, वी० कु० बरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000√-रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० मकान नं० 9/383 एवं 9/382/1 है, तथा जो सदर बाजार, रायपुर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रायपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृज्ञे यह विश्वास करते का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीर्/या
- (म) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुकरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,, निम्निनिश्चित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्रीमती कुसुम देवस्थले जोजी, श्री प्रभाकर राव देवस्थले, निवासी सदर बाजार, रायपुर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती रतना देवी जोजे श्री मंनोहर लाल, कमलचन्द, पिता श्री मनोहर लाल, सुरेश कुमार वल्द श्री मनोहर लाल, निवासी सदर बाजार, राषपूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि शद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी ब्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध िकसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्त्रची

मकान नं॰ 9/383, एवं 9/382/1, सदर बाजार, रायपुर में स्थित है । यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण अन्तरिती द्वारा, सत्यापित फार्म नंबर 37 जी में निहित है ।

वीं० कु० बरनवाल स**क्षम प्राधिका**री सहायक आयकर आयुक्त (निरी**क्षण**) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 24-12-1984

प्ररूप बाइं. टी. एन. एस.-----

बायकर विधिनियमं, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सङ्घयक आय्कर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 27 दिसम्बर, 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5500—अतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चांत् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सर्कम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० भूमि का भाग, ख० नं० 477, 494, एवं 495, एवं बिल्डिंग ,है, तथा जो शंकरनगर, रायपुर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रायपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफक्ष के लिए बन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बृत्य, असके द्रियमान प्रतिफल सं, एसे द्रियमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-क्ष्म, निम्नलिखित उद्देश्य सं उक्त बन्तरण निखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की वाबत, उक्त बीधनियम के बधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे वचने में सुविधा बे तिए; बौर्/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ अन्तिरिती इतारा प्रकट नहीं किया नवा था या किया आना चाहिए जा छिपाने में सुविधा के तिए?

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात हु----

- 1. श्री जे॰ बाटूरमन पिता श्री टी॰ एस॰ जानकीराम, ए, 2के, शंकर नगर, रायपुर। (अन्तरक)
- 2. श्रीमती रमीदेवी पत्नी श्री मांगीलालजी राठौर, निवासी 440, मिंटू स्ट्रीट, मद्रास । वर्तमान निवासी : मैंसर्स माहेंश्वरी, एड कोआपरेटिव, विरगांव जिला, रायपुर । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में काहें भी वासीप 🖫

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45. दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकर व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्वमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है है 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हितंब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पाड लिखित में किए जः सके गे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि एव मकरल ख० नं० 472, 494 एवं 495 शंकर नगर, रायपुर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37-जी में निहित है।

> वी० कु० बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, भोपाल

दिनांक 27-12-84 ----

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनावः 26 दिसम्बर, 1984 निदेश सं० आई० ए० \सी०/अर्जन/भोपाल/5501—अतः वीरेन्द्र कुमार बरनवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें उसे परचात् 'उस्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिनकी स० भूमि ख० न० 189, 228, 230 है, तथा जो मौजा तिली माफी जिला सागर में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित हैं) रिजिस्ट्री:कर्ता अधि हारी के कार्यालय सागर में रिजिस्ट्री:वरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाव मई, 1984

को पूर्वोक्त स्म्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तिवक रूप से किथा गया है:——

- (क) अन्तरण संहुई फिसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व मे कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रगोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :--

महंत हरिभजन दास चेला महंत प्रेमदास मुहािहःकार श्री दव हनुमान जी सार्व जिनक न्यास वृन्दावन बाग, सागर, म० प्र० ट्रस्टनासामा/252

(अन्तरक)

2. सगम गृह निर्माण सहकारी समिति मर्यादित, सागर, म० प्र० द्वारा अध्यक्ष, डा० एल० एल० ताम्प्रकार, बल्द श्री एल० एल० ताम्प्रकार, निवासी वृन्दावन वाग गोपाल गज, सागर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अपिध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकन व्यक्तियों में में किमी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की एरिसेंड स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य विकत द्वारा अधाहस्राक्षरी के पास निखित में किए जा सकरेंगे।

स्पर्धाकरण -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम, को जभाष 20- हमा परिभाषित है, वहीं अर्थ हागा जा उम अधाय में दिया गया है।

अर्प्

भ्मि ख० न० 139, 23९, 230 माता, तितः माछ, श्वार मे रिथि है । यह दे स्थवः सम चिहे जिस्ता विवरण अस्तितो हता स्त्याते । फीम जी-जी मे तिस्ति है।

> वारेरद्रकुमार व्यक्तात सक्षम प्राधिकारी महायक आयार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोत, भोताल

नाक: 26 12-84 गोरा:

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 26 दिसम्बर, 1984 निदेश सं ० आई० ए० सी०/अर्ज न/भोपाल/5502—अतः

मुझ वीरेन्द्र कुमार बरनवाल गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमे इसमें इसके परवात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने की कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी सं० मकान नं० 69 का स्रंश भाग है, तथा जो महाबीर मार्ग, सतना में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध अनसूची में स्रौर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीवर्ता अधिकारी के कार्यालय म सतना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई, 1984

को प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण सिविट में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है है—

- (क) बंतरण से हुइं किसी आय की बाबत, उबत विभिनियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुदिश्वा के लिए:

नतः अन्, उन्त निमिनयम की धारा 269-ग के ननुसरण ने, में, उन्त निधिनियम की धारा 269-च को उपधारा (1) के नधीन, निम्नलिखिङ्ग व्यक्तियों, नर्भात क्ष्म सर्वर्शाः

- 1. (1) বাল কিছান,
 - (2) राकेश कुमार,
 - (3) श्रीमती विद्या देवी,
 - (4) स्रोंकार प्रसाद
 - (5) शंकर लाल
 - (6) श्रीमती सरिता देवी,
 - (7) श्रीमती शशिकला,
 - (8) शारदा देवी,
 - (9) दूरा अग्रवाल,
 - (10) राजेन्द्र प्रसाद
 - (11) सुरेश कुमार,
- (12) उमिला देवी, वयं स्वह बहसियत, पार्टनर फर्म मैसर्म शंकर लाल रामगोपाल निवासी सतना। (अन्तरक)
- 2. श्री नर्बदा प्रसाद अग्रवाल, बल्द श्री माथर प्रसाद। निवासी डालीबाबा, सतना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यकर्गहयां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अनिध, जो भी अनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं ० 69, का ग्रंश भाग, महाँवीर मार्ग, सतना में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्तिहै जिसका विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं ० 37-जी में निहित है।

बी० कु० बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक: 26-12-84

मोहर

प्ररूप बाइ . टी . एन . एस . -----

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 26 दिसम्बर 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5503—अतः, मुझैं, वी० कु० बरनवाल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

ष्पौर जिसकी सं० मकान नं० 69 का भाग है, तथा जो महावीर मार्ग, सतना में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता, अधिकारी के कार्यालय सतनाम रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का (16) के अधीन दिनांक मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत संपिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- '(ख) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिल्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया , ग्रांग था या किया जाना चाहिए था, स्त्रिपाने में सुविधा के सिष्ट;

बतः बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) दे बधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, वर्धातुः.— सर्वश्री:

- 1. (1) बाल किशन,
 - (2) राकेश कुमार,
 - (3) विधा देवी,
 - (4) ग्रोंकार लाल,
 - (5) शंकर लाल,
 - (6) सरिता देवी
 - (7) शशिकला,
 - (8) शारदा देवी गूँ
 - (9) ईरा अग्रवाल
 - (10) राजेन्द्र प्रसाद
 - (11) सुरेश कुमार,
 - (12) उमिला देवी, स्वयं व हैसियत पार्टनर फर्म मैसर्स शंकर लाल रामगोपाल, सतना

(अन्तरक)

 श्री मदनलाल अग्रवाल बल्द श्री मयुराप्रसाद निवासी——डालीबाबा, सतना ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के नियर कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ह---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की जनिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों एर स्वना की तामील से 30 दिन की बनिंध, जो भी वनिंध बाद में स्माप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तार से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वित्रहरूप किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पृथ्वीकरण: ---इसमें प्रयुक्त स्व्या नृष्टि पदों का, सौ उक्त स्थिनियम् के अथ्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिवा ग्या ही।

अनुसुची

मकान नं० 69 का भाग, महावीर मार्ग, सतना में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37-जी में निहित है।

> वी० कु० बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

विनोक : 2-6-12-84

मोहर 🛚

प्ररूप वार्ड् टी. एन एस . -----

नायुक्त वर्षितिवृत्, 1961 (1961 का 43) की पाडा 269-स (1) के सभीन सुबन्ध

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 26 दिसम्बर 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5504--अतः, मुझ, बी० कु० बरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 25,000/- रा. से अधिक**्ट**ै

श्रीर जिसकी सं० मकान नं० 69 का भाग है, तथा जो महावीर मार्ग, सतना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीरजो पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सतना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) ने अधीन दिनांक मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति से उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापवींक्त सम्प्रतित का उचित बाजार मृत्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल का पन्क्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :;---

- '(क)' अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्तः अधि-नियम के ब्धीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (🖜) ए`सी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का., जिन्हें भारतीय वायकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया थाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के मर्गीन, निम्नुशिवित अर्गुनवृत्तां, वश्रांत् ह---

58-446 GI/84

सर्वे श्री:

- 1. (1) बाल किशन
 - (2) राकेश कुमार
 - (3) विधा देवी,
 - (4) श्रोंकार प्रसाद
 - (5) शंकर लाल
 - (6) सरिता देवी,
 - (7) शशिकला,
 - (8) शारदा देवीं
 - (9) ईरा, अग्रवाल,
 - (10) राजेन्द्र प्रसाद
- (11) सुरेश कुमार,
- (12) उमिला देवी,
- (13) स्वयं व बहैसियत पार्टनर, फर्म मैसर्स शंकर लाल रामगोपाल, सतना।

(अन्तरक)

2. श्री मोतीलाल अग्रवाल बल्द श्री मथुराप्रसाद अग्रवाल निवासी--डालीबाबा, सतना ।

(अन्तरितीः)

को यह स्वता जारी करके पूर्वोक्त सम्पृतित् के वर्जन के बिख् कार्यवाही शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इस 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतूर प्वॉक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस स्वना के हाबपत्र में प्रकाबन की तारीब बे 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बदुध् किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी बौ पास रैसिंखत में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बिध्तियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही वर्थ होना वो उस वध्याय में विया गया है 🏗

अन्स्यर

मकान नं० 69 का भाग, महावीर मार्ग, सतना में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति हैजिसका विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37-जी में निहित है।

> वी० कु० बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक: 26-12-84

मोहर 🖫

प्ररूप बाई ुटी. एव ः एव :----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-घ (1) के अधीर स्चना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायकत (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 26 दिसम्बर 1984 निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5505—अतः,

मुझें, वी०कु० बरनवाल,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 62 पर बना हुआ मकान है तथा जो विवेणी एक्सटेंशन, कालोनी, लालबाग, कम्पाउन्ड, इंदौर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इंदौर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इश्यमाम प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकारें) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया नया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उसत अन्तरण निचित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने मा उससे अजने में सृत्रिधा के लिए; और/मा
- (ख) एसे किसी आय या किसी भन या अन्य आस्थिनों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या किसा की जिल्हों के जिल्हों पार्टी पार्टी (1957 का 27) के पार्टी पार्टी पार्टी किया गया था विकास जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, कौ धारा 269-ग कौ अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थान :---

 श्री चन्द्रशेखर पिता श्री भंवरलाल जी दगदी, निवासी—राधानगर, कालोनी, म० नं० 78, इंदीर ।

(अन्तरक)

2. श्री कृष्णदास, पिता श्री फंदीलाल जी, निवासी म० नं० 3/5, नार्थ राजमोहल्ला, इंदौर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पित्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकों।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों कां, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया यया हैं!

अगलची

ण्लाष्ट नं० 62 पर हुआ मकान, लालबाग कम्पाउन्ड, तिवेणी एक्सटेंशन, कालोनी, इंदौर में स्थित है।

> वी० कु० वरन्**वाल** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक: 26-12-84

त्रस्य वाद', टी. एन्, एस्.=----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सदुकार

किश्वलिय, सहायक बायकर आयुक्त (निरक्षिण), ग्रर्जान रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 26 दिसम्बर 1984

निदेश सं० ग्राई० ए० सी. /ग्रर्जन/भोपाल—5506 ग्रतः, मुझे, वी० क्० बरनवाल,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मृत्य 25,000-- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 1 का प्लाट है तथा जो मोहन नगर कालोनी, इंदौर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, इंदौर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मई, 1984

को पूर्वों त सम्पत्ति के उचित बाजार मृन्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृन्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निश्चित को वास्तविक रूप से किथा गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 हैं 1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

(1) श्री नाराण दास पिता मोरचंद पंजाबी. निवासी-12, जानकी नगर, इंदौर ।

(ग्रन्तरक)

- (2) श्रीमती कृष्णाबाई पतिभोलारामजी ग्रग्रवाल
 - 2. गणेशीलाल पुत्र छोगालाल जी,
 - 3. श्रीमती रेणुकाबाई पति घमश्याम बंसल,
 - 4. अमरलाल पिता पुरषोत्तम, नं• 4, भ्र०पा० कं•नं• 2,

निवासी-1, दलिया पट्ती, इंदौर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपरित के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा वधोहस्ताक्षरी के पास विस्ता में किए सा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उनल विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं नर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अन्स्षी

प्लाट न० 1 का प्लाट, मोहन नगर कालोगी, इंदौर में स्थित है।

वी० कु० वरनवाल सझम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ी की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

दिनांक : 26-12-1984

प्रकृष् नाहें दी. एत्. एस्. ----

बायकर वृधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मु (1) के वृधीन स्वृता

भारत त्रकार

कार्याजय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 27 दिसम्बर 1984

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल 5507---ग्रतः, मुझे, वी० कु० बरनवाल,

नायकर निधित्यम्, 1961 (1961 का 43) (निसे इसमें इसके प्रवात 'उक्त विधित्यम्' कहा गया हैं), की बाख 269-ज के न्यान सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूक्य 25,000/- रा. से निधक है

भ्रौर जिसकी सं० भूमि सर्वे नं० 20/2, 21, 22/3 एवं 23/2 है तथा जो पिपल्या कुमार में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है). रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, इंदौर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम_ 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख मई, 1984 को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम से कम दश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलंख के अनुसार अंतरित की गई यह विश्वास करने का कारण यथापूर्वोक्त उचित सम्पत्ति का उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) बक्कड़म् हे हुई कि ही बाय की बायह, उनक बिधिनयम के बधीन कार दोने के बन्तरक के दारित्व में कभी करने या उससे नुबने में सुनिया के निए; बार/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 श्री 1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के दिए;

वतः कतः, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग की अनुसरण कों, में, इक्त विधिनियम की भारा 269-व की उपभाद्य (1) कों अधीन, निम्नलिखिब व्यक्तियों, अर्थात् --- (1) श्री सूर्यनारायण, शिवा जी राम बाबूलाल, रामप्रसाद पिता समसत एवं, झामूबाई, इंदौर ।

(ग्रन्तरक)

 (2) मैं० ग्रीन लेंड कोपरेटिव हाउसिंग सोसायटी, इंदौर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, सो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितकद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किए वा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः ---इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, को उनस् अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्या है।

अस्य सी

भूमि सर्वे नं० 20/2, 21, 22/3, 23/3 ग्राम पिपल्या कुमार, जिला—इंदौर में स्थित है । यह वह स्थावर सम्पति है जिसका विवरण ग्रन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37-जी में निहित है ।

वी० कु० बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्णन रेंज, भापाल

दिनांक : 27-12-1984

भारत सरकार

कार्षांच्य, सहायक जायकर वायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 26 दिसम्बर 1984

निर्देश सं० भ्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल 5508— ग्रतः] मुझे, वी० कु० बरनवाल,

नायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रधात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विकास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 299 है तथा जो साकेत नगर, इंदौर में स्थित है (स्रौर इससे उपावद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इंदौर में रजिस्ट्रीकर्ण अधिनियम 8908 (1908 का 16) के स्रधीन तारीख मई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, इसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दृह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत उक्त अधि । नियम के अधीन कर को की अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था छिपाने में स्विधा वी तिप्रः

बतः वाप, उत्तत विधिनियम, की धारा 269-ग वी वनुसरण कों, में, उत्तत विधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को बधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, वर्थात् €——

(1) श्री मनोहर लाँल,पिता श्री ठाकुरमलजी मेंडा,21, यसवंत निवास रोड़,इंदौर ।

(ग्रन्तरक)

(2) प्रेम पिता गोविन्दाराम केसवननी, निवासी-19, हरसिद्धी मेनरोड़, इंदौर ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ह--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्त्र्या

प्लाट नं 299, साकेत नगर, इंदौर में स्थित है।

वी० कु० बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

ं दिनांक : 26-12-1984

मोहर 🖫

प्ररूप बाई.टी.एन,एस.-----

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 26 दिसम्बर 984

निदेश सं० म्राई० ए० सी०/म्र्जन /भोपाल 5509---म्रत: मुझे, वी० कु० बरनवाल,

आय कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 6-बी का उत्तरी भाग है तथा जो पलसीकर कालोनी, इंदौर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध स्नुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, इंदौर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख मई, 1984

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिपाल के लिए अंतरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्धिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के बिए तथ पाया ग्या प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अभीन कर दोने के अंतरुक के दायित्व में कमी करने या उससे मुचने में सृविधा के बिए; शोद/शा
- (ख) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय बायकर विधिन्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बाधिन्यम, या धन-कर बाधिनियम, या धन-कर बाधिनियम, या धन-कर बाधिनियम, या धन-कर बाधिनियम, वा धन-कर बाधिनियम, वा धन-कर बाधिनियम, वा धन-कर वहीं किया गया था वा किया बाना चाहिए था, कियान में सुविधा के बिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण के, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) सनामल पिता बहुमल कुकरेजा, जानकी नगर, इंदौर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री नसरीन ग्रहमद पत्नी श्री भेयद मुइनउद्दीन, 106, नंदनाल पुरा, इंदार ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों अधिनियस को अध्याय 20-क मं हैं, यही कथें होगा, को उस अध्

वन्स्यी

6-बी का भाग, पलसीकर कालोनी, इं<mark>दौर में स्थित है।</mark>

वी० कु० बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 26-12-1984

प्रस्प् बाह्'ः टी. एन. एव :----

नागकर निध्निद्या, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

शारत नरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 26 दिसम्बर, 1984

निदेश सं० ग्राउई० ए० सी०/ग्रर्जन /भोपाल 5510--ग्रत:, मुझे, वी०. कु० बरनवाल.

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मृत्य 25,000/-रः. स अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० मकान न० एन-10, साकेत पुराना व नया म्यु० म० नं० 397 है तथा जो साकेत कालोनी, इंदौर में स्थित है) ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय इंदौर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख मई, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृस्य सं कम के स्वयमान प्रतिफंध के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृख्य उसके क्ष्यमान प्रतिफंख से, 'ऐसे दश्यमान प्रतिफंल का पन्द्रह प्रतिसक्त से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और कन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पावा यवा प्रतिफंख निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण कि विम्निलिख उद्देश्य से उक्त अंतरण कि विम्निलिख स्व व्यवस्था गया है :---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वसने में सिवधा के लिए;
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकार ज्यितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया आजा जाहिए वा किया के स्थिधा के सिए;

जता जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरम में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीप, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् क्ष्र— (1) राजाराम पिता कृष्णराव जोशी, म०नं० 19, राम बाग मेन रोड़, इंदौर।

(भ्रन्तरक)

(2) गोपालराव पिता गनपतराव खाड़वेकर , म० नं० H---4, मार्तन्ड चौक, इंदौर ।

(ग्रन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्मिति के जर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अविधि, खों भी क्विध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्हीक रणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जॉ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया प्याही।

अनुसूची

मकान नं० एन-10, साकेत पुराना व नया म्यु० 397 साकेत, कालोनी, इदौर में स्थित है।

> वी० कु० वरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक: 26-12-1984

मोहर 🛭

क्ष्म बाह्'.टी.एन.एड.

बायकड विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बधीन सूचना

HICE STORE

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 26 दिसम्बर 1984

निदेश सं० ग्रांई० ए० सी०/क्ष्जेन/भोपाल 5511---

ग्रतः, मुझे, वी० कु० बरनवाल,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० भूमि सं० नं० 8/3, 15/2 व 9/5 है तथा जो ग्राम—तेजपुर गडबडी, जिला इंदौर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रोकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, इंदौर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख मई, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाव की वावता, उचत जीधनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दार्थितक में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के किए; बार्/वा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य वास्तियों को, जिन्हों भारतीय आए-कर अधिनियम, 1-922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या धनकर वृधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया बवा था वा किया वाना खाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री फकीर चंद पिता श्री धीसाजी, ग्राम बिजलपूर, जिला इंदौर।

(भ्रन्तरक)

(2) म्रहिल्यामाता सेवक संघ गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्यादित जवाहरमार्ग, इंदौर तरफे, म्रध्यक्ष दामजीभाई पिता प्रागजी, 72, नार्थ तोड़ा, इंदौर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेष हु--

- (क) इस स्था के राजपन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसची

भूमि सं० नं० 8/3, 15/2, व 9/5, ग्राम तेजपुर गडबडी, जिला इंदौर में स्थित है।

वी० कु० बरनवाल सक्षमं प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रमजैन रेंज, भोपाल

दिनांक: 26-12-1984

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालयं, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल. दिनांक 26 दिसम्बर 1984

निदेश सं० श्रार० ए० सी/ग्रर्जन भोपाल 5512—
ग्रत:, मुझे, वी० कु० वरनवाल
गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक हैं ग्रीर जिसकी सं० भूमि खं० नं० 8/4, 15/1 व 9/4 है तथा जो ग्राम—तेजपुर गड़बड़ी जिला इंदौर में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, इंदौर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख मई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान गितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- . (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा
 - (ख) एसे किसी काद का किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के पिता के लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- 59-466GI/84

(1) श्री चैनसिह पिता श्री घीसाजी, ग्राम--बिजलपुर, जिला--इंदौर ।

(अन्तरक)

(2) स्रहिल्यामाता सेवक संघ गृह निर्माण सहकारी संस्था, इंदौर तरफे, स्रध्यक्ष दामजीभाई पिता प्रागजी, 72, नार्थ तोड़ा, इंदौर।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकरी।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्षी

भूमि ख०नं० 8/4, 15/1 व 9/4, ग्राम—तेजपुर गईबड़ी जिला—इंदौर में स्थित है।

वी० कु० बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 26-12-1984

प्ररूप बाइ. टी. एत. एस. - - -

अत्यक्तर अधिनियम, 1961 (1961 स 43) की 打除 八月點 川南田南西山山山

भारत सरकार

आयरियः, महायक सायकार आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल. दिनाक 24 दिसम्बर 1984

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल 5513---श्रत: मझे. वी० कु० बरनवात

अधिकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसरे 'स्वतः (इसप अधिनेगर्य कहा गण ही), की धारा 200 के 🗓 ाधीर संध्य ज्ञानिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर गाणित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25 000 / त. मं जीपण सी

ग्रौर जिसकी संव नंव १० हे तथा जो ग्राम. तेजपुर जिला--इंदोर में स्थित है (योर इससे उपायद ग्रन्स्ची म श्रोर पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्दोकर्ता अधिकारी के कार्यालय इंदोर में राजस्टोकरण ग्राविनयम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख मई. 1984

की पर्वोजत सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास दारेर प्र १,000 होते । विशेष संपत्ति सम्बद्ध का उक्ति प्राधार मुख्य , १,५५ व्यवसार १८ (या से . एसे उपयसार प्रतिकत्त प्राप्त पन्द्रह प्रतिशत से अगिक है और अंतरक (अंतरकारें) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया पनि रं ५ इन्हामिनियात सुरदास्य में एवल कलाएम ६ (भोधा अल्लास्य ६० १ ८ थित तही । फ्या गया है :- -

- : N अन्तरण मं हुई किमी बाब की बाजत उपत मधिनियम को अधीन कर दोने के अनारक के क्षाचित्व में कमी फरने या उससे बचन में संविधा के निस् बीर/मा
- कर एको किसी अप या छि**सी धन का जन्य आस्तियों** का. जिल्हा भागोव अध-कर प्रविचिष्क, 1922 (1922 का 11) या उच्त अधिनियम, या वन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) र क्रांत्र अस्त्र वर्णात इस्तर प्रस्ट रहे । रेप्स स्क्र ा १९८१ । १०११ वर्तहारुधा, **क्याने में सुन्धि**। के निए:
- हर अब, दका अधियम को भारा 269-ग के अनुसरण ब है, उदन अविनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अपीन, जिल्लीनित व्यक्तियों, संशति:--

- (1) श्रीमती गंगाबाई व भागवती. पिता श्री ध्रमा जी. याम--विज्ञलपुर, तहत्व जिना--हंदीर । (अन्तरकः)
- (2) देवी ग्रहिल्या माता सेवक संघ गृह निर्माण सहकारी सस्या जवाहर मार्ग, इंदौर, तरफे ग्रध्यक्ष दामजीभाई पिता प्रागजी,

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीयत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- ्क) इस सुकता के राज्यत में प्रकाशन की तारीत है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अभोहस्ताक्षरी के पास CREATE THE STATE OF

स्थव्हीकरणः-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बिधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया HAT 2":

मन्सृची

भूमि सं० न० 10. ग्राम—नेजपूर जडवड़ो, तह० व जिला इंदौर में स्थित है । यह वह स्थावर सम्पति है जिसका विवर्ण अन्तरितो द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37-जी में निहित है।

> वी० कृ० वरनवान सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

नादक: 24-12-1984

प्ररूप बाई. टी एन एम -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक अयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनाक 24 दिसम्बर 1984

निदेश म० ग्रार्ट० ए० मी०/ग्रर्जन/भोपाल 5511--ग्रत, मुझे, बी० बु० बरनवाल

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उता लिबिनियम' कहा गया है), की धारा 269- इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सपत्ति जिसका तक्षि बाजार मृत्य 25,000 '- रो. से अधिक है

ग्रौर जिसकी स० फ्लैट न० 5 हे तथा जो कैलाश पार्क कालोनी, इदौर में स्थित है (ग्रोर इससे उपाबढ़ ग्रनुयूची मे ग्रोर पूर्ण रूप से विणित है). रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय इदोर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिथीन तारीख मई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार पूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का गन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एस अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व से कभी करने या उसस अजन में मित्रधा के दि अर्थर का
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 2/) के प्रभावत्य अन्य अन्य अन्य प्रभाव सुनार प्रभावत्य किया प्रभाव स्थाविक किया विद्या के किया की किया

अनः प्रश्न, उक्त श्रीविध्य को नारः "८२ग को ्यक्त मों, मों, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) अधिक विक्राविधियान व्यक्तियों, अधीत ः—व (1) साईनाथ अपार्टमेट तरफे आम मु० प्रेमचद मन्नालाल ।।७ एम० जीं० रोट इदौर ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री स्रानन्द प्रकाण स्रम्नवाल 4, कैलाण पार्क कालोनी, इदार।

(ग्रन्तरिनी)

को यह भूचना जारी करके पूबाक्त सपित्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हु।

हरक सम्पत्ति क वर्जन वे अवन्य में काइ भी बाअप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारोख से 45 दिन की अविधिया तत्सवधी व्यक्तियों ए सूचना की तामोल म 30 दिन की अविधि, जॉ अबिधि वाद में समाप्त होती हा, के भीतर पूर्वां व्यक्तियों में सि विभी व्यक्ति इतारा,
- (स) इस मूचना क राजपत्र मा प्रकाशन की तारीस है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्भीता मो हितबद्ध दिल्मी उन्य व्यक्तित द्वास अग्रोहस्ताक्षरी के पास निस्ति मो किए जा सकीसे

स्पष्टीकरण :--इसमे प्रयुक्त शन्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम के बच्चाय 20-क में परिभाषित हैं, बनी भें हारग जा उन हाल का देवा गथा है।

यन्त्य भी

पर्नेट न० ३ कलाण पार्क कालानी, इदार में स्थित है।

वी० कु० बरनवाल सक्षम प्राधिकारी गराक स्थाक सामका (चिरीक्षण) गन रक्त सामक

दिनाक 24-12-1961 मोहर प्ररूप बाइ. टी. एन. एस्.-----

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 26 दिसम्बर 1984

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल--5515--ग्रतः, मुझे, वी० कु० वरनवात,

बायकर गिंधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ष्मौर जिसकी सं० होटल ग्रोन व्हेली के पीछे का भोग है तथा जो बजरंगपुरा, देवास में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, देवास में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पढ़ है प्रिश्चत से अधिक है और ऐसे अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप में किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त विधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्थ में कमी करने या उससे बचने में सृधिधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

- (1) 1. श्रीमती सुंबमा पति फतेहिंसह माहूरकर2. श्रीमती शकुंन्तलाबाई पत्नी लक्ष्मणराव माहूरकर
 - फतेहसिंह पिता लक्ष्मणराव माहूरकर,
 निवासी-235, बजरंगपुरा, देवास ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री दुर्गादास पुरोहित पिता श्री गंगादास पुरोहित, तिलकनगर, ए० बी० रोड़, देवास ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संम्यत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण : --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

होटल ग्रीन व्हेली के पीछे का भाग, बजरंगपुरा, देवास में स्थित है । यह वह स्थावर सम्पति है जिसका विवरण ग्रन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म मं० 37-जी में निहित है ।

> वी० कु० बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक 26-12-1984 मोहर: प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकाड

कार्यालय, सहायक कायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोगाल

भोपाल, दिनांक 27 दिसम्बर 1984

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोगल 5516—-ग्रतः, मुझे, वी० कु० बरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जिल्लित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रीय जिसकी सं० प्लाट है तथा जो चेतकपुरी के पास गांधी रोड, लश्कर ग्वालियर मे स्थित है (ग्रीर इससे ङपाबढ़ ग्रनुसूची से ग्रीर पूर्ग रूप से विणत है (रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय ग्वालियर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिथीन तारीख मई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इश्यमान प्रतिफल सं, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरम से हुई किसी नाय की बाबत, उत्तर विधिनियम के जधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के किए; बॉर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्रियाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुनरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात क्र- (1) श्रामतः बलविंदर कौर, पत्नाः सरदार गोनालिसिंह, लोहियाः बाजार, गुब्बारा फाटक, लश्कर, ग्वालियर ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती पूजादेवी पत्नी श्री बलदेव, माधोगंज, लक्कर, ग्वालियर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण: — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याद में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट चेतकपुरो के पास गांधो रोड लग्कर ग्वालियर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण मन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37-जी में निहित है।

> वी० कु० बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज भोपाल

दिनांक : 27-12-1984

प्रक्ष बाइ'.टी.एन्.एस.-----

भार हर बर्वि**नियम:** 1951 (1961 जा 43) की.धार ८७७ १(३) के ब्रोत त्रुवना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज, भोपाल भोनाल, दिनांक 27 दिसम्बर 1984

निदेश सं० म्राई० ए० सी० /म्रर्जन भोपाल 1517— यतः, मुझे वाँ० कु० वरनवाल

कावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारि को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीण जिसकी मि० प्लाट है तथा जो चेतकपूरी के पास झांस रोड़, महलगांव, लण्कर में रिथत है (ग्रीर इससे उपायद्ध श्रनुसूत्र में श्रीर पूर्ण रूप से विणिण है (रिजर्स्ट्राकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय खालियर में रिजर्स्ट्राकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रश्नेन तारीख मई 1974

को पूर्वित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के द्रियमान प्रितिपत है निए अन्तरित की गई है और मुक्ते, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोवन सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उन्के द्रुपमान प्रतिफल सं, एसे द्रुपमान प्रतिफल का प्रदूर, प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अनिरितियों) के बीच एसे अन्तर्ण के हिए तय पाया गया प्रतिकात, निग्नितिबत उद्देश्य सं उक्त अन्तरण लिखित में बातिबक रूप स कथित नहीं किया गया है:---

- (क) कलगण से हार्ड किसी बाय की बाबत, उत्कल अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के राश्चित्य मो कामी करने या उपसे बचन मो सुनिजय। के लिए; और/मा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तिकों भने, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उस्ता अधिनियम, 1922 अन-कर आँधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया तथा का या किया जाना बाहिए था, जियाने में मुश्चिमा के लिए;

आहं अड, उक्त अधिनियम की धारा 269- के अनुगरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के सबीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्रीमती वल्बिन्दर कौर. पत्नी सरदार गोपाल सिह निवासी गुब्बारा फाटक, लो.हया बाजार, लश्कर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमतो भारती देवी पत्नी श्यामलाल. माधोगंज, लश्कर ।

(ग्रन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हू।

उक्त सम्पत्ति के सर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाखेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ दर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर प्रकृतित व्यक्तियाँ में स रेक्सी व्यक्तिय द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अनाहस्थाकरी के पास निष्य में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोक्तरणः—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उक्त अप्रिधनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया एका है।

अन्स्सी

प्लाट, चेतकपुरीं के पास झांसी रोड, महलगंज, लक्ष्यर ग्वालियर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पति है जिसका विवरण अन्तरितीं द्वारा सत्यापित फसुर्म नं० 37जीं में निहित है।

> वर्ष कृष् वरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर अध्युका (निरीक्षण) प्रजन रेंज, भोषाल

दिनांक: 27-12-1984

प्ररूप बाइ . टी . एन . एस . ------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, संहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भोपाल

भोगाल, दिनांक 27 दिसम्बर 1984

निदेण म० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल 5518—
ग्रत मुझे, बी० कु० बरनवाल
ग्रायकर प्रीधनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके परचान 'उक्त जिथिनियम' कहा गया हैं), की धारा
269-ख के अधीन सक्षण प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का
भारण हैं। यह स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मृस्य

ग्रौय जिमकी सं० भूमि है तथो जो श्यामपुर, तह० सींहोर में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है (रिजस्ट्रोकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय सींहों में रिजस्ट्रोंकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख मई 1984

का पूर्विकत सपिता के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिक्षल के लिए अन्तरित की गई हैं और मृत्ये यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार नत्य, उसके दश्यमान प्रतिक्षल से एमें दश्यमान प्रतिक्षल का गंदह प्रतिश्वात से अधिक हैं और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल. निम्निलिखित उददेश्य से उक्त अन्तरण निक्ति में सम्वित्य कर के लिए तथ पाया में सम्वित्य के स्थान के लिए तथ पाया प्राया प्रतिकल. निम्निलिखित उददेश्य से उक्त अन्तरण निक्ति में सम्वित्य कर के लिए तथ में किया गया हैं —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

कतः अध. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भं, शं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री प्रेमनारायण ग्रात्मज श्री भंवरलाल निवासा स्थामपुर तह० साहोर ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री श्रर्राफकुर रहमान, श्रात्मज श्री श्रजीजु रहमान, निवासी-क्ष्यामपुर तहरु सीहोर।

(अन्तरिर्ता)

को यह स्मना जारो करक प्योक्त सम्पोत्त के अर्जा के लिए कार्यवाहिया करता ह।

उक्त सम्मित्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शहाप . - -

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख सं 45 दिन की अवधि या कमाप्रधी प्रवित्तयों पर मूचना की तामील में 30 दिन को अवधि, प्राभी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किनी कन्द श्रीयत द्वारा, अध्यान संभित्त के फिल्ड में किए जा मकोंगे।

स्पष्टिकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्मौं का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्त्यी

भूमि , ण्यामपुर तह ० सीहोर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पति है जिसका विवरण ग्रन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37जी में नहमे है।

वी० कु०, बरनवाल सक्षम प्राधिकारो सहायक ग्रायकर ग्रायुक्मे (निर्राक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 27-12-1984

प्ररूप बाइं. टी. एन. एस. ----

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 (म) (1) के नधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोगल

भोपाल, दिनांक 27 दिसम्बर, 1984

निदेश स० ग्राई० ए० सी ०/ग्रर्जन भो ॥ल 5519---ग्रत: मुझे, वी० कु० बरनवाल

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमं इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौध जिसकी सं० भूमि है तथा जी श्यामपुर तह० सीहोर में स्थित है (ग्रौश इससे उपाबद्ध अनुमूर्च। में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है (रिजस्ट्राकर्ता अधिकारों के क्यमीलय सीहोर में रिजस्ट्रींकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारोख मई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि सभाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाय गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निधित में बांग्लिक रूप में किथत नहीं किया गया है....

- (क) अंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, जक्त विधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; और/या
- (क) एंसी किसी अाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः बच, उक्त बीधीनयम की भाग 269-म के बनुसरः में, में, उक्त अभिनियम की भाग 269-म की उपभागः । के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीतः:— (1) श्रो प्रेमनारायण आत्मज भैवरलाल, निवासीं-श्यामपुर जिला सोहोर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री ग्रगणकाकुरं रहमान, ग्रात्मज श्री हाजी ग्रउजूरंपहमान, निवासी ग्यामपुर जिला सीहोर ।

(ग्रन्तरितो)

को अह सूचना जारी करके मूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

तकत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जे. भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना कं राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल्बक्ष किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी कं पास निक्ति में किए या सकेंगे।

स्पच्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया है।

भन्स्ची

भूाम, श्यामपुर तह० सीहोर से स्थित है। यह वह स्थावर सम्पति है जिसका विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37जी में निहित है।

वी० कु० बरनवाल

 सक्षम प्राधिकारी

सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज, भोपाल

दिनांक : 27-12-1984

प्ररूप बाहें. टी. एनं. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-ण (†) के अधीन संचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनाक 27 दिसम्बर 1984

निदेश स० ग्राई० ए० सी ०/ग्रर्जम भीपाल 5520--ग्रतः मुझे, वी ० कुः यस्त्याल,

अधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 288 के अधीन सक्षम प्रधिकारी कां, यह जिल्लास करने का कारण है कि स्थावर सम्मृति, जिसका उचित वाजार, मूल्य 25,000/ वर्ग में अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट न० 18 है क्या जो मौलखा परेड गोविन्दपुरी, लक्कर, ग्वालियर में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुस्वा में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ती श्रिधकारी के कार्यालय ग्वालियर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख मई 1984 की पूर्विक्त संग्रित के उचित बाजार मूच्य से कम के दश्यमान प्रतिफंत के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्मंति को उचित बाजार मूच्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पनदह प्रतिश्वत से अधिक हैं और (अंतरको) और अतरिती (अंतरितयों) के बीच उसे, अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिखत उद्देश्य से उक्त अतरण तिखित में बास्तिकल, निम्नितिखत उद्देश्य से उक्त अतरण तिखित में बास्तिकल, निम्नितिखत उद्देश्य से उक्त अतरण तिखित में बास्तिकल के से से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) बन्तरथ सं हुइ किसी बाय की बावत उक्त अधि-नियम के बधीन कर दोने के बन्तरक के दाबित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के निये; बीर/श
- (क) एसी किसी बाब या किसी धन अन्य आस्सियाँ की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ते अधिनियम, या भन- अर्ड अधिनियम, या भन- अर्ड अधिनियम, किसा किया म्या प्रकृत का 27) के प्रकृतकार्थ जन्तिरती जारा प्रकृत नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था छिपाने में स्विधा के शिए;

अंत: अंब, उर्वत अधिनियम, की धारा 269-क के अन्सरक में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :— 60—446 GI/84

(1) श्रीमती इन्द्राबाई पत्नी श्री गनेश पुजारी निवास - 38 जॉय बिल्डर्स कालोनी, इदौर ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री गुरजीत सिंह बाजवा पुत्र श्री ग्रमरीक सिंह वाजवा निवासी-40, रतण कालोनी, लक्कर ।

(भ्रन्तारती)

को यह मुचना जारों करके पूर्वोक्त सम्पन्ति के अर्जर के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचन की तामील से 30 दिन की अविध, जो भ अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीस स् 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पार लिसित में किए जा सकींगे।

स्पष्टौंकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जा उँक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बात कं

प्लाट नं 18, नौलखा परेड , गोविन्दपुरों, लश्कर ग्वालियर में स्थित है । यह वह स्थावर सम्पति है जिसका विवरण अन्तरिती द्वारा सत्थापित फार्म न 37जी मे निहित है ।

> वी० कु० बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेज, भोपाल

दिनांक 27-12-1984 मोहर: प्ररूप. बाई. टी. एन. एस. - - - -

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 27 दिसम्बर 1984

निदेश सं० म्राई० ए० सीः/म्रर्जन भोपाल 5521—-म्रतः मुझे, वी० कु० वरनवाल,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 19 है तथा जो नौलखा परेड, गोविन्दपुरी, लक्कर खालियर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय खालियर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख मई 1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार बूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल स्,, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) बन्तरुष से हुई किसी भाग की शावत, जनत विधित्यम के अभीन कर दोने के बन्तरक को दायित्व मों कभी करने या उससे बचने मों सुविधा के लिए; विश्वा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण मं भे में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (!! विभीन निम्निनियस व्यक्तियों, वर्षात् क (1) श्रीमती रेखा पुजारी पत्नी श्री शिवराम पुजारी 5/8, जयबजरंग नगर, इंदौर ।

(ग्रन्तरक)

(2) गुरजीतिसिंह वावजा पुत्र श्री ग्रमरीकिमह वाजवा निवासी--40 रत्न कालोनी. लश्कर ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के तिए कार्यवाहयां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या ततस्थ्वनधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गास सिष्टित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उस्ते अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

प्लाट नं० 19, नौलखा परेड, लक्कर ग्वालियर में स्थित है । यहह वह स्थावर सम्पति है जिसका विवरण श्रन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37-जी में निहित है।

> र्वः श्रु० वरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

[°]दिनांक : 27-12-1984

मोहर ः

त्रकृष् बार्षं , टी. एव . एत्.----

अायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सहकाह

कावालय, सहायक बायकर बायकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनाक 27 दिसम्बर 1984

निदेश, सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन भोपाल---5522 ग्रंत: मुझे वी० कु० बरनवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अिनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचिते बाजार मृल्य 25,000/- रूपये हे अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० मकान दो मंजला म्यु० नं० 110 है तथा जो सुभाष मार्ग, रतलाम में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची मे ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय रतलाम मे रजिस्ट्रीकरण ग्रिधनियम

1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख मई 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के शिचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्व कित संपरित का उर्वित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान जीतफल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया तिफल, निम्निखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में स्विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त विधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दाक्कित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए अदि/वा
- (वा) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य ब्रास्तियों को जिन्ह भारतीय ब्रायक्र विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त व्रधिनियम, या धन-कर व्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था बा किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के किए।

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) 1. पीरखा ग्रा० डा० रायखाजी,
 - 2 चांदबी पति डा० राय खां,
 - 3. मुस्तफा खां पिता रमजान खां,
 - 4. गुलाव खा पिता प्रमशेर खा,
 - 5. एहमद खां, पिता \श्मशेर /खा,
 - श्रीमती जमीला बी फेति इमशेर खां,
 - 7. श्रीमती स्रकीला बी पति याकृव खां,
 - 8. श्रीमती रहमत बी पिता श्मशेर खां,
 - 9. ग्रनवर खां पिता इमाम खा,
 - 10. जमीला बी पति इमाम खां,
 - श्रीमती जेनव बी पिता इमाम खां, मेवाती सभी मुसलमान, निवासी शहर सराय रतलाम, के मुख्यार श्राम श्रमानत खां, पिता रमजान खांजी मेवाती काणीपुरा, रतलाम निवासी चौमेला राजस्थान ।

(अ्रन्तरक)

(2) चांदमल पिता मूलचंद जः भागू, संयुक्त हिन्दु परिवार, 104, सुभाष मार्ग, रतलाम ।

∙(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख की 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिर्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-का में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

मन्स्ची 👊

मकान म्यु० नं० 110 सुभाष मार्ग, रतलाम्, में स्थित है।

वी० कु० बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 27-12-1984

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सह्यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनाक 27 दिसम्बर, 1984

निदेश स० ऋाई० ए० सी० /ऋर्जन भोपाल 5523— ऋत मुझे बी० कु० वरनवाल

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. स आधक हैं

ग्रीर जिसकी स० मकान न० म्यु० 110 है तथा जो सुभाष मार्ग, रतलाम में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रार पूज रूप स जाजत है) र्राजस्ट्रीकता ग्राधिकारी के कार्यालय रतलाम में रजिस्ट्रीकरण ग्राधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन तारीख मई 1984 .

को प्वें कि सपित के उचित ब गर मूल्य से कम के दश्यमान र्तातफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत स अधिक है अर अतरक (अतरको) और अत्रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तर्भ के लिए तय पाया गया प्रहितफल, निम्निलित उद्देश्य से उक्त अन्तर्भ लिखित में तांस्व वक रूप में किथन नहीं किया गया हैं:—

- (क) जन्तरण सं हुई किसी बाय की बाबत., उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के रायित्व में कमी करन या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (थ) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सृतिधा के लिए;

नतः गव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्थात् —

- (1) 1 पीरखा ग्रात्मज डा० गय खाजी,
 - १ चादबी पितृ डा० राय घखा,
 - 3 मुस्तफा खा पिता रमजान खा,
 - 4 गुलाब खा पिता श्मशेर खा,
 - 5 एहमद खा, पिता श्मशेर खा,
 - 6 जमील बी पति श्मशेर खा,
 - 7 श्रीमती ग्रकीला बी पति याकुब खा,
 - 8 श्रीमती रहमत बी पिता श्मशेर खा,
 - 9 ग्रनवर खा पिता इमाम खा
 - 10 जमीला बी पति इमाम खा,
 - 11 श्रीमती जेनब बी पिना इमाम खा,
 - 12 श्रमीना बी पिता इमाम खा, मेवाती सभी मुसलमान, निवासी शहर सराय रतलनाम के मुख्यार श्राम श्रमानत खा, पिता रमजान खाजी मेवाती काजीपुरा रतलाम निवासी चौमेला राजस्थान । (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती रम्भा बाई, पति सूरजमलजी कटारिया, निवासी-बोरी सदर बाजार, तह० जौबट जिला झाबुग्रा (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के निष्ए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति व किंवन के महध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के की 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भीतर पूर्वी की अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वी की व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की ताहीख से 4. दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मेरे हितबद् किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के जन्म ब्रिक्टिंग में किए या सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया एया है।

बन्स् दी

मकान म्यु० नं० 110, सुभाष मार्ग रतलाम मे स्थित है।

वी० कु० बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, भोपाल

दिनाक : 27-12-1984

मोहर

क्क्रूप बाहां. टी. ह्या. एखा. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनाक 27 दिसम्बर, 1984

निदेश स० ग्राई० ए॰ सी०/ग्रर्जन भोपाल 5524— ग्रत मुझे वी८ कु० बरनावल

क्षाय्क्रह अधितियम्, 1961 (1961 का 43) (जिल्ले इसमें इसके प्रकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स की अधीन सक्षम प्रश्थिकारी को यह विकतास करने का कारण हैं कि स्थापन सम्पत्ति, जिसका रोवन काजार मन्य 25,000/-रु. से विधिक हैं

ग्रीर जिसकी स० प्लाट का ग्राधा ग्र" एव पूर्ण प्लाट न० 42 है तथा जो जाय बिल्डर्स कालोनी, पलासिया, इदौर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय इदौर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन तारी ख मई 1984

को पूर्वोक्त स्म्पत्ति के उचित बाजारे मृत्य स कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह भ्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक्रों) कार अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नितिकत उद्वरेगों से उक्त अन्तरण निवित्त के बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बिधिनिष्ठ के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उद्धक्त बचने में सुविधा के लिए; सीर/श
- (क्की किकी साम या किसी धन या अन्य आस्तियों को., जिल्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-अर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोक्तनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या, किया जाना था, छिपान में सुविधा के लिए,

कतः जब उक्त अधिनियम की भाग 269-ग के अद्युद्धक क, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिस्त व्यक्तियों, अर्थात् — (1) सरदार सुरेन्द्र झिह सरीन, डी-2, चार इमली भोपाल।

(ग्रन्तरक)

(2) प्रेम नारायण श्रवस्थी एव इन्द्र नारायण श्रवस्थी, 3/11, राम कुज न्यु पलासिया, इदौर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके मुर्बोक्त सम्बद्धि के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वास्ते :

- (क) इस सूचना के एजपत्र में प्रकाशन की तारीं वें 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ वर सूचना की तामील से 3.0 दिन की अवधिः, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हुने, के भीतर पूर्वोज्ञा व्यक्तियाँ में से किसी अवस्ति द्वास;
- (क) इस स्वता के राजपण में प्रकाशन की तारील के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिएवड्ड किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोद्दस्ताकरों के पास किसित में फिए जा सकोंगे।

सम्बद्धितारणः हसमें प्रमृतस सन्दों भीर पक्षों नाः, वो सम्बद्ध विभिन्नम् को सम्बद्धः 20-क को पिकाशिक हैं, सही वर्थ कृष्णि को उस सम्बद्धः हो विकास गया हैं।

वन्स्यी

प्लाट का ग्राधा ग्र" एव पूर्ण प्लाट न० १42, जाय बिक्वर्स कालोनी, पलासिया इंदौर से स्थित है। यह क्रिक्ट स्थावर सम्बति है जिसका विचरण ग्रस्तिकी द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37जी मे निहित है।

वी० कु० **बरनवाल** सक्षम **अधिकारी** सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज; भोषाण

विनांक 27-12-1984

5525---

प्ररूप. बार्ड. टी. एन्. एस. ----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के वधी चना

भारत तरकः

कार्यालय, सहायक बायकर बाय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 27 दिसम्बर 1984

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन भोपाल **ग्रत: मुझे वी० कु० बरनवाल** नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार

25,000/- रतः से **अधिक है** भ्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 93 है तथा जो साकत. इंदौर ं में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप ें से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय इंदौर में रजिस्ट्रीकर्ण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन

तारीख मई 1984

को पर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रशिक्त के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास ,कर्ने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्ति का उाचत बाजार . मृज्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाें) और अन्तरिशी (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय वाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिबित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया वया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने के बन्तरन दायित्व में कभी कर्न या उससे बचर्न में सुविधा के लिए: और/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, था धन-द्रिधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) ग्रनारकली पत्नी श्री यशवंतसिंह जी, निवासी-24/3, मनोरमागंज, इंदौर ।

(ग्रन्तरक)

(2) स्वास्ति कापरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि० 483, साकेत, इंदौर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

इक्त संपत्ति को अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खसे 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों ५९ स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण:--इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्लाट नं० 93, साकेत, इंदौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पति है जिसका विवरण ग्रन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37जी में निहित है।

> वी० कु० बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण) म्र**र्जन रेंज**, भोपाल

दिनांक : 27-12-1984

मोहर :

बतः बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

शरूप बाइं.टी.एन.एस.----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकारु

कार्यालय, सहायक आयकर आयृक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मोपाल

भोपाल, दिनांक 12 दिसम्बर 1984

निदेश सं० सं० आई० ए० सी०/अर्जन /भोपाल--5526--अतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिस्कार उचित बाजार मूल्य 25.000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 92 है तथा जो साकेत, इन्दौर में स्थित है (ग्रीर इस से उपाबद्ध अनुसूचीं में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1909 का 16) के प्रधीन, तारीख मई, 1984

को पूर्वीवृत सम्पत्ति के उचितं बाजार मूल्य से कम के दश्यमानं जितिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल सं, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त जिथिनियम के जधीन कर दोने के जंतरक के दाबित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; जरि/बा
- (क) एंनी किसी आय या किसी धन या अन्य गास्नियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छियाने पं सुविधा के निया

कतः बद्धा, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रो भागवतिसहजो पिति ठाकुर राय सिंह जी, निवासो 24/3, मनोरमागंज, इन्दौर।

(ग्रन्तरक)

(2) स्वास्तिक । कोग्रापरेटिव हाऊसिंग सोसाइटो लिमिटेड, 483, साकेत, इंन्दौर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त ं सम्मत्ति के अर्जन के सिष्ट कार्यवाहियां घरक करता हूँ।

उक्त संपत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्ते अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बनुसूची

प्लाट नं ० 92, साकेत, इन्दौर में स्थित है । यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं ० 37 जी में निहित है ।

> वी,० कै० बरनवाल सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) मजन रेंज, भोपाल

तारीख: 27-12-1984

मोहर : -

प्रस्य बाह्र'. टी एन. एस.-----

बायकर बिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक जायकर कार्युक्त (निर्दाक्तण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 27 दिसम्बर 1984

निर्देश सं० म्राई० ए० सी० /म्रर्जन/भोपाल/5527—म्प्रतः अस्ते, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल

बायकर अधिनियम, 196! (1961 का 43) (जिसे इसमें इंसेके पंदर्शत (उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25 008/- रहे. है अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 10/1 है तथा जो जेल रोड, इन्दौर में स्थित है (गौर इससे उपाबई अनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन "तारीख मई, 1984

को प्वोंक्त सम्मित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्मित का उचित बाजार बृद्ध, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का बंद्ध प्रतिकात से अधिक है और बंतरक (अंतरकों) और बृत्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि सिक्त में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---!

- (क) जन्तरण मं हुई किसी नाय की बाबत, उक्त विभिनियम के बधीन कार दोने के अन्तरक के बाबित्य में क्यी करने वा उत्तर्ध वचने में सुविधा के सिए; अरि/शा
- (ब) एसी किसी बाय या किसी भन या अन्य बास्तियों को चिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 की 11 दा उन्नेत अधिनियम, १९४२ की प्रिनियम, १९५७ की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारों प्रकट नहीं दिया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

नतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बन्सरण बैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) सो० कंविता पत्नो श्रो जगदीश देश पांडेय, (निवासी श्रमेरिका द्वारा मुख्तयारं श्राम श्री रामचन्द्र पिता श्रो मौरेश्वर रानाडे, निवासी 19/1, जेल रोड, इन्दौर ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमर्ता ऊषा ग्रशोक रानाडे, निवासी बम्बई होल मुकाम, 19/1, जेल रोड, इन्दौर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके प्रबोक्त सम्पत्ति के वर्षन के तिस् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वार्क्ष :--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या संत्यम्बन्धी अविवितर्यों पर स्वान की तामील से 30 दिने की अविधि, जी भी अविधि बाद में संभापत हीती हो, के नीतर प्रवित्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति ह्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्मेक्ति में हिंता-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोइस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकोंगे।

स्यव्हीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान न० 19/1, जेल रोड, इन्दौर में स्थित है। यह स्थावर सम्पति है जिसका विवरण अन्तरितो द्वारा सत्यापिति फार्स नं० 37 जी में निहित है।

> वो० कु० वरननाल य**अस** प्राधिकारी सहायक स्रायकर क्रायुक्त (निरोक्षण) स्रर्जन **रेंज, भो**पाल

तारोख: 27-12-1984

गोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर पायकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 27 दिसम्बर 1984

निदेश सं० ग्राई० ए० सी० /ग्रर्जन/भोपाल/5528—ग्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्धात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 46 पर बना हुग्रा मकान है तथा जो सम्प्राटग्रशोक नगर, इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाब इ ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रिजस्ट्रीकरण ग्रम्धिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्ष मिम्निसित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में बास्त- विक स्प से स्थित नहीं किया स्था है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-विवस के बधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कवी कर्ल वा उद्यक्ष वचने में सुविधा के लिए; बीर/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बतः अब, उक्त बाधिनियम की भारा 269-म के अमृसरम में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के बधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 61—446 GI/84 (1) श्रीमती माया देवी पत्नी श्री किशन चन्द जो एल० दासानी, निवासी 1/4, हेमसन कालोनी, इन्दौर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रो ठाकुर रवुराज सिंह पिता श्रोहिम्मत सिंह जो, कस्बा रामगढ़।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कर्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस सूचना के राजण्य में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निषित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्यायं 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

ष्त्राट नं० 46 पर बता हुन्ना मकान, सन्नाट न्नशोक नगरि, इन्दौर में स्थित है । यह वह स्थावर सम्मित है जिलका विवरण अन्तरितोद्धारा सत्यापित स्नकार्य नं० 37—जो में निहित है ।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, भोगल

तारीख: 27-12-1984

प्रकार बाहा, टी. हन. हन. -----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 के 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायांलय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज,भोपाल

भोपाल, दिनांक 27 दिसम्बर 1984

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/5529—ग्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 799 पर बना हुआ पहली मंजिल का प्लैट नं० 4 है तथा जो मनी षपुरी कालोनो, इन्दौर में स्थित है (श्रीर इससे उपावड अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विश्वत है), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रिजस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,तारीख— मई. 1984

को प्रबंकित सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्रवेकित संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिश्त से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अंतरितयां) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/था
- (श) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अप्रित्यों को किसी आय गा किसी धन या अन्य अप्रित्यों काप-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उत्त अधिनियम को भाग 269-य की उपधारा (1) से अधीर, निम्निविश्वित क्येक्नियों, अर्थात :--- (1) मैं ० वृन्दावन श्रपार्टमेंट्स तरफे पार्टनर : श्री बालकृष्ण श्रग्रवाल, पिता श्री दौलतराम जी, निवासी-158,साकेत नगर, इन्दौर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती रचना तिवेदी पति श्रो प्रदोप तिवेदी, निवासी-6, रेली हाऊस, रेजोडेंसो रोड, इन्दौर।

(श्रन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

बक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी लाक्षेप :---

- (क) इस मृजना को राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर प्रविका ज्यापनगा मो म निम्मी व्यक्ति दशाराः
- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारी के क्षेत्र किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभाषित हैं, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिवा नता है।

बन्त्षी

प्लाट नं० 779 बी पर बना हुआ पहली मंजिल का फ्लैट मं० 4, मनीषपुरी कालोनी, इन्दौर में स्थित है।

वी० के० बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज़, भोपाल

तारीख: 27-12-1984

मोहर 🛭

प्रस्प बाइं. टी. एत. एस.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 27 दिसम्बर 1984

निदेश सं० ग्राई० ए० सो०/ग्रर्जन/भोपाल/5530—ग्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसकृ उचित बाजार मृल्यं 25.000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० भूमि खसरा नं० 102/1 है तथा जो ग्राम सिंहासा, तहसील इन्दौर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, इन्दौर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुंभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रितिफल से, ऐसे दश्यमान प्रितिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिख उददेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक हम से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण सं हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बीधिन्यम के अधीन कर दोने के बंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूर्तिधा क लिए; बौर/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) कें प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्याने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरक कें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन. निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) 1. श्री नारायणसिंह,
 - 2. श्री रामसिंह,
 - 3. श्री हर्रिसह,
 - श्री यसवर्नसह,
 पिता श्री निहालसिंहजी
 निवासी ग्राम बिजलपुर,
 इन्दौर।

(अन्तरक)

- (2) 1. श्री इज्जत इल्ला,
 - पिता श्रो कुदर करामत इल्लो उल्ला, निवासी मकान नं० 219, नयापूरा, इन्दौर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजधन में प्रकाशन की तारींख सं
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

वनसर्वी

भूमि खसरा न० 102/1, ग्राम सिंहासा तहसील इन्दौर में स्थित है।

वी० कु० बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीझण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख :27-12-1984

प्ररूप. आई. टी. एन. एस. - - - -

बागकर अधिन्यमं, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रजन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 27 दिसम्बर 1984

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/श्रर्जन/भोपाल/5531—श्रतः मझे वीरेन्द्र कमार वस्तवाल

मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि सर्वे नं० 117 है तथा जो ग्राम कालू बेड़ी, देवास में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देवास में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1984

नो प्वांतित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाज़ार गृह्य, उसके इस्प्रमान प्रतिफल से, एसे इस्प्रमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किश्वत नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बिधिनियम के बधीन कर दोने के बन्तहक औं दायित्व में कभी करने या उद्देश बच्चे में सुविधा औं जिए; बाहि/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-स के अनुकरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) 1. श्री श्रानन्दसिंह पिता श्री सुमेर सिंह,
 - 2. श्री राजक्वर बाई पत्नी सुमेर्रासह,
 - 3. श्री हुक्म सिंह पिता श्री नारायण सिंह,
 - 4. श्री सूरजसिंह पिता श्री नारायण सिंह,
 - 5. श्रीमती देव क्रूंबरबाई पत्नी श्री नारायण सिंह,
 - 6. श्री मनोहर सिंह पिता श्री हरिसिंह, मौहनिसह पिता हरिसिंह ठाकुर निवासी राधागंज, देवास। (श्रन्तरक)
- (2) प्रताप गृह निर्माण सहकारी सर्वस्था मर्घादित देवास तरफे प्रध्यक्ष श्री अनूप सिंह यादव, निवासी 1070, बो॰ एन॰ पी॰ कालोनी, देवास।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में .हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के रास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

भूमि सर्वे नं० 117, ग्राम कालूखेड़ी, इन्दौर में स्थित है।

> वी० कु० बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक कृायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 27-12-1984

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

णायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 27 दिसम्बर 1984

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/5532—ग्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसको सं० भूमि सर्वे नं० 127, 117/2 है तथा जो प्राम कालूखेड़ी, देवास में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देवास में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफ्ने यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया, प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं कया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा दायित्व के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयक्त-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, टा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

नतः सब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

- (1) 1. श्री ग्रानन्द सिंह पिता श्री सुमेर सिंह,
 - 2. श्री राजकुंवरबाई पत्नी श्री सुमेर सिंह,
 - 3. श्री हुकु सिंह,
 - 4. श्रो सूरज सिंह पुत्रगण श्री नारायण सिंह,
 - 5. श्रोमती देव कुंवर बाई पत्नी श्री नारायण सिंह,
 - 6. श्री मनोहर सिंह पिता श्री पिता हरिसिंह, नं० 1 से 6 तरके ग्राम म्० मोहन सिंह,
 - 7. श्री मोहनसिंह पिता श्री हरिसिंह ठाकुर, निवासी राधाराज, देवास। '

(भ्रन्तरक)

(2) प्रताप गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्यादित देवास म० प्र० द्वारा प्रध्यक्षः श्री प्रनूप सिंह यादव, बी० एन० पी०, देवास ।

(म्रन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सैं
 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि सर्वे नं० 127, 117/2, ग्राम कालूखेड़ी, दैवास में स्थित है।

वी० कु० बरानवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 27-12-1984

मोहर 🖫

प्ररूप आइ". टी. एन. एस.-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वा

बारव सडकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल भोपाल,दिनांक 27 दिसम्बर 1984

निदेश सं० भ्राई० ए० सी०/म्रर्जन/भोपाल/5533—म्प्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्डात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट (पुराना नं० 306) है तथा जो साकेत नगर, ग्राम खजराना, इन्दौर में स्थित है 'ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वांणत है), राजस्ट्रीकर्ता ग्राधकारी के कार्यालय, इन्दौर में राजस्ट्रीकरण ग्राधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख गई, 1984

को बूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि प्रथापूर्वांक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकाल से, एसे दृश्यमान प्रतिकाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त बिधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने से सृविधा के सिए; बॉर/बा
- (क) एसी किसी वाय वा किसी धृत या बृत्य वास्तिवाँ को, जिन्हों भारतीय वाय-कर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त वाधिनयम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्श अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया क्या था या किया जाना वाहिए था छिपानं मा स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण भैं, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन किस्निबित व्यक्तियों, अधीन क्रिन्सिबित व्यक्तियों,

- (1) 1. श्री राम नाथ पिता श्री द्वारकादास जी अग्रवाल,
 - श्री विजय कुमार पिता श्री अमीरचन्द अग्रवाल, दोनों निवासी 1/1, श्रील्ड पलासिया, इन्दौर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री वासूदेव पिता श्री परमानन्द अगनानी, निवासी 18, बैराठों कालोनो, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूवा कत संपरित के वर्चन के विश् कार्यवाहियां करता हुए।

उक्त संपर्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप 5-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सुचना की तामील से 30 दिन की अनिध, जो भी जनिध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों नत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा:
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मातर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य प्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः-इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्द अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय यें दिया गया

वन्स्की

प्लाट ग्रोल्ड नं० 306, साकेत नगर, ग्राम खजराना, इन्दौर में स्थित है

> वी० कु० बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 27-12-1984

मोहर ः

प्ररूप गाइ. टी. एन. एस. - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्च्या

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 27 दिसम्बर 1984

निदेश सं० ग्राई० ए॰ सी०/ग्रर्जन/भोपाल/5534—ग्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), कौ धारा 269 स के अधीन सक्षमं प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० दो मंजिला मकान का भाग, पुराना नं० 2: 228: 1 व नया नं० 61 है तथा जो लाला लाजपत राय, मार्ग, उज्जैन में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रोकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, उज्जैन में रिजस्ट्रोकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की एई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों), के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में यास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरण से हुए किसी जाय की बाबत; उक्त किसीनयम के ज्योन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: बार/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में स्रोवधा के लिए

कतः सब, उक्त अधिनियम की भारा 269-म के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती तेज कुंवर बाई पत्नी श्रीभंवर सिंह जी राजपूत, निवासी ग्राम मालीखेड़ी, जिला उज्जैन।

(भ्रन्तरक)

- (2) 1. श्री राजाराम,
 - 2. श्री राधेश्याम
 - श्री रघुवीर पुत्रगण
 श्री पीरा लाल जी गोयल,
 निवासी ग्राम खलखला परगना,
 सावेर, जिला इन्दौर।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सक्जे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पढ़ों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिधा गया है।

मन्स्ची

दो मंजिला मकान का भाग, भवन नं० 2: 228: /1 व नया नं० 61, लाला लाजपत राय मार्ग, उज्जैन में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण अन्तरिती द्वारा सत्य फार्म नं० 37-जी में निहित है।

वी० कु० बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, भोपाल

तारीख: 27-12-1984

प्ररूप बाह् .टी . एन . एस . -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यां लय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 27 दिसम्बर 1984

निदेश सं० म्राई० ए० सो० /म्रर्जन ःभोपाल/ 5535—प्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० मकान न्यु नं० 15/1 वर्तमान म्यु नं० 18/2 है तथा जो लोकेन्द्र भवन कम्पाउण्ड (नई बैक कालोनी),. रतलाम में स्थित है ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुस्ची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, रतलाम में र्राजस्ट्रीकरण ग्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के भ्राधीन, तारीख मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य में उद्देत अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से अधित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक कैं दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के आए; और/या
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन: कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में सक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के के अधीन, निम्नलिखिए व्यक्तियों, अर्थात् अ— (1) श्रोमतो तारा चटनिस पाँत श्रो नारायण गोपाल चिटनिस, 311, साकेत नगर, इन्दौर।

(ग्रन्तरक)

- (2) 1 श्रो लिंत प्रसाद पन्त श्रा० श्री लोकमणि जी पन्त.
 - श्रीमती निर्मला पन्त पति
 श्री लिलत प्रसाद जी पन्त,
 निवासी लोकेन्द्र भवन कम्पाउण्ड,
 नई बैंक कालोनी,
 रतलाम ।

(अन्तरिती)

को यह सूचमा जारी करको पूर्वोक्त स्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करना हा।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सबध में कोर्ड भी बाक्षेप :--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी **सं**45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर
 सचना की नामील में 30 दिन की अविधि, **जो भी**अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियां में में किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा गर्कणे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

मकान म्य्निसिपल नं० 18/2 वर्तमान नं० 151, लोकेन्द्र भवन, कम्पाउण्ड नई बैंक, कालोनो, रतलाम में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37-जी में निहित है।

वी० कु० बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोगल

तारीख: 27-12-1984

प्रक्प बाह'.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 27 दिसम्बर 1984

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/5536—ग्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/- उन्हें अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० जिला मकान ग्राम बराह्यां सर्वे नं० 29, पी० एच० नं० 45/1 है तथा जो मिर्जापुर, जबलपुर रोड कटनी तहसील डवारा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वाणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, मुंडवारा में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908/(1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख मई, 1984

को पृवों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृवों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके स्रयमान प्रतिफल से, एसे स्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतिरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरम से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बुचने में सविधा के लिए: और/भा
- ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिन्यम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोधनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

कतः वब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण कें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत ह—

(1) श्री ग्रो० सी० एम० वासस्टोलाइड, मिर्जापुर रोड, कटनी ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती विडमवास गुगाली, 986, राइट टाऊन, जवलपुर ।

(ग्रतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के बर्बन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेष ह-

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन की जनभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की जनधि, जो भी जनधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा?
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

धरस सी

एक मंजिला मकान एवं भूमि ग्राम बरगवाँ (सर्वे नं॰ 29, पी॰ एच॰ नं॰ 45/1), मिर्जापुर (जबलपुर रोड) तहसील मुडवारा में स्थित है। यह वह स्थावर संम्पत्ति है जिस विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म न॰ 37-जी में निहित है।

वी० कु० बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 27-12-1984

मोहर 🕄

प्ररूप आई. टी. एन. एस.,-----

बाबफार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांसय, सहायक आयकर कायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, भोपाल भोपाल, दिनांक 7 जनवरी 1985 निदेश सं० ग्राई ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5537—अतः, मुझें, वीरन्द्रकुमार बरनवाल

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० मकान, नगर निगम कमांक 26/178, 719, 180, 182 है तथा जो जवाहर नगर वार्ड, रायपुर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप, से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, रायपुर में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख मई, 1984

करे पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उशके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितिगों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निर्मिलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (कः) बन्तरच से हुई किसी आग की बाबत, उत्तक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में बुविधा के बिए; बार्/बा
- (व) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. खिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह— (1) श्री चमरू वल्द श्री दुलार साहू,
2. श्री फकीर चन्द वल्द श्री चमरू साहू,
निवासी मौजा मोवा,
तहसोल व जिला रायपुर।

(ग्रन्तरक)

- (2) 1. श्री लक्ष्मी चन्द वल्द श्री दौलत राम,
 - श्री मती कविता बाई जौजे श्री लक्ष्मी चन्द, निवासी ग्रस्पताल वार्ड, रायपुर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई वाक्षेप हु-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- '(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखें से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावार संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनसञ्

मंकान, नगर पालिका क्रमांक 26/178, 179, 180, 182, जवाहर नगर, वार्ड० रायपुर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण श्रन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म बी-37 जी में निहित है।

बी० कु० बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल,

तारीख: 7-1-1985

प्रस्प बार'. ही. एव. एव. म्र----

बायकड बिधीनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के ब्रधीन स्वना

HIGH CAPES

कार्यालय, सहायक बायक ह बायुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 4 जनवरी 1985

निदेश सं० म्राई० ए० सी० /म्रर्जन/भोपाल/5538--म्रतः

मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के बधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 25,000/- रत. से **बधिक हैं**

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 1 एवं 5 III फलौर है तथा जो साइनाथ ग्रपार्टमेंट् कलाश पार्क, कालोनी, इन्दौर में स्थित है (ग्र**ौ**र इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, इन्दौर मे रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख मई, 1084

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के छ्यमार प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐस दश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से बिधक है और बन्तरक (बन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया गवा प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण् विविद्य में बास्तविक रूप से कथित वहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बायता उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के बिए: बीह्र/वा
- (क) एेसी किसी बाद या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय बाय-कर बीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा ुके लिए;

जल: बन, उक्त जिथिनियम की थारा 269-व के वन्तर्य में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

(1) श्री साईनाथ श्रपार्टमेंट द्वारा : श्री प्रेमनाथ मन्नालाल, 4/6, एम० जी० रोड, इन्दौर ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री निवास पिता श्री हरिदत्त रस्तोग्री, यनियम बैंक भ्राफ इण्डिया।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थाना चारी करके पृश्वित संप्रित के नर्जन के तिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पहु सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सुमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा.
- (ब) इस स्थना के राषपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा वशहस्ताक्षरी के पांड लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वृष् होगा, वो उस बध्याय में दिया गया

जन्स जी

फ्लैट नं० 1 एवं 5 तीसरी मंजिल का, साईनाथ ग्रपार्टमेंट्स, कैलाश पार्क, कालोनी,इन्दौर में स्थित है।

> वी० कु० बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 4-1-1985

मोहर 🛭

मरूप बाइ 🗇 टर्न ु एत् 🤈 ----

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के स्थीन सूचना

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज. भोपाल

भोपाल, दिनांक 4 जनवरी 1985

निदेश सं० ग्राई० सी० ए० /ग्रर्जन /भोपाल/5539—ग्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल

जागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं फ्लैट नं 1, संगम श्रपार्टमेंट्, प्लाट नं 48, सीता बाग, कालोनी है, तथा जो सीताबाग कालोनी, इन्दौर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमाब प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह, प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण विखित के बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है हु—

- (क) बन्तरुण से हुए किसी बाय की बाब्त्, उक्त बिश्नियम के बभीन कर दोने के बन्तरुक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के जिल्ए; ब्राह्म/बा
- (अ) एसी किसी वाय या किसी भन या बन्य वास्तियों कर जिल्हें भारतीय वाय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तिरती द्वार प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था, जिपाने में सुविधा के निए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधार हि— (1) मैं० संगम अपार्टमेंट्स द्वारा : पार्टनर श्री दिलीप कुमार, श्री विनीद कुमार नागौरी, निवासी 6/31, मनोरमा गंज, इन्दौर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती कुंती भण्डारी पत्नी श्री प्रेम नाथ भण्डारी, निवासी धार।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्यी

फ्लैट नं० 1, संगम श्रपार्टमेंट्स प्लाट नं० 24, सीता बाग, कालोनी, इन्दौर में स्थित है । यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं 37 जी में निहित हैं

> वी० कु० बरनवाल सक्षुम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजैंन रेंज, भोपाल

तारीख: 4-1+1985

मोहर 🕃

प्रस्त्र नार्षे .टी. एन . एस

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्थाना

भारत संरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निर्देशिक)

ध्रर्जन रेंज, भोपाल भोपाल,दिनांक 4 जनवरी 1985 निदेश सं० ध्राई० ए० सी० /ध्रर्जन/भोपाल/5540—-ग्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० भूमि खसरा नं० 129 है तथा जो ग्राम कालूखेड़ी, देवास में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध म्रनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, देवास में रिजस्ट्रीकरण म्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख मई, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्तिकक रूप से क्षित नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरुण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने की अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ब्राह्म/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन हु---

- (1) 1. श्री ग्रांनन्द सिंह पिता श्री सुमेर सिंह,
 - 2. श्रीमती राजकुंर बाई पत्नी श्री सुमेर सिंह,
 - 3. श्री हुकम सिंह पिता श्री नारायण सिंह,
 - 4. श्री सूरंज सिंह पिता श्री नारायण सिंह,
 - श्री मनोहर सिंह पिता श्री हरि सिंह,
 ठाकुर तरफे श्राम मु०:
 श्री मोहन सिंह ठाकुर,
 - 7. श्री मोहन सिंह पिता हरिसिंह ठाकुर, देवास ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीहरिभाऊ नगर गृह निर्माण सहकारी संस्था, देवास ।

(म्रन्तरक)

का यह सूचना जारी कर्क पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच हैं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निचित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

भूमि ख०नं० 129, ग्राम कालूखेड़ीं, देवास में स्थित है यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण अन्तरिती द्वारा सत्याहित फार्म नं० 37-जी में निहित है।

> वी० कु० बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीखः : 4-1-1985

मोहर 🗓

प्ररूप बार्ड .टी.एन .एत . ------

बायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (नि<u>र</u>क्षिण) भ्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल दिनांक 4 जनवरी 1985

निर्दोश सं. आई.ए.सी/अर्जन/भोपाल/5541—अतः मुभ्ने वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं।

ग्रौर ॄिजिसकी सं० मकान नं 60 है, तथ जो सियागंज, इंदौर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इंदौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल के बृत्द प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया बया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी नाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने कें बन्तरक कें दाबित्य में कमी करने या उससे वसने में सुविधा के तिह; बांड/या
- (ख) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

जतः जब, उक्त जिभिनियम की धारा 269-म के जनुसरण को, मी, उक्त जिभिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन है निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् है—

 श्री कुरबान हुसैन फिदा हुसैन बोहरा बाखल, इंदौर।

(अन्तरक)

श्री अली हुसैन,
 पिता एम० तैयब अली
 निवासी-45,
 सियागंज,
 इंदौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

रकत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अरक्षिप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्साक्षरी के पास लिसित में रिकए जा सकेंगे।

स्पत्रहीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वग्स्क्री

मकान नं ० ८०, सियागंज, इंदौर में स्थित है।

वी० कु० बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 4-1-1985

मोहर 🛭

श्रस्य बाह् ं टीं एन एस -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

शारत जरकार

काबालय, सहायक नायकर नायुक्त (निर्दाक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 4 जनवरी 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/ 5,542—अतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० मकान, नगर निगम ऋ० 1/1398(, (पुराना) नया नं० 97/15 है, तथा जो तिलक मार्ग, नई सड़क उज्जैन में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, उज्जैन में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1984

का पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि बयापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निवित् में बास्तविक रूष से किया गया है है—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत , उक्त विभागियम के जधीन कर दोने के अन्तरक के शावित्व के कभी कुर्न वा उससे वचने में सुविधा के सिएश बार्ड /बा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन विम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हु--- (1) श्री जगदीप सिंह
पिता सरदार रामसिंह
निवासी, नई सड़क
तिलक मार्ग,
उज्जैन।
(2) सुरेन्द्र सिंह,
पिता सरदार रामसिंह
निवासी, सखीपुरा,
उज्जैन।

(अन्तरक)

 श्री स-यनारायण गुप्ता पिता श्री प्लालाराम जी गुप्ता, निवासी कुशलपुरा, उज्जैन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-ब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा स्केंगे।

स्पच्छीकरण हि—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नगर निगम क्रमांक, पुराना, 1/1398 तथा नया नं॰ 97/15, तिलक मार्ग, नई सड़क, उज्जैन में स्थित है।

> वी० कु० बरनवाल सक्षम प्राधिकारी .सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 4-1-1985

मोहर 🖫

प्ररूप बार्ड . टी . एन . एस .=---=

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकाइ

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्द्रीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 4 जनवरी 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल, 5543—अत: मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० छः भूमि है, तथा जो दौलतपुर, मंदसौर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मंदसौर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मई 1984

की पूर्वीक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्या, उसके द्रियमान प्रतिफल से, ऐसे द्रियमान प्रतिफल का भंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: बीड/या
- (ख) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिंगी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिषित व्यक्तियों, अर्थात् १ मै० नैतिक विचार समिति, मंदसौर।

(अन्तरक)

2. मै॰ नैतिक गृह निर्माण सहकारी समिति, मंदसौर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथींधत सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं [1]

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के जध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही जर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा हैं।

जनसङ्गी

सम्पत्ति, दौलतपुर, मंदसौर में स्थित है।

वी० कु० बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 4-1-1985

प्ररूप आहंु टी. एन. एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकाड

क्तर्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 4 जनवरी 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5544—अतः मुभ्ने, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परुचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० भूमि है, तथा जो दौलतपुर, मंदसौर में स्थित है स्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मंदसौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1984

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृन्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गांधीनगर में धारा 269 ए. बी. के अंतर्गत सक्षम अधिकारी के सम्मृख/के पास रिजस्ट्रीकृत किया गया है। म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यह पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण से हुई किसी जायुक्ती बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, बहि/बा
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाधें अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा खें लिए;

सतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) में अधीय, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ﷺ 63—446 GI/84 (1) नैतिक विचारसमिति, मन्दसौर ।

(अन्तरक)

(2) नैतिक विचार गृह सहकारी समिति, मन्दसौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के निष् कार्यवाहिया करना हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाओष :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब बैं 45 दिन की शवधि या तत्मस्वन्धी की क्षत्रों पर स्वनी की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना कै राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का को उनके अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया प्या है।

जनस्ची

सम्पत्ति, दौलतपुर, मंदसौर में स्थित है।

वी० कु० बरनेवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोषाख

तारीख: 4-1-1985

मोहर ः

प्रकर बार्चुं, 'टीज एवज एकज्ञानाताता

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-श (1) के अधीन सुचना

भारत तरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 4 जनवरी 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5545---अतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25/,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर्गिजिसकी सं० खसरा नं० 315,1 है तथा जो ग्राम लाल बाग (ग्राम) बुरहानपुर में स्थित है ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बुरहानपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गईं है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल, से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकारें) और अंतरिती (अंतरितियारें) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गबा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है हि—

- (क) बंतरण से हुई किसी बाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्पीबधा के लिए; और/या
- (व) एसी किसी जाय या किसी भन या जन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर जीभीनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जीभीनियम, या भन-कर जीभीनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा है सिए।

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) 1. श्री इन्द्रजीत वल्द श्री नारायण शाह, निवासी शनवारा, पोस्ट बुरहानपुर, जिला पूर्व निमाज ।

(अन्तरक)

(2) नारायण नगर गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्यादित लालबाग, बुरहानपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्रे में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खं)। इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

जग्स् ची

भूमि खसरा नं० 315/6, ग्राम लालबाग, (माल०), ब्रह्मनपूर में स्थित है $\mathring{m{b}}$

वी० कु० बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर अवयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 4-1-1985

मोहर 🤋

प्ररूप बार्ड टी.एन.एस

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के मधीन त्चना

भारत सरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, भोगाल

भोगाल, दिनांक 4 जनवरी, 1985

निदेश सं० म्राई० ए० सी०/म्रर्जन/भोगाल/5546—-म्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

षायक्र वांभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चींत् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 7, सेक्टर 11 है, तथा जो वैशाली नगर, इंदौर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, इंदौर में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान् प्रतिफल के, लिए अन्तरित की गई है और मुम्हें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतर्क (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया मृतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है ह—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्तुं अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा की लिए;

ं अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

कुमारी सुनिता पिता श्री देवकी दास बरखाले,
 नं० 109, रवीन्द्र नगर, इंदौर ।

(ग्रन्तरक)

2. ग्रल्पा ग्राय छू समुदाय, गृह निर्माण सहकारो संस्था लिङ ० 23-ए, वैशाली ग्रन्नपूर्णा, रोड, इंदौर

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वीबंद सम्पृत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता क्रुं

उक्त सम्पत्ति के अर्जन सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमं प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है। एया है।

अनुसूची

प्लाट नं ं 7, सैक्टर 11, वैशाली नगर, इंदौर में स्थित है यह वह स्थावर सम्बंत है जिक्का विवरण ऋन्तरितो द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37 जी में निहित है।

> वी० कु० बरनवाल भक्षम प्राधिकारो सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरोक्षण) स्रर्जन रेंज, भोगल

दिनांकः 4-1-1985

बुद्ध अर्थ और अन्य पुर्व

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत् सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 4 जनवरी 1985

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/5547—ग्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (बिसे इसमें इसमें पश्चात् उपनती अभिनगम कहा गया है), की धारा 269-ब के बधीन सदम का नार की, की, कर का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति. विस्का उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसका सं० प्लाट नं० 57, सँक्टर ए है, तथा जो वैणाली नगर, कालोनों, इंदौर में स्थित है (श्रीर इससे

उपाबुद अनुसूत्री में श्रोर जो पूर्ण रूप से विणत है) राजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय इंदौर में राजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिलाक मई, 1984

को पूर्वोक्ष संपित्त के टिंचत बाजार मूल्य सं कम के अध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथायूर्वोक्त लंपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल सं एसे स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निलिखत उद्द स्थ से अस अन्तरण विवित्त में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है .—

क्त: अध, उपन वींशीनक की कर्म 269-य की बन्सरण में, में उक्त विधिनियम की धारा 269-च उपधारा (1) हे अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह— श्रो जुगल कशोर, शंकर लाल शर्मा
 भंकर बाग, इंदौर ।

(ग्रन्तरक)

श्रीमती मनोरमा रघुनंदन जी लढ्ढा,
 206. उषा नगर, इंदौर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप 🏗--

- (क) इस सूचना के राजधन में प्रकाशन की तारीब बें 45 दिन की जनिश्व या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पुर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्य व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति दूवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितः ब्रिश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पाद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, को उक्त बीधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्या है।

अनुसूची

ष्लाट नं० 57, सैक्टर ए, वैशाली नगर कालोनी, इंदौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्तिहै जिसका विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37 जी में निहित है।

वी० कु० बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक: 4-1-85 मोहरु ध प्ररूप बाई.टी.एन.एस.----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार.

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 4 जनवरी, 1985

निदेश सं० ग्राई० ए० सो०/ग्रर्जन/भोपाल/5548--ग्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार वरनवाल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वार करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 589 पर बना हुन्ना मकान है, तथा जो खाती वाला टैंक, इंदौर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से वांणत है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्राधिकारी के कार्यालय इंदौर में रजिस्ट्रोकरण ग्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तीवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बीधीनयम के अधीय कार होने के अम्दरक के दाबित्य में कामी कारने या उक्तमें बचने मां गृतिथा के लिए;
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों . को, जिन्हों भारतीय जायकर व्यथिनियम, 1922 ,(1922 का 11) या उत्तन अधिनियम, या धन-कर व्यथिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गण धारा किया एका वाहिए था, निवान मी मिर्ट के किए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-त्र की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. श्री नरेन्द्र सिंह पिता सरदार सिंह सलूजा, 63, पलसीकर, कालोनी, इंदौर ।

(ग्रन्तरक)

श्रो राधेश्याम पिता मिट्ठूलाल मित्तल,
 33. दलिया बाखल, इंदौर।

('ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यनाहियां कारता हूं।

उनत संपत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

ग्रनुसूची

प्लाट नं० 589, पर बना हुम्रा मकान, खालीवाला टेंक, इंदौर में स्थित है।

> वी० कु० बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरोक्षण) स्रर्जन रेंज भोपाल

दिनांकः 4-1-85 मोहरं ध

मुक्ष बाह् ंटी . एन . एस . -----

बायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाउर 269-म् (1) के अभीन् सूचना

बारक बरका

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेज, भोपाल

भोगाल, दिनाक 4 जनवरी, 1985

निदेश सं० ग्राई० ए० नी०/ग्रर्जन/भोगाल/5549—ग्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- ब के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाबार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसका सं० भूमि ख० नं० 66/1, 66/2, 102/2 है, तथा जो ग्राम सिहामा तह० इदौर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूचों में ग्रौर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारों के कार्यालय इंदौर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधोन दिनाक मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पिति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित का उचित बाजार मृत्य उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरित (अन्तरितया) क बाच एसे अन्तरण क जिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य स उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरूप वे हुई किसी बाय की बावत उपत अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; और/धा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

कतः अप उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उपवारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्री निहाल सिह पिता श्री भेरू सिह, बिजलपुर, म० नं० 51, इंदौर ।

(म्रन्तरक)

2. श्रो ग्रमानत मुल्ला, व बरकत उल्ला पिता कुंदरत उल्ला निष्नासा म० नं० 219, नया पुरा, नं० 1, इंदौर। (अन्तरिती)

को यह सूचना बारों करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के िलए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ द्रोगा, जो उस अध्याय में दिवा स्या है।

वनुसूची

भूमि ख॰ नं॰ 66/1, 66/2, 102/2, ग्राम संहासा, तह॰ इदौर में स्थित है।

वी० कु० वरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेज, भोपाल

दिनाक: 4-1-85

प्रस्प नाइं.टी.एन्.एह .----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

मारत सरकाष

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

भोपाल, दिनांक 4 जनवरी, 1985

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/5550--ग्रतः

मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रोधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य

25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० मकान नं० 2. प्रथम मंजिला, का फ्लैंट नं० 3 है, तथा जो बारगल कालोनी, इंदौर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ़ ग्रनुसूबी में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय इंदौर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिकल को लिए अंतरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक का निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण , बंधु इं किसी बाय की बाबत, उक्त बिधिनयुक के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्य में कभी करने या उससे ब्यने में सुविधा वे जिए; बीर्/वा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्त्यों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर बधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बधिनियम, या अनकर बिधिनियम, या अनकर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के, प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना वाहिए था, छिपाने में वृत्वा वी विद्य

जतः जब, उक्त जिधिनियम, की धारा 269-ग के अनसरण कें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- 1. (1) श्रीमती लीलाबाई प्त्नी श्री हनुमन्तराष (एच० यू० एफ०)
 - (2) जयवंतराव पिता श्री हनुमन्त राव (एच० यू० एफ०)
 - (3) श्री यशवंतराव पिता श्री हनुमन्त राव, (एच० यू० एफ०)
 - (4) श्रो बसंतराव पिता श्री हनुमन्त राव, (एच० यू० एफ०), कर्ता प्रदीप कुमार पिता श्री यशवन्तराव श्रजीत पिता जयवन्तराव व्यरगल नि०-1 बारगल कालोगी, इंदौर।

(ग्रन्तरक)

- 2. श्री दयाल चेनानी, पिता श्री खूबचन्द जी,
 - (2) श्रोमतो कमला पति दयाल चेनानी, निवासी 22/8, गोगाल बाग, कालोनी, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के जर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के सर्वन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख हैं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास किसी में किए वा सकेंगे।

स्वष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पूर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं 2, प्रथम मंजिल, का फ्लैंट कमांक, 3, बार्ग कालोनी, इंदौर में स्थित है।

> वी० कु० बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 4-1-85

मोहर 🖫

प्ररूप आईं.टी.एन.एस-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंजु, भोपाल

भोपाल, दिनांक 4 जनवरी, 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5551—अतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० म० नं० 54 है, तथा जो दौलतगंज, मेन रोड, इंदौर में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इंदौर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1903 का 16) के अधीन दिनांक मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, आयकर अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

 श्री मोहम्मद हास्त, पिता अब्दुल करीम, 14/2, नार्थ हरसिद्धी, इंदौर।

(अन्तरक)

श्रीमती जरीताबाई हिबब मुसा,
 26-27, रानी पुरा, इंदौर ।

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पृद्धित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (कं) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविभ, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

म० नं० 54, दौततगंज, मैन रोड, इंदौर में स्थित है।

वी० कु० बरनवाल सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

अ्त: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) की अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—

दिनरक 4-1-85 मोहर प्ररूप साई टी.एन.एस.

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 4 जनवरी, 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5552—अतः मुझें वीरेन्द्र कुमार बरनवाल

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 11 है, तथा जो सुभाषनगर, सहकारी गृह निर्माण संस्था सिमित, सिंवेंर रोड, उज्जैन में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रेंर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय उज्जैन में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई, 84 को प्रवेंक्त सम्मित के उच्चित बाजार मुला से कम के इक्षामा

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह बिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उसत अन्तरण जिल्हित में वास्तविक रूप से किश्वत नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण स हुइ ाकसा जाय का बाबत, उक्कर अधिनियम के जधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सृविका के लिए; और/मा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग्ब के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——
64—446 GI/84

 श्री योगेन्द्र नारायण माथुर पिता श्री हरिनारायणमाथुर नि० मलाद बम्बई, द्वारा मु० खास पिता श्री हरिश-नारायण माथुर पिता श्री लक्ष्मी नारायण माथुर, 27, साकेत नगर, इंदौर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती माणक जैन, पत्नी श्री उमराव सिंह भंडारी, नि० 71, दशहरा मैदान, उज्जैन ।

(अन्तरिती)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां जुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाग;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

. स्वच्येकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों आरे पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्यायं 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन् सूची

प्लाट नं ० 11, सुभाष नगर सहकारी गृह निर्माण संस्था सीमित, सावेर रोड, उज्जैन, में स्थित है।

> वी० कु० बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक: 4-1-85

शृख्य बार्ड. टी. एन. एस.--= ----

आयकर अभिनियम. 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्चना

धारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनाक 4 जनवरी, 1985

निदेश सं० आई० ए० मी०/अर्जन/भोपाल/5553—अतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार वरनवाल

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को यह जिश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ रूप में अधिक है

स्रौर जिसकी सं भवन प्राना, नं 3, 1156 नवीन, नं 48 है, तथा जो वजीरपुरा कमरीमार्ग, पथनमें 1, उज्जैन में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध अनुस्ची में श्रोर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय उज्जैन में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई, 84

का प्रवित्वस सम्पत्ति के उच्चित याजार मत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की उच्चित याजार मत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि या प्रवृद्धित स्माति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तिबङ मण से किथन नहीं किया गया है "——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरफ के बाबित्य में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए, और/पा
- (भ) ऐसे किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्योजनार्थ अन्तिरंती दवारा प्रकट नहीं किया गया भारा किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत. अत, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, औं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिख्त व्यक्तियों, अथात् ह— श्री फखरूदीन, आत्मज कुरवाच हुसैन, वजीरपुरा, कमरी मार्ग, उज्जैत ।

(अन्तरकः)

2. श्री माईजअली आत्मज फखरूहीन, कमरी मार्ग, उज्जैन ।

(अनितरती)

को यह सूचना आरी करके पर्वोक्त सम्मित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया गुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविधि या तासम्बन्धी व्यक्तियों गर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तिया में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति ह्वारा अपोर्ड पाश्वरी के गम विकास किया जा सकीर ।

स्पष्टीकरण : इसमा प्रयक्त शब्दों और पढ़ों का, डो उन्ह अधिनियम के अध्याय 20 के मा गरिभाषित हैं, बही अर्थ होगा बो तत प्रधाय में दिया गया है।

अनुसूची

भवन, पुराना नं० 3: 1156 व नवीन, नं० 48, वजीरपुरा, कमरी मार्ग पथ नं० 1, उज्जैन, में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्तिहै जिमका विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37 जी में निहित है।

वी० कु० वरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर लायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोषाल

दिनांक: 4-1-85

प्रस्म बाई. टी. एन. एस. ----

बायकष्ट अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 4 जनवरी 1985

निदेश सं० ग्राई० ए० सी० /ग्रर्जन/भोपाल/5554—ग्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार वरनवाल

भायकर आभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), कौ आरा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है 'क स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य' 25,000/- राज्य से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० खण्डहर नगरपालिका नं० (पुराना) 2: 1920: व 2: 1921 नया नं० 98-99 है तथा जो चोबिस खम्भा, उज्जैन में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रोकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, उण्जैन में रिजस्ट्रोकरण ग्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख मई, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मून्य से काम के क्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की पहें हैं और मुक्ते यह विख्यास फरने का कारण है कि अभाग्कोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिकात से अधिक ही और जन्तरक (अन्तरकों) और अतिरती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल निम्मिलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कृथित नहीं किया गमा है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दामित्व में कमी करने या उससे बच्ने में सुविधा के सिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी नाय या किसी धन या नन्य नास्तियों को, जिन्हों भारतीय नाय-कर नाधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त नाधिनियम, या धनकर नाधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए थन, खिमाने में सुविधा के लिए;

अबः अन् जन्त अधिमीनका की धास 269-म के अनुस्त्रम में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की रपमास (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री राजमल श्रांत्मज श्री नाथूरामजी, गौतमपुरा, इन्दौर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मोहम्मद हुसैन ग्रात्मज श्री ग्रब्दुला भाई, गोल मण्डी बाखल, उज्जैन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्वनाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :-

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अनीन बाद में समाध्य होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है में 45 दिन के भीतर उन्नत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्नारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिलिखत में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उका जीधनियम के जध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा जो इस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्सी

खण्डहर नगर पालिका क्रमांक पुराना 2: 1920 व 2: 1921 चौबीस खम्भा, उज्जैन में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण श्रन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37-जी में निहित है।

> वी० कु० बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षपण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 4-1-1985

प्ररूप बार्ड्ः टी ु एन ु एस ु =====

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौ धारा 269-ध (1) के अधीन सुखना

मारत तरकार

कार्यालम तहायक जामकर जागुक्त (निर्दाक्षण)

श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 4 जनवरी 1985

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/5555—ग्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल

श्रायंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 263-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25.000/- कर संस्थाक हैं

ग्रीर जिसग्री सं० जय वजरंग नगर, इन्दौर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूचा में ग्रीर पूर्ण रूप से वीणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख मई, 1984

को। पूर्वेक्ति संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उनके ध्रममा प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्सह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गाया गया प्रतिफल, जिस्मिलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिन में बानति करा न ही किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक बी दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; जीत / जा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य बास्तिया की जिन्हें भारतीय बायकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

(1) श्री गिरवर सिंहु पिता श्री बिल्ला सिंह, धकान नम्बर 21, परदेशीपुरा गली नं० 4, इन्दौर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मदन लाल पिता श्री मोजी लाल जी लाड, निवासी 21/4, परदेशींपुरा, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिश्व से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्ष्री के पास लिखित में किए जा सकने।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं , बहीं बर्थ, होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 520 जिस पर निर्मित मकान, जय बजरंग नगर, इन्दौर में स्थित है ।

> वी० कु० बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, रिम्निनिक्त व्यक्तियों, अर्थात् :---

ूँ तारीख : 4-1-1985

मोहर 🛭

प्ररूप आई.टी.एन.एस-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सर्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 24 दिसम्बर 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/म्रर्जन/भोपाल/5556—म्हर्तः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल

आयकर औधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि खसरा नं० 345/1 है तथा जो रायपुरा, में क्रिंस्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूर्चा में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, रायपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की पई है और मुओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से बिधक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरितीं (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय कर्य अधि प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है द्वान

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; बार/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, गा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था बा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-मं के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-मं की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) श्री प्रभुराम पिता श्री बहादुर साहू, निवासी रायपुरा, इन्दौर।

(म्रन्तरक)

(2) श्रग्नोहा गृह निर्माण सहकारी समिति मर्यादित : जवाहर नगर, रायग्नर ।

(ग्रन्तरिती)

क्षे यह सूचना बाड़ी करके पृक्त सम्पृतित के वर्षन के विष् कार्यवाहियां शुरु करता हां।

उक्त सम्मत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वासेष्:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब्द्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा ब्धाहस्ताक्षरी के पाद लिखित में किए वा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रशुक्त शब्दों और नदों का, को उक्छ, अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्पी

भूमि, खसरा नं० 345/1; रायपुरा, रायपुर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37-जी में निहित है।

वी० कु० बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 24-12-1984

प्ररूपः बाई . टी. एतः एस .-----

बायकर अधिनियम, 1081 (1981 का 43) की धारा 289-11 () ने नहीं रुपना

शासा अस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भीपाल, दिनांक 5 जनवरी 1985

निदेश सं० श्राई० ए० सं०/श्रर्जन/भोपाल/5557—श्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार वरसवास

मायकर अधिनियम, 1950 (196) का 43) (त्रिसे इसमें इसमें इसमें रचान जिस्त अधिने दर्ग कहा गण हो। की भाग 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण हो। जिस्तान प्राथिकारों को एक विश्वास करने का कारण हो। जिस्तान प्राथिक विश्वास करने का कारण हो। जिस्तान प्राथिक विश्वास करने का कारण हो। जिस्तान प्राथिक विश्वास करने का कारण हो। जिस्तान विश्वास हो। जिस्तान विश्वस हो। जिस्तान विश्वस हो। जिस्तान हो।

श्रीर जिसकी सं भागात है तथा जो निवित्त लाइन, रायपुर में स्थित है ('ग्रीर इस्ति अस्ति । स्पृत्ति कांच्याति श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिवतर के वायिक्य, अधिपुर में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1966 सा 16) के श्रधीन, तारीख मई, 1984

- (क) अन्तरण में हुए किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के जीन कर योगे के अन्तरक के विचित्व में कर्या करण या उन्नस बनने में सुविधा के लिए; और/मा
- (क) एति किसी जार का जिसी पा या अन्य आस्तियों को, किहाँ भारतीय आयलर अधिनियम, 1922 (1922 का .1) या उत्त अधिनियम या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तिकी द्वला अक्षा नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए का छिपाने में मृतिभा के लिए;

जतः अव उक्त सिंधीनयम की धारा 269-ग के जन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री नारायण राव पिता श्री रामचन्द्र राव कामले, निवासी कैलाशपुरी, तहसील रायपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री गिरधर लाल छावड़िया पिता श्री ढोलन दास छावड़िया, बूटापारा, रायपुर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ह

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चगा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
 पास लिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्वादिक्ष रणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनस्या

मकान (एक मंजिला) वार्ड नं० 21, सिविल लाइन, रायपुर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37-जी में निहित है।

> वी० कु० बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपा ल

तारीख: 5-1-1985

प्रक्ष बाहु टी एन एक ----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)
अर्जन रेंज, श्रीपाल
भोपाल, दिनांक 5 जनवरी, 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5559—अतः मुझे वीरेन्द्र कुमार बरनवाल

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० भुमि ख० नं० 693/1 तथा जो मौजा हीरापुर, रायपुर में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रायपुर रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई, 1984

को पुर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिथितियम के जधीन कर देने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे दचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनाय अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ळिपाने हें सुबिधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निचित्त व्यक्तियों, वर्षात् अ--- श्रीमती रम्हलाबाई पत्नी श्री तनकू वगैरह, निवासी हीरापुर, प्रापुर।

(अन्तरक)

2. श्री तरसेम सिंह पिता श्री भाग सिंह वगैरह निवासी महीरापुर, रायपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिख कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपति के अजन क संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूबना १ राज्य व व कालत की लागिख से 45 दिन की प्रवीन व जन्मे का व्यक्तियों पर सूबना की तामील मे 30 दिन की अविधि, जी भी अविधि बाद म समाप्त होती हो, प प्रेनर प्रीकृत व्यक्तियों में दे किसी व्यक्ति तारा:
- (ख) इस भुक्ता के राजा विज्ञाल का ना नारीज से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर अन्यक्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति । (स), अंतातस्तारस्य के यात विजित में किये जा स्थान ।

हरादीकरण ।---इसमें प्रमुक्त प्रकार तार प्रकारता, चा उक्त प्रक्षित रोतपार के व्यवसाय २००० के वीर समित है, वहीं वर्ष होता, जो अप प्रकार में किए कार है।

अग्रुवर्ग

भूमि ख॰ नं ॰ 693/1, ग्राम हीरापुर, रायपुर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्तिपित फार्म नंबर, 37 जी में निहित है।

बी० कु० वरनवाल मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक: 5-1-1985

प्रकप बाइ. टी. एन: एस.----

बायकर बीधनियम, 1961 (1961 का 43) की **धारा** 269-च (1) के बधीन सुचना

भारत सहकारु

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 जनवरी, 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5559—अतः मुझें वीरेन्द्र कुमार बरनवाल

स्रायकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पत्त्वात् 'खक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार प्रत्य 25,000/- रु. से अधिक है

मोर जिसकी सं० भूमि ख० नं० 186/2 है, तथा जो मौजा चिरहुलडीह, रायपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रायपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई, 1984

को पूर्वीकत संपत्ति के उचित थाजार मृत्य में कम के इश्यमान श्रितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुनीकत सम्मत्ति या उचित बाउप मृत्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत सेर अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और क्तिरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तैं या पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण तिषित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उचत अधिनियम, के किस अधिनियम, किस अधिनियम, किस अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधासा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात ह—

- 1. श्री मेहतरू वल्द गणेंश,
 - (2) श्रोमती वदराबाई पत्नी गणेश,

(अन्तरक)

2. श्री ग्यान शंकर, अग्रवाल बल्द श्री गिरजाशंकर अग्रवाल वगैरह, निवासी चौबे कालोनी रायपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपरित के वर्जन के दिनए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप है-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में सू किसी व्यक्ति द्वारा है
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निचित में किए जा सकारी।

स्थब्दीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ब्लाट ख॰ नं॰ 186/2, मौजा चिरूलडीह, रायपुर में स्वित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37 जी में निहित है।

> वी० कु० बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज, भोपाल

दिनांक । 5-1-1985 मोहर ः

शक्प बाइं,टी.एन.एस. -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की) धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 जनवरी, 1985

निर्देश वं अाई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5560---अतः मुझे वीरेन्द्र कुमार बरनवाल

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के उधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25.000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भृमि ख० नं० 165/3 है, तथा जो चिरूलडीह, रायपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रायपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के त्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अतिरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कृथित नहीं किया गया है :——

- (क) बन्सरण सं हुई किसी बाद की बादत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) जे प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, तक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिंखत व्यक्तियों, अर्थात् ध---

1. श्री मेहतरू पिता श्री गणेश, एवं ृश्रीमती बरदाबाई पत्नी श्री गणेश, सतनामी, निवासी बंधवापारा, रायपुर।

(अन्तरक)

 श्री बालकृष्ण तिवारी, पिता शिवनन्द प्रसाद तिवारी निवासी पुरानी बस्ती, रायपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, धो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस / सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिशं में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयंक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा ग्या है।

वन्सूची

भूमि ख॰ नं॰ 165/3, ग्राम चिरहुलडीह, रायपुर मैं स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा फार्म नम्बर, 37 जी में निहित है।

> वीं० कु० बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 5-1-85

बंका बाह, हो। वि. वि. वि.

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

मारत सरकाड

कार्याचय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 जनवरी 1985

निदेश सं. आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5561-

अतः मुझे, वी० कु० बरनवाल

कामकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ध्सको परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-ख के नधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का शारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25.000/- रा. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० भूमि ख० नं० 186/2 है, तथा जो मौजा चिरहुलडीह, रायपुर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रायपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई, 1984

को प्रवेक्त सम्पित के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रिपफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रिपफल का पन्द्रह प्रिपशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित के वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (तिर्ध) बन्तरण से हुई किसी साथ की सामकः, स्वयः अधिनियम को अधीन कर दोने को अन्तरमः के दायित्व में कभी करने वा उससे स्वने में स्विधा से सिक्षः मीट्/बा
- श्ली प्रिसी काय या किसी धम या जन्म कारितवीं को जिन्हीं भारतीय आय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या अनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) से प्रयोजनार्थ जन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में स्विधा के लिय:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियय की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :---

- 1. (1) श्री मेहतरू बल्द गणश,
 - (2) श्रीमती बरदाबाई पत्नी गणेश, निवासी बंधवापारा, पुरानी बस्ती,

रायपुर ।

(अन्तरक)

- 2. श्रीमती शान्ति बाई, पत्नी आत्माराम कश्यप ।
 - (2) श्रीमती विमलादवी, पाण्डे पत्नी राजमूर्ति पाण्डे
 - (3) श्रीमती बुद्धश्वरी साहू पत्नी श्री रघुनन्दन प्रसाद निवासी हटरीपारा, रायपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पृशींकत संपरित के अर्जन के निष्क कार्यवाहियां कारता हो।

उनत् सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वासेष्:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिस की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की बबिध, बो भी बबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में निष्णु जा सकरेंगे।

स्मष्टीकरुण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

भूमि ख॰ नं० 186/2, ग्राम चिरूलडीह, रायपुर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37 जी में निहित है।

> वी० कु० बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज, भोपाल

दिनांक: 5-1-85

प्ररूप बाईं ही ु एन . एस ु -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-- घ (1) के अधीन सूचना

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 5 जनवरी, 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5562—अतः मुझे, वी० कु० बरनवाल

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० दुकान नं० आर-5, रायपुर विकास प्राधिकरण है, तथा जो जनता क्लाथ मार्केट, पंडुरीतराई, रायपुर में स्थित है (ग्रौरं इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता अतिकारी के कार्यालय रायपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 17) के अधीन दिनांक मई, 1984

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखत में वास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है:---

- (क) बन्धरूप है हुई कि ही बाय की बावछ उक्त वहिंद-ज़िब्ब के सचीन कर देने के बन्दरक के सनित्व में कभी करने या उससे बजने में सुविधा के लिए; बहुर/बा
- (क) एसी किसी जाम या किसी थन या जन्म जास्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या थन कड़ अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ क्न्तुडिती ब्कारा प्रकट नहीं किया वया था का किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के खिए;

बतः बब, उक्त बिधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण मे, मैं, उक्त बिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1), के बर्धान, निम्निस्थित व्यक्तियों, वर्षात् ध— चौरिड़िया एंड कंपनी,
 प्रोप्राइटर : श्री हीरानन्द चन्द धनराज चौरिड़िया,
 निवासी बुधापारा, रायपुर ।

(अन्तरक)

 श्री तुलसीचन्द पिता मूलचन्द जन, निवासी शाप नं० ए-3, जनता क्लाथ मार्केट, पंडरीतराई, रायपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कां । ना नावा .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों., के भीतर पृबीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्यी

दुकान नं० आर-5, जनता क्लाथ मार्केट, पंडरीतराई रायपुर विकास प्राधिरण रायपुर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है, जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37-जी में निहित है।

> वी० कु० बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक: 5-1-1985

मोहर 🛭

प्ररूप. आई. टी. एन. एस्. - - - -

बायकर वांभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक अायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 5 जनवरी, 1985

निदेश सं० आई० ए० सं ०/अर्जन/भोपाल/5563--अतः

मुझे वीरेन्द्र कुमार बरनवाल

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा ?69-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं भूमि खं ने 195 है, तथा जो भानपुरी, रायपुर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूर्च में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रोकर्ता अधिकार। के कार्यालय रायपुर में रिजस्ट्रोकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मफे, यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल का भंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपान में मृविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् 🛭 —

- नाबालिग डागेश्वर प्रसाद बल्द केंजऊ वलो मांसुखिया बाई ।
 - (2) सुखियाबाई पत्नी केजऊ
 - (3) रजवा बल्द शोभा राम साहू, निवासी मौजा भनपुरी, तह० व जिला रायपुर (अन्तरक)
- 2. आशिर्वाद टिम्बर कंपनी फाफाडोह, रायपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायवा हया करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .---

- (क) इस स्वा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वा की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ख व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पित्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि ख॰ नं॰ 195, भोजा, भनपुरी, रायपुर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिर्त द्वारा सत्यापित फाम नं॰ 37 जी में निहित है।

> वो॰ कु॰ बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपास

दिनांक : 5-1-85

भोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यां लय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 ज़नवरी, 1985

निदेश सं० आई० ए० सीं०/अर्जन/भोपाल/5564---अतः मुझे वीरेन्द्र कुमार बरनवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० भूमि ख० न० 53/2 है, तथा जो मौज खतमतराई, रायपुर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रायपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए और मुभ्ने यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

1. श्री ग्रंजोरी पिता श्री सुखरू देवागन,

(2) पुसऊ, पिता सुखरू देवागंन, निवासी बिरगांव, तह० रायपुर।

(अन्तरक)

 श्रीमती चम्पाबेन, पति नागजी पटेल, निवासी फाफाडीह, रायपुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारा करक पृवाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकने।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूचीं

भूमि ख॰ नं॰ 53/2, मौजा खमतराई, रायपुर में स्थित है यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37 जी में निहित है।

वी० कु० बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपास

कतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

दिनांक : 5-1-85

मोहरु 识

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचनः

भारत संस्कार

कार्यालय, विहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोगाल, दिनांक 5 जनवरी, 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5565—अतः मुझे वीरेन्द्र कुमार बरनवाल

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रतिशतारां की यह विकास करने का कारण हैं कि न्यावर सम्पत्ति जिसाहा रहिए लागर प्रत्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी सं० भूमि ख० नं० 8, 9, 10/2, 26/2, 27/3 है, तथा जो कम्पाउन्ड, फाफाडीह, रायपुर में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रायपुर में रिजस्ट्रीवरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई, 1984

का पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्षयमान प्रतिफल के लिए अन्तिरित की गई है की निर्वेश विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकें) कोर अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निल्वित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (का) अन्तरण से हुई किसी जाय की नाजत, उक्क अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे स्चने में सुनिधा के लिए; और/या
- को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा को लिए:

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- श्री सतपाल ढ़ाड, पिता गौरी शंकर, निवासी सिविल लाईन, रायपुर।

(अन्तरक)

2. श्री मावजी पिता श्री प्रम जी भाई परमार, मारवाड़ सा मिल्स के पास, फाफाडीह, रायपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी क्षरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पीरभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ब्रसमची

प्लाट ख० नं० 8, 9, 10/2, 26/2, 27/3 दाड कम्पाउन्ड फाफाडीह, रायपुर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पति है जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37 जी में निहित है।

वी० कु० बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 5-1-1985

प्रक्ष बाइं. टी. एन. एस् 👉 🗢 --- 😕

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 जनवरी, 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5566---अत. मुझें वीरेन्द्र कुमार बरनवाल

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट (नजूल) नं० 6/1, 6/2, 6/4 एवं 4 नजूल, नं० 35 है, तथा जो शनीचरी पड़ाव, बिलासपुर में है स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय बिलासपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशिक्ष से अधिक है और अंतरक (अंतरोकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गंधा प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में वास्तविक एप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बंतरण से हुई किसी बाब की बाबता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के जिए: और/वा
- (अ) ऐसी किसी अप ण किसी धन या अन्य आरितयों को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम 10.22 (1922 का 11) या उनके अधिनियम, या धन कर अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा एकट नहीं किया गया था या क्रिया जाना चाहिए था, खियाने में सविभा के निए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— श्री जुतुब्द्दीन आत्मज इब्राहीम भाई खुद, व मु० खास साफिया, बाई पत्नो इब्राहीम भाई, सदर बाजार, विलासपुर, एवं सकीना बाई पत्नी, हासिम भाई मढ़ाताल, जवलपुर।

(अन्तरक)

 श्री अशोक कुमार पिता श्री जगमोहन राय अग्रवाल निवासी विधा-उप नगर, विलासपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध या से समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त न्धिकतयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अनिक दवारा अधोहरूताक्षरी के पास सिर्मिश में किए आ सकति।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० नजूल शीट नं० 35 (लाट नम्बर्स 6/1, 6/2, 6/4, एवं 4) भनीचरी पड़ाव बिलासपुर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर, 37 जी में निहित है।

वी० कु० बरनदाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक: 5-1-85

प्रकृष आहें ही हान हान न

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) वरी भारा 269-व (1) के अभीन सुचना

।तरत बरुकाह

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 जनवरी, 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5567—अतः मुझे वीरेन्द्र कुमार बरनवाल

कायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/रु. से अधिक है

25.000/ रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० एक मंजिला मकान, केजा वार्ड है, तथा जो जूना बिलासपुर, तह० व जिला बिलासपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय बिलासपुर में रिजस्ट्रीकरण अधि-नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई, 1984 को पूर्वोंक्त समपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान शितफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई इं और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिती (अंतरिती) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबते, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के निराप और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आसकार अधिनियम, १९२२ (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, अस्मकर अधिनियम, अस्मकर अधिनियम, अस्मकर अधिनियम, अस्मकर अधिनियम, १९५७ (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितः द्वारा प्रकर नहीं किसा गया या किया जाना चाहिए था । खिमाने में स्विधा के लिए;

बत: अब. उक्त अधिनियम को धारा 269-ए के जन्मरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

 श्री सुखराम दास पिडा श्री सुन्दर दास सिंधी, निवासी छतरी, सरकंडा, बिलासपुर।

(अन्तरक)

2. श्री बलदेव प्रसाद पिता श्री ईश्वर दत्त गुप्ता, गुडि, तह० व जिला बिलासपुर।

(अन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार महियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खं) इस मचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अन्स्ची

एक किता मकान बिल्डिंग विथ मटीरियल्स, केलावार्ड, जूना, विलासपुर (मैन रोड), विलासपुर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37 में निहित है।

वी० कु० बरनवाल प्रक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक: 5-1-1985

प्रस्प बाई. टी. एन. एस. - - -

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकारु

कार्यासय, सहायक आयकर आयक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 5 जनवरी, 1985

निदेश सं० आई० एस० सी०/ग्रर्जन/भोपाल-5568--अतः मुझे, वी० कु० बरनवाल

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार अन्त्य 25,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० तीन मंजिला, मकान "अतिथि" है, तथा जो मेन रोड़, किला वार्ड, बिलासपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बिलासपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई, 1984

को पृत्रोंक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मम्में यह निश्चास करणे का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्निबित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत,, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक क बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बाँद्र/वा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती इधारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था ख्रिपाने में सुविधा के लिए;

अत अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण के, ्में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के के अधि . न्मिनिसित व्यक्तियों, अर्थात् :——
65—446GI/8 4

 श्री सुखरांम दास पिता श्री सुन्दर दास सिंधी, निवासी सरकंडा, बिलासपुर।

(अन्तरक)

श्री लक्ष्मी प्रसाद पिता श्री संत राम गुप्ता,
 अशोक कुमार, पिता श्री संत राम गुप्ता,
 निवासी लखराम तह० बिलासपुर।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्पैना के राजधन में प्रकाशन की तारांख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामीन से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के शास निष्कृत में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों की, जो उक्त जिथिनयम के जध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गक्स हैं।

<u>जन्स् व्</u>री

तीन मंजिला मकान नाम "अतिथि लोग", किला वार्ड, मन रोड्र विलासपुर में स्थित है।

> वी० कु० बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षणा) अर्जन रेंज, भोपल

दिनांक: 5-1-85

मोहरः

प्ररूप बाइ .टी.एन.एस. ----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के बभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निसीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 जनवरी, 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5569—अत मुझे वीरेन्द्र कुमार वरनवाल

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अधित बाजार मृन्य 25,000/- रा. से अधिक है

और शिसकी: सं० म० न० (पुराना) 26/179, (नया) 26/718 है, तया जो कूप बाग के सामने, लश्कर में स्थित है (ग्रीर इसमे उपावद्ध अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ग्वालियर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई, 84 को पूर्वोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य स कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मृत्रों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल का एन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल. निम्नलिशित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गवा है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाब की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी थारने या उससे दवने में स्विधा के लिए; और/बा
- (ख) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तिय. को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिटाने में सविधा के सिए;

अत: अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं उलत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. श्री बनवारीलाल गुप्ता, आत्मज श्री हरवंदवानजी निवासी फूलबाग के सामने, ग्वालियर रोड़, लश्कर । (अन्तरक)
- 2. (1) श्रीमती रंजना गर्न धर्मपत्नी श्री राजेन्द्र ईश्वर दास गर्ग
 - (2) श्रीमती कल्याण बजाज पत्नी श्री शिवकुमार,
 - (3) श्रीमती तरूण गुप्ता, पत्मी श्री नीरज गुप्ता, निवासीगण वम्बई-4, कु० सविता अग्रवाल
 - (4) कु० सिवता अग्रवाल पुती बनवारी लाल
 - (5) कु॰ विपथा गुप्ता, पुता बनवारी लाल गुप्ता निवासी फूलबाग के सामने. लश्कर। (अन्तरिकी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाहियां करता हूं। उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अधिए या त्यसबधी व्यक्तियां पर सूचना की तायील स 30 दिन की जविध, जा भी अविध बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिय क्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोध स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी क अन् लिखित में किए जा सकने।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयानत शब्दों और पदों का, जो उस्त बीधीनयम, के बध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दियक गया ही।

अन्स्थी

मकाद नं० (पुराना), 26/179 (नया) 26/718 फूलबाग के सामने, लश्कर में स्थित है।

वी० कु० बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक: 7-1-85

प्ररूप आईं. टी. एन. एस. - - - --

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-त्र (1) के अधीन सूचना

भारत सरकारु

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 जनवरी, 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5570—अतः वीरेन्द्र कुमार बरनवाल

कायकर किंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है कि भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्बत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० भूमि ख० नं० 496,3, 498/1 है, तथा जो बैरागढ़ कला, तह० हजूर, जिला भोपाल में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रोर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भोपाल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अंतरितियों) के बीच एस अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिश्वित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अंतरण से हुई किसी आयु की बाबतु, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अतिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया सा या किया जाना साहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण है, मैं ज्ञान्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) है अधीन / निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ..—

(1) श्रीमती विमला, खत्नी पत्नी श्री चुन्नीलाल खत्नी
 (2) श्रीमती माया चोटरानी, पत्नी प्रकाश खत्नी
 द्वारा मु० आम चुन्नीलाल खत्नी पिता सरनर ाजमल
 निवासी ईदगाह हिल्स, भोपाल ।

(अन्तरक)

2. कार्माशयल इन्जीनियसं प्रुण्ड बाडी बिल्डसं प्रा० लि० द्वारा डायरेक्टर, के० गुप्ता, पिता ज० ना० गुप्ता, निवासी महावीर नगर, भोपाल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियां में भी किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बद्ध किसी अन्य व्यक्ति दवारा अधाहम्साक्षरों क पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि ख॰ नं॰ 496,13 498,1, बेरागढ़ कला, तह॰ हजूर, जिला भोपाल में स्थित है।

वी० कु० बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक: 7-1-85

मोहर 🛭

प्ररूप बाइ ., टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनाक 7 जनवरी, 1985

निदेश र्स० आई० ए० सी०,अर्जन,भोपाल—5571—अतः मुझे वीरेन्द्र कुमार बरनवाल

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पब्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० भूमि ख० न० 416, 2, 498, 2 है, तथा जो बेरा० गढ कला तह० हजूर, जिला भोपाल में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय भोपाल में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान भांतफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अतिरितियों) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया शितफल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि निम्निसित में वास्तिक रूप से किंगत नहीं किया गया है द्वान

- (क) बन्तरण से हुई किसी आग की बाबत, उक्त बाँधनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसस बचने में सृविधा के लिए; बार/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चर्नहा था, उपाने म स्विधा के सिए;

मत: जब, उक्त अधिनियम, भी भारा 269-च के अनुसरण मों, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तिएं शर्मात्.— श्रीमती मधुखती, पत्नी श्री आसनदास
 द्वारा मु० आम चुन्नीलाल पिता श्री लेख राज एवं
 श्रीमता भावना खती मिथ खती
 निवासी 50, ईदगाह हिल्स, भोपाल ।

(अन्तरक)

 कार्मिशियल इन्जीनियर्स एण्ड बाडी बिल्डर्स प्रा० लि० द्वारा के० गुप्ता, पिता जे० एन० गुप्ता, निवासी महाबीर नगर, अरेरा, कालोनी, भोपाल। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हा, के भीतर प्वांक्त अविध ने सामान्त स्वाली स्वाप्त हती हा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के बाब सिवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, कहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विका गवा है।

वनसर्ची

भूमि ख॰ नं॰ 416/7, 498/2, बेरागढ, कला तह॰ हजूरं, जिला भोपाल में स्थित है।

> वी० कु० बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंजा भोपाल

दिनांक: 7-1-85

प्रक्ष बाह .टी एन .एस .----

बाधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर औ्रयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 जनवरी, 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/ 5572—अतः मुझे वीरेन्द्र कुमार बरनवाल

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० भूमि ख० नं० 96/91 है, तथा जो चूनाभट्टी तह० हजूरे, जिला भोपाल में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भोपाल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देशों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तर्भ से हुई किसी आय की बाबत, उक्त कियानियम के अभीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (ख) ऐसी किसी नाम या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के तिस्;

 मिट्ठू लाल पिता श्री रंजीत सिंह द्वारा मु० आम मंगल सिंह पिता श्री प्रताप सिंह नि० ग्राम चूना भट्टी ।

(अन्तरक)

2. पारिका सहकारी गृह निर्माण सहकारी संस्था, मर्यादित आफिस है-3/28फ, अरेरा कालोनी, भोपाल। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य न्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निष्यत में किए का सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया पदा है।

अनुसूची

भूमि ख॰ नं॰ ¹96/91, ग्राम चूना भट्टी, तह॰ हजूर, जिला भोपाल में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पति है जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा स-यापित फार्म नंबर 37 में निहित है।

वी० कु० बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मोपास

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

नांक: 7-1-1985

प्ररूप आइ े. टी. एन. एस. - - -

भामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

भारत सरकाड

ग्रर्जन रेंज, भोपाल भोपाल दिनांक 7 जनवरी 1985

निदेश सं० ग्राई० ए० सी० ग्रर्जन/भोपाल/5573—ग्रतः मुझे, वो० कु० बरनवाल

बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भी शिसको सं अकान दो मंजिला वार्ड नं अह है तथा जो वोर हको कत राय मार्ग विदिशा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूचों में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विदिशा में रिजस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 1908 (1908 का 16) के अधिन, तारीख मई, 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उियत बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय शिवाजीनगर में धार 269 ए. बी. के अंतर्गत सक्षम अधिकारी के सम्मूख/के पास रिजस्ट्रीकृत किया गया है मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यह गथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उिचत बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और उन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम की अधीन कर देने के अन्तरक की धायत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बॉर/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण के . मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्रो मधुकर मञ्डपे ग्रात्मज श्रो वासुदेव मण्डपे, निवासी वोर हकीकत राय, विदिशा।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रो ग्रम्त लाल सावला ग्रात्मज श्रो लखमशी सावला, निवासी विदिशा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के णस लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्यी

मकान दो मंजिला, वार्ड नं० 18, वीर हकीकत राय मागँ, विदिशा में स्थित है।

> वी० कु० बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 7-1-1985

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, भोपाल

भो ।।ल, दिनांक 7 जनवरो 1985

निदेश सं० ग्राई० ए० सो० /ग्रर्जन/भोपाल/5574—ग्रतः मुझे, बो० कु० बरनवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. सं अधिक है

ग्रीर जिसको सं० भूमि त्रमांक 297 है था जो ग्राम मालनपुर, परगना गोहद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूचों में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रोकर्ता ग्रधिकारों के कार्यालय, गोहद में रिजस्ट्रोकरण ग्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, मई, 1984

को प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिश्चत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी अग्न की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्न अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा किट नहीं किया प्रया धा या किया जाना साहिए ता, छिपाने में सुविधा से लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण माँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अ अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्रा राधा चरन पुत श्रा छोटेलाल, ग्राम गुरिखा, तहसोर गो**ह**द, जिला भिड़ा।

(ग्रन्तरक)

(2) ए० वी० एन० ट्यूब्स लि० रिज० म्राफिस पंचानन मालवीया नगर म० प्र० भोगल, जरिए डायरेक्टर राकेश सोनो, पुत श्रो जनक राज सोनो।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कीई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाबन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्भष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वग्त्वी

भूमि क्रमांक 297, ग्राम मालनपुर, परगना गोहद, जिला भिण्ड में स्थित है। यह बह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण ग्रन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37—जी में निहित् है।

> वी० कु० बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 7-1-1985

प्ररूप बाइ .टी .एन .एस . -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 जनवरी 1985

निदेश सं० माई० ए० सी०/म्रर्जन/भोपाल/5575—म्रातः मुझे, वीरेन्द्र कुमार वरनवाल

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25.000/- रहे. से अधिक है

श्रीर जिसको सं० भिम क्रमांक 295 है तथा जो ग्राम मालनपुर, परगता गोहद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रन् सूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रोकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, गोहद में रजिस्ट्रोकरण श्रधित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रधोन, तारीख मई, 1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का रन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तिय में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में. मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) डे अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) श्रोधमरसिंह पुत श्रीपतुम्रा, निवासोश्राहरीराम का पुरा, ग्राम मालनपुरा, परगना गोहद, जिला भिन्ड।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री ए० वी० एन० टयूब्स लि० रिजि० आफिस पंचानन मालविया नगर, भोपाल द्वारा डायरेक्टर श्रो राकेश सोनी पिता श्रो जनक राज सोनी।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य विकत द्वारा अधोहस्त्याक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रन्**स्**ची

भूमि कमांक 295, ग्राम मालनपुर, परगना गोहद, जिला भिन्ड में स्थित है। यह वह स्थावर सम्बन्ति है जिसका अन्तरितो द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37-जांमें निहित है।

> वो० कु० बरनवाल सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 7-1-1985

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यां तय, सहायक बायकर बायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 जनवरी 1985

निदेश सं० म्राई० ए० सी० /म्रर्जन/भोपाल/5576—म्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 4.3) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा र है की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि कमांक 295 हैं, तथा जो ग्राम मालनपुर, परगना गोहद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय, गोहद में रजिस्ट्रीकरण श्रिष्ठनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिष्ठीन, तारीख मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिज्ञात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण निखित में बास्तिबक इप से किथत नहीं किया गया है है

- (क) बन्तरण से हुई किसी नाय की वाबत उक्त निध-नियम के नधीन कर दीने के बन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसने वचने में सुविधा के लिये; होट/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर बीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

ब्तः वय, उक्त विधिनियम, की धारा 269-व के बनुसर्थ में, मैं., उक्त विधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, वर्धात् :— (1) श्रीमती महको पत्नी श्रीपतुम्रा, हरीराम कोपुर, मजरा, ग्राम मालनपुर, तहसील गोहद, जिला भिण्ड ।

(भ्रन्तरक)

(2) ए० वी० एस० ट्यूब्स लि० रजि० ग्राफिस पंचानन मालिवया नगर, म० प्र० भोपाल, द्वारा डायरेक्टर: श्री राकेश सोनी पिता श्री जनकराज सोनी ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त संपील्त के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है।
 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया मया है।

अनुसूची

भूमि क्रमांक 295, ग्राम मालनपुर, परगना गोहद, जिला भिण्ड में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण ग्रन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37-जो में निहित है।

> वी० कु० बरनवाल सक्षम प्राम्रधिकारो सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रेर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 7--1-1985

मोहर :

67-446 GI/84

प्ररूप आर्ड.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 जनवरी 1985

निदेश सं० ग्राई० ए० सो०/ग्रर्जन/भोपाल/5577—ग्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम् कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि है तथा जो मालनपुर, तहसील गोदह, जिला भिन्ड में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वीणत है). रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, गोहद में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मई 1984

को पूर्वोक्त रापित तो ही तत राजार मूल्य से कम के दश्यमान भितफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्या, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के किए; और/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों की. जिन्हों भाषतीय आय-कर विधिनयक, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा प्रिका के लिए.

अतः अवः, उक्त विधिनियमं की धारा 269-ग के बनसरण भो, मी, अक्त विधिनियमं की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखिन व्यक्तियों अर्थात :—— (1) श्री दिविया पुत्र श्री सीता जाटव, हरीरमिका पुरा मंजरा मालनपुर, परगना गोहद।

(अन्तरिती)

(2) ए० वी० एन० ट्यूब्स लि० रिज० स्माफिस पंचानन मार्लावया नगर, भोपाल (म० प्र०) डायरेक्टर, : श्री राकेश सोनी पुत्र श्री जनक राज सोनी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी, व्यक्ति द्वारः;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सक्तें।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्स् यी

भूमि ग्राम मालनपुर, तहसील गोहद, जिला भिण्ड में स्थित है। यह वह स्थावर सम्यत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण ग्रन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म न० 37-जी में निहित है।

> वी० कु० बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंन, भोगल

तारीख: 7-1-1985

मोहर 🗓

प्ररूप बार्ड. टी.. एन्, एस.,-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धाड़ा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 जनवरी 1985

निदेश सं० म्राई० ए० सी० /म्रार्जन/भोपाल/5578—म्रतः मुझे, वोरेन्द्र कुमार बरनवाल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि है तथा जो ग्राम मालनपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16 श्रधीन, तारीख मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके इश्यमान पितफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पढ़ह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तर्रोतिया) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्वित में बास्त्विक रूप से किथत नहीं किया गया है है—

- (का) बन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उत्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाबित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीड/बा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्तों अधिनियम, या. धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अदः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियमें, अर्थात् :— (1) श्री दिविया पुत श्री सीता जाटव, हरीरमिकापुर, मंजरी, मालनपुर।

(मन्तरक)

(2) ए० वी० एन० ट्यूब्स लिमि० रिज० प्राफिस: पंचानन मालवीय नगर, भोपाल म० प्र० डायरेक्टर श्री राकेश सोनी पुत्र श्री जनक राज सोनी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सफ्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्य

भूमि, ग्राम सालनपुर, तहसील गोहद, जिला भिण्ड में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण ग्रन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37—जी में निहित है।

> वी० कु० बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजंन रेंज, भोपाल

तारोख: 7-1-1985

प्रस्त बार् . टी . यन . एक न्----

बायक व विधित्तवन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के बधीन सूचना

HEAT THE PARTY

कार्यालयः, सहायक आयकर् आयुक्त (निर्**किए**) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 जनवरी 1985,

निर्देश सं० ग्राई० ए० सो०/ग्रर्जन/भोपाल/5579—ग्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाए 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है तथा जो ग्राम मालनपुर तहसील गोहद, जिला भिण्ड में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रोकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय गोहद में रिजस्ट्रीकरण ग्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रीन तारीख मई 1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है हि—

- (क) जन्तरण से हुइ कि जी बाद की बादका उक्त बाँधितयम के ब्योन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुनिधा वी विद्यार जोड़/बा
- (स) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों करें, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वादा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1), के अधीन, निम्निविधित अधिकत्यों । वर्षात् ह— (1) श्री राम किशन शर्मा पुत श्री राजाराम जी शर्मा, ग्राम मालनपुर, तह्न्सील गोह्न्द, जिला भिण्ड ।

(मन्तरक)

(2) ग्वालियर स्टिप्स लिमिटेड, रिजि० कार्यालय एल-16, गांधी नगर कालोनी, ग्वालियर द्वारा कमश्चियल मैनेजर सुभाष नहला।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारांक्ष्य से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (क) इस सूचना के द्राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

श्यव्योकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया

जनसङ्ग

कृषि भूमि, ग्राम मालनपुर, तहसील गोह्द, जिला भिण्ड में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण ग्रन्तरितो द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37—जी में निहित हैं।

> वी० कु० बरनवाल सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज, भोपाल

दिनांक: 7-1-1985

मोहरु 🗓

प्ररूप बाई ुटी, एन एस .-----

आविकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत् सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्तं, (निर्दाक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 जनवरी 1985

निदेश सं० ग्राई० ए० सो० /ग्रर्जन/भोपाल/5580--ग्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने जा कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृज्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम मालनपुर, तहसील गोहद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्राधकारी के कार्यालय गोहद में रजिस्ट्रीकरण ग्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के के ग्रधीन, तारीख मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य दसके दश्यमान प्रतिकल से एसे दश्यमान प्रतिकल का गन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अनरका) और अतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्ते अन्तरण लिखित व गस्तिक कृप से किथ्त नहीं किया गथा है :---

- (क), अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी कुहने या उससे बचने में सूविधा के बिग; औड़/बा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बारितयाँ को, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने छैं सुविधा के तिहु;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, भें, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) इंड्रिधीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियाँ, अर्थाह्न क्र— (1) श्री रूप सिंह श्रात्मज श्रो भूरे सिंह बढ़ई, ग्राम मालनपुर, तहसील गोहद, जिला भिण्ड ।

(भन्तरक)

(2) ग्वालियर स्ट्रिप्स लिमिटेड, रिजस्टर्ड कार्यालय: एल-16, गाधी नगर, कालोनी ग्वालियर द्वारा: कर्माशयल मैनेजर श्रो सुभाष नरूला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी लबीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथीं कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से △5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याद में दिया गया है।

अनुस्ची

कृषि भूमि ग्राम मालनपुर तहसील गोहद जिला भिण्ड में स्थित है । यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण ग्रन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37-जी में निहित है ।

> वी० कु० बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज भोपाल

तारीख: 7-1-1985

मोहर 🔢

मारूप बाई हो एन एस

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

भोपाल, दिनांक 7 जनवरी 1985

निदेश सं० म्राई० ए० सी० /म्रजंन/भोपाल/5581—मतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका निवत बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

गोर जिसकी सं किष भूमि है तथा जो ग्राम मालनपुरर तहसील गोहद, जिला भिण्ड में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, गोहद में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1909 का 16) मधीन, तारीख मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के कित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपति का उचित बाजार जूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल रहे, एसे इस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्निलिश्ति उद्देश्य से उस्त अन्तरण लिश्वित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) कन्तद्भव से हुन्दे किन्नी भाव की वावस्त कर करिनियम के अधीन कर दोने के अन्तर्क के दायित्य के कभी करने वा उससे बचने में सुविधा व तिहा; ब्राह्म/वा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को चिन्हें भारतीय नायकर निधानियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गवा वा किया वाना वाहिए वा कियान में सुरव्धा वी लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) श्री राम किशन शर्मा पुत श्री राजाराम निवासी मालनपुर, तहसील गोहद।

(अन्तरक)

(2) ग्वालियर स्टूप्स लिमिटेड रिजस्टर्ड ग्राफिस एल-16, गांघी नगर कालोनी, ग्वालियरद्वारा कमश्चिमल मैनेजर श्री सुभाष नरूला।

(ग्रन्तरिती)

को बहु सूचना जारी करके पूर्वांक्य सम्पत्ति के कर्जन के तिए कार्यवाहियां करता हं रू।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पृष्टीकर्ण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

विष्युक्त

कृषि भूमि, ग्राम मालनपुर, तहसील गोहद, जिला भिण्ड में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण भन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37—जो में निहित है।

> वी० कु० बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 7-1-1985

तारीख मई, 1984

प्ररूप बाई .टी .एन .एस .-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा धाद्य 269-व् (1) के अधीन सूचना

भारत सरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 जनवरी 1985

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रजंन/भोपाल/5582—ग्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृज्य 25,000/- रु. से अधिक है भीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम मालनपुर, परगना गोहद में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध ग्रनुसूचो में ग्रीर पूर्ण रूप से विश्वत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्राधकारी के कार्यालय, गोहद में रजिस्ट्रीकरण ग्राधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन,

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुर्फ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिश्चत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, भिम्मिनिवित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण विविवत में वास्त्रिक रूप से किया गया है द

- (क) बनाउन से हुई किसी बाब की बाबत, उसत बीधीन्यन के बचीन छुड़ दोने के बनाउक के सामित्य में कमी करने वा उससे बुचने में सुविधां के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी नाय था किसी धन या जन्य गास्तियों को, जिन्हें भारतीय नाय-कर जिमिनयम, 1922 (1922 का 11) या छक्त जिमिनयम, बा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था. छिपाने में खिवधा के लिए;

अत. अत, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घं की उपधारा (1) के अधीन, निम्निस्थित व्यक्तियों अधीर ह— (1) श्री राम किशन शर्मा पुत श्री राजारामजी शर्मा निवासी ग्राम मालनपुर, परगना गोहद, जिला भिण्ड ।

(म्रन्तरक)

(2) ग्वालियर स्ट्रिप्स लिमिटेड राजस्टर्ड कार्यालय 16, गांध्री नगर कालोनी, द्वारा कर्माशयल मनेजर, श्री सुभाष नरूला।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षप :--

- (क) इस सूचना के हासपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की मनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प्रर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी बन्धि बाद में समार्थ्य होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (ख) इस सूचना कै राजपृत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उनत स्थानर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चत में किए वा सक्ची।

स्पस्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त षब्दों और पदों का, जो उक्त बाधिनियम दे अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

<u>बुद्दुपी</u>

कृषि भूमि, ग्राम भालनपुर, परगना गोहंद, जिला भिण्ड में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण भ्रन्तरिती द्वारा सत्यापित फ्रामें नं० 37—जी में निहित है।

> वी० कु० बरनवाल संअम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, श्री । ज

तारीख: 7-1-1985

मोहर 🖁

श्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयका (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 जनवरी 1985

निदेश सं० म्राई० ए० सी० /म्रर्जन/भीपाल/5583—-म्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल

शायकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम मालनपुर, परगना गोहद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध स्ननुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारों के कार्यालय, गोहद में रिजस्ट्रीकरण ग्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधोन, तारीख मई 1984

को पूर्वों वर्ष संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्याम करने का कारण है कि यथापूर्वों वत संपत्ति का उचित बाजार वृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिदृत से अधिक है और जंतरक (कार्वे) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तर्भ के लिए ट्य पाना गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के उश्त अन्तरण कि खिला में वास्तविक रूप में किथन नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त विभिनियम के वधीन कर दोने के बन्तरक कें सावित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी बाय गा किसी भन या अन्य व्यक्तियाँ को जिन्हों भारतीय आय-वर अधिनियम, १९२२ (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, १९३२ कर अधिनियम, १९५७ (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा स्थिया जाना चाहिए था, जियारे में व्यक्तिया के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) कै अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्रो रूप सिंह ग्रात्मज श्री भूरे सिंह, ग्राम मालनपुर, तहसील गोहद, जिला भिण्ड ।

(भ्रन्तरक)

(2) ग्वालियर स्ट्रिप्स लिमिटेड रिजस्टर्ड कार्यालय एल-16, गांधी नगर कालोनी, ग्वालियर द्वारा कर्माशयल मैनेजर, श्री सुभाष नरूला।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्पना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हुं।

उक्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप 🖫

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तिकों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (अ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संगत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकने।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, **जो उत्का** अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह³, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गवा है।

अनुसूची

कृषि भूमि ग्राम मालनपुर, तहसील गोहद, जिला भिण्ड में स्थित है । यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37-जी में निहित है।

> वी० कु० बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 7-1-1985

मोहर 🏅

व्हर्ष बाहं े टी । एन । एक । -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक नायकर नायकत (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 जनवरी 1985

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/5585—ग्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम पिगदम्बर तहसील महू में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, महू में रजिस्ट्री-करण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख मई. 1984

को पूर्विक्त संपीत के उच्ति बाजार मूल्य से कम के इध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रति-फल से एसे इध्यमान प्रतिफल का पंन्द्रह प्रतिअत से अधिक है और

पूर्वाक्त सम्पात के डायत बाजार मूल्य, उतक इन्यमान जत-फल से एसे इत्यमान प्रतिफल का पंन्द्रह प्रतिअत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंत-रण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित ग्यक्तियाँ अर्थात् :—— 68—446 GI/84

(1) श्री राजाराम पिता श्री बद्दाजी जिरेती, ग्राम पिगडम्बर, तहसील महू।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती कुसुमलता क्रिपण पत्नी श्री रमेश चन्द्र मित्तल, निवासी महू।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निष् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी बद्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टौकरण:—इसमीं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहने अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया

अनुसूची

कृषि भूमि, ग्राम पिगडम्बर, तहसील मह में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण ग्रन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37—जी में निहित है।

> वी० कु० बरनवाल सक्षम प्राधिकारो सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 7-1-1985

प्ररूप बाइ ुटी. एन. एस.----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यात्तम, सहायक जायकर जायुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, भोपाल भोपाल,दिनांक 7 जनवरी 1985

निदेश सं० आई० ए० मो० अर्जन/भोपाल--5585--अतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसको सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम पिगडम्बर तहसील महू में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूचो में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1984

को पूर्वोक्य संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रोकृत विलेख के अनुसार अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बादत, उत्ताः अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिषाने में मृतिधा वे निए;

- (1) 1 श्रो राजाराम
 - 2.श्री हमीर सिंह
 - 3 श्रीबाबू सिहपिता श्रीजगन्नाथ ।
 - 4 श्रोमती त्रिज बाई
 - 5 श्रीमती अयोध्याबाई
 - 6 श्रीमती रूपा बाई, महू।

(अन्तरक)

(2) 1. श्रीमती कुसुमलता मित्तल 2. श्रीमती विजयलता मित्तल,

महू ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस त 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थब्दोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

कृषि भूमि ग्राम पिगडम्बर, तहसील महू में कियत है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37 जी में निहित है।

> वी० कु० बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

बत: बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण बो, मो. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों. अर्थात् :---

तारीख: 7-1-1985

मोहर 🛚

प्ररूप आई. टी. एन., एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

मारव वहकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निडुक्षिण) अर्जन रेंज, श्रोप ल

भोपाल, दिनांक 5 जनवरी 1985

निदेश सं० आई० ए सी०/अर्जन/भोपाल/5586 अतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

औरिजसकी सं० मकान म्यू० नं० 40 बी है तथा जो राधा नगर, कालोनी, इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूचा में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजल्ट्राकर्ती अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रिजल्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 की 16) के अधीन, तारीख मई, 1984

को पूर्वोक्त संस्पित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकृत के सिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पढ़ प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-क्ता, निम्निवित उद्देश्य से उक्त बन्तरण निवित में बास्तिवक क्या में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ब्लाइण से हुई किसी बाय की बाब्स्, उक्ख बिध्नियम के बधीन कर दोने के बन्तुरक के दासित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीर/वा
- (च) एसी किसी जाय का किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

कतः, जन, उक्त विधिनयम कौ धारा 269-ग कै अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) 1 श्रोरीझ राम पिता श्रीपरसूमल भी
 - 2 श्रीभजन लाल पिता श्रीरीझराम जी
 - अभे हरपाल दास पिता श्री रोझराम जी, निवासी 27-बी, राधा नगर, इन्दौर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती विधुलता पति श्री धनपाल जी जैन, निवासी 1/1, छीपाबाखल, इन्दौर।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्धन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास् लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

मकान, म्यू० न० 40-बा, राधा जालोनो इन्दौर में स्थित हैं। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37-जी में निहित है।

> बी० कु० बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सह।यक आयकर आयुक्त (निर)क्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 5-1-1985

मोहर 🛭

प्ररूप बाह् .टी.एन.एस. ------

कायफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्थालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 जनवरी 1985

निदेश सं० आई० ए० सी० /अर्जन/भोपाल/5587—अतः मुझें, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल

शायकर शिंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पंश्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 247 पर बना हुआ एक मंजिला मकान है तथा जो सिविल लाइन, रायपुर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबढ़ अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रायपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई जि.सी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक कैं दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अभीन, निम्तिलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री नारायण राव वल्द श्री रामचन्द्र राव कामले, निवासी कैलाशपुरी, तहसील व जिला रायपुर।

(अन्तरक)

(2) ना० बा० भरत कुमार छाबड़िया वल्द श्री वली गिरधर लाल छाबड़िया, वल्द ढोलनदास छाबड़िया, निवासी बूढ़ापारा, रायपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तिकों कर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, खो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्तर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

प्लाटनं० 247 पर बना एक मंजिला मकान, ब्लाक डी, सिविल लाइन, रायपुर में स्थित है।

वी० कु० बरनवास सक्षम प्राधिकारी सह्यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपास

तारीख: 7-1-1985

प्ररूप आई ्टी.एन.एस .-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आय्कर आयुक्त (निरोक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांकं 10 जनवरी 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5588—अतः **मुझे,** वीरेन्द्र कुमार बरनवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) ।(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु में अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 2-ए है तथा जो ईदगाह हिल्स, भोपाल में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणितहै), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, भोपाल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं कया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा दायित्व के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयक-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अरा: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री जवाहरलाल पिता श्री शोभराज, निवासी ईदगाह हिल्स, भोपाल।

(अन्तरक)

(2) श्री हरीश चावला पिता श्री बी० आर० चावला, निवासी 61, ईदगाह हिस्स, भोपाल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः—इसमें प्रयुक्त कृष्टों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, क्रें अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिशा गया है [1]

वन्स्वी

प्लाट नं 2-ए, ईदगाह हिल्स, भोपाल में स्थित है । यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं 37-जी में निहित है ।

> नी० कु० बरनवास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, घोषाल

तारीख : 10-1-1985 मोहर: प्ररूप आईं.टी.एन.एस. -----

बारकार विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बुधीन सुम्रा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 जनवरी 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी० /अर्जन /भोपाल/ 5589——अतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० प्लाट नं० 3-ए है तथा जो ईदगाह हिल्स, भोपाल में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1984

को पूर्वों कत संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुभे यह विश्वास करने

का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य , उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित है बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरुष् से हुई किसी जान की बांब्सू, उन्दर् अभिनित्न के ज्योन कर दोने के बन्तरुक के सायित्व में कमी करने या उससे ब्यन में सुविधा के लिए; जार/वा
- (क) एसी किसी नाम वा किसी भन या जन्म जास्तियों को, जिन्ह भारतीय आय-कर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन- कर निधिनयम, या धन- कर निधिनयम, 1957 (1957 का 27) के अभोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण कों, की, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) को अभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती धर्मीबाई पत्नी श्री गोविन्द राम जी, विवासी-ईदगाह हिल्स, भोपाल।

(अन्तरक)

(2) श्री राकेश चावला पिता श्री बी० आर० चावला, निवासी 61, ईदगाह हिल्स, भोपाल।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के नर्जन के जिल् कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पंजींक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्दभ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिवा गया है।

नमृत्यी

प्लाट नं० 3-ए, ईदगाह हिल्स, भोपाल में स्थित है । यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण अल्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37-जी में निहित है ।

> वी० कु० **बरनवाल** स**क्षम प्राधिकारी** सहायक आयकर आयुक्त (निरी**क्षण)** अर्जन रेंज**, भोपा**ल

तारीख: 10-1-1985

मोहर 🚜

प्रकप बार्ड, टी. एन्. एत्.-----

नायकर निधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 जनवरी 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भो्पाल/5590—अतः

्-मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाज

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पदबात् 'उक्त अधिनियम', कह्म गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 29 पर निर्मित मकान की ग्राउन्ड पलोर की दुकान व उससे आगे का भूखण्ड है तथा जो रोशनपुरा, भोपाल में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकत्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में शस्तिकल कम से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त आध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर आधानयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के सिए;

जतः अब उक्त जीधीनयम की धारा 269-ग के अनुसरक को, मी, उवत जीधीनयम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन. जिन्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात्।——

- (1) 1. श्री कन्हैयालाल खादी वाला पिता श्री जगन्नाथ खादी वाला, निवासी 117, जेल रोड, इन्दौर म० प्र० वर्तामान भोपाल स्वयं एवं द्वारा: मु० आम :
 - श्री प्रहलाद पिता श्री कन्हैया लाल, निवासी मालवीय नगर, भोपाल।
 - 2. श्री सुरेश पिता श्री कन्हैया लाल खादी वाला निवासी 117, जेल रोड, इन्दौर।

- 3. श्री गोविन्द पिता श्री कन्हैया लाल , निवासी 117, जेल रोड, इन्दौर।
- 4. श्री कमल पिता कन्हैया लाल, निवासी 117, जेल रोड, इन्दौर।
- श्रीमती साविती पत्नी श्री सुरेशचन्द्र पुत्नी श्री कन्हैया लाल, श्री पन्नाद्याय मार्ग, उदयप्र।
- 6. श्रीमती इन्दु पत्नी श्री प्रमेशचन्द्र दुवे पुत्नी श्री कन्हैया लाल निवासी चन्द्रावती गंज सावेंर, जिला इन्दौर।
- श्रीमती ऊषा पत्नी श्री रमेशचन्द्र श्रोतिया पुत्नी श्री कन्हैया लाल खादीबाला, निवासी बिरला सीमेंट फैक्टरी आफीसर्स कालोनी, छिन्दवाड़ा।
- श्रीमती सुनीता पत्नी श्री गुलाब जी पवार, पुती कन्हैया ला ल खादीवाला, निवासी भवानीपुर कालोनी, इन्दौर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मेवा बाई पत्नी श्री के० सी० गुप्ता, निवासी 28, भदभदा रोड, भोपाल'।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी आक्षेष :---

- (क) इस सूचना के राषपत्र में प्रकासन की तारींच हैं
 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तिकों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी
 अविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पृक्षेंबस
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (म) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख वं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेह्रस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्दीकरण: इसमें प्रयुक्त खब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमें के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 29 पर निर्मित मकान एवं दुकान एवं उससे आगे का भूखण्ड, रोशनपुरा, भोपाल में स्थित है यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37-जी में निहित है।

> वी० कु० बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज, भोपाल

तारीख: 10-1-1985

मोहर 😘

प्ररूप बाई टी एन एस -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 जनवरी 1985

निर्देश सं० आई० ए० मी० /अर्जन/भोपाल/5591—अतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है). की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० प्लाट नं० 66—डी सेक्टर है तथा जो कोहे— फिजा, भोपाल में स्थित है (स्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रीर पूण रूप से वाणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में रजिस्ट्रीक रण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रिपफल के लिए अन्तरित की गई है है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (बंदरकों) और और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरिलिखत में वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी भग या बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर बिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बिधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विका के जिल्हा

बत्त बन, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण के, में, उक्त विधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिस्यों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती द्रोपदी देवी पत्नी श्रीहरिनारायण जी, निवासी माता मन्दिर के पास, भोपाल (म० प्र०)।

(अन्तरक)

(2) श्री लिलित कुमार जाधवानी; पिता श्री विशनदास जी, निवासी ब्लाक नं० 2, एम० आई० जी० 33, जवाहर चौक, भोपाल (म० प्र०।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं ० 66, डी सेक्टर, कोहेफिजा, भोपाल में स्थित है। तथा यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म नं ० 37-जी में निहित है तथा जो अन्तरिती द्वारा सत्यापित किया गया है।

वी० कु० बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सद्यायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ﴿ अर्जन रेंज, भीपाल

सारीख: 5-1-1985

मोहरू 🗧

प्रस्यः वादः, दीः एनः एवः ----

जायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बावकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 5 जनवरी 1985

निर्देश स० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5592—अतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० एक किता प्लाट नं० 47 है तथा जो गोविन्द गार्बन, रायसेन रोड, भोपाल में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908) का 16) के अधीन, तारीख मई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इश्यक्षान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्रफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय मा किसी धन या अन्य आस्तियां को जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, सा अन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं यिया गया था वा किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में , मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- 69---446 GI/84

(1) श्री सुमेश्वर नाथ कौल पिता श्री गोपीनाथ कौल, द्वारा मु० खास श्री सरदार जसवन्त सिंह, पिता श्री मखन सिंह, निवासी गोविन्द गार्डन, भोपाल (म० प्र०)।

(अन्तरक)

(2) सरदार इन्द्रजीत सिंह, पुत्र श्री गुलाब सिंह, निवासी एम० आई० जी०—II, इन्द्रपुरी भोपाल, (म० प्र०) ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोब्स सपहित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपर्शि को अर्जन को संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया क्या हैं।

बन्स्ची

एक किता प्लाष्ट नं ० 47 है जो गोतिन्द गार्डन, गायसेन रोड, भोपाल में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म र ० 37-जो में निहित है तथा अन्तरिती द्वारा सत्यापित किया गया है।

> नी० कु० बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहाय ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 5-1-1985

मोहर ;

प्रक्रम बाह्न टा एन एस - --

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 जनवरी 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5593—अतः

मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर दिश्वितयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके क्यांत् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 श के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थान मर्मात, जिसका उन्ति बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

ग्रौर जितकी सं० एककिता प्लाप्ट नं० 56 ए सैक्टर है तथा जो जमानपुरा, फिरोदस नगर, भोपाल में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुम्ची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान शितफार के लिए अन्तरित को गई है और मफे यह विश्वास करने का कारण है कि श्रथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य के लिए अन्तरित को गुर्वा है और मफे यह विश्वास करने का कारण है कि श्रथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य कि लिखत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार्वे) और अंतरहर कि लिखत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार्वे) और अंतरहर के लिखत से अधिक निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में करने के लिखन के लि

- क) अतरण स हुइ किसो काथ की बाबत, उबस अधिनियम के अधीन कर दने के अंतरक क दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सविधा की स्टिए; और/रा /
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्ह भारतीय आगकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकृष्ट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मो सुविधा के लिए

अत् निवत अधिनियम की धारा 269-य के बन्साण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1)
 बिश्वधीन निव्यतिश्वत व्यक्तियों, वसत् क ---

- (1) श्रो मूलचन्द यादव पुत श्रो डमरूजाल यादव, निवासी 68, राजेन्द्र नगर कालोनी, भोपाल (म० प्र०)।
- (2) श्रीमती मोनादेवी पत्नी (अन्तरक) श्री तोरथ दास, निवासी शाहजहांना बाद, गोल घर के पास, भोपाल (म० प्र०)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहिया करता है।

उदत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 4 े दिन की अविधि शे तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:

स्पब्दीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के उध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया एका है।

अनुसूची

एकिकता प्लाट नं० 56 है जो ए पेक्पर, जमालपुरा, फिरदोस नगर, भोगल में स्थित है। यह वह स्थावर सम्मति है जिसका विवरण फार्म नं० 37-जो में निहित है तथा अन्तरिती हारा सत्यापित किया गया है।

वी० कु० बरनआत सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोगल

तारीख: 5-1-1985

माहर ह

प्रक्ष बाह टी.एन.एस. -----

बायकर अधिन्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, यहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 जनवरी 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5594—अतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गण हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार प्रत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० प्लाट है तथा जो कटरा बाजार, सागर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है (रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सागर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1984

को पूर्वो क्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूलय से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बान्दिविक क्ष्य से किया नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण ने हुई किसी अप की बाबत, उपल अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कनी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; बॉर/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या बत्य बास्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में कृषिधा के जिए।

बत: बत, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकत व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) 1. श्री रमेश कुमार,
 - 2. श्रां तुलसी राम,
 - 3. श्री दिनेश कुमार पिता श्री श्याम सुन्दर,
 - राजेश (माइनर) पिता श्री श्याम सुन्दर संरक्षक : श्रीमती गंगा बाई।
 - श्रीमती गुलाब बाई पत्नी श्री नरेन्द्र सेनी ।
 कुमारी प्रेमलता पुन्न श्री श्याम सुन्दर सैनी ।
 गोपालगंज, सागर।

(अन्तरक)

(2) श्री नरेन्द्र कुमार सटभैया पिता श्री रगामदास सटभैया, निवासी सागर।

(अन्तरिती)

को यह सुबना जारी करके पूर्वोक्त सपित्त के अजन क निर् कार्यवाहिया करना हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सवधी व्यक्तिया पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (ख) इस सूचन। के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिमिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

सनसची

ण्लाट, कटरा बाजार, सागर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा 37-जी में निद्दित है।

वी० कु० बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 10-1-1985

माहर:

प्ररूप बाई. ट. एन. एस. - - ---

बरयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-त्र (1) के अधीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय. सहायक भायकर आयुक्त (निक्रीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 जनवरी 1985

निदेश सं० आई० ए० सी० /अर्जन/भोपाल/5595—अतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/- रा. से अधिक है

मीर जिसकी सं० प्लाट है तथा जो कटरा बाजार, सागर में स्थित है (मीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में मीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सागर में रिज-स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1984

को प्रवेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इत्यमान प्रितिफल के लिए जन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, ऐसे इत्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सूर्तिधा के लिए; और/या
- (ख) छंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्यारा प्रकट नहीं दिखा गया था जा किया जाना आहिए था, डिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त जिथिनियम की धारा 269-ग के अन्तरंका भ्रा, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मक्रिकित व्यक्तियाँ, अर्थात् ः—

- (1) 1. श्री रमेश कुमार
 - 2. श्री तुलसीराम
 - श्री दिनेश कुमार पिता श्री श्याम सुन्दर।
 - राजेश (नाबालिग) पिता श्री स्थाम सुन्दर संरक्षक श्रीमती गंगा बाई।
 - श्रीमती गुलाब बाई पत्नी श्री नरेन्द्र सेनी,
 कुमारी प्रेमलता पुत्नी श्री क्याम सुन्दर सैनी,
 गोपाल गंज, सागर।

(अन्तरक)

(2) श्री सुबोध कुमार सतभैया पिता श्री रामदास सतभैया, सागर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सूरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीज से 30 दिन की अविध , को भी अविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में अभी अवित द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र को प्रकाशन की तारीच से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति को हिता- बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिवा गया है।

धनस्वी

प्लाट, कटरा बाजार, सागर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37-जी में निहित्त है।

> वी० कु० बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीखं: 10-1-1985

मोहर 🕄

प्रसंप बाई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1964 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यात्रय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 जनवरी 1985

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/5596—ग्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चोत् 'ज़क्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्त बाजार मूल्य 65,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० मकान एवं प्लाट नं० 1165/1 है तथा जो देवीगंज रोड, श्रम्बकापुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, श्रम्बकापुर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति की उचित बाजार मृत्य से कम के द्रियमान श्रीतफल के लिए अन्तरिती की गई और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से बिधिक है और अन्तरंक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण है सित में वास्त्रिक कम् से किया गया है है—

- (क) अन्तरण संहुई जिसी जाव की बाबस, उक्त अभिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के बायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविध्यः के लिए, आर/या
- (ख) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य ब्रास्तियाँ कां, त्रिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1932 का 11) या उंक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 1957 का 27) के प्रयोज-नाथ अन्तरिती ब्कार प्रकट नहीं किया गया था बा किया जाना चाहिए था छिपाने, में, सुविधा के लिए;

(1) श्री मदन मोहन बावरी पिता स्व० श्री ग्रछह राम बावरी, सव न्यायाधीश वर्तमान देवोगंज रोड, ग्रीम्बाका पुर, जिला सरगुजा ।

(म्रन्तरक)

(2) श्री सुरेन्द्र सिंह पिता श्री श्रमरीक सिंह; निवासी मोहमाया रोड, ग्रम्बिकापुर।

(अन्तिरती)

को यह सुचना जारी करके पृत्रों केत सम्पर्ति के अर्जन के लिक्के कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बर्ग्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जनिष या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचेंना की तामील से 30 दिन की बन्धि, जो भी बनिध बाद में सेमाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियां में ने किसी व्यक्ति व्यक्ति
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्तोक्षरी के पास किसी में किए जा सकेंगे।

स्मण्डोकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उबस अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिका है, वहीं अर्थ होंगा, को उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

मकान एवं प्लाट न० 1165/1, देवीगंज रोड, ग्रम्बिकापुर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37-जी में निहित है।

> वी० कु० बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, भौपाल

बतः बब, उक्त बिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निधित व्यक्यिं, अर्थात् ह—

तारीख: 10-1-1985

मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 जनवरी 1985 निदेश सं० ग्राई० ए० सीं०/ग्रर्जन/भोपाल/5597—श्रतः

मुझे, वं रेन्द्र कुमार बरनवार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्रका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 1165/1 एवं उस पर निर्मित मकान है तथा जो देवीगंज मार्ग, ग्रम्बिक।पुर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुस्वी में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, ग्रम्बिकापुर में रिजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख मई, 1984

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अंतरित कीगई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यह पूर्वोक्त पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कभी करने या उसते बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः— (1) श्री मदन मोहन बावर्': म्रात्मज स्व० श्री अछरू राम बावरी, सत्न न्यायाधीश, नीमच, हाल मुकाम देवीगंज मार्ग, ग्रम्बिकापुर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रोमती सुरेन्द्र कौर पत्नी श्री इन्द्रजीत सिंह, महामाया रोड, ग्राम्बकापुर, जिला सरगुजा ।

(अन्तिरते)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गास लिक्षित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ण्लाट नं० 1165/1 पर निर्मित मकान, देवीगंज, मार्ग, अम्जिकापुर, जिला सरगुजा में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तिरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37-जो में निहित है।

वो॰ कु॰ बरनवाल सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजंन रेंज, भोपाल

तारीख: 10-1-1985

मोहर:

प्ररूप वाइ'.टो. एन . एस . -----

आयफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, भोपाल भोपाल,दिनांक 10 जनवरी 1985 निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/5598—ग्रतः

मुझे, वी० कु० बरनवाल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इस के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उक्ति बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

25,000/7- रु. स जावक हु ग्रीर जिसकी सं० भूमि का एक भाग जिस पर कि पाइस मिल भवन है तथा जो मौजा ग्रमोली, प० ह० 69, वारासिवनी, बालाघाट में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबक नुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, वारासिवनी जिला बालाघाट में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम,

1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारी ख मई, 1984 को पूर्वोक्त-सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अंतरण संहुई किसी बाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूचिपा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, प्रा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ज्या था या विक्या जाना चाहिए था, छिपाने में सबिधा को लिए;

कतः अब्तः जक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिश्वित व्यक्तियों, बर्धातः :——

- (1) 1. श्री गोपाल पिता श्री देवकरण पालीवाल शर्मा,
 - श्री रिव शंकर पित।
 श्री गोपाल पालीवाल शर्मा,
 निवासी लालवरी,
 तहसील वारासिवनी,
 जिला-बालाघाट ।

(ग्रन्तरक)

- (2) 1. श्री बसन्त कुमार,
 - 2. श्री मधुचदन, श्रात्मज श्री गंगा विसन,
 - सुरेण कुमार (नावालिक) पिता
 श्री गंगा विसन पालक मां :
 श्रीमती जमुना देवो, पत्नी
 श्री गंगा विसन पाली वाल शर्मा ।
 निवासी पौंडी, तह० वाला सिवनी
 जिला-वालाघाट ।

(अन्तिरती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन्बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्योग 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा अर्थ उस अध्याय में दिस्सू गमा हैं।

ग्रनुसूची

भूमि के एक भाग पर राइस मिल भवन प० ह० नं ० 69 है तथा जो मौजा ग्रमोली, लालबर्रा तहसील वारा सिवनी जिला बालाधाट सें स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म नं० 37—जो में तिहित है तथा श्रन्तिरती द्वारा सत्यापित किया गया है।

वीरेन्द कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोगाल

तारीख : 10-1-1985

मोहर 🖫

प्ररूप आई.टी.एन.एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

भोवाल, दिनांक 1 जनवर। 1985

निदेश स० ग्राई० ए० सो ० /ग्रर्जन/भोवे।ल/5599—ग्रतः मुझे, वो ० कु० बरनवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रीय जिसेकी सं० भूमि का एक भाग भवन (गणेश राइस मिल) खतरा नं० 12/3, 14/2 व 14/6 है तथा जो मौजा श्रोला, ए० ह० नं० 69, वारा सिवनो, बालाघाट सें स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसुवा सें ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिज-स्ट्रोकर्ती ग्रीधकारों के कार्यालय, बारा सिवनीं में रिजस्ट्रकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य क्षे कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल सं, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उकत अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

बतः बब, उक्त बिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधार (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) 1. श्रां गोराल पिता श्री देवकंरण पालीवाल शर्मा,
 - श्री रिव शंकर पिता श्री गोपाल पाली वाल शर्मी, निवासी लालबरा, तहसील वारा सिवनी, जिला बालाघाट ।

(अन्तरक)

- (2) 1. श्री बसन्त कुमार,
 - 2.श्रा मधुसूदन पिता श्री गंगा बिसन,
 - अी सुरेश कुमार (नाबालिंग) पिता श्री गंगा विसन पालं/वाल शर्मा, संरक्षक माता श्रमती जमुना देवो
 - श्रा गंगा विसन पालावाल, निवासी पौड, तहसील वारा सिवना, जिला वालाघाट ।

(अन्तरितो)

को यह सूर्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पन्दीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्नी

भूमि का एक भाग भान है जो मौजा ग्रमतलो, लालिबरा तहसील वारा सिवनो, जिला बालाघाट में स्थित है। यह वह, स्थावर समिति है जिसका सम्पूर्ण विवरण फार्म नं० 37-र्जा में निहित है तथा मन्तिरित्रो द्वारा स्थापित किया गया है।

> वि॰ कु॰ बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण) श्रजंन रेंज-3, बम्बई ।

दिनांक 10-1-1985 मोहर :

प्ररूप बाई .टो.एव. एस.

नायकर बाधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्चना

बारत बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्ीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 जनवरी 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5600-अतः

मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त् अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रत. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० दो मंजिला मकान का आधा भाग है तथा जो रघुनाथ गंज, कॅटनी में स्थित है (चौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कटनी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, (1908 का 16) के अधीन, मई, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में गास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कम़ी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (च) एेसी किसी आय या किसी धनया अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के पिए:

में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह्-

वतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बन्सरण

- (1) 1. श्रीशिव कुमार
 - 2. श्री अरविन्द कुमार
 - 3. श्री रामेश्वर प्रसाद पिता स्व० श्री नाथुराम चौदहा बानी निवासी मुंडवारा, रघनाथ गंज, तहसील मुंडवारा, जिला जबलपुर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुष्मा सुहाने पत्नी श्री कृष्ण कुमार सुहाने बानी, निवासी मुंडवारा, आजाद चौक, तहसील मुंडवारा, जिला जबलपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जुन के लिए लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ु--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्यी

दो मंजिले मकान का आधा भागइ रघुनाथ गंज, कटनी में स्थित है । यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37-जी में निहित है ।

> वी० क्रु० बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 10-1-1985

मोहर 🕄

70-446 GI/84

त्ररूप बार्द्ः, टी., एन., एस.,-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 10 जनवरी 1985 निदेश सं० आई० ए० सी० /अर्जन/भोपाल/5601——अतः मुझे, वी० कु० बरनवाल

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. सं अधिक है

द्भौर जिसक सं० दो मंजिला मकान का आधा भाग है तथा जो रघुनाथ गंज, मुडवारा, कटनी में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कटनी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरण से हुईं किसी बाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (स) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अभकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) कै प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;
- जतः, अब, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण प्रं, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीर निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

- (1) 1. श्री शिव कुमार
 - 2. श्री अरविन्द कुमार
 - श्री रामेश्वर प्रसाद पिता
 स्व० श्री नाथाराम चौहदा ,
 निवासी मुडवारा,
 रघुनाथ गंज, कटनी ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कुमकुम सहाने पत्नी श्री बाल गोविन्द सहाने, निवासी मुंडवारा, जिला जबलपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4/5 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्सि व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकरो।

स्पस्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

दो मंजिले मकान का आधा भाग, रघुनाथ गंज, कटनी में स्थित है। यह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण सम्पूर्ण अन्तरितीं द्वारा सत्यापित फार्म मं० 37-जी में निहित है।

वी० कु० बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 10-1-1985

मोहर 🗓

प्रक्ष नाइ. टी. एन. एड. ० ० ० - ००

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म् (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 जनवरी 1985 निदेश सं० आई० ए० सी० /अर्जन/भोपाल/5602—अतः मुझे, वी० कु०बरनवाल

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के बधीव सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० मकान एवं प्लाट है तथा जो भगत सिंह वार्ड, सागर में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता धिकारी के कार्यालय, सागर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1984

को पूर्वोक्त समपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुइं किसी बाय की बाबता, उक्त बिधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी कर्रने या उससे बचने में सुविधा के ट्रैलए; कर्डि/बा
- (ख) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य जास्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के निए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में. उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखत व्यक्तिकों, अर्थात् हुन्न (1) श्री महादेव प्रसाद पिता श्री हर प्रसाद धोबी, भगवान गंज वार्ड, सागर।

(अन्तरक)

(2) श्री र मेश प्रसाद पिता श्रीं बदी प्रसाद सोनी, इतवारी टोरो, सागर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारों करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यविहयां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह-

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में प्रिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया यस है।

अन्स्यी

प्लाट एवं मकान भगत सिंह वार्ड, सागर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37-जी में निहित है।

> वी० कु० बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्तू (निरीक्षण) अर्जन रेज, भोपाल

तारीख: 10-1-1985

मोहर 🛭

प्ररूप बार्ड .टी.एन.एस्ड-

आयकर अर्धिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के बधीन सूचना

भारत गुरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायकत (निर्वेक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 10 जनवरी 1985 निदेश सं० आई० ए० सी० /अर्जन/भोपाल/45603—अतः मुझें, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० मकान एवं प्लाट है तथा जो भगतिसह वार्ड, सागर में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सागर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1984

की पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान मितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से एसे द्रियमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया जिक्तन, निम्नीलिखित उद्देश से उबत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ह—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त बिधिनियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के दाबित्व में कभी करने या उससे बचने में सुबिधा के लिए: बीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, डिप्पान में सृविधा की लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण अं, मंं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) ■ अधीन, निम्निलिखित अधिकत्यों, अर्थात् ध— (1) श्री महादेव प्रसाद पिता श्री हर प्रसाद घोसी, निवासी भगवानगंज वार्ड सागर।

(अन्तरक)

(1) मास्टर विनोद कुमार (नाबालिग), कौशल कुमार (नाबालिग), द्वारा संरक्षक श्रीगोविन्द प्रसाद पिता श्री बद्री प्रसाद सोनी, सागर इतवारी टोरी,

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित्त के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अनुष्य या तत्संबंधी अपिकत्यों पर सूचना की तामील से 30 दिश की अनिध , जो भी अनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अपिकत्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सुकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान एवं प्लाट, भगत सिंह वार्ड, तह०व जिला सागर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं० 38—जी में निहित है।

> वी० कु० बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जद रेंज, भोपाल

तारीख: 10-1-1985

मोहर 🛭

प्रकृष् वाह्रं े टी े एवं व्यव .-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत चरकार

कार्वाज्य, सहायक माय्क्ड वाक्नत (दिर्शिक्ष)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 जनवरी 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5604—अतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल

नायकर निधिन्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निधिन्यम' कहा गया है), की धारा 269-च के निधान सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर संपत्ति जिसका उन्नित्त बाजार मृत्य 25,000/-रा. से निधक है

भौर जिसकी सं० मकान एवं प्लाट है तथा जो भगत सिंह वार्ड, सागर में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सागर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के निए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक इप से किथत नहीं किया गवा है है—

- (क) अन्तरण हे हुए किसी बाब की बाबतः, उक्त बिधिनयम के बधीन कर देने के अन्तरक के वाबित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा की बिए; बीड़/या
- (क) एसी किसी बाब या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्रियाने में मृविधा के सिए;

जतः अब, उक्त बीधीनयम की धारा 269-म के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीक, निकालिकित व्यक्तियों, अभिति ह—- (1) श्री महादेव प्रसाद पिता श्री हर प्रसाद , निवासी भगवान गंज वार्ड सागर।

(अन्तरक)

(1) 1. शरद कुमार (नाबालिंग)
2. सोमनाथ (नाबालिंग),
द्वारा संरक्षक:
श्री गोविन्द प्रसाद पिता
श्री बद्री प्रसाद सोनी,
निवासी इतवारी टौरी,
जिला एवं तहसील सागर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी कड़के पूर्वोक्द संपृत्ति की वर्जन को तिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप 🖫---

- (क) इस सूचना के ट्राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वकीकर्ष्यः इसमें प्रयुक्त संख्यों बीड पदाँ का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान एवं प्लाट, भगत सिंह वार्ड, तहसील व जिला सागर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37—जी में निहित है।

> वी० कु० बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 10-1-1985

मोहर 🖁

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 जनवरी 1985

निदेश सं० आई० ए० सी० /अर्जन/भोपाल/5605—अतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल

अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० भूमि सर्वे नं० 4055/2, 4056, 4057, 4058, 2, 4059 है तथा जो माधव क्लव के पास, माधव नगर, उज्जैन में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उज्जैन में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के देश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

कतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- . (1) 1. श्री जीवन प्रकाश
 - श्री सन्तोष कुमार, पिता श्री जाधव राव जी,
 - श्रीमती केशबाई विधवा
 श्री जाधव राव जी व्यास,
 निवासी तिग्जपुर,
 जिला शाजापुर,
 हाल मुकाम माधव नगर, उज्जैन।

(अन्तरक)

(2) मै॰ सिन्थेटिक्स लिमिटेड, रिजस्टेड आफिस: नवलक्खी मक्सी रोड, उज्जैन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त कि भिनियम 'के अध्याय 20-क में पी।भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वन्स्ची

भूमि सर्वे नें० 4055/2, 4056, 4057, 4058/2, 4059 है जो माधव क्लब के पास, माधव नगर, उज्जैन में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म नें० 37—जी में निहित है तथा अन्तरिती द्वारा सत्यापित किया है।

वी० कु० बरनदाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 5-1-1985

मोहर 🗓

प्ररूप बाईं. टी. एन. एस. = = - ====

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सहकार

.कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 16 जनवरी 1985

निदेश र्सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5606—अतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० भूमि खसरा नं० 115,1,2 है तथा जो ग्राम बरखेड़ा, पठानी, जिला भोपाल में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत-, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृतिभा के सिए; और/मा
- ्ष) गुर्गे किसी अय या किसी धन गा अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाचे के स्वैविधा छे लिए;

अतः अब , उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, क्रिक्ति हु— (1) श्री हेमराज आत्मज श्री यारसा, निवासी बरखेड़ा पठानी, तहसील हजूर, जिला भोपाल।

(अन्तरक)

(2) सिद्धार्थ गृह सहकारी संस्था, मर्यादित भीपाल अध्यक्ष, श्री सन्तोष कुमार जैन पुत्न श्री चन्त्रभान , निवासी स्रोल्ड वार्ड नं० 4, बैरागढ़ भोपाल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिई कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप ह-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निषित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण ——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह¹, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्स् स्रे

भूमि खसरा नं० $110_{l}1_{l}2$ ग्राम बरखेड़ा पठानी, तहसील हजूर, जिला भोपाल में स्थित है । यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण सम्पूर्ण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37—जी में निहित है ।

वी० कु० बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 16-1-1985

मोहर 🖁

प्ररूप बाई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायकत (निरक्षिण)

अर्जन रेज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 जनवरी 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37 ईई/5-8 4/316--यत:, मुझे, जी० एस० गोयल,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 211-बी, है, तथा जो 15-ए/20 करोल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है,), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अजन रेंज-3, नई दिल्ली में आयक्र अधिन्यम, 1961 के अधीन, तारीख मई 1984

को पूर्वो क्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रोकर्ता के कार्यालय शिवाजीनगर में धारा 269-ए. बी. के अंतर्गत सक्षम अधिकारी के सम्मुख के पासे रिजस्ट्रोकृत किया गया है अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वो क्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है हु—े

- (क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और्/या
- (ग) ऐसी किसी आय टाकिसी धन या अन्य आस्त्यों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः। अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- म॰ राजेन्द्रा जैन टावर प्रा॰ लि॰, एम॰-52 ए, कनॉट प्लेस, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

 श्री विनोद मलहोता और महेश मलहोता, निवासी-30/38, ओल्ड राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप हु-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रीधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁴, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

जनस प्र

आर०पी०बी० 211-बी, अपर ग्राउ न्ड फ्लोर, 15ए/20 डब्ल्यू० ई० ए०, अजमल खां रोड, करोल बाग, नई दिल्ली, तादादी 27 वर्ग फीट।

जी एस गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 5-1-1985

मोहर 🗓

SUPREME COURT OF INDIA

New Delhi the 16th January 1985

No. F.2/85-SCA(I).—The Hon'ble the Chief Justice of India has confirmed Shri S. Ramachandran, Officiating Editor, Supreme Court Reports, and appointed him substantively to the post of Editor, Supreme Court Reports, with effect from the forenoon of January 15, 1985.

R. SUBBA RAO Registrar

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

CONTRACTOR CONTRACTOR OF THE PROPERTY OF THE P

New Delhi-110 011, the 8th January 1985

M. P. JAIN
Under Secy. (Admn.)
Union Public Service Commission

CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 11th January 1985

No. N8 PRS 019.—On completion of his tenure in this Commission the services of Shri O. P. Sharma, an officer of the Indian Revenue Service (IT: 1960). Director, Central Vigilance Commission are placed at the disposal of the Central Board of Direct Taxes, Deptt. of Revenue, Ministry of Finance w.e.f. the afternoon of 11th January 1985.

K. L. MALHOTRA Under Secy. (Admn.) for Central Vigilance Commissioner

MINISTRY OF HOME AFFAIRS DEPARTMENT OF PERSONNEL & A.R. CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 15th January 1985

No. E-16013(1)/1/85-Pers.—On appointment on tenure Investigation Team set up by Ministry of Home Affairs, Shri R. P. Kapoor has taken over as Superintendent of Police/CIU(I)/CBI New Delhi with effect from the forenoon of 1st January 1985.

R. S. NAGPAL Administrative Officer (E) CBI

DIRECTORATE GENERAL

CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 15th January 1985

No. E-16013(1)/1/85-Pers.—On apointment on tenure deutation basis, Shri O. P. Bhutani, IPS (UP: 1952) assumed charge of the post of Inspector General (HQrs), CISF, New Delhi in the forenoon of 10th January 1985.

(Sd.) ILLEGIBLE Director General/CISF

DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi-110 003, the 18th January 1985

No. O.II-998/72-Estt.—Consequent on his retirement from service on superannuation Shri Jaswant Singh, Asstt. Comdt., 6th Bn, CRPF, relinquished the charge of the post w.e.f. 31st December 1984 (AN).

No. O.II-2001/85-Estt.—The Director General CRPF is pleased to appoint Dr. (Mrs.) Jyotirmayee Lahon as Junior Medical Officer in the CRPF on ad-hoc basis with effect from the forenoon of the 7th January 1985 for a period of three months or till recruitment to the post is made on regular basis whichever is earlier.

The 19th January 1985

No. O.II-1941/84-Estt.—The Director General, CRPF is pleased to appoint Dr. N. Laxman Rao as Junior Medical Officer in CRPF on ad-hoc basis with effect from the forence of 4th January 1985 for a period of three months or till regular incumbent joins, whichever is earlier.

No. O.II-1972/84-Estt.—The Director General, CRPF is pleased to aproint Dr. Rabindra Nath Kaman as Junior Medical Officer in CRPF on ad-hoc basis with effect from the forenoon of the 4th January 1985 for a period of three months or till a regular incumbent joins whichever is earlier.

ASHOK RAJ MAHEEPATHI Assistant Director (Estt.)

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi, the 17th January 1985

No. 10/13/83-Ad.I.—The President is pleased to appoint, by promotion, Shrimati Minati Ghosh, Research Officer (Map) in the Office of the Registrar General, India, New Delhi, to the post of Map Officer, on a regular basis, in temporary capacity, in the same Office with effect from the forenoon of the 4th January 1985, until further orders.

2. The Headquarters of Smt. Minati Ghosh shall be at New

No. 10/20/84-Ad.I.—The President is pleased to appoint, by promotion, Shri S. N. Chaturvedi, Deputy Director (Data Processing) in the Office of the Registrar General, India, New Delhi as Joint Director (Data Processing) in the same office on a purely temporary and ad-hoc basis, for a period not exceeding one year, with effect from the forenoon at the 4th January, 1985 or till the post is filled on a regular basis, whichever period is shorter.

- 2. The above-mentioned ad-hoc appointment will not bestow upon the official concerned any claim to regular promotion to the post of Joint Director (Data Processing). The services rendered by him on ad-hoc basis shall not be counted for the rurgose of seniority in the grade nor for el'gibility for promotion to any next higher grade. The above mentioned ad-hoc appointment may be reversed at any time at the discretion of the competent authority without assigning any reason therefor.
- 3. The headquarters of Shri Chaturvedi shall be at New Delhi.

V. S. VERMA Registrar General, India

MINISTRY OF LABOUR & REHABILITATION LABOUR BUREAU

Shimla-171004, the 2nd February 1985

No. 23/3/84-CPI.—The All-India Consumer Price Index Number for Industrial Workers on Base: 1960=100 decreased by seven points to reach 588 (five hundred eighty eight), for the month of December, 1984. Converted to Base: 1949=100 the index for the month of December, 1984 works out to 715 (seven hundred fifteen).

J. N. SHARMA, Joint Director Labour Bureau.

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT CENTRAL REVENUES

New Delhi-2, the 22nd January 1985

No. Admn.I/O.O. No. 315.—In accordance with the decision contained in Comptroller and Auditor General's office letter No. 7569-GE.I/37-84, dated 20-11-1984 and in partial modification of Notification No. Admn.I/O.O No. 167, dated 3-8-1984, the Director of Audit, Central Revenues New Delhi is pleased to order proforma promotion under N.B.R. of Shri K. K. Sharma, Section Officer of this office to the grade of Assistant Audit Officer (Group B-Gazetted) in the time scale of Rs. 650—30—740—35—880—EB—40—1040 with effect from 1-3-1984 F.N. until further orders.

No. Admn.I/O.O No. 316.—In accordance with the decision contained in C.A.G's office letter No. 7569-GE.I/37-84, dated 20-11-1984 the Director of Audit, Central Revenues, New Delhi is pleased to order the proforma promotion under N.B.R. of Shri A. S. Ahluwalia Section Officer of this office to the grade of Assistant Audit Officer (Group 'B'-Gazetted) in the time scale of Rs. 650—30—740—35—880—EB—40—1040 with effect from 1st March 1984 F.N. until further

> (Sd.) ILLEGIBLE Dy. Director of Audit (Admn.)

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT **DEFENCE SERVICES**

New Delhi, the 21st January 1985

No. 4958/A.Admn/130/81-84.—On attaining the age of superannuation Shr. S. Rama Rao, Substantive Audit Officer retired from service, with effect from 30th November 1984 (A.N.),

No. 4959/A. Admn./130/81-34—The Director of Audit, Defence Services, is pleased to appoint the under mentioned Section Officers (Andit)/Assistant Audit Officers to officiate as Audit Officer, until futher onlers, from the dates noted against each :-

Si. Name & Designation No.	Office in which appointed	Date from which appointed
S/Shri		
1. T. Noor Mohiu Idin, Sec-		,
tion Officer (Av Jit)	Def. Services, Vishakhapatnam.	30-12-83
2. D. S. Bisht, Section Officer (Audit)	Jt. Director of Audit Defence Services E. C. Patna.	31-1-84
3. V. Jayaraman, Asstt.		
Audit O ficer	Do.	10-12-84
4. B. L. Deb, Attt. Audit		
Officer	Do.	15-12-84
5. Devendra Single, Asstt. Audit Officer.	Dy. Director of Audit Defence Services, N. C. Jammu.	28-12-84

B. S. TYLE, Jt. Dir. of Audit Def; Services

MINISTRY OF COMMERCE OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER FALTA EXPORT PROCESSING ZONE

Calcutta-700 017, the 1st December 1984

No. FEPZ-8(14)/84/344(.).—Development Commissioner Falta Export Processing Zone hereby appoints Shri Dilip Kumar Sen, Investigator, Commerce & Industries Department, Government of West Bengal, Writers' Buildings, Calcutta to the post of Executive Assistant in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- on deputation and on an ad-hoc basis for six(6) months pending finalisation of terms and conditions with effect from 1st December 1984 (FN).

> J. SANYAL Development Commissioner

MINISTRY OF INDUSTRY DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER (SMALL SCALE INDUSTRIES)

New Delhi, the 18th January 1985

No. 12(48)/61-Admn.(G).—The President regrets to announce the death of Shri N. T. Thadani, Director (Gr. II)(GAD), Small Industries Service Institute, Srinagar, on 18th November 1984.

> C. C. ROY Dy. Director (Admn.)

New Delhi, the 19th January 1985

No. 12(457)/64-Adma.(G).—The President is pleased to appoint Shri L. Narsinga Rao, Asstt. Director (Gr. I) (Mech.) SISI, Trichur as Dy. Director (Mech.) as the same Institute on ad-hoc basis w.e.f. the forenoon of 9th July 1984 until further orders.

No. 12(645)/70-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri A. Ranga Rao, Dy. Director (Electric SISI, Allahabad as Director (Gr. II) (Elect.) at the same Institute on ad-hoc basis we.f. the forenoon of 12th November 1984 for a period of six months.

No. A-19018(766) /84-Admn.(G).—The Development Commissioner (Small Scale Industries) is pleased to appoint Sbri Surinderjit Sharma, SIPO (L/F), SISI, Agra as Asstt. Director (Gr. II) (L/F) at Central Footwear Training Centre, Madras under SISI, Madras w.e.f. the forenoon of 26-11-1984 until further orders.

> S. K. PURKAYASTHA Dy. Director (Admn.)

MINISTRY OF STEEL AND MINES DEPARTMENT OF MINES INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 18th January 1985

No. A.19011(365)/85-Estt.A.—The President, on the recommendation of the Departmental Promotion Committee is pleased to promote Shri H. R. S. Rao, Administrative Officer to the post of Senior Administrative Officer in Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the forenoon of 16th January 1985.

> (Sd.) ILLEGIBLE Asstt. Administrative Officer for Controller General Indian Bureau of Mines.

DIRECTORATE GENERAL: AII INDIA RADIO

New Delhi, the 18th January 1985

No. 4|1|84-SII.—In continuation of Directorate's Notification No. 4|1|84-SII dated 24-2-84, the Director General, AIR, is pleased to extend the appointment of Sh. A. V. Sharma 'Saroj', Sr. Hindi Translator, Andaman & Nicobar Adminstration Secretariat, Port Blair who is working on deputation as Hindi Officer, AIR on an adhoc basis in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-880-40-1000-EB-40-1200 for further period of one year with effect from 27-1-85.

MOHAN FRANCIS Deputy Director Administration for Director General

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE

PERSONNEL DIVISION

Bombay-400 085, the 19th December 1984

No. PA/73/(2)/83-R-IV/H-1321.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Dr. Yeshwant Shridhar Deshpande as Resident Medical Officer in Medical Division of the Bhabha Atomic Research Centre in a temperary capacity with effect from the forenoon of December 13, 1984 for a period of three years for a period of three years.

The 31st December 1984

No. PA|79(17)|84-R-III|104.—Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Pribhdas Varandmal Pamnani, permanent Asstt. Personnel Officer to officiate as Administrative Officer-II in the scale of pay of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 in this Research Cen're with effect from the forenoon of November 6, 1984 until further orders.

> B. C. PAL Dy. Establishment Officer

Bombay-400 085, the 19th December 1984

No. R|775|Estt.II|5727.—Shri Ram Nirmaldas Ram-chandani relinquished charge of the post of Assit. Personnel Officer on 30-11-1984 AN consequent on Superannuation.

K. VENKATAKRISHNAN, Dy. Establishment Officer

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY CONSTRUCTION & SERVICES GROUP

THE STATE OF THE S

Bombay-400 094, the 5th December 1984

No. C&SG|A|3'(797): 8015.—The Director, Construction & Services Group, Department of Atomic Energy is pleased to accept the resignation of Shri P. V. Kshirsagar, a temporary Scientific Officer Engineer Grade SB of C&S Group with effect from the afternoon of Nov. 30, 1984.

> S. K. LIMAYE Administrative Officer

NUCLEAR POWER BOARD

Bombay-5, the 31st December 1984

No. NPB/3(236)/84-Estt.I.—The Director (Engg.) Nuclear Power Board, Bombay hereby appoints Shri Syed Liaqat, Ali a permanent Scientific Assistant 'B' of this Board as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in this Board in a temporary capacity with effect from the forenoon of August 1. 1984 until further orders.

> R. V. BAJPAI, General Administrative Officer for Director (Engg.).

RAJASTHAN ATOMIC POWER STATION

Anushakti, the 17th January 1985

No. RAPS/09002/G/(62)/85/S|1817.—Consequent upon his absorption in National Thermal Power Corporation Ltd., his absorption in National Thermal Power Corporation Lia., New Delhi, the resignation tendered by Shri H. K. Bhasin, a remanent Scientific Assistant 'B' and officiating as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB', in the Rajasthan Atomic Power Station, has been accepted by the Chief Superintendent, RAPS and accordingly he has relinquished charge of his post in Scientific Officer/Engineer Grade 'SB', in this Station with effect from the forenoon of 1st July, 1982.

> A. N. KATTI, Administrative Officer (Estt.).

ATOMIC MINERALS DIVISION

Hyderabad-500 016, the 18th January 1985

No. AMD-2/2858/79-Adm.—The resignation tendered by Shri Raja Peter from the post of Scientific Officer/Grade-SB in the Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy has been accepted by the Director, Atomic Minerals Division with effect from the forenoon of 1-10-1984.

S. PADMANABHAN, Senior Administrative and Accounts Officer.

HEAVY WATER PROJECTS Bombay-400 008, the 1st January 1985

Ref. No. 05012/R4/OP/6.—Chief Executive, Heavy Water ojects, appoints Shri A. John Stephen, Upper Division Ref. No. 03012/R4/OP/8.—Chief Executive, Heavy Water Projects, appoints Shri A. John Stephen, Upper Division Clerk, Heavy Water Plant (Tuticorin) to officiate as Assistant Personnel Officer, in the same office, in a temporary capacity, on ad-hoc basis w.e.f. October 22, 1984 (FN), to December 7, 1984 (AN), vice Shri G. Padmanabhan, Assistant Personnel Officer general Levis Assistant Personnel Officer, granted leave.

> SMT. K. P. KALLYANIKUTTY. Administrative Officer.

DEPARTMENT OF SPACE VIKRAM SARABHAI SPACE CENTRE

Trivandrum-695022, the 2nd January 1985

No. VSSC/EST/F/1(17) The Director, VSSC hereby appoints on promotion the undermentioned officials in the Vikram Sarabhai Space Centre (VSSC) of the Department of Space as Scientist/Engineer 'SB' in an officiating capacity in the scale of pay of Rs. .650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- with effect from the forenoon of October 1, 1984 and until further orders:-

Sl. No.	Name			Divis	ion/Project
1,	2'			· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	3
	ri M. V. Solomon ri Thomas K. Thomas	6	• •		EFF EFF

1 2	3
3. Shri V. Janardanan Nair.	. ELS
4. Snri M. Manuvel Nadar .	. ELS
5. Shri K. G. Gopinathan .	. ISI
6. Shri K. Thomas Varghese	. ISI
7. Shri K. K. Krishna Kumar .	. RPC
8. Shri George K. Mathew .	. CMF
9. Shri N. Ramachandean Nair	. ASD
10. Shri M. V. Jose	. APEP
11. Shri W. Alphonse	. IPD
12. Shri Y Shem Samuel Dhas .	. PED
13. Smt. K. P. Thanki	. PED
14. Shri A. K. Ehaskaran	. RPP
15. Shri P. G. Gopinatha Varrier.	. QCD
16. Shri K. Sreekumaran Nair .	. QCD
17. Shri K. V. Purushothaman Nair	. GSS/TERLS
18. Shri M. L. Pashpakumari	. TERLS/IREX
19. Shri K. S. Santhi Kumar .	. Met/TERLS
20. Shri N. Sathyaseelan	. VFT/TERLS
21. Shri N. Ramachandran	. SPL
22. Smr. Sathya Bhama Karthike/an	. SPL
23. Shri Brahma Nand Gola.	. ASLV
24. Shri R. Sonaimathu .	
25. Shri S. Solomon Charra Chaudr	a . LPTF/LPP

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL CIVIL AVIATION

Administrative Officer-II(EST) For Director, VSSC

New Delhi, the 11th December 1984

No. A.32014/4/83-EA.—The Director General of Civil Aviation is pleased to continue the ad hoc appointment of the following assistant Aerodrome Officers for a period of six months, i.e. upto 25-5-85 or till the posts are filled on a regular basis, whichever is earlier:-

- 1. Shri Amarjeet Singh
- 2. Shri P. N. Bahuguna
- 3. Shri M. S. Narang 4. Shri S. P. Gautam 5. Shri Raja Ram

- 6. Shri S. K. Talukdar 7. Shri R. R. Kureel
- 8. Shri B. C. Manghare 9. Shri P. K. Mukherjee 10. Shri S. K. Sarkar
- 11. Shri P. Sengupta
- 12. Shri L. C. Aslia.

The 10th January 1985

No. A.32013/9/84-EA.—On transfer from Bombay, the Director General of Civil Aviation is pleased to post Shri C. S. Mech, Deputy Director as Regional Controller of Aerodromes, Calcutta Airport, Calcutta with immediate effect and until further orders.

No. A.32013/9/84-EA.—The Director General of Aviation is pleased to post Shri R. Krishnamurthy, Deputy Director Bombay as Regional Controller of Aerodromes, Bombay Airport, Bombay with immediate effect and until further orders.

B. BHAUMIK,

Asstt. Director of Administration, For Director General of Civil Aviation

New Delhi, the 16th January 1985

No. A.11019/1/77-ES.—The Director General of Civil Aviation is pleased to continue the ad hoc appointment of Shri G. Mani in the grade of Hindi Officer for a further period from 1-5-84 to 3-9-84.

B. BHAUMIK, Assistant Director of Administration. New Delhi, the 18th January 1985

No. A. 32013/1/84-EC(.)—In continuuation of this Department's Notification No. A. 32013/1/84-EC dated the 31s July, 1984 and 17th Oct., 84, the President is pleased to continue the ad-hoc appointment in the grade Communication Officer in respect of the following officers for a period of six n o ths w.c.f. dates shown against each or till the posts filled on regular basis whichever is earlier.

SI. No.	Name	-					Date
1. Shr	i S. Maiumdar .	•					28-12-84
2. Shr	ri A. K. Goswami						1-12-84
3. Shr	i Y. B. Bhopatkar						26-1-85
4. Shr	i M. S. Nair .						29-12-84
5. Shr	i J. S. Sandhu						6-12 84
6. Shr	ri G. Muthulingam						1-12-84
7. Shr	ri M. C. Antani		•	•			1-12-84
8. Shi	ri Ram Chandar.						17-1-85
9. Shi	ri M. L. Chopra.						4-12-84
10. Shr	i K. L. Karmarkar				•		27-3-85
11. Sh	ri S. B. Chakraborty					٠.	29-12-84
12. Sh	ri B. S. Gusain .						7-12-84
13. Shi	ri S. N. Bhagwat						1-12-84
14. Shr	ri V. V. Patankar						1-12-84
15. Shr	ri A. K. Banerjee			•			1-12-88
16. Sh	ri S. K. Das .						1-12-84
17. Sh	ri S. V. Cholkar	•		•			26-3-85
18. Sh	ri L. S. Govila .						30-12-84
19. D.	K. Chowdhury .						1-12-84
20. Sh	ri V. T. Ramamurth	у.					29-12-84
21. Sh	ri A. N. Biswas .						31-12-84
22. Sh	ri B. N. Sarkar .						22-12-84

2. The extension of ad-hoc appointment of the above mentioned officers in the grade of Communication Officer shall not bestow on them any claim for regular promotion in the grade and the service so rendered on ad-hoc basis shall not count for the purpose of seniority in the grade or for eligibility for promotion to the next higher grade.

The 18th January 1985

No. A.32014/5/84-EC(.).—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the following Communication Assistants (at present working as Assistant Communication Officer on ad hoc basis) in the grade of Assistant Communication Officer in the pay scale of Rs. 650-1200/- on regular basis with effect from the 3rd Jan. 1985 and until further orders :-

SI. Name

No.

S/Shri

1. J. H. Nair

R. P. Joshi
 Balbir Singh

4. K. S. N. Iyer 5. D. N. Haldar

6. R. Arul Pragasam 7. P. K. Das (SC)

8. G. Eranna (SC)

9. J. B. Krishnan (SC).

V. JAYACHANDRAN, Assistant Director of (Admn.).

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

Vadodara, the 1st January 1985

No. 19/1984.—Shri M. C. Bhandari, Superintendent of Central Excise and Customs, (Group-'B') Surat Din. III, has retired on attaining the age of Superannuation pension in the afternoon of 31-12-1984.

N. B. SONAVANE, Collector

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-110066, the 16th January 1985

No. A-32012/1/84-Estt. V(Vol.II)—On 'the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Group B) Chairman, Central Water Commission appoints the following officers officiating as Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Civil/Mechanical) on ad-hoc basis in the Central Water Commission, o1 a regular basis in the same grade and pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-E.B.-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the forenoon of 31st December, 1984 until further orders:—

furt	her	order	s :		
	S/SI	ıri	•		Where working
			Kataria.		
					Irrigation Dte.
					MO&P&D Unit, New Delhi
4.	Shri	K. B.	K. Jain		W. R. U-II Dte.
5.	Shri	B. V.	Rangaiah		HO&FF (South) Circle
					HO&FF (Central) Circle
7.	Shri	B. R.	Reddy .		HO&FF (South) Circle
8.	Shri	S. D.	Gupta .		Chenab Inv. Circle
9.	Shri	N. N.	. Sircar .		DVRR&FFC, Mainthon
10.	Shri	K.L.	Dhar .		P&D Circle, New Delhi. P&D Circle, New Delhi.
					T. E-I (Dte.)
					HO&FF (Central) Circle
14.	Shri	Kali	Ram Gupta		C. C. Dte.
					Inv. Circle-I
			Singh .		
			. Nair .		Inv. Circle-II
18.	Shri	R. K	. Burman	•	F. CI Dte
19.	Shri	I.D.	Singh .		GFCC, Patna. Inv. Circle-I
20.	SITT	1. D.	VCIIII .	•	Inv. Circle-I
					HO&FF (South) Circle
			. Ghosh .		DVRR&FFC, Maithon
23.	. Shr	i S. K	. Chakladar	•	Foundation Engg. Dte.
			. S. Hooda		P. C. P. Dte.
			lurli Dharan		HO&FFC, Ngapur
26.	Shri	S. S.	Singh .		F. C.I Dte.
			a Prakash		P&D-I Dte.
28.	Shr	i I. N.	Aggarwal		E. R. D. D-II Dte.
29.	Shr	i Virer	ndra Pal .		WR&FFC, New Delhi.
30.	. Shr	i S. C.	Gupta-II		Inv. Circle-I
			nder Singh		Gates Design-II Dte.
32	. Shi	i J. R	. Dewan .		P&D (Pancheshwar), N. Delhi WR&FFC, Gauhati P&P-II Dte.
33	Shr	i Bisw	apathi Basu		WR&FFC, Gauhati
			. Majumdar		P&P-II Dte.
35	. Shr	i B . C	. Dutta .		P&P-II Dte.
			C. Roy .		WR&FFC, New Delhi.
37	. Shr	i S. Ŕ	. Sarkar .		HCD-II Dte.
38	. Shr	i Jyoti	irmoy De .		ERDD-II Dte.
39	. Shr	i D. P	'. Nag .		F. C. (Monitoring) Dte.
40	. Shr	i S. K	. Mukherjee		ERDD-I Dte.

. CMDD-II Dte.

41. Shri Brjagopal Sinha

S/Shr1		Where working
42. Shrı Phulendu Roy		HCD-I Dte.
43. Shri B. K. Sinha .		T. E,I Dte.
44. Shri Syama Prassad Bas	u	N. W. P. Dte.
45. Shri A. R. Sarkar .		S. R. C., Patna
46. Shri R. N. Dakshi .		RD (JRC) Inv. Circle.
47. Shri R. N. Chanda.		GFCC, Patna.
48. Shri Dılip Kumar Das		C. C. Dte.
49. Shri D. C. Mandal.		WR&FFC, Gauhati.

- 2. The above mentioned officers will be on probation in the grade of EAD/AE in the Central Water Commission for a period of two years from the aforesaid date.
- 3. The promotion of the above mentioned officers is subject to the result of the Civil Rule No. 10823(W) of 1980 pending in the Hon'ble High Court of Calcutta.
- 4. The officers who want to get their pay refixed on the basis of the provisions of FR-22 on the dates of accrual of next increment in the scale of pay of the lower post should exercise option for such refixation within one month from the date of regular promotion as required in the Ministry of Home Aflairs (Department of Personnel & Administrative Reforms) O. M. No. 7/1/80-Estt. P.I., dated 26-9-1981 read with their O. M. No. F.13/26/82-Estt. P.I., dated 8-2-1983.

The 18th January 1985

No. A-19012/1064/84-Estt.V.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri S. N. Jha, Supervisor to officiate in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Engg.) on a purely temporary and ad hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 for a period of one year on till the post is filled on regular basis, whichever is earlier with effect from the forenoon of 29-5-1984.

MEENAKSHI ARORA, Under Secy. Central Water Commission.

MINISTRY OF INDUSTRY AND COMPANY AFFAIRS DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of Companies Act, 1956 and Pragati Minerals Private Limited

Patna, the 16th January 1985

No. (679) 560/5268.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) 4/5 section 560 of the Companies Act, 1956 the name of the Pragati Minerals Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and

Matchless General Finance Private Limited

Patna, the 16th January 1985

No. (1228)560/5271.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 the name of the Matchless General Finance Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and Dharmaband Coal Agencies Private Limited

Patna, the 17th January 1985

No. 719/560/5289.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956

the name of the Dharmaband Coal Agencies Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and Monorka Credit and Investment Company Private Limited

Patna, the 17th January 1985

No. (1066)560/5292.—The Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 the name of the Monorka Credit and Investment Company Private Limited has this day been struck off and the and company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and Morning Star Finance Private Limited

Patna, the 17th January 1985

No (1055)560|5295.—The Notice is hereby given pursuant to Sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 the name of the Morning Star Finance

Private Limited, has this day been struck off and the said company is dissolved.

A. W. ANASARI Registrar of Companies Bihar, Patna.

In the matter of Companies Act, 1956 and of Dum-Dum Finance Private Limited

Kanpur, the 19th January 1985

No. 469/3140-L.C.—The Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date here of the name of the Dum-Dum Finance Private Limited unless cause is known to the contrary, will be struck off the Registrar and the said company will be dissolved.

V. P. KAPOOR Registrar of Companies, U.P. Kanpur

(1) M/s. Rajender Jaina Tower Pvt., Ltd., N-52-A, Connaught Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Vinod Malhotra & Mahesh Malhotra, 30/38, Old Rajender Nagar, New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL BHAWAN
NEAR BROADWAY HOTEL
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 5th January 1985

Ref. No. IAC/Acq-III/37EE/5-84/316.—Whereas, I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000|- and bearing

No. Flat RPB-211-B, situated at 15-A/20 W.E.A. Ajmal Khan Road, Karol Bagh, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Registering Officer

on May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than Afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby in tiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow ing persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period ot 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

RPB-211-B Upper Ground, 15A/20, W.E.A. Ajmal Khan Road, Karol Bagh, New Delhi. Measuring 27 sq. ft.

> G. S. GOPALA' Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Delhi/New Delhi

Date: 5-1-1985 Scal : ,

(1) M/s. Rajender Jaina Tower Pvt., Ltd., N-52-A, Connaught Place, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri G. K. Saraf, 24/157, Shakti Nagar, Delhi-110007.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL BHAWAN
NEAR BROADWAY HOTEL
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

New Delhi, the 5th January 1985

Ref. No. IAC/Acq.-III/37EE/5-84/317.—Whereas, I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. RPB-I (Basement) situated at 15-A/20, W.E.A.

Ajmal Khan Road, Karol Bagh, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the office of the IAC. ACQ. III,

on May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

THE SCHEDULE

RPB-I Basement 15-A/20, W.E.A. Afmal Khan Road. Karol Bagh, New Delhi. Measuring 93 sq. ft.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-taz Act, 1957 (27 of 1957);

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 5-1-1985

Seal:

FORM IINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Rajender Jaina Tower Pvt., Ltd., N-51-A, Connaught Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) Dr. Raj Kumar Sachdeva, 35/23; East Patel Nagar, New Delhi:

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX;

> ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL BHAWAN NEAR BROADWAY HOTEL 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 5th January 1985

Ref. No. IAC/Acq.-III/37EE/5-84/318.—Whereas, I, G: 97-GOPAEA;

being the Competent Afthority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 19 Basement, situated at W.E.A.

Ajmal Khan Road, Karol Bagh, New Delhi, has obeen transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the IAC: ACQ. III, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the office of the Registering Officer at New Delhi

on May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : for an apparent consideration which is less than the fair

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the saul immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Cazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

R.P.B. 19 (Basement WEA, Ajmal Khan Road, Karol Bagh, New Delhi. Measuring 68 sq. ft

(b) facilitating the concealment of any income or any mensys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-72-446GI/84

Date: 5-1-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL BHAWAN
NEAR BROADWAY HOTEL
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 5th January 1985

Ref. No. IAC/Acq.-III/37EE/5-84/347.—Whereas, I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No.

Flat No. G-19, situated at Ground Floor Paschim Vihar, Shopring Centre, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the office of the Registering Officer at New Delhi

on May 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believ: that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating hte reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Jaina Properties Pvt. Ltd. Opp. Super Bezar, Connaught Place, New Delhi. (Transferor)
- (2) Sh. Satya Pal Nanda & Miss Kamla Nanda, A-45, Phase II Ashok Vihar, Delhi. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. G-19, (Ground Floor) Paschim Vihar Shopping Complex, New Delhi.
Measuring 90 sq. ft,

> G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III
> Delhi/New Delhi

Date : 5-1-1985 Seal :

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (1) M/s. Jaina Properties Pvt. Ltd., 504, Rohit House, 3 Tolstoy Marg, New Delhi. (Transferor)

(2) Smt. Satinder Kaur, 215/Sec. 11-A, Chandigarh.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL BHAWAN
NEAR BROADWAY HOTEL
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 5th January 1985

Ref. No. IAC/Acq.-III/37EE/5-84/343.—Whereas, I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 324, situated at Plot No. 3 Jaina Tower Janakpuri

New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the IAC. ACQ. III,

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

on May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person intersted in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 324 on third Floor, Plot No. 3 Jaina Towers Janakpuri, New Delhi.

Measuring 480 sq. ft.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following porsons, namely:—

Date: 5-1-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Rajender Jaina Tower Pvt., Ltd. N-52-A, Connaught Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Sanjeev Kumar Saraf, 24/157, Shakti Nagar, Delhi-7.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL BHAWAN NEAR BROADWAY HOTEL 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

> > New Delhi, the 5th January 1985

Ref. No. IAC/Acq.-III/37EE/5-84/314.—Whereas, I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceding Rs. 25,000/and bearing

ing persons, namely:-

5004

No. 220, situated at W.E.A., Ajmal Khan Road, Karol Bagh, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the IAC. III, at New Delhi on May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in ree pect of any income arising from the transfer; and/
- (b) facilitating the concealment of any income any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. R.P.B. 220 W.E.A. Ajmal Khan Road, Karol Bagh, New Delhi. Measuring 55 sq. ft.

> G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following paragraphs.

Date: 5-1-1985

Soal 😯

(1) M/s. Rajender Jaina Tower Pvt., Ltd., N-52-A, Connaught Circus, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMEACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri P. P. Gupta, 1283, Lambi Gali P. Mukherjee Marg, Delhi-6.

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL BHAWAN NEAR BROADWAY HOTEL 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 5th January 1985

Ref. No. IAC/Acq.-III/37EE/5-84/319.--Whereas, I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act)' have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

RPB. 169-A, situated at 15-A/20, W.E.A,

Ajmal -Khan Road, Karol Bagh, New Delhi,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the

has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the IAC. ACQ. III,

on May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act its respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons wh.chever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. R.P.B. 109-A, 15-A/20, W.E.A. Ajmal Khan Road, Karol Bagh, New Delhi.

> G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Delhi/New Delhi

Date: 5-1-1985

Seal:

(1) M/s. Rajender Jaina Tower Pvt., Ltd., N-52-A, Connaught Place, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Sh. Amar Nath Bajaj, 10815 Jhandewalan Road, Paharganj, New Delhi. (Transferee

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL BHAWAN
NEAR BROADWAY HOTEL
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 5th January 1985

Ref. No. IAC₁Acq -III₁37EE₁5-84[320.—Whereas, I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. RPB-214, situated at 15-A/20 W.E.A., Ajmal Khan Road, Karol Bagh, New Delhi,

transfer with the object of :-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the IAC. ACQ. III,

on May 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Property No. R.P.B. 214 at 15-A/20 W.E.A. Ajmai Khan Road, Karol Bagh, New Delhi. Measuring 28 sq. ft.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 5-1-1985

Scal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL BHAWAN
NEAR BROADWAY HOTEL
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 5th January 1985

Ref. No. IAC/Acq.-III/37EE/5-84/321.--Whereas, I, G. S. GOPALA. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. RPB 134 (Basement) situated at 15-A/20 W.E.A.,

Ajmal: Khan Road, Karol Bagh, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the IAC. ACQ. III,

on May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more Afteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the errties has not been truly stated in the said instrument of wansfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Rajender Jaina Tower Pvt., Ltd. N-52-A, Connaught Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Amrit Pal Singh, 2/67, Ramesh Nagar, Delhi-15.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, wi hin 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The trems and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property R.P.B. 134 (Basement) 15-A/20, W.E.A. Ajmal Khan Road, Karol Bagh, New Delhi. Measuring 68 sq. ft.

> G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III
> Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :-

Date: 5-1-1985 Scal:

and the state of t

 Rajender Jaina Tower Pvt. Ltd., N-52-A, Connaught Place, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Anil Vohra, 37-D, Kamla Nagar, Delhi-7.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III .
AGGARWAL BHAWAN
NEAR BROADWAY HOTEL
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 5th January 1985

Ref. No. IAC/Acq.-III/37EE/5-84/322.—Whereas, I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. RBP-26 (Basement) situated at 15-A/20, W.E.A. Ajmal Khan Road, Karol Bagh, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the IAC. ACQ. III,

on May 1984,

persons, namely :--

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-

Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following

may be made in writing to the undersigned:--

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. RBP-26 (Basement) 15-A/20 W.E.A., Ajmal Khan Road, Karol Bagh, New Delhi.

Measuring 68 sq. ft.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Date: 5-1-1985

Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL BHAWAN NEAR BROADWAY HOTEL 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

> > New Delhi. the 5th January 1985

Ref. No. IAC/Acq.-III/37EE/5-84/323.--Whereas, I.

G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-

and bearing No. RPB-103 (Ground Floor) situated at 15-A/20 W.E.A., Ajmal Khan Road, Karol Bagh, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the IAC. ACQ. III,

on May 1984. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that

the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been trully stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not oeen or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) o rthe said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-73-446GI/84

(1) Rajender Jaina Tower Pvt. Ltd., N-52-A, Connaught Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) 1. Sh. Shiv Shanker Gupta,

Smt. Sheela Devi,
 Smt. Deepmala Mittal &
 Miss Renu Gupta, Lambi Gali S.P. Mukherjee Marg, Delhi-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition o the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this poitce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said unmovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. RPB 103 (Ground Floor) 15-A/20 W.E.A. Ajmal Khan Road, Karol Bagh, New Delhi. Measuring 100 sq. ft.

G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Delhi/New Delhi

Date: 5-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL BHAWAN
NEAR BROADWAY HOTEL
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 5th January 1985

Ref. No. IAC/Acq.-III/37EE/5-84/285.—Whereas, I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Space No. 3 situated at Samrat Bhawan, Plot A-7/8/9 Ranjit Nagar, Community Centre New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transfered under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the IAC. ACQ. III.

on May 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) M/s. Ajay Enterprises Pvt. Ltd., Eros Cinema Building, Jangpura Extn. New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri R. S. Sobti and Mrs. Surinder Sobti, C/21-B, N.D.S.E. Part-I, New Delhi-49. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said initially able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Space No. 3 (Ground floor) Samrat Bhawan, Plot A-7/8/9 Ranjit Nagar Community Centre, New Delhi.

Measuring 585 sq. ft.

G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Delhi/New Delhi

Date : 5-1-1985:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL BHAWAN
NEAR BROADWAY HOTEL
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 5th January 1985

Ref. No. IAC/Acq.-III/37EE/5-84/326—Whereas, I, G. S. GOPALA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act is have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. A-308, situated at 5 Bhikaji Cama Place, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the IAC. ACQ. III, pn May 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of gransfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the suid Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under cubsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Master Rajiv Khurana & Miss Palka Khurana,
 28/29, Rajinder Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Veena Aggarwal, C-6 Kailash Colony, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the amse meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A-308 in 5 Bhikaji Cama Place, New Delhi. Measuring 275 sq ft.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Date : 5-1-1985

(1) M/s. Rajender Jaina Tower Pvt., Ltd. N-52-A, Connaught Place, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Nihal Chand, 51/2, New Rohtak Road, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL BHAWAN NEAR BROADWAY HOTEL 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

> > New Delhi, the 5th January 1985

Ref. No. IAC/Acq.-III/37EE/5-84/304.—Whereas, I.

G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. RPB 114, situated at W.E.A.

Ajmal Khan Road, Karol Bagh, New Delhi,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transfered under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the IAC. ACQ. III,

on May 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said insrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. R.P.B. 114 (Ground Floor) W.E.A. Ajmal Khan Road, Karol Bagh, New Delhi.

Measuring 55 sq. fts.

G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Delhi/New Delhi

Date: 5-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL BHAWAN
NEAR BROADWAY HOTEL 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 5th January 1985

Ref. No. IAC/Acq.-III/37EE/5-84/305.--Whereas, I. G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R.P.B. 23 A, situated at W.E.A.

Ajmal Khan Road, Karol Bagh, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transfered under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the IAC. ACQ. III, on May 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair attacket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than Aftern per cent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respective of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any smoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initate proceedings for the acquisition of the afterestid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

- (1) Rajender Jaina Tower Pvt. Ltd., N-52-A, Connaught Place, New Delhi.
- (Transferor) (2) Sh. Raj Kumar Sachdeva, 35/23, East Patel Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said preparts may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other season interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

R.P.B. 23-A, Basement, 15-A/20, W.E.A. Ajmal Khan Road, Karol Bagh, New Delhi. Measuring 68 sq. ft.

> G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III Delhi/New Delhi

Date: 5-1-1985

(1) Rajender Jaina Tower Pvt. Ltd., N-52-A, Connaught Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Ashok Chopra, B-62, Inderpuri, New Delhi-12.

(Transferee)

NCTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL BHAWAN
NEAR PROADWAY HOTEL
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 5th January 1985

Ref. "No 'IAC/Acq -III/37EE/5-84/306.--Whereas, I, G. S. GOPALA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

No. RPB 8 (Basement) situated at 15-A/20 W.E.A., Ajmal Khan Road, Katol Bagh, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred under the Income tax Act, 1961 in the Office of the IAC. ACQ. III, on May 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person intereste! in the said immovable property, within 45 days from the date of the miblication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the name meaning as given in that

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property No. R.P.B. 8 (Basement) 15-A/20, W.E.A. Ajmal Khan Road, Karol Bagh, New Delhi, Measuring 68 sq. ft.

G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex Acquisition Range-III Delhi/New Delhi

Now, ther fore in pursuance of Section 269C of the enid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:-

Date: 5-1-1985

(1) M/s. Rajender Jaina Tower Pvt. Ltd., N-52-A, Connaught Place, New Deihi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Usha Sharma, KP-174 Maurya Enclave, Pritampura Delhi. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL BHAWAN
NEAR BROADWAY HOTEL
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 31st December 1984

Ref. No IAC/Acq III/37EE/5-84/300 -Whereas, I.

G. S. GOPALA. G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable, property having a fair market value acceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 215B situated at 15-A/20 Karol Bagh New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been troughered under the Income tax Act, 1961 in the

has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the IAC. ACQ. III,

on May 1984, on May 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as
aforesaid, exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent, of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property No. EPB 215B, Upper Ground Floor, Rajendra Palika Bazar, 15A/20 W.E.A. Ajmal Khan Road, Karol Bagh New Delhi. Measuring 28 sq. ft.

> G, S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date": 31-12-1984

 M/s. Rajendra Jaina Towers Pvt. Ltd., N-52-A Connaught Place, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL BHAWAN
NEAR BROADWAY HOTEL
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 31st December 1984

Ref. No. IAC/Acq.-III/37EE/5-84/301.—Whereas, I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Anna Cosmigner No. 211-C situated at 15-A/20 W.E.A., Ajmal Khan Road, Karol Bagh, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the IAC. ACQ. III, on May 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- 'b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

(2) Sh. Yogesh Mahajan, D/147, New Rajinder Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a periodof 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The term and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. RPB 211-C 15A/20 W.E.A. Karol Bagh, Ajmal Khan Road, New Delhi, Measuring 28 sq. ft,

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Date: 31-12-1984

FORM TINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43°OF 1961)

GOVERNMENT OF ÍNDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL BHAWAN NEAR BROADWAY HOTEL -4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

'New Delhi, the 31st December 1984

Ref. No. IAC/Acq.-III/37EE/5-84/303.—Whereas, I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the inumovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 17 (Basement) situated at W.E.A.

Ajmal Khan Road, Karol Bagh, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the IAC. ACQ. III, on May 1984,

for an arparent consideration which is less than the for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; sed/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-sax Act, 1957 (27 of 1957);

M/s. Rajendra Jaina Towers Pvt. Ltd., N-52-A Connaught Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) S. Jaswant Singh, 6717 Dhata Kidara Behind Filmistan Cinema, Delhi-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULL

Property No. RPB-17 Basement W.E.A. Ajmal Khan Road, Karol Bagh, New Delhi. Measuring 68 sq. ft.

> G, S. GOPALA Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III
> Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 296D of the said Act, to the follow ing persons, namely:--446GI/84

Date: 31-12-1984

Seal.

 M/s. Rajendra Jaina Towers Pvt. Ltd., N-52-A Connaught Place, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL BHAWAN NEAR BROADWAY HOTEL 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 31st December 1984

Ref. No. IAC/Acq.-III/37EE/5-84/298.—Whereas, [, G, S, GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 22-B situated at Rajendia's Palika Bazar 15A/20 WEA Karol Bagh, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the IAC. ACQ. III, on May 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties he not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (n) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) scilitating the correctment of any income of any corners or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (r of Section 26°D at the said Act. to the following persons parally: —

(2) Smt. Prem Lata, B/FH-56 Shalimar Bagh, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. RPB 22-B Basement floor Palika Bazar 15A/20 W.F A. Karol Bagh, Ajmal Khan Road, New Delhi. Measuring 68 sq. ft.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Date: 31-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL BHAWAN NEAR BROADWAY HOTEL 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 31st December 1984

Ref. No. IAC/Acq.-III/37EE/5-84/295.—Whereas, I, G. S. GOPALA,

G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 7A/61 situated at W.E.A. Karol Bagh, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income tax Act. 1961 in the

has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the IAC. ACQ. III,

on May 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Sh. Prem Parkash, 188-I Desh Bandhu Gupta Road, Dev Nagar, Karol Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Jai Parkash Gupta & Shri Subhash Chander, Main Bazar, Bahadurgarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 7A/61 W.E.A. Karol Bagh, New Delhi. Measuring ground floor—2635 sq. ft. First floor—2635 sq. ft. 2nd Floor—658 sq. ft.

G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Delhi/New Delhi

Date: 31-12-1984

FORM: I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Sh. N. K. Mehra & Smt. Sushila Mehra, R/o Flat No. 20 SFS Basant Enclave, New Delhi. (Transferor)

(2) Shri Shiv Raj Bansal,
 Smt. Pushpa Bansal,
 93, Gadodia Market Khari Baoli, Delhi.
 (Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL BHAWAN
NEAR BROADWAY HOTEL
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 31st December 1984

Ref. No. IAC/Acq.-III/37EE/5-84/293.—Whereas, I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing *40.

No. C-53, situated at Anand Vihar Delhi-92,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the IAC. ACQ. III,

on May 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaeztte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same measuring as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property No. C-53 Anand Vihar; Delhi-92. Measuring 266-67 sq. yds.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.—

Date: 31-12-1984

(1) M/s. Rajendra Jaina Towers Pvt. Ltd., N-52-A Connaught Place, New Delhi.

AG-602 Shalimar Bagh, Delhi.

(2) Sh. H. C. Malhotra,

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX **ACQUISITION RANGE-III** AGGARWAL BHAWAN NEAR BROADWAY HOTEL 4/14-A. ASAE ALL ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 31st December 1984

Ref. No. IAC/Acq.-III/37EE/5-84/283.—Whereas, I. G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing

No. 7 (Basement) situated at Rajendra's Palika Bazar 15A/20 WEA Karol Bagh, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed herefo), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the IAC. ACQ. III, on May 1984

on May 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein, as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. RPB 7, Basement floor Rajendra's Palika Bazar 15A/20, W.E.A. Karol Bagh Ajmal Khan Road, New Delhi. Measuring 68 sq. ft.

> G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 31-12-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL BHAWAN
NEAR BROADWAY HOTEL
4/14-^, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

Now Delhi, the 31st December 1984

Ref. No. IAC/Acq.-III/37EE/5-84/336.—Whereas, I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 47/B signated at Than Singh Nagar Anand Parbat, New

Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the IAC. ACQ. III, on May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand for.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Bachan Singh, 15/71 Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Baljit Kaur, 17/347 Gali No. 2 Than Singh Nagar, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 47 Block B Than Singh Nagar, New Delhi Municipal No. XVII/345/1.

Measuring 100 sq. yds.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Date : 31-12-1984

Seal

(1) Shri S. C. Jain,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferor) (2) Sh. Pawan Kumar Jain, R/o D-123 Shakerpur, Shahdara Delhi. (Transferee)

66 Okhla Tank, New Delhi.

5023

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL BHAWAN NEAR BROADWAY HOTEL 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 31st December 1984

IAC/Acq.-III/37EE/5-84/342.—Whereas, I, Ref. No. G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. E-10 situated at Laxmi Nagar, Shahdara Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the IAC, ACQ, III,

on May 1934 on May 1984
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than I fteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferi and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property No. E-10 Laxmi Nagar, Shahdara Delhi. Measuring 55 sq. yds.

> G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I he cove initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date : 31-12-1984 Seal :

FORM I.T.N.S.-

(1) Sh. Mahavir Vaid, 5010 kui Mandi Sadar Bazar, Delhi.

(Transferor)

PART HI_SEC. 1

(2) Smt. Indra Wati, KD-4A, Ashok Vihar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

5024

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL BHAWAN
NEAR BROADWAY HOTEL
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 31st December 1984

Ref. No. IAC7Acq.-III/37EE/5-84/335.—Whereas, I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- ar l hearing No.

25,000/- ar J bearing No.

No. 95 situated at Kapil Vihar, Pitampura Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the IAC. ACQ. III, on May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); THE SCHEDULE

Plot No. 95 Kapıl Vihar, Pitampura Delhi. Measuring 205 sq. yds.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 31-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1361 (43 OF 1961)

(1) M/s. Rajendra Jaina Towers Pvt. Ltd., N-52-A Connaught Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri M. L. Jain, B-1/240 Janakpuri, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III

AGGARWAL BHAWAN

NEAR BROADWAY HOTEL

4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 31st December 1984

Ref. No. IAC/Acq.-III/37EF/5-84/325.—Whereas, I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 196i (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. Sy. 126 2, situated at No. 216 situated at 15A/20 Ajmal Khan Road, Karol Ragh, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the IAC. ACQ. III,

on May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given at Chapter.

THE SCHEDULE

RPB 216 at 15A/20 W.E.A. Ajmal Khan Road, Karol Bagh, New Delhi.

Measuring 55 sq. ft.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

ving

Date: 31-12-1984

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
75—446GI/84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL BHAWAN
NEAR BROADWAY HOTEL
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 8th January 1985

Ref. No. IAC/Acq.-III/37EE/5-84/365.—Whereas, I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and bearing No.

No. ND /25/25, situated at Pritampura Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the IAC. ACQ. III,

on May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and you
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Sh. Deep Chand Jain, 1556 Deepak Mahal Bharirath Palace, Chandni Chowk Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Sarla Jain, C-44, Shakti Nagar Extn. Delhi-52.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. ND/25 Pritampura, Delhi. Measuring 253 sq. mtrs.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-1-1985

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

M/s. Aar Pee Apartments Pvt. Ltd., Adinath Shree House Opp. Super Bazar, Connaught Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Zojila Singh, 885/C, Tilak Road, Begum Bridge Meerut (U.P).

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL BHAWAN NEAR BROADWAY HOTEL 4/14-A, ASAF ALI ROAD; NEW DELHI

New Delhi, the 31st December 1984

Ref. No. IAC/Acq.-III/37EE/5-84/357.—Whereas, I, ' G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Secvition 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 303, situated at Yusuf Sarai Commercial Complex, New

Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the IAC, ACQ, III, on May 19, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transferred with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice. in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immore able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein, asare defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 303 Yusuf Sarai Commercial Complex, New Delhi.

Measuring 235 sq. ft.

G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursunace of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aferesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 31-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL BHAWAN
NEAR BROADWAY HOTEL
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 31st December 1984

Ref. No. IAC/Acq.3/37EE/5-84/358.—Whereas, I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair mraket value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 207 situated at Jaina's Shopping Complex, Yusuf Sarai, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the under Section 269AB, in his office at Office of the IAC. ACQ. III,

on May 19, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-tection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. S. C. Gurta (Director), Upper Trading & Chit Fund Pvt. Ltd., B-6/16, Local Shopping Centre F.R. Safderjung Enclave, New Delhi.

(Transferor)

(2) Aar Pee Apartments Pvt. Ltd., Adinath Shree House Opp. Super Bazar, Connaught Place, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this ntice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used here as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 207 Jaina Shopping Complex, Yusuf Sarai, New Delhi.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Date: 31-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL BHAWAN NEAR BROADWAY HOTEL 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 31st December 1984

Ref. No. IAC/Acq.-3/37EE/5-84/359.—Whereas, I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 323, situated at Jaina's Tower Building in Plot No. 3,

No. 325, studied at Janua's Towel Billium in Flot No. 3, Distt. Centre Janakpuri, New Delhi, (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the IAC. ACQ. III, on May 19, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Mrs. Kulbir Kaur Lehra, Village Chaurwa'a O.P. Rurki, Jeh. Sithind, Distt. Patiala.

(Transferor)

(2) M/s. Jaina Properties Pvt. Ltd., Adinath Shree House Opp. Super Bazar, Connaught Circus, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

Explanation: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 323 Jaina Tower Building, Plot No. 3 Distt. Centre Janakpuri, New Delhi.

Measuring.

G. S. GOPALA Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III Delhi/New Delhi

Date: 31-12-1984 Seal:

(1) Mrs. Sheila Kapoor, Madhuban Karnal, Haryana.

(Transferor)

(2) M/s. Aar Pee Apartments Pvt. Ltd., Adinath Shree House Opp. Super Bazar, Connaught Place, New Delhi.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL BHAWAN NEAR BROADWAY HOTEL 4/14-A, ASAF ALI ROAD **NEW DELHI**

New Delhi, the 31st December 1984

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

No. IAC/Acq.3/37EE/5-84/360.—Whereas, I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000] and bearing No.
Property No. 303 and 304 situated at Jaina's Shopping Com-

plex, Yusuf Sarai, New Delhi.

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the office of the IAC. ACQ III, on May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market alue of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partice has not been truely stated in the said instrument of transfer with the object of :- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pus-lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property No. 303 & 304 Third floor in Jaina's Shopping Complex, Yusuf Sarai, New Delhi.

Measuring 600 sq. ft.

G. S. GAPALA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, as the following persons, namely :-

Date: 31-12-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IJI AGGARWAL BHAWAN NEAR BROADWAY HOTEL 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 31st December 1984

Ref. No. IAC/Acq.3/37EE/5-84/352.—Whereas, I.G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reasn to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

No. B-10 situated at Jaina's Commercial Complex, Yusuf Sarai, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961, in the Office of the IAC. ACQ. III on May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eight to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s Aar Pee Apartments Pyt. Ltd., Adinath Shree House, Opp. Super Bazar, Connaught Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Devi Dass Khanna, and Smt. Laxmi Devi Khanna, 1080 Gandhi Gali, Fateh Puri, Delhi-110006.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable preperty within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. B-10 Jaina's Commercial Complex, Yusuf Sarai, New Delhi.

Measuring 72 sq. ft.

G. S. GAPALA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
New Delhi

Date: 31-12-1984.

FORM NO. LT.N.S.———

(1) M/s Aar Pee Apartments Pvt. Ltd., Adinath Shree House, Opp. Super Bazar, Connaught Place, New Delhi.

(Transferor)

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Ved Kumari Sethi and Smt. Raksha Sethi, 1/0 X-26, Naveen Shahdara, Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RAINGE-III AG ARNA' BHAWAN NEAR BROADWAY HOTEL 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 31st December 1984

IAC/Acq.3/37EE/5-84/353.—WLerens, I, No. G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (+5 c) 1961) engineering referred to as the 'said Act'), have leason to believe that the immovable proper y, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]and bearing No.

B-15, situa New Delhi, situated at Yusuf Strai, Commercial Complex,

(and norefully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961, in the Office of the IAC. ACQ III on May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wear L-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immore able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. B-15 Jaina's Commercial Complex, Yusuf Sarai, New Delhi. Measuring 72 sq. ft.

> G. S. GAPALA Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III New Delhi

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the requisition of the aforese d property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: --

Date: 31-12-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL BHAWAN NEAR BROADWAY HOTEL 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 31st December 1984

Ref. No. IAC/Acq.3/37EE/5-84/361.—Whereas, I, G, S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believ that the immovable property having a fair market value exceding Rs 25,000/- and bearing

No. UG-11 situated at 4 Bhikaji Cama Place, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961, in the Office of the IAC. ACQ. III on May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the ing persons, namely:—
76—446GI/84

 M/s. Varistha Udyog Ltd., 13th Floor Atma Ram House, Connaught Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) Miss Kuldeep Kaur and Mrs. Susheel Kaur, C-14, Anand Niketan, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. UG-11 on 4 Shikajı Cama Place, New Delhi Measuring 300 sq. ft.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
New Delhi

Date: 31-12-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Sh. Sanjeev Verma, Suma Nair and Mrs. Vijaya Bhanot, S-135, Panchsheel Park, New Delhi.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL BHAWAN NEAR BROADWAY HOTEL 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 31st December 1984

IAC/Acq.3/37EE/5-84/362.—Whereas, I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 313 situated at 6 Bhikaji Cama Place, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Income-tax Act, 1961, in the Office of the IAC. ACQ. III

on May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, (357 (27 of 1957);

(2) Master Dheerai Uttam through his father Sh. Omi Uttam, B-2/3, Safderjung Enalve, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 313 at No. 6 Bhikaji Cama Place, New Delhi. Measuring 500 sq. ft.

> G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the of resaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 31-12-1984.

(1) Mr. J. U. Mansukhani, I-1/6, Malviya Nagar, New Delhi-110017.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> I.A.C. ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL BHAWAN NEAR BROADWAY HOTFL 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 31st December 1984

Ref. No. IAC/Acq3/37EE/5-84/363.—Whereas, I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

No. A-214, situated at 3 Bhikaji Cama Place, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed Letero), has been transferred under the Income-tax Act, 1961, in the Office of the IAC. ACQ. III

on May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice and subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) M/s. Reliance Engineering Works, 63, Jai Hındi Market, Chambur, Bombay-400 074,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on theh respective respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immiovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flate No. A-214, at 3 Bhikaji Cama Place, New Delhi. Measuring 291 sq. ft.

G. S. GAPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
New Delhi

Date: 31-12-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

I.A.C. ACQUISITION RANGE-III,
AGCA MAT BHAWAN
NEAR BROADWAY HOTEL
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 31st December 1984

Ref. No. IAC/Δεφ. 3/37ΕΕ/5-84/364.—Whereas I. G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. VG-47 situated at 9, Cama Place, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961, in the Office of the IAC. ACQ. III on May 1984

for an apparent consideration which is less than the fait market value of the aloresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Mr. Prithipal Singh, C-562, Defence Colony, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Surender Pal Singh and Smt. Uma Singh, 885-C, Tilak Road, Meerut (U.P.).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. VG-47, 9, Cama Place, New Delhi. Measuring 245 sq. ft.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-III
New Delhi

Date: 31-12-1984.

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
I.A.C. ACQUISITION RANGE-III,
AGGARWAL BHAWAN
NEAR BROADWAY HOTEL
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 31st December 1984

Ref. No. IAC/Acq.3/37EE/5-84/355.—Whereas, I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]-and bearing

No. G-1-A stuated at Yusuf Sarai Commercial Complex, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Income-tax Act, 1961, in the Office of the

IAC. ACQ.-III on May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Aar Pee Apaitmenst Pvt. Ltd. Admath Shree House,
 C_i p. Super Bazar, Connaught Place, New Deihi.

(Transferor)

(2) Sh Ganga Saran & Sh. Hari Saran, C/o M/s. Jugal Kishore Mamak Chand, 840/1, Ward No 6, Jain Bazar, Mehrauli, New Deihi.

(Transferce)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, who have a period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No G-1-A, Yusuf Sarai Commercial Complex, New Delhi.

Measuring 100 sq. ft.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Aggarwal Bhawan.

Date: 31-12-1984.

FORM I.T.N.S.——

 M/s. Aar Pee Apartments Pvt. Ltd. Adinath Shree House, Opp. Super Bazar, Connaught Place, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sh. Ashok Chhabra, E-12, Greater Kailash Enclave II, New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL BHAWAN
NEAR BROADWAY HOTEL
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 31st December 1984

Ref. No. IAC/Acq.3/37EE/5-84/356.—Whereas, I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. B-27-A situated at Yusuf Sarai Commercial Complex, New Delhi (and more fully described in the Schedule anaexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961, in the Office of the IAC. ACQ. III on May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the preperty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transfere(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE.

Property No. B-27-A, Yusuf Sarai Commercial Complex, New Delhi.

Measuring 85 sq. ft.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

G. S Compete Inspecting Assistant Commissioner of Acquisition Range-JII, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269°D of the said Act, to the following aforesaid property by the issue of this notice under subpersons, namely:—

Date: 31-12-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

 M/s. Kanshalya Educational Trust 11/4-B, Pusa Road, New Delhi.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Sudarshan Kanta Jain 59, Banarasi Dass Estate, Timarpur, Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III,
AGGARWAL BHAWAN
NEAR BROADWAY HOTEL
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 31st December 1984

Ref. No. IAC/Acq.3/37EE/5-84/331.—Whereas, I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the

25,000/- and bearing

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. No Flat No 51 situated at No. 5 Kanshalya Park Hauz Khas, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961, in the 1908) in the Office of the IAC. ACQ.-III on May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person set of in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter:—

THE SCHEDULE

Flat No. 51 (F.F.) Ist Floor No. 5 Kanshalya Park Haus Khas, New Delhi. Measuring 400 sq. ft.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
New Delhi

Date: 31-12-1984.

Seal ·

dermon appears the second appearance of the se **FORM ITNS-**

(1) Erst. Parmeshwari Devi & Sh. B S. Kasturia, A 9, Ki shi Vihar, New Delhi.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER TECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Kanta Gard, 1478. Dewan Hall Road,

Delhi-6.

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be male in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUIS'TIO FANG_-III AG' APIVAT BIT' WAN'
NEAR BROADWAY HOT' 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELYJ

New Delhi, the 31st December 1984

Ref. No. IAC/Acq.3/37EE/5-81/340.--Whereas, I. G. S. GOPALA,

bein; the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) theremeter referred to as the 'said Act'), have reason to haling that the immovable property having a fair marke, value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 190 si ua'cd at Bank Enr'ave PHB. Sail Colony, Delhi (and more fully described in the Schedule annex d here 6), has been transferred under the Income tex Act 1961, in the Office of the

IAC. ACQ.-III on M : 1981

for an apparent on side above it is a second to the formarket value of the aforesaid parperty and I have reason to believe that the four market value it is in a storesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent a misteration and that the consideration for such transfer is agreed to be ween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

> facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not seen of which ought to be disclosed by the transfered for the purposes of the Indian Income-uax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Art, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

How, vherefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

P 6, v y No 190 Bank Enclave, P.N.B. Staff Colony, Delhi. It suring 160 sq. yds.

> G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, New Delhi

Date: 31-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IJI
AGGARWAL BHAWAN
NEAR BROADWAY HOTEL
4/14-A, ASAF ALI ROAD
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 5th January 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/5-84/313.—Whereas, I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (her sinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. RPB-16 situated at W.E.A. Ajmal Khan Road, Karol Bagh. New Lelhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961, in the Office of the registering Officer at IAC. ACQ.-III on May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; undlor
- (b) facilitating the concealment of any income or sny moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

77-446GI/84

(1) M/s. Rajender Jaina Tower Pvt. Ltd. N-52-A, Connaught Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mis. Rekha Mathur & Mrs. Usha Malhotra, Mahajan Niwas 9950 Sarai Rohilla, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period express later. ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 lays from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined n Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. RPB 16 (Basement) W.E.A. Ajmal Khan Road, Karol Bagh, New Delhi. Measuring 68 sq. ft.

> G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range-III Delhi/New Delhi

Date: 31-12-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Rajender Jaina Tower Pvt. Ltd. N-52/A, 1 onnaught Place, New Delhi.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Ramesh Chand Sukhija, Cottage No. 9 West Patel Nagar, New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

New Delhi, the 5th January 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/5 84/312.—Whereas, I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1761 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and beafing No.
R. P. B. 215-A situated at 15-A / Aimal Khan Road,

New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the income-tax. Act, 1961, in the office of the Registering Cliffer at

IAC./ACQ. III on May, 1984 for an apparent consideration which is less than the far market value of the actressid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

THE SCHEDULE

Property No. R.P.B. 215A, 15-A/20 Ajmal Khan Road, New Delhi. Measuring 28 sq. ft.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Runge-III Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons i melt

Date: 5-1-1985

 M/s. Rajender Jaina Towei Pvt. Ltd. N-52/A, Connaught Place, New Delhi.

NOTICE QUNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

.. (2) Mrs. Kumud Jain, 130 Gali No. 15, Joshi Road, Karol Bagh, New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

I.A.C. ACQUISITION RANGE-III,
AGGARWAL BHAWAN,
NEAR BROADWAY HOTEL,
4/14-A, ASAF ALI ROAD,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE
NEW DELHI

New Delhi, the 5th January 1985

Ref. No. JAC/Acq.III/37EE/5-84/311.—Whereas, I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. R.P.B. 223-A situated at W.L.A. Karol Bagh, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961, in the office of the Registering Officer at IAC!/ACQ. III on May, 1984

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. RPB-223-A, W.E.A. Karol Bagh, New Delhi. Measuring 28 sq. ft.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tex
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (!) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 5-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Aar Pee Apartments Pvt. Ltd. Adinath Shree House Opp. Super Bazar, Connaught Place. New Delhi.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL BHAWAN,

NEAR BROADWAY HOTEL, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 31th December 1984

Ref. No. IAC/AcqIII/37EE/5-84/354.---Whereas, I. SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 f- and bearing

G. S. GOPALA,

No. B-26 satuated at Jaina's Yusuf Sarai Commercial Complex New Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Income-tax Act, 1961, in the office of the Regi tering Officer at IAC./ACQ. III on May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(2) Mrs. Geeta Gupta, J-78, Saket, New Delhi, New Delhi-110017.

(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. B-26 Jaina's Yusuf Sarai (Green Park) Commercial Complex, New Delhi. Measuring 50 ss. ft.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the faid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range-III Delhi/New Delhi

Date: 31-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

I.A.C. ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL BHAWAN, NEAR BROADWAY HOTEL,

4/14-A, ASAF ALI ROAD, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 4th December 1985

Ref. No. IAC/Acq.3/37EE/5-84/334.—Whereas, I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 |- and bearing No.

F-18 situated at Preet Vihar, Preet Nagar Coop. House

Building Society, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961, in the office of the Registering Officer at

IAC./ACQ. III on May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partles has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said, Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mrs. Y. G. Kapadia, 3 Mayfair House, Little Gibbs Road, Bombay-6.

(Transferor)

(2) Shri Vipin Kumar, 9/3653, New Dharampura, Gandhi Nagar, Delhi-110031.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. F-18, in Preet Vihar, Preet Nagar Co-operative House Building Society, Delhi. Measuring 570 sq. yds.

G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range-III Delhi/New Delhi

Date: 4-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

THE SECOND TO THE THE PARTY OF THE PARTY OF

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
'ACQUISITION RANGE
I.A.C. ACQUISITION RANGE-III,
AGGARWAL B-IAWAN,
NEAR BROADWAY HOTEL,
4/14-A. ASAF ALI ROAD,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE
NEW DELHI

New Delhi, the 31th December 1984

Ref. No. IAC/Acq.3/37EE/5-84/332.—Whereas, I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 101 situated at No. 5, Kanshalya Park Hauz Khas, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Income-tax Act, 1961, in the office of the Registering Officer at IAC./ACQ. III on May, 1984

for an apparent consideration which is; less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which oughf to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of ,1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Kauthalya Educational Trust, 11/4-B, Pusa Rea a New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Sudarshan Kanta Jain, 59 Banarasi Dass Estate Timarpur, Delbi

(Transferee)

Objections, if any, to the accepisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable Property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 101, on ground floor in No. 5 Kanshalya Park, Hauz Khas, New Delhi.

Measuring 1797 sq. ft.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Maspreting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Date: 31-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
I.A.C. ACQUISITION RANGE-III,
AGGARWAL BHAWAN,
NEAF BROADWAY HOTEL,
4/14-A, ASAF ALI ROAD,
G-13 GROUND FLOOR OF BUILDING, I. P. ESTATE
NEW DELHI

New Delhi, the 31th December 1984

Ref. No. IAC/Acq.3/37EE/5-84/382.—Whereas, I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing
No. 302, 303 & 305 situated at Plot No. 21 Yusuf Sarai Community Centre, New Delhi has been transferred under the Income-tax Act, 1961, in the office of the Registering Officer at IAC./ACQ. III on May. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) taciltating the reduction or evasion of the flability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 M/s. Saket Properties Pvt. Ltd., C-538, Defence Colony, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Irigon Investments & Trading Pvt Ltd., GF-6, Parbhat Kiran, 17, Rajendra Place, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat Nos. 302, 303 & 305 on plot No. 21 Yusuf Sarai Community Centre, New Delhi.

Measuring 1130 sq. ft.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 31-12-1984

FORM ITNS----

(1) Miss Gayatri Shah S-79, Greater Kallash I, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. S. B. Developers Pvt. Ltd G-16/56 Nehru Place, New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

I.A.C. ACQUISITION RANCE-III,
AGGARWAL BHAWAN,
NEAR BROADWAY HOTEL,
(4/14-A, ASAF ALI ROAD,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE
NEW DELHI

New Delhi, the 3ith December 1984

Ref. No. IAC/Acq.3/37EE/5-85/337.—Whereas, I, G. S. GOPALA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]-and bearing
No. 28 to 39 situated at Bhikaji Cama P'ace, New Delhi

No. 28 to 39 situated at Bhikaji-Cama Place, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Income-tax Act, 1961, in the office of the Registering Officer at IAC./ACQ. III on May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the theoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. S.P.S. No. 28 to 39 and R-16 in 3 Bhikaji Cama lace, New Delhi, Measuring 398 sq. ft.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant (ommissioner of Income Tax
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 31-12-1984

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

I.A.C. ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL BHAWAN
NEAR BROADWAY HOTEL
4/14-A, ASAF ALI ROAD,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, J. P. ESTATE
NEW DELHI

New Delhi, the 31st December 1984

Ref. No. IAC/Acq.3/37EE/5-84/348.—Whereas, I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1981 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 524-A situated at Jaina Tower Distt. Centre, Janakpuri,

New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961, in the office of the Registering Officer at

IAC./ACQ. III on May, 1984

I.A.C., Acqn. Range, Pune on November, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer-
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow ing persons, namely :--78-446GI/84

(1) M/s. Jaina Properties Pvt. Ltd. Adinath Shree House Opp. Super Bazar, Connaught Place. New Delhi.

(Transferer)

(2) Sq. Ldr. P. K. Sharma, K-6, Green Park Exten. New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 524-A Jaina Tower, Distt. Centre, Janakpuri, New Delhi. Measuring 200 sq. ft.

> G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range-III Delhi/New Delhi

Date: 31-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

I.A.C. ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL BHAWAN NEAR BROADWAY HOTEL 4/14-A, ASAF ALI ROAD. NEW DELHI

New Delhi, the 31st December 1984

Ref. No. IAC/Acq.3/37EF/5-84/349.—Whereas, I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. G-28

situated at N.B. No 2 Paschim Vihar, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the IAC. ACQ. III.

on May 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 M/s. Rajinder Nath R/o 1/9290 Street No. 2 Pritampuri, Rohtas Nagar, Shahdara Delhi-32.

(Transferor)

(2) M/s. Jaina Properties Pvt. Ltd. Adinath Shree House, Opp. Super Bazar, Connaught Place, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expresions us d herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. G-28 (N.B. No 2) Jaina Commercial Complex, Paschim Vihar, New Delhi. Measuring 37 sq. ft.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
Delhi/New Delhi

Date: 31-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

I.A.C. ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL BHAWAN NEAR BROADWAY HOTEL 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 31st December 1984

Ref. No. IAC/Acq.3/37EE/5-84/350.—Whereas, I, G. S. GOPALA,

being the (ompetent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

situated at Yusuf Sarai, Jaina Commercial Complex, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the

Office of the IAC. ACQ. III, on May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of rae liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Aar Pee Apartments Pvt. Ltd.
Adinath Shree House Opp. Super Bazar,
Connaught Place,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Rajesh Verma Y-64-A, Hauz Khas, New Delhi.

(Transferce)

Objectitons, if any, to thte acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said lamnovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. B-26 Jaina Commercial Complex, Yusuf Sarai, New Delhi. Measuring 50 sq. ft,

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Date: 31-12-1984

sear

FORM ITNS----

(1) M/s. Aar Pee Apartments Pvt. Ltd. Adinath Shree House Opp. Super Bazar, Connaught Place, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Shila Kapur, R/o Madhuvan, Karnal. Karnal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> I.A.C. ACQUISITION RANGE-III. AGGARWAL BHAWAN NEAR BROADWAY HOTEL 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NeW DELHI

New Delhi, the 31st December 1984

Ref. No. IAC/Acq.3/37EE/5-84/351.—Whereas, I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing No. situated at Yusuf Sarai, Jaina Commercial Complex, New

Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the IAC. ACQ. III,

on May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that .he consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Nok, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesoid persons within a period ot 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property No. 210 Yusuf Sarai Commercial Complex, New Delhi. Measuring 165 Sq. Ft.

> G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III. Delhi/New Delhi.

Date 31-12-1984 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL BHAWAN NEAR BROADWAY HOTEL 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 5th January 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/5/84/344.—Whereas, I, G. S. GOPALA,

In ome-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000; and bearing No. 323

situated at Jaina Tower, Distt. Centre, Janakpuri, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the IAC. ACQ. III, on May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the mability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tar Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) M/s. Jaina Properties Pvt. Ltd.
 Adinath Shree House Opp. Super Bazar,
 Connaught Place,
 New Delhi.
- (2) Sh. Y. C. Mathur & Sh. K. K. Vohra, D-II, A-5, Moti Bagh, New Delhi.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaeztte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said

THE SCHEDULE

Property No. 323 Jaina Tower Distt. Centre, Janakpuri, New Delhi.

Measuring 34.20 sq. ft.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Delhi/New Delhi

Date : 5-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Connaught Place, New Delhi.

(1) M/s. Jaina Properties Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Sh. Girish Seth F-24/7, Krishan Nagar, Delhi-110051.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL BHAWAN NEAR BROADWAY HOTEL 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 5th January 1985

Ref.No. IAC/Acq.III/37EE/5-84/345.—Whereas, I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinsefter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. B-11.

situated at Jaina's Shopping Complex, Paschim Vihar, New

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the IAC. ACQ. III. on May 1984

for an apparent consideration and which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Adinath Shree House Opp. Super Bazar,

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested n the said immovable property within 45 days from he date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULF

Flat No. B-11, Jaina's Shopping Centre, Paschim Vihar, New Delhi. Measuring 100 sq. ft.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Delhi/New Delhi.

Date: 5-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL BHAWAN NEAR BROADWAY HOTEL 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 5th January 1985

Ref. No.-IAC/Acq.III/37EE/5/84/346.—Whereas, I,

Ref. No., IAC/Acq.III/3/EE/3/84/346.—Whereas, 1, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), situated at Jaina District Centre, Janakpuri New Delhi. has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the IAC. ACQ. III.

on May 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) M/s. Jaina Properties Pvt. Ltd. Adinath Shree House Opp. Super Bazar, Connaught Place, New Delhi.

(Transferor)

Sq. Ldr. S. K. Gupta. D-II/60 West Kidwai Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 424-A Jaina Tower, District Centre, Janakpuri. New Delhi. Measuring 200 sq. ft.

> G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III. Delhi/New Delhi.

Date: 5-1-1985

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Mr. Raj v Khurana & Miss. Palka Khurana
 23/29 Old Rajinder Nagar, New Delbi.

(Transferor)

(2) M/s Shiv-Jwala Beneficiatory Trust 23/29 Old Rajinder Nagar, New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III. AGGARWAL BHAWAN NEAR BROADWA'' HOTEL 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 5th January 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/5-84/327.—Whereas, I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 408,

situated at Padma Tower II 22 Rajindra Place, New Delhi. (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transerred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the IAC. ACQ. III,

on May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitahting the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chaper XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Fla' No 408 Padma Tower II 22 Rajindra Place New Delh. Measuring 515 sq. ft.

G S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Delhi/New Delhi

Date: 5-1-1985

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid prpoerty by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Y. S. Tayal B-6-10 Safdarjung Enclave, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Miss Radhika Tayal B-6-10 Safdarjung Enclave, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL BHAWAN NEAR BROADWAY HOTEL 4/14-A, ASAF ALI ROAD,

NEW DELHI

New Delhi, the 5th January 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/5-85/330.—Whereas, I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

A-301/5

situated at Bhikaji Cama Place, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the IAC. ACQ. III, on May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expresisons used herein as are dened in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 310-A in 5 Bhikaji Cama Place, New Delhi. Measuring 275 sq. ft.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissione, of Income-tax
Acquisition Range-III,
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 5-1-1985

Seal:

79-446GI/84

 Shri Dharam Paul C/o M/s, Shiv Lal & Sons, 17/2, Yusuf Sarai, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Amteshwar Anand H.U.F. 154 Jor Bagh, New Delhi-3.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAI. BHAWAN NEAR BROADWAY HOTEL 4/14-A, ASAF ALI ROAD,

NEW DELHI

New Delhi, the 5th January 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/5-84/333.—Whereas, I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 522,

situated at No. 9 Bhikaji Cama Place, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the IAC. ACQ. III, on May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair Market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-taxxx Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 522 at 9 Bhikaji Cama Place, New Delhi. Measuring 335 sq. ft.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Delhi/New Delhi.

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 5-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III.

AGGARWAL BHAWAN NEAR BROADWAY HOTEL 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 5th January 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/5-84/338.—Whereas, I. G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. G-51 (Ground Floor) situated at Jaina Shopping Complex, Paschim Vihar, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the IAC. ACQ. III, on May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the proprty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tav under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, 12 the following persons, namely:— (1) Mrs. Kamla Verma, A-2/258. Paschim Vihar, New Delhi-110063.

Official And (Transferor) // 1 J. 77. R.E.

(2) Smt. Shanta Devi, C/o D-59 New Multan Nagar, Delhi-110056.

MARTHON (Transferee)

OFFICE OF THE PURPLY OF IS

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

13. 31. (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Extlinum, Sil G. S. OCPALL

(b) by any other person interested in the said immoved able property, within 45 days from the date of the dipublication of this notice in the Official Gazette.

TALLY 1.0.1/

EXPLANATION:— The terms and expressions used Mérein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

what me and sold have been been been thus tribed per eval of the the consideration for him parties have not been troly transfer vito the object of

at an children in of the transferor : on for the targets and or

THE SCHEDULE

Flat No. G-51 (Ground Floor) Jaina Shopping Complemental Vihar, New Delhi. Measuring 108 sq. ft.

G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Delhi New Delhi

Date: 5-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL BHAWAN NEAR BROADWAY HOTEL 4/14-A, ASAF ALI ROAD,

NEW DELHI

New Delhi, the 5th January 1985

Ref. No.. IAC/Acq.III/37EE/5-84/339.—Whereas, I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. 146

situated at Jhandewalan Tower, New Delhi.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the IAC. ACQ. III;

on May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Skipper Construction Co. Pvt. Ltd. 22, Barakhamba Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. M. C. Talwar & Co. 2481/9, Beadon Pura Karol Bagh, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 146, Jhandewalan Tower, New Delhi. Measuring 352 sq. ft.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Delhi/New Delhi.

Date: 5-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III. AGGARWAL BHAWAN NEAR BROADWAY HOTEL 4/14-A, ASAF ALI ROAD, **NEW DELHI**

New Delhi, the 5th January 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/5-84/341.—Whereas, I. G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000and bearing No. HO/45,

situated at Pritam Pura, Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the IAC. ACQ. III, on May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforestid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1)Shri K. K. Dua A-18/5, Rana Pratap Bagh, Delhi.

(Transferor)

 Shri Raj Chawla & Shri Deepak Chawla, 17/14, Shakti Nagar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. HO/45, Pritam Pura, Delhi. Measuring 253 sq. mts.

> G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi.

Date: 5-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL BHAWAN NEAR BROADWAY HOTEL 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 5th January 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/5-84/315.—Whereas, I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-movable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

situated at 15A/20 W.E.A. Ajmal Khan Road, Karol Bagh,

New Delhi.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the IAC. ACQ. III, on May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

M/s. Rajender Jaina Tower Pvt. Ltd. N-52, A Connaught Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Kumudini Lahiri, FP-3, Directorate of Financial Planning G. S. Branch A.H.Q. New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

THE SCHEDULE

R. P. B. 24-A, Plat No. 15A/20, W.E.A. Karol Bagh, Ajmal Khan Road, Measuring 34 Sq. ft.

> G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi.

Date : 5-1-85 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL BHAWAN NEAR BROADWAY HOTEL 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 5th January 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37/5-84/307.—Whereas, I,

G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. 124

situated at 15A/20 W.E.A. Ajmal Khan Road, Karol Bagh,

New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the IAC. ACQ. III, on May 1984

on May 1984
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Rajender Jaina Tower Pvt. L.J. N-52A, Connaught Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Pawan Kumar, E-51, Dev Nagar, New Delhi-5.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. RPB 124 at 15-A/20 W.E.A. Karol Bagh, Ajmal Khan Road, New Delhi. Measuring 55 sq. ft.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Delhi/New Delhi.

Date: 5-1-85

(1) M/s. Rajender Jaina Tower Pvt. Ltd. N-52A, Connaught Place, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Mr. Ashok Kumar 11/1B, Pusa Road, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from notice on the respective persons. the service of whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL BHAWAN NEAR BROADWAY HOTEL 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

(b) by any other person interested in the said insmovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

New Delhi, the 5th January 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/5-85/308.—Whereas, I, G. S. GOPALA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. rpb 205 situated at W.E.A. Ajmal Khan Road, Karol Bagh New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the IAC. ACQ. III,

on May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed she apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Property No. RPB 205 (Upper Ground floor) W.E.A. Ajmal Khan Road, Karol Bagh, New Delhi. Measuring 55 sq. ft.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

> G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III.
> Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 5-1-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL BHAWAN NEAR BROADWAY HOTEL 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 5th January 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/5-84/309.—Whereas, I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding 25,000/- and bearing No. RPB 219-A

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the IAC. ACQ. III, on May 1984 situated at W.E.A. Ajmal Khan Road, Karol Bagh New Delhi

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: end /or
- (b) facilitating the concealment of any income or an) moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby mitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under subsection (1) of Section 269(D) of the said Act, to the following persons, namely :- 80-446GI/84

(1) M/s. Rajender Jaina Tower Pvt. Ltd. 6-52-A, Connaught Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. J. Anand R-516, New Rajender Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. RPB-219-A, W.E.A, Ajmal Khan Road, Karol Bagh, New Delhi. Measuring 28 sq. ft.

> G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III. Delhi/New Delhi.

Date: 5-1-85

FORM IINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL BHAWAN NEAR BROADWAY HOTEL 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 5th January 1985

Ref. No. IAC/Acq III/37EE/5-84/310.—Whereas, I. G. S. GOPALA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25.000/- and bearing No. RPB 25,

situated at 15A/20 W.E.A. Ajmal Khan Road, Karol Bagh, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the IAC. ACQ. III, on May 1984

for an apparent consideration which is less than the feir market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apaprent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facinitating the reduction or evasion of the tlability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any noneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Rajender Jaina Tower Pvt. Ltd. N-52-A, Connaught Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Nihal Bai, 2/9, Shalimar Bagh, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. RPB 25, 15-A/20 W.E.A. Ajmal Khan Read, Karol Bagh, New Delhi. Measuring 68 eq. ft.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III.
Delhi/New Delhi.

Date : 5-1-85

 M/s. Saket Properties Pvt. Ltd. C-538, Defence Colony, New Delhi-24.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Rachana Trading Co. Pvt. Ltd., 14/4, Kalkaji Extn. New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL BHAWAN NEAR BROADWAY HOTEL 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 8th January 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/5-84/372.—Whereas, I, G, S, GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that

the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flate No. 101.

situated at Plot No. 21, Yusuf Sarai, Community Centre, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the registering Officer at I.A.C. III, New Delhi on May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely t—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

TH SCHEDULE

Flat No. 101, Area 393 sft. app: at Plot No. 21, Yusaf Sarai, Community Centre, New Delhi-24.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Date: 8-1-1985

Scal :

 M/s. Saket Properties Pvt. Ltd. C-538, Defence Colony, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Rachna Trading Co. Pvt. Ltd., 14/4, Kalkaji Extn. New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL BHAWAN NEAR BROADWAY HOTEL 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 8th January 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/5-84/373.—Whereas, I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

situated at Plot No. 21, Yusaf Sarai, Community Centre, New

Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the registering Officer at I.A.C. III,

New Delhi on May 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 105, Area 355 sft. app.: at Plot No. 21 Yusaf Sarai, Community Centre., New Delhi-16.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Date: 8-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL BHAWAN NEAR BROADWAY HOTEL 4/14-A, ÁSAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 8th January 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/5-84/374.—Whereas, I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Flat No. 103.

situated at Plot No. 21, Yusaf Sarai, Community Centre, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the registering Officer at I.A.C. III, New Delhi on May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Saket Properties Pvt. Ltd. C-538, Defence Colony, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Rachna Trading Co. Pvt. Ltd., 14/4, Kalkaji Extn. New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 103, Area 369 sft app: at Plot No. 21, Yusaf Sarai, Community Centre, New Delhi-16.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Date: 8-1-1985

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

ACOUISITION RANGE-III

(1) M/s. Saket Properties Pvt. Ltd. C-538, Defence Colony, New Delhi.

(2) Mast. Raghav Modi (Minor) U/G Mr. R. K. Modi & Mrs. Manju Modi, C-4/85 S.D.R. New Delhi.

(Transferor)

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL BHAWAN NEAR BROADWAY HOTEL 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 8th January 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/5-84/375.—Whereas, I. G. S. GOPATA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing No.

Storage Space No. One

situated at Plot No. 21, Yusaf Sarai, Community Centre,

Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the registering Officer at I.A.C. III,

New Delhi on May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aferesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, m respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922

(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Storage Space No. One in basement area 358 sft app: at plot No. 21, Yusaf Sarai, Community Centre, New Delhi.

> G. S. GOPALA Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-III Delhi/New Delhi

Date: \$-1-1985 Saal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of his notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely :-

(1) M/s. Saket Properties Pvt. Ltd. C-538, Defence Colony, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. M. P. O. Electronics (P) Ltd., C-47, Defence Colony, New Delhi-24.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIN SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL BHAWAN NEAR BROADWAY HOTEL 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 8th January 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/5-84/371.—Whereas, I, G. S. GOPALA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
Flat No. 203,

situated at Plot No. 21, Yusaf Sarai, Community Centre, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the registering Officer at I.A.C. III,

New Delhi on May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act., in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferest for the surposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

rist No. 203, Area 403 sft. app : at Plot No. 21, Yusaf Sarai, Community Centre, New Delhi-16.

> G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III Delhi/New Delhi

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Sacrice 359D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: \$-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 M/s. Saket Properties Pvt. Ltd. C-538, Defence Colony, New Delhi-24.

(Transferor)

(2) Sh. Yogesh Bali, H-1/2 Hauz Khas, New Delhi-110024.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL BHAWAN
NEAR BROADWAY HOTEL
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 8th January 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/5-84/370.—Whereas, I, G, S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Space No. 5.

situated at 21. Yusaf Sarai Community Centre, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the registering Officer at I.A.C. III, New Delhi on May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Storage Space No. Five in basement Area 318 sft. app: at plot No. 21, Yusaf Sarai Community Centre, New Delhi,

G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Rang-JII Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-1-1985

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION, RANGE-III,
AGGARWAL BHAWAN, NEAR BROADWAY HOTEL,
1/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI.

New Delhi, the 8th January 1985

Ref. No. IAC/Acq 3/37FE/5-84/377.—Whereas, I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-205 situated at 21, Yusuf Sarai Community Centre, New Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the

Income-tax Act, 1961 in the office of the IAC Acq. III in

May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been on which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ac', 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the said Ac', 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the said property by the issue of this notice under subtection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— 81-446GI/84

(1) M/s Saket Properties P. Ltd. C-538 Defence Colony, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s M.P.O. Electronics Pvt. Ltd. C-47, Defence Colony, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of, 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter,

THE SCHEDULE

Flat No. 205 at 21, Community Centre, Yusuf Sarai, New

Measuring 387 sq. ft.

G. S. GOPALA Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi.

Date: 8-1-85.

FORM I.T.N.S. -

 M/s Saket Properties P. Ltd. C-538 Defence Colony, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Premium Linkers Ltd. 21-A/21, Dayanand Road, Daryaganj, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL BHAWAN, NEAR BROADWAY HOTEL, 1/14-A, ASAF ALI ROAD, NFW DELHI.

New Delhi, the 8th January 1985

Ref. No. IAC/Acq. 3/37EE/5-84/376.—Whereas, I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 301 & 304 situated at 21 Yusuf Sarai Community Centre, New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the office of the IAC Acq. III

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the itability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incomptax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of sublication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Actshall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 301 & 304, 21, Yusuf Sarai Community Control New Delhi,

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-rection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-1-85. Seal:

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACUISITION RANGE-III
AGGARWAL BHAWAN, NEAR BROADWAY HOTEL, 1/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI.

New Delhi, the 8th January 1985

Ref. No. IAC/Acq 3/37EE/5-84/379.—Whereas, I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

104, situated at 21 Yusuf Sarai Community Centre, New Delhi (and more fully, described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the

has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the office of the IAC Acq.

III in May 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more 'han fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth ax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following remons, namely :-

(1) M/s Saket Properties P. Ltd. C-538 Defence Colony, New Delhi.

(2) M/s Rachna Trading Co. Pvt, Ltd. 14/4, Kalkaji Extension New Delhi.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 104, at 21 Yusuf Sarai Community Centre, New Delhi. Measuring 345 sq. ft.

> G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi.

Date: 8-1-85. Seal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 259D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s Saket Properties P. Ltd. C-538 Defence Colony, New Delhi.

(Transferor)

(2) Dr. J. S. Chaggar & G. S. Chaggar D-150 Saket, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL BHAWAN, NEAR BROADWAY HOTEL, 1/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI.

New Delhi, the 8th January 1985

Ref. No. IAC/Acq. 3/37EE/5-84/378 — Whereas, I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing 202 situated at 21, rusuf Sarat Community Centre, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

the Income-tax Act, 1961 in the office of the IAC Acq. III in May 1984

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid proparty and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; sad/or

moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any Flat No. 202 at 21 Yusuf Sarai Community Centre, New Delhi-110016. Measuring 340 sq. ft.

> G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III,
> Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:-

Date: 8-1-85.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

PART III-SBC. 11

(1) Shri Ajit Singh Sethi S/o Sh. Nanak Singh, 775, Dr. Mukerjee Ngr., Delhi.

(Transferor)

(2) Dr. Satinder Puri & Dr. Ravinder Puri, R/O C4C/116, Janakpuri, New Delhi.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL BHAWAN, NEAR BROADWAY HOTEL, 1/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 8th January 1985

Ref. No. IAC/Acq-III/37-EE/5-85/286 —Whereas, I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing C-111/134 situated at Janakpuri, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at IAC., ACJ. III on May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

THE SCHEDULE

H. No. C-111/134, Janakpuri, New Delhi 270 Sq. Mts.

(b) facilitating the concealment of any mcome or any runneys or other aseets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Delhi/New, Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesuid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—
77—436GI/84

Date: 8-1-85. Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1), M/s Saket Properties P. Ltd. C-538 Defence Colony, New Delhi.

(Transferor)

(2) Kumar Juhi Modi (Minor) u/G Mr R. K. Modi I Mrs. Manju Modi, C.4/95, S.D.A. New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL BHAWAN, NEAR BROADWAY HOTEL 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 8th January 1985

Ref. No. IAC/Acq. 3/37EE/5-84/381. -Whereas, I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Sec.ion 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe hat the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Space No. 3/21, situated at 21, Yusuf Sarai

Community Centre, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Income-tax Act, 1961 in the office of the IAC Acq. III

in May 1984

on May 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andjor

THE SCHEDULE

Space No. 3 at 21 Yusuf Sarai Community Centre, New Delhi.. Measuring 335 sq. ft.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 8-1-1985.

THE GA

FORM ITNS

(1) M/s Saket Properties P. Ltd. 538, Defence Colony, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s Rachna Trading Co. Pvt. Ltd. 14/4, Kalkaji Extension, New Delhi

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL BHAWAN, NEAR BROADWAY HOTEL 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 8th January 1985

Ref. No. IAC/Acq 3/37EE/5-84/380 -- Whereas, I,

G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing

102, situated at 21, Yusuf Sarai, New Delhi

(and morefully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the

Income-tax Act, 1961 in the office of the IAC Acq. IIII in

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforescaid property by the issue of this notice under the section (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of thet said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of that said, Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 102, at 21 Yusuf Sarai Community Centre, New Delhi. Measuring 313 sq ft.

> G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi.

Date: 8-1-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Ms. Saket Properties Pvt. Ltd. C-538, Defence Colony, New Delhi,

(Transferor)

(2) Mrs. Manju Modi & Mr. R. K. Modi, C-4|95 S.D.A. New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SNONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 8th January 1985

Ref. No. IAC|Acq 3|37EE|5.85|369.—Whereas. I. G. S. GOPALA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and tearing No. Space No. 2|21, situated at 21, Yusuf Sarai Community

Centre, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act 1261 in the office of the IAC, Act. II in May 1984 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as atoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transer with the objects of :-

(b) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires late;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Space No. 2 at 21 Yusuf Sarai Community Centre, New Delhi. Measuring 285 sq. ft.

> G. S. GOPALA. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 8-1-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 14th January 1985

Ref. No. III-967 Acq 84-85.—Whereas, I, P. K. DUBEY being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the mmovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Holding No. 534|1, Plot No. 10E, Ward No. 12 and Circle No. 729A situated at Road No. 12, Rajendra Nagar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 8-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following, persons, namely:-82-446GI/84

(1) Shri Sayed Rafiuddin Ahmad s/o Sayed Basiuddin Ahmad, Dariapur, Patna-4.

(Transferor)

(2) Shri Balkrishna Gupta s/o Nanakchand Mahajan, Sao Lane, Lohanipur, Pachkauri Kadamkuan,

(Transferee)

(3) Shrimati Sudarsan Gupta, W/o Balkrishna Gupta, Packkauri Sao Lane, Lohanipur, Kadamkuan, Patna-3.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 5750 Sq. ft. with building situated at Road No. 12, Rajendra Nagar, Patna-16 and morefully described in Deed No. 2808 dated 8-5-1984 registered with D.S.R. Patna.

> P. K. DUBTY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex Acquisition Range, B. Patna

Date: 26-12-84

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 15th January 1984

Ref. No. 5/May/84.—Whereas, I, PREMA MALINI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing No.

Land Virupakshipuram Village, Vellore situated at Land Virupakshipuram Village, Vellore (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vellore I (Doc. No. 1715/84), on May 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri A. Paramasivam Vellore

N.A. Dt.

(2) Shri P. Gandipan S|o Periyaswamy, 1/106 Bajanai Koil Street, Palavansathu, Vellore TK, N.A. Dist. Smt. V. Govindammal W/o Vengappa Pillai Tiruvalluvar Street, Palavanasathu, Vellore

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land a Virupakshipuram Village, Vellore TK, N.A. Dt. (Doc. No. 1715/84),

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madras-600 006

Date: 15-1-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-1, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 4th January 1985

Ref. No. 7/May/84/R.II.—Whereas, I, Mrs. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

Plot No. 54, Kannammal St., situated at Kannabrain Colony, Madras-93

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Virugambakkam/Doc. No. 1551/84 on May, 1984 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri K, Venkataraman, Plot No. 54, Kannammal St., Kannabiran Colony, Madras-93.

(Transferor)

5083

(2) Sri Vijayaraj alias Vijayakant, No. 14, Rajabather St., T. 'Nagar, Madras-17.

. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building: Plot No. 54, Kannammal St., Kannabiran Colony, Madras-93.
Virugambakkam/Doc. No. 1551/84.

Mrs. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1
Madras-600 006

Date: 4-1-1985. Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-1, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 3rd January 1985.

Ref. No. 11/May/84/R.II.—Whereas, I, Mrs. 4. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 410, K. K. Nagar, in Survey No. 282 situated at K. K. Nagar, Madras.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Vnugambakkam/Doc. No. 1337/84.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri T. K. Srinivasan, 503, Sterling Apartments, No. 4, Pappanna Street (Off. St. Mark's Road), Bangalore-560 001.

(2) Smt. Geetha Padmanabhan, 10, Nedunchezian St., Cholavaram, Nagar, Madras-44.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building: Survey No. 282—Plot No. 410, K. K. Nagar, Madras-78.
Virugambakkam/Doc. No. 1337/84.

Mrs. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madras-600 006

Date: 3-1-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT; 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTIN ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-1, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 3rd January 1985.

Ref. No. 18/May/84/R.II.—Whereas, I, Mrs. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 296B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,900; and bearing No.

Perambur H. Rd. 32. Door No. 34, State Bank of

Perambur H. Rd. 32. Door No. 34, State Bank of India situated at Officer's Colony-II St., Perambur, Madras-12. (and more fully described in the Scheduled annexed hereto). has been transferred under the Indian Registration Act, 1903 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Puraswalkam/Doc. No. 751/84 on May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believed that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 ef 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mr. P. B. V. Narayanan,
Now At U. K. having his address at No. M17/5,
Telco, Tatanagar, Bihar State and at No. 2, Vakeswaran Koil St.,
Mylapore, Madras-4.

(Transferor)

(2) Shri S. R. Narasimhan, No. 24, III, First Cross Trust St., Mandavelipakkam, Mylapore, Madras-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a reriod of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building:—No. 34, State Bank of India Officer's colony, II St., Perambur High Road, Madras-12. Purasawalkam/Doc./No. 751|84.

Mrs. M. SAMUEL.
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madras-600 006

Date: 3-1-1985.

 Mrs. Noorunnisa, WIo Mr. Mir Md. Abdul Karim, No. 14, Akbarabad, 2nd St., Madras-24.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. P. S. Ulagarakshagan, S/o M. Sadagopadm 14, Ramaswamy Pillai St., Madras-84.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 3rd January 1985.

Ref. No. 37/May 84/R.II.—Whereas, I, Mrs. M. SAMUEL,

of transfer with the object of :-

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that

the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Door No. 14, Akarabad, 2nd St., situated at Kodambakkam Madras-24.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office

of the Registering officer at Kodambakkam/Doc. No. 1242 and 1243/84 on May, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said Act, in respect of any income arising from the transfer, and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned: —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires lates;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building:—Door No. 14, Akbarabad, 2nd St., Kodambakkam, Madras-25.

Rodambakkam/Doc. No. 1242 & 1243/84.

Mrs. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 3-1-1985.

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 3rd January 1985

Ref. No. 50/May 84/R.II.—Whereas, I,

MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing

No. 13, North Boag Road, Dr. B. N. Reddy Salai situated at

2nd Lane, T. Nagar, Madras-17 (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

of 1908) in the office of the Registering officer at T. Nagar/Doc. No. 516/84 on May, 1984. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-Seal :

(1) Dr. A. V. Hamsini w/o Dr. A. S. Prasadarao, 2, III Cross Street, Madras-20. C. I. T. Colony, Madras-20.

(Transferor)

(2) Mr. M. Swaminathan s/o Sh. S. Muthuswamy, No. 11/1, Vannier St., Madras-94.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said EXPLANATION: - The terms and expressions Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

TH SCHEDUCE

House and ground: Door No. 13, North Boag Road, (Dr. B. N. Reddy Salai, (1Ind Lane) T. Nagar, Madras-17. T. Nagar/Doc. No. 516/84.

M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 3-1-1985

(i) Shri C. B. Gaurinath, 23, Ranganathan Avenue, Madras-600 010.

(Transferor)

(2) Mrs. Alison Florence Emoto, 1, College Lane, Madras-6.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 005

Madras-600 006, the 3rd January 1985

Ref. No. 58/May 84/R.H.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Incorne-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,0.0/- and bearing No. Agricultural land extent 1 acre in situated at Injumbak kam Village, Saidapet Taluk, Chingleput District. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the effice

has been transferred under the 1.1. Act, 1901 by the content of the Engistering Officer at at Adyar/Doc. No. 1309/84 in May, 1984. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) tacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been on which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-last Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

i APLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land extent 1 acre in Injembakkam Village, Saidapet Taluk, Chingleput District.
Adyar/Doc. No. 1309/84.

M. SAMUEL
I.R.S.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—62—436GI/84

Date: 3-1-1985

:nt

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING

ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006 Madras-600 006, the 3rd January 1985

Ref. No. 129/May 84/R.II.—Whereas, I,
MRS. M. SAMUEL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.
S. F. No. 404/2, 405, 406 and 392 situated at Singanallur
Palladam Taluk, Coimbatore.
(and more fully described in the Schedule anexed hereto)
has been transferred and the agreement is registered UIS. has been transferred and the agreement is registered U.S. 269-AB of the I.T. Act, 1961 in the office of the Competent at Singanallur/Doc. No. 798, 799, 800 & 801/84 in May, 1984. tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed than fifteen at the consider en

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

83-446GI/84

of transfer

- (1) Sri Thimurshakhan s/o Sh. Khan Jawahankha.
 D. No. 748, Dr. Radhakrishnan Road, Tatabad, Coimabtor.
 - (Transferor)

(2) Smt. Vijayakumari w/o Muralidharan, D. No. 315, State Bank Colony, 11 Scheme, K. K. Pudur, Coimabtore, Smt. Anusuya w/o K. Viswanathan, D. No. 3, Patel Road, Coimabtore, Town

D. No. 3, Patel Road,
Coimabtore Town.
3. Smt. C. V. Geetha w/o T. S. Venkateswaran,
D. No. 32, Erattai Veedhi, Agraharam,
Singanallur, Coimbatore,
4. Smt. Shanmugavalli w/o Natarajan,
D. No. 5, Annamadam Veedhi, Saralur, Palladam Taluk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 publication of this notice

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: S. F. No. 404/2, 405, 406, and 392 Singanallur, Palladam Taluk, Coimbatore district.

Singanallur/Doc. No. 798, 799, 800 and 801/84.

M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 4-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 4th January 1985

Ref. No. 30/May 84/R.II.--Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, Authority under Section 269B of being the Competent the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. Vembatti Village situated at Vembatti Village. (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Andhlyur/Doc. No. 888/84 in May, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) racilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

 Smt. R. Rajeswariammal, w/o Sri K. Sangaralingamudaliar, T. Nagar, Madras-17.

(Transferor)

 Sri Ponnugounder s/o Sh. Kuppusamy Gounder, Vembatti village.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used neretn as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: Vembatti Village. Andhiyur/Doc. No. 888/84.

MRS M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 4-1-1985

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 4th January 1985

Ref. No. 133/May 84/R.II.—Whereas, I,
Mrs. M. SAMUEL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.
New Ward D New Block 16, New T. S. No. 66 situated
at Door No. C. 20, Land and building.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1903) in the office of Registering Officer at
Oriyur/Doc. No. 1176/84 in May, 1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believed that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more
that fifteen percent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated
in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Sornathammal w/o Sh. Saminatha Mudaliar, No. 20, Merkuvistharippu, 108, Kurukku Sandil, V. Nagar, Trichy.

(Transferor)

(2) Sri Thirunavuammal w/o Sh. K. Vaithilingapillai, Puthanampatti, Thuraiyur Taluk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovement able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building: Property as specified in schedule to Doc. No. 1176/84.

Oraiyur/Doc. No. 1176/84.

Mrs. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 4-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006 Madras-600 006, the 4th January 1985 Ref. No. 142/May 84/R.II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competer Authority under sec. 269B of the Incompeter Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as

come-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000 - and bearing

Property as specified in schedule situated at to Doc. No.

1053/84.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vridhachalam/Doc. No. 1053/in May, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to the state of the st

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1922 (27 of 1957);

(1) Sri Jagannatha Mudaliar S/o Shri Kuppusamy Mudaliar, No. 55, Melaveedhi, Thirukkoilur. Thirukkoilur Vattam.

(Transferor)

(2) Sri Venugopala Pillat.
s/o Sh. Veerappa Pillai,
2. Smt. Gnanambal
W/o Shri Venugopala Pillai,
No. 180, Krishnachettiar Colony,
Aladiroad, Vridhachalam,
Vidtachalam, Vridhachalam Vattam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: Property as specified in schedule to Doc. No. 1053/84. Vridhachalam/Doc. No. 1053/84.

> M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 4-1-1985

Seaî:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 4th January 1985

Ref. No. 146/May 84/R.II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 |and bearing No.

Property as specified in schedule to Doc. No. 754/84 situated at Cuddalore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Caddalore/Doc. No. 745/84 on ay, 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other a sets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) Smt. T. Dhanalakshmi Ammal w/o Sh. Thayumanavar, 89, Chairman Thangaraj Mudaliar Nagar, Thiruppapuliyur.
 - (Transferor)
- (2) Smt. Sulochana Krishnamurthy, State Bank of India Main Office, Madras, 7, Babu Rao St., Tirupapuliyur-607 002.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: Property as specified in schedule to Doc. No. 745/84.

Cuddalore/Doc. No. 745/84.

M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissoiner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 4-1-1986

Soul :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 4th January 1985

Ref. No. 160/May 84/R.II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Chowripalayam Village situated at Coimbatore District (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore/Doc. No. 1968/84.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Kalyanikutty
w/o Shri C. G. Kuty,
No. 5, Kothari Lay out,
Trichy Road,
Coimbatore.

(Transferor)

(2) Smt. A. P. Lathadevi w/o Sh. A. Palanisamy Thiruppur, 3/17G-14/7, Lingegounder St. Thiruppur.

(Transferen)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as specified in schedule to Doc. No. 1968/84. Coimbatore/Doc. No. 1968/86.

M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 4-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

MADRAS-600 006

200 1985 the 4th January 1985

Ref. No. 164/May 84/R.II.—Whereas, I.

MRS. M. SAMUEL, being the Computent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Site No. 30, New T. S. No. 8/1364/105 (part) Mettupa-layam Road, situated at Combatore Town. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfer ed under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Coimbatore/ Doc. No. 1916/84 in May, 1984 in May, 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair ror an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay ax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-atx Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sa Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

(1) Sri S. Balakrishnan 5. Balaktisiman 5. O Sh. L. M. Subbarayalu Naidu, 2. Sri Sukumar, 76. Post office Road, Sathyamangalam, Town, Gopichettipalayam Taluk.

(Transferor)

(2) M/s. Rama and Co., partners:

M. S. Ramasamy, 2. Suseela 3. R. Mohan

4. Ramesh R.,

258, Mettupalayam Road, Coimbatore.

(Transferee)

Chiections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: T. S. No. 8/1364/105 (part East of Mettupalayam Road, Coimbatore.

Coimabtore/Doc. 1916/84.

M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 4-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 .006, the 4th January 1985

Ref. No. 168/May 84/R.II.--Whereas, I,

MRS. M. SAMUEL, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Property as specified in schedule situated at to Doc. 266/84. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Registering Officer at Kodumudi/Doc. No. 266/84 on May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sri K. Paramasivagounder, s/o Karuppana gounder. Punjaikilampadi Village, Pambagoundampalayam, Erode Taluk.

(Transferor)

(2) Smt. Ponnaie Ammal, w/o Muthappa Gounder, Padur Village, Rackaikoundanpudur, Erode Taluk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as specified in schedule to Doc. No. 266/84 Padur Village, Erode.

Kodumudi/Doc. No. 266/84.

M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:---

Date: 4-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 196)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 4th January 1985

Ref. No. 178/May 84/R II.—Whereas, I, MRS, M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (here rafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing

No. 42, Muthial Mudali St., situated at Teynampet, Madras-18.

(and more fully described in the Schedule annexed hereign has been transferre d under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) of the Registering Officer

at Madies Central/Doc. No. 426/84 in Mry. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer with the object of:—

- of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/cr
- th) facil; along the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be its lessed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons namely:—

84—446GI/84

(1) Sri S. Sakruchand, 41, Veerappa St., Madras-1.

(Transferor)

(2) Sri V. Umapathi and 3 others, 4. Subbarayan 5th St., Madras-12.

(Transferee)

Objections, it any, to the acquisition of the said property sail to make in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the punication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the saine meaning at given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: Door No. 42, R. S. No. 1331/1 and 2 Muthial Muddali St., Teynampet.

Madras Central/Doc. No. 492/84.

M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date . 4-1-1985

Smt. Rajalakshmi Gopalan.
 Rajeswari St.,
 Rajaram Mehta Nagar,
 Madras-29.

(Transferor)

(2) Sri Jyothi R. Kalra, 15, Ramanan Road, Elephant Gate, Madras-79.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE O FTHE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 4th January 1985

Ref. No. 201/May 84/R.II.—Whereas, I. MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sai' Act'), have reason to believe that the ammovable property laving a fair market value exceeding Rs 25,000/and bearing

No. 31, Rajeswari St., Rajaram Mehta Nagar situated at

Madras-29.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act (1908 (16 of 1908) in the office of the Registerint Officer at JSRI Madras North/Doc. No. 1423/84 in May, 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons wither a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 10 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions us dincrein as are defined in Chapter XXA of the eard Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building ' No. 31. Rajeswari St., Rajaram Mehta Nagar, Madras-29.

JSR. I/Mds. North/Doc. No. 1423/84.

M. SAMUEL.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Midras 600, 006

Date: 4-1-1985 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 4th January 1985

Ref. No. 216/May 84/R.II.—Whereas, I,

MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Property as specified in schedule situated at Doc. No. 1236/

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Pudukkottai/Doc. No. 1236/84 on May, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that he fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of hte liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) faci-itating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Art. I hereb/ initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following property and the said Act, to the said Act, ing persons, namely :--

(1) Sri R. Muthukrishna Naidu s/o Sri Ramasamy Naidu, Thiruppur Easwaran Koil St., Pudukkottai.

(Transferor)

(2) Md. Asmalia Razlia, Thiruppur Kallar Theru, Pudukkottai.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: Property as specified in schedule to Doc. No. 1236/84.

Pudukkottai/Doc. No. 1236/84.

M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 4-1-1985

FORM IINS (1) Shri A. K. Lakshminarayanan Chettiar.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 4. MADRAS-600 006

Midtas-600 066 the 12th December 1984

Ref. No. 2/May/84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 10, 11 East Cross Road, Gandhi Nagar, situated at Vellore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Katpadi (Doc. No. 1479/84 on May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) tacditating the reduction or evasion or the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and for:
- (b) racinitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuants of 5 ction 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, lamely:—

(1) Shri A. K. Lakshminarayanan Chettiar. 27 Jajuramum Chettiar, Street, Vellor.

(Transferor)

(2) Shri D. Subramania Chettiar, Jaggery Merchant, 57/2, Bangalore Road, Vellor.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land and building 10 and 11 Fast Cross Road, Gandhinagar Vellote.

(Doc. No. 1479/84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I. Madras-600 006

Date: 12-12-1984

FORM DINS.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri A. Ramalingam, S/o Sri Appavoo, 105 Perumannur Road, Salem barem Town.

(Transferor)

 Sri S. K. Balasubramanya Pillai, S/o Sri S. Kuppusamy,
 Puttappa Gounder St., Tairupathur.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I. MADRAS-600 006

Wadras-600 006, the 4th January 1985

Ref. No. 10/May/84.—Whereas, J, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 169B of the Income tax Act, 1961 (45 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,906/- and bearing

Door No. 174 Chinnakadai St., situated at Thirup tih

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Engistration Act, 1908 (16 of 1908) in the office or the Registration Officer at Thirupathur (free, No. 1390/84) on May, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more the fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The return and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) Licilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and the
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 259C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

THE "CHEDULE

Land & building at D. No. 174 Chinnakadai St., Thirupat-thur.

(Doc. No. 1390/84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 4-1-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 31st December 1984

Ref. No. 11/May/84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the competent authority under Section 269B of the Income-ta. Act, 1961 (43 or 1961) theremafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and rearing
S. Nos. 794 and 917/1 in Krishnagiri Town Co-op. Colony, Municipal Ward No. 17, III Cross Road, Boganapalli village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been tarneferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1900), and the collider of the centage of life. 1506) in the office of the registering officer at Krishnagiri (Doc. No. 766 of 1984) on May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1, of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Sri R. Balakrishnan and others, s/o Krishnagiri N. Ramachandrachar, Ittarsi. Madhya Pradesh.

(Transferor)

(2) Sri Mir Showkath Ali, Land Lord, Jagadevi hamlet of Jagadevi Palayam village, Krishnagiri Taluk. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—I've terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Krishnagiri Taluk, Boganapalli village, S. Nos. 794 and 917/1 in Krishnagiri Town Co-operative Colony, Municipal Ward No. 17, III Cross Road, (Doc. No. 766 of 1984).

PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Madras-600 006

Date: 31-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

PART III-SEC. 1]

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 31st December 1984

Ref. No. 12/May/84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing Ward No. 17, Municipal Boganapalii Village (and more july described in the Schedule annexed hereto), has been trun terred under the Registration Act 1908 (16 of 1903) of the Registering Officer at Krishnaghi (Doc No. 767 of 1984) on May, 1984 for an apparent consideration which is less that the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more

- than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-
 - (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
 - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore,in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

(1) Sri R. Balakrishnan and others S/o Krishnagiri N. Ramachandrachar, Ittarsi. Madhya Pradesh.

(Transferor)

(2) Shri Mir Sadiq Ali, s/o Mir Roshan Ali, Land lord, Jagadevi, Hamlet of Jegadevi Palayam, Krishnagiri Taluk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested on the soil immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building: S. Nos. 794 and 917/1 in Krishnagiri Town Co-operative Colony. Municipal Ward No. 17, III Cross Road. Boganapalli Village, Krishnagiri Taluk. (Doc. No. 767 of 1984).

PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 31-12-1984 Seal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPETING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I. MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 31st December 1984

Ref. No. 13/May/84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-

and bearing
S. Nos. 794 & 917/1 in Krishnagiri Town Co-op. Colony, Municipal Ward No. 17, III Cross Road, Boganapalli Village (and more fully described in the Schedule annexed bereto) has been transferred under the Registration Act 1968. (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Krishnagiti (Doc. No. 758 of 1984) in May, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair maret value or the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value or the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others askets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Sri R. Balakrishnan and others s/o Krishnagiri N. Kamachandiachar, Ittarsi, Madhya Pradesh.

(Transferor)

(2) Shri Mr Ulfath Ali, s.o M.7 Ahmed Ali, Land lord, Jagadevi, Hamlet of Jegadevi Palayam, Krishnagiri Taluk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION;—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

hand and building S. May 794 and 917/1 in Krishnagiri Town Co-operative Colony, Municipal Ward No. 17, III Cross Road, (Doc. No. 768 of 1984).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 31-12-1984

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION. RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras, the 31st December 1984

Ref. No. 14/May/84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

S. Nos. 794 & 917/1 Boganapılli Village, Krishnagiri Taluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at Krishnagiri (Doc. No. 361 of 1984) in May, 1984 for an apparent consideration which is less than the rair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the

consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957))

 Shri R. Balakrishnan and Others, Ittarsi, Madhya Pradesh State.

(Transferor)

(2) Shri Mir Kasim Ali,
S/o Mir Ahmed Ali,
Landlord, Jagadevi, Hamlet of Jagadevi Palayam
Village,
Krishnagiri Taluk.
(Transfetee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building S. Nos. 794 & 917/1 in Krishnagiri Town Co-operative Colony, Municipal Ward No. 17, III Gross Road, Boganapalli Village, Krishnagiri Taluk. (Doc. No. 361 of \$4).

PREMA MALINI VASAN
Competent Author t
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Date: 31-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMF-TAX

ACQUISITION RANGE-I. MADRAS-600 006

Madras, the 31st December 1984

Ref. No. 15 May 1984.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing No.

situated at S. Nos. 794 & 917 in Krishnagiri Town Co-op. Colony, Boganapalli Village, Krishnagiri

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Krishnagiri (Doc. No. 770 of 1984) in May, 1984

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument to transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property, by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followhas persons, namely:—

(1) Sari R. Balakrishnan and Others, 5/0 Krishnagiri N. Ramachandrachar, Ittarsi, Madhya Pradesh State.

(Transfero:)

(2) Shri Mir Thaher Ali, S/o. Mir Ahmed Ali, I andlord, Jagadevi, Hamlet of Jagadevi Palayam Village, Krishnagiri.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immervable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Oficial Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at S. Nos. 794 and 917/1 Krishnagiri Town Co-operative Colony Municipal Ward No. 17, II Cross Road, Boganapalli Village, Krishnagiri Taluk. (Doc. No. 770/84).

PREMA MAI INI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-500 006.

- Date: 31-12-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras, the 4th January 1985

Ref. No. 18/5/84—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing No.

Amur v.llage, Puduchatram, situated at Namakkal T.K. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Puduchatram (Doc. No. 414/84) in May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Kuppanna Gounder, S/o Shri Kandhaupa Gounder, Thondappatty Village, Puduchatram. Namakkal, Salem Dist.

(Transferor)

(2) Shri S. Muthusamy, S/o Sri Sengoda Gounder, Karungumampalayam, Amur Village, Namakkal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land at Amur Village (S. No. 119/1) Puduchatram, Namakkal T.K. Salem Dist. (Doc. No. 414/84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 4-1-1985

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 17th December 1984

Ref. No. 19/5/84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000and bearing

No. Nochipatty in Kalyani Village situated at Puduchatram. Namakkal T.K. Salem Dist. (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Puduchatram (Doc. No. 430/84) on 30-4-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the Acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of said Act, to the following persons, namely:

(1) Shri Kumarasamy & Others, S/o Shri Palaniappa Gounder. Nochipatty, Kalyani Village, Namakkal, Salem Dist

(Transferor)

(2) Shri Sengodan. S/o Shri Subbarayagounder, Managing Partner, Nethaji Spinning Mills Ltd, Kalyani Village Namakkal, Salem Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agriculture land at Nochipatty in Kalyani Village, Puduchatram, Namakkal T.K., Salem Dist. (Doc. No. 430/84).

> PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Date: 17-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600006, the 17th December 1984

Ref. No. 21/5/84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market Rs. 25,000/- and bearing value exceeding New No. 169/3 situated at Psll.palayam Agraharam Village

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer

at Komarapalayam, Salem Dist. (Doc. No. 1105/84) on

21-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— 53-446GI/84

(1) Shri K. Periyasamy, Shri K. Dhandapani, S/o Shri M. S. Kaliappa Gounder, Valliagavu Garden, Pallipalayam Agraharam, Salem Dist.

(Transferor)

(2) Shri A. Palaniappan, S/o Shri V. Ardhanan Mudali, Palaniappa Nagar, Pallipalayam Agraharam. Salem Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land & Building at Pallipalayam Agraharam, Village, Salem, (Doc. No. 1105/84).

> PREMA MALINI VASAN Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Incofe-tax Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Date: 17-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 31st December 1984

Ref. No. 22/May/84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Survey No. 243/2 situated at Vasanthapuram Village, Namackal (and more 'ully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of

(and more 'ully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at J.S.R. il/Namackal (Doc. No. 813&814/84) on May, 84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said treatment of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 or 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the ssue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. V. Ammaiappa Kawnder, S/o. Varankila Kawinder, Sukkampatti, Namakkal and

2. Kalianimal, W/o Perumal, Sukkampatti, Namakkal.

(Transferor)

(2) Shri P. Perumal, S/o. Palaniyandi, Veppalam Colony, Namakkal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Vasanthapuram Village, Namakkal. (Doc. No. 813 & 814/84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Date: 31-12-1984

Seal : .

-

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006 Madras-600 006, the 31st December 1984

Ref. No. 25/May/84 -- Wncreas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

s'tuated at Na nagripettai

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) n the office of the Registering Officer at Namagiripettai (Doc. No. 388/84 on May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax! Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Smt. Kaliammal and Others, W/o Sri Udayankattu Rangaswamy Gounder, Devasthanam Puthur. Seerapalli, Village.

(Transferor)

(2) Shri Pa'aniappan, Shri Sellappan, Sons of Sri Muthu Gounder, Pallakk du, Namagiripettai, Salem Dist,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The trems and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Punja land at Namagiripettai (Doc. No. 388/84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 31-12-1984

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 31st December 1984

Ref. No. 26/May/84.—Whereas, I, PREMA MALINI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]

and bearing
No. 90/1 & 90/3 situated at Thoppapatti Village, Namagiripettai Union

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Namagiripettai (Doc. No. 406/84 on May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the narties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Smt. Pavaiammal, W/o. Athiappa Kawnder, Ariakawndampatti, Rasipuram Taluk,

(Transferor)

(2) Smt. Periammal, W/o Sengottuvel Kawnder. Thoppapatti, Rasipuram Taluk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Survey No 90/1 and 90/3 Thorpapatti village, Namagiripettai Union, Salem Division (Doc. No. 406/84).

> PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I. Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following namely the persons namely :--

Date: 31-12-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-J, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 31st December 1984

Ref. No. 28/May/84.—Whereas, I. PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]-and hearing

No. Survey No. 114/4 situated at Puthur Kizmugham village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been tran ferred urder the IT. Act, 1961 in the office of the Registering Officer

at S. R. Velakawndampatti (Doc. No. 360/84) on May, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and /or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—
86—446GI/84

(1) Shri C. P. Duraiswamy, Door No. 106, Thillaipuram, Namackal (P.O.), Namackal Taluk.

(Transferor)

(2) Smt. Santhamani, W/o. N. Raja, Aiyanthottam, Kottampatti, Akkalampatti (P.O.), Thiruchengodu (Taluk).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days f om the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Survey No. 114/4, Puthur Kilmugham village. (Doc. No. 360/84),

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Date: 31-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006 Madras-600 006, the 31st December 1984

Ref. No. 30/May/84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

oeing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. at 6 & 5 Kannara Street, Idapadi Post, Sankagiri Tk.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registe ing Officer at Idapadi (Doc. No. 558/84) on May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) racritating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act I hereby initiate proceeds as for the a sor of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said £xt, to the following persons, namely :-

(1) Shri A. Viswanathan and others, S/o. Late Anantha Padmanabha Chettiar, 56-Kannuratheru, Idapadi Village, Samgagiri Tk.

(Transferor)

(2) Smt. A. Kamala. W/o Shri T. Arunagir Sivampada Street. Idapadi Post.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building 5 & 6 Kannara Street Idapadi Village Sangagiri. (Doc. No. 558/84).

> PREMA MALINI VASAN
> Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Date: 31-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600006, the 4th January 1985

Ref. No. 34/May/84.Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. 48, Kailasampalayam Village, situated at Thiruchengodu, Taluk, Town, Salem Dist.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thiruchengodu (Doc. No. 1246/84) in May, 1984

at Thiruchengodu (Doc. No. 1246/84) in May, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) 1. Shri P. Sengottu Vel,

S/o. Sri Pachamuthu Gounder, 2. Shri N. Kathirvelu,

S/o. Shri Nallaiya Gounder.
Shri S. Sengottuvel,
S/o. Shri Sellamuthu Gounder,
No. 48, Kailasampalayam Village,
Thiruchengodu Taluk,
Salem Dist.

(Transferor)

(2) Shri S. Rajendran, 13, Pullikar St., Thiruchengodu, Taluk, Salem Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land at 48 Kailampalayam Village, Tiruchengodu, Taluk, Salem Dist. (Doc. No. 1246/84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1, Madras-600 006.

Date : 4-1-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GUVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600006, the 4th January 1985

Ref. No. 37/May/84.--Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000and bearing

No. S. No. 150/2, Thokkavadi Village, situated at Thiruchengodu

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Thiruchengodu (Doc. No. 1287/84) in May, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons. namely:-

(1) 1. Shri Marappan,

S/o Shri Chellappa Gounder,

Smt. Jayyammal,

W/o Shri Marappan, 3. Smt. Arukkani mmal,

W/o Shri Perumal Gounder, 4. Smt. Nallammal, W/o Shri Vellappa Gounder,

12, Yagappa Nagar Thanjapoon Town, (Via) Anangoor, Thiruchengodu Taluk, Salem Dist.

(Transferor)

(2) 1. Shri N. Vellappa Gounder, 2. Shri N. Marappa Gounder, S/o Shri Nalla Gounder, Paramasiva Goundampalayam, Thokkavaadi V.llage, Thiruchengoda Taluk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Agricultural lands of 563 acres with 1/3 right in well situated at S. No. 150/2. Thokkavaadi Village, Thiruchengodu.

(Doc. No. 1287/84).

PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Date: 4-1-85 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras, the 13th December 1984

Ref. No. 43/5/84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000}- and bearing Survey No. 633/1 situated at Devanna Gounder Village, Sankagiri Taluk, Namakkal, Salem Dist (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the, office of the Registering Officer at Sankagiri (Doc. No. 353/84) in April, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the airoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/o.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Ramasamy, S/o. Shri Palani Gounder, Musalakundrakadu, Devannagoundanoor, Sankagiri Taluk, Salem Dist.

(Transferor)

(2) Shri S. S. M. Subramanian, S/o. Shri Mari Chettiar, Managing Director, M/s. Tan India Wattles Extracts Co., Ltd., Gandhipuram Main Road, Komarapalayam, 633 183.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the Jate of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agriculture land Survey No. 633/1, at Devannagoundanoor Village, Sankagiri Taluk, Salem Dist. (Doc. No. 358/84).

PREMA MALINI VASAN Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Date 13-12-84 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras, the 31st December 1984

Ref. No. 53/84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/and bearing land and building Ward D, Block 17 T.S. No. 26 part

situated at Thamusa ian Chetty Road, Arisipalayam, Salem Town.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 190s (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jt. S.R.O. III Salem (Doc. No. 721/84) in May, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri S. Muthukrishnan, S/o. Subramania Mudaliar, 58, Angalamman Koil Street, Salem-2.

(Transferor)

(2) Shri S. P. Sathasivam, S/o. S. M. Paninichamy, 169. Salem Main Road, Sangakiri.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Ward D, Block 17 T.S. No. 26 Part-Thammannanchetty Road, Arisialayam, Salem Town. (Doc. No. 721/84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Date: 21-12-1984

(1) 1. Sri R. Shanmugham,
2. Sri R. Sekar,
3. Rajathi & others,
s/o Sri Rasi Gounder,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Mangalam, w/o Late Somasundaram Pillai, Pandamangalam,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 31st December 1984

Ref. No. 56/May/84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. 166/2, 170 & 171/2 (Survey Nos.) situated at Koppannamapalayam, Velur. Salem Dt.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Velur, Salem Dt. (Doc. No. 766/84) in May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 259C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sussection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 166/2. 170 & 171/2, Koppanampalayam, Velur, Salem Dt. (Dos. No. 766/84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madras-600 006

Date: 31-12-1984

FORM LT.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sri Muthu Subramanyan & others, S/o Sri Krishnasamy Iyer, 26 Chennakrishnapuram, Salem-7.

(Transferor)

(2) Smt. Amirtha Gowri, W/o. Sri Arumugham, 9- Ram Nagar, Komarasamy patty, Salem-7.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 19th December 1984

Ref. No. 59/May/84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing Ward 'B' Block No. 23 situated at Salem Town (and more fully described in, the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Salem JSR I (Doc. No. 974/84) in May 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—
 - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Vacant land at ward B. Block 23, Marayaneri, Salem. (Doc. No. 974/84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 19-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 31st December 1984

Ref. No. 63/May/84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 217/1, 226/1B & 226/2 (Survey Nos.) situated at Komarasampatty Village, Salem

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at J.S.R. I, Salem (Doc. No. 329/84) in May 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—87—446GI/84

 Sri R. Arumugham, s/o Sri Ramaswamy,
 Smt. A. Stella, w/o Sri R. Arumugham, Melappalayam, Paruthipalli Village, Thiruchengodu T.k., Salem Dt.

(Transferor)

(2) M/s. Sevray Planters' Coffee Curing Works Pvt. Ltd. (Regd. Co.), 12A, 2nd Podu Street, Ponnamma Pettai, Salem-636 001.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land & building at S. No. 217/1, 226/1B & 226/2, Komarasamypatty Village, Salem Dt. (Doc. No. 329/84).

PREMA MALINI VASAN .
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madras-600 006

Date: 31-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sri R. M. S. Ponnuram, s/o Sri R. M. Subbiah Gounder, 499/6, Ashok Nagar, Dindigul.

(2) Sri S. P. Kalliappa Gounder, s/o Sri S. Bossiah Gounder, 95B Nakker Pudu Street, Dindigul. (Transferor)

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 4th January 1985

Ref. No. 75/May/84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No.

No. 49 G-16, Ashok Nagar Puram, situated at Dindigul (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dindigul (Doc. No. 784/84) in May 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Garette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land & building at D. No. 49G-16 Ashok Nagar Puram, Dindigul. (Doc. No. 784/84).

THE SCHEDULE

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madras-600 006

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 4-1-1985

(1) Smt. R. Subaitha, W/o M. Raja Muhamad, D. No. 4, Seeni Rawther Santhu, Dindugul.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri S. Narayanan. S/o S.A. Sheshiyar, D. No. 9, Spensar Compound,

Dindugul.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 31st December 1984

Ref. No. 76/May/84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing Plot No. 9, Spencer Compound, Ward No. 6, situated at Chetinayackenpatti Dindugul Town (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dindugul (Doc. No. 353/84) in May 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to be a solution of the story of the st believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein a are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Lanw and building Plot No. 9, Spencer Compound, Ward No. 6, Chettinayackenpatti village, Dindugul Town. (Doc. No. 353/84).

PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, iamely:-

Date: 31-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 31st December 1984

Ref. No. 80/May/84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, Inrome-Tax, Acquisition Range, Bangalore

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S. No. 150/2, 151/3 & 152/53 situated at Irumbadi Village, Cholayanthan

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 ofof 1908) in the office of the Registering Officer at Cholavanthan (Doc. No. 615/84) in May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Sri M. Manickam,
 Sri Balasubramanyan & others,
 Ss/o Sri Muthaiah Servai,
 Mudaliar Kottai Street,
 Solaikuruchi, Sholavanthan,
 Dindigul, Madurai Dt.

(Transferor)

(2) Smt. Suriyakanthi Ammal, M/g. Minor Senthilkumari, M/g. Minor Sudakar, M/g. Minor Sukumaran, No. 131, Pandya Vellalar St., Madurai Town.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 150/2, 151/3 & 152/1 at Irumbadi Village, Cholavanthan, Dindigul, Madurai Dt., (Doc. No. 615/84).

PREMA MALINI VASAN
Cimpetent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madras-600 006

Date: 31-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 31st December 1984

Ref. No. 85/5/84.--Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.
Plot No. 26, Ward No. 10, Municipal Ward No. 7 situated at

Plot No. 26, Ward No. 10, Municipal Ward No. 7 situated at North Madurai Village, Chokkikulam Tallakulam, Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tallakulam (Doc. No. 1752/84) in May 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than inferen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1972) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) Smt. T. S. P. Gowriammal, w/o Sri Palaniandava Mudaliar, Thillai Nagar Vadakku Visalam St., Thiruchi Town.

(Transferor)

(2) Sri T. R. Kannan, Ramalinga Mills, Aruppukottai, Ramnad Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Vacant house site at Plot No. 26, Ward No. 10, Municipal Ward No. 7, at Chokkikulam, Madurai Dt. (Doc. No. 1752/84).

> PREMA MALINI VASAN Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Madras-600 006

Date: 31-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 31st December 1984

Ref. No. 86/May/84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Town Survey ward 10 situated at Thallakulam,

Madurai North

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 ofof 1908) in the office of the Registering Officer at Thallakulam, Madurai North (Doc. No. 1753/84) in May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the approperty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been on which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. T. S. P. Gowriammal, w/o Sri Palaniyandava Mudaliar, C-71, Thillainagar North, Trichy.

(2) Kovilpatti Steel Rolling Mills, Kovilpatti, Tirunelveli District. (Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at T. S. Ward 10, Thallakulam, Madurai North. (Document No. 1753/84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madras-600 006

Date: 31-12-1984

Soal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 31st December 1984

Ref. No. 88/May/84.— PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the (said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 4/4 T.S. 2742/5 situated at Thallakulam, Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Thallakulam, Madurai (Doc. No. 1835/84) in May 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reaseon to be reased exceeds the apparent consideration therefor by more than different per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Sri T. K. Sreeniyasan s/o T. S. Krishnaswamy, 20, Kamarajar Nagar 2nd St., Thallakulam, Madurai.

(Transferor)

(2) Sri R. Nagarajan, s/o Sri Ramiah Achari, 37, Prasath Road, Narimedu.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Thallakulam, Madurai. (Doc. No. 1835/84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 31-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri S. Selvakumaran. s/o Shri Seenivasa Raghavan, 7, Nehru Nagar, 4th Cross Street, Advar. Madras.

(Transferor)

(2) Smt. S. Vijayalakshmi Ammal, W/o Shri S. Sivanantham, 2, Pulabai Thesai Road, Sinna Chockikulam, Madurai-2.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 31st December 1984

Ref. No. 90/May/84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey Nos. 148/2 and 148/4 situated at

Thallakulam, Madurai

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Thallakulam, Madurai (Doc. No. 1977/84)

in May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: end/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective rersons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 5th Cross Street, Thallakulam, Madurai North.

> PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1 Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 31-12-1984

FORM I.T.N.S.——

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras 600 006, the 4th January 1985

Ref. No. 100/May/84.—Whereas, 1. PREMA Malini VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Ac., 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Door No. 3A. Mohd. Khadur Pallivasal Sannadhi Street, situated at Pettai, Tirunelveli Dt. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1968 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pettai, Tirunelveli Dt. (Doc. No. 1035/84) in May 1984 for an apparent consideration which is less than the far market value of the property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of market with the object of:—

(1) Beer Bathima Beevi,
Pathu Muthu Beevi,
Hamitha Beevi, Nebeesa Beevi,
Mod. Ibrahim & 3 others,
13 A Keela Theru. Pettai.
Tirunclyeli Dt.

(Transferor)

(2) M. K. A. M. A. Beer Mohammed Saik Maideen, s/o Sri Mohammed Abdullah, 34, Keela Theru, Pettai, Tirunelveli Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

ta) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following rersons, namely:—88—446GI/84

THE SCHEDULE

Land & Building et No. 3A, Mohd. Khadur Pallivasal Sannadhi St., Pettai, Tirunelveli Dt. (Doc. No. 1035/84)

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madras-600 006

Date: 4-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 31st December 1984

Ref. No. 104/May/84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

D. Nos. 53, 53/1, 53A & 52/C/5 T.S. No. 587/1-C, T.S. Ward No. 11 situated at S.N. High Road, Sindupundurai Village, 27th Municipal Ward, Tirunelveli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under, the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at J.S.R.I/Tirunelyeli (Doc. No. 538/84) in May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in purusance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri Venkatavijayan, S/o T. M. K. Ettappan, Castle Wood, Triunelveli Jn.

(Transferor)

(2) St. K. Ramasamy S/o Krishnaswamy Reddiar, Post Box No. 7685, Pakabil, Kwait.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 10 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested n the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this votice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The turms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building bearing Door Nos. 53, 53/1 53A & 52/C/5 T.S. No. 587/1-C in Block No. 7, T.S. Ward No. 11, S.N. High Road, Sindupundurai Village, 27th Municipal Ward, Tirunelveli. (Doc. No. 538/84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madras-600 006

Date: 31-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 31st December 1984

Ref. No. 106/May/84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 18th Ward. Ettayapuram Road, situated at Tuticorin (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tirunelveli JSR-I (Doc. No. 261/84/1) in May 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the ssue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 M/s. S. K. S. Rajamani Nadar R. Kanagasabai S/o S. K. S. Rajamani Nadar 65C, South Raja Street, Tuticorin.

(Transferor)

(2) Sri R. Balagurusamy and others S/o Sri Ramasamy Nadar, 203, Ettayapuram Road, Tuticorin.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building House Nos. 64, 64A & 64B, Ward No 18, Ettayapuram Road, Tuticorin. (Doc. No. 261/1984).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissoiner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madras-600 006

Date: 31-12-1984

ال المتعلقية والمتعلق والمتعلق والمتعار والمتعارض والمتعارض والمتعارض والمتعلق والمتعلق والمتعلق والمتعارض والمتعارض

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

\CQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 31st December 1984

Ref. No. 108/May/84. - Whereas, 1. PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovas the said Act), have teason to believe that the limitovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
Survey No. 3534/1Al situated at Municipal Ward No. 18. Palayamkottai Road, Tuticorin.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tuticorin (Doc. No. 223/84) in May 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the objetc of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namey :-

(1) M/s. C. Sengodan and C. Kaliannan, s/o C. Sinnappa Kawnder, 69A/6, Doovipuram 2nd St., Tuticorin.

(Transferor)

(2) Sri Amalraj Rubin, s/o Sri Pitchaiah Rubin, 1A. South Emperor Stret. Tuticorin.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and budging at Survey No. 3534/LA1 Municipal Ward No. 1a. Talayameotrai Road, Tuticorin. (Dec. No. 223/84).

> PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Madras-600 006

Date: 31-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smt. Perumal Fillai, w/o Sri Ramanatha Pillai, Peruvilai.

(Transferor)

 Sri S. Thangamani, Secretary, Nagercoil Co-orerative Housing Society, Nagercoil.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 4th January 1985

Ref. No. 110/May/84.-- Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Arur Village situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR-I Nagercoil (Doc. No. 1112/84) in May 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Agriculture land of 84 acres at Arur Village. (Doc. No. 1112/84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 4-1-1985

5134

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 31st December 1984

Ref. No. 111/May/84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
Survey No. 208 situated at D. No. 24/111, Nesamani Nagar,

Mullaivanam Nagarcoil

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Nagarcoil (Doc. No. 1102/84) on May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) M/s. Rajayyan and Rajamma Viyannur Village, Kannaaur T.K. Vellikkodu, Murugadoss Ishavan, Kootathurai P.O.

(Transferor)

(2) Minor Noyal Mohan Ravin, s/o Sri Paul Ravin Gaurdian Pushpa Paul Ravin, Nagarcoil.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication rotice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Survey No. 208, Nagarcoil Nesamam Nagar, Kothanallur Village, Velimalai Village, Nagareoil, Kanyakumari District (Doc. No. 1102/84).

PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1 Madras-600 006

Date . 31-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 18th December 1984

Ref. No. 116/May/84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

situated at 115 Srirengammal Street, Madras-21

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rayapuram (Doc. No. 682/84) on May 1984

lor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (22 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri M. Mancharan 115 Srirengammal St, Old Washermanpet Madras-21.

(Transferor)

(2) Shri Devarajan No. 72 Adam Saheb Street, Madras-13.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—the terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building 115 Srirengammal Street, Old Washer-manpet Madras-21 (D. No. 682/84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madras-600 006.

Date: 18-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 21st December 1984

Ref. No. 117/5/84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
No. 13 Thambu Chetty St., Royapuram, situated at Madras-13
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of
1908) in the office of the Registering Officer
at Royapuram (Doc. No. 696/84) on May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been tru'y stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Lakshmi Ammal & others, No. 5 Market Lane, Madras-13.

(Transferor)

(2) P. Baghavthi Devi, No. 9 P. V. Koil St., Madras-13.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period exputes later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Street house at 13, Thambu Chetty St., Madras-13. (Doc. No. 696/84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madras-600 006.

Date: 21-12-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 21st December 1984

Ref. No. 120/5/84. Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/and bearing No.

41 Varadharaja perumal Koil St., situated at Madras-81 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering (Officer at Royapuram (Doc. No. 717 & 737/84) on May 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— 89-446GI/84

(1) Sh. K. Vimolammal, K. Ramanathan,

k. Saminathan & K. Athmanathan,

No. 229 Solaippan St, Madras-21.

(Transferor)

(2) Smi P. G. Mohanasundaram, 76 Adam Sahib St., Madras-13.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land & Building at No. 41 Varadharaja Perumal Koil St., Madias-81. (Doc. No. 717 & 737/84).

PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Madras-600 006

Date: 21-12-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 21st December 1984

Ref. No. 121/5/84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 /- and bearing No. 12, Kanaka Pillai St., situated at Thondaiarpet, Madras-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Royapuram, (Doc. No. 719/84) on May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for (1) Shi T. R. Paulraj, 36, Saliamoar St., Madras-21.

(2) Senthamizh Selvi, 15 Perumal Koil St., Madras-3.

(Transferor)

PART III—SEC. 1

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesoid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in he said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Street House at 12, Kanakapillai St., Thondaiarpet, Madras-81. (Doc. No. 719/84).

> PREMA MALINI VASAN Competent Authority:
> Inspecting Assistant Commissione of Income-tax
> Acquisition Range-I Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said t, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the resaid property by the issue of this notice under sub-sec
1 (1) of Section 269D of the said Act, to the following sons, namely .--

Date: 21-12-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Smt. Sarala Devi W/o late K. R. Chinna Krishna Chettiar, No. 29, Dr. Vijayaraghavalu Road, Madras-21.

(Transferor)

Sri S V. Sudarsan,
 Premlia,
 Sullivans Garden Road,
 Mylapore, Madras-4.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 21st December 1984

Ref. No. 124/5/84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

and bearing
Door No. 111, Old No 150C/2 Ennore High Road,
situated at Mad as.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the Cffice of the Registering Officer at Royapuram (Doc. No. 790/84) on May 1984

at Royapuram (Doc. No. 790/84) on May 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the timbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land & building at D. No. 111, Old No. 150 C/2 Eanore High Road, Madras.

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date . 21-12-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

The state of the s

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-I

MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 21st December 1984

Ref. No. 128/5/84.—Whereas, I,

PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000| and bearing

New No. 34, (Old No. 18) Perumal Koil Gadren II lane, Sowcarpet, Madras-79 situated at Madras-79.

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR-I, Madras North, (Doc. No. 1350/84) in May 84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) faculitating the reduction or evasion of the liabilitity of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri K. V. Venkateswara Iyer, 34 Perumal Koil Garden II Lane, Madras.

(Transferor)

(2) Smt. Sode h Rani & Sri H. C. Malthothra, 15 Perumal Koil Garden, II Land, Sowcarpet, Madras-79.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land & Building at Door No. 34, (Old No. 18), Perumal Koli Garden II Lane, Sowcarpet, Madras-79. (Doc. No. 1350/84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madras-600 006.

Date: 21-12-1984.

NUTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 18th December 1984

Ref. No. 129/May/84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 2, Pathala Vigneswarar Koil 8th Lane, Royapuram,

situated at Madras.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Madras (North) II (Doc. No. 1351/84) in May 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(1) Shri P. Appunni, 2, P. V. Koil 8th Lane-Royapuram, Madras-13.

(Transferor)

(2) M/s. William Fernandez Olivia William 42, Arathon Road, Royapuram, Madras-13.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires la er;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined Chapter XXV of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land and building 2, Pathala Vigneswarar Koil 8th Lane Royapuram, Madras (Doc. No. 1351/84).

> PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection '(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 18-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA.

(1) Mrs. Salma Bai 12/49 Post office Street, Madras-1.

(Transferor)

(2) M/s. Taiyb Yusurohai, Fakrudeen Yusuf Bhai 59 Chinnathambi Street, Madras-1.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 17th December 1984

Ref. No. 131/May/84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No.

15(5) Vannier Street, situated at Madras-1, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908. (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Madras (North) II (Doc. No. 1329/84 in May 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that, the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

may be made in writing to the undersigned :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building 15(5) Vanier Street, Madras-1 (Doc. No. 1329/84).

> PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :-

Date: 17-12-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 31st December 1984

Ref. No. 134/May/84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000 and bearing No.

D. No. Old 232, New 123 R. S. No. 11015/2 & 11016. situated at Eastern row of Govindappa Naick street, Pettunaicken et Madras.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at J.S.R. II, Madras (North) (Doc. No. 1440/84) in May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Copparam Natesan Chetty & others 16, Singarachari street, Madras-5 and Sri G. S. Sakunthala, No. 10 Purnam (Prakash Raw Road, Madras-14.

(Transferor)

(2) M/s. Fomra Electricals, No. 121, Govindappa Naick Street, Madras-600 006.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given a that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Eastern row of Govindappa Naick street, Peddunaicken Pet, Madras, Door No. Old 232, New No. 123. R. S. No. 11015/2 & 11016.

(Doc. No. 1440/84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Acquisition Range-I
Madras-600 006

Date: 31-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 17th December 1984

Ref. No. 137/May/84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Incorrectan Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 12, Vengu Pillai Street, Egmore, situated at Madras (and morefully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Madras North I Doc. No. 1218, 1219 and 1220/84) on July 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that 'he consideration for such transfer as agreed to between the parties' has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Smt. Narmada Devi,
 Sri Rupkumar Sri Kalathi
 Besant Road, Rayapettah,
 Madras-14.

(2) Minor K. Geetha Minor K. Sankar Minor Ganapathy Subtamaniam By Guardian and father Shri L. Krishnan No. 8 Kasım Ali 2nd Street,

Triplicane, Madras-5.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land at 12 Vengu Pillai Street, Egmore, Madras (Doc. No. 1218, 1219 and 1220/84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madras 600 006

Date: 17-12-84

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 31st December 1984

Ref. No. 138/May/84.—Whereas, I, PREMA MALII VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Peria Krishnapuram, Salem (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registe ing Officer at S. R. Salem (Doc No. 1235/84) on May 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person namely—90—446 GI/84

 Smt. Visalaksniammal W/o A. E. Venkatesa Iyer, Door No. 9, Sathiyamurthy Street, Sethupet.

(Transferor)

 Sri V. Annamalai S/o Vaithy Kawnder, Peria Krishnapuram, Salem.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Peria Krishnapuram, Salem (Doc. No. 1235/84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madras-600 006

Date: 31-12-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 31st December 1984

Ref. No. 139/May/84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as 'the 'suid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

R. S. No. 55/1 situated at Athiyur village, Puthur village,

Salem

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S. R. Salem (Doc. No. 1237/84) in May 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, un respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Smt. Visalakshiammal, w/o A. E. Venkatesa Aiyer,
 Sathiyamurthy Street, Sethupet.

(Transferor)

 Sri A. Selvaraju, S/o V. Annamalai, Athiyur, Puthur village, Salem.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days
 from the service of notice on the respective persons
 whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and biulding at Aithiyoor, Puthur village, Salem (Doc No. 1237/84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D or the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 31-12-1984

FORM ITHS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 31st December 1984

Ref. No. 140/May/84. Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,900/-

and bearing
No. Sree Rajendra Mills Limited, situated at Gandhi Nagar,

Salem-9.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at J.S.R. I/Madras (North) (Doc. No. 1294/84) in May 84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the eferesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Sree Rajendra Mills Limited, Gandhi Nagar, Salem-636 009

(Transferor)

(2) Sree Akilandeswari Mills Limited, Gandhi Nagar, Salem-636 009

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Sree Rapendra Mills Limited, Gandhi Nagar, Salem-9 (Doc. No. 1294/84).

> PREMA MALINI VASAN Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I* Madras-600 006

Date: 31-12-1984

Scal:

FORM IINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 4th January 1985

Ref. No. 145/May/84.—Whereas, 1, PREMA MALINI VASAN,

transfer with the object of :-

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]-and hearing

and bearing
No. 65, Narayana Mudali Street, situated at Madras-1.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registerirg Officer at Sowcarpet, Madras (Doc. No. 207/84) in May 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market 'alue of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

 Sri V. Mohanakrishna Chetty, 2 Balia Avenue, Lus-Church Road, Madras-4.

(Transferor)

Sri Raichand,
 S/o Sri Rickubchand Jain
 Strotten Muthiah Madali St.,
 Madras-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immeovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Street house situated at No. 65 Narayana Mudali Street, Madras-1. (Doc. No. 207/84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madras-6 1006

Date: 4-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras, the 4th January 1985

Ref. No. 146/May/84.—Whereas I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable of the immovable of the competence of the immovable of the immovab property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing

No. 65, Narayana Mudali Street, Madras-1 situated at

Madras-1 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registration Act, 1906 to of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sowcarpet, Madras, Doc. No. 208/84 in May, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such tra sfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Sri V. Mohanakrishna Chetty,
 Baliya Avenue,
 lus-Church Road, Madras-4.

(Transferor)

(2) Sri Habeeb Mohamed Sadukummal, W/o Sri Ratna Mohammed, 27. Angappa Naicken St., Madras-1.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Street house at 65, Narayana Mudali Street, Madras-1. (Doc. No. 208/84).

> PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 4-1-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 21st December 1984

Ref. No. 14J/May/84.—Whereas I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immobavle property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Old No. 47, New No. 9 Perianna Mudali Street, situated at Seven Wells, Madras-1

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sowcarpet, Madras. (Doc., No. 209/84). in May 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the fiability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Sri P. S. Subramanian,
 Sri P. S. Kandasamy,
 sons of Sri P. Subbaroyan,
 Koothadum, Pillaiyar Koil Street,
 Saidapet, Madras-15.

(Transferor)

(2) 1. Sri N. L. Rajendran & 6 others, sons of N. Lakshmiah Chetty, No. 9 Periyanna Mudali Street, Seven Wells, Madras-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPL 'ATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land & building at Old No. 47, New No. 9 Periyanna Mudali Street, Madras-1.

(Doc. No. 209/84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 21-12-84

-

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 21st December 1984

Ref. No. 148/5/84.—Whereas I.
PREMA MALINI VASAN.
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-, and bearing
No. 7 Venkatesa Naidu Lane, situated at George Town, Madras
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sowcarpet. (Doc. No. 210/84). in May 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer

as agreed to between the parties has not been truly stated in

the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Smt. K. V. Anusuya,
 Shri K. S. Viswanthan,
 Venkateswa Naicken Lane,
 George Town, Madras.

(Transferor)

(2) Sri S. I. Abdul Jabbar, s/o. Sri Syed Ibrahim, No. 17, Kattu Thaka Street, Kayalpattinam (now at Madras).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE .

Land and building at No. 7, Venkatesa Naidu Lane, George Town, Madras.

(Doc. No. 210/84)

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 21-12-84

MOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I

MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 17th December 1984

Ref. No. 150/May/84.—Whereas I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 68 Natt Pillaiyar Koil Street, Madras-1

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sowcarpet (Doc. No. 222/84) in May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Rajeswari, Smt. Rajalakshnui, Smt, Geetha, Miss Sara, 44, Vaidyanatha Iyer Street, Nungambakkam, Madras-34.

(Transferor)

(2) Smt. Asha Garg, W/o. Sri Vinod Garg, 15, Arumugam Street, G. T., Madras-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

No. 68, Nattu Pillaiyar Koil Street, Madras-1, (Doc. No. 222/84)

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 17-12-84

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

PART [II-SEC. 1]

Shri K. Swaminathan, Power Agent of Shri Amiya Bhiran Dass, 2 C, Rajant Tower, Calcutta.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I

MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 21st December 1984

Ref. No. 155/May/84.—Whereas I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. B/41 Kilpauk Garden Colony Scheme, Egmore, Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Periamet. (Doc. No. 466/84)

in May 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Flat No. 6 T. Nagar, Madras-17.

(2) Shri K. Gopalan,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective personswhichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land and building Plot No. B/41-42 Egmore Village T. S. No. 81/43. (Doc. No. 446/84)

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—91—446 GI/84

Date: 21-12-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 31st December 1984

Ref. No. 157/May/84.--Whereas I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing R. S. No. 154 situated at 40, Landons Road, Madras-10 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S. R. Periamet (Doc. No. 478/84) on May, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Dr. T. M. Murari, R/o 10961, Adare Drive Nowat, 40, Landons Road, Madras-10.

(Transferor)

 Shri E. Bhaskar, Shri Vasantha Bhasker, R/o No. 1, Dr. Guruswamy Mudaliar Road, Chetpet, Madras-600 031.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 40, Landons Road, Madras-10. (Doc. No. 478/84)

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 31-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 14th December 1984

Ref. No. 158/May/84.—Whereas I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No.

Rs. 25,000/- and bearing No. 63, Shiyali Mudali Street situated at Pudupet, Madras-2 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Periamet, Madras (Doc. No. 479/84) on 21-5-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri P. Bhanumadhi, R/o 35, T. H. Road, Madras-21.

(Transferor)

(2) Shri M. M. Abdullah & Shri M. M. Syad Ahammed, R/o 19, Wallers Road, Madras-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this metics in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressinos used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land & Building at No. 63, Shiyali Mudali Street, Pudupe Madras-2. (Doc. No. 479/84)

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 14-12-1984

Seal.

FORM NO. I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 14th December 1984

Ref. No. 161/May/84.—Whereas I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Sect.on 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act',) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. situated at 22, Police Commissioner's Office Road, Egmore, Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Periamet (Doc. No. 499/84) on May, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid proparty and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facultating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Mrs. Parvathy Krishnamurthy, R/o No. 22, Police Commissioner's Office Road, Egmore, Madras.

(Transféror)

(2) Shri K. Nagappan S/o Shri M. T. Kulandai Mudaliar, Mrs. Kausalya Nagappan, R/o No. 3, M. V. Naidu Street, Chetput, Madras-31.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used therein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building 22, Police Commissioner's Office Road, Egmore. (Doc. No. 499/84)

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-12-1984

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I. MADRAS-600 006

Madras-600 006 the 31st December 1984

Ref. No. 162/May/84.—Whereas I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 2691. The Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter, referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 4, Appaswamy St., Harrington Road, 7th Avenue situated

at Madras-31

at Madras-31 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Periamet (Doc. No. 501/84) on May, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument or transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Acf, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, naimely:-

(1) M/s. Jagjivandass M. Turakhia, Rajnikant J. Turakhia and others, R/o No. 4, Appaswamy Street, Harrington Road, 7th Avenue, Madras-31.

(Transferor)

(2) Sri N. Krishnamoorthy, Managing Director, M/s. Deccan Overseas Exports (P) Ltd., 5, 9th Avenue. Harrington Road, Madras-31.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 7th Avenue, No. 4, Appaswamy Street, Harrington Road, Madras-31. (Doc. No. 501/84)

PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 31-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 31st December 1984

Ref. No. 165/May/84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. 1 (Old No. 2 and 1/2) situated at Mattukkara Veerabadran St., Periamet, Madras-3

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S. R. Periamet (Doc. No. 418/84) in May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the flability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor, and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection '(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. K. Panchacharam Ammal, R/o No. 26, Iyya Mudali Street, Chintadripet, Madras-2 and Smt. R. Anusuya, R/o No. 66, Guruvappa Chetty St., Chintadripet, Madras-2.

(Transferor)

(2) M/s. S. A. Salam and Shrimati K. Saheer Banu, R/o No. 64, Gandhi Road, Alankayam, Krishnagiri Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at No. 1 (Old No. 2 and 1/2), Muttukkara Veerabadran Street, Periamet, Madras-3. (Doc. No. 418/84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 31-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 4th January 1985

Ref. No. 169/May/84.—Whereas I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 4969, 54, Part of Naduvakkarai Village situated at Anna Nagar, Madras (Doc. No. 1621/84) (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anna Nagar, Madras (Doc. No. 1621/84) on 5-5-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by the more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Sri A. S. Rajan S/o
 Late Shri A. V. Subramanian, R/o
 Plot No. 4969, Anna Nagar,
 Madras-40.

(2) Sri T. Pratapkumar &

 Sri T. Pratapkumar & Sri Venugopal, R/o AC-38, Anna Nagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant Land at Plot No. 4969 in 54 part of Naduvakkarai Village, in Anna Nagar. (Doc. No. 1621/84)

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 4-1-1985

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Shri S. Ravi S/o Shri V. S. Sundaravadıvelu, R/o 13, South Mada Street, Saidapet, Madras-600 015.

(Transferor)

 Miss. U. Niveditha D/o Shri U. Shobhan Babu, R/o 22, Rajaram Metha Nagar, Madras-600 029.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 18th December 1984

Ref. No. 177/5/84.—Whereas I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Plot No. 2499 at Anna Nagar in R. S. No. 89, Part of Naduvakkarai Village situated at Saidapet, Madras

(and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Anna Nagar (Doc. No. 1811/84) on 14-5-1984 for an apparent consideration which is less than the fair

Anna Nagar (Doc. No. 1811/84) on 14-5-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the mability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant House Site (Plot No. 2499 at Anna Nagar). (Doc. No. 1811/84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I htreby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269(D) of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 18-12-1984,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 14th December 1984

Ref. No. 179/May/84.—Whereas I, PREMA MALINI VASAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
Plot No. 4492 situated at Mullam Village, Annanagar, Madras (and more fully described in the Schedule annexxed hereto)

(and more fully described in the Schedule annexxed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Annanagar (Doc. No. 1890/84) in May, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect of the property of the property as a foresaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income usising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
92—446 GI/84

(1) Shri V. A. Raja Rao S/o Shri V. Abraham, R/o 29, Ramanuja Street, Washermanpet, Madras-21.

(Transferor)

5161

(2) Shri K. N. Oommen S/o Shri K. N. Wimman, R/o Q-81, Annanagar, Madras.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty-may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land plot No. 4492, Mullam Village, Annanagar, Madras. (Doc. No. 1890/84).

> PREMA MALINI VASAN Competent. Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600 00%

Date: 14-12-1984

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Jeewanial (1929) Limited, 23, Biplabi Trailokya Moharaj Sarani (formerly Brabourne Road), Calcutta-1.

(Transferor)

(2) M/s. Sun Metal Factory India Private Limited, 280, Mint Street, Madras-3.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 31st December 1984

Ref. No. 184/May/84.—Whereas I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
Nov. 2, Singara Garden, 4th Lane, Washermanpet situated at

Madras-3

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred

'(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

of the Registering Officer at Madras Central (Doc. No. 445/84) in May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official. Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facility ing the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at No. 2. Singara Garden, 4th Lane. Tashermanpet, Madras-1. (Doc. No. 445/84). Washermanpet, Madras-1.

> PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice undre subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 31-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

'(1) M/s. Lotues Enterprises, 124, Nyniappa Naicken St., Madras-3.

(Transferor)

(2) The Tamil Nadu Metal Ware Manufacturers & Merchants Association, 10, Ragunayakulu St., Madras-3.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th January 1985

Ref. No. 185/May/84.—Whereas I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-vax Act, 1961 (43 of 1961) (herinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

and bearing
No. 13, Ragunayakallu Street, (II Floor) situated at Madras-3
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Madras Central (Doc. No. 429/84) in May, 1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforetaid exceeds the apparent consideration therefor by
more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this petice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b): by any other person interested in the said imm property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and|or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat measuring 1400 Sq. ft. in II Floor at D. No. 13, Ragunayakulu St., Madras-3.

(DOC. No. 429/84)

PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-I, Madras-600 006

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the sait Act, to the following persons namely:--

Date: 5-1-1985,

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006 Madras-600 006, the 8th January 1985

Ref. No. 186/May/84.—Whereas I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Rs. 25,000/- and bearing Rs. No. 153, Part T. S. No. 225, Block No. 9A situated at Naduvakkarai Village (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Madras Central (Doc. No. 515/84) in May, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri T. N. V. Ramakrishnan, Rep. by Power Agent Shri V. Ramachandran, R/o 23, South Mada Street, Srinagar Colony, Saidapet.

(Transferor)

PART III-SEC. 1

(2) Shri K. Padmanabhan S/o Shri V. Krishnan, R/o C-188, 1st Street, II Avenue, Ashok Nagar, Madras-600 078.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Naduvakkarai Village. (Doc. No. 515/84)

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 8-1-1985 Seal:

pear :

FORM I.T.N.S.---

M/s. India Linoleums Limited,
 9/1, R. N. Mukherjee Road,
 Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Praveen (India) Ltd., 32-A, Chittaranjan Avenue, Calcutta.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IV,

CALCUTTA

Calcutta, the 11th January 1985

Ref. No. AC-50/Acqn.R-IV/Cal/8485.—Whereas, I, SANKAR K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

14 situated at Dr. H. K. Chatterjee Lane (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 4-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: 4 K-7 Ch-38 Sft. & 7 K-12 Ch-15 Sft. with Building.

Address: 14, Dr. H. K. Chatterjee Lane, Ghusery, P. S.

Bally, Dist: Howrah.

Deed No. 5057 of 1984.

SANKAR K. BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-700 016.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-1-1985

FORM I.T.N S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE-INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. India Linoleums Limited, 9/1, R. N. Mukherjee Road, Calcutta.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Tirupati Plastic Industries, 95, Southern Avenue, Cal-29.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV. 54. RAFI AHMED KIDWAI ROAD. CALCUTTA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

Calcutta, the 11th January 1985

Ref. No. AC-51/Acq.B-IV/Cal/84-85.—Whereas, I, SANKAR K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income ax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 14 situated at Dr. H. K. Chatteriee Lane (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 4-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds he apparent consideration therefor by more than fifteen pur cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said EXPLANATION: - The terms and expressions Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Land: 6 Cottahs 10 Chataks 34 sqft. with Building. Address: 14, Dr. H. N. Chatterjee Lane, Ghusery, P. S. Bally, Dist: Howrah.

Deed No.: 5058 of 1984.

> SANKAR K. BANERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-IV, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700 016.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice tinder sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 11-1-1985

Scal :

FORM I.T.N.S.-

(1) M/s. India Linoleums Limited, 9/1, R. N. Mukherjee Road, Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43-OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA.

(2) Smt. Kanta Devi Gupta, Smt. Kavits Gupta, 40, Strand Road, Cal-700001.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX
ACQUISITION RANGE-IV,
54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD,
CALCUTTA

Calcutta, the 11th January 1985

Ref No. AC-52/Acqn.R-IV/Cal/84-85.—Whereas, I, SANKAR K. BANERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the

Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No

14 situated at Dr. H. K. Chatterjee Lane

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 4-5-1984

calculation 4-3-1964
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or

moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: 1 K. 15 ch & 1 K. 15 ch with Building. Address: 15, Dr. H. K. Chatterjee Lane, Ghusery, P. S. Bally, Dist: Howrah. Deed No. 5059 of 1984.

SANKAR K. BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-700 016.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dates: 11-1-1985'c

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA

Calcutta, the 11th January 1985

Ref. No. AC-53/Acq.R-IV/Cal/84-85.—Whereas, I, SANKAR K. BANERJEE,

Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable respect houses of the property beauty and the property of the property of the property of the property polynomials. property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 14 situated at Dr. H. K. Chatterjee Lane (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908. (16 of 1908) in the office of the Registering Calcutta on 4-5-1984 Officer

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the far market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such opparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or disclosed by the transferee for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hertby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:-

(1) M/s. India Linoleums Limited, 9/1, R. N. Mukherjee Road, Calcutta.

(Transferor)

(2) Mr. Sri Ram Agarwal, Mr. Suresh Kumar Agarwal, 147, Girish Ghosh Road, Block-J, Room No. 4, P.O. : Belurmath, Howrah.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned: -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period 3(1 days from the service of notice on the respective persons, which have period 3 or the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: 3 K-0 Ch-10 Sft. with building.

Address: 15, Dr. H. K. Chatterjee Lane, Ghusury, P. S.

Bally, Dist: Howrah.

Deed No.: 5061 of 1984.

SANKAR K. BANERJEE Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700 016.

Date: 11-1-1985

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-IV,
54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD,
CALCUTTA

Calculta-700 016, the 11th January 1985

Ref. No. AC-55/Acq.R-IV/Cal/84-85.—Whereas, I, SANKAR K. BANERJEE,

teing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act')
have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing

No. 14 situated at Dr. H. K. Chatterjee Lane (and more fully describtd in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 4-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—
93—446 GI/84

(1) M/s. India Linoleums Limited, 9/1, R. N. Mukherjee Road, Calcutta.

(Transferor)

(2) Sri Sandip Kumar Mahansaria,(Amar-Deep Building),13, Floor, 1, Sarai Road,Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: 6 K-13 Ch-40 Sft. with building. Address: 14, Dr. H. K. Chatterjee Lane, Ghusury, P. S. Bally, Dist: Howrah. Deed No.: 4980 of 1984,

SANKAR K. BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
'Acquisition Range-IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-700 016.

Date: 11-1-1985

 M/s. India Linoleums Limited, 9/1, R. N. Mukherjee Road, Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Damanjit Kaur, 33 A, Market Street, Calcutta-700 016.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-IV,
54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD,
CALCUTTA

Calcutta-700 016, the 11th January 1985

Ref. No. AC-54/Acq.R-IV/Cal/84-85.—Whreaes, I, SANKAR K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 14 situated at Dr. H. K. Chatterjee Lane (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 4-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land: 3 K-13 Ch-37 Sft. with Building.

Address: 14, Dr. H. K. Chatterjee Lane, Ghusury, P. S. Bally, Dist: Howrah.

Deed No.: 4979 of 1984.

SANKAR K. BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-700 016.

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the follow persons, namely:—

Date: 11-1-1985

Mat :

FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

ENCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV, 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA

Calcutta-700 016, the 11th January 1985

Ref. No. AC-56/Acq.R-IV/Cal/84-85.—Whereas, I, SANKAR K. BANERJEE,

being the Competent Authority

under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing

No. 14 situated at Dr. H. K. Chatterjee Lane

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 4-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aloresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:---

(1) M/s. India Linoleums Limited, 9/1, R. N. Mukherjee Road, Calcutta.

(Transferor)

(2) Sri Surjit Singh Batra, 5/2, Gobind Dhar Lane, Cal-7.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: 3 K-1 Ch-18 Sft. with building.

Address: 14, Dr. H. K. Chatterjee Lane, Ghusury, P. S.

Bally, Dist: Howrah.

Deed No.: 4978 of 1984.

SANKAR K. BANERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700 016.

Date: 11-1-1985

(1) S. K Ruia.

- (Transferor)
- (2) Sonapur Tea Co. P. Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta-16, the 10th January 1985

Ref. No. C.A. 169/84-85/Sl. 966 I.A.C./Acq./ R-I/Cal.-Whereas, I, S. K. BANERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 61B, situated at Park Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Competent Authority, IAC., Acq. R-I, Cal on 26-5-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that

the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2B on the 2nd floor of 'Neclam' at 61B, Park Street, Calcutta. Area 1,000 sq. ft. Registered before the Competent Authority, I.A.C., Acquisition Range-I, Calcutta vide Serial C.A. 169 dated 26-5-84.

S K. BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-1-85.

FORM NO. I.T.N.S.—

(1) Kali Durga Estate.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Suraj Prakash Jaiswal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta-16, the 9th January 1985

Ref. No. TR-160/84-85/Sl. 967/I.A.C./Acq. R-I/Cal.—Whereas, I, S. K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

158, situated at Lenin Sarani, Office Room No. 8, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R.A., Calcutta on 15-5-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-ta' Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office room No 8 (750 Sq. ft.) in ground floor at 158, Lenin Sarani, Calcutta. Registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No. I-5473 dated 15-5-84.

S K. BANERIEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the aquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-1-85

FORM LT.N.S.-

(1) Sri Tarak Nath Mullick

(Transferor)

(2) Buildings & Properties (P) Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta-16, the 10th January 1985

Ref. No. TR-161/84-85/Sl. 968 I.A.C./Acq. R-I/Cal.—Whereas, I, S. K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

59, situated at Biplabi Anukul Chandra Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at RA., Calcutta on 16-5-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate Proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Obections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that property at 59, Biplabi Anukul Chandra Street, Calcutta baving an area of 5 cottains 9 chittacks 3 sq. ft of land together with a three storied building thereon. Registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No. I-5567 dt. 16-5-84.

S K. BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date: 10-1-85

FORM I.T.N.S.-

(1) Taranjeet Singh Chadha.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Tea Packers (India) Pvt. Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING. ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta-16, the 11th January 1985

Ref. No. C.A. 46/84-85/Sl. 969 I.A.C./Acq. R-I/Cal.—Whereas, I, S. K. BANERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]-and bearing No.

2, situated at Ganesh Chandra Avenue, Calcutta-700013 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

1908) in the Office of the Registering Officer at Competent Authority. IAC, Acq. R-I, Calcutta on 18-8-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that Office flat No. 3 on the 3rd floor of Commerce House—covered area 298 sq. ft., at 2, Ganesh Chandra Avenue, Calcutta-13. Registered before the Competent Authority, I.A.C., Acq. Range-I, Calcutta vide Serial C.A. 46 dated 18-8-84.

S K. BANERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date: 11-1-85.

(1) Md. Amim Sulaiman Salehjee & Ors.

(Transferor)

(2) Abubaker Md. Dhalech & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta-16, the 11 January 1985

Ref No. TR-162/84-85/Sl. 970 I.A.C /Acq. R-I/Cal.—Whereas, I, S. K. BANERJFE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No.

21, si uated at Amratolla Street, Calcutta (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R.A., Calcutta on 2-5-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration of such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used h are defined in Chapter XXA of Act, shall have the same meaning in that Chapter.

THE SCHEDULE

Dilapidated C.I. Shed—land area—5 Cottahs and 12 sq. ft.—at 21, Amratolla Street, Calcutta-1. Registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No. I-6070P dated 2-5-1984.

S K. BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commission: of Income-tax
Acquisition Range-I
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date: 11-1-85.

FORM ITNS (1) M/s Sujan Viniyoge Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri H. K. Jolly.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta-16, the 11th January 1985

Ref No CA 168/84-85/Si. 971 I.A.C./Acq. R-I/Cal.—Whereas, I, S. K. BANERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

18A, situated at Park Street, Calcuita

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at Competent Authority, IAC, Acq R-I, Calcutta on 24-5-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than said exceeds the apparent consideration therefor by more than the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facultating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that Flat No. 5-F on the 5th floor of the premises No. 18A, Park Street, Calcutta. Covered area 1569.67 sq. ft. Registered before the Competent Authority. I.A.C, Acquisition Range-I, Calcutta vide Serial C.A. 168 dated 24-5-84.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 264D of the said Act, to the following persons, namely :-94-446GI/84

S K. BANERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date: 11-1-85.

FORM I.T.N.S.-

(1) Smt. Basanti Mukherjee & Ors.

(Transferor)

(2) Sri Ranjit Kumar Agarwal & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 14th January 1985

Ref. No. TR-186/84-85/Sl. 973 I.A.C./Acq. R-I/Cal.—Whereas, I, S. K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

6, situated at Neogi Pukur Bye Lane, P.S. Taltola, Calcutta. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S.R.A., Calcutta on 25-5-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1932 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that tile shed structure on brick built walls—land area 4 cottahs at 6, Neogi Pukur Bye Lane, P.S. Taltala, Calcutta. Registered before the Sub-Registrar of Assurances, Calcuttavide Deed No. I-5934 dated 25-5-84.

S K. BANERIEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date: 14-5-84.

(1) Sri Jagat Narain Gupta & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sk. Anwar Ali & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 14th January 1985

Ref. No. TR-164/84-85/Sl. 972 I A.C./Acq. R-I/Cal.—Whereas, I, S. K. BANERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 39, situated at Taltola Bazar Street, Calcutta-14

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R.A., Calcutta on 14-5-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of -

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under that said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); All that one three storeyed brick built structure—land area 3 cottans, 11 chittacks and 3 sq. ft.—at 39, Taltola Bazar Street, Calcutta-14. Registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No. I-5441 dated 14-5-84.

S K. BANERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-ta-Acquisition Range-I 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 14-1-85.

(1) Dr. Anil Chandra Banerjee.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Srimati Threety Cushrow Irani & Sri Cushrow Russy Irani,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 10th January 1985

Ref. No C.A. 161/84-85/Sl. 965 I.A.C./Acq. R-I/Cal.—Whereas, I, S. K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

4, situated at Shakespeare Sarani, Calcutta-71 (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Competent Authority, I.A.C. Acq. R-I Calcutta on 5-5-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the surposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall havt the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One flat being No. 1G on the first floor of the 'Embassy' buildidngs under the Embassy Cooperative Housing Society Ltd., at 4, Shakespeare Sarani, Calcutta 700071 along with car parking space. Area of the flat about 1347 sq. ft. Registered before the Competent Authority, I.A.C., Acquisition Range-I, Calcutta vide Serial C A. 161 dated 5-5-84.

S K. BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date: 10-1-85.

Scal:

(1) Hriday Narain Tandon.

(Transferor)

(2) Balai Ch. Das & Ors.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA.

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th January 1985

Ref. No. 1700/Acq. R-III/84-85.—Whereas, I, SANKAR BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

9/4 situated at Patna tola Lane, Calcutta
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of

1908.) in he office of the Registering Officer at SRA, Calcutta on 4-5-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that 1 k. 9 ch. of land with dwelling House at 9/4 Patna tola Lane, Calcutta regd. in Calcutta vide Deed No 1 4994 dt. 4-5-84.

S K. BANERIEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby under sub-section (1) of Section 269D of said Act to the following persons namely:—

Date: 14-1-85. Seal:

- (1) M/s Subrata Pratim Dutta & Ors.
 - (Transferor)
 - (Transferee)

(2) M/s. Dev Sahitya Kutir (P) Ltd.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 14th January 1985

Ref. No. 1699/Acq. R-III/84-85.—Whereas, I, SANKAR BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

15 and 15H situated at Fern Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16

of 1908) in the office of the Registering Officer at

R.A., Calcutta on 7-5 84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that partly two and partly three storeyed building land area—3 k 14 ch 19 sq ft. Fern Road, Calcutta. Registered in Calcutta vide deed No. T 5166 dt. 7-5-84.

SANKAR BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Now therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-1-85.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 11th January 1985

No. 1698/Acq. R-III/84-85.--Whereas, I, SANKAR BANERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe hat the immovable property, having a fair market value exceeding 25.000/- and bearing No.

2C. situated at Madhab Lane, Calcutta-25 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at IAC Acqu R-III Calcutta on 26-5-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee in the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, of the follow-ne nersons, namely:—

(1) Balai Lai Pal.

(Transferor)

(2) Sri Dwarka Pd. Khemka & Ors.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

All that space measuring 2271 sq. ft. situated at P404/3 CIT Scheme, Calcutta-29 registered before IAC., Acqn. R-III, Calcutta on 26-5-84 by Form No. 37EE.

S K. BANERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Calcutta 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date: 11-1-65.

Scal :

(1) M/s. Vasundhara Properties Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Kanika Memorial Trust.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, CALCUITA

Calcutta, the 11th January 1985

Ref o. 1697/Acq. R III/84-85.—Whereus, I, SANKAR BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1561 (43 of 1961) (here nafter referred to as the haid Act), have reason to believe that the immissable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2/7, situated at Satat Bose Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in hte Office of the Registering Officer at

IAC, Acqn. R-III, Calcutta on 26-5-84

for in apparent consideration, which is less than the fair believe that the fair marker value of the property as aforesaid exacteds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or cught to be declosed by the transferee for the purposes of the Irdian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that office space No. 8 in the sixth floor at 'Vasundhara' 2/7 Sarat Bose Road, Calcutta mea uring 1092 sq. ft. registered before IAC Acqn. R-III, Calcutta on 26-5-84 by Form No. 3 / EE

> SANKAR BANERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Calcutta 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act to the following aforesaid property by the issue of this notice under subpersons, namely :--

Date: 11-1-85.

(1) Masters Builders,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Miss Shelly Sen.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, CALCUTT A

Calcutta, the 11th January 1985

Ref. No. 1696/Acq. R-III/84-85 —Whereas, I, SANKAR BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 48 situated at Kali Temple Road. Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the officer

IAC. Acqn. R-III, Calcutta on 7-5-84.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—
95—446GI/84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other persons interested in the said immerable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

All that Flat No. 3E measuring 835 sq. ft. situated at 48 Kali Temple Road, Calcutta registered before I.A.C., Acqn. R-III, Calcutta on 7-5-84 by Form No. 37EE.

SANKAR BANERIEF
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16,

Date: 11-1-85.

(1) Slab Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

(2) Mrs. Roma Dcy.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I. CALCUTTA

Calcutta, the 11th January 1985

Ref. No. 1695/Acq. R-III/84-85.--Whereas, I, SANKAR. BANERJŁE.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.
253F, N.S.C. Bose Road, situated at Calcutta
(and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16, of 1908) in the office of the registering officer at IAC., Acqn R-III, Calcutta on 4-5-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) factificating the reduction or evasion of hie liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys, or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that space measuring 740 sq. ft. (under custon) situatat 253F, NSC Bose Road, Calcutta-47 registered before IAC., Acan R-III, Calcutta on 4-5-84 by Form No. 37EE.

> SANKAR BANERJEE Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range I, Calcutta
> 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date: 11-1-85.

(1) Shri K. N. Properties Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Bejay Kumar Surana.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 11th January 1985

Ref. No. 1694/Acq.R-III/84-85.—Whereas, I, SANKAR BANERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 11A, Palm Avenue, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at IAC, Acqn. R-III, Cal. on 11-5-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Ojections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that space measuring 1796 sq. ft. situated at 11A, Palm Avenue, Cal. registered before I.A.C., Acqn. R-III, Cal. on 11-5-84 by Form No. 37EE.

SHANKAR BANNERIFE
SANKAR BANERIEE
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range R-III Cal.
54, Rafi Ahmed Kidwai Pond Calcutta

Date : 11-1-85 Seal :

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

FORM LT.N.S.-

(1) Shri Valji Sunderji Thacker.

may be made in writing to the undersigned:

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Vinod Kundalia.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 11th January 1985

Ref. No 1693/Acq.R-III/84-85.--Whereas, I. SANKAR BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Woodburn Park. Cal.-20

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed nerew), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at IAC Acqn. R-III, Cal. on 19-5-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than interior per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the fiate t, of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from 'he date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that flat No. 'D' on the fifth floor measuring 1009 sq. ft. at 3, Woodburn Park, Cal.-20 registered before I.A.C., Acqn.-R-III, Cal. by Form No. 37EE on 19-5-84.

> SANKAR BANERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Cal. 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date . 11-1-85 Seal:

(1) Shri Dilip Kumar Dutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Dolly Chakraborty.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 11th January 1985

Ref No. 1691/Acq.R-III/84-85.—Whereas, I, SANKAR BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 or 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act)', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

67/1/1B situated at Ibsahimpur Road, Cal.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Gandhidham Cal. on 17-5-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said infimovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that land measuring 2 K.-14 Ch. at 67/1/1B Forahim-pur Road, Cal. registered at Cal. vide Deed I 5632 dt. 17-5-84.

SANKAR BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Cal.
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 11-1-85 Seal :

(1) Shri Pratima Mukherjee.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ashok Kumar Sharma.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II. CALCUTTA

Calcutta, the 11th January 1985

Ref. No. 1692/Acq.R-III/84-85.—Whereas, I,

SANKAR BANERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 196. (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No.

30, situated at Ramkamal Sen Lane, Cal. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Calcutta on May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, thereore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazeste or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that 1K-3 Ch. of land together with a two storyed situated at 30, Rapakamal Sen Lane, Cal. registered at Calcutta vide.

SANKAR BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Cal.
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta

Date : 11-1-85

(1) Shri Biman Behari Ghosh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Banishree Bajoria.

(Transferos)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 11th January 1985

Ref. No. 1690/Acq.R-III/84-85.--Whereas, I, SANKAR BANERJEE.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and bearing 2, Mandaville Garden, Cal.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer

at Cal. on 9-5-84

at Car. On 9-3-64
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the chieft reasfer with the object,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, wi.hin 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The trems and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

All that Flat No. 4E measuring 775 situated at 2, Mandaville Garden, Calcutta registered in Calcutta vide Deed No. I 5240 dt. 9-5-84.

> SHANKAR BANNERIEE Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range R-III- Cal. 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the iforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Date . 11-1-85 Seal:

(1) Shri Pashupati Co-op. Housing Society Ltd. (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(a) by any of the aforesaid persons within a period of

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

45 days from the date of publication of this notice

in the Official Gazette or a period of 30 days from

the service of notice on the respective persons,

may be made in writing to the undersigned :-

which period expires later;

(2) Shri Ramdhir Kumar,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 11th January 1985

Ref. No. 1689/Acq. RIII/84-85.—Whereas, I, SANKAR BANERJEE.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 62/7/1-B situated at B. C. Road, Cal.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at IAC, Acqn. R-III, Cal. on 14-584

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;--

are defined in Chaffer XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that (hapter.

· Explanation:—The terms and expressions used herein

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

THE SCHEDULE

All that Flat measuring 1559 sq. ft. situated at 62/7/1-B B. C. Rod, Cal. registered before I.A.C. Acqn. R-III. Cal. on 14-5-84 by Form No. 37EE.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

SANKAR BANERJFF Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range R-III- Cal. 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

Date . 11-1-85

(1) Ananda Bazar Patrika Ltd.

(Transferor)

5193

(2) Shri Sashi Prabha Jain.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 11th January 1985

Ref. No. 1688/Acq. R-III/84-85.—Whereas, I, SANKAR BANERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearng No. 176 & 168/1 situated at Bidhan Sarani (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Cal. on 19-5-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that 1th share in land measuring 14 K. 13 Ch. 27 sq. ft. and partly two storied and partly one storied building at 176 Bidhan Sarani, Cal. AND 1th share in land measuring 8 cottak-1 ch & 22 sq. ft. and 168/1, Bidhan Sarani, Cal. registered in Cal. vide Deed No. I 5691 dt. 19-5-84.

SANKAR BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range R-III- Cal.
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the doresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—96—446GI/84

Date : 11-1-85

(2) M/s. Ananda Bazar Patrika Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Suresh Kumar Bangur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 11th January 1985

Ref. No. 1687/Acq.R-III/84-85.—Whereas, I, SANKAR BANERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (443 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. 176 & 168/1, Bidhan Sarani, Cal.

(and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Cal. on 19-5-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly staed in hes said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that 1th share in land measuring 14-K. 13 Ch. 27 sq. ft. and partly two storied and partly one storied building at 176, Bidhan Sarani, Cal. AND 1th share in land measuring 8 cottah 1 Ch. and 22 sq. ft. at 168/1, Bidhan Sarani, Cal. registered in Cal. vide Deed No. I 5690 dt. 19-5-84.

SANKAR BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range R-III- Cal.
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 11-1-85 Seal : FORM

(1) Shri Manmohan Dutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Mollick Chatterjee.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA Calcutta, the 11th January 1985

Ref. No. 1686/Acq: R-III/84-85.—Whereas, I, SANKAR BANNERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.
10/1, situated at Baktiar Shah Road, Cal.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred
under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office

of the registering officer

at Cal. on 18-5-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tex under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922. (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that three storied brick-built Building together with a piece and parcel of land, measuring 2 K.-5 Ch.-6 sq. ft. at 10/1, Baktiar Shah Road, Cal. registered at Cal. vide Deed No. I 5646 dt. 18-5-84.

> SANKAR BANERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Cal. 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons: namely :--

Date: 11-1-85

Sir Rajendra Nath Lahiri.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Kalpana Lahiri.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA Calcutta, the 11th January 1985

Ref. No. 1685/Acq. R-III/84-85.—Whereas, I,

SANKAR BANERIEE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing

16/2P situated at Dover Lane, Cal. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Cal. on 30-5-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

fixplanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; aud/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that undivided ½ share of property of 3 storied building and land measuring 1 K.-13 Ch.-21 sq. ft. at 16/2P, Dover lane registered at Cal. vide Deed No. 1 6215 dt. 30-5-84.

> SANKAR BANERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Cal. 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 11-1-85

FORM ITNS----

- (1) Ananda Bazar Patrika Ltd.
- (Transferor)
- (2) Usha Kilon Bangur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE CALCUTTA

Calcutta, the 11th January 1985

Ref. No. 1684/Acq. R-III/84-85.—Whereas, I, SANKAR BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000. and bearing No. 176 & 168/1

situated at Bidhan Sarani, Cal.
(and more fully described ir the schedule annexed heaet.)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (6 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 19-5-84

for an apparent consideration which is less than the fall market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as after said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the Habitety of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-fax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property nay be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of the delays from the date of publication of this notice is the Official Gazette or a period of 30 days from the service of nodes on the respective persons, whichever period expires later;
- (a) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

Explanation:—The terms and expressions used herein as one defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Au that 1/8th share in land measuring 14 x-13 ch-27 sq ft and core ly two stoned and partly one stoned building at 176 Brd 31 Saran, Cal, and 1/8th share in land measuring 8 cottab 1 ch and 22 sq ft at 168/1 Bidhan sarani, Cal, registered in Cal vide Deed No. I 5687 at 19-5-84.

> SANKAR BANERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

Date: 11-1-1985

(1) Ananda Bazar Patrika Ltd.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

(2) Punam Chand Jain.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPICTING ASSISTANT COMMIS-

ACQUISITION RANGE CALCUTTA

SIONER (F INCOME-TAX.

Calcut.a, the 11th January 1985

Ref. No. 1683/A:q. R-JH/84-85.—Whereas, I. SANKAR BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), nave reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1762 168/1

situated at Bidhan Sarani, Cal.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 19-5-84

at Calcutta on 19-5-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasio nof the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that 1/8th share in land measuring 14-x 13 ch 27 sq ft and partly two storied and partly one storied building at 176 Bidhan Sarani, Cal. and 1/8th share in land measuring 8 cottah 1 ch and 22 sq ft at 168/1 Bidhan Sarani, Cal. registered in Cal. vide Deed No. I 5689 at 19-5-1984.

SANKAR BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Calcutta

Date: 11-1-1985 -

Scal:

FORM ITNS-

(1) Woodburn Park Co-op. Housing Soc. Ltd. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Arun Thiagarajan.

(Transceree)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 11th January 1985

Ref. No. 1682/Acq. R-III/84-85.—Whereas, I, SANKAR BANERJEE,

being the Competent Authority under

Calcutta on 5-5-84

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5R

situated at Woodburn Park, Cal-20. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at A'bad

for an apparent consideration which is less than the faimarket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforsaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the considerat on for such transfer as agreed to between the parties has truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforestid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that Flat No. 5 C measuring 1545 sq ft at 5B, Woodburn Park, Cal-20 registered in Calcutta vide Deed No. I 5103 dated 5-5-84.

SANKAR BANERJEE
Competent Authority
Acquisition Range-III, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwa Road, Calcutta16.

Date: 11-1-1985

and the state of t

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS SIONER OF INCOME-TAX ACOUSITION RANGE-UI **CALCUTTA**

Calcut a, the 11th January 1985

Re². No. 1681/Acq. RJII/84-85.—Whereas, I, ANKAR BANERJEE, SANKAR BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 2693 of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceding Rs. 25,040/and bearing No. 5B. ΄Β.

situated at Woodburn Park, Cal-20.
Land more fully described in the Schedule annoyed hereto) has been transferred under the Registration Act 1903 (15.0). 1908) in the office of the registering officer at Calcutta on 5-5-84

of Calcutta on 5-5-84 for an apparent consideration which is less than the life market value of the aforesaid property and I have been a relieve that the fair market value of the second consideration between the apparent consideration between the second consideration and the second consideration of the second consideration apparent. than lifteen per cent of such apparent consideration flat the real such than lifteen per cent of such apparent consideration for such transfer, a agree the policy of the perties has not been truly stated in the said just by consideration the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer
- (b) facilitating the concealment of any income or any mongys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Indian as Act. 1922 of 1922 or the said Act. or the News or Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely2:-

(1) Woodburn Park Co-op. Housing Soc. Ltd.

(2) K. K. Jain.

(Transferor) (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- 14) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interes ed in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that flat No. 5B measuring 1892—13 sq ft situated at 53, Woodburn Park, Cal-20 registered in calcutta vide Deed -0. 5092 dt. 5-5-84.

SANKAR BANERJEE Competent Authority
Inspecting Assistant Con missioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta16.

Date: [1-1-1985

(1) Woodburn Park Co-op. Housing Soc. Ltd. (Transferor)

(2) C. S. Baid.

(Transfe.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE CALCUTTA

Calcutta, the 11th January 1985

Ref. No. 1680/Acq. R-III/84-85.--Whereas, I, Ref. No. 1080/Acq. R-111/04-03.—vyriciaes, 1, SANKAR BANERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5B. stuated at Woodburn Park, Cal-20. (and more fully described in the schedule annexed hereto).

(and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Calcutta on 5-5-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of --

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b). Facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

- THE SCHEDULE

All that flat No 7G measuring 2015-15 sq ft situated at 5B, Woodburn Park, Cal. registered in Calcutta vide Deed No. 5093 dt. 5-5-84.

SANKAR BANERJFF Competent Authorny Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following rersons namely: 97-446 GI/84

Date: 11-1-1985

(1) Ananda Bazar Patrika Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Prakash Ch. Jain.

(Transferre;

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE

Calcutta, the 11th January 1985

Ref. No. 1679/Acq. R-III/84-85.—Whereas, I, SANKAF. BANERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the

Income-tex Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. 176 & 168/1

situated at Bichan Sarani, Cal.

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registring officer at Calcutta on 19-5-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, it respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this netice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in their Chapter.

THE SCHEDULE

All that 1/8th share in land measuring 14K-13 ich. ch-27 sq ft. and partly two storied and partly one storied building at 176 Vidhan Sarani, Cal and 1 7th share in 1 nd measuring 8 cottah 1 ch 22 sq ft at 168/1 Bidhan Sarani, Cal registered in Cal Vide Deed No. 5692 dt. 19-5-1984.

SANKAR BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ing persons, namely

Date: 11-1-1985

(1) Ananda Bazar Patrika Ltd.

(Transferor)

5203

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Rajendra Bangur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE CALCUTTA

Calcutta, the 11th January 1985

Ref. No. 1678/Acq. R-III/84-85.-Whereas, I. SANKAR BANERJEË,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 176 & 168/1

situated at Bic an Sarani, Cal. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 19-5-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, /1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovr able property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that 1/8 share in land measuring 14 K-13 ch-27 sq ft and partly two storied and partly one storeyed building at 176 Bidhan Sarani Cal. and 1/8th Share in land measuring 8 cottah 1 ch and 22 sq ft at 168/1 Bidhan Sarani, Cal registered in cal. vide Deed No. 5693 dt. 19-5-84.

> SANKAR BANERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Calcutta 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 11-1-1985

(1) Annapurna Chatterjee.

(Transferor)

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Manesh Roy Choudhury.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICI OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE CALCUTTA

Calcutta, the 11th January 1985

Ref. No. 1677/Acq. R-III/84-85.--Whereas I, SANKAR BANÉRJÉE,

being the Competent Authority under Section 269B of the recome Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing

No. 206B

situated at N.S.C. Bose Road, Cal.-47.

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Calcutta on May, 84

for an apparent consideration and which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(t) facilitating the conscalment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to be the following persons, namely .---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette:

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that structure with land measuding 5 K-3 ch-6 sq ft situated at 206 B, N.S.C. Bose, Road Cal-47 registered in calcutta vide Detd No. 5186 dt. May'84.

> SANKAR BANERJEF Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Calcutta 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date: 11-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE CALCUTTA

Calcutta, the 11th January 1985

Ref. No. 1676/Acq. R-III/84-85.—Whereas, I, SANKAR BANERJEE,

being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

No. 109/21 B,

situated at Hazra Road, Cal. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 25-5-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Phoeaix Fortuna Palladium.

(Transferor)

(2) Ajit Kumar Ganguly.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of natice on the respective persons, whichever persons expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given up that Chapter.

THE SCHEDULE

All that flat No. 6 measuring 576 sq ft at 109/21 B Hazra Road, Calcutta vide Deed No. 2501 dated 25-5-84 was registered in calcutta.

SANKAR BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date .: 11-1-1985

(1) M/s. Phoenix Fortuna.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Rama Ganguly.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE CALCUTTA

Calcutta, the 11th January 1985

Ref. No. 1675/Acq. R-III/84-85.—Whereas, I, SANKAR BANERJEE,

being the competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No.

109/21 B, situated at Hazra Road, Cal.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Calcutta on 25-5-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in

the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 thys from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that flat No. 4 measuring 404 sq ft at 109/21 B Hazra Road, Calcutta registered in calcutta vide Deed No. 2502 dated 25-5-84.

SANKAR BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-aforesaid property by the issue of this notice under subing, persons, namely:—

Date: 11-1-1985

- (1) M/s. Ananda Bazar Patrika Ltd.
- (2) Smt, Gunmala Devi Jain.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE CALCUITA'

Calcutta, the 10th January 1985

Ref. No. 1674/Acq. R-III/84-85.—Whereas, I. SANKAR BANERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immorable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 176 & 168/1

situated at Bidhan Sarani, Cal.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Calcutta on 19-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (8) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used nerein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

All that 1/8th share in hand 14 cottahs 13 ch 27 sq ft together with a partly two stories and partly of storied building in the premises No. 176, Bidhan Sarant, Cal. and 1/8th share and land of 8 cottahs 1 ch 225 sq ft at 168'1 Bidhan Sarani cal. registered vide Deed No. I 5694 dt. 19-5-84 at cal.

SANKAR BANERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Calcutta, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road Calcutta-16.

Date: 10-1-1985

(1) M/s. Ananda Bazar Patrika Ltd.

(Transferor)

(2) Ramesh Kr Agarwala.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION, 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE CALCUTTA

Calcut a, the 10th January 1985

Ref. No. 1673/Acq. R-III/84-85.—Whereas, I,

SANKAR BANERJEE, being the Competent Authority under Section 269B on the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No 176 & 168/1

situated at Bidhan Sarani, Cal.
(and more fully described in the Sheedule annexed hereta)

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Calcutta on 19-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid 'exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-lax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the and immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that 1/8th share in 14 cottahs 13 ch 27 sq ft of land together with a partly two apartly one storied building thereon at premises No. 176, Bidhan Sarani, Cal and 1/8th share in 8 cottahs 1 ch 225 sq ft of land at 168/1 Bidhan Sarani, cal registered at cal vide Deed No I 5694 dt. 19-5-84.

> SANKAR BANERJEE Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III. Calcutta 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date: 10-1-1985

(1) Omprakash Dhandhania,

(Transferor)

(2) Nathumal Gupta and Ors.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE **CALCUTTA**

Calcutta, the 10th January 1985

Ref. No. 1672/Acq. R-III/84-85.—Whereas, I, SANKAR BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

situated at Shile Thakur Lane, Calcutta
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act (1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at calcutta on 5-5-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that building together with land measuring 1 cottah 6 ch 20 sq ft situated at 20 Shile Thakur Lane, Cal. registered at calcutta on 5-5-84 vide deed No. I 5080.

> SANKAR BANERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-ta-Acquisition Range-III, Calcutta 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following 98-446GI/84

Date: 10-1-1985

M/s. Woodburn Park Co-operative Housing Soct. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri S. L. Bajoria.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE **CALCUTTA**

Calcutta, the 10th January 1985

Ref. No. 1671/Acq. R-III/84-85.—Whereas, I, SANKAR BANERJEE.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and

bearing No 5B, situated at Woodburn Park, Cal-20.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at calcutta on 11-5-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersoes, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that hapter.

THE SCHEDULE

All that flat No. 64 measuring 2015.15 sk ft in the premises of 5B Woodburn Park, Cal. registered Calcutta vide deed No. I 5100 dt. 11-5-84.

SANKAR BANERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Calcutta 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date: 10-1-1985

(1) M/s. Woodburn Park Co-operative Housing Soct. Ltd.

(Transferor)

(2) Sri N. S. Baid .

·(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE CALCUTTA

Calcutta, the 10th January 1985

Ref. No. 1670/Acq. R-III/84-85.—Whereas, I, SANKAR BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5 B.

situated at Woodburn Park, Cal-20.

(and more fully described in the Schedule annexed here to) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at calcutta on 11-5-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferandlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in purusuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used heroin as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that flat No. 8 B measuring 1982=13 sq ft in the premises of 5 B Woodburn Park, Cal-20 registered at Calcutta on 11-5-84 vide Deed No. I 5091.

SANKAR BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date: 10-1-1985

FORM I.T.N.S.-

(1) M/s. Woodburn Park Co-operative Housing Soc. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri R. S. Mehta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPETING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE **CALCUTTA**

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Calcutta, the 10th January 1985

The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. 1669/Acq. R-III/84-85.—Whereas, I, SANKAR BANERJEE,

being the competent authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believing that the immovable property, having a fair value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5B. situated at Woodburn Park, Cal-20. (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 5-5-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therfor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor, andlor

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

All that Flat No. 4 A, measuring 1783—54 sq ft in the premises of 5 B, Woodburn Park, Cal-20 registered at Cal. on 5-5-84 vide Deed No. I 5097.

SANKAR BANERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Calcutta 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act, to following persons, namely :-

Date: 10-1-1985

(1) M/s. Woodburn Park Co-operative Housing Socts. Ltd.

(Transferor)

(2) Dr. Vijaya Chakravorty.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE **CALCUTTA**

Calcutta, the 10th January 1985

Ref. No. 1668/Acq. R-III/84-85.—Whereas, I, SANKAR BANERJEE being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5B

situated at Woodburn Park, Cal-20 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 5-5-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the aquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

-The terms and expressions used herein as EXPLANATION :are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that flat No. 5 E measuring 1545 sq. ft. in the premises of 5 B Woodburn Park, Cal-20 registered at Calcutta 5-5-84 vide Deed No. I 5102.

> SANKAR BANERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Calcutta 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date: 10-1-1985

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Woodburn Park Co-oy. Housing Soc. Ltd. (Transferor)

(2) Smt. Sova Devi Baid.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE CALCUTTA

Calcutta, the 10th January 1985

Ref. No. 1667/Acq. R-III/84-85.—Whereas, I, SANKAR BANNERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the ne competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. 5B

situated at Woodburn Park, Cal-20.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Calcutta on 5-5-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date publication of this notice in the Official Gazette. within 45 days from the date of

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that flat No. 5 G measuring 2015.15 sq ft in the premises No. 5 B, Woodburn Park, Cal-20 registered at Calcutta vide Deed No. I 5095 dt. 5-5-84.

SANKAR BANERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Calcutta 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 1690 of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :-

Date: 10-1-1985

FORM I.T.N.S.-

- (1) Woodburn Co-op Housing Society Ltd.
 - (Transferor)
- (2) Snat. Sushila Devi Shroff.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 10th January 1985

Ref. No. 1666/Acq R-III/84-85.—Whereas, I, SANKAR BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) - (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5B situated at Woodburn Park, Calcutta-20

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at of 1908) in the Calcutta on 5-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27) of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (b) by any other person interested in the said immovable notice in the Official Gazette or a period of 30 days property, within 45 days from the date of the publifrom the service of notice on the respective persons, cation of this notice in the Official Gazette. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that flat measuring 1545 sq. ft. at Premises No. B, Woodburn Park, Calcutta-20, registered at Calcutta on 5-5-84 vide deed No. I 5101.

SANKAR BANERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 11-10-1985 Seal:

- (1) The Woodburn Park Co-op Housing Society Ltd. (Transferor)
- (2) Sree Chand Sethia.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 10th January 1985

Ref. No. 1665/Acq.R-III/34-85.—Whereas, I, SANKAR BANNERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No. 5B situated at Woodburn Park, Calcutta-20 (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at of 1908) in the Calcutta on 5-5-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability and /or
- of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that flat No. 6C measuring 1545 Sq. ft. of Premises No. 5B, Woodburn Park, Calcutta-20 registered in Calcutta vide Deed No. 5098 dt. 5-5-84.

SANKAR BANERJEE,

Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III 54, Rafi Ahmed Kidwai Road. Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, 'namely :--

Date: 10-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III CALCUITA

Calcutta, the 10th January 1985

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing
No. 5B situated at Woodburn Park, Calcutta-20
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of Registering Officer at
Calcutta on 5-5-1984

- for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—
 - (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
 - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 195/);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—99—446GI/84

- (1) Woodburn Park Co-op Housing Society Ltd.
 (Transferor)
- (2) Smt. Chandralekha Baid.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that flat No. 8G measuring 2015 Sq. ft. at 5B, Woodburn Park, Calcutta-20 registered at Calcutta vide deed No. dt. 5-5-1984.

SANKAR BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16

Date: .10-1-1985

FORM ITNS----

(1) Govinda Prasad Chatteriee.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Purushottam Kumar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 10th January 1985

Ref. No. 1663/Acq.R-HI/84-85.—Whereas, I, SANKAR BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and bearing

No. P-6: situated at Lave View Road, Calcutta-29 (and mo e fully described in the Schedule annexed hereto) has beer transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 16-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection 1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to be the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that undivided 2/5th share of the five storied building and of land measuring 3 co.tah s9 chittack and 31½ Sq. ft. P-65, Lave View Road, R.S. Lave, Calcutta-29.

SANKAR BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed-Kidwai Road.
Calcutta-16

Dato: 10-1-1985

seal:

FORM I.T.N.S.-

(1) The Woodburn Yark Co-op Housing Society Ltd. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri R. K. Baid.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 10th January 1985

Ref. No 1662/Acq.R-III/84-85.—Whereas, I, SANKAR BANERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of pf the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Rs. 25,000/- and bearing
No. 5B situated at Woodburn Park, Calcutta-20
(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Ast, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 5-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer, as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this active in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given i

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

All that flat No. 6A measuring 1783.54 Sq. ft. situated at 5B Woodburn Park, Calcutta-20 registered at Calcutta vide Deed No. I 5096 dated 5-5-1984.

THE SCHEDULE

SANKAR BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-1-1985

FORM I.T.N.S.—

(1) The Woodburn Park Co-op Housing Society Ltd. (Transferor)

(2) (Dr.) Y. S. Bapna.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III **CALCUTTA**

Calcutta, the 10th January 1985

Ref. No. 1661/Acq.R-JII/84-85.—Whereas, I, SANKAR BANÉRJEÉ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5B situated at Woodburn Park, Calcutta-20

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Calcutta on 5-5 1984

for an apparent consideration which the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the aparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that flat No. 4G measuring 2015.15 Sq. ft. situated at B. Woodburn Park, Calcutta-20 registered at Calcutta on 5B, Woodburn Park, Calcuna-25-5-1984 vide Deed No. I 5099.

> SANKAR BANERJEË Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 10-01-1985 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Woodburn Co-op Housing Society Ltd.
(Transferor)

(2) Sri (Dr.) K. B. Singh.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 10th January 1985

Ref. No. 1660/Acq.R-III/84-85.—Whereas, I, SANKAR BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 5B situated at Woodburn Park, Calcutta-20 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Calcutta on 5-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes; of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by this issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Cazette:—

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that flat No. 4B measuring 1892 Sq. ft. at 5B, Woodburn Park, Calcutta-20 registered at Calcutta vide Deed No. 5090 dated 5-5-1984.

SANKAR BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16

Date: 10-1-1985

Seal

- (1) Pasupati Co-operative Housing Society Ltd.
 (Transferor)
- (2) Mrs. Geeta Devi Sharma.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (4) OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 10th January 1985

Ref. No. 1659/Acq.R-HII/84-85.—Whereas, I, SANKAR BANERJEE,

being the C₄-mpetent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

No. 62/7/1-B situated at B.C. Road, Calcutta-19 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1938) in the office of Registering Officer at IAC Acq1. R-II Calcutta on 3-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer us agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

All that three bed roomed, flat measuring 1579 Sq. ft. situated at 62/7/1-B, Ballygunge Circular Road, Calcutta registered before IAC, Acqn. R-III, Calcutta on 3-5-1984 by Form No. 37EE.

SANKAR BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-1
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,

Date: 10-1-1985

PCSI:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persona, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herem as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(1) Pasupati Co-operative Housing Society Ltd.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TA ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mr. Hem Hingorani.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 10th January 1985

Ref. No. 1658/Acq.R-III/84-85.—Whereas, I, SANKAR BANERJEF, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (beginnafter referred to as the 'srid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 62/7 '1-B situated at B.C. Road, Calcutta-19 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at IAC A. qp. R-II Calcutta on 3-5-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of. 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter.

- (a) Lacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that flat No. A-5 measuring 1595 Sq. ft. situated at 62/7/1-B, B.C. Road, Calcutta-19 registered on 3-5-1984 before IAC, Acqn. R-III. Calcutta by Form No. 37EE.

SANKAR BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-1-1985

Scal:

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 10th January 1985

Ref. No. 1657/Acq.R-III/84-85.—Whereas, I, SANKAR BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000 and bearing

No. 62/7/1-B situated at B.C. Road, Calcutta-19

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at IAC Acqn. R-II Calcutta on 3-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Pasupati Co-operative Housing Society Ltd.
- (2) Sri Rajesh Bazaz.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gezette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that two roomed flat measuring 1100 Sq. ft. at 62/7/1B, B.C. Road, Calcutta-19 registered before [AC Acqn. R-III., Calcutta on 03-05-1984 by Form No. 37EE.

SANKAR BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisiticn Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16

Date: 110-1-1985

(1) Pasupati Co-operative Housing Society Ltd. (Transferor)

(2) Murarilal Agarwal.

(Transferee)

5225

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INGOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX **ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA**

Calcutta, the 10th January 1985

Ref. No. 1656/Acqn.R-III/84-85.--Whereas, I, SANKAR BANEKJEÉ being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No. 62/7/1-B situated at B.C. Road, Calcutta-19 (and more fully described in the scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at IAC Acqn. R-II Calcutta on 3-5-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exeeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between parties has been truly stated in the said intrument between the transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C or the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, us 100-446GI/84 namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

· Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

. THE SCHEDULE

All that three bed-roomed flat measuring 1500 Sq. ft. (approx) at 62/7/1-B, B.C. Road, Calcutta-19 registered before IAC, Acqn. R-III, Calcutta on 31-5-1984 by Form No. 37EE,

> SANKAR BANERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 10-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 9th January 1985

Ref. No. 1655/Acq.R-III/84-85.--Whereas, 1, SANKA : BANERILE,

being the Competert Authority Section 269B of under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable prox ty, having a 'air market value exceeding

Rs. 25.6 10/- and become No. 85 Regted at Brief, non Road, Calculta-32

(and man fall distribution and the schedule annexed hereto) has been transforred and the Projectation Act, 1908 (16 of 1963) in the office of Registration Officer a. SRA, C. is attaignt 11 5:1984

for an upparent consideration which is less than the 10' market value of the aloresaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the po perty a aforesaid exceeds the apparent consideration there for by more than fifteen per cent of such apparen consideration and that the consideration for such tran fer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said inst ument of transfer with the object of :-

- (a) facilitying the reduction or evasion of the liability of the transite of to per tax under the said Act, in trapect to an average aroung from the transfer; and|c:
- (b) facilitative the calment of any income or any pronevs or other assets which have not been or which curnt to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1972) or the said Act, or the Wealth-tax Act, (157 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I lereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaic property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) Sachindra Nath Saha.
- (2) Smt. Arati Ghosh.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, wi hin 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The trems and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that two storeyed building together with land measuring 1 Cottah 5 Ch. 12 Sq. ft. at 85, Ibrahimpur Road, Calcutta registered before SRA, Calcutta on 11-5-1984 vide Deed No. 1 2302.

SANKAR BANERJEI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 9-1-1985

FOLM I.T.N.S.—

(1) Anil Kumar Dutta.

(Transferor)

(2) B'rman Ghosh.

(Transferee)

NOTICE UNPLY SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

A THE THE THE PARTY OF THE PART

GUINRIMEN OF INLIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSION R OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III
CALCUTTA

Calcutta, the 9th January 1985

Ref. No. 1654/Acqn.R-III/84-85.—Whereas, I, SANKAR BAI-LRILE,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a tair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

No. 5/1B situ te? at Deshpriya Park East, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at SRA Calcutta on 11-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than lift.: per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilizing the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian income-tax. Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act., I hereby make proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested to the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that apartment No. 7 (3rd floor) in 4 storied building at 5/1B Deshpriya Park East, Calcutta registered before SRA on 11-5-1984 at Calcutta vide Deed No. I 5318 (Area 420 Sq. ft.).

SANKAR BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-fax
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16

Date: 9-1-1985

(1) Nibir Kanti Dutta.

(Transferor)

(2) Gouri Ghosh.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 9th January 1985

Ref. No. 1653/Acqn.R-III/84-85.—Whereas, 1, SANKAR BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000; and heaving No.

and bearing No.
5/1B situated at Deshpriya Park East, Calcutta
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of Registering Officer at
Calcutta on 11-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tag Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that Apartment No. 8 (3rd floor) in 4 storeyed building at 5/1B Deshpriya Park East, Calcutta measuring 440 Sq. ft. registered before SRA on 11-5-1984 vide Deed No. T 5317.

SANKAR BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road.
Calcutta-16

Date: 9-1-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Shikarchand, Jagveer chand, Gyan chand, Ss/o Shri Girnar Chand Oswal, R/o Sargara Colony, Jodhpur.

(Transferor)

(2) Smt. Suman Daga, Daga Bazar, Jodhour.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE **JAIPUR**

Jaipur, the 18th January 1985

Ref. No. Raj./IAC (Acq.)/2523.—Whereas, I, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-

and hearing No. Plot No. 831 situated at Jodhpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has ben transferred under the Registration Act 1908 (16 $\,\rm cm$ 1908) in the office of the registering Officer at Jodhpur on 1-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlog
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax. Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

may be made in writing to the undersigned :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazatte.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given is that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of Plot No. 831 situated in Sargara Colony, Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by the Sub-Registrar. Jodhpur vide Paristration by the Sub-Registrar, Jodhpur vide Registration No. 1177 dated 1-5-1984.

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range laipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-

ing persons, namely :---

Date: 18-1-1985

FORM I.I.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-IONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE JAIPUR

Japur, the 18th January 1985

Ref. No. Ra, $^{\prime}$ IAC (Acq.)/2524 —Whereas, I, MOHAN SIN, 314,

being the Computent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a rair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Plot No. 831 s uated at Jodhpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jodhur on 1-5-1984

for an apartment consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aloresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent or such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Shikarchand,
Jagveer chand,
Gyan chand,
s/o Shri Girnar chand oswal,
R/o Sargara Colony,
Jodhpur.

(Transferor)

(2) Shri Navratanmal, S/o Chotmal Daga, Daga Bazar, Jodhpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the shall have the same meaning as gi Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of Plot No. 831 situated in Sargara Colony, Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by the Sub-Registrar, Jodhpur vide Registration No. 1175 dated 1-5-1984.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Jaipur

Date: 18-1-1985

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF 'INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE JAIPUR

Jaipur, the 18th January 1985

Ref. No Raj./IAC (Acq.)/2525.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Plot No. 831 situated at Jodhpur

(and roje fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 1908) in the office of the Registering Officer

at Jodhui on 1-5-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be dislcosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Shikarchand,
Jagveer chand,
Gyan chand,
s/o Shri Girnar chand oswal,
R o Sargara Colony,
Jodhpur.

(Transferor)

(2) Smt. Lad Kanwar, W/o Shri Chotmal Daga, Daga Bazar, Jodhpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of P No. 831 situated in Sargare Colony Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by the Stherosatar, Jodhpur vide Registration No 1176 dated 1-5-1984.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Injour

Date: 18 1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE **JAIPUR**

Jaipur, the 18th January 1985

Ref. No. Raj./IAC (Acq.)/2526.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 831 situated at Jodhpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Jodhpur on 31-5-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: andjor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, meretore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Shikarchand, Jagveer chand. Gyan chand, Ss/o Shri Girnar Chand Oswal, R/o Sargara Colony, Jodhpur.

(2) Shri Parasmal, S/o Shri Chotmal, Daga Bazar, Jodhpur.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said im able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of Plot. No. 831 situated in Sargara Colony, Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by the Sub-Registrar, Jodhpur vide Registration No. 1488 dated 31-5-1984.

> MOHAN SINGH Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Jaipur

Date: 18-1-1985

FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE **JAIPUR**

Jaipur, the 18th January 1985

Ref. No. Raj./IAC (Acq.)/2527.—Whereas, I,

Ref. No. Raj./IAC (Acq.)/2527.—Whereas, I, MOHAN SINGH, being the Corapetent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 831 situated at Jodhpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer.

1908) in the Office of the Registering Officer at Jodhpur on 31-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— 101—446GI/84

(1) Shri Shikarchand, Jagveer chand. Gyan chand. s/o Shri Girnar Chand Oswal. R/o Sargara Colony, Jodhpur.

(Transferor)

(2) Shri Chhotumal, S/o Shri Deoraj Ji Daga, Daga Bazar. Jodhpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same measuring as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

of Plot No. 831 situated in Sargara Colony, Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by the Sub-Registrar, Jodhpur vide Registrat on No. Registration No. 1485 dated 31-5-1984.

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range Jaipur

Date: 18-1-1985 Seal:

FORM TINS

(1) Shri Amal chand Mukherjee S/o Shri Ishan chandra Mukherjee, R/o D-62, Sawai Madho Singh Road, Banipark, Jaipur.

(Transferor)

(2) M/s Ranga Mati Tea & Industries Ltd. Radha Bazar Street, Calcutta.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE **JAIPUR**

Jaipur, the 18th January 1985

Ref. No. Raj./IAC(Acq.)/2528.—Whereas, I, SANKAR BANERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'said Act'), have reason to believe that the immovable immovable in the immovable immovable immovable in the immovable immovable immovable in the immovable im property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. situated | and at Jaipur

(and more filly described in the Schedule annexed hereto)

has been tra sferred

under the Resistration Act 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at Jaipur on 18-5-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this poties in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and X

(b) facil tating the concealment of any income or any mo 20 5 00 other assets which have not been or win 2 ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 19.2) or the said Act, or the Wealth t. Act, 1957 (27 of 1957);

14 Bigha 6 Biswa land situated in Village-Bishnawala, Tehsil and District-Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the Sub-Registrar, Jaipur Vide Registration No. 1227 dated 18-5-1984.

THE SCHEDULE

MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Jaipur

Act, I herebe initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 18-1-1985

feal :

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 18th January 1985

Ref. No. Raj./IAC(Acq.)/2529.-Whereas, I,

MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Land situated at Jaipur.

Land situated at Jaipur.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Jaipur on 18-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(1) Shri Gautam Mukherjee S/o Shri Amalchand Mukherjee, R/o Plot No. D-62, Sawai Madho Singh Road, Bani Park Jaipur.

(Transferor) (2) M/s Ranga Mati Tea & Industries Ltd., Radha Bazar Street, Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires laters:
- (b) by any other person interested in the said immer-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) faciliting the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) I cilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

12 Bigha 4 Biswa land situated in Village—Bishanwala, Tehsil and District—Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the Sub-Registrar, Jaipur Vide Registration No. 1228 dated 18-5-84.

MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under susception (1) of Section 269D of the said Ast, to the followpersons, namely :--

Date: 18-1-1985

(1) Shri Pradeep Mukherjee S/o Shri Amalchand Mukherjee, D-62, Sawai Madho Singh Road, Jaipur.

(Transferor)

(2) M/s. Gillidhari Tea Company Ltd., Radha Bazar Street, Calcutta.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 18th January 1985

Ref. No. Raj/IAC(Acq.)/2530.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Land situated at Jaipur.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 18-5-1984

for an apparent consideration which is less than the for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agraed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

24 Bigha & 8 Biswa land situated in Village-Bishnawala, Tehsil and District Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the Sub-Registrar, Jaipur Vide ration No. 1226 dated 18-5-84.

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :---

Date: 18-1-1985 Seal:

'FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 18th January 1985

Ref. No. Raj./IAC(Acqn.)/2531.—Whereas, I, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Plot situated at Jodhpur.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer

at Jodhpur on 18-5-1984. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the onsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

(1) Smt. Heer Bai W/o Shri Rajaram Meghwal, Meghwal Colony, Jodhpur.

(2) Shri Mohammed Ashraf S/o Shri Haji Rahman, Chandpole Road, Jodhpur.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot situated in Meghwal Colony, Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by the Sub-Registrar, Jodhpur vide Registration No. 1/773 dated 18-5-84.

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Date: 18-1-1985

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

The same was to the same with the same with

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 18th January 1985

Raj /IAC(Acq.)/2532.—Whereas, I, Ref No MOHAI SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|ard bearing No.

transfer with the object of :-

House property situated at Jodhpur. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), ha been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 19(3) in the office of the registering officer at Jodhpur on 7-5-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair norket value of the aforesaid property and I have reason to believe th t the fair market value of the property as aforesail exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

(a) incilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) Leilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(1) Shri Bool Chand S/o Shri Ramandas Sindhi, Bai ji ka talab, Jodhpur.

(Transferoi)

(2) Shri Bhagwandas Slo Sukhmal Chand Sindhi Rlo Purani Chuna Ki Bhatti, Sardarpura, Jodhour.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service ot notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of house property situated in Purani Chuna Bhatti, Sadrarpura, Jodhpur and more fully describ ed in the sale deed registered by the Sub-Registrar, Jodhpur vide Registration No. 774 dated 7-5-1984.

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aloresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following nersons, namely :-

Date: 18-1-1985

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Keshav Kumar S.o Shri Relu malji Sindhi, R.o Bilochistan Colony, Udaipur.

(Transferse)

(2) Smt. Sita Devi R/o Somkala Tehsil-Girva, District-Udaipur.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 18th January 1985

Ref., No. Raj/IAC (ACQ.) /2533.—Whereas, I, MOHAN SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and beraing No

Plot No. 124 Sec. 11 situated at Udaipur

(and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Udaipur on 19-5-1984. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than nfteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under and section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said imm > able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the aid Act Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 124 situated in Sector No. 11 Hiranmagri, Udaipur and more fully described in the sale deed registered by the Sub-Registrar, Udaipur vide Registration No. 1003 dated 19-5-1984.

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-are Acquisition Range, Jaipur

Date : 18-1-1985 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 18th, January 1985

Ref. No. Raj. IAC (ACQ.)/2534.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. land situated at Udaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Udaipur on 25-5-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the property have the property as aforesaid instrument of parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which bught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Smt. Kiran Devi W/o Shri Chattar Singhji Babel, Govind Nagar, Sector No. 13, Hiranmagri, Udaipur.

(Transferor)

1. Smt. Manju Gopalia W/o Shri Gopalia, 19A, Mograbari, Udaipur. 2. Smt. Beena Ahluwalia

Smt. Beena Ahluwalia
 W/o Shri Laxminarayan, L.I.C. Office, Kankroli.
 Shri Babulal Soni S/o Shri Ratanlal Soni,
 R+/o Jario ki Oal, Udaipur.
 Shri Lalit Prakash S/o Shri Bhanwarlalji Bapna,
 136, Maldas Street, Udaipur.
 Smt. Kamla Devi W/o Shri Babulal Soni,
 Jadio Ki Oal, Udaipur.
 Shri Surendra Singh S/o Shri Phoolchandji
 Gokhru, R/o Banera Distric, Bhilwara.
 Smt. Ratan Gokhru W/o Shri Surendra Singh,
 R/o Banera, Distt-Bhilwara.
 Smt. Seema Pagaria W/o Shri Raiendra Pagaria.

8. Smt. Seema Pagaria W/o Shri Rajendra Pagaria,

8 Bapna Street, Udaipur.
9. Shri Vijay Singh Mehta S/o Shri Pyaralal Mehta, Santosh Dadan, Kalash Marg, Udaipur.
10. Shri Mahendra Talesara S/o Shri Kanhaiyalal, R/o Shri Bhandarion ki Pole, Maldas Yreet, Udaipur.

 Shri Surendra Talesara S/o Shri Kanhaiyalal, R/o Bhandarion ki Pole, Maldas Street, Udaipur.

Shri Lalit Kumar Khabya, R/o 153-A. Bhupalpura, Udaipur.
 Shri Chandraprakash Javaria S/o Shri Kalulal

ji Javerai, R/o Udaipur.

14. Shri Navalram S/o Shri Kanaji Dangi,

R/o 3, Ashoknagar, Udaipur.

15. Shri Surendra Singh ji Gogru S/o Shri Phool

chand R/o Banera, Dist- Udaipur.

16. Smt Ratna Kokhru W/o Shri Surendra Singh Gokhru.

R/o Banera, Dist. Udaipur.

17. Shri Hamendra Kumar S/o Shri Narendra Kumar Minor Through Shri Chhatar Singh ji Babel R/o Goverdhan Villas, Govind Nagar, Hiranmagri, Udaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

3, Bigha 19 Biswa land situated in Goverdhan Villas, Hiranmagri, Sector No. 11, Govind Nagar and more fully described in the sale deed registered by the Sub-Registrar, Udaipur vide Registration No. 1081 dated 25-5-84.

MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Date: 18-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 18th January 1985

Ref. No. Raj./IAC(Acq.)/2535 I —Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

House property situated at Jodhpur.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jodhpur on 7-5-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:

 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, unerefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following reryons, namely:—
102—446GI/84

Shri Bool Chand
 S/o Shri Ramandas Sindhi,
 Bai ji ka talab,
 Jodhpur.

(Transferor)

(2) Smt. Rukmani W/o Shri Sukhmal chand sindhi, R/o Old Chuna ki Bhatti, Sardarpura, Jodhpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immosable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPRANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Portion of house property situated in Purani Chuna ki Bhatti, Sardarpura, Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by the Sub-Registrar, Jodhpur vide Registration No. 773 dated 7-5-84.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 18-1-1985

FORM NO. I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 18th January 1985

Ref. No. Raj /IAC(Acq)/2536.—Whereas, I,

MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

House Property situated at Jodhpur. (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 3-5-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I. hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

(1) Shri Manohar Lal S/o Shri Chhoga Lal Lodha, R/o Hamumanji ki Bhakri, Jodhpur.

(Transferor)

(2) Shri Mohammed Iqbal S/o Shri Ahmed ji and Smt. Ameena W/o Shri Ahmed ii, Inside Nagauri Gate. Jodhpur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersignes:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property situated at Girdi Kote, Hathi Ram Oda Road, Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by the Sub-Registrar, Jodhpur vide Registration No. 1191 dated 3-5-84.

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Date: 18-1-1985 Seal:

(1) Smt. Diwaliben Dhanjibhai Suru

(Transferor)

(2) Shri Kewalchand J. Jain

(3) Transferee

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX;

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. ARIV/37-EE/2128/83-84.—Whereas, I,

A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing No.

Stall No. 36, Goyal Shopping Arcade, S.V. Road, Opp. Borivli Rly. Station (West), Borivli (West), Bombay-92 situated at

Borivli (W)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bombay on 1-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afortsaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

(Person in occupation of property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Stall No. 36, Goyal Shopping Arcade, S.V. Road, Opp. Borivli Rly. Station (West), Borivli (West), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARIV/37-EE/2128/83-84 dt. 1-5-1984.

> A. PRASAD Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-1-1985

Seal ·

5244

FORM ITNS-

(1) Shri Vinod Kumar Deora

(Transferor)

(2) Shri Ramesh Thakurdas Bhatia

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. ARIV/37-EE/2304/83-84.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 401, 4th floor, B-Bldg. Yoginagar, Eksar Road,

Borivali (West), Bombay-92 situated at Borivali (W) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Bombay on 1-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid more exceeds the apparent consideration therefor by fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any meome arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 401, 4th floor, B-Bldg., Yoginagar, Eksar Road, Borivali (West), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARIV/37-EE/2304/83-84 dt. 1-5-184.

> A. PR. Competent Aut Inspecting Assistant Commissioner of Incor Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 10-1-1985

(1) Mr. & Mrs. Akhilesh Kumar Agrawal

(Transferor)
(Transferee)

(2) Mrs. Sudha B. Bharaskar

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. ARIV/37-EE/2350/83-84.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25000/- and hearing

Rs. 25,000/- and bearing Flat No. B/003, Ground floor, 18, Prem Apartment, Saibaba Nagar, Boriwali (West), Bombay-92 situated at Borivli (W)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bombay on 1-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B/003, Ground floor, 18, Prem Apartment, Saibaba Nagar, Boriwali (West), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent

Authority, Bombay vide serial No. ARIV/37-EE/2350/83-84 dt. 1-5-1984.

A. PRASAD

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-1-1985

(1) Shree Keshav K. Limaye

(Transferor)

(2) Shri Nilesh V. Phadake

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GQVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR.III/37-EE/8022.—Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing

Flat No. 22, 2nd floor, Krishna Mai Apartment, 107/108 Jaiprakash Nagar Goregoan (E) Bombay-63

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer

Bombay on 1-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1959);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 22, 2nd floor, Krishna Mai Apartment, Jaiprakash Nagar, Goregoan (E) Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Autho-

rity, Bombay under No. AR.III/37EE/8022 on 1-5-1984.

A. PRASAD Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 10-1-1985

(1) Shri D. K. Mathre

(Transferor)

(2) Shri Babu Dastagir Nerley

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR.III/37G/2500.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 18, part 3, CTS No. 917, Mulund situated at

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bombay on 4-5-84

for an apparent consideration which is less than the fair-market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The agreement has been registered with the Registering Officer, Bombay vide Registration No. S-85/77, dt. 4-5-84.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 10-1-1985

(1) Kashinath Krishna Bhandari & Others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

(2) Gabriel G. Cornelius & other.

(Transferee)

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR. III/37-EE/2490/84-85.—Whereas, I, PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Survey No. 184, Hissa No. 7, Malvani Village Borivili Taluka

Rs. 25,000/- and bearing No. (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 5-5-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not ben truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette
- EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and /or
- (1) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

The agreement has been registered with the Registering Officer Bombay, vide Registration No. 3074/82, dated 5-5-84.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 10-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE ENCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-III. BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR. III/37-EE/2541/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the lncc me-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Land bearing S. No. 503, Hissa No. 1 (part), Quarry Road. Malad, Bodivili-Bombay Sub. Dist. situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred

under the Regi tration Act of 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at

Bombay on 9-5-84

for an apparent consideration which is less than the fair mraket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-rax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957). (1) Smt. Chandrakantaben Babubhai

(Transferor)

(2) Shri Haquikullah Rasul & 13 Others.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons, within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as give: in that Chapter.

THE SCHEDULE

The agreement has been registered with the Registering Officer, Bombay vide Registration No. Nil, dated 9-5-84.

A. PRASAD Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons ramely ---103-446GI/84

Date: 10-1-1985

FORM NO ITNS----

(1) Snt Devika W/o Mohandas

(2) San Suk de 1123 Gu sharansinch

(Transferor)

(Tran fere

NOTICE UNDER SECTION 26/D (1) OF THE INCOMETAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No AR III/37G/2501/84-85 -- Whereas I A PRASAD.

being the Competent Authority under vection 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'aid Act'), have reason to believe that the immovable propery, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No

Block No 67, Room No 2, Hindusten Chowk, Mulund Colony, Mu'und, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration \cdot 1998 (15 of 1908) in the Office of the Registration Officer, Bombay on 4-5-84

for an apparent consideration which is less than the lair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of --

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the traster. and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Acc 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the follow ing persons, ractaly :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be mad in writing to the undersigned :--

and the control of th

- (a) by any of the aforesard persons within a period of 45 day, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immer able property, within 45 days from the date it the publication of this notice in he Official Gazette

EXPLANATION - The terms and expressions used herein as are defined in Carpter XXA of the said Act shall have the meaning as a ven in that Chapter

THE SCHEDULE

The agreement has been egistered with the Registering Office. Bombay, ville 1670 No. 1005-8/79, dt. 4-5 84.

A PFASAD Competer Arthur Inspecting Assistant Carana Acquisition Range-III, Bombay

Date: 10 1-1985

Se

(1) Smt. Manoramabai Dharwadkar

(Transferor)

(2) Shri Shirish D. Mhatre & Others

(Transferee)

(3) Tenant

(Person in occupation of the property)

(4) Tenant
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR. III/37-G/2478.—Whereas, I, A. PRASAL,

bring the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Piece of land bearing S. No. 1000 Plot No. 80 (p), 81(p) CTSNo₃. 1208/4 to 6 with structure situated at Ratnacey Hirji Bhojra, Road, Mulund (W), Bombay-80 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 9-5-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to be seve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay fax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notict under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The agreement has been registered with the Registering Officer Bombay, vide Registration No. 2701/83, dated 9-5-84.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 10-1-1985

(1) Mrs. Krishna K. Khanna

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Dharampal B. Cnoudhary & Others.
(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR. III/37G/2484/84-85.—Whereas. 1, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]-tind heaving No.

property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing No.

Plot No. 9, S. No. 164 (part), 146/A-2 CTS No. 260(p) Tikka
No. 40, Village Nahur, Mulund (W), Bombay-80 situated at
(and more fully described in the schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer,
Bombay on 25-5-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

and/or

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(t) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The agreement has been registered with the Registering Officer Bombay, vide Registration No. S-3879/82, dt. 25-5-84.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now. therefor., in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-1-1985

(1) Shri K. S. Israni

(Transferor)

OTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX AGT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Hirabai L. Thakkar

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR. III/37G/2499/84-85.—Whereas, I, PRASAD.

ing the Competent Authority under Section 269 B of the come-tan Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'said Act'), have reason to believe that the immovable operty having a fair market value exceeding Rs 25,000/-

d bearing oom No 3. Tenament No. 77. Mulund Colony CTS No. 62, ombay-82.

nd more fully described in the schedule annexed hereto) s been transferred ider the Registration Act of 1908 (1 6of 1908) in the Office

the Registering Officer at ombay on 4-5-84

r an apparent consideration which is less than the fair arket value of the aforesaid property and I have reason believe that the fair market value of the property as aforeid exceeds the apparent consideration therefor by more an fifteen per cent of such apparent consideration and that e consideration tor such transfer as agreed to between the irties has not been truly stated in the said instrument of ansfer with the object of :--

(a) inclinating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the ourposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said n, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the presaid property by the issue of this notice under subntion (1) of Section 269D of the said Act, to the following rsons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The agreement has been registered with the Registering Officer, Bombay, vide Registration No. S-1824/83. dated 4-5-84.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III. Bombay

Date: 10-1-1985

FORM I.T.N.S.-

- (1) Basant Gardens Estate Pvt .Ltd.
- (Transferor)
- (2) Anguridevi R. Agarwal and others.

may be made in writting to the undersigned :-

whichever period expires later;

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR. III/37G/2481/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Piece & Parcel of land bearing Plot No. 12, S. No. 89, 90, 2-3, 91, 92, 93, 252, 358 in Chembur and survey No. 86/1, Village

Borla, Sion Trombay Road, Chembur, Bombay-72 situated at (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer, at Bombay on 4-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand or
- (b) facilating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely '-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of: 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The agreement has been registered with the Registering Officer, Bombay, vide Registration No. S-1568/81, dated 4-5-84.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Bombay

Date: 10-1-1985

FORM NO. I.T.N.S. ----

(1) Shri Mirchumal G. Punjabi

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Udhavdas C. Sukhija

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR. III/37-G/2482/84-85.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-lax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinfater referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Tenament No. 153, R.C. Barrach No. 15, Chembur Colony, C.T.S. No. 27, Bombcy-74 situated at (2nd more fully described in the Schedule appeared hereto).

and more fully described in the Schedule annexed hereto), Under the Registration Act of 1908 (16 of 1908) in the Office of the Pegistering Officer, at Bombay on 1-5-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than freen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the Publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

THE SCHEDULE

The agreement has been registered with the Registering Officer, Bombay vide registration No. S-1769/79, da ed 4-5-84.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 10-1-1985 Seal:

(1) M/s. Vrindavan Construction Co.

(Transferor

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Krishnan Vrindavan Coop. Hsg. Soc (Transteree

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said propert may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period e 45 days from the date of publication of this notic in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;

Ref. No. AR. 111/37-G/2486.—Whereas, I,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred 13 as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 16-A & B, Survey No. 1000, C.S. No. 1166 area jointly of Plot, Mulund, Bombay situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred

Under the Registra ion Act of 1908 (16 of 1908) in the Office

of the Registering Officer, at Bombay on 25-5-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(b) by any other person interested in the said immoable property within 45 days from the date of th publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein a are defined in Chapter XXA of the sai Act, shall have the same meaning as give in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) tacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and for

The agreement has been registered with the Registerin Officer, Bombay, vide Registration No. S-4908/72, date 25-5-84.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (II of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

A. PRASA Competent Authorit Inspecting Assistant Commissioner of Income-ta Acquisition Range-III, Bomba

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by theh issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 10-1-1985

Scal :

FORM NO. I.T.N.S.-

(1) M/s. Minerva Dealers Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mulund Shree Vaikunth Coop. Hsg. Soc. Ltd

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR. 111/37G/2485/83-84.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Vacant Land situated at Village Nahur, Pardi No. 5, Hissa No.

Vacant Land situated at Village Nahur, Pardi No. 5, Hissa No. Nil CTS. No. 641, Near Mulund in Greater Bombay si uated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred

under the Regi tration Act of 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer,

Bombay on 25-5-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressons used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The agreement has been registered with the Registering Officer Bombay, vide registration No. S-4224/82, dated 25-5-84.

A. PRASAD
Competent Author t
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 10-1-1985

(1) Mr. G. K. Thakkar & Other.

(Fransferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR. II1/37 G/2487/84-85.—Whereas, I, PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, baving a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 16 A. Survey No. 1000, Mulund C.S. No. 1166(p), Mulund, Bembay situated at Bomoay (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act of 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, at Bombay on 25-5-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the trability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the uppy and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

(2) M s. Krishna Vr'ndavan Coop. Hsg. Soc_Ltd

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication o' this notice in the Official Gazette or a period of he days from the service of notice on the respective persons. viania ver ner od expires ster:
- (b) by any other person interested in the said immovame property within 45 days from the date of the rublication of this notice in the Officia Garette

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same mean ag as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The agreement is been repretend with the Registerina Officer, Bombay, vide Prostration No. 4906/72, dt. 25-5-84.

> A. PRASAD Competent An hore Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax' Acquisition Range-III, Bombav

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the eforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-1-1985

Scal:

(1) M/s. Babukhan Builders, No. 5-4-84 to 92, Ranigunj, Secunderabad.

(Transferee)

(2) Sri B. C. H. V. Subba Rao, D. No. 5-9 8/I, Saifabad, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th January 1985

Ref. No. RAC. No. 901/84-85.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
Flat situated at Ramganj
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the registering office.

1908) in the office of the registering officer at Hyderabad in 5/84

and/or

at Hyderabad in 5/84
for an appulent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value, of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the seed instrument. the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable preperty within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by trasferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(all facilitating the reduction or evasion of the liability

A Flat bearing No. 646 in 6th Floor situated at No. 5-4-86 to 92 Ranigani, Secunderabad admeasuring 266 S. ft. registered by the S.R.O. Hyderabad vide Document No. 2658/84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section *69C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 8-1-1885

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

The state of the s

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th January 1985

Ref. No. RAC. No. 902/84-85.—Whereas, I, ...

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.
Flat situated at Walkers Town, Secunderabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred as per deed registered

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at Secunderabad on May 84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparnt consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties' has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) racilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/of

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, samely:— (1) M/s. Kamal Roop Builders, No. 3-4-183, Tobacco Bazar, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Sri U. Nagenda Rao, No. 8-1-313, Shivaji Nagar, Secunderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat bearing No. 3 in ground oor, situated at Walkers Town, Secunderabad admeasuring 700 Sft., registered by the S.R.O. Secunderabad vide Document No. 256/84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date · 8-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTI. COMMISSIONER OF INCOMETAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th January 1985

Ref. No. RAC. No. 903/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961(43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

Flat situated at Ameerpet, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vallabhnagar in 5/84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this motion under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ing persons, namely:-

 Mr. Sekhar Adolph
 Miss Shyamala Adolph,
 M/s. Maan Constructions (P) Ltd., A-102, Satya Apartments, Masab Tank, Hyderabad.

(Transferor)

 Sri R. Jayaraman, No. 303, Vijaya Apartments, NCH Road, Ameerpet, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same maening as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A Flat bearing No. in Vijaya Apartments, situated at Ameerpet, Hyderabad admeasuring 1140 S. ft., registered by the S.R.O. Vallabh Nagar, vide Document No. 681/84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderaball (A.P.)

Date: 8-1-1885

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE aNCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Mr. Sekhar Adolph, Miss Shyamala Adolph, M/s. Maan Constructions (P) Ltd., A-10? Satva Apartments, Masab Tank, riydeiab...d.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUARTION RANGE,
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th January 1985

Ref. No. RAC No. 904/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.009/- and hearing No.

Rs. 25.009/- and bearing No.
Flat situated at Masab Tank, Hyderabad
(and more fully described in the schedule annexed hereto)
has been transferred as per deed registered
under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the ffice of the Registering Officer at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of, the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Mr. R. Jayaraman, No. 303, Vijaya Apartments, NCH Road, Ameerpet, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) oy any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A Flat braing No. 1, in Cround Floor, Shoron Apartment, 6-2-1216/99 to 101, Methodist Colony, Hyderabad admeasuring 1140 Sft. registered by the S.R.O. Vallabh Nagar, vide Document No. 774/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Pote: 8-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMM SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (AP)

Hyderabad, the 8th January 1985

Ref. No. RAC. No. 905/84-85—Whereas, I,
M JEGAN MOHAN,
neme the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25.000/- and bearing No.
Flat situated at Padmaraoragar, Secunder bad
(and more fully described in the Schedyle approved bereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Register ng Officer at Secunderabad on 5/84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has, not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) M/s. Kumar Constructions Company, H. No. 6-1-131/132, Padmarao Nagar, Secunderabad.

(Transferor

(2) Smt. Laila Esthor Furtado W/o Sri Albert Wilber Furtodo, - R/o No. 185, Chappal Bazer Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

One cottage bearing No 6 in No 6-1-131/132, Padmarao Nagar, Secunderabad admeasuring 2033 Sft. registered by the SRO. Secunderabad vide Document No. 260/84.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Date: 8-1-1885

Scal:

(1) M/s. T. Lakshminarayana & Others, R/o Hashmathpet.
Secunderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th January 1985

Ref. No. RAC. No. 906/84-85.—Whereas, I,. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Land situated at Hashmathpet, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Marredpally on 5/84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely we

 Maharaja Co-operative Housing Society. Sikh Village, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land admeasuring 2420 sq. yards situated at Hashmath Pet, Secunderabad registered by the S.R.O. Marredpally, vide Document No. 1264/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Date: 8-1-1885

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Sri M. Premkumar Patel, S/o Late Ruparam, Kakaguda, Hyderabad.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Priya Co-operative Housing Society Ltd., Secunderabad.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A.P.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Hyderabad, the 8th January 1985

Ref. No. RAC. No. 907/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269th of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property

having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No.

Land situated at Secunderabad

(and more fully described in the Schedule annnexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Marredpally on 5/84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land admeasuring 5566 Sq. Yards situated at Kakaguda Village Secunderabad registered by the S.R.O. Marredpally vide Document No. 1101/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad. (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—
105—446GI/84

Date: 8-1-1985

(1) Sri P. L. N. Sharma, No. 5-36, Bowenpally, Secunderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sri R. Harinath, No. 1-3-8/9/2, Secunderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

HYDERABAD (A.P.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Hyderabad, the 8th January 1985

Ref. No. RAC No. 908/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,00/- and bearing No.

House situated at Bowenpally, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexedd hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vallabhnagar on 5/84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House situated at Bowenpally, admeasuring 397 sq. yards of land with 1332 Sft. of plinth area, registered by the S.R.O. Vallabhnagar, vide Document No. 1521/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-1-1885

FORM I.T.N.S.-

Sri S. Prakash Rao & Others,
 No. 1-8-215/30, Penderghast Road,
 Secunderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th January 1985

Ref. No. RAC. No. 909/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]-and bearing No.

House situated at Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

V. Nagar on 5/84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) faciltating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957): (2) Sri Mahesh, D. No. 1-8-264, Sindhi Colony, Sardar Patel Road, Secunderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used hreein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House situated at Penderghast Road, Secunderabad bearing No. 1-8-215/10, admeasuring 355 sq. yards of land and the plinth area being 2750 s.ft. registered by the S.R.O. Vallabh Nagar, vide Document No. 915/84.

M. JEGAN MOHAN
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Competent Authority
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 8-1-1885

(1) Sri G. Jaideep Reddy & Others. No. 2-2-3/6, East Amberpet, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

> (2) M/s Saha Udyog Co-operative Housing Society, Taranaka.

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A P.)

Hyderabad, the 8th January 1985

Ref. No. RAC. No. 910/84-85.--Whereas, I, M JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinarter referred to as the 'said Act'), have resson to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25 000/- and b aring

Rs 25 000/- and 0 aring site situated at Taranaka (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Marredpally in 5/84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have leson to believe that the fair market value of the property I have as aforestaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this potice in the Oficial Carette

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacent site admeasuring 2475 sq. yards of site situated at Taranaka registered by the SRO Marredpally, vide Document No. 1271/84.

> M. IEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 8-1-1885

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Shri V. Seshagiri Rao, No. 9, S.R.K. Colony, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Shri Pradeep Haridas Popat & Other, No. 27, Jeera, Secunderabed

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 8th January 1985

Ref. No. R.A.C. No. 911/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 or 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. site situated at Kakaguda, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at Marredpally on 5/84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used htrein as defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open Plot of land admeasuring 647 Sq. yards situated at Kakaguda, Secunderabad registered by the S.R.O. Marredpally vide document No. 1168/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Date : 8-1-1985

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. B. Shantha Reddy, No. B. 24, Maharanibagh, New Delhi.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 8th January 1985

Ref. No. R.A.C. No. 912/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. land situated at Vikrampuri, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Marredrally on 5/84

for an apparent consideration which is less than the fair Market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid said exceeds the apparent consideration therefore by more the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) M/s. Vikrampuri Co-operative House Building Society Ltd., B-10, Vikrampuri Colony, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to he undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land admeasuring 4 acres of land situated at Vikrampuri, Secunderabad registered by the S.R.O. Marred-pally, vide document No. 1188/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-1-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 8th January 1985

Ref. No. R.A.C. No. 913/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing

No. House situated at Malkajgiri (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer

at Vallabhnagar, on 5/84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursutnce of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— (1) Smt. Sh. Varalakshmamma, No. 4-95, Geetanagar, Malkajigiri. Hyderabad:

(Transferor)

(2) Shri R. Vidya Sagar, 1-9-290/6, Vidyanagar, Hyderabad.

(Transferes)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this zotice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

anouse situated at Malkajigiri with 218 Sq. yards of land and 477 sft. of plinth area registered by the S.R.O. Vallabhnagar, vide document No. 749/84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Date: 8-1-1985

(1) Shri G. Baghi Reddy & Other, S. D. Road, Secunderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) M/s. N.F.C. employee Co-operative House Building Society, Moulali, Hyderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Hyderabad (A.P.), the 8th January 1985

Ref. No. R.A.C. No. 914/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

land situated at Ghatekesar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Uppal on 5/84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said herein Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Open land admeasuring 7 acres situated at Ghatakeswar, registered by the S. R. O. Uppal vide document No. 1888/84 **&** 1883/84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the eforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 8-1-1985

(1) Shri K. Rama Naidu, No. 192, Amupalli, Renigunta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) Shri G. J. Mohan, No. 37/4, Vijayaraghavachari Road, T. Nagar, Madras.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 8th January 1985

Ref. No. R.A.C. No. 915/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. lands situated at Renigunta Tirupati

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chittoor on 5/84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent ransfer agreed to between the parties has not been truly stated in said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land of 2 acres and 4 1/2 Cents situated at Renigunta, registered by the S.R.O. Chittoor vide document No. 3399/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Date : 8-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri A. Krishna Murthy & Others, Lalbagh Road, Bangalore.

(Transferor)

PART III—SEC. 1

(2) Shri G. J. Mohan, Vijayaraghavachari Road, T. Nagar, Madras.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 8th January 1985

Ref. No. R.A.C. No. 916/84-85.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing

No. land situated at Renigunta Tirupati

(and more 'ully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

chittoor (n 5/84

5274

for an apperent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that he fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen persent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any mo leys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 II of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with in a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within forty five days from the date of publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Open land admeasuring 1.58 1/2 acres of land situated at Renigunta, registered by the S.R.O. Chittoor, vide document No. 3400/84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I herely initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 8-1-1985

Seal 1

(1) Sri L. Yellaiah, and Others, Secunderabad

(2) The Sanjeevaiahnagar Co-op. Housing Society, Ltd., 106, Jainti Apartments, Begumpet, Secunderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX AGT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th January 1985

RAC No. 917/84-85.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
properly having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Land situated at Thokatta Village Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 at Marreedpally in May 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 3) days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 2420 sq. yds. situated at Bowenpally Secunderabad registered by the S.R.O., Marredpally vide document No. 1150/84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Date: 8-1-1985

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th January 1985

Ref. No. RAC No. 918/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

House situated at Tirupathi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the

office of the Registering Officer at Thirupathi in May 1984

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or exasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any mencys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferres for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri K. Subbaiah Chetty and Others, 381, Bhavaninagar, Tirupathi.

(Transferor)

(2) Sri Dharmichand, No. 177, Bazar Street, Tirupathi.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the aid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property dor No. 127 Perla Street, Tirupathi registered by the S.R.O., Thirupathi vide document No. 2531/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Date: 8-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th January 1985

Ref. No. RAC. No. 919/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
Flat situated at Begumpet Hyderabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office

of the Registering Officer at Vallabhnagar in May 1984

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) meilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act; 1957 (27 of 1957); (1) Sri P. Jagadish Reddy & Others, 7-1-21/3, Begumpet, Hyderabad. (Transferor)

(2) Sri Nandinada Mohan Rao, A/1/34, Mayuri Aparmtents, Begumpet, Hyedrabad. (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 34 in 3rd floor of Mayuri Apartments, Begumpet, Hyderabad admeasuring 847 s. ft., registered by the SRO Vallabhnagar vide document No. 745/84.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subtien (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 8-1-1985

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th January 1985

Ref. No. RAC. No. 920/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing No.

Flat situated at Ashol nagar, Hyderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office

of the Registering Officer at Hyderabad in May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aferesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evesion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Naw, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) M/s. Mehta Towers, Rep. by Sri M. Mehta, 2-4-65, M. G. Road, Secunderabad.
 - (Transferor)
- (2) A. P. Judicial Officer's Association, Rep. by Sri G. Radha Krishna Rao, 1-1-293/4, Ashoknagar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat in 1-1-293/4 at Ashoknagar, Hyderabad admeasuring 1350 sft., registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 2623/84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Date: 8-1-1985

Scal:

(1) M/s. Mehta Towers, Rep. by Sri M. Mehta, 2-4-65, M. G. Road, Secunderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) A. P. Judicial Officer's Association, Rep. by Sri G. Radha Krishna Rao, 1-1-293/4, Ashoknagar, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th January 1985

Ref. No. RAC No. 921/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Flat situated at Ashoknagar, Hyderabad (and more fully described in the schedule annexed here o), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

at Hyderabad in May 1984
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) fucilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Flat No. 101 in 1-1-293/4, Ashoknagar, Hyderabad admeasuring 1846 sft. registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 2622/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date: 8-1-1985

(1) M/s. Mehta Towers, Rep. by Sri M. Mehta, 2-4-65, M. G. Road, Secunderabad.

(Transferee)

(2) Sri Mehar Shivaji Singh, Flat No. 306 in 1-1-293/4, Ashoknagar, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th January 1985

Ref. No. RAC No. 922/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat situated at Ashoknagar, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any mon ys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 306 in 1-1-293/4 at Ashoknagar, Hyderabad admeasuring 921 sft., registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 2625/84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 8-1-1985

FORM 17 48-

(1) M/s. Mehta Towers, Rep. by Sri M. Mehta, 2-4-65, M. G. Road, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Sri M. Mallamaa W/o M. Koteswara Rao, Flat No. 208, in Mehta Towers, '1-1-293/4, Ashoknagar, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th January 1985

Ref. No. RAC No. 923/84-85.—Whereas, I,-M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat situated at Ashoknagar, Hyedrabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred

has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of Registering Officer at Hyderabad on May 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the objec the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or s

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 208 in 1-1-293/4, Ashoknagar, Hyderabad admeasuring 1168 sft., registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 2625/84.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Date: 8-1-1985

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the storesard property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---107-446 GI/84

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Hyderabad, the 8th January 1985

Ref. No. RAC. No. 924/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the (ompetent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing
No. Flat situated at Ashoknagar, Hyedrabad

(and more fully described in the schedule annexed hereto)

has been transferred

under the Legistration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at

Hyderabad on May 1984

for an app rent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to than the fair believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per ent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) to illitation the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Art or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) M/s. Mehta Towers, Rep. by Sri M. Mehta, 2-4-65, M. G. Road, Secunderabad.
- (2) Smt. V. Venkayamma W/o Narasimha Rao, 1-1-293/4, Ashoknagar, Hyderabad. Flat No. 204.

(Transferee.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of

 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gozatta or a period of 20 days from in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall havt the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 204 in 1-1-293/4 at Ashoknagar, Hyderabad admeasuring 1605 sft., registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 2626/84.

M. JEGAN MOHAN Competent Authorize Inspecting Assistant Commissioner of Income Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I her by initiate proceedings for the acquisition of the aforeasid property by the issue for this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following resons, namely:—

Date: 8-1-1985

FORM ITNS-

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 9th January 1985

RAC. No. 925/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Garrage situated at Hyderguda, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chikkadpally on May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Matrusri Engineer & Builders (P) Ltd., 3-5-873, Hyderguda, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. K. Sarojini Devi, 11-1-939/1, Old Malakpet, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Garrage in Matrushri Appartments, Hyderguda, Hyderabad, admeasuring 225 Sft., registered by the SRO, Chikkadpally, vide document No. 390/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Date: 9-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

3-5-873, Hyderguda, Hyderabad.

(1) M/s. Matrusri Engineer & Builders (P) Ltd.,

(Transferor)

(Transferee)

(2) K. Kiran, S/o K. Balachandra Mouli, R/o 10-2-7/A, A-C Guards, Hyderabad.

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 9th January 1985

RAC No. 926/84-85.—Whereas, I,

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-

No. Garrages situated at Hyderguda, Hyd.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer

at Chikkadpally on May 1984

for an apparent considering which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reoson to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Garrage No. 17, in Matrushri Apartments, Hyderabad, Hyderabad, admeasuring 200 Sft. registered by the S.R.O. Chikkadpally, vide document No. 391/84.

THE SCHEDULE

M. JEGAN MOHAN Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, a hereby initiate proceedings for the acquisition of the arroresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:-

Date: 9-1-1985

Seal:

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days

from the service of notice on the respective persons

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(1) M/s. Dhananjaya Hotels (P) Ltd. By Nagaraju, S/o M. V. Suryanarayana Raju, 5-9-12, Saifabad, Hyderabad.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(Transferor)

(2) Dr. A Krishna Murthy, S/o Late A. B. Rao, 72, MIGH Colony, Mehdipatnam, Hyderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderaload, the 9th January 1985

RAC. No. 927/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25;000/- and bearing No. Garrage situated at Saifabad, Hyd.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any 'ncome arising f' on the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been on which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incomestax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EYPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Garrage No. 14 situated at No. 5-9-12, Saifabad, Hyderabad admeasuring 292 Sft. registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 2962/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

. w room tour ... and a manufacture particular design

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 9th January 1985

RAC. No. 928/84-85.--Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Can age situated at Saifabad, Hyd. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Hyderabad on May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) M/s. Dhananjaya Hotels (P) Ltd. By Nagaraju, S/o M. V. Suryanarayana Raju, 5-9-12, Saifabad, Hyderabad.

(Transferors)

(2) Smt. Saraswathi Valliappan, W/o A. Valliappan, No. 8-2-332/7/4, Road No. 3, Banjara Hills, Hyderabad. (Transferees)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Garrage No. 19 at H. No. 5-9-12, Saifabad, Hyderabad admeasuring 236 sft. registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 2961/84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Date: 9-1-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 M/s. Vinayak Enterprises, By M. Vinayak, No. 3 4-526, Barkatpura, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sh, Kota Ramaiah, S/o Bhoomaiah, 3-5-265, Vittal Vadi, Narayanguda, Hyderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 9th January 1985

RAC. No. 929/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Garrage situated at Narayanaguda, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been t ansferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of

the registering Officer at Rajkot at Chikkadpally on May 1984

at Chrkadiany of May 1964
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Garrage in No. 3-5-585 / 586 at Narayanguda, Hyderabad admeasuring 218 sft. registered by the S.R.O. Chikkadpally, vide document No. 410/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Date: 9-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 M/s. Vinayak Enterprises, By M. Vinayak, No. 3-4-526, Barkatpura, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sii M. Subbarami Reddy, Flat No. 504-B(a) No. 3-5-588, Narayanguda, Hyderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderapad, the 9th January 1985

Ref. No. RAC. No. 930/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Garrage situated at Narayanaguda, Hyde abad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chikkadp lly on May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) tact itating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) fac itating the concealment of any income or any mo eys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforessid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Garrage in MCH No. 3-5-585 & 586 Narayanaguda admeasuring 218 sft., registered by the S.R.O., Chikkadpally, vide document No. 411/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Date: 9-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 9th January 1985

RAC. No. 931/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000and bearing No.

Land situated at Mangalampalli, Ibrahimpatnam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer

at Ibrahimpatnam on May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said ...t, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—-

108-446 GI/84

- (1) Sri Ramkumar Soni, 42, Madhu Kunj, S. P. Road, Secunderabad.
- (2) M/s. Adarsh Poultry Farm, By: Sri Ravindra Nath, Turkeyajayal, R. R. Dist.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land situated at Mangalapalli, Ibrahimpatnam Taluk, admeasuring 3207 sq. yds. registered by the S.R.O., Ibrahimpatnam, vide document No. 665/84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Date: 9-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderaload, the 9th January 1985

RAC. No. 932/84-85.—Wheeras, I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land situated at Kompalli Medchel

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 og 1908) in the office of the Registering Officer at Medchel in May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. G. Seethayamma, Mudunuri Kausalya, Kompalli.

(Transferor)

(2) Sri Gottimukkala Venkata Narasimha Raju, S/o Late Satyanarayana Raju, Kompalli Village, Medchel Taluk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land situated at Kompalli on the road to Medchel admeasuring 22 acres of land registered by the S.R.O. Medchal vide document No. 2973/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Date: 9-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 9th January 1985

t.A.C No. 933/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Flat situated at B. Hills, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Zainab Khatoon, GPA: Sri Ali Khaja, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Anantha Rao, S/O Satyanarayana, 1-9-320/1, Vidyanagar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 403, 4th Floor, Banjara Castles, Banjara Hills, Hyderabad, admeasuring 1103 Sft. registered by the SRO Chikkadpally, vide document No. 394/84.

M. IEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Date: 9-1-1985

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

OME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 9th January 1985

R.A.C. No. 934/84-85—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House situated at Daru Shifa, Hyderabad (and more fully described in the Schedule and bearing the s

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian. Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, ir respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Sri Bankatlal Mandana
 S/o Late Ramlal,
 Mahesh Nagar Colony, Hyderabad.

(2) Sri Abdul Wabab Iffath Zaidi, 22-8-375 at Yadgare-Hussamy, Daru-Shiffa, Hyderabad.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House situated opposite to Gadgar-E-Hussainy at Darushifla, Hyderabad admeasuring 4978 Sft. registered by the SRO Azampura, vide document No. 1788/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incomet-ax
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Date: 9-1-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 9th January 1985

R.A.C. No. 935/84-85—Whereas, I, M. JEGA MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House situated at Shahali, Banda, Hyderabad (and more fully described in the Schedule anniexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 5/84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Madafferunnisa, Begum, No. 21-2-591, Urdu Sheriff, Hyderabad.

(Transferor) (2) M/S. Bharat Petroleum Corporation Ltd.,

By its Divisional Manager, Sri S. Raj Gopal, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House situated at D. No. 23-2-670/1, Shah Ali Band: Hyderabad admeasuring 1050 Sq. Yds. land area registered by the S.R.O. Hyderabad, vide document No. 291/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Date: 9-1-1985

FORM NO. I.T.N.S.-

(1) M/S Matrusri Engineers & Builders (P) Ltd., No. 3-5-873, Hyderguda, Hyderabad.

(Transferor)

(2) N. V. Narasimha Rao, S/O Rajeswara Rao, No. 3-6-190/A/1, Himayathnagar, Hyderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 9th January 1985

R.A.C. No. 936/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.'
Flat situated at Hyderguda, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at
Chikkadpally on 5/84
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used hereip are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat bearing No. 403, situated in Matrushri Apartments, Hyderguda, Hyderabad admeasuring 1150 Sft. registered by the SR.O. Chikkadpally, vide document No. 389/84.

THE SCHEDULE

M. JEGAN MQHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269C of the said Act, to the following persons namely:-

Date: 9-1-85.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 9th January 1985

R.A.C. No. 937/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and 'bearing No.

Flat situated at Hyderguda, Hyderabad

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office

of the Registering Officer at

Hyderabad on 5/84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which cught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/S Malik Builders, No. 3-6-290, Hyderguda, Hyderabad.

(2) Sri Khaja Hasnuddin, 3-5-885, Himayathnagar, Hyderabad. (Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said imanevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION;—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. A-VI, 2nd Floor in Aziz Towers, Hyderguda, Hyderabad, admeasuring 1562 Sft. registered by the S.R.O. Hyderabad vide document No. 2442/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Date: 9-1-85.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Malik Builders, No. 3-6-290, Hyderguda, Hyderabad.

(2) Smt. Siraj Fathima, 18-8-186, Pisal Banda, Hyderabad. (Transferor)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 9th January 1985

R.A.C. No. 938/84-85.—Whereas I, M. JF.GAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat situated at Hyderguda, Hyderabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)

in the Registering Officer at on 5/84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat bearing No. III, in 2nd Floor in Aziz Towers, Hyder-

THE SCHEDULE

guda. Hyderabad admeasuring 1284 Sft. registered by the S.R.O. Hyderabad vide document No. 2550/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

Date: 9-1-85.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE. HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 9th January 1985

R.A.C. No. 939/84-85 - Wherens, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable

as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing No.

Flat situated at Edengarden, Hyderabad
(and more fully descr.bed in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 5/84
for an annarent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (b) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, threefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

109-446 GI/84

(1) M/S A J. Builders, Rep. by Aziz Ahmed, S/O Late Md. Ahmed, 5-9-31, Basheer Bagh, Hyderabad.

(Transferor)

Sri Wajeesh Dad Khan, No. 306, Sagar Apartments, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat bearing No. 3-5-121/E, at Eden Garden, Kong Koti, Hyderabad, admeasuring 1100 Sft. registered by the S.R.O. Hyderabad vide document No. 2472/84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 9-1-85.

Seal ·

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 9th January 1985

R.A.C. No. 940/84-85.--Whereas, I, M JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Hat situated at Hyderguda. Hyderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on 5/84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: --

Smt. Pushpalatha Bai, No. 8-2-626/6, Road No. I, Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Dhanji Shaw & Others, No. 15-6-489, Begum Nagar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice, on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat situated at No. 3-6-296 to 305, Hyderguda, Hyderabad admeasuring 1180 Sft. registered by the S.R.O. Hyderabad vide document No 2593/84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range,
> Hyderabad (A.P.)

FORM ITNS.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 9th January 1985

R.A.C. No. 941/84-85.—Whereas, I, M JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat situated at Hyderguda, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 5/84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (b) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Smt. Pushpalatha Bai, No. 8-2-626/6, Road No. Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Bhagwan Das & Others, Floor No. 1, Shivdhan Builders, Basheerbagh, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat at No. 3-6-296 to 305 Hyderguda, Hyderabad admeasuring 1180 Sft. registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 2614/84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 9th January 1985

R.A.C. No. 942/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reterred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat situated at Hyderguda, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registring Officer at

Hyderabad on 5/84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, i hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) Smt. Pushpalatha Bai, No. 8-2-626/6, Road No. 1, Banjara Hills, Hyderabad.

(2) Sri Bhagwan Das & Others Floor No 1, Shivdhan Builders, Basheerbagh, Hyderabad. (Transferors)

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat bearing No. in 3-6-296 to 305 situated at Hyderguda, Hyderabad admeasuring 1180 Sft registered by the S.R.O. Hyderabad vide document No. 2592/84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

FORM. NO. I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 9th January 1985

R.A.C. No. 943/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing No.

Flat situated at Hyderguda, Hyderadbad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on 5/84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore is pursuance of Section 269C of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;-

(1) M/S. Sri Krishna Jewellers, Abid Road, Hyderabad.

(2) Sri Dhanji Shah G. S. & Others, 15-6-483, Begum Bazaar, Hyderabad.

(Transferor)

(Transferee)

Objection if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Flat situated in premises No. 3-6-296 to 305, Hyderguda, Hyderabad admeasuring 1180 Sft. registered by the S.R.O Hyderabad vide document No. 2594/84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACCUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 9th January 1985

R.A.C. No. 944/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing No.

Flat situated at Chiragali Lane, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Hyderabad on 5/84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-iax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri Hyder Ali K. Lajani, S/o Mohammed Bai, 5-8-505, Chirag Ali Lane, Hyderabad.

(2) Md. Riazuddin, S/O Ahmed Mohiuddin,

21-3-613, Mouse Bowli, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat bearing No. 206 in 5-8-305, situated at Chirag Ali Lane, Hyderabad admeasuring 1072 Sft. registered by the S.R.O. Hyderabad vide document No. 2680/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

FORM NO. I.T.N S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 9th January 1985

R A.C. No. 945/84-85.--Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reson to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat situated at Fathe Sultan Lane, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 5/84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt. K. L. Sujathamma W/O P. S. Reddy, 22, S.B I Colony, Bakaram, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri A. Rajeswara Rao, S/O Basavaraju, Chief Engineer, South Eastern Rly. Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat bearing No. C\404/52 at 5-8-42, F-5 lane, Hyderabad admeasuring 1000 Sft. registered by the S.R.O. Hyderabad vide document No. 2571/84.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 9-1-85.

FORM !TNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF_1961)

G.P.A. Ali Khwaja, Banjara Castles, Road No. 12, Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sri Athar Ali Khan, S/O Nawab Ali Khan, 16-9-433, Old Malakpet, Hyderabad.

(1) Smt. Jainab Khatoon,

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 9th January 1985

R.A.C. No. 946/84-85.—Whereas, I, M JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat situated at Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Chikkadpally on 5/84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall havt the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat situated in a posh locality admeasuring 910 Sft. registered by the S.R.O. Chikkadpally, vide document No. 395/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-1-85.

FORM IINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 9th January 1985

R A.C. No. 947/84-85—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

Flat situated at Hyderabad

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the offic of the registering officer at Hyderabad on 5/84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforest id property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforestid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the ransferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
110—446GI/84

(1) S₁: N. S. Subrahmanyam, S/o Rameseshaiah, 3-5-6, Ramkote, Hydeiabad.

(Transferor)

(2) Sri Radhakrishna Babu, S/o Ramchandra Rao, 19-11-1016, Buiban Bagh, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat bearing No. C-303/45 at 5-8 42. F.S lane, Hyderabad admeasuring 1000 Sft. plinth registered by the S R O. Hyderabad vide document No. 2779/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range.
Hyderabad (A.P.)

Date: .9-1-85.

Sea? :

FORM I.T.N.S.---

(1) M/s. S. I. B., Builders, Prop: Jayaprakash, 3-6-10, Himayat Nagar, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Prem Latha Gella, W/o Ramesh Gelli, 5-9-22/25, Adarshnagar, Hyderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 9th January 1985

Ref. No. R.A.C. No. 948/84-85.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.
Shop situated at Himayat Nagarfi Hyd.
(and more fully described in the schedule annexed hereto)
has been transferred as per deed registered under the Indian
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 5/84
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties has not been truly stated in
the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immosable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Office space No. 103 at 3-6-10 situated at Himayat Nagar. Hyderabad admeasuring 1305 sft. plinth registered by the S.R.O. Hyderabad vide document No. 2977/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-1-85

(1) Qumar Jehan Begum, D/o Sultan Hussain, 5-9-161, Chappal Road, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Paramount Agencies (P) Ltd., Challel Road, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II

ACOUISITION RANGE, HYDERAAD

Hyderabad, the 9th January 1985

R.A.C. No. 949/84-85.—Whereas, I,

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and

bearing No. Shops situated at Chapal Rd. Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 5/84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property are forcesaid.

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparat consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period-expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop bearing No. 5-9-164/A & 5-9-164/A/2, at Chappal Road, Hyderabad admeasuring 64.44 Sq. yds. and 682 Sft. plinth, registered by the S.R.O. Hyderabad vide document No. 2475/84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice unue, sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:---

Date: 9-1-85

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 9th January 1985

R.A.C No. 950/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the minovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,0000 - and

bearing No. lands situated at Dondapadu Kodad Toluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kodad on 5/84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the tair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Waelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sri D. P. Appa.ah & Others, Dondapadu, Kodad Taluk.

(Transferor)

(2) M/s. Sri Vishnu Cements Ltd., 1-10-1/15, Ashoknagar, Hyderabad,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lands situated at Dondapada Village admeasuring 70 acres of land registered by the SPO. Kodad vide document No. 1916, 1971, 1814, 1815, 1817, 1822, 1824, 3317, 3402, 1912, 1914, 1915, 1832, 1808, 1796, 1797, 1798, 1799, 1688, 1689, 1683, 1673, 1674 & 1665/84.

M. IEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said rect, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-1-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 8th January 1984

RAC. 965/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding $R_{\rm S}$. 25,000/- and

bearing No. Flat situated at Erramanjil Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 5/84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Commercial Flots Building Corporation, A-102, Satya Apartments, Masab Tank, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Sekhar Adolph S/o J. J. Adolph, D. No. 6-3-907/5, 'SHILOH', Kapadia Lane, Somajiguda, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A Flat bearing No. 30 in Concorde Appartment at Erramanjil, Hyderabad admeasuring 1500 Sft. registered by the S.R.O. Hyderabad vide document No. 2717/84.

M. JEAGAN MOHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 8-1-85

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 8th January 1985

Ref. No. 966/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and

bearing No. Flat situated at Erramanjil Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 5/84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tux Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) M/s. Commercial Flats Building Corporation, A-102, Satya Apartments, Masab Tank, Hyd (Transferor)
- (2) Miss Shyamala Adoph, D/o I. J. Adolph, H. No. 6-3-907/5, 'SHILOH', Kapadia Lane, Somajiguda, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A Flat bearing No. 302 in Concorde Apartments, Erramanjil, Hyderabad admeasuring 1500 Sft, registered by the S.R.O. Hyderabad vide document No. 2718/84.

> M. JEAGAN MOHAN, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad.

FORM NO. I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 8th January 1985

RAC No. 967/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat situated at Erramanzil Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 5/84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than

said exceeds the apperent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferer for the purposes of the Indian Income-tax Acr. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- M/s. Commercial Flats Building Corporation, A-102, Satya Apartments, Masab Tank, Hyderabad.
- (2) Miss Sharada Adolph, D/o Dr. I. J. Adolph R/o H. No. 10-3-907/5, CHILOH, Kapadia Lane, Somajiguda, Hyderabad.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A Flat bearing No. 303 in Concorde Apartments, Erramanjil, Hyderabad admeasuring 1410 Sft. registered by the S.R.O. Hyderabad vide document No. 2719/84.

> M. JEAGAN MOHAN, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 8-1-1985

(1) M/s Commercial Flats Building Corporation, A-101, Satya Apartments, Masab Tank, Hydeiabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Aliyamma Adolph, W/o I. J. Adolph, H. No 6-3-407/5. Kapadia Lane, Somajiguda. Hyderabad.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 8th January 1985

Ref. No. 854/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. Flat situated at Erramanil Hyderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 5/84

registration Act, 1903 (10 of 1903) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 5/84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following serious namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of 'the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A Flat bearing No in Concorde Apartments, Friamanjil Hyderabad admeasuring 1145 Sft registered by the S.R.O. Hyderabad vide document No 2720/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 8-1-85.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 8th January 1985

RAC. No. 855/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said*Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. Flat situated at Erram Manjil, Hyd.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 5/84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, as respect of any income arising from the transfers and/or
- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other essets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tex Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-ta Act, 1957 (27 of 1957):

(1) M/s. Commercial Flats Building Corporation, A-102, Satya Apartments, Masab Tank, Hyd. (Transferor)

(2) Dr. 1 J. Adolph, S/o Late L. Samuel, 'Shiloh' D. No. 6-3-407/5, Kapadia Lane, Somejiguda, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A flat bearing No. G-1 in Concorde Apartments at Erram Marjil, Hed-phad admeasuring 654 Sft registered by the SRO. Hyderabad vide document No 2721/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
111—446GI/84

Date: 8-1-1985

Seal ·

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 8th January 1985

RAC. No. 856/84-85.--Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing bearing No. Flat situated at Barum et, Hyderubad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act. 1908 (16 of 1903) in the effice of the Registering Officer at V. Nagar, in May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration ween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer. and/er
- no) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922-(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Srinivasa Builders (P) Ltd., 1-2-593/4-A, Ramachundra Miss on Road, I, I-r, bad

(Transferor)

(2) Sir R. Bhashara Rao, S/o Pitchairth, 7-1-644/24, Sunder Nagar, Hyd.: abad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesard persons within a period of 45 days, from the cate of publication of this notice in the Official Gaze to or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) It any ether person interested in the said immovable property with a 45 days from the date of the rubheation of this notice in the Oficial Gazette.

FAR IN IT N — The terms and carrel loss used herein as ate defined in Chapter INA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Charter.

THE SCHEDULE

A Flat bearing No. 104 in Municipal No. 6-3-1187 at Begi mpet, Hyderabad admiasuring 1170 S't, registered by the SRO. Vallabh Nagar, vide document No. 1529/84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act. 1 hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 8-1-85.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPFCTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD

Hyderabad, the 8th January, 1985

RAC. No. 857/84-85.--Whereas, I. M. JEGAN MUHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sa d Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000-

and bearing

bearing No. Flet situated at Begumpet, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been t ansformed as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Regisetring Officer at V. Nagar on 5/84

for an apparent consideration which is less than the fuir market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; mad/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

- (1) M/s. Srinivasa Builders (P) Ltd., Rep. by Sri G. Sivakumar Reddy, S/o G. Srinivasulu Reddy, 1-2-593/41-A, Ramachandra Mission Road Hyderabad.
- (Transferor (2) Kum. G. V. Rochita, Minor by Guardian & father Sri G. Sivakumar Reddy, D. No. 1-2-593/4/A, Ramachandia Mission Road, Hyderabad, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A Flat bearing No. G-1 in Municipal No. 6-3-1187 at Begumpet, Hyderabad admeasuring 2481-50 Sft. registered by th. S.R.O. Vailabh Nagar, vide document No. 845/84-85.

> M. JEGAN MOHAN,, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad

Date: 8-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE. HYDERABAD

Hyderabad, the 8th January, 1985

RAC. No. 858/84-85.—Whereas. 1. M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (13 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat situated at Banjara Hills Hyderabad (and pore fully described in the Schedule coneyed belief).

bearing No. Flat situated at Banjara Hills Hyderabad (and more fully described in the Schedule spexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the order of the Registering Officer at Hyderabad on 5/84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as altersaid exceeds the apparent consideration therefor by more fifteen per cent of such apparent consideration to the property and the property are property and the property and than fifteen per cent of such apparent consideration and than the consideration for such transfer as agreed to between the partners has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Sunita Talwar, W/o Sri K. R. Talwar, R/o Marnakshi Towers, Road No. 12, Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Sherin Ghazi, w/o, Muneer Ghazi, Flat No. 4. Meenakshi Towers, Banjara Hills. Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property asay be in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same measuring as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4 in Mechalohi Towers, Road No. 12, Banjara Hills, 150,000 admeasuring 2150 sft., registered by the S.R.O., Hydrabad vide document No. 2483/84.

M. JEGAN MOHAN. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under succeeding (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 8-1-85.

Seal ·

NOTICE UNDER SECTION 269D(f) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAL

Hyderabad, the 8th January, 1985

RAC. No. 859/84-85.--Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. Flat situated at Tilak Road Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyde:abad on 10/84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the afcresoid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assers which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, to the follow. ing persons, namely :---

(1) Smt. Shanti Bai, 4-1-10, Tilak Road, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Ramniklal Thakker, 4-1-10/B/9/B, Tilak Road, Hyderabad. or 5-1-867, Kothi, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat on IInd floor in 4-1-10/B/9/B, Tilak Road, Hyderabad admeasuring 943 sft., registered by the S.R.O. Hyderabad vide document No. 5247/84.

> M. JEGAN MOHAN, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad

(1) Sri G. K. Nairk, 3-6-369/A/16, Himayachnagar, Hyderabad

(Transferor)

(2) Smt. Gora Bai Loya, Flat E. 769/E, Gowliguda, Hyderabad.

(Trans'erce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderahad, the 8th January 1985

RAC No. 860/84-82.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing
Rs. 25,000|- and bearing
Flat situated at Gowliguda, Hyderabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred as per deed registered under the Indian
Registration Act, 1903 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at Hyderabad in July 1984,

for an apparent consideration which is less than the full market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. F. in 4-8-76 at Gowliguda, Hyderabad measuring 711 sft. registered by the SRO. Hyderabad vide document No. 3969/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 8-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (AP)

Hyderabal, the 8th January 1985

2 \C No 861/84-85 —Whereas, I, M JEGAN MOHAN being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat situated at Sanjecvareddy Nagar, Hyderabad (a.d more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in August 1984 for an apparent consideration which is less than the fair milket value of the aforesaid property and I have reason to helieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds in apparent consideration therefor by more than fift en per cent of such apparent consideration and that the consideration for uch transfer as agreed to between the patters has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) faciliting the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269© of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely :---

 Sri M. R. Krishna Murthy, 7-1-621/563/4. S. R. Nagar, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sti A Anantha Krishna, 8/0 Sti Kiishnamachary, 1-1-230/2, Chikkadpally, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No B-7/F-4 in 7-1-621/563/4, S.R. Nagar, Hydera-bad admeasuring 1104 88 sft, registered by the SRO, Hydera-bad vide document No. 4088/84.

M JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (AP.)

Date: 8-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sri G. K. Navik, 3-6-369/A/16, Himayathnagar, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sait. Mandi Anasuyamma, 170 Sri Shankaraiah, 4-8-764 to 774, Gowliguda, Hyderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th January 1985

RAC No. 862/84-85.-Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

Flat situated at Gowliguda, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderebad in May 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitee in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat B in 48-764 to 774 at Gowwliguda, Hyderabad adm asuring 659 sft reg. toted by the SRO, Hyderabad vide document No. 2959/84

THE SCHEDULE

M. JEGAN MOHAN Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesa'd property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 8-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43, OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th January 1985

RAC No.863/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
Plot situated at Bogul-Kunta, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in June 1984. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that

the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons. namely:—

112-446G1/84

 Smt. P. Krishnaveni Rao, W/o Sri P. R. Rao, H. No. 10, Pali Road, Bombay.

(Transferor)

(2) Smt. Kausalya, W/o Sri Lachandar, Flat G. MCH. No. 4-1-1233 & 1233/1, Boggulakunta, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) By any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A Flat bearing No. G in Subhodaya Apartments, Boggulkunta, Hyderabad admeasuring 1480 Sft. registered by the SRO Hyderabad vide document No. 3469/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 8-1-19

FORM NO I.T.N S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGI, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th January 1985

RAC No 864/84-85 -Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961). (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot situated at B. Hills, Hyderabad

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registed under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 5/84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

mum, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, f, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Smt. Basheerunnisa Begum, 11-4-653, Saifalad, Hyderabad.

(Transferor)

)2) Sri Y. Sivarami Reddy, S/o Sri Y. Audinarayana, 3-4-15/8. Lingampally, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 63 of B type in S. No. 18, Road No. 12, Banjara Hills, Hyderabad admeasuring 283 sft. plinth registered by the S.R.O. Hyderabad vide document No. 2889/84.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 8-1-1985

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th January 1985

RAC No. 865/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot situated at Bunjara Hills, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 5/84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Smt. Basheerunnisa Begum. No. 11-4-653, Saifabad, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. N. Malini, W/o Sri N. Suresh Kanthi Sikhara Apartments, Somajiguda, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A plot No. 20 of B type in S. No. 129/18 at Road No. 12, Banjara Hills, Hyderabad admeasuring 283 Sft. registered by the SRO Hyderabad vide document No. 2918/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th January 1985

RAC. No. 866/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot situated at Banjara Hills. Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 5/84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which sught to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 '11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, the following persons, namely:—

(1) Smt. Bashcerunnisa Begum, No. 11-4-653, Saifabad, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri C. Venkatesu Reddy, S/o Sri C. Ramalinga Reddy, Bhavaninagar, Tirupati.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A Plot of vacant site bearing No. 62 of B type in S. No. 18, Road No. 12, Banjara Hills, Hyderabad admeasuring 283 sft. registered by the SRO Hyderabad vide document No. 2919/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 8-1-1985

(1) Smt. Basheerunnisa Begum. 11-4-653, Saifabad, Hyderabad.

(Transferor)

.(2) Smt. A Rangamma, W/o Rami Reddy, Allur Village Kovur Taluk, Nellore Dist.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

DFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th January 1985

R.A.C. No. 867/84-85.—Whereas, I M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Plot situated at Banjara Hills, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of, publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A Plot bearing No. 12 of B type in S. No. 18, Road No. 12, Banara Hills, Hyderabad admeasuring 346 Sq. yds, or 44 s.ft, plinth registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 2917/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the follows:

persons, namely:—

Date: 8-1-1985

(1) Smr. Basheerunnisa Begum, No. 11-4-653, Saifabad, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sri A. Vijava Vardhana Reddy, No. 3-6-199, Himayath Nagar. Hyderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.) Hyderabad, the 8th January 1985

R.A.C. No. 868/84-85.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Plot situated at Himayat Nagar, Hyderabad.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been trasferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in May 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitaing the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 21 of B type in S. No. 18, Road No. 12, Banjara Hills, Hyderabad admeasuring 346 Sq. yds. or 441 s.ft. registered by the S.R.O. Hyderabad vide document No. 2891/84.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 8-1-1985 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th January 1985

R.A.C. No. 869/84-85.--Whereas, I M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Flat situated at Gowliguda, Hyderabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Hyderabad in July 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the inability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sri G. K. Naik, S/o S. K. Naik, 3-6-369/A/16, Himayat Nagar, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Pushpa Sharma, W/o Hari Narayan, Flat No. F-in 4-8-796/F, Gowliguda, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notic in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A Flat bearing No. F in the premises No. 4-8-796/F, at Gowliguda, Hyderabad admeasuring 816 sft. registered by the S.R.O. Hyderabad vide document No. 3934/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th January 1985

R.A.C. No. 870/84-85.—Whereas I. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat situated at Ameerpet, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in June 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s Vijaya Builders, Rep. By Y. Lakshmana Rao, H. No. 7-1-70/B|1, NCH Road, Ameerpet, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. A. Vasantha, W/o Sankara Reddy, Flat No. 105, Vijaya Apartments, 7-1-70/B/1, NCH Road, Ameerpet, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any or one aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A Flat bearing No. 105 situated at Vijaya apartments, 7-1-70/B/1, NCH Road, Ameerpet. Hyderabad admeasuring 947 Swft, registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 3550/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 8-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th January 1985

R.A.C. No .871/84-85.--Whereas, I

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Flat situated at Ameerpet, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Rtgistering Officer at

Hyderabad in May 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than yer cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:— 113—336GI/84

(1) M/s Vijaya Builders Rep. By Sri Y. Lakshman Rao, 7-1-70/B/1, NCH Road, Ameerpet, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Kumari Seema Singh, D/o Nanda Kishore. Flat No. 204, Vijaya Apartments. NCH Road, Ameerpet, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this netice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A flat bearing No. 204 in Vijaya Apartments situated at 7-1-70/B/1, NCH Road, Ameerpet. Hyderabad admeasuring 1176 Sft. registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 2985 84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 8-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A P.)

Hyderabad, the 8th January 1985

R.A.C. No. 872/84-85 - Whereas, I M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/-and bearing

Flat situated at Ameerpet Hyderabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Hyderabad 12 June 1984.

for an application consideration which is less than the fair market value of the aforesa'd property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument c' transfer with the object of .—

- (a) fact itating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:

 and for
- (b) far litating the consealment of any income or any meners or their assets which have not been on which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax. Act, 1922 (11 of 1972) or the said Act, or the Wealth-tax. Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I here's initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely—

 M/s Vijaya Builders Rep. By Sri Y. Lakshman Rao, 7-1-70/B/1, NCH Road, Ameerpet, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. M. Shanthi Sri, D/o M. Prasada Rao, National Surgicals, Nampally Station Road, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

A Flat bearing No. in Vijaya Apartments, situated at 897 s.ft. registered by the S.R.O., Hyderabad vide documents 7-1-70/B/1, NCH Road, Ameerpet, Hyderabad admeasuring No 3546/84,

M. JEGAN MOHAN
Competer t Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date · 8-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th January 1985

R.A.C. No. 873/84-85,—Whereas, I M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]-bearing

Flat situated at Ameerpet, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in June 1984,

Hyderabad in June 1984, for an apparent consideration which is less then the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor (s) and the transferee (s) has not been truly stated in the said instrucent of transfer with the object of:—

M/s Vijaya Builders Rep. By Sri Y. Lakshman Rao. 7-1-70/B/1, NCH Road, Ameerpet, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri G. V. Ramana, Flat No. 203, Vijaya Apartmenta, 7-1-70/B/1, NCH Road, Ameerpet, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

A Flat bearing No. 203 in Vijaya Apartments, situated at 7-1-70/B/1, NCH Road, Ameerpet, Hyderabad admeasuring ing 947 sq.ft. registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 3440/84.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

M. JEGAN MUHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, (43 of 1961) to the following persons, namely:

Date: 8-1-1985

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIST.
SIONER OF INCOME-TAX ASSISTANT COMMIS-

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th January 1985

R.A.C. No. 874/84-85.--Whereas, I

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the improvable to believe that the improvable as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat situated at Ameerpet, Hyderabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in June 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the lability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) M/s Vijaya Builders Rep. By Sri Y. Lakshman Rao. 7-1-70/B/1, NCH Road, Ameerpet, Hyderabad,

(Transferor)

(2) Sri Y. Ramana Reddy, Flat No. 304, Vijaya Apartments, 7-1-70/B/1, NCH Road. Ameerpet, Hyderabad.

(Transfer

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A Flat bearing No. 304 in Vijaya Apartments, situated at 7-1-70/B/1, NCH Road, Ameerpet, Hyderabad admeasuring 1176 s.ft. registered by the S.R.O. Hyderabad vide document No. 3548/84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 8-1-1985 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

DFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE. HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th January 1985

Ref. No. R.A.C. No. 875/84-85.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-

and bearing No.
Flat situated at Ameerpet, Hyderabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Income-tax Act, 1961, in the office of the Registering Officer at

Hyderabad on June, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferee; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the Maresaid property by the issue of this notice under section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) M/s. Vijaya Builders, Rep. by Sri Y. Lakshman Rao, 7-1-70/B/1, NCH Road, Ameerpet, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Y. M. Prasad, Flat No. 505, Vijaya Apartments, 7-1-70/B/1, NCH Road, Ameerpet, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noticed in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A Flat bearing No. 505 in Vijaya Apartments, situated at 7-1-70/B/1, NCH Road, Ameerpet, Hyderabad admeasuring the S.R.O. Hyderabad vide document No. 3441/84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 8-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

a title and the second second

GOVERNMENT OF INDIA

 M/s. Vijaya Builders, Rep. by Sri Y. Lakshman Rao, D. No. 7-1-70/8/1, NCH Road, Ameerpet, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Shri Y. B. Prasad,
Flat No. 606, Vijaya Apartments,
D. No. 7-1-70/B/1, NCH Road, Ameerpet, (Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th January 1985

Ref. No. R.A.C. No. 876/84-85.—Whereas I, M. JEGAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tro Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sai' Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.

Flat saure id at Ameerpet, Hyderabad,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been masteried under the Income-tax Act, 1961, in
the office A the Registering Officer at

Hyderabad on May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) menhating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in tispect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tar Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A Flat No. 606 in Jijaya Apartments situated at 7-1-70/B/1, NCH Road, Ameerpet, Hyderabad admeasuring 832 Sft. registered by the S.R.O. Hyderabad vide document No. 3442/

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 8-1-1985

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th January 1985

Ref. No. R A.C. No. 877/84-85.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961. (43 of 1961) (hereinafter referred have reason to believe that the immovable property, having a fair market valuve exceeding Rs, 25,000/- and bearing No. Flat, situated at Bapu Bagh P.G. Rd., Hyderabad and more fu'ly described the schedule, annexued hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Vallabhnager on May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair mark:t value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. United I ngineers, 134, Ponderghast Road, Secunderabad,

(Transferor)

(2) Shri Mohanlal, Flat No. 9 in Bapu Bag i, Ponderghast Road, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 9 in Laxminarayan Apartments, 61, Bapu Bagh, Penderghast Road, Hyderabad admeasuring 615 ft., registered by the S.R.O., Vallabhnagar vide document No. 1686/

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of "noome-tax
Acquisition Range, Hyderalad (AP.)

Date: 8-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th January 1985

Ref. No. R.A.C. No. 878/84-85.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

Flat situated at Begumpet, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Vallabhnaga: in May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) faciliteding the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act; or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sti P. Jagadish Reddy & Others, 7-1-21/3, Begumpet, Hyderabad.
 - (Transferor)
- (2) Sti P. V. Subba Rao and Smt. P. Kamakshi, Flat No. 25, 2nd floor, A. Block, Mayuri Apartments, Begumpet,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whether period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4 in ground floor in A-2 Block at Mayuri Apartments, Begumpet, Hyderabad admeasuring 847 sq. ft., registered by the S.R.O., Vallabhnagar, vide document No. 1469/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 8-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th January 1985

Ref. No. RAC. No. 879/84-85.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot, situated at Banjara Hills, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred.

has been transferred

as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad in May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of constant with the object of : transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:-114-446GI/84

(1) Smt. Basheerunnisa Begum, D. No. 11-4-653, Saifabad, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri P. Prabhakara Reddy, D. No. 3-4-136/A, Barkatpura, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The trems and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A plot of land No. 60 in S. No. 18, at Road No. 12, Banjara Hills, Hyderabad admeasuring 284 Sq. yds. with 2833 Sq. ft. registered by the S.R.O. Hyderabad vide document No. 2892/84.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 8-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE. HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th January 1985

Ref. No. R.A.C. No. 880/84-85.—Whereas I, M. JEGAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

House, situated at Banjara Hills, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred

as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad in May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :--

(1) Smt. Basheerunnisa Begum, 11-4-653, Saifabad, Hyderabad

(Transferor)

(2) Shri K. Nagabhushan Reddy, r/o 3-4-136/A, Barkatpura, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expression used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the name meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 61 of B type in Road No. 12, Banjara Hills, Hyderabad admeasuring 358 Sq. yds. of land area with 283 Sq. ft., plinth area registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 2890/84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 8-1-1985 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th January 1985

Ref. No. R.A.C. No. 881/84-85.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN.

being the Conspetent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

House, situated at Saidabad, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred;

as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad in May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) Badilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under enb-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Mahmood Jung, r/o Aiwan-E-Begumpet, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Sirajunnisa Begum, w/o late Mir Fakruddin Ali, r/o 20-7-293, Fathe Darwaza, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given

THE SCHEDULE

House No. 16-1-24/15, Farrah Estate, Saidabad, Hyderabad admeasuring 287 Sq. yds. of land area with 860 Sq. ft., plinth area registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 2739/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 8-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF ENDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th January 1985

Ref. No. R.A.C. No. 882/84-85.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

House situated at Saidabad, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad in May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri Mahmood Jung, 3-5-121, Eden Garden, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Shri Syed Anwar Ahmed, 16-4-484, Chenchalguda, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The term and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 16-1-23/13 at Farrah Estate, Saidabad, Hyderabad admeasuring 287 Sq. yds., of land area and 860 sq. ft., plinth area registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 2740/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 8-1-1985

(1) Shri Masood Ali Khan, r/o Aiwan-e-Begumpet, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Sayeeda Mahmooda Khatoon, w/o Shri S.A. Naqui, r/o 17-9-149, Kurmaguda, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th January 1985

Ref. No. R.A.C. No. 883/84-85.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income—tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House situated at Saidabad, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad in May, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in pect of any income arising from the transfers

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immoveble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE.

House No. 16-1-24/E-9 at Farrah Estate, Saidabad, Hyderabad admeasuring 223 Sq. yds. of land area and 300 Sq. ft. plinth area registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 3758/84.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 8-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th January 1985

Ref. No. R.A.C. No. 884/84-85.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

House situated at Saidabad, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad in September, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Masood Ali Khan, 1-8-322, Begumpet, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Anees Fatima, 16-5-191, Dabeerpura, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 16-1-24 at Farrah Estate, Saidabad, Hyderabad admeasuring 315 sq. yds. with 220 sq. ft, plinth area registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 4879/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 8-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th January 1985

Ref. No. R.A.C. No. 885/84-85.—Whereas I, M. JEGAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000

and bearing No.

House situated at Saidabad, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad in September, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trully stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) o rthe said Act, or the Wealth-tax, Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shri Masood Ali Khan, 1-8-322, Begumpet, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Sri M. A. Sattar, 20-6-240, Shahali Banda, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition o the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitee in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 16-1-24/E/19 at Farrah Estate, Hyderabad admeasuring 265 sq. yds. of land area and 860 sf. ft., plinth area registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 3759/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 8-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Masood Ali Khan, 1-8-322, Begumpet, Secunderabad.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Shaik Mahmood, 114-C, Nallagutta, Secunderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th January 1985

Ref. No. R.A.C. No. 886/84-85.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

House situated at Saidabad, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad in July, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Ast, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House at Farrah Estate bearing No. 16-1-24/E/22, Hyderabad admeasuring 305 sq. yds. of land area and 128 sq. ft. plinth area registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 4880/84.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 8-1-1985 Seal a

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th January 1985

Ref. No. R.A.C. No 887/84-85.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

House situated at Saroornagar, Hyderabad (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred

as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad in May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Shi V Kuppuswamy, 16 11-491, Dilsukhnagar, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Shri M. E. A Sanjeeva Rao, H. No 7-38 (Plot No. 22) HUDA Complex, Sacoornagar, Hyderabad

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No 7-38, situated at Plot No. 22 Huda Complex, Saroornagar Hyderabad registered by the S.R.O., Hyderabad-East vide document No. 5590/84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— 115—446GI/84

Date · 8-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDFRABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th January 1985

Ref. No. R.A.C. No. 888/84-85.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House, situated at Saidabad. Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad in May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating hte reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the adoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ektedaruddin Khan, r/o 1-8-322, Begumpet, Hydciabad.

(Transferor)

(2) M/s. Anabe Shahi Wines & Distillaries Pvt. Ltd., Rep. by Shri Kanayalal K. Harjani, 5-9-22/57, Adarshnagar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 16-1-24 situated at Saidabad, Hyderabad registered by the S.R.O.. Hyderabad vide document No. 2516/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 8-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th January 1985

Ref. No. R.A.C. No. 889/84-85.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act)' have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25 000/s and bearing No.

to as the 'said Act)' have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot situated at Dilsukhnagar, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Azampura in May. 1984

Azampura in May, 1984
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. D. Vijayasri w/o D. S. Murthy, 5-9-22/1 A, Shapoorwadi, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Kiran Bai and Others, 15-1-601, Siddiambar Bazar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot situated at Dilsukhnagar, Hyderabad admeasuring 556 sq. yds., registered by the S.R.O., Azampura vide document No. 1679/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 8-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th January 1985

Ref. No. R.A.C. No. 890/84-85.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1951 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House situated at Ragnunath Bagh, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad in July 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-

ing persons, namely:-

 Smt. Shanti Pitti w/o Badri, Vishal Pitti, Somajiguda, Hyderabad.

(Transferor)

 Smt. Kalyani alias Kanta Devi, H. No. 4-3-83-A4, Raghunath Bagh, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publiction of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 4-3-63 A 4 at Raghunath bagh, Hyderabad admeasuring 165.49 sq. yds. of land area and 1489 sq. ft. plinth area registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 3720/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 8-1-1985

eal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th January 1985

Ref. No. R.A.C. No. 891/84-85.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House, situated at Raghunathbagh, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following porsons, namely:—

(1) Smt. Pitti w/o M. Badrivishal Pitti, Somajiguda, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Lita Sharma, w/o Shri Bhagirath Sharma, H. No. 4-3-58, Raghunathbagh, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person intersted in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 4-3-58 at Raghunath Bagh, Hyderabad admeasuring 167 sq. yds. of land area and 1509 sq. ft., plinth area registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 2541/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 8-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th January 1985

Ref. No. R.A.C. No. 892/84-85.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House situated at Sultan Bazar, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any impouns arising from the transfer; mal/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Shanti Pitti w/o Badri Vishal Pitti, 6-3-648, Somajiguda, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Shri Hanuman Vyayamasala, 4-3-52 and 51/1, Raghunath Bagh, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property bearing No. 4-3-52/1 at Sultan Bazar, Hyderabad registered by the S.R.O., Hyderabad vide document Nos. 2975/84 and 3015/84.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 8-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Muzzafar Ali Khan & Others, 8-2-608, Road No. 10, Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Dr. M. Manorama w/o M. Chandrasekhar Reddy, 3-4-60/6, Lingampally, Hyderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th January 1985

Ref. No. R.A.C. No. 893/84-85.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269-B of the

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House situated at Banjara Hills, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in June, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respective of any income arising from the transfer; and/or
- (b) fracilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable propert, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 8-2-608/20 at Road No. 10, Banjara Hills, Hyderabad admeasuring 350 sq. yds. of land area and 430 sq. ft. plinth area registered by the S.R.O. Hyderabad vide document No. 3268/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 8-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th January 1985

Ref. No. R.A.C. No. 894/84-85.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.

House situated at Banjara Hills, Hyderabad

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said insrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Muzaffar Ali Khan and Others, Road No. 10, Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Mrs. Faizunnisa Begum w/o Mr. Khaja Nasrullah, 8-2-608/8. Road No. 10, Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 8-2-608/8 at Road No. 10, Banjara Hills, Hyderabad admeasuring 350 sq. yds. of land area and 430 sq. ft. plinth area registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 2960/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 8-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th January 1985

Ref. No. R.A.C. No. 895/84-85,--Whereas I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceding Rs. 25,000/and bearing No. Flat situated at Ameerpet, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in October, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in recpect of any income arising from the transfer; and/
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

446GI/84

(1) M/s. Vijaya Builders, Rep. Y. Laxman Rao, 7-1-70/B/1, Ameerpet, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Sundari Natarajan, Flat No. 604 in Vijaya Apartments, 7-1-70/B/1, Ameernet. Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immeva-ble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used hereig ... are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 502 in Vijaya Apartments, Ameerpet, Hyderabad admeasuring 1176 sq ft. registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 5309/84.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 8-1-1985

FORM NO. I.T.N.S.—

 M/s. Vijaya Builders, Rep. by Sti Y. L. Rao, 7-1-70/B/I, NCH Road, NCH Road, Ameerpet, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. J. Vasanta Kumari. 206, Vijaya Apartments, NCH Road, Ameerpet, Hyderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDER ABAD (A P.)

Hyderabad, the 8th January 1985

Ref. No. R A.C. No. 896/84-85.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing No

and bearing No Flat situated at Ameerpet, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in July, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immorable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 206 in Vijaya Apartments, Ameerpet, Hyderabad admeasuring 832 sq. ft. registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 3893/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date: 8-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1361 (43 OF 1961)

S/Shri P. Jagadish Reddy & Others, 7-1-21/3. Begumpet, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Shri Akbar Ali Shah, No. 312/2 RT, P. S. Nagar, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th January 1985

Ref. No. R.A.C. No. 897/84-85.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

and bearing No.
Flat situated at Begumpet, Hyderabad
(and more fully described in the Schedule annoxed hereto),
has been transferred as per deed registered under the
Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the
office of the Registering Officer at
V. Nagar in May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 ef 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A Flat bearing No. 34 in 3rd floor A2 Block situated at Mayuri Apartments. Begumpet, Hyderabad admeasuring 847 sq. ft. registered by the S.R.O. Vallabh Nagar vide document No. 1468/84.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 8-1-1985 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 8th January 1985

Ref. No. RAC No. 898/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing No.
Flat situated at Begumpet, Hyderabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred as per deed registered under the
Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the
office of the Registering Officer at
V. Nagar in May 1984

For an apparent consideration which is less than the fair

- for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—
 - (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
 - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) S/Sri P. Jagadish Reddy & Others, 7-1-21/3, Begumpet, Hyderabad.

(Transferor)

 Mrs. Beryl Kearle, No. 3 Lucline, Rudrampur, Kothagudem.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A Flat bearing No. 56 in 5th Floor, A2 Block situated at Mayuri Apartments, Begumpet, Hyderabad admeasuring 847 Sft., registered by the S.R.O. Vallabh Nagar, vide document No. 1473/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 8th January 1985

Ref. No. RAC No. 899/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reasn to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Flat situated at Begumpet, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

V. Nagar in 5/84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) S/Sri P. Jagadish Reddy & Others, 7-1-21/3, Begumpet, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Ch. Veera Durga Prasad, Flat No. 27, 2nd Floor, A1 Block, Mayuri Apartments, Begumpet, Hyderbaad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A Flat bearing No. 27 in 2nd floor, A1 Block situated at Mayuri Apartments, Begumpet, Hyderabad admeasuring 847 Sft. registered by the S.R.O. Vallabh Nagar, vide document No. 1471/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Date: 8-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Secur

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 8th January 1985

Ref. No. RAC No. 900/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat situated at Begumpet, Hyderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at V, Nagar in 5/84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration of such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the consealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 S/Sri P. Jagadish Reddy & Others, 7-1-21/3, Begumpet, Hyderabad.

(2) Sri S. Krishna Murthy, Lakitha Nagar Colony, Secunderabad. (Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A Flat bearing No. 24 in A-2 Block situated at Mayuri Apartments Begumpet, Hyderabad admeasuring 847 Sft., registered by the S.R.O. Vallabhnagar, vide document No. 1474/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Date: 8-1-1985

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 9th January 1985

Ref. No. RAC No. 951/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

House situated at V. N. Colony, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Khairatabad in 5/84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-ts' Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 26% of the same Act, I hereby initiate proceedings for the aquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Sri Akhtar Hussain, S/o Ahmed Hussani, R/o 10-3-342, (38/2 RT), Vijayanagar Colony, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri V. V. Narayana Rao, S/o V. Hanumantha Rao, Now R/o 38/2 RT, Vijayanagar Colony, Hvderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pubilcation of this notice in the Official Gaette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House at Vijayanagar Colony, Hyderabad admeasuring 170 Sq. yds. land and 1080 Sft. plinth registered by the S.R.O. Khairatabad, vide document No. 1217/84.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 9-1-1985

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING. ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 9th January 1985

Ref. No. RAC No. 952/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property' having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

No. House situated at Raj Bhavan Rd., Hyd. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad in 5/84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri V. V. Narayana Rao, S/o V. Hanumantha Rao, R/o 38/2 RT, Vijayanagar Colony, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Miss. Rana. D/o Sri Abdul Rahman Chida, Flat No. 104, Sarita Apartments, Road No. 4, Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House situated in Raj Bhavan Road near Bhaskar Apartments, Hyderabad admeasuring 310 Sq. yds. land and 1050 Sft. Plinth, registered by the S.R.O. Hyderabad vide document No. 2469/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Date: 9-1-1985

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

Mrs. Gulshan Bee Dange, 3-4-346, Amberpet, Hyderabad.

(Mrs.) Vaseem Fatima,

(2) Dr. (Mrs.) Vaseem Fatima, 19-4-400/1, Bahadurpura,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 9th January 1985

Ref. No. RAC No. 953/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House situated at Masab Tank, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in 5/84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Obections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given up that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and or,
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

House site admeasuring 225 Sq. yards in Masab Tank, Hyderabad, registered by the S.R.O. Hyderabad vide document No. 2818/84,

THE SCHEDULE

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate Proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
117—446GI/84

Date: 9-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 9th January 1985

Ref. No. R.A.C. No. 954/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. House situated Masab Tank, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in 5/84

for an apparent consideration which is less than the rair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sri Jamir, Y. Dange, Through G.R.A. Smt. Gulshan Y. Dange, Post Charegaon. Taluka Karid, Dist. Satara, Maharashtra State.

(Transferor)

(2) Dr. Mrs. Vaseem Fatema, 19-4-400/1, Bahudurpura, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which is period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House Bearing No. 10-1-17/A at Masab Tank, Hyderabad admeasuring 151 sq. vdc. registered by the S.A.O. Hyderabad vide document No. 2817/84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow. persons, namely:-

Date: 9-1-1985

FORM I.T.N.S.--

(1) Sri Syed Ahmed Jameel S/o Shri H.S.M. Iqbal, Begum Bazaar, H. No. 15-6-360, Hyderabad. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sri Ehteshamuddin Ahmed, S/o Late M. M. Ahmed, 3-1-80, Kachiguda, Hyderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-LAX,

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.) Hyderabad, the 9th January 1985

Ref. No. R.A.C. No. 955/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority

under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961 (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair markey value exceeding Rs. 25,000- and bearing.

No. Plot situated Masab Tank, Hyderabad. (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad in 5/84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House Plot bearing No. 10-4-771/82/C/4, situated at Masab Tank, Hyderabad admeasuring 267 sq. yds. and 200 sft. plinth registered by the S.R.O. Hyderabad Vide document No. 2805/84

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aloresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 9-1-1985

(1) Sri N. Balakrishna Reddy. 3-6-198, Himayat Nagar, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Touheed Ali Khan, R/o 47, MIGH, Mehdipatnam, Hyderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 9th January 1985

Ref. No. R.A.C. No. 956/84-85.-Whereas, I.

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authori y under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and bearing No.

House situated at Mehdipatnam Hyderabad (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Khairatabad in 5/84,

Kharatabad in 5/84, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market alue of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truely stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expers later;
- (b) by any other person interested in the said immoval property, within 45 days from the date of the pulication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the fiability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House situated at Mehidipatnam Colony bearing Municipal No. 12-2-831/55 admeasuring 530 sq. yds. of land and 1620 sft. of plinth area registered by the S.R.O. Khairatabad vide document No. 1126/84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 9-1-1985

FORM LT.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 9th January 1985

Ref. No. R.A.C. No. 957/84-85.-Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

theing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing

No. House situated at A. C. Gudards, Hyderabad.

has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in 5/84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which sught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) Smt. P. Varalakshmi W/o Shri P. N. Raju, Toli Chowki, Hyderabad.

(Transferor)

(2) M/s. Rasi Cements Ltd., Company, 1-10-125, Ashoknagar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House situated in A. C. guards area admeasuring 1196 sq. yds. i.e., 1000 sq. meters registered by the S.R.O. Hyderabad vide document No. 2949/84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Date: 9-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 9th January 1985

Ref. No. R.A.C. No. 958/84-85.—Whereas, I, M. JEAGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair mraket value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House situated at Banjara-Hills, Hyderabd (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairatabad in 5/84,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-vection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri H. G. Surya Kumar S/o Sri H. R. Gaviappa, M/S. H.R.G. & Company, Parvathinagar, Bellary-2.

(Transferor)

(2) Sri M. Vinayak S/o Late M. Govinda Rao, 3-5-575, Himayat Nagar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this ntice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used here as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House situated at Road No. 3, Banjara Hills, Hyderabad admeasuring 11.96 sq. yds. with 450 sft. plinth area registered by the S.R.O., Khairatabad vide document No. 1128/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Date: 9-1-1985

Seal: .

FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 9th January 1985

Ref. No. R.A.C. No. 959/84-85.—Whereas, I,

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Secvtion 269B of the Incone-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25 000/- and bearing

No. House situated at Boggulkunta, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in 5/84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transferred with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursunace of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Smt. Kesamma W/o Sri Rathangarani Reddy, 4-1-1232, Boggulkunta, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Dr. Ibrahim Ahmedi (Non Resident) Rep. by Sri Shafi Ahmed, 20-1-283, Bharoopia Street, Puranapul, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Cazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House situated at Boggulkunta, Hyderabad admeasuring 730 sq. yds. with 850 sft. plinth registered by the S.R.O. Hyderabad vide document No. 2976/84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Date: 9-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 9th January 1985

Ref. No. R.A.C. No. 960/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. House situated at Saidabad, Hyderabad

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in 5/84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe hat the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a, facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Sri Masood Ali Khan, Aiwan-e-Begumpet, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Irfan Hameed, R/o 23-1-1086, Panch Mohella, Hyderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 16-1-24, Farrah Estate, Saidabad Hyderabad registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 2490/84.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Date: 9-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 9th January 1985

Ref. No. R.A.C. No. 961/84-85.—Whereas, I,

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing

No. House situated Dilsuk Nagar, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration April 1908 (16 of 1908) in the office of the

Registration Registering Tay, 1984
for an appear of consideration which is less than the fair
market value of the property as aforesaid
market value of the property as aforesaid believe that the thir market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-118-446GI/84

(1) Smt. K. Damayanti Devi. W/o Sri Ranga Rao, Dilsukhnagar, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. V. Annapurna Devi, W/o Sri V. Hanumantha Rao, Advocate, 16-11-477/6/3, D.S.N. Colony No. 5, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used hereing as are defined in Chapter XXA of the said act, shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

House situated at Dilsukhnagar, Hyderabad admeasuring 1098 sft. plinth registered by the S.R.O. Azampura, vide document No. 1938/84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Date: 9-1-1985

Scal:

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 9th January 1985

R.A.C. No. 962|84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House situated at Banjara Hills, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Hyderabad in May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely.—

(1) Smt. K. R. Urmila Devi. 3-6-483, Himayat Nagar, Hyderabad.

(Transferor

Sri Rai Bansidhar,
 6-2-969|A. Fateh Manzil, Khairatabad,
 Hyderabad.

(Transferee

Objections, if any, to the acquisition of the said propert may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period 45 days from the date of publication of this notic in the Official Gazette of a period of 30 day from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other person interested said immoves able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Gaeztte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein a are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same measuring as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House situated at Banjara Hills, Hyderabad admeasuring 607 Sq. yds. with 4000 Sft. plinth area registered by the S.R.O. Hyderabad vide document No. 2768|84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Date: 9-1-1985. Seal:

FORM I.T.N.S.

Sri Syed Asgar Hussain,
 5.9.43, Basheerbagh,
 Hvderabad.

(Transferor)

TICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Fahmida Khatoon, 15-8-513, Begum Bazar, Hyderabad.

(Transferee)

FFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th January 1985

R.A.C. No. 963/84-85.—Whereas, I, M. IEGAN OHAN

ng the Competent Authority under Section 269B of the come-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'said Act'), have reason to believe that the immovable operty, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-1 bearing No

Duse situated at Basheerbagh, Hyderabad and more fully described in the Schedule annexed hereto), s been transferred as per deed registered under the Indian egistration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the egistering Officer

Hyderabad in May, 1984

an apparent consideration which is less than the fair trket value of the aforesaid property and I have reason to lieve that the fair market value of the property as afored exceeds the apparent consideration therefor by more in fifteen per cent of such apparent consideration and that e consideration for such transfer as agreed to between the ties has not been truly stated in the said instrument of insfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to hay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; agg/ or

THE SCHEDULE

House No. 5-9-43|9 to 16 situated at Basheerbagh, Hyderabad registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 2968 84.

the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said ct, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the oresaid property by the issue of this notice under subction (1) of Section 269D of the said Act, to the followg persons, namely

Date: 1C-1-1985,

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 9th January 1985

R.A.C. No. 964|84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot situated at Banjara-Hills, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the

Registration Act, 1908 (10 of 1906) in the chief of Registering Officer at Hyderabad in May, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the assoresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:--

(1) Mr. R. N. Mittal & Mrs. Saila Mittal, 320, Kanthi Sikhara, Punjagutta, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Mr. N. V. R. N. Reddy & A. Raghava Reddy, 3-4-526|2|3|C, Barkatpura, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open Plot of land admeasuring 1450 Sq. Yds. at Banjara Hills, Hyderabad registered by the S.R.O. Hyderabad vide document No. 2664 84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Date: 9-1-1985

(1) Shriniwas R. Lagu.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Jitendra P. Tave.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No AR.III/37EE/8034.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act)', have reason to believe that the immovable preperty, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 54, pt. 3, CTS No. 698 Nahur Village, Mulund

Bombay, in a proposed building

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1984 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid reisons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Survey No. 54, Pt. 3, CTS No. 698 pt. Nahar Village, Mulund, Bombay. That is a proposed building.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Prombay under No. AR.III/37EE/8034/83-84 on 1-5-1984.

> LAXMAN DASS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 10-1-1985

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th January 1985

R.A.C. No. 969|84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Land situated at Peddaamberper, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1998) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of, such opparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the sarties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Burri Butchireddy, Pedda Amberpet, Hayathnagar Tq., R.R. Dt.

(Transferor)

Sri U. Raja Rao,
 4-62, Saroornagar, Hayathnagar Tq.,
 R.R. Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act shall have the same meaning as given

THE SCHEDULE

Land admeasuring 4000 sq. yds. situated at Pedda Amberpet, registered by the S.R.O., Hyderabad-East vide document No. 4993 84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Date: 10-1-1985

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th January 1985

R.A.C. No. 970/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding '

able property, having a fair market value exceeding.

Rs. 25,000/- and bearing

Land situated at R.R. Dt.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred as per deed registered under the Indian

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the

Registering Officer

The Detail May 1984

at R.R. Dt. in May, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) P. Ramachandra Rao, and Other, 152, Kakateyanagar, Hyderabad.

(Transferor)

(2) TELUGU DESAM PARTY. 3-5-910, Himayathnagar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, is any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 1-885 acres situated at Himayathagar village, Rajendranagar Tq., R.R. Dt., registered by the S.R.O., R.R. Dt., vide document No. 3051|84.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Date: 10-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th January 1985

R.A.C. No. 971 84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

House situated at P.S. Nagar, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Khairatabad in May, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;---

(1) Sri B. V. Venkataratnam, Scientist, R.R. Labs., Tarnaka, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Syed Yakoob Ahmed, H. No. 10-3-867, P.S. Nagar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property bearing No. 31|MIGH M. No. 103-867 situated at P.S. Nagar, Hyderabad registered by the S.R.O., Khairatabad vide document No. 1067/84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Date: 10-1-1985,

Seal ;

(1) Sri P. Parameswara Rao Naidu, slo. Venkataswamy Naidu, Vizag.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th January 1985

R.A.C. No. 972 84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House situated at P.S. Nagar, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per tleed registered under the Indian

has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Hyderabad in May, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-119-446GI/84

Hyderabad. Transferee) Objections, if any, to the acquisition of the said property

(2) Smt. Hazira Begum woo. Fakheer Mohd.

4-1-447, Troop Bagar,

may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 10-3-860 (280/2/RT) Pottisriramulunagar, Hyderabad registered by the S.R.O., Khairatabad vide document No. 1095 84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Date: 10-1-1985

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th January 1985

R.A.C. No. 973 84-85.—Wheres, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot situated at Begumpet, Hyderabad (and more fully described in the Scheduled annexed hereto). has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at R.R. Dt. in May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Mrs. Pramila Nanda, 8-2-703|4, Road No. 12, Banjara Hills, Hyderabad-34.

(Transferor)

(2) Sri Mohd, Asadulla Pasha, 6-3-680, Panjagutta, Hyderabad-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot admeasuring 800 sq. yds. situated at Motilal Nehrn Nagar, Begumpet, Hyderabad registered by the S.R.O., R.R. Dt., vide document No. 3023 84.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Date: 10-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th January 1985

R.A.C. No. 974|84-85.--Wereas, I, M. JEGAN

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House situated at Santoshnagar, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Hyderabad in May, 1984

at Hyderabad in May, 1984
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-sax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 296D of the said Act, to the follow ing persons, namely :---

(1) Sri K. Srihari, 12-2-445, Mehdipatnam, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Bilquis Begum woo. Md. Asadullah Khan, 12-2,823 A | 147 and 148, Santoshnagar, Mehdipatnam. Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

12-2-823|A|147 and 148 at Santoshnagar No. Colony, Mehdipatnam, Hyderabad registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 2970|84.

> M. JEGAN MOHAŃ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Date: 10-1-1985

Seal.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th January 1985

R.A.C. No. 975/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

House situated at Mohammadi Lines, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the *office of the Registering Officer

at Khairatabad in May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri Mohd. Azam Sharrif, 9-4-87/1, Mohammadilines, Hyderabad,

(Transferor)

(2) Sri M. A. Kareem, so. Md. Khaja Mian, 12-1-927, Mallepally, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (h) by any person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 9-4-87|1|17 at Mohammadi Lines, Hyderabad registered by the S.R.O., Khairatabad vide document No. 1115|84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Date: 10-1-1985

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Hyderabad. (Transferor) (2) M|s. Venkataramana Builders Pvt. Ltd., Rep. by Sri J. Bhaskara Rao,

(1) Sri Javeed Kamal and Other, Rep. by GPA Sri Gulam Ahmed,

Director, D-4, Matrusri Apartments, Hyderguda, Hyderabad-29.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th January 1985

R.A.C. No. 976|84-85.-Whereas, I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000-

House situated at Somajiguda, Rai Bhavan Road,

Hyderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Hyderabad in May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House property bearing No. 6-3-1090 situated at Somajiguda, Raj Bhavan Road, Hyderabad registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 2609 84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the sait Act, to the following persons namely:-

Date: 10-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th January 1985

R.A.C. No. 977/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. House situated at Somajiguda, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Hyderabad in May. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Smt. Varalakshmi Bhoopal GPA Srilatha Bhupal, Ro. 6-3-1100 B, Somajiguda, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri N. Ram Kumar, slo. N. Janardhan Reddy, 6-3-1109 2. Somajiguda, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 6-3-1109|2 at Somajiguda, Hyderabad admeasuring 1405 sq. yds. of land area and 2367 sft., plinth area registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 794|84

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Date: 10-1-1985

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sri P. Kamala Devi, and Others, Plot No. 152, Kakateyanagar, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri N. P. A. P. Kalyanachakravarthi, alias Phani Kumar Raja and Others, No. 132, N.T.R. Road, Kodambakam,

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th January 1985

R.A.C. No. 978 84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that, the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

I and situated at R.R. Dt. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at R.R. Dt. in May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the appearent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. end /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 7-18 acres situated at Enkipalli village, R.R. Dt., registered by the S.R.O., R.R. Dt., vide document No. 3052 84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 10-1-1985

FORM I.T.N S.

(1) Sri P. Romachandra Rao and Other, 152, Kakatiyanagar, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Nandamuri Taraka Rama Rao, 4-1-427, Troop Bazar, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th January 1985

Ref. No. R.A.C. No. 979/84-85.—Whereas, I,

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land situated at R.R. Dt. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at R.R. Dt. in May, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land situated at Himaythnagar village R. R. Dt., admeasuring 2-615 acres registered by the S.R.O., R.R. Dt., vide document No. 3050/84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Date: 10-1-1985

(1) Sr; Ch. Pandurangam, Tadbiloli, Bodhan Tq., Nizamabad Dt.

(Transferor)

(2) The A. P. State Teachers' Union, A.P. District Branches, Nizamabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

'GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th January 1985

Ref. No. R.A.C. No. 980/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-, and bearing

No. House situated at Nizamabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Nizamabad in 5/84,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

120—446GI/84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 2-1-14 at Gol Hanuman Chowk, Nizamabad registered by the S.R.O., Nizamabad vide document No. 3326/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Date: 10-1-1985

(1) Sri Masood Ali Khan, . R/o Aiwan-e-Begumpet, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sri M. A. Hameed, 23-1-1086, Panch Mohalla, Hyderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th January 1985

Ref. No. R.A.C. No. 981/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. House situated at Saidabad, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1908 (16 of 1998 in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on 5/84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 16-1-24/3 at Farrah Estate, Saidabad, Hyderabad registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 2489/84

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—-

Date: 10-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th January 1985

Ref. No. R.A C. No. 982/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 296B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

and bearing
No. Land situated at Mubaraknagar, Nizamabad
(and more fully described in the Scheduled annexed hereto),
has been transferred under the Indian Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Nizamabad on 5/84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believed that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act,
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:—

(1) Mara Raja Lingam and Others, Mubaraknagar, Nizamabad.

(Transferor)

(2) M/s. Surjeet Starch & Chemicals Ltd., Rep. by Production Managar, S. D. Patel, 11-1-183, Kanteswar, Nizamabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 1-04 acres situated at Mubaraknagar, Nizamabad registered by the S.R.O., Nizamabad vide document No. 3598/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Date: 10-1-1985

(1) Shri M. Lakshminarayana & Other, 1-8-54/7, Venkatarao Colony, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Shri Santilal Patel and Other, 1-4-758/7, Bakaram, Hyderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 8th January 1985

Ref. No. 983/84-85.—Whereas, I,

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

No House situated at Bakaram Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed Registered under the I.T Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Chikkadpally on 5/84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have eason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration herefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating 'he concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-ble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 528 sq. yds. situated at Bakaram, Hyderabad registered by the S.R.O., Chikkadpally vide dumument No. 387/84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :---

Date: 8-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 10th January 1985

Ref. No. 62/854/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARADWAJ.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

G. No. 47 & 48 & 91 situated at Byakaravallik Village, Sikaleshpur Taluqa, Dist. Hassan (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sakaleshpur on 30-5-1984

at Sakatesingur of 30-3-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :— (1) Shri Lorna Fernandes

W/o Late A. V. Fernandes Mangalore

(2) Alon peter jude Fernandes (3) Frances xavier Joyeple Fernandes

(4) Joseph Marla Alberi Frances.

(Transferor)

(2) Santha Shekar Shetty
W/o Shekar Narayan Shetty at S M. Mansion 3rd
floor, 49/C Limington Road, Bombay Central, Bombay-400008.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(Registered Document No. 215 Dated 30-5-1984). 25 Acres of Coffee Land and Building at Byakaravalli village Sakaleshpur Taluka, Dist. Hassan,

THE SCHEDULE

R. BHARADWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following, persons, namely:-

Date: 10-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE BANGALORF-560 001

Bangalore-560 001, the 10th January 1985

R. No. 62/855/84 A. Q/B — Whereas, I. R. BHARADWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

L.R S. No 2734

situated at Margao Goa

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Margao God on 4-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of --

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-fax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(1) Sh., Rabanilani, Pandurang Sardenar & Mr., Kala Rajanikani Sardenar R/o A/4, Sancedri, Adarshanagar Airport Road Chi. ilim-403711

(Transferor)

(2) Shii Liviia Comindes 2. Hubert Joseph Alex Estibeiro R/o Kuthaleep Bulding A-5 Opp Rajendra Prasad Stadium Margoa Goa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property ELLY be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by an other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLINATION I'verms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Docume in St. 515 Dated 4-5-1984).

Plot No. 19 having an iven of 712 50 sq. metres of property known as Martem Hill consisting of two addicoes, situated Ato Moute at Pajifond Margo-Goa,

> R. BHARADWAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore

10-1-1985 Date

Seat

(1) Shrimati Josefina Salvacao Fernandes San Josede Areal Margao.

(Transferor)

(2) M/s. Hanuman Lowande & Associates, 2nd floor Mardon Building 2nd floor Margao.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF, INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 10th January 1985

C. R. No. 62/856/84-85/ACQ/B.—Whereas, I,

R. BHARADWAJ. being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000and bearing

Plot No. 38,048 p. 119

situated at Tolcaizori Margao—Goa. (and morefully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer/with the Compe-

tent Authority under Section 269AB in his office at Margao Gao on 23-5-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforescaid property by the issue of this notice under the section (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

Objections, if any, to the acquisition of thet said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of that said, Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 755 Dated 23-5-1984). Plot No. 38,048 at Margao measuring 931 square metres.

> R. BHARADWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore

Date: 9-1-1985

Andrew Market Ma

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 10th January 1985

C. R. No. 62/857/84-85/ACK/B.—Whereas, I, R. BHARADWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 851 B. 5 and Matriz Nos. 64, 68, 69 and 70 situated at Collem Taluka Sanguem (and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer/with the Competent Authority under Section 269AB in his office at Sanguem on 10-7-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that

the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the fiability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. Shri Motiram Chingappa Shinde 2. Smt. Pramila Motiram Shinde Residing at Mahadev Ward Rethare, Budruk, Karad Dist. Satara.

(Transferor)

(2) 1. Master Tukaram Ramchandra Prabhu, Residing at House No. 311, Nirankal Road, Ponda Goa.

M/s. Shri Ramchandra
Tukaram Prabhu

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said imanovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Actshall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 74 Dated 10-7-1984). Land known as "MAIDA" situated at Collem measuring 1.20.000 Square Metres.

R. BHARADWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore

Date : 8-1-1985

FORM ITMS -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTATION OF INCOME-TAX ASSISTANT COMMIS-

BANGAL ORF-560 001

Bangalore-560 001, the 10th January 1985

C.R. No. 62|858|84-85|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ

being the Competent Authority under Section 269 B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

L.R.O. No. 6219 Book B. 16 & R.O. No. 778 situated

at Serula Bardez Tg.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer/with the Competent Authority under Séction 269AB in his office at Ilhas Goa on 3-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believed that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more that fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-121-446GI /84

- (1) Shri Brian Joachim Joseph, Figueredo and Smt. Maria Da Fatima Filomeno De Piedade Sequeria Figueredo Quiteria Residing at Coquitlam, British Columbia,
- (2) Smt. Gunanda Suhas, Khalap, Rlo. Santosh Building, Opposite T. V. Centre Altinho, Paniim-Goa.

(Transferce)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Officia' Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 457 dated 3-7-1984). The plot No. 26 admeasuring 500 sq. metres. Known as "Jardin" situated at Serula, Bardez Taluka, Sub-District Ilhas, Dist. Goa.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range **Bangalore**

Date: 8-1-1985. Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 8th January 1985

C.R. No. 62/859/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARADWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. 23/1+2-3 situated at "Timmasagar" Area at Hubli (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hubli on 11-6-1984, for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Rajabi W/o Shri Usmansab, Baradiwan Diddli Oni Hubli.

(Transferor)

(2) Shri Pandurang Ramachandra, Shikarpur, 2/2 Vikasanagar, New at Gahtikar, Building Deshpande Nagar, Hubli-29.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a person of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used nerein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 852 dated 11-6-1984]. Open plot R.S. No. 23/1+2+3 measuring 8 Acres 7 Guntas at Hubli City Timmasagar.

R. BHARADWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner, of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 8-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Vasant Narayan Rao Chitaguppi, C/o. P. K. Aparanji Income-tax Advocates Hubli. (Transferor)

(2) Shri Parasuram Shrinivas Belamkar, Keshapur Road, Hubli.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 8th January 1985

C.R. No. 62/860/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARADWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Rs. 25,000/- and bearing No. C.S. No. 491/1B situated at Hubli, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Hubli on 21-6-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or asperiod of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expresisons used herein as are dened in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document No. 1053 dated 21-6-1984].
Open plot C.TS. No. 491/1B measuring 4 Acres & 10 Guntas at Keshwapur Road, Hubli "Chitgupi Compound".

R. BHARADWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 8th January 1985

C.R. No. 62/861/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARADWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C.T.S. No. 491/1B situated at Hubli, (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at Hubli on 21-6-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed she apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Vasant Narayan Rao Chitaguppi, C/o. P. K. Aparanji Income-tax Advocates Hubli, (Transferor)
- (2) 1() Shri Keshav Mane Vaikunt,
 (2) Shri Shripad S/o Shri Manjunath,
 Burdekar Keshapur Road, Hubli.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning—as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Documents No. 1052 dated 21-6-1984]. Open plot No. C.T.S. 491/1B measuring 15 Acres & 10 Gunthas at Keshapur Road, Hubli, Known as "Chitgupi Compound"

R. BHARADWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 8-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Maman S/o Shri Nathu, Village Khandsa, Teh. Gurgaon.

(Transferor)

(2) M/s. Bakhtawar Singh Bal Kishan & Co., C-4/13, Safdarjang Development Area, New Delhi-16.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, ROHTAK D, L. F, COLONY

Rohtak, the 2nd January 1985

Ref. No. GRG/69/84-85.—Whereas. I, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Land 6 Bigha 16 Biswas situated at Village Khandsa

(Gurgaon)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Gurgaon in May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPI ANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

THE SCHEDULE

Property being land measuring 6 Bigha 16 Biswas situated at village Khandsa, Tehsil Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 1864 dated 16-5-1984 with Sub Registrar, Gurgaon.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 2-1-1985

FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK D. L. F. COLONY

Rohtak, the 10th January 1985

Ref. No. GRG/529/84-85.--Whereas, I. R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Land 1 Bigha 5 Biswa 11 Biswasi situated at Khandsa

(Gurgaon), (and more fully described in the schedule annexed hereto)

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Gurgaon in May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitahting the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) (1) Svs. Lachhman,
 - (2) Siri Kishan,
 - Hari Ram. (4) Sheonarain,
 - Ss/o Shri Pransukh S/o Shri Jage Ram, (1) Svs. Bishamber Dayal, (2) Shivcharan,

 - (3) Sis Ram, (4) Satyanarain
 - All Reso village Khandsa, Teh. Gurgaon. (Transferor)
 - Smt. Sudha Jain W/o Shri Rajinder Jain;
 Smt. Veera Jain W/o Shri Ravinder Jain;

 - (3) Shri Kulbhushan Jain S/o Shri Ganga Ram Jain,
 - R/o 13, Joshi Colony, Amritsar.

 (1) Shri Sunil Jain S/o Shri Raj Kumar Jain through M/s. Raj Kumar Textile Industries, Taran Taran Road, Amritsar. (Punjab).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chaper XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 1 Bigha, 5 Biswa 11 Biswast situated at village Khandsa, D/Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 1640 dated 4-5-1984 with Sub Registrar, Gurgaon.

> R. K. BHAYANA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Date: 10-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, ROHTAK D. L. F. COLONY

Rohtak, the 10th January 1985

Ref. No. GRG/530/84-85.--Whereas, I, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000|and bearing

No. Land 19 Biswa 3½ Biswasi situated at Village Khandsa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Gurgaon in May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent causideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice and subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;-

- (1) (1) Lachhman,
 - (2) Siri Kishan,
 - (3) Hari Ram, (4) Sheo Narain,
 - Sons of Shi Pran Sukh S/o Shri Jage Ram,
 (1) Bishamber Dayal,

 - (2) Shiv Charan, (3) Sis Ram,
 - (4) Satya Narain, sons of Mohan Lal s/o Jage Ram

All R/o village Khandsa, Teh. Gurgaon. (Transferor)

(2) Smt. Swaran Kanta W/o Shri R. C. Jain, R/o Basant Avenue, Race Course Road, Amritsar (Pb.).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on theh respective respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 19 B 3½ Biswasi situated at village Khandsa, Teh. Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 1641 dated 4-5-1984 with Sub Registrar, Gurgaon.

> R. K. BHAYANA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak.

Date: 10-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK D. L. F. COLONY

Rohtak, the 11th January 1985

Ref. No. GRG/531/84-85—Whereas, I, R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Land measuring 1 Bigha 5 Biswas 11 Biswasi situated at

Khandsa, (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908 in the office

of the Registration Act, 1908 (16 of 1908 in the office of the Registration Officer at Gurgaon in May, 1984

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid proparty and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition, of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) (1) Lakhhman,
 - (2) Siri Kishan,
 - (3) Hari Ram, (4) Sheo Narain,
 - S/o Shri Pran Sugh S/o Shri Jage Ram,
 - (1) Bisnamber Dayal,
 - (2) Shiv Charan,
 - (3) Sis Ram,
 - (4) Satya Narain, sons of Mohan Lal s/o lage Ram All R/o village Khandsa, Teh. Gurgaon.

(Transferor)

(2) Shri Arun Kumar S/o Shri R. C. Jain, R/o Jain Niwas Avenue Escort, Amritsar (Pb.)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein in are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being Land measuring 1B 5B 11B situated at village Khandsa, Teh. Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 1642 dated 4-5-1984 with sub Registrar, Gurgaon,

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 11-1-1985

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961).

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, ROHTAK D. L. F. COLONY

Rohtak, the 10th January 1985

Ref. No. GRG/532/84-85.—Whereas, I,

Ref. No. GRG/532/84-85.—Whereas, 1, R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the innovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 1 Bigha 5 Biswas 11 Biswasi situated at Village Khandsa (Gurgaon), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon in May, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following aforesaid property by the issue of this notice under subpersons, namely :--122-446GI/84

(1) (1) Lachhman,

- (2) Sırı Kishan,
- (3) Hari Ram, (4) Sheo Naram,
- Ss/o Shri Pran Sukh S/o Shri Jage Ram,

(1) Bishamber Dayal,

- (2) Shiv Charan,(3) Sis Ram,

(4) Satya Narain, sons of Mohan Lal s/o Jage Ram All R/o village Khandsa, Teh. Gurgaon.

(Transferor)

(2) Shri Anil Kumar S/o Shri R. C. Jain, R/o Jain Niwas, Basant Avenue, Race Course Road, Amritsar (Pb.).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 1B 5B 11B situated at village Khandsa (Gurgaon) and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 1643 dated 4-5-1984 with Sub Registrar, Gurgaon,

> R. K. BHAYANA Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range, Rohtak-

Date: 10-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK D. L. F. COLONY

Rohtak, the 10th January 1985

Ref. No. GRG/533/84-85 -- Whereas, I,

Ref. No. GRG/533/84-85—whereas, I,
R. K. BHAYANA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe hat the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25.000/- and bearing

No. Land 1 Bigha 5 Biswas 11 Biswasi situated at Village Khandsa (Gurgaon),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the

Registering Officer at Gurgaon in May, 1984

for an apparent considerat on which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tex under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) (1) Lachhman,
 (2) Siri Kishan,
 (3) Hari Ram,

- - (4) Sheo Narain. Ss/o Shri Pran Sukh S/o Shri Jage Ram.
 (1) Bishamber Dayal,

- (2) Shiv Charan, (3) Sis Ram,
- (4) Satya Narain, Sons of Mohan Lal S/o Jage Ram

All R /o village Khandsa, Teh. Gurgaon. (Transferor)

- (2) (1) Smt. Veena Jain W/o Shri Kulbhushan Jain;
 (2) Smt. Chand Rani W/o Shri Raj Kumar;
 (3) Shri Rajinder Jain S/o Shri Vas Dev Jain;
 (4) Shri Ravinder Jain S/o Shri Vas Dev Jain;
 All R/o 13, Joshi Colony, Amritsar (Pb.).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land 1 Bigha 5 Biswas 11 Biswasi situated at Village Khandsa (Gurgaon) and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 1644 dated 4-5-1984 with Sub Registrat, Gurgaon.

> R. K. BHAYANA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Date: 10-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, ROHTAK D. L. F. COLONY

Rohtak, the 10th January 1985

Ref. No. GRG/534/84-85.—Whereas, I, R. K. BHAYANA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land 19 Biswas 3½ Biswasi situated at Khandsa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon in May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any anoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) (1) Lachhman, (2) Siri Kishan,

(3) Hari Ram,

(4) Sheo Narain,

Ss/o Shri Pran Sukh S/o Shri Jage Ram,
(1) Bishamber Dayal,

(2) Shiv Charan, (3) Sis Ram,

(4) Satya Narain,

sons of Mohan Lal s/o Jage Ram All R/o village Khandsa, Teh. Gurgaon.

(Transferor)

(2) Shri R. C. Jain S/o Shri Heera Lal Jain, R/o Jain Niwas, Basant Avenue, Race Course Road, Amritsar (Pb.).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other-person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publica-tion of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 19B 3½ Biswasi situated at village Khandsa (Gurgaon) and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 1645 dated 4-5-1984 with Sub Registrar, Gurgaon.

> R. K. BHAYANA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the raid Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 10-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK D.L.F. COLONY

Rohtak, the 10th January 1985

Ref. No. GRG/535/84-85.—Whereas, I, **R. K. BHAYANA**,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

No. Land 19 Biswas 3½ Biswasi situated at Village Khandsa (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon in May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Svs Lachhman, Siri Kishan, Hari Ram, Sheo Narain, Ss/o Shri Pran Sukh S/o Shri Jage Ram;
 Svs. Bishamber Dayal, Shiv Charan, Sis Ram, Sat Narain,
 Ss/o Shri Mohan Lal S/o Jage Ram,
 R/o Khandsa, Teh, Gurgaon,
- (Transferor)
 (2) Shri Rajinder Jain S/o Shri Vasu Dev Jain,
 R/o 13-Joshi Colony, Amritsar (Pb.).
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property being land measuring 19 Biswas 3½ Biswasi situated at Village Khandsa Teh./Distt. Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 1646 dated 4-5-1984 with Sub Registrar, Gurgaon.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Robtak

Date: 10-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT **COMMISSIONER OF INCOME-TAX** ACQUISITION RANGE, ROHTAK D.L.F. COLONY

Rohtak, the 10th January 1985

Ref. No. GRG/536/84-85.—Whereas, I, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Inconie-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 19 Biswas 3½ Biswasi situated at Village

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gurgaon in May, 1984

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or ene moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Sys. Lachhman, Sri Kishan, Hari Ram, Sheo Narain Ss/o Shri Pran Sukh S/o Shri Jage Ram; Svs. Bishamber Dayal, Shiv Charan, Sat Narain, Ss/o Shri Mohan Lal S/o Jage Ram, All R/o Vill. Khandsa, Teh. Gurgaon. (2) Smt. Swaran Jain Wd/o Shri Vasu Dev Jain,

R/o 13-Joshi Colony, Amritsar (Pb.).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 19 Biswas 3½ Biswasi situated at Village Khandsa Teh./Distt. Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 1647 dated 4-5-1984 with Sub Registrar, Gurgaon.

R. K. BHAYANA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Date: 10-1-1985 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK D.L.F. COLONY

Rohtak, the 9th January 1985

Ref. No. NWN/26/84-85.--Whereas, 1,

R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinnefter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Shop measuring 41-1/9 sq. yds., situated at Narwana,

Distt. Jind

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Narwana in May, 1984 for an apparent consideration and which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- .b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-.

- (1) Shri Karan Parkash S/o Shri Manphool Singh Agarwal, R/o Narwana Mandi, Mukhtia-re-aam,
- Smt. Maya Devi W/o Karan Parkash.
 (2) Shri Basant Lal S/o Shri Lachhman Dass Aggarwal, through M/s. Subhash Traders, Old Cotton Mill, Narwana, Distt. Jind.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested n the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used hereix as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Property being shop measuring 41-1/9 sq vds, situated at Narwana Mandi, Distt Jind and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 569 dated 15-5-1984 with Sub Registrar, Narwana.

> R. K. BHAYANA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Date: 9 1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Padam Kumar S/o Shri Banwari Lal, Ahata No. 2, Opp. Model, Town, Delhi Road

(Transferor)

(2) M/s. Malik Family Trust through Dr. R. S. Malik, Malik Hospital, Hisar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 10th January 1985

Ref. No. H\$R/46/84-85.—Whereas, I, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Ahata No. 2 situated at Opp. Model Town, Delhi Road, Hisar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— Hisar in May, 1984

Objectitons, if any, to thte acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said lammovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Property being Ahata No. 2 situated at Opposite Model Town, Delhi Road, Hisar and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 1286 dated 30-5-1984 with Sub Registrar, Sonepat,

> R. K. BHAYANA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Date: 10-1-1985 Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferor)

(2) M/s. Bee Vee Engineers, 1-C/115, Faridabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

Rohtak, the 10th January 1985

COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, ROHTAK D.L.F. COLONY

Ref. No. BGR/22/84-85.—Whereas, I, R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Industrial Plot No. 33 situated at Sector 25, Faridabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Ballabgarh in May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(1) M/s. Khanna Sintered Products through M/s. Sheel Packaging Industries, Plot No. 31, Sector 25, Faridabad.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being Industrial Plot No. 33 situated at Sector 25, Faridabad and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 1954 dated 11-5-1984 with Sub Registrar, Sonepat.

> R. K. BHAYANA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Act, I herefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-1-1985

FORM ITNS .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, ROHTAK
D.L.F. COLONY

Rohtak, the 2nd January 1985

Ref. No. SPT/13/84-85.—Whereas, I, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land 12 Kanal 8 Marlas situated at Kundli (Sonepat) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sonepat in May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

123-446GI/84

(1) Shri Mahan Singh S/o Shri Waryam Singh, H. No. 66-A/1, New Rohtak Road, Delhi

(2) M/s. Greysham (International) Pvt. Ltd., 4-B, Vandna Bldg. II Tolstoy Marg, New Delhi-1. through Shri Mohan Singh S/o Shri Man Singh, R/o 1/1, Rup Nagar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter:—

THE SCHEDULE

Property being land measuring 12 Kanal 8 Marlas situated at Kundli (Sonepat) and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 580 dated 16-5-1980 with Sub Registrar, Sonepat.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak.

Date: 2-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, ROHTAK D.L.F COLONY

Rohtak, the 10th January 1985

Ref. No. SPT/9/84-85.—Whereas, I,

R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing

No. Land 3 Kanal 16 Marla situated at Kundli, T/D Somepat (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

1908) in the office of the Registering Officer at Sonepat in May, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Shri Zile Singh S/o Shri Jamna,
 Village Kundli, Teh. & Distt. Sonepat.

(Transferor)

(2) (i) Shri Chander Shekhar S/o Shri Anand Sarup, R/o 4/22, East Punjabi Bagh, Delhi.
(ii) Shri Ashok Kaushik S/o Shri Mohan Lal, R/o WZ, 35, Shadipur, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land 3 K 16 m situated at Kundli, and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 495 dated 9-5-1984 with S. R. Sonepat,

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Robtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:

Date: 10-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, ROHTAK D.L.F. COLONY

Rohtak, the 10th January 1985

Ref. No: SPT/17/84-85.—Whereas, I, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and bearing No.

and bearing No.

No. Land 4 Kanal situated at Village Kundli, T/D Sonepat
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Sonepat in May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said. Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) (i) Shri Hari Ram S/o Shri Shish Ram,

R/o Kundli, Teh. Sonepat.

(ii) Lekh Ram S/o Shri Shish Ram R/o Kundli (Sonepat).

(Transferor)

(2) Svs. Raj Kumar Arora—Ravi Kumar Arora Se/o Shri Desh Raj; Svs. Mulakh Raj, Desh Raj Se/o Shri Kartar Singh, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being Land 4 Kanal situated at village Kundli, Teh. and Distt. Sonepat and as the more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 891 dated 31-5-1984 with Sub Registrar. Sonepat.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissoiner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 10-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOMETAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ' ACQUISITION RANGE, ROHTAK D.L.F COLONY

Rohtak, the 10th January 1985

Ref. No. SPT/18/84-85.—Whereas, I,

R. K. BHAYANA,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land 4 Kanal situated at Kundli, Teh. Sonepat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sonepat in May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Lekh Ram S/o Shri Shishi Ram, R/o Kundli, Teh. Sonepat.

(Transferor)

(2) Svs. Raj Kumar Arora, Ravi Kumar Arora Ss/o Shri Desh Raj; Svs. Mulakh Raj, Desh Raj Ss/o Shri Kartar Singh, All R/o H. No. 9, Dam Ganj, Amritsar (Pb.).
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land 4 Kanal situated at Kundli, Tehsil Sonepat and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 892 dated 31-5-1984 with Sub Registrar, Sonepat.

R. K. BHAYANA
Competent 'Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 10-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, ROHTAK
D.L.F. COLONY

Rohtak, the 9th January 1985

Ref. No. JDR/79/84-85.—Whereas, I,

R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable in the competent when a second process of the competent when property having a fair market value exceedings Rs. 25000/and bearing

No. Two Storeys shop situated at Yamunanagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jagadhri in May, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-atm Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the say ...t, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

- (1) Shri Dalip Singh S/o Shri Bhan Singh and Smt. Puran Kaur W/o Shri Dilip Singh H. No. 569, Hamida Colony, Yamunanagar. (Transferor)
- (2) Shri Saral Kumar S/o Shri Dasondhi Ram, Railway Out Agency Holder, Jagadhri. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this netice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter./

THE SCHEDULE

Property being two storeys shop situated at Yamunanagar and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 566 dated 1-5-1984 with Sub Registrar, Jagadhri.

> R. K. BHAYANA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax ·Acquisition Range, Rohtak

Date: 9-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, ROHTAK D.L.F. COLONY

Rohtak the 5th January 1985

Ref. No. AMB/14/84-85.—Whereas, I,

R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

One Storey House area 460 sq. yds., situated at Kashi Nagar Model Town. Ambala City (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amba'a in May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Sunder Singh S/o Shri Bahadur Singh, House No. 60, Kashi Nagar, Model Town, Ambaka

(Transferor)

(2) Smt. Urvinder Kaur W/o Shri Avtar Singh, R/o 60, Kashi Nagar, Model Town, Ambala City. (Transferer.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being One Storey House situated at Kashi Nagar, Model Town, Ambala City and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 1177 dated 14-5-1984 with Sub Registrar, Ambala.

> R. K. BHAYANA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Date: 5-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, ROHTAK D. L. F. COLONY

Rohtak, the 9th January 1985

Ref. No. AMB/15/84-85.—Whereas, I,

R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 1/3 part of area 6038.5 sq. yds., situated at Circular Road,

Ambala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ambala

in May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Shri Ram Lal S/o Shri Shobha Ram S/o Shri Gurditta Mal, R/o H. No. 10521, Ward No. 6, Ambala City. (Transferor)
- (2) Shri Chetan Swarup S/o Shri Jetha Nand S/o Shri Uttam Chand, R/o H. No. 3494/2, Patel Nagri, Ambala City. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ;—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being 1/3 part of the area 6038.5 sq. yds. situated at Circular Road, Ambala and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 1695 dated 28-5-1984 with Sub-Registrar, Ambala.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, ROHTAK
D. L. F. COLONY

Rohtak, the 9th January 1985

Ref. No. AMB/102/84-85.—Whereas, I, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1/3 part of the area 6038.5 sq. vds., situated at Circular Road, Ambala (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Ambala in June, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair Market value of the property as aforesaid

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair Market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-taxxx Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Naresh Kumar S/o Shri Chuuni Lal S/o Shobha Ram, R/o H. No. 10485, Ward No. 6, Talkies Road, Ambala City.
 - (Transferor)
- (2) Shri Gulshan Kumar S/o Shri Jetha Nand S/o Shri Uttom Chan.l., R/o H. No. 3494/2, Patel Nagri, Ambala City. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being 1/3 part of the area 6038.5 sq. yds. situated at Circular Road, Ambala City and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 2739 dated 19-6-1984 with Sub Registrar, Ambala.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Dato: 9-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK D. L. F. COLONY

Rohtak, the 5th January 1985

Ref. No. KNL/57/84-85.—Whereas, I, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. One storey House, area 250 sq. yds., situated at Urban Estate, Karnal (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Karnal in June, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the proprty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tav under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

124-446GI/84

 Shri Jatinder Kumar S/o Shri Prem Chand, R/o H. No. 1990, Sector 13, Urban Estate, Colony, Karnal.

(Transferor)

(2) Svs. Satpal, Rajinder Kumar S/o Shri Hukam Chand, R/o Village Guniana, Teh. Nissang, Distt. Karnal. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being One Storey House situated at Urban Estate, Karnal and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 2372 dated, 30-6-1984 with Sub Registrar, Karnal.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date : 5-1-1985 Seal :

seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK D. L. F. COLONY

Rohtak, the 14th January 1985

Ref. No. GRG/73/84-85.--Whereas, I. R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing House No. 74 situated at New Railway Road, Gurgaon Cantt.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Gurgaon in May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any ausaeys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) (i) Sh. Sardar Singh S/o Sh. Attar Singh;
- (ii) Shri Janak Singh, (iii) Shri Harbans Singh,

 - (iv) Shri Mahender Singh,(v) Shri Joginder Singh,
 - (vi) Shri Sahib Singh, (vii) Shri Harinder Pal Singh, Ss/o Sardar Singh, R/o Gurgaon Cantt.

(Transferor)

- (2) (1) Shri Jagdish S/o Shri Mauja Singh;

 - Shri Jagdish S/o Shri Mauja Singh;
 Små. Savitri Devi W/o Shri Jagdish;
 Sws. Mahesh, Neeraj Ss/o Shri Jagdish;
 Shri Ram Mehar S/o Jai Narain,
 Smt. Vidya Devi W/o Ram Mehar
 Anil and Rajiv Ss/o Ram Mehar, R/o 677/1, Bhim Garh Kheri, Railway Station, Gurgaon.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being House No. 74 situated at New Railway Road, Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 2022 dated 24-5-1984 with Sub Registrar, Gurgaon.

> R. K. BHAYANA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Robtak

Date: 14-1-1985

FORM ITNE

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE ()F THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 14th December 1984

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/5476.—Whereas, 1, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Incomy-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Single storeyed bldg, situated at Bhopal

PART III--SEC. 11

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal in May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Dr. K. S. Lal, BA/57-A, Ashok Vihar, Delhi
- (2) Shri Ravindra Trivedi, B-1/143, Arera colony, Bhopal.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aferessid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building (Single storeyed) is situated at Bhopal. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferce.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date: 14-12-1984

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 14th December 1984

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/547.7—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.
Land bearing Kh. No. 110/2
situated at Vill: Bavadia Kalan, Teh. Huzur, Dist. Bhopal
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act (1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely):---

(1) Sh. Sewaram S/o Shri Pannalal Gujrati, Bavadiakalan, Teh. Huzur, Dist. Bhopal.

(Transferor) (2) Rishi Nagar Sahkari Grih Nirman Sanstha Maryadit, Bhopal Thro' President Shri S. K. Srivastava S/o Shri Prakash Narain Shrivastava, R lo 30, Choubdarpura, Ginnori, Bhopal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Kh. No. 110/2 is situated at Bavadiakalan, Teh. Huzur, Dist. Bhopal. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range
> Income Tax Building
> Near Central India Floor Mills; Bhopal

Date: 14-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961,

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 14th December 1984

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/5478.—Whereas, I. V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Land bearing Kh. No. 110/2 situated at Vill: Bavadia Kalan, Teh. Huzur, Dist. Bhopal (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferre d under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) of the Registering Officer

at Bhopal on May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Sewaram S/o
 Panna Lal R/o Bavadakalam Teh. Huzur,
 Distt. Bhoral.
- (Transferor)
 2) Rishi Nagar Sankari Grih Nirman Sanstha
 Maryadit, Bhopal Thro' President Shri S. K.
 Srivastava S/o Shri Prakash Narain Shrivastava,
 R/o 30, Choubdarpura,
 Bhopal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Land bearing Kh. No. 110/2 is situated at Vill Bavadiakalan, Teh. Huzur, Dist. Bhopal. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transfere.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills; Bhopal

Date: 14-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 14th December 1984

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/5479.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land Kh. No. 110/2 situated at Vill: Bavadia Kalan, Teh. Huzur, Dist. Bhopal (and more fully described in the Schedule approved hereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been tarnsferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bhopal on May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfe, with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:-

- (1) Sh. Sewaram S/o Sh. Pannalai R/o Vill. Bavadikalan, Teh. Huzur, Dist. Bhopal.
- (Transferor) (2) Rishi Nagar Grih Niraman Sahkari Sanstha Maryadit, Bhopal Thro' President Shri S. K. Srivastava S/o Shii Prakash Narain Shrivastava, 30, Choubdarpura, Bhopal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—I'me terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Kh. No. 110/2 is situated at Vill. Bavadia-kalan, Teh. Huzur, Dist. Bhopal. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly This is the immovable verified by the transferee.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income Tax Building Near Central India Floor Mills; Bhopal

Date: 14-12-1984

PART III -SEC. 1]

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BEOPAL, M. P.

Bhopal, the 14th December 1984

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/5480.—Whereas. I. V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Land bearing Kh. No. 447 and 449/4/1 stuated at Vill. Bavadia Kalan, Teh. Huzur, Dist. Bhopal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on May 1984

at Bhopal on May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument—of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

(1) Shri Umrao Singh S/o Bhanwarji R/o Bavadiakalan, Teh. Huzur, Dist Bhopa!.

(Transferor)

(2) Purvasa Grih Nirman Sahkari Sanstha Maryadit,
Habibganj, Bhopal
Thro' President: Kshitishchandra Dey,
S/o A. C. Day,
-R/o B.H.E.I,
Bhopal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Kh. No. 447 & 449/4/1 situated at Vill. Bavadia Kalan, Dist. Bhopal (Teh. Huzur). This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income Tax Building Near Central India Floor Mills; Bhopal

Date: 14-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 14th December 1984

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/5481.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Land bearing Kh. No. 447/ and 449/5 situated at Vill. Bavadia Kalan, Teh. Huzur, Dist. Bhopal (and more fully described in the Schedule annexed he etc) has been transferred under the Registration Act 1909 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair maret value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Gardnarilal S/o Bhanwarji Rame^ch S/o Ganpat, R/o Bavad^{ta} Kalan, Teh. Huzur, Dist Bhopal

(Transferor)

(2) Purvasa Gith Nirman Sahkari Sanstha Maryadit,
Habibganj, Bhopal

Thro' President: Shri Kshitishchandra Dey,
S/o A. C. Day,
R/o B.H.E.I,
Bhopal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sale. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Kh. No. 447 and 449/5 situated at Bavadia Kalan, Tel Huzur, Diet. Bhopal. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the t ansferee.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills; Bhopal

Date: 14-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 14th December 1984

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/5482.—Whereas, I,

V. K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-

movable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
Land bearing Kh. No. 447, 449/4/2 situated at Vill. Bavadiya Kalan, Teh. Huzur, Dist. Bhopal (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal in May 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of hte liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:— 125-446GI/84

(1) Shri Omprakash S/o Bhanwarji, Bavadiaya Kalan, Teh. Huzur, Dist. Bhopal.

(Transferee) (2) Purvasa Grih Nirman Sahkari Sanstha Maryadit, Habibganj, Bhopal
Through President: Shri Kshitish Chandra Dey
S/o A. C. Dey,
R/o B.H.E.L., Bhopal.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Kh. No. 447 & 449/4/2 are situated at Vill. Bavadia Kalan. Teh. Huzur. Dist. Bhopal. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income Tax Building Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date: 14-12-1934

Near Central India Floor Mills, BHOPAL TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 14th December 1984

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/5483.—Whereas, I. V. K. BARANWAL

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land bearing Kh. No. 447, 449/5 situated at Vill. 'Bavadiya Kalan, Teh. Huzur, Dist. Bhopal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal in May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 209D of the said Act, to the following persons, iamely :-

(1) Shri Girdharilal S/o Bhanwar Ji 2. Ramesh S/o Ganpat R/o Bavadiya Kalan, Teh. Huzur, Dist. Bhopal.

(Transferor)

(2) Shri Kshitish Chandra De S/o A. C. Dey, 142, N-2, Habibgani, Bhopal President: Purvasa Grih Nirman Sahkari Sanstha Ltd., Bhopal. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein. as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Kh. No. 447, 449/5 are situated at Vill. Bavadiya Kalan, Teh. Huzur, Dist. Bhopal. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. K. BARANWAL Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range
> Income Tax Building
> Near Central India Floor Mills, BHOPAL

Date: 14-12-1984

FORM IINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 14th December 1984

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/5484.—Whereas I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing No.'

Agl. land bearing Survey No. 26/1/1 & 23/4 situated at Village Talavali Chanda, Teh. Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Indore Steel & Iron Mills (P) Ltd., Apeejay House, 4th floor, Bombay, Samachar Marg, Fort, Bombay.

(Transferor)

(2) Panchvati Housing Co-op. Society Ltd., 144, Piplyarao, A. B. Road, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agrl. land bearing Survey Nos. 26/1/1 & 23/4 are situated at Village Talavali Chanda, Teh. Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
IncomeTax Building
Near Central India Floor Mills, BHOPAL

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sardar Gurucharan Singh S/o Sardar Gurudev Singh, R/o 31-E, Saket Nagar, Indore. (Transferor)

(2) Panchvati Housing Co-op. Society Ltd., 144, Piplyarao, A. B. Road, Indore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 14th December 1984

Ref. No. IAC/Acqn/Bp1/5485.—Whereas, I, V. K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agrl. land bearing Survey No. 37, 38, 23/3, 22, situated at Village Talavali Chanda, Teh. Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Indore on May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen pc; cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said treatment of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned":—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land bearing Survey Nos. 37, 38, 23/3, 22/3 are situated at Village Talavali Chand, Teh. Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range IncomeTax Building Near Central India Floor Mills, BHOPAL

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Date: 14-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Ishar Alloy Steels (P) Ltd., 63-A, Mittal Court, 6th floor, Backbay Reclamation Scheme. Nariman Point, Bombay.

(Transferor)

(2) Panchvati Housing Co-op, Society Ltd., 144, Piplyarao, A.B. Road, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 14th December 1984

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/5486.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the imto as the sand Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Agrl. dand bearing Survey No. 26/1 situated at Village Talavalı Chanda, Teh. Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Paristoping officer.

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Indore on May 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persona, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any maoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely: ing persons, namely :-

THE SCHEDULE

Agrl. land bearing Survey No. 26/1 is situated at Village Talavali Chanda, Teh. Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income-Tax Building Near Central India Floor Mills, BHOPAL

Date: 14-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 14th December 1984

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/5487.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Land bearing Survey No. 4060, 4061, 4062/1, 4062/3 & 4063 situated at Madhav Nagar, Ujjain,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Ujjain in May 1984

for an apparent consideration which is, less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer, with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Hansraj Scod S/o Shri Meharchandji Ujjain S/Shri Balkishan, Jogendrapal, Ravindrapal, Vinod-kumar, Pramod Kumar Ss/o Hansraj Ji, 18, University Road, Madhav Nagar, Ujjain. (Transferor)
- (2) Shree Synthetics Ltd., Regd. Off: Navlakhi, Maks. Road, Ujjain. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:— '

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable Property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Survey Nos. 4060, 4061/1, 4062/1, 4062/3 & 4063 situated at Madhav Nagar, Ujjain. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills, BHOPAL

Date: 14-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 14th December 1984

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/5488.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No.

Land bearing Survey No. 4058 situated at Madhav Nagar,

Ujjain

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ujjain in May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—,

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said, Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

- (1) (1) Shri Gopinath S/o Shri Madhusudanji Vyas, 119, Simhapuri, Ujjain.
 - (2) Shri Jagatnarain,
 - (3) Shri Pavankumar S/o Shri Gopinathji, 119, Simhapuri, Ujjain.

(Transferor)

(2) Shree Sýnthetics Ltd., Regd. Off: Navlakhi, Maksi Road, Ujjain. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Survey No. 4058/1 is situated at Madhav Nagar, Ujjain. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills, BHOPAL

Date: 14-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Dr. Veni Ram Shankei (self) and Through Genl. Power of attorney Shri Shivkumar, Mukesh Kumar, Vijay Kumar S/o Shri Shanker Vyas, R/o 440, Mahtamagandhi Marg, Indore Presently at Ujjain.

(Transferor)

(2) Shree Synthetics Ltd., Regd. Office: Maksi Road, Ujjain.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 14th December 1984

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/5489.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

No. Land bearing Survey No. 4055/1 situated at Madhav

Nagar, Ujjain

5432

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Income-tax Act, 1961, in the office of the Registering Officer at

Ujjain on May 1984

and/er:

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Survey No. 4055/1 is situated at Madhav Nagar, Ujjain. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

Respecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills, BHOPAL

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL M.P.

Bhopal, the 24th December 1984

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/5490.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 997 & double storeyed building thereon situated at

Rainandgaon

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Rajnandgaon on May 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more said exceeds the apparent consideration and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b), facilitating the concealment of any income or any moneys or other aseets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the Indian Income-tax Act, 1922 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforeshid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persous namely:—
126—446GI/84

(1) Shri Masood Ali S/o Mansoor Ali R/o Tankapara Teh. & Dist. Rajnandgaon.

(Transferor)

(2) Sh. Umakant Sharma, Ramakant Sharma S/o late Sh. Babulal Sharma, R/o Cinema Lane, Rajnandgaon.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 997 & double stroreyed building thereon is situated at Cinema Line, Rajnandgaon. This is the immovable property which has ben described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bhopal.

Date: 24-12-1984

Seal •

(1) Shri Kezuram S/o Taturam Sahu, R/o Khantrai, Raipur.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Rakmanibai W/o Mangilal Rathi, 440, Mint Street, Madras-79.

Presently at: C/o M/s. Maheshwari & Co. Birgaon, Dist. Raipur.

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SNONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE BHOPAL M.P.

Bhopal, the 24th December 1984

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/5491.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No.

Land Kh. No. 419/3 (Part of) & building thereon situated at

Vill. Ranwabhatta. Bilaspur Road, Raipur.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering officer at Raipur on May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the objects of :-

- (b) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;
- (b) by any other person interested in the said immov. able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Khasra No. 419/3 (Part of) & the building thereon is situated at village Ranwabhatta, Bilaspur Road, Raipur. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Date: 24-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL M.P.

Bhopal, the 24th December 1984

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/5492.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1981 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. Land bearing Kh. No. 309/1 situated at Vill.

Raipura, Distt. Raipur.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Raipur, on May, 1984.

I.A.C., Acqn. Range, Pune on November, 1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(1) Shri Kamalchand S/Q Premchand Daga. R|o Sadar Bazar, Raipur.

(Transferor)

(2) Shri Agroha Grih Nirman Sahkari Samiti Maryadit, Raipur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said sunmovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Kh. No. 309/1 is situated at Raipura. Dist. Raipur. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax. Acquisition Range Bhopal.

Date: 24-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL M.P.

Bhopal, the 24th December 1984

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/5493.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/No. Part of Land bearing Kh. 379/1 situated at Vill. Raipura, Dist. Raipur.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Raipur on May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Kamalchand Slo Premchand Daga. R/o Sadar Bazar,
- (2) M/s. Agroha Grih Sahkari Samiti Maryadit, Raipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Kh. No. 379/1 is situated at Raipura, Teh. & Dist. Raipur. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Flour Mills, Bhopal

Date: 24-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE BHOPAL M.P.

Bhopal, the 24th December 1984

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/4594.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and hearing

and bearing
No. Land Kh. No. 343 (Part of) situated at Vill. Raipura,

Dist. Raipur.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961, in the Office of the registering Officer at

Raipur on May 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or sny moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shri Bahadur S/o Kanhai
 Lilabai W/o Kanai Sahu
 R/o Raipura, Dist. Raipur.

(Transferor)

(2) M/s. Agroha Grih Nirman Sahkari Samiti Maryadit, Jawahar Nagar, Raipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Part of) Land bearing Kh. No. 343, is situated at Vill. Raipura, Dist. Raipur. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Flour Mill, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 24-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 24th December 1984

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/5495.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing ;

No. Land Kh. No. 343 (Part of) situated at Raipur Officer at Raiput on May 1984.

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Income-tax Act, 1961, in the office of the Registering Officer at Raipur on May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shri Bahadur S/o Kanhai
 Lilabai W/o Kanhai Sahu
 R/o Raipura, Dist. Raipur.

(Transferor)

(2) M/s. Agroha Grih Nirman Sahkari Samiti Maryadit. Jawahar Nagar, Raipur.

(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Part of) Land bearing Kh. No. 343 is situated at Vill. Raipura. Teh, Raipur This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range Income-Tax Building
Near Central India Flour Mills, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 24-12-1984.

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 24th December 1984

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/5496.—Whereas, I, V. K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land Kh. No. 343 (Part of) situated at Raipur

has been transferred under the Income-tax Act, 1961, in

the office of the Registering Officer at Officer at Raipur on May 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- i) faciltating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, andior
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

(1) Shri Bahadur S/o Kanhai 2. Lilabai W/o Kanai Sahu R/o Raipur, Dist. Raipur.

(Transferor)

(2) M/s. Agroha Grih Nirman Sahkari Samiti Maryadit, Jawahar Nagar, Raipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that 1 1

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 343 (Part of) is situated at Kaipur. 1018 is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range Income-Tax Building Near Central India Flour Mills, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 24-12-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 24th December 1984

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/5497.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land bearing Kh. No. 4/1 situated at iVII. Mahgaon,

Dist. Jabalpur.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jabalpur on May 1984

for an apparent consideration which is less than the reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respectof of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Sandhya Verma W/o Bhagwandas Verma Thro Genl. power of attorny Sh. Madansingh S/o Laxminarayan Singh Thakur, Vill. Mahgaon, Dist. Jabalpur. (Transferor)

(2) Shri Rajiv Gandhi Housing Co-op. Society Ltd. 681, Jawahargani, Jabalpur Thro Shri Kapildev Tiwari S/o Shri Ram Brahma Tiwari, Kanch Ghar, Jabalpur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Kb. No. 4/1 is situated at Vill. Mahgaon, Jabalpur. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. K. BARANWAL Competent Authority
> Transcting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range, Income-tax Building Near Central India Flour Mills, Bhopal

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.

Date: 24-12-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopai, the 24th December 1984

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/4598.-Whereas, I, V. K. BARANWAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Land Kh. No. 5/1 situated at Vill. Mahgaon, Dist. Jabalpur.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the egistering Officer at Raipur on May 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of _ransfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— 127-446GI/84

(1) Shri Madan Singh S/o Laxminarayan Singh Thakur, R/o Mahgaon, Dist. Jabalpur.

(Transferor)

5441

(2) Shri Rajiv Gandhi Housing Co-op. Society Ltd. 681, Jawaharganj, Jabalpur Thro President. Tiwari S/o Shri Ram Brahma Tiwari Kanch Ghar, Jabalpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The trems and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 5/1 is situated at Vill. Mahgaon, Jabalpur, This is the immobavle property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income-Tax Building New Central India Floor Mills, Bhonal

Date: 24-12-1984. Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 24th December 1984

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/5499.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and bearing No.

and bearing No. House No. 9/383 & 9/382/1 situated at Sadar Bagar, Rainur.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Raipur in May 1984

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument to transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 '(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property, by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Smt. Kusum Devsthale W/o Prabhakar Devsthale, R/o Sadar Bazar, Raipur.
- (2) Smt. Ratnadevi W/o Manoharlal, Kamalchand S/o Manoharlal Sureshkumar S/o Manoharlal R/o Sadar Bazar, Raipur.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION':—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 9/383 & 9/382/1 is situated at Sader Bazer, Raipur. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Income-Tax Building
New Central India Floor Mills, Bhopal

Date: 24-12-1984.

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 27th December 1984

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/5500.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]and bearing

Part of land bearing Kh. No. 472, 494 & 495 and building thereon situated at Shanker Nagar, Raipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer

at Raipur on May 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri J. Baturaman S/o T. S. Janki Ram A/28, Shankar Nagar, Raipur.

(Transferor)

(2) Smt. Ramidevi W/o Mangilalji Rathor, R/o 440, Mintu Street,
Madras, Presently R/o M/s. Maheswari
& Co., Virgaon, Dist. Raipur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land & House at Kh. No. 472, 494 & 495 situated at Shanker Nagar, Raipur. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income Tax Building Near Central India Floor Mills, Bhoral.

Date: 27-12-1984

 Shri Mahant Haribhajandas, Disciple Mahant Premdas Muhattimkar Shri Dev Hanumanji Sarvajanik Nyas Vrandavan Bag, Sagar (MP).

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sangam Grih Nirman Sahkari Samiti Maryadit, Sagar (MP) Thro' President: Dr. L. L. Thamrakar S/o Shri S. L. Thamrakar, R/o Vrandavan Bag, Gopalganj, Sagar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 26th December 1974

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/5501.—Whereas, I, √. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that

the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

of transfer with the object of :-

andlor

Land Kh. No. 189, 228, 230 situated at Vill. Tili Mafi, Dist. Sagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at at Sagar on May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said Act, in respect of any income arising from the transfer,

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned: —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires lates;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 189, 228, 230 is situated at Vill. Tilli Manfi Sagar. This is the imovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transfeere.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills,
Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:—

Date: 26-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING

ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 26th December 1974

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/5502.-Whereas, I, V.K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Part of House No. 69 situated at Mahavir Marg, Satna (and more fully described in the Schedule anexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer

at Satna on May 1984
tor an apparent consideration which is less tan the fair market value of the aforesaid property and I reason to believe that the fair market value of the psaud exceeds the apparent consideration the than infteen per cent of such apparent consideration the consideration for such transfer as again the consideration for such transfer as again the continuous per transfer as again. by more and that between the parties has not been truly stated in the of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax. Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) 1. Shri Balkishan
 - 2. Shri Rakeshkumar
 - 3. Smt. Vidyadevi
 - 4. Shri Omkar Prasad 5. Shri Shankerlal
 - Smt. Saritadevi Smt. Shashikala 6. 7.
 - 8. Shaddadevi
 - 9.Shri Bera Agrawal
 - 10. Shri Rajendra Prasad 11. Sureshkumar

 - 12. Urmildevi-self

Partners of M/s. Shankerlal Ramgopal, R/o Satna.

(2) Shri Narbada Prasad Agarwal S/o Shri Mathura Prasad, R/o Dalibaba, Satna.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor) (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION. The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Part of) House No. 69 is situated at Mahavir Marg, Satna. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income Tax Building Near Central India Floor Mills,

Date: 26-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 26th December 1974

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/5503.—Whereas, I, V. K. BARANWAL, being the Competent Authority under sec. 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Part of House No. 69 situated at Mahavir Marg, Satna (and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Satna on May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1922 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely persons, namely :-

- (1) 1. Shri Balkishan
 - 2. Shri Rakeshkumar
 - 3. Smt. Vidyadevi
 - 4. Shri Omkar Prasad
 - 5. Shri Shankerlal
 - 6. Smt. Saritadevi 7. Smt. Shashikala
 - 8. Shardadevi

 - 9. Shri Bera Agrawal 10. Shri Rajendra Prasad
 - 11. Sureshkumar
 - 12. Urmildevi-self Partners of M/s. Shankerlal Ramgopal, R/o Satna.

(Transferor)

(2) Shri Madanlal Agarwal S/o Shri Mathura Prasad, R/o Dalibaba. Satna.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, the service of notice on the whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Part of) House No. 69 is situated at Mahavir Marg, Satna. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income Tax Building Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date: 26-12-1984

. Seaf:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 26th December 1974

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/5504.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000] and bearing

Part of House No. 69 situated at Mahavir Marg, Satna (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Satna on May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforestid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely :---

- (1) 1. Shri Balkishan
 - 2. Shri Rakeshkumar

 - 3. Smt. Vidyadevi 4. Shri Omkar Prasad
 - Shri Shankerlal Smt. Saritadevi 5.
 - 6. Smt. Shashikala
 - Shardadevi

 - 9. Shri Dura Agrawal 10. Shri Rajendra Prasad
 - 11. Sureshkumar
 - 12. Urmildevi—self
 Partners of M/s. Shankerlai Ramgopal, R/o Satna.

(Transferor)

(2) Shri Motilal Agarwal S/o Shri Mathura Prasad. R/o Dalibaba, Satna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Part of) House No. 69 is situated at Mahavir Marg, Satna. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income Tax Building Near Central India Floor Mills, **Bhopal**

Date: 26-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME.
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 26th December 1974

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/5505.-Whereas, I. V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. 146

Building on plot No. 62 situated at Triveni extension colony,

Lalbagh compound, Indore
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Indore on May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) Shri Chandrasekhar S/o Shri Bhanwarlalji Dagdi R/o Radhanagar Colony, House No. 78, Indore. (Transferor)
- (2) Shri Krishnadas S/o Shri Fandilalji R/o House No. 3/5, North Raj Mohalla, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House built on Plot No. 62 is situated at Lal Bag compound, Triveni Extension colony, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income-Tax Building Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date: 26-12-1984

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 26th December 1984

Ref. No. IAC/Acgn/Bpl/5506.—Whereas I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

Plot No. 1 situated at Mohan Nagar Colony, Indore (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Indore on May, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

128—446 GI/84

(1) Shri Narayandas S/o Shri Morchand Punjabi, R/o 12, Janki Nagar, Indore.

(Transferor)

(2) 1. Shrimati Krishnabai w/o
 Shri Bholaramji Agrawal,
 2. Shri Ganeshilalji S/o

2. Shri Ganeshilalji S/o Shri Chogalalji,

 Shrimati Renukabai W/o Shri Ghanshyam Bansal,
 Shri Amarlal S/o

Shri Purushotam, Natural Guardian Shri Ganeshilal, R/o 1, Dalia Patti, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 1 is situated at Mohan Nagar Colony, Indore.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Income-Tax Building,
Near Central India Floor Mills, BHOPAL

Date: 26-12-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 27th December 1984

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/5507.—Whereas I. V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

Land bearing Survey No. 20/2, 21, 22/3 & 23/2 situated at Piplyakumar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under

at the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Indore in May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Nok, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Suryanarayan,
 Shri Savajiram,
 Shri Baboolal,
 Shri Ram Prasad S/o
 Shri Samset & Shrimati Zamoobai, R/o
 Indore.

 (Transferor)
- (2) Green Land Co-op. Housing Society, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Survey No. 20/2, 21, 22/3 & 23/2 situated at Vill., Piplyakumar. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferte.

V K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Income-Tax Building,
Near Central India Floor Mills, BHOPAL

Date: 27-12-1984.

FORM PINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 26th December 1984

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/5508.—Whereas 1, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing No.

Plot No. 299 situated at Saket Nagar, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Shri Manoharlal S/o Shri Tharumalji Menda, R/o 21, Yeshwant Niwas Road, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Prem S/o Shri Govindram Keshwani, R/o 19, Har Sidhi, Main Road, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaeztte.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given is that Chapter

THE SCHEDULE

Plot No. 299 is situated at Saket Nagar, Indore.

V. K BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquienten Range,
Income-Tax Building
Near Central India Floor Mills, BHOPAL

Date: 26-12-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 26th December 1984

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/5509.—Whereas I. V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Ground floor, Northern part of 6-B situated at Palsikar Colony, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore in May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen percent of such apparent consideration and that the sonsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other essets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 26°13 of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Ranamal S/o Shri Vattumal Kukreja, R/o Janki Nagar, Indore.

(Transferor)

(2) Shrimati Nasreen Ahmed W/o Syed Moinuddin Ahmed, R/o 106, Nandlalpura, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION:—The terms and exprance one used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of building bearing No. 6-B is situated at Palsikar Colony, Inflore.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-tax,
Acquisition Acquisition
Income Tax Building,
Near Central India Floor Mills, BHOPAL

Date: 26-12-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 26th December 1984

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/5510.—Whereas I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

House bearing No. N-10, Saket Old & New situated at Saket Colony, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Indore in May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, ramely:—

- (1) Shri Rajaram S/o Shri Krishnarao Joshi, R/o House No. 19, Ram Bag, Main Road, Indore.
- (2) Shri Gopal Rao S/o Shri Ganpatrao Khandvekar, R/o House No. 4, Martand Chowk, Indore.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House bearing No. N-10, Saket (Old) & New Municipal No. 397 is situated at Saket Colony, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Income Tax Building,
Near Central India Floor Mills, BHOPAL

Date: 26-12-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 26th December 1984

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/5511.—Whereas I,

V. K. BARANWAL, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'said Act'), have reason to believe that the immovable that the immovable to the 'said Act') is market value exceeding Rs. 25,000; property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing

Land bearing Kh. No. 8/3, 15/2 & 9/5 situated at Val. Tejpur Gadbadi, Dist. Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on May, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or stasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the Acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269 D of said Act, to the following persons, namely:— (1) Shri Fakirchand S/o Shri Ghisaji, R/o Vill. Bijalpur, Dist. Indore.

(Transferor) (2) Ahilyamatha Sevak Sangh Grih Nirman Sahla i Sanacha Maryadit. Jawahar Marg, Indore Thro' President: Shri Damjibhai S/o Shri Pragji, R/o 72, North Thoda, Indore.

(Transferee) "

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period organs laters. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Kh. No. 8/3, 15/2 & 9/5 situated at Vill., Tejpur Gadbadi Teh, & Dist. Indore.

V. K. BARANWAL Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Income Tax Build no Near Central India Floor Mills, BHOPAT

Date: 26-12-1984. Seal :

FORM I.T.N.S .-

MOTIVE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 26th December 1984

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/5512.—Whereas I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

Land bearing Kh No 8/4, 15/1 & 9/4 situated at Vill. Tejpur Gadbadi, Dist. Indore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore in May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Chri Chainsingh S/o Shu Ghisaji, R/o Vill. Bualpur, Dist. Indore.

(Transferor)

(2) Ahilyamata Sevak Sangh Grih Nirman Sahkari Sanstha Maryadit, Thro' President: Shri Damajibhai S/o Shri Pragji, R/o 72, North Thoda, Indore.

(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Kh. No. 8/4, 15/1 & 9/4 situated at Vill. Tejpur Gadbadi, Dist. Indore.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Income Tax Buildene Near Central India Floor Mills, BHOPAL

Date: 26-12-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 26th December 1984

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/5513.—Whereas I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land Kh. No. 10 situated at Vill. Tejpur, Dist. Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore in May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fait market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Kumarı Gangabai & Kumarı Bhagwati Father Shri Dhannaji, R/o Viil Bijalpur, Teh. Indore.

(Transferor)

(2) Devi Ahilyamata Sevak Sangh Grih Nirman Sahkari Sanstha Maryadit, Jawahar Marg, Indore Thro' President: Shri Damjibhai S/o Shri Pragji.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Kh. No. 10 is situated at Vill. Tejpur Gadbadi, Teh. & Dist. Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range,
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills, BHOPAL

Date: 26-12-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTA SIONER OF INCOME-TAX, ASSISTANT COMMIS-

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

GOVERNMENT OF INDIA

Bhopal, the 26th December 1984

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/5514.—Whereas I, V. K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believ that the immovable property having a fair market value exceding Rs. 25.000/- and bearing Flat No. 5 situated at Kailash Park Colony, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Indore in May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the ing persons, namely :--129-446 GI/84

Sainath Apartment Thro' General Power of attorney Shri Premchand Mannalal, R/o 416, M. G. Road, Indore.

(Transferor)

(2) Shii Anand Prakash Agrawal, R/o 4, Kailash Park Colony, Indore.

(Transferge)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

> 1111 11 150 dizorata

EXPLANATION: - The terms and expressions used ! herein as are defined in Chapter XXA of the said Adt. shall have the same meaning as given: (in that Chapter.

Same time! P520 -60 (2011 1) 10 4.4.13 75 P. 107 or return to a miar 20 13 CB than firth sit tedi

isletti il

THE SCHEDULE

Flat No. 5 is situated at Kailash Park Colony, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

(1)

DACE

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range. Income Tax Buildin Near Central India Floor Mills, BHOPAL

41m, therefore in

Act. I reply left at the

. one of the our times on Date: 26-12-1984. in 1100 and 2 to 111 mation Seal:

भाव नामम वृक्षा

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) 1. Shrimati Sushma W/o Shri Fatehsingh Mahurkar, 2. Shrimati Shakuntalabai W/o Shri Laxmanrao Mahurkar, 3. Shri Fatehsingh S/o Shri Laxmanrao Mahurkai, R/o 235, Bajrangpu a. Dewas.

(2) Shri Durgadas Purohit S/o Shri Gangadas Purohit, R/o Tilak Nagar, A. B. Road, Dewas. (Transferor)

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME:TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 26th December 1984

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/5515.—Whereas I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'). have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Back portion of Hotel Green Valley situated at Bajrangpura, Dewas

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dewas in May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Back portion of Hotel Green Valley is situated at Bajarangpura, Dewas. This is the immovable property which has been described in form No 37-G duly verified by the transferee.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Income Tax Building Near Central India Floor Mills, BHOPAI

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, nam

Date: 26-12-1984. Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT - COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 27th December 1984

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/5516.—Whereas I, V. K. BARNWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot situated at near Chetakpuri, Jhansi Road, Lashkar, at Gwalior

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior in May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and|or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (22 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shrimati Balwinder Kaur W/o Sardar Gopalsingh, R/o Lohia Bazar, Gubbara Phatak, Lashkar, Gwalior.

(Transferors)

(2) Shrimati Poojadevi W/o Shri Baldev, R/o Madhoganj, Lashkar, Gwalior.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—the terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot is situated near Chetakpuri, Jhansi Road, Lashkar, Gwalior. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferce.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range,
Income Tax Building,
Near Central India Floor Mills, BHOPAL

Date: 27 12-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 27th December 1984

的神经 無煙

· Ref. 学的。LAC/Acqn/Bpl/5517.—Whereas I、 MARNWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinalter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Resp. 25,000/-

had bearing No.

Plat situated at near Chetakpuri, Jhansi Road, Lashkar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gawalior in May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shrimati Balwinder Kaur W/o Saidar Gopalsingh, R/o Gubbara Phatak, Lohia Bazar, Lashkar, Gwalioi.

(2) Shrimati Bharati Devi W/o Shri Shyamlal, R/o Madhoganj, Lashkar, Gwalioi. (Transferors)

(Transferces)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot is situated near Chetakpuri, Jhansi Road, Lashkar, Gwahor This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Income Tax Building, Near Central India Floor Mills, BHOPAL

Date: 27-12-1984.

(1) Shri Piemnarain S/o Shii Bhanwarial, R/o Shyampur, Teh. Sehore.

(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Arafurkur Rehman S/o Shii Azizur Rehman, R/o Shyampur, Teh. Sehore.

(Transferees)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 27th December 1984

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

Rel. No. IAC/Acqn/Bpl/5518.—Whereas I, V. K. BARNWAL,

V. K. BARNWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land situated at Shyampur, Teh Schore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Schore in May, 1984 for an annarent consideration, which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilities the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 / (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land is situated at Shyampur, Teh. Sehole. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

THE SCHEDULE

V. K. BARANWAL Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax.

Acquisition Range, Income Tax Building, Near Central India Floor Mills, BHOPAL

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the ssue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

Date: 27-12-1984. Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 27th December 1984

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/5518.—Whereas I, V. K. BARNWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land situated at Shyampur, Teh. Sehore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sehore in May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fai market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) racilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sussection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Premnarain S/o Shri Bhanwarlal, R/o Shyampur, Teh. Sehore.

(Transferors)

(2) Shii Arafurkur Rehman S/o Shri Azizur Rehman, R/o Shyampur, Teh. Sehore.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land is situated at Shyampur, Teh. Sehore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range. Income Tax Building.
> Near Central India Flour Mills, BHOPAL

Date : 27-12-1984. Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Indrabai Poojari W/o Shri Ganesh Poojari R/o 38, Jai Builders Colony, Indore.

(Transferor)

(2) Gutjeet Singh Wajwa S/o Shri Amriksingh Wajwa, 40, Ratan Colony, Lashkar, Gwalior.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, MP.

Bhopal, the 27th December 1984

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/5520.—Whereas, I. V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing Plot No. 18 situated at Noulakha Parade, Govindpuri, Lashkar, Guellor

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Gwalior on May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ol
- (b) facilitating the concealment of any increase or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- 'b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 18, is situated at Noulakha Parade, Govindpurt, Lashkar, Gwalior. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferce.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax kudding
Near Central India Flour Mills, BHOPAL

Date: 27-12-84.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GÖVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Phopal, the 27th December 1984

Ref. No IAC/Acqn/Bpl/5521.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

and bearing
Plot No. 9 situated at Noulakha Parade, Govindpuri, Lashkar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior in May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Smt. Rekha Poojan W/o Shil Sharam Poojan 5/8. Jai Bajarang Nagar, Indore.

(Transferor)

(2) Gurjeeteingh Wajwa S/o Shu Amuk Singh Vajwa, R/o 40, Ratan Colony, Lashkar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPIANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 9, is situated at Noulakha Parade Govindputi Lashkar, Gwalon This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Flour Mills, BHOPAI

Date: 27-12-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 27th December 1984

No. IAC/Acqn/Bpl/5522.-Wnc vis. 1, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

Double storeyed building bearing Municipal No. 110 situated at Subhash Marg, Ratlam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ratlam on May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of mansfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income OΓ any moneys or other assets which have RO! been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax -Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 259C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under synsection (1) of Section 269D of the said. Act, to the following nersons, namely :-130-446 GI/84

(1 '! Shri Pir Khan S/o Dr. Roiklarn

Chandbi W/o Dr. Rai Khan, 3. Mustafa Khan S/o Ramzan I. ban,

4. Gulab Khan S/o Shamsher Kh. n

6. Shir Jamila Bi W/o Shamsher K in.
7. Shir Jamila Bi W/o Shamsher K in.
8. Shir Jamila Bi W/o Yak'nib Kalin,
9. Shir Kahmatbi D/o Shaasher Khan,

9 Anwai Khan S/o Imam Khan. 10. Jemila bi W/o Imam Khan,

11. Smt. Janeb bi W/o Iman Khan,

Aminabi S/o Imam Khin, Mewati all Musalman R/o City Jarai katlam 'Ilao' Gen. Power of attorney

Sh. Amanat Khan S/o Ra.uzan Khanji, Kazipura, Ratlam. Resident—Choumela, Rajasthan.

(Transferor)

(2) Shri Chandmal S/o Moolchandji Bhangu (HUF) 104, Subhash Marg, Ratlam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given is that Chapter.

THE SCHEDULE

House bearing Municipal No. 110 is situated at Subhash Marg, Ratlam.

> V. K. BARANWAI. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income Tax Fuilding Near Central India Flour Mills, BHOPAL

Date: 27-12-84.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 27th December 1984

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/5523.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

House bearing Mun. No. 110 situated at Subhash Marg, Ratiam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (15 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ratlam on May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now therefore, in pursuance of Section 2690 of the same Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- Shri Pir Khan S/o Dr. Rukhanji
 - Chardbi W/o Dr. Rai Kum,
 - Mustafa Khan S/o Ramzin Alian,
 - 4. Gu'ab Khan S/o Shamsher Khan,
 5. Abmed Khan S/o Shamsher Khan,
 6. Smt. Jamila Bi W/o Sham her Khan,
 7. Smt. Akhilabi W/o Yakhub Khan,
 8. Smt. Rahmatbi D/o Shamsher Khan,

 - 9. Anwar Khan S/o Imam Khan,
 10. Jamila bi W/o Imam Khan,
 11. Smt. Jenab bi W/o Imam Khan,
 12. Aminabi S/o Imam Khan,
 - Mewati all Musalman R/o City Serai Ratlam

Thro' Gen. Power of attorney Sh Amanai Khan S/o Ramzan Khanji, Kazipura,

Ratlam, Resident—Choumela, Rajasthan.

(Transferor)

(2) Smt. Rambha Bai W/o Surajmalji Karariya, R/o Bori Sadar Bazar, Teh. Jobat, Dist. Jhabua.

(Transferee:

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication totice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Aci, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House bearing Municipal No. 110 is situated at Subhash larg, Ration This is the immovable property which has Marg, Rution This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> v. k. baranwal Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
> Acquisition Range
> Income Tax Builting
> Near Central India Flour Mills, BHOPAL

Date: 27-12-84.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 27th December 1984

Ref. No IAC/Acqn/Bpl/5524.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing
Half of Plot 'A' and Plot No. 42 situated at Joy Builders

Colony,, Palasia, Indore
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Indore on May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or
- (b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Sardar Surendra Singh Sareen, D-2/16, Char Indi, Bhopal.

(Transferor)

(2) Shri Prem Narain Awasthee and Inder Narain Awasthee, 3/11, Ramkunj, New Palasia, Indore.

(Transferee)

(3) Shri Prem Narain Awasthee & Inde: Narain Awasthce, 3/11, Ram Kunj, ew Palasia, Indore.
[Person (s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Plot A (Half portion) and Plot No. 42 is situated at Joy Builders Colony, Palasia, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. K. BARANWAL Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range
> Income Tax Buildi .g
> Near Central India Flour Mills, BHOPAL

Date: 27-12-84.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Anarkumari W/o Shri Yeshwantsinghji R/o 24/3, Manoramaganj, Indore.

(2) Swasti Co-op. Housing Society Ltd. 483, Saket, İndore.

(Transferee)

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 27th December 1984

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/5525.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding No.

Plot No. 93 situated at Saket, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Indoie on May 1984

an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than tifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :-

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-
 - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

THE SCHEDULE

Plot No. 93 is situated at Saket, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range
> Income Tax Building Near Central India Flour Mills, BHOPAL

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said act. I hereby mainte proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :---

Date: 27-12-84.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Shri Bhagwatsingh Ji S/o Thakur Raisinghji, R/o 24/3, Manoramaganj, Indore.
 - (Transferor)
- (2) Swasti Co-op. Housing Society Ltd., 483, Saket, Îndore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhonal, the 27th December 1984

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/5526.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000-

and bearing
Plot No. 92 situated at Saket, Indore
(and more fully described in the Schedule annexed hereto).
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Indore in May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and /or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said

THE SCHEDULE

Plot No. 92 is situated at Saket, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. K. BARANWAL Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income Tax Building Near Central India Flour Mills, BHOPAL

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—
86—446GI/84

Date: 27-12-84.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 27th December 1984

Ref. No. IAC/Acqn/Cpl/5527.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

and bearing
House No. 19/1 situated at Jail Road, Indore
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Indore in May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in purusance of Section 269C of the said Act, I hereby initiale proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Kavitha W/o Jagdish Deshpande, R/o America Thro' Ganl. power of attorney Ramchand S/o Moreshwar Ranade, R/o 191, Jail Road, Indore.

(Transferor)

(2) Snit. Usha W/o Ashok Ranade, R/o Bomay, Presently at 19/1, Jail Road, Indore.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The Firms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 19/1 is situated at Jail Road, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BANARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Flour Mills, BHOPAL

Date: 27-12-84.

(1) Smt. Mayadevi W/o Shri Kishanchandji L. Dasani, R/o 1/4, Hemson Colony, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Thakur Raghurajsingh S/o Shri Himmatsinghji, Kasba Ramgarh. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 27th December 1984

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/5528.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000 and bearing Plot No. 46 and the house built thereon situated at Samrat Ashok Nagar, Indore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 46 and the house built thereon is situated at Samrat Ashok Nagar, Indore. This is the immovable property which has been described in the form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. K. BANARWAL Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range Income Tax Building Near Central India Flour Mills, BHOPAL

Date: 27-12-84.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 27th December 1984

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/5529.—Whereas, I, V. K. BARANWAL, being the Competent Authority under Sec

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 799 & the building bearing flat No. 4 situated at Manishpuri Colony, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for each transfer consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the objetc of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the Indian Income-tax Act, 1922 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s Viendavan Apartment Thro' Partner Shri Balakrishna Agrawal S/o Doulatramji, R/o 158, Sake Nagar, Indore.

to seeme arms as an assume the seems as a seem of the seems as a see

(Transferor)

(2) Smt. Rachana Trivedi S/o Shri Pradeep Trivedi, R/o 6, Rally House, Residency Road, Indore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYTIANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 799 & the building bearing flat No. 4 thereon is situated at Mani hourt colony, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly ver fied by the transferee.

> V. K. BANARWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income Tax Building
> Near Central India Flour Mills, BHOPAL

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namey '---

Date: 27-12-84.

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 27th December 1984

Kef. No. IAC/Acqn/Bpl/5530.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

v. K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immervable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
Land bearing Kh. No. 102/1 ituated at Vill. Simhasa, Teh.

Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-131-446 GI/84

- Shri Narayan Singh, 2. Ramsingh, 3. Harisingh, 4. Yeshwant Singh S/o Nihalsingh, R/o Vill. Bijalpur, Indore.
- (Transferor) (2) Izzat Ullah, 2. Karamat Ullah S/o Kudarat Ulah) R/o House No. 219, Nayapura, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Kr. No. 102/1, is situated at Vill. Simhasa. Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferce.

> V. K. BANARWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income Tax Building Near Central India Flour Mills, BHOPAL

Date: 27-12-84.

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 27th December 1984

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/5531.—Whereas, I, V. K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing

Land Survey No. 117 situated at Vill. Kalukhedi, Dewas (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Dewas on May, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Anandsingh S/o Sumersingh,

2. Rajkunwarbai w/o Sumersingh, 3. Hukumsingh,

4. Surajsingh Sons of Narayan Singh,
5. Dev Kunwar Bai W/o Narayan Singh,

6. Manoharsingh S/o Harisingh
(S. No. 1 to 6 thro' general power of attorney

Shri Mohansingh,
7. Mohansingh S/o Harisingh Thakur,
R/o Radhaganj, Dewas.

(Transferor)

(2) Pratap Grih Nirman Sahkari Sanstha Maryadit, Dewas through Shri Anupsingh Yadav, R/o 1070, B.N.P Colony, Dewas.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this setice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHOOLE

Land bearing Survey No. 117 is situated at Vill. Kalukhedi Indore.

V. K. BANARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Flour Mills, BHOPAL

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 27-12-84.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 27th December 1984

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/5532.—Whereas, I, V. K. BARANWAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Land bearing Survey No. 127, 117/2 situated at Vill. Kalukhedi, Dewas

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dewas on May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in pect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1967 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aferesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Anandsingh S/o Sumersingh,

2. Rajkunwarbai w/o Sumersingh,

3. Hukumsingh,

Surajsingh Sons of Narayan Singh,
 Dev Kunwar Bai W/o Narayan Singh,
 Manoharsingh S/o Harisingh

(S. No. 1 to 6 thro' general power of attorney

Shri Mohansingh,

7. Mohansingh S/o Harisingh Thakur, R/o Radhaganj, Dewas.

(Transferor)

(2) Pratap Grih Nirman Sahkari Sanstha Maryadit, Dewas Thro' President Anupsingh Yadav, B.N.P. Dewas.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Survey No. 117/2 is situated at Vill. Kalukhedi, Dewas.

> V. K. BANARWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range Income Tax Building Near Central India Flour Mills, BHOPAL

Date: 27-12-84.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 27th December 1984

Ref. No. IAC/Acqu/Bpl/5533.—Whereas, I, V. K. BARANWAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter

referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot bearing (old No. 306) situated at Saket Nagar.

Vill. Khairana, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) 1. Shri Ramnath S/o Shri Dwarkadasji Agrawal 2. Shri Vijaykumar

S/o Shri Amrirchandji Agrawal both R/o 1/1, Old Palasia, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Vasudev S/o Shri Parmanand Agnani R/o 18, Birati Colony, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot bearing old No. 306 is situated at Saket Nagar, Vill Khajrana, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transfere.

> V. K. BARANWAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income Tax Building Near Central India Flour Mills, Bhopal

Date: 27-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 27th December 1984

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/5534.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the (said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.

Double storeyed building (Part of) bearing Old No.
2:228:1 & New No. 61 situated at
Lala Lajpatrai Marg, Ujjain

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ujjain in May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reaseon to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Smt. Tej Kunwarbai W/o Shri Bhanwarsinghji Rajput R/o Vill. Malikhedi, Distt. Ujjain.

(Transferor)

(2) S/Shri 1. Rajaram, 2. Radheyshyam, 3. Raghuvir Ss/o Shri Piralalji Goyal R/o Vill. Khalkhala Pargana, Saver, Dist. Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Double storeyed building (Part of) bearing old No. 2: 228: 1 and new No. 61 is situated at Lala Lajpatrai Marg, Ujain. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income Tax Building Near Central India Flour Mills, Bhopal Bhopel

Date: 27-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF MOIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-BHOPAE, M.P. 1911

Bhopal, the 27th December 1984

Ref. N. IAC/Acqn/Bplo/5535.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

v. R. BERKAINWAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Insome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.
House bearing Municipal No. 15/1 (Present No. 18/2)
situated at Lokendra Bhavan Compound (New Bank
(Colory)) Pattern

Cology), Ratlam

(and more fully described in the Schedule annexed herete) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipur in May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Smt. Tara Chitnis W/o Shri Narayan Gopal Chitnis, R/o 311, Saket Nagar, Indore.

(Transferor)

(2) 1. Shri Lalit Prasad Pant S/o Shri Lokmaniji Pant 2. Smt. Nirmala Pant

W/o Shri Lalit Prasadji Pant, R/o Lokendra Bhavan compound, New Bank Colony, Ratlam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House bearing Municipal No. 18/2 (Old No. 15/1) situated at Lokendra Bhavan compound, New Bank Colony, Ratlam. This is the immovable porperty which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income Tax Building
> Near Central India Flour Mills, BHOPAL Bhopal

Date: 27-12-1984

Sual:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT: 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 27th December 1984

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/5536.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Single storeyed structure at Vill. Bargawan S. No. 29, P.H. No. 45/1 situated at Mirzapur, Jabalpur Road, Katni,

Teh. Mudwara

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mudwara in May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri O. C. M. Woystelid, R/o Mirzapur Road, Katni.

(Transferer)

(2) Smt. Bidambas Gugali, R/o 986, Wright Town, Jabalpur.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immtowable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Single storeyed structure on land at Vill. Bargawan 3 No. 29, P. H. No. 45/1) is situated at Mirzapur (on Jabalpur Road), Teh. Mudwara. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills
Bhopal

Date: 27-12-1984

Shri Chamru
 Shri Dular Sahu
 Shri Fakirchand
 Sho Shri Chamru Sahu,
 R/o Vill. Mova, Teh. & Dist. Raipur.

(2) 1. Shri Laxmichand S/o Shri Daulatram
2. Smt. Kavita Bai W/o Shri Laxmichand
R/o Hospital Waid, Raipur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE

Bhopal, the 7th January 1985

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/5537.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

House bearing Municipal No. 26/178, 179, 180, 182 situated at Jawahar Nagar Ward, Raipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Indore in May, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House bearing Municipal No. 26/178, 179, 180, 182 situated at Jawahar Nagar Ward, Raipur. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Rauge
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills
Bhopal

► Dat

Date: 7-1-1985

Seal :

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sainath Apartment Thro' Shri Premchand Mannalal, 4/6, M. G. Rod, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Shriniwas S/o Shri Hardat Rastogi. Union Pank of India.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 4th January 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl/5538.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
Flats No. 1 & 5, 3rd floor, situated at Sainath Apartments,

Kailash Park Colony, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Indore in May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as atoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub-lication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act un respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby under sub-section (1) of Section 269D of said Act to the following persons namely:— 132-446 GI/84

THE SCHEDULE

Flats No. 1 & 5 are situated at 3rd floor, Sainath Apartment, Kailash Park Colony, Indore.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Income Tax Building Acquisition Range Near Central India Flour Mills, Bhopal

Date: 4-1-1985

FORM ITNS- --- -

 M/s. Sangam Apartment Thro' Pariners Dilip Kumar, Vinod Kumaar Nagori R/o 6/31, Manoramaganj, Indore.

(Transferor)

(2) Mrs. Kunti Bhandari W/o Premnath Bhandari, R/o Dhar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 4th January 1985

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/5539.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Flat No. 1, Sangam Apartment, Plot No. 24 at Sita Bag

colony

situated at Sita Bab Colony, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred undre the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Indore on May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1, Sangam Apartment on plot No. 24 is situated at Sita Bagh colony, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Flour Mills, Bhopal

Date: 4-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 4th January 1985

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/5540.—Whereas, I. V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

P. H. No. 19, Survey No. 129 situated at Vill. Kalukhedi, Dewas

(and more fully described in the Schedule annexeá hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Dewas in May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. Anandsingh S/o Sumersingh

Rajkunwarbai S/o Sumersingh
 Hukumsingh S/o Narainsingh

4. Surajsingh S/o Narainsingh

5. Devekunwar Bai Wd/o Narainsingh.

Manoharsingh S/o Harisingh Thakur.
 Thro' Genl. power of attorney Sh. Mohansingh Thakur

7. Mohansingh S/o Harisingh Thakur R/o Dewas.

(Transferor)

(2) Hari Om Nagar Grih Nirman Sahkari Sanstha Maryadit, Dewas.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing P. H. No. 19, Survey No. 129 is situated at Kalukhedi, Dewas. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income Tax Building Near Central India Flour Mills, Bhopal

Date: 4-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 4th January 1985

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/5541.—Whereas, I, V. K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. ADUSE No. 60, Siyaganj, Indore situated at Siyaganj, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Indore in May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Shri Kurban Hussain Fida Hussain Bhora Bakhal, Indore.
- (2) Shri Ali Hussain S/o M. Taiyab Ali, R/o 45, Siyaganj, Indore.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever p riod expire, later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official pazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 60 is situated at Siyagani, Indore.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income Tax Building Near Central India Flour Mills, Bhopal

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 4-1-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

1AX AC1, 1961 (43 OF 1961)

FORM ITNS-

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 4th January 1985

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/5542.—Whtreas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House bearing Municipal No. 1/1398 Old) New No. 97/15 situated a: Tilak Marg, New Road, Ujjain (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Indore in May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under subsection (1) of Section 269(D) of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Jagdeepsingh
S/o Sardar Ram Singh
New Road, Tilak Marg, Ujjain
2. Surendra Singh S/o Sardar Ram Singh,
R/o Sakhipura, Ujjain
(Transferor)

(2) Shri Satyanarain Gupta S/o Shri Lalaramji Gupta R/o Kushalpura, Ujiain.

(Transferee)

5485

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

House bearing Municipal No. 1/1398 (Old) New No. 97/15 is situated at Tilak Marg, New Road, Ujjain.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Flour Mills, Bhopal

Date: 4-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 4th January 1985

. Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/5543.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land

situated at Doulatpur, Mandsaur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Mandsaur in May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.—

(1) Naitik Vichar Samiti Mandsaur.

(Transferor)

(2) Naitik Grih Nirman Sahkari Samiti, Mandsaur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undresigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice the service of notice on the respective persons, in the Official Gazette or a period of 30 days from
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land is situated at Daoulatpur, Mandsaur. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income Tax Building Near Central India Flour Mills, Bhopal

Date: 4-1-1985

(1) Naitik Vichar Samiti Mandsaur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Naitik Grih Nirman Sahkari Samiti,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE,

BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 4th January 1985

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/5544.—Whereas, I,

V. K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as tht 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Land

situated at Doulatpur, Mandsaur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mandsaur in May 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid. said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such appurent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period ct 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land is situated at Daoulatpur, Mandsaur. This is the immovable property which has been described in form No 37-G duly verified by the transferee.

> V. K. BARANWAI. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income Tax Building
> Near Central India Flour Mills, Bhopal

Date: 4-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 4th January 1984

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/5545.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing No.

Storage Space No. One Land Kh. No. 325/1 situated at Vill. Lalbag (Mal.) Burhanpur.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Burhanpur in May, 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Indrajit
 S/o Shri Narayandas Shah,
 R/o Shanwara,
 P.O. Burhanpur,
 Dist. East Nimarh.

(Transferor)

(2) Narayan Nagar Grih Nirman Sahkari Sanstha Maryadit, Lalbag,

Laibag, Burhanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Action shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Kh. No. 315/1 is situated at Vill. Lalbag (Mal) Burhanpur. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Near Central India Flour Mills, Bhopal

Date : 4-1-1985

Scal :

(1) Km. Sunita D/o Devkidas Barkhale. No. 109, Ravindra Nagar,

Indore.

(Transferor)

5489

(2) Alpa Aay Samuday Grih Nirman Sahkari Sanstha Ltd.; 23-A, Vaishali, Annapurna Road,

Indore.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P. Bhopal, the 4th January 1985

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/5546.—Whereas, I, K. BARANWAL,

v. R. BAKANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 7, Sector II situated at Vaishali Nagar, Indore. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Indore in May, 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason believe that the fair market value of the property as af said exceeds the apparent consideration therefor by n than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrum of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-133-446GI/84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the is notice in the Official Gazette.

s and expressions used herein as ed in Chapter XXA of the said I have the same meaning as given

THE SCHEDULE

Plot No. 7, Sector II situated at Vaishali Nagar, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. K. BARANWÁL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Near Central India Flour Mills

Date: 4-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Indore.

4, Shanker bag,

(1) Shri Jugalkishore Shankerlal Sharma,

(Transferor)

(2) Smt. Manorama Raghuvanshi Ladha, 206, Usha Nagar, Indore.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 4th January 1985

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/5547.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing
Plot No. 57, Sector-A situated at Vaishali Nagar colony,
Indore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Indore in May, 1984.

for an apparent consideration which is less than the feir market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apaprent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the trainfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 57, Sector A is situated at Vaishali Nagar colony, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Near Central India Flour Mills
Bhopal

rrow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 4-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 4th January 1985

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/5548.--Whereas, I, V. K. BARANWAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that

the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 589 & the bldg, thereon situated at Khativala Tank, Indore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Indore in May, 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :---

(1) Shri Narendrasingh S/o Shri Sardar Singh Saluja, 63, Palsikar colony, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Radheyshyam S/o Shri Mittoolalji Mittal, 33, Dalia Bakhel, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 589 & the building thereon is situated at Khatiwala Tank, Indore.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Near Central India Flour Mills Bhopal

Date : 4-1-1985 Seal :

(1) Shri Nihalsingh S/o Shri Bherusingh, Bijalpur, House No. 501, Indore.

Indore.

(2) Shri Amanat Ullah & Bharkat Ulla,

S/o Shri Kudrat Ulla, No. 291, Nayapura, (Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 4th January 1985

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/5549.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Anthority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Land bearing Kh. No. 66/1, 66/2, 102/2 situated at Vill. Simhaza, Teh. Indore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore in May, 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable preperty within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Kh. No. 66/1, 66/2, 102/2 is situated at Vill. Simhasa, Teh. Indore.

V. K. BARANWAL
Cimpetent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
New Central India Flour Mills
Bhopal

Date : 4-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 4th January 1985

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/5550—Whereas, I, V. K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing
House No. 2 (Flat No. 3 of 1st floor) situated at Bargal

colony, Indore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Indore in May, 1984.
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the fiability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of -1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, iamely:-

(1) Smt Lilabai W/o Shri Hanumantrao (H.U.F.), 2. Shri Jaiwantrao S/o Shri Hanumantrao (HUF), Shri Jasantrao S/o Shri Hanumantrao (HUF). 4. Shri Basantrao s/o Hanumantrao (HUF). 5. Shrı Karta Pradeep Kumar S/o Shri Yeshwantrao and Ajit S/o Shri Yeshwantrao Bargel, R/o 1, Bargal colony, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Dayal Chenani S/o Shri Khubchandji, Shri Kamla
 W/o Shri Dayal Chenani,
 R/o 22/8, Gopal Bag colony, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 2 (Flat No. 3 of 1st floor) is situated at Bargal colony, Indore,

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Near Central India Flour Mills Bhopal

Date: 4-1-1985 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 4th January 1985

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/5551.—Whereas, I,

V. K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House bearing No. 54 situated at Doulatganj, Main Road, Indore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore in May, 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; sād/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 27 of 1957);

(1) Shri Mohammed Harun S/o Shri Abdul Karim, 14/2. North Harsidhi, Indore.

(Transferor)

(2) Smt. Jarinabhai Habib Mussa, 26-27, Ranipura, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the pub cation of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 54 is situated at Doulatganj, Indore.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Near Central India Flour Mills Bhopal

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act to the following aforesaid property by the issue of this notice under subpersons, namely :-

Date: 4-1-1985

(Transferor)

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 4th January 1985

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/5552.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Plot No. 11 situated at Subhash Nagar, Sahkari Grih Nirman Sanstha Maryadit, Sanver Road, Ujjain. (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ujjain in May, 1984.

Ujjain in May, 1984. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: transfer with the object of :-

W/o Shri Umraosingh Bhandari, Shri Vivek Bhandar S/o Shri Umraosingh Bhandari, 71, Dasserah Maidan, Uijain. (Transferee)

(1) Shri Yogendra Narayan Mathur

Indore

(2) Smt. Manak Jain

Sho Shri Harinarayan Mathur, Thro' H. N. Mathur, S/o Shri L. N. Mathur, 27, Saket Nagar,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as ven

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 ; (11 of 1972) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

THE SCHEDULE

Plot No. 11 is situated at Subhash Nagar Sahkari Grih Nirman Sanstha Maryadit, Saver Road, Ujjain.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range New Central India Flour Mills Bhopal

Date: 4-1-1985

[PART III-SEC. I

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 4th January 1985

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/5553.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House bearing old No. 3:1156 & New No. 48 situated at

Wajirpura, Kamari Marg, Ujjain.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of of 1908) in the office of the Registering Officer at Ujjsin in May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the qproperty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(1) Shri Fakhruddin S/o Shri Qurban Hussain, Wazirpura, Kamari Marg, Ujjain.

(Transferor)

(2) Shri Maisali S/o Shri Fakhruddin, Kamari Marg, Ujjain.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House bearing Old No. 3:1156 & New No. 48 is situated at Wazirpura, Kamari Marg Path No. 1, Ujjain. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range New Central India Flour Mills Bhopal

Date: 4-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 4th January 1985

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/5554.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000 and bearing No.

House bearing Mun. No. 2:1920 & 2:1921 (Old No.) New No.

98-99 situated at Choubiskhamba, Ujjain. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ujjain in May, 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-uax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--134-446GI/84

(1) Shri Rajmal S/o Shri Nathuramji, Goutampura, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Mohammed Hussain S/o Shri Abdullah Bhai. Gole Mandi Bakhel, Uijain.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are Jefined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given a that Chapter

THE SCHEDULE

House bearing Municipal No. 2: 1920 & 2: 1921 (Old Nos.) New No. 98-99 is situated at Choubeeskhambha, Ujjain. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range New Central India Flour Mills Bhopal

Date: 4-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 4th January 1985, Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/5555.Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Plot No.—520 & House built thereon situated at Jaibajrang Nagar, Indore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on May, 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the surposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Shri Girvarsingh
 S/o Shri Bilasingh
 H. No. 21, Pardeshipura
 Gali No. 4,
 Indore

(Transferor)

 Shri Madanlal S/o Shri Mojilalji Laad, Dy. Registrar, Co-operative Societies, Uijain.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this metion in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 520 & the house thereon is situated at Jaibajrang Nagar. Indore.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-bax
Acquisition Range
New Central India Flour Mills
Bhopal

Date : 4-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 24th December 1984

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/5556.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

V. K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe hat the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land Kh. No. 345/1 situated at Raipura, Raipur. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Raipur in May, 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee 13r the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); 1922

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons. namely :-

(1) Shri Prabhuram S/o Shri Bahadur Sahu. R/o Raipura, Raipur.

(Transferor)

(2) Agroha Grih Nirman Sahkari Samiti Maryadit, Jawahar Nagar, Raipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land bearing Kh. No. 345/1 is situated at Raipura, Raipur. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range New Central India Flour Mills Bhopal

Date: 24-12-1984

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 5th January 1985

Ref. No. 1AC/Acqn/Bpl/5557.—Whereas, I. V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Civil Lines. Raipur.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Raipur in May, 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilizating the concealment of any income of any moneys or other essets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said O Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Shri Narayanrao
 S/o Shri Ramchandra Rao Kamle,
 R/o Kailashpuri,

Teh. Raipur.

(Transferor)

Shri Girdharlal Chabadia
 Sho Shri Doulandass Chhabadia
 Buttapara
 Teh. Raipur

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 4.5 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House (Single storeyed) is situated at Ward No. 21, Civil Lines, Raipur. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
New Central India Flour Mills
Bhopal

Date: 5-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shrı Tarsemsingh S/o Shri Bhag Singh, C/o Raipur Steel & Re-rolling Mills,

(1) Shri Rehmalabai

Raipur.

Wd/o Late Nanku, R/o Hirapur,

(Transferor)

Hirapur, Raipur.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 5th January 1985

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/5558.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land Kh. No. 693/1 situated at Mauza Hirapur, Raipur.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Raipur in May, 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of --

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under that said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 693/1 is situated at Vill. Hirapur, Raipur. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. K. BARANWAL Competent Authorit Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Near Central India Flour Mills Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 5-1-1985

FORM NO. I.T.N.S.-

MOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 5th January 1985

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/5559.—Whereas, 1, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Land Kh. No. 186/2 situated at Mauza Chirhuldih, Rai-

pur.
(and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Raipur in May, 1984.

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideraton therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or exasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in . respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) 1. Shri Mehtaru S/o Shri Ganesh, Smt. Badrabai Wd/o Shri Ganesh, R/o Bandhwapara, Purani Basti, Raipur.

(Transferor)

(2) Shri Gyan Shanker Agrawal S/o Shri Girija Shanker Agarwal, R/o Choubey colony, Raipur.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the aid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot bearing Kh. No. 186/2 is situated at Mauza Chirhuldih, Raipur. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the trans-

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Near Central India Flour Mills Bhopal

Date: 5-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 5th January 1985

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/5560.—Whereas, I, V. K. BARANWAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land Kh. No. 165/3 situated at Chirhuldih, Rai-

pur.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Raipur in May, 1984.

PART IH SEC. 11

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration snd that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or S/o Shri Ganesh,
2. Smt. Badrabai
Wd/o Shri Ganesh,
R/o Bandhwapara,
Raipur.

(2) Shri Balkrishna Tiwari

(1) 1. Shri Mehtaru

(Transferor)

Shri Balkrishna Tiwari
 Sho Shri Shivand Prasad Tiwari etc.,
 R/o Purani Basti,

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immossable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(b) sacilitating the concealment of any income or any moneys or other easets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act; 1957 (27 of 1957);

' Plot bearing Kh. No. 165/3 is situated at Vill. Chirhuldih, Raipur. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Near Central India Flour Mills
Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subtion (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 5-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 5th January 1985

Ref. No. IAC/Acqn/Bul/5561.—Whereas, I. V. K. BARANWAL.

being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-mand bearing

Land Kh. No. 186/2 situated at Mauza Chirhuldih, Rai-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipur in May, 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) 1. Shri Mehtaru S/o Shri Ganesh, 2. Smt. Badrabai Wd/o Shri Ganesh, R/o Bandhwapara, Purani Basti, Raipur.

(Transferee)

(1) 1. Smt Shanti Bai No Shri Atmaram Kashyap,
2. Smt. Vimladevi Pande
W/o Shri Rajmurthy Pande,
3. Smt. Budheshwari Sahu
W/o Shri Raghunandan Prasad, Hatripara, Raipur.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot bearing Kh. No. 186/2 is situated at Mauza Chirhuldih, Raipur. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Near Central India Flotir Mills Bhopal

Date: 5-1-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 5th January 1985

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/5562.—Whereas I, V. K. BARANWAL,

v. K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. Shop No. R-5, R.D.A., Raipur situated at Janta Cloth Market, Pandritarai, Raipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Raipur in May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
135—446GI/84

(1) Chouradia & Co., Prop. Shri Hirachand Dhanraj Chouradia, R/o Budhapara, Raipur.

(Transferor)

(2) Shr₁ Tulsichand S/o Mulchand Jain, R/o Shop No. A-5, Janta Cloth Market, Panditarai, Raipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. R-5, Janata Cloth Market is situated at Pandrita-rai Raipur Development Authority, Raipur. This is the im-movable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Near Central India Flour Mills, Bhopal

Date: 5-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 5th January 1985

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/5563.—Whereas I, V. K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

No. Land Kh. No. 195 situated at Bhanpuri, Raipur, (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipur in May 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liabilitity of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) 1. Shri Dageshwar Prasad S/o Kezao

Thro' Guardian mother Sukhiya Bai,
2. Smt. Sukhiya Bai Wd/o Kezao
3. Rajva S/o Shobharam Sahu R/o Vill, Bhanpuri,
Teh. & Dist. Raipur.

(Transferor)

(2) Ashirwad Timber Co. Fafadih, Raipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Kh. No. 195 is situated at Vill. Bhanpuri, Raipur. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range Income Tax Building Near Central India Flour Mills, Bhopal

Date: 5-1-1985

(1) Shri Anjori S /o Sukhru Dewangan Pusau S/o Sukhru Dewangan R/o Birgaon, Teh. Raipur.

(Transferor)

(2) Smt. Champa Ben W/o Nagji Patel C/o Ganesh Saw Mills, New Timber Market, Fafadih, Raipur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX AGT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 5th January 1985

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/5564.—Whereas I, K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/No. Land Kh. No. 53/2 situated at Mauza Kham'arai, Rairur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Raipur in May 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Kh. No. 53/2 is situated at Mouza Khamta-1a, Raipur. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferce.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income Tax Building Near Central India Flour Mills, Bhonal

Date: 5-1-1985 Seal:

(1) Shri Satpal Dhand S/o Gaurishanker, R/o Civil Lines, Raipur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Maoji S/o Premjibhai Parmar Near Marwad Saw Mills, Fafadih, Raipur. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 5th January 1985

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/5565.—Whereas I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing

No. Land bearing Kh. No. 8. 9, 10/2, 26/2, 27/3 situated at Dhand Compound, Fafadih, Raipur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Hegistering Officer at

Raipur in May 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen persent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(a) by any of the aforesaid persons with in a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within forty five days from the date of publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—Ine terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot Kh. No. 8, 9, 10/2, 26/2, 27/3 situated at Dhand Compound, Fafadih, Raipur. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Flour Mills, Bhopal

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 5-1-1985

eal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Khutubuddin S/o Ibrahim Bhai self / Thro' Genl. power of attorney Smt. Safiya Bai Wd/o Ibrahim Bhai, Sadar Bazar, Bilospur & Smt. Sakina Bai W/o Hasim Bhai, Madathal, Jabalpur.

(Transferor)

(2) Shri Ashok Kumar S/o Jagmohanrai Agrawal R/o Vidya Up-nagar, Bilaspur.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 5th January 1985

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/5566.—Whereas I, V. K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Plat ((Nazul) bearing No. 6|1, 6|2, 6/4, & 4
Nazul sheet No. 35 situated at Shanichari Padav, Bilaspur
(and more fully described in the schedule annexed here:0).
has been transferred under the Registration Act 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Bilaspur in May 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Plot bearing Nazul sheet No. 35 (Plot Nos. 6/1, 6/2, 6/4 & 4) situated at Shanicharipadav, Bilaspur. This is the immevable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

THE SCHEDULE

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax'Building
Near Central India Flour Mills, Bhopal

Date: 5-1-1985 Seal ·

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Sukhramdas S/o Sunderdas Sindhi, Chhatri, Sarkanda, Bilaspur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Baldauprasad S/o Ishwardutta Gupta of Gudı, Teh. & Dist. Bilaspur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE BHOPAL MP

Bhopal the 5th January 1985

Ref No IAC/Acqn/Bpl/5567—Whereas I, V K BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing No

One bldg with bldg materials in Kilawaid situated at Juna Bilaspur, Teh & Dist Bilaspur,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office

of th Registering Officer at Blaspui in May 1984

for an apparent consideration which is less than the fuir market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than ufteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of '-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested m the immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation —The terms and expressions used h are defined in Chapter XXA of the shall have the same meaning as that Chapter

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or

One house with building miterials in Kiliward is situated at Juna Bilaspur (Main Road) Bilaspur. This is the immovable property which has been described in form No. 37 G duly verified by the transferee

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

V K BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tix Acqu's tion Range Income Tax Building Near Central India Flour Mills Bheral

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely

Date 5-1-1985 Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (1) Shri Sukhramdas S/o Sunderdas Sindhi, R/o Sarkanda, Bilaspur.

(Transferor)

(2) Shri Laxmi Prasad S/o Sant Ram Gupta, Ashok Kumar S/o Sant Ram Gupta, R/o Lakhram Teh. Bilaspur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 5th January 1985

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/5568.—Whereas I, V. K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Inconve-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Triple storyed building named 'Atithi' lodge situated at Main Road, Kila Ward, Bilaspur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bilaspur in May 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer und/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (31 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said inamovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Triple storeyed building named 'Atithi Lodge' is situated at Kila Ward, Main Road, Bilaspur,

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Flour Mills, Bhopal

Date: 5-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 5th January 1985

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/5596.—Whereas I, V. K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. 26/179 (Old) & New No. 26/718 situated at in front of Koop Bag, Lashkar, Gwalior,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gwalior in May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Banwarilal Gupta S/o Shri Harvandwanji Gupta R/o in front of Phul Bag, Lashkar, Gwallof

(Transferor (2) 1. Smt. Ranjana Garg W/o Shri Rajendra Ishwar das Garg.

Smt. Kalyan Bajaj W/o Shri Shivkumar. Smt. Tarun Gupta W/o Shri Niraj Gupta R/o Bombay.

Ku. Savita Agrawal D/o Banwarilal
 Ku. Viretha Gupta D/o Banwarilal Gupta, In front of Phul Bag, Lashkar, Gwalior.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House bearing old No. 26/179 & New No. 26/718 is situated in front of Phul Bag, Lashkar, Gwalior.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Income Tax Building Near Central India Flour Mills, Bhopal

Date: 5-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 7th Januaray 1985

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/5570,--Whereas I, V. K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovas the said set; having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
Land Kh. No. 496/3, 498/1 situated at Bairagarh Kala, Teh. Huzur, Dist. Bhopal,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at Bhopal in May 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by the more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-136-446GI/84

(1) Smt. Vimla Khatri W/o Chunnilal Khatri, Smt. Maya Chotrani W/o Prakash Khatri Thro' Gen. Power of attorney Chunnilal Khatri, S/o Saran Rajmal R/o Idgah Hills, Bhopal.

(2) Commercial Engineers & Body builders (P) Ltd., Thro. Director Shii K. Gupta S/o Shri J. N. Gupta, R/o Mahavir Nagar, Bhopal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 496/3, 498/1 situated at Bairagarh, Teh. Huzur, Dist. Bhopal. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V.K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income Tax Building Near Central India Flour Mills Bhopal

Date: 7-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. GOMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 7th Januaray 1985

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/5571.—Whereas I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Land Kh. No. 416/2, 498/2 situated at Beragarh

Kala, Teh. Huzur, Bhopal, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Bhopal in May 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) factificating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namele:-

 Smt. Madhu Khatri W/o Assandas Thro' Gen. Power of attorney Sh. Chunnilal S/o Lekh Raj, and Smt. Bhavna Khatri Mith Khatri, R/o 50, Idgah Hills, Bhopal.

(Transferor)

(2) Commerciol Engineers & Body Builders (P) Ltd., Thro' Sh. K. Gupta S/o J. N. Gupta, R/o Mahavir Nagar, Arera Colony, Bhopal. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of . 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 416/2, 498/2 is situated at Bairagarh Kala, Teh. Huzur, Bhopal.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income Tax Building Near Central India Flour Mills Bhopal

Date: 7-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 7th Januaray 1985

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/5572.—Whereas I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

No. Land Kh. No. 96/91 situated at Chuna Bhati.

Teh. Huzur D,tis. Bhopal, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer

at Bhopal in May, 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 260D of the said Act to the following section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— (1) Shri Mittulal S/o Ranjit Singh Thro' Gen, power of attorney Sh. Mangalsingh S/o Pratapsingh, R/o Vill. Chuna Bhatti, Bhopal.

(2) Parika Sahkari Grih Nirman Sahkari Sanstha, Maryadit, Offffi : E-3/286, Arera colony, Bhopal. (Transferoe)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property; within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The trems and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Kh. No. 96/91 is situated at Vill. Chuna Bhatti, Teh, Huzur, Bhopal. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. K. BARANWAL Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income Tax Building Near Central India Flour Mills Bhopal

Date: 7-1-1985

Seel:

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 7th Januaray 1985

.Ref. No. IAC AcquiBpl/5573.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Rs. 25,000/- and bearing
Double storeyed Building situated at Ward No. 18,
Vir Hakikat Rai Marg, Vidisha,
(and more fully described in the schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer
Vidisha in May 1984,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to

believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than infteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Aci, m respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Madhukar Mandpe S/o Shri Vasudeo Mandpe R/o Vir Hakikat Rai Marg, Vidisha,

(Transferor)

(2) Amritlal Savla S/o Shri Lakhmasi Savla, R/o Vidisha.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Double storeyed Building is situated at Ward No. 18, Vir Hakikat Rai Marg, Vidisha. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by. the transferee,

> V. K. BARANWAL Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range Income Tax Building Near Central India Flour Mills Bhobal

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°L or the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 7-1-1985

(Transferee)

FORM ITNS-

(1) Shri Radhacharan S/o Chhotelal Vill. Gurikha, Teh. Gohed, Dist. Bhind. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 7th Januaray 1985

Ref. No. IAC Acqn Bpl/5574.—Whereas, I, V. K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing
Land bearing No. 297 situated at Vill. Malanpur, Parrana Gobed

Pargana, Gohed, (and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gohed in May 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely --

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(2) M/s. A.V.N. Tubes Ltd. Reg. Off: Panchanan, Malviya Nagar, M.P. Bhopal Thro' Director Sh. Rakesh Soni, S/o Janakraj Soni.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective nersons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing S. No. 297 is situated at Vill. Malanpur, Teh-Gohed, Dist. Raipur. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax - Acquisition Range Income Tax Building Near Central India Flour Mills Bhopal

Date: 7-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 7th Januaray 1985

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl/5575 -- Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and and

bearing Land bearing No 295 situated at Vill. Malanpur Pargana, Gohed,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Gohed in May 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, thereore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) Shri Amersingh S/o Pathuwa, R/o Hariramkapura, Vill. Malanpur Pargana, Gohed, Dist. Bhind. (Transferor)
- (2) M/s. A.V.N. Tubes Ltd. Reg. Off: Panchanan, Malviya Nagar, Bhopal Thro' Director, Sh. Rakesh Soni, S/o Janakraj Soni.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land S. No 295 is at Malanpur Pargana, Gohed, Dist. Bhind. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income Tax Building Near Central India Flour Mills Bhopal

Date: 7-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 7th Januaray 1985

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/5576.—Whereas, I,

V. K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Land S. No. 295 sitoated at Vill. Malaopur Pargana, Gohed.

Gohed.
(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer, at Gohed in May 1984
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more said exceeds the apparent consideration and that said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— (1) Smt. Mahko W/o Pathuwa, Hariramkapur, Majra, Vill. Malanpur, Teh. Gohed, Dist. Bhind, (Transferor)

(2) M/s. A.V.N. Tubes Ltd. Reg. Off. Panchanan, Malviya Nagar, Bhopal (MP) Thro' Director, Sh. Rakesh Soni S/o Janakraj Soni. (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land S. No. 295 is situated at Vill. Malanpur, Teh. Gohed, Dist. Bhind. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income Tax Building Near Central India Flour Mills Bhopal

Date: 7-1-1985

NOTICE UNDER SECTION **269D(1) OF THE INCOME**TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, M.P., the 7th January 1985

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/5577.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land situated at Malanpur, Teh. Gohed, Dist. Bhind (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act of 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Gohed on May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

(1) Shri Diviya S/o Sita Jadhav, Haiiramkapura Manchara, Malanpur Pargana, Teh. Gohed, Dist Bhind.

(Transferor)

(2) A. V. N. Fubes Itd. Reg. Off.: Panchanan Malviya Nagar, Bhopal, Thio' Director, Sh. Rakesh Soni, S70 Shri Janakraj Soni.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land is situated at Malanpur Village, Teh. Gohed, Dist. Bhind. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL
Competent Authori
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Income Tax Building,
Near Central India Flour Mills
Bhopal

Date : 7-1-1985 Seal .

(1) Shri Diviya S/o Sita Jadhav. Hariramkapura Manjara, Malanour.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) A. V. N. Tubes Ltd. Reg. Off. : Panchanana Malviya Nagar, Bhopal. Thro' Director, Sh. Rakesh Soni, S/o Shri Janakraj Soni.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, M.P., the 7th January 1985

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/5578.—Whereas, I,

V. K. BARANWAL, V. K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land situated at Vill. Malanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Gohed on May. 1984

1908) in the office of the registering officer at Gohed on May, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument the parties has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—Ine terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by trasferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land is situated at Malanpur Village, Teh Gohed, Dist. Bhind. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Income Tax Building, Near Central India Flour Mills, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 369C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

137-446GI/84

Date: 7-1-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, M.P., the 7th January 1985

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/5579.—Whereas, I,

V. K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. Land situated at Vill. Malanpur, Teh. Gohed, Dist. Bhind
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office Gohed in May, 1984 of the Registering Officer

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ramkishan Sharma S/o Shri Rajaramji Sharma, R/o Vill. Malanpur, Teh. Gohed, Dist. Bhind.

(Transferee)

(2) Gwalior Strips Ltd., Reg. Office: L-16, Gandhi Nagar Colony, Gwalior, Through Commercial Manager, Shri Subhash Narulla.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that. Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land is situated at Malanpur Village, Teh. Gohed, Dist. Bhind. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range
> Income Tax Building,
> Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date: 7-1-1985

FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, M.P., the 7th January 1985

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/5580.-Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land situated at Vill. Malanpur, Teh. Gohed (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act of 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Gohed on May, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, il hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Roopsingh, S/o Bhuresingh Batai, Vill. Malanpur, Teh. Gohed,

Dist. Bhind.

(Transferor)

Gwalior Strips Ltd. Reg. Office: L-16, Gandhi Nagar Colony, Gwalior,

Through Commercial Manager,

Shri Subhash Narulla.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressons used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land is situated at Malanpur Village, Teh. Gohed, Dist. Bhind. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. K. BARANWAL Competent Authorit Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Income Tax Building, Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date: 7-1-1985

 Shri Ramkishan Sharma S/o Shri Rajaram, R/o Vill. Malapur, Teh. Gohed, Dist. Bhind.

(Transferc:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Gwalior Strips Ltd.,
Reg. Office: L-16, Gandhi Nagar Colony,
Gwalior,
Through Commercial Manager,
Shri Subhash Narulla.

(Transfered

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, M.P., the 7th January 1985

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/5581.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Agricultural land situated at Vill. Malanpur, Teh. Gohed,

Dist. Bhind

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Gohed in May, 1984—
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasio nof the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

THE SCHEDULE

Agricultural land is situated at Malanpur Village, Teh. Gohed, Dist. Bhind. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Income Tax Building,
Near Central India Floor Mills,
Bhopal

Date: 7-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL. M.P.

Bhopal, M.P., the 7th January 1985

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/5582.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. Agricultural land situated at Vill. Malanpur Pargana, Gohed

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Gohed in May, 1984

for an apparent consideration which is less than the far market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afcersaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor and/or
- (b) facelitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which eight to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforestid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ramkishan Sharma S/o Shri Rajaramji Sharma, R/o Vill. Malanpur, Pargana. Teh. Gohed, Dist. Bhind.

(Transferor)

(2) Gwalior Strips Ltd.,
Reg. Office: L-16, Gandhi Nagar Colony,
Gwalior,
Through Commercial Manager,
Shri Subhash Narulla.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person in erested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land is situated at Vill. Malanpur Pargana, Teh. Gohed, Dist. Bhind. This is the immovable property which has been described in form' No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Income Tax Building,
Near Central India Floor Mills,
Bhopal

Date: 7-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, M.P., the 7th January 1985

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/5583.—Whereas, I, V, K, BARANWAL,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No.

No. Agricultural land situated at Vill. Malanpur Pargana, Gohed

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gohed on May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent

consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-aforesaid property by the issue of this notice under subing, persons, namely:—

(1) Rupsingh, S/o Bhuresingh, Vill. Malanpur, Teh. Gohed, Dist. Bhind,

(Transferor)

(2) Gwalior Strips Ltd.,
Reg. Office: L-16, Gandhi Nagar Colony,
Gwalior,
Through Commercial Manager,
Shri Subhash Narulla.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable, property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and exgressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Acc. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land is situated at Malanpur Pargana Viu., Ten. Gohed, Dist. Bhind This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range.
Income Tax Building,
Near Central India Floor Mills,
Bhopal

Date: 7-1-1985

Shri Rajaram
 S/o Baddaji Jirati,
 Vill. Pigdamber, Teh. Mhow.

(Transferor)

(2) Smt. 'Kusumlata Mittal W/o Rameshchandra Mittal R/o Mhow.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1964)

·GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, M.P., the 7th January 1985

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/5584.—Whereas, I,

V. K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereintafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Rs. 25,000/- and situated at Vill Pigdamber. Teh

No. Agricultural land situated at Vill. Pigdamber, Teh.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Mhow in May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-vection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovemable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used nerein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land is situated at Pigdamber Village, Teh. Mhow. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Income Tax Building, Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date: 7-1-1985

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 7ht January 1985

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/5585.-Whereas, I,

V. K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the recome Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land situated at Vill. Pigdamber. Teh. Mhow

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Mhow on May 1984

for an apparent consideration and which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the sonsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the sale Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to be the following persons, namely:---

- (1) 1. Shri Shri Rajaram
 - 2. Shri Hamir Singh
 - 3. Shri Babusingh, S/o Jagannath,
 - 4. Smt. Brijbai,

 - 5. Smt. Ayodhya Bai 6. Smt. Rupabai, R/o Mhow.

(Transferor)

(2)Smt. Kusumlata Mittal 2. Smt. Vijaylata Mittal, R/o Mhow.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said imprevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chester.

THE SCHEDULE

Agricultural land is situated at Pigdamber Village, Mhow. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Income Tax Building, Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date: 7-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 7th January 1985

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/5586.—Whereas, I,

V. K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House bearing Municipal No. 40-B situated at Radha-

nagar Colony, Indore

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Indore on May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of.—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax. Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— i 138-446GI/84

(1) 1. Shri Rich Ram S/o Parsumalji 2. Shri Bhajanlal S/o Rich Ram 3. Shri Harpaldas S/o Sh. Richramji, R/o 27-B, Radhanagar, Indore.

(Transferor)

(2) Smt. Vidhutlata W/o Shri Dhanpalji Jain, R/o 1/1, Chipabakhal, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House bearing Municipal No. 40-B is situated at Radha Nagar Colony, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Income Tax Building, Near Central India Flour M'lls, Bhopal

Date: 7-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 7th January 1985

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/5587.—Whereas, I, V. K. BARANWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.
Plot No. 247 & single storeyed built situated at

Civil Lines, Raipur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registration Officer at

Raipur on May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

(1) Shri Narayanrao S/o Ramchand Rao Kamle R/o Kailashpuri, Teh. & Dist. Raipur.

(Transferor)

(2) Shri Bharat Kumar Chhabadiya (Minor) Father & Guardian Girdharilal Chhabadiya, S/o Tolandas Chhabadiya, Butapara, Raipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 247 and single storeyed building thereon is situated at Civil Lines, Raipur.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Income Tax Building, Near Central India Flour Mills. Bhopal

Date: 7-1-1985 Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, M.P., the 10th January 1985

Ref. No. IAC/Acqn/Blp/5588.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Plot No. 2-A, situated at Idgah Hills, Bhopal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908 in the office of the Registering officer at Bhopal on May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly state in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) faciliatting the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Jawaharlal S/o Sobh Raj, R/o Idan Hills Bhopal

(Transferor)

(2) Shri Harish Chawla S/o V. R. Chawla, R/o 61, Idgah Hills, Bhopal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any other person interested in the said immov-45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 2-A is situated at Idgah Hills, Bhopal. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range,
Income Tax Building
Near Central India Flour Mills,
Bhonel

Date: 10-1-1985

Scal:

FORM I.T.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) Smt. Dharmı Bai W/o Govindramji, R/o Idgah Hills, Bhopal.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, M.P., the 10th January 1985

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/5589.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot No. 3-A situated at Idgah Hills, Bhopal (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Bhopal in May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ask, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been on which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(2) Shri Rakesh Chawla S/o V. R. Chawla, R/o 61, Idgah Hills, Bhopal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 3-A is situated at Idgah Hills, Bhopal. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Income Tax Building
Near Central India Flour Mills,
Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-1-1985

FORM LT.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, M.P., the 10th January 1985

Ref. No. 4AC/Acqn/Bpl/5590.-Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Plot and Shop on ground floor double storeyed building

Plot and Shop on ground floor double storeyed building (Plot No. 29) situated at Roshanpura, Bhopal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bhopal in May, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than exceeds the apparent consideration therefor by more than aftern per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liable of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

(1) Shri Kanhiyalal Khadiwala S/o Shri Jagannath Khadiwala, R/o 117, Jail Road, Indore (MP) Presently at Bhopal self & Thro' Genl. power of attorney: 1. Prahlad S/o Shri Kanhiyalal, R/o Malviya Nagar, Bhopal.

Suresh S/o Kanhaiyalal Khadiwala, R/o 117, Jail Road, Indore.

3. Croving 5/0 Kanhaiyalal Khadiwala, R/o 117, Jail Road, Indore.

4. Kamal S/o Kanhaiyalal Khadiwala, R/o 117, Jail Road, Indore.

5. Smt. Savitii W/o Sureshchand D/o Kanhaiyalal Khadiwala, Pannadhya Marg, Udaipur.

6. Smt. Indu

W/o Rameshchand Dubey, D/o Kanhaiyalal Khadiwala, R/o Chandrawatigan, Teh. Saver, Dist. Indore.

7. Smt. Usha

W/o Sh. Rameshji Shrothriya, D/o Kanhaiyalal Khadiwala, R/o Birla Cement Factory Officers Colony,

Chhindwara

8. Smt. Sunita W/o Gulabji Pawar D/o Kanhaiyalal Khadiwala, R/o Bhawanipur Colony, Indore.

(Transferor)

(2) Smt. Mewa Bai W/o Sh. K. C. Gupta, R/o 28, Bhadbhada Road, Bhopal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from 'he date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. '29' & Shop on ground floor of double storeyed bldg, is situated at oRshanpura, hBopal. This is the immovable property which has been describePd in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Income Tax Building Near Central India Flour Mills, Bhopal

Date: 10-1-1985

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, M.P., the 5th January 1985

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/5591.—Whereas, I, V. K. BARANWAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 66, D-Sector, Kohe Fiza, Bhopal situated at Kohe Fiza, Bhopal.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bhopal in May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evapor of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

 Smt. Draupadi Devi W/o Shri Hariarayanji, R/o Mata Mandir (Near), Bhopal...

(Transferor)

(2) Shri Lalit Kumar Jadhwani, S/o Shri Vishandasji, R/o Block No. 2, M.I.G. 33, Jawahar Chowk, Bhopal...

(Transferee)

Ojections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 66, D-Sector is situated at Kohe Fiza, Bhopal. This is the immovable property which has been described in form No. 37-C duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Income Tax Building
Near Central India Flour Mills,
Bhopal

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 5-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 5th January 1985

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/5592.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding No. Plot No. 47 situated at Govind Garden, Raisen Road,

Bhopal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Bhopal on May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property is aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by nore than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Sumeshwar Nath Kaul S/o Shri Gopinath Kaul, Thro' Genl. Power of attorney Shri Sardar Jaswantsingh, S/o Shri Makhan Singh, R/o Govind Garden, Bhopal.

(Transferor)

(2) Shri Sardar Indrajit Singh, S/o Shri Gulab Singh, R/o M.I.G. II, Indrapuri, Bhopal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 47 is situated at Govind Garden, Raisen Road, Bhopal. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. K. BARANWAL Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Income Tax Building Near Central India Flour Mills, Bhopal

Date: 5-1-1985 Seal:

FORM ITNS

And the state of t

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA >

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 5th January 1985

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/5593.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceding Rs. 25,000/-

No. Plot No. 56, A-Sector situated at Jamalpura

Nagar, Bhopal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Bhopal on May 1984
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the marties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957): (1) Shri Moolchand Yadav S/o Sh. Damrulal Yadav, R/o 68, Rajendra Nagar Colony, Bhopal.

(Transferor)

(2) Smt. Meena Devi W/o Shri Thirathdas R/o Shahjahanbad, Goleghar, Bhopal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 56 is situated at A-Sector, Jamalpura, Nagar, Bhopal. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the trans-

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Income Tax Building Near Central India Flour Mills. Bhopal

Date: 5-1-1985

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely2;—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 10th January 1985

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/5594 —Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot situated at Katra Bazar, Sagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sagar on May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-139-446 GI/84

(1) S/Shri Rameshkumar

2. Tulsiram

3. Dineshkumar, S/o Shyamsunder

Rajesh (Minor)
 S/o Shyamsunder

Guardian Smt. Gangabai 5. Smt. Gulab Bai, W/o Narendra Saini, Ku. Premlata D/o Shyamsunder Saini, Gopalganj, Sagar.

(Transferor)

(2) Shri Narendra Kumar Satbhaiya S/o Shri Ramdas Satbhaiya, R/o Sagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Plot is situated at Katra Bazar, Sagar. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly veried by the transferee.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Income Tax Building Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date: 10-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL. M.P.

Bhopal, the 10th January 1985

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/5595.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot situated at Katra Bazar, Sagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sagar on May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. S/Shi Rameshkumar
 - 2. Tulsıram
 - 3. Dineshkumar, S/o Shyamsunder
 - 4. Rajesh (Minor) S/o Shyamsunder Guardian Smt. Gangabai 5. Smt. Gulab Bai
 - Smt. Gulab Bai
 W/o Narendra Saini,
 Ku. Premlata
 D/o Shyamsunder Saini,
 Gopalganj, Sagar.

(Transferor)

(2) Shri Subodhkumar Satbhaiya S/o Shri Ramdas Satbhaiya, Sagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot is situated at Katra Bazar, Sagar. This is the immorable property which has been described in form No. 37-aduly veried by the transferee.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills,
Bhopal

Date: 10-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 10th January 1985

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/5596.—Whereas, I, V. K. BARANWAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,006and bearing

No. House and Plot No 1165/1 situated at Devigani Road,

(and more fully described in the Schedule amexic hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Analysis. on May, 1984

to an apparent considering which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reoson to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such arparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the airoresaid property by the issue of this notice under subection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:

(1) Shri Madan Mohan Bavri S/o Late Shri Achhru Ram Bavri, Dist. & Sessions Judge, Neemuch, Presently: Deviganj Road, Ambikapur, Sarguja.

(2) Shri Surendra Singh S/o Shri S. Amriksingh, R/o Mahamaya Road, Ambikapur.

(Transferor),

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House and Plot No. 1165/1 is situated at Deviganj Road, Ambikapur. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Income Tax Building Near Central India Flour Mills, Bhopal

Date: 10-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, M.P., the 10th January 1985

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/5597.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred as the suid Act'), have reason to believe that the immovable narket value exceeding Rs. 25,000|-

ise thereon situated at Deviganj

er the Registration Act 1908, (16 of 16 registering officer at

ration which is less than the fair esaid property, and I have reason to tet value of the property as aforesaid asideration therefor by more than apparent consideration and that the

consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any sacreys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) Shri Madan Mohan Bavri S/o Late Shri Achhru Ram Bavri, Dist, & Sessions Judge, Neemuch, Presently: Deviganj Marg, Teh. Ambikapur, Sarguja.

(Transferor)

(2) Smt. Surendra Kaur W/o Shri Indrajitsingh, Deviganj Marg, Teh. Ambikapur, Dist. Sarguja.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 1165/1 and House theron is situated at Deviganj Marg Ambikapur. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills,
Bhopal

Date: 10-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, M.P., the 10th January 1985

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/5598.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing Land and Part of rice Mill Bldg. situated at Mauza Amoli,

Land and Part of rice Mill Bldg, situated at Mauza Amoli, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Resultation Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the

Warasa
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for cuh transfer a agreed to between the parties
has not been truly stated in the said instrument of transfer
with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

140---446GI/84

(1) 1. Shri Gopal S/o Devkaran Paliwal Sharma

 Ravishanker S/o Gopal Paliwal Sharma,
 R/o Lalbora, Teh. Waraseoni,
 Dist. Balaghat.

(Transferor)

Shri Basant Kumar
 Madhusudan
 Ganga Bisan
 Sureshkumar (Minor)
 Guardian Ganga Bishan
 Guardian Mother Smt. Jamunadevi
 W/o Ganga Bishan Paliwal Sharma
 R/o Pondi, Teh. Waraseoni,
 Dist. Balaghat.

(Transferee)

Objections, if any, tenthe acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other persons interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE 'SCHEDULE

Land & Part of Rice Mill Bldg. (P.H. No. 69) situated at Mauza Amolf, Lalbara. Teh Wara Seoni, Dist. Balagnat. This is the immovable property which has been described in form No 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills,
Bhopal

Date: 10-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1 AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Ref .No. IAC/Acqn/Bpl/5599.—Whereas, I, V. K. BARANWAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land and Part of BldOg. (Ganesh Rice Mill) Kh. No 12/3, 12/4, & 12/6 situated at Mauza Amoli, P.H. No. 69, Waraseoni, Balaghat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Waraseoni in May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer.
- the facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesa a property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) 1. Shri Gopal S/o Devkaran Paliwal Sharma

Ravishanker
 S/o Gopal Paliwal Sharma,
 R/o Lalbora, Teh. Waraseoni,
 Dist. Balaghat.

(Transferor)

[PART III-SEC. 1

(2) 1. Shri Basant Kumar

2. Madhusudan S/o Ganga Bisan

Sureshkumar (Minor)
 S/o Ganga Bishan Paliwal Sharma,
 Guardian Mother Smt. Jamunadevi
 W/o Ganga Bisan Paliwal Sharma
 R/o Pondi, Teh. Waraseoni,
 Dist. Balaghat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period 62
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 which period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Part of Bldg. situated at Mauza Amoli, Lalbara, Teh. Wareseoni, Dist. Balaghat.

This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Income Tax Building
Near Central India Floor Mils,
Bhopal

Date: 10-1-1985

FORM ITMS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, M.P., the 10th January 1985

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/5600.—Whereas, I, V.K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing

No. Half part of Double storeyed Bldg. situated at Raghu-

nathganj, Mudwara, Katni (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Katni on May 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor,
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of "the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) 1. Shri Shivkumar
 - 2. Arvind Kumar 3. Shri Rameshwar Prasad S/o Late Nathuram Choudaha Bani R/o Mudwara, Raghunathganj, Teh: Mudwara, Dist. Jabalpur.

(Transferor)

(2) Smt. Sushma Suhane W/o Krishnakumar Suhane Bani R/o Mudwara, Azad Chowk, Teh. Muddwara, Dist. Jabalpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovabic property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein a are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half part of double storeyed bldg. is situated at Raghunathgani, Katni. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Income Tax Building, Near Central India Flour Mills, Bhopal

Date: 10-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, M.P., the 10th January 1985

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/5601.—Whereas, I, V. K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Half part of Double storeyed Bldg. situated at Raghunathganj, Mudwara, Katni (and more fully, described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the office of the IAC Acq. Katni on May 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the afore-aid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more 'han Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/5601.--Whereas, I,

exceeds the apparent consideration therefor by more 'han fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) 1. Shri Shivkumar

2. Arvind Kumar

3. Shri Rameshwar Prasad S/o Late Nathuram Choudaha Bani R/o Mudwara, Paghunathganj, Teh. Mudwara, Dist. Jabalpur.

(Transferor)

(2) Smt. Kumkum Suhane W/o Balgovind Suhane, R/o Mudwara, Dist, Jabalpur,

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half part of double storeyed bldg. is situated at Raghunathganj, Katni. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Income Tax Building, Near Çentral India Flour Mills, Bhopal

Date: 10-1-1985

FORM ITMS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

PART [II--SEC. 1]

Shri Mahadev Prasad S/o Har Prasad Ghosi, R/o Bhagwanganj Ward, Sagar.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
BHOPAL, M.P.

(2) Shri Ramesh Prasad S/o Badri Prasad Soni, R/o Itwari Tori, Sagar.

(Transferee)

Bhopal M.P., the 10th January 1985

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/5602.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House & Plot situated at Sagar Bhagat Singh Ward, Sagar

No. House & Plot situated at Sagar Bhagat Singh Ward, Sagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Sagar in May 1984

Sagar in May 1984
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties has not been truly stated in
stand matrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this actice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable preperty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Plot & House is situated at Bhagatsingh Ward, Teh. & Dist. Sagar. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Income Tax Building,
Near Central India Flour Mills,
Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-1-1985₂

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BHOPAL, M.P.

Bhopal, M.P., the 10th January 1985

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/5603.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House & Plot situated at Bhagat Singh Ward, Sagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Sagar on May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the vaid instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been on which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I pereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Mahadev Prasad S/o Har Prasad Ghosi, R/o Bhagwanganj Ward, Sagar.

(Transferor)

1. Binod Kumar (Minor)
 2. Kaushal Kumar (Minor)
 Thro' Guardian Govind Prasad
 S/o Badri Prasad Soni,
 Sagar Itwari Tori,
 Sagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot & House is situated at Bhagatsingh Ward, Teh. & Dist. Sagar. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-lax,
Acquisition Range,
Income Tax Building,
Near Central India Flour Mills,
Bhopal

Date: 10-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, M.P., the 10th January 1985

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/5604.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immervable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,006/-and bearing

and bearing
No. House & Plot situated at Bhagat Singh Ward, Sagar
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer

Sagar on May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of . spafer with the object of:—'

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said it. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the oresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Mahadev Prasad S/o Har Prasad Ghosi, R/o Bhagwanganj Ward, Sagar.

(Transferor)

Sharad Kumar (Minor)
 Somnath (Minor)
 Thro' Guardian Govind Prasad S/o Badri Prasad Soni,
 R/o Itwari Toli,
 Dist. & Teh. Sagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot & House is situated at Bhagatsingh Ward, Teh. & Dist. Sagar. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Income Tax Building,
Near Central India Flour Mills,
Bhopal

Date: 10-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, M.P., the 5th January 1985

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/5605.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immobavle property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Land Survey No. 4055/2, 4056/, 4057/, 4058/2, 4059 situated at Near Madhav Club, Madhav Nagar, Ujjain (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Ujjain on May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as atoresaid exceeds the apparent consideration therefor by those than lifteen per cent of such apparent consideration and the the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said unstrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri Jeevan Prakash
 - Santoshkumar Sons of Sh. Jadhavraoji,
 - 3. Smt. Kesharbai
 Wd/o Jadhavraoji Vyas,
 R/o Tigjapur,
 Dist. Shajapur,
 Presently at Madhav Nagar,
 Ujjain.

(Transferor)

 Shree Synthetics Ltd., Regd. Office: Naulakhi, Maksi Road, Uijain.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Expl ATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Survey No. 4055/2, 4056, 4057, 4058/2, 4059 situated near Madhav Club, Madhav Nagar, Ujjjain.
This 1. the immovable property which has been described

in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building,
Near Central India Flour Mills
Bhopai

Date: 5-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE ™COME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1981)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, M.P., the 16th January 1985

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/5606.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000- and bearing No.
No. Laud Kh. No. 115/1/2 situated at Vill. Barkheda
Pattani, Dist. Bhopal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer 8hopal on May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair arket value of the aforesaid property and I have reason to lieve that the fair market value of the property as aforeand exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the onsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

(1) Shri Hemraj S/o Shri Gyarsa, R/o Barkheda Pattani, Teh. Huzur, Dist. Bhopal.

(Transferor)

(2) Siddharth Grih Nirman Sahkari Sanstha Maryadit, Bhopal, Thro' President Shri Santosh Kumar Jain S/o Shri Chandrabhan, R/o B-Old Ward No. 4, Bairagarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Kh. No. 115/1/2 is situated at Vill. Barkheda Pattani, Teh. Huzur, Dist. Bhopal. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Income Tax Building, Near Central India Flour Mills

Date: 16-1-1985